DIGITAL EDITION

मायापुरी

#80

WEEKLY ENTERTAINMENT

AN MX ORIGINAL SERIES
एक थी बेगम 2
सच्ची घटनाओ से प्रेरित
निर्देशक
सचिन दरेकर
और विशाल मोढवे
Co-Powered By
RajShree
SILVER COATED ELAICHI
gamezy
देखिए FREE!
MXPLAYER
APP डाउनलोड करो
हिन्दी • मराठी • తెలుగు

Mayapurimagazine
Mayapurimagazine
Mayapuri Cut
Mayapurimag
www.mayapuri.com

VISIT…

LANZAROTE
Caliente.COM

फिल्म एवं टीवी साप्ताहिक
मायापुरी

संस्थापक
स्व. श्री ए.पी. बजाज

प्रधान संपादक
पी. के. बजाज

व्यवस्थापक एवं संपादक
अमन बजाज

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक
पी.के. बजाज
प्रेस का नाम व पता -
अरोड़बंस प्रेस ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली - 110064

प्रकाशक: श्री.एस.एल. प्रकाशन
ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली-110064
दूरभाष- 011-28116120, 28117636
011-45595096

Member I.N.S

प्रकाशित ऑनलाईन लेखों के लेखकों की राय से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं. किन्तु लेखों पर अगर किसी को आपत्ति हो तो वह अपनी प्रतिक्रिया हमें लिखकर भेज दें। मिलने पर सहर्ष लगा दी जाएगी। इस पत्रिका या ऑनलाईन लेखों के संबंध में किसी भी प्रकार के मतभेद एवं विवाद आदि केवल दिल्ली कोर्ट्स में ही निपटाए जा सकते हैं

Email: edit@mayapurigroup.com

यहां हमसे जुड़े

Mayapurimagazine
Mayapurimag
Mayapurimagazine
Mayapuri Cut
www.mayapuri.com

संपादकीय

एक दब्बू नारी बोल्ड से अति बोल्डतर कैसे बनती जाती है,की दास्तान है MX PLAYER की सीरीज ''एक थी बेगम 2''

MX PLAYER के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रक्षेपित होने वाले वेब सीरीज **"एक थी बेगम"** को दर्शकों से भरपूर प्रतिसाद मिला था | अब इसी सीरीज की अगली कड़ी **"एक थी बेगम 2"** दर्शकों के मनोरंजन के लिए और भी तीव्रता भरे नए नए भावोत्तेजक कंटेंट्स के साथ प्रस्तुत है जिसे फ्री ऑफ चार्ज मैक्स प्लेयर पर एकबार फिर देखा जा सकता है ।अनुजा साठे जो प्रथम सीरीज में अशरफ के किरदार में थीं, एकबार फिर वह अपने बदला लेने का सिलसिला आगे बढाती है... |

एक दब्बू नारी, जो सिर्फ घर चलाना जानती है, किसी की पत्नी है | अचानक उसकी जिंदगी उजड़ जाती है, पति मार दिया जाता है | फिर कैसे वह अपने हुस्न और चालाकी के हुनर के बल पर अंडरवर्ड की दुनिया के लोगों की आंख की किरकिरी बनती है और उनको सबक सिखाती है | अशरफ नाम की एक साधारण नारी बार डांसर सपना बनती है, हाथों में बंदूक उठाकर चलाने की ट्रेनिंग लेती है | फिर, उसके पीछे पुलिस, राजनेता और गैंगस्टर्स पड़ते हैं | इस बार कहानी अशरफ के एक नए रूप लीला पासवान की तलाश के साथ आगे बढ़ती है | अब तक डॉन की दुनिया को पुरुष–डोमिनेटेड रूप में दर्शक देखते आये हैं, इस सीरीज में **नारी सब पर भारी** का परिदृश्य देखकर नारी शक्ति का एहसास हर किसी को हो जायेगा | इस कड़ी में वही दब्बू नारी अशरफ दुबई के खूंखार–मक्कार डॉन के डेन को झकझोर कर रख देने के लिए तैयार हो चुकी है |

सचिन दारेकर और विशाल मोघे निर्देशित इस सीरीज के मुख्य कलाकार हैं– अनुजा साठे, शहाव अली, चिन्मय माण्डलेकर, विजय निकम, रेशमी श्रीवर्धनकर, राजेन्द्र शिसातकर, लोकेश गुप्ते,सोर सेनी माइतरा,मीर सरवर, पूर्णा नंद बांदेकर, रोहन गुजर आदि | MX PLAYER के OTT प्लेटफॉर्म पर हमेशा अच्छे सीरीज दर्शकों के सामने आते रहे हैं, वैसा ही यह सीरीज है "एक थी बेगम 2" जो निःशुल्क देखने के लिए उपलब्ध है |

– संपादक

अनुजा साठे

पेज नं. 3

उर्वशी रौतेला

पेज नं. 11

आलिया-रणबीर

पेज नं. 17

बार डांसर्स का रोल निभाना मेरे लिए बहुत बहुत मुश्किल था, मैंने कभी वो दुनिया देखी ही नहीं थी

अनुजा साठे

सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

स्कूल और कॉलेज के दिनों से ही एक्टिंग में रुची रखने वाली **अनुजा साठे** के दिल में कहीं से कहीं तक नहीं था कि, वो आगे चलकर ओटीटी स्क्रीन पर इतनी पसंद की जायेंगी। **परमाणु, ब्लैकमेल, तम्मना**, आदि कई शोज और फिल्म्स कर चुकी अनुजा अब फिर एक बार **एमएक्स प्लेयर** की आगामी वेब सीरीज **'एक थी बेगम 2'** में नायिका का रोल निभाती नजर आने वाली हैं, पेश है उनसे हुई मुख्तसर सी बात के कुछ काबिल–ए–गौर

○ अपने बारे में बताइए, एक्टिंग की तरफ आपका रुझान कैसे आया? आप की अबतक की जर्नी कैसी रही?

एक्टिंग जर्नी मेरी बहुत इंटरेस्टिंग रही, मैं पूने की रहने वाली हूँ। वहीं पली बढ़ी हूँ। जब मैं कॉलेज में थी तब थिएटर बहुत करती थी, इंटरकॉलेज एक कॉम्पीटीशन भी किया था और ऐसे कई मौको पर थिएटर किया करती थी, मैंने कुछ मराठी प्ले भी किए। लेकिन तबतक कुछ ऐसा फाइनल नहीं था कि मुझे एक्टिंग ही करनी है! मेरे कॉलेज खत्म होने के पहले ही मुझे एक मराठी सीरियल **'अग्निहोत्र'** का ऑफर मिला! ये शो पूने में ही शूट हो रहा था। ये 2008 की बात है, तब सिर्फ करने के लिए कर लिया था क्योंकि मुझे अपनी पोस्ट ग्रेजुएशन भी करनी थी इसलिए एक्टिंग को लेकर इतनी सीरियस नहीं थी। फिर मुझे एक और मराठी शो मिला लेकिन उसकी शूटिंग मुम्बई में होनी थी। तभी मैंने सोचा कि मैं फुल फ्लेज एक्टिंग के लिए खुद को 2 साल दे सकती हूँ।

तो ऐसे समझिए कि मैं 11 साल पहले मुंबई शिफ्ट हुई

फिर एक के एक मराठी शोज मिलते रहे और मैं करती रही। ये सिलसिला कोई 6 साल चला। फिर मुझे 2015 में मुझे एक स्टार प्लस का शो मिला 'तमन्ना', फिर पेशवा बाजीराव भी किया। इसके बाद कहीं न कहीं कोई न कोई हिन्दी शो मिलता ही रहा। मैंने इरफान जी के साथ ब्लैकमेल में भी काम किया, जॉन अब्राहम के साथ परमाणु में मेरा अच्छा रोल था। फिर एक थी बेगम से मुलाकात हो गयी।

○ जैसी आपकी आने वाली वेब सीरीज है 'एक थी बेगम', ऐसी वीमेन सेंट्रिक सीरीज कम ही बनती हैं, तो इसमें काम करना, वो भी एक लीड कलाकार के तौर पर, कितना चलेंजिंग रहा?

सिर्फ इस सीरीज की बात करें तो ये बहुत ही चैलेंजिंग रोल था मेरे लिए! लेकिन ओवरआल तो मैं अपना बहुत अच्छा नसीब मानती हूँ कि, मुझे जो भी करैक्टर मिला वो बिल्कुल हट के मिला! डेली सोप **तमन्ना** में भी मेरा करैक्टर बिल्कुल अलग था! वो फिमेल क्रिकेटर पर बेस्ड था, पेशवा **बाजीराव** भी हिस्टोरिकल ड्रामा था। तो टिपिकल कुछ मिला ही नहीं। **एक थी बेगम** की बात करूँ तो अंडरवर्ल्ड आलरेडी बहुत मेल डोमीनेटिंग रहा है! इसमें जो भी कहानियाँ पढ़ी या किसी ने सुनाई हैं, वो मेल डॉन्स के बारे में ही पढ़ी है लेकिन उस समय कुछ औरतें भी थीं जो बहुत ज्यादा पॉवरफुल थीं, लेकिन उनका जिक्र बहुत कम लोग ही करते हैं! ऐसी कोई कहानी किसी भी एक्टर के सामने आए तो वो बहुत भाग्यशाली है! अच्छा लगा मुझे जब ऐसे करैक्टर की स्टोरी मेरे सामने आई, मैंने तुरंत हाँ कर दी। लेकिन इस करैक्टर को प्ले करना ईजी नहीं था, क्योंकि इस करैक्टर के कई शेड्स हैं। पहले जो अशरफ का करैक्टर था वो एक आम भारतीय लड़की जैसा ही था लेकिन अशरफ का सपना में जो ट्रांजीशन था, खासकर वो बार डांसर वाला पार्ट, वो मेरे लिए बहुत मुश्किल था क्योंकि मैंने कभी उस तरह ही जिन्दगी दूर से भी नहीं देखी थी, वो नौबत ही नहीं आई थी।

लेकिन फिर मैंने ये बात हमारे डायरेक्टर को ये बात बताई तो वह हमारी टीम को एक बार में ले गये, वहाँ मैंने कुछ बार डांसर को देखा। उनसे बात भी की, तो वो बात करना मुझे इमोशनली बहुत टच कर गया। उन लड़कियों को देख मुझे यही लगा कि मैं बहुत ग्रेटफुल हूँ कि मुझे ये लाइफ मिली, मेरे पेरेंट्स ने इतनी अच्छी लाइफ दी। बाकी एक प्यार करने वाली लड़की से एक खूंखार बदला लेने को आतुर लड़की में जो करैक्टर की कायापलट थी वो करने में मुझे जरा मुश्किल हुई पर मेरे क्रू ने मेरा बहुत साथ दिया।

○ क्या आपकी फैमिली ने कभी आपके इस रोल के लिए कोई आपत्ति जताई?

जी बिल्कुल भी नहीं, मुझे फैमिली का फुल सपोर्ट मिला। मैं फिर से कहती हूँ कि मैं ग्रेटफुल हूँ, मेरे हसबैंड, सौरभ गोखले भी एक्टर हैं, तो वो समझते ही हैं, फिर माँ पापा की तरफ से भी कभी रोका टोका नहीं गया कि या क्यों कर रही हो या वो मत करो! हाँ, उन्हें कुछ बुरा लगता है तो वो बता देते हैं, कुछ अच्छा लगता है तो उसकी तारीफ भी करते हैं। मेरी फैमिली मेरी बेस्ट क्रिटिक है।

○ 'एक थी बेगम 2' में पिछले पार्ट से अलग और नया क्या–क्या है?

इस बार हम स्टोरी लाइन को और क्रिएटिव स्टाइल में आगे ले गये हैं! लोकेशन्स भी नई यूज हुई हैं! रेवेंज तो बेस लाइन है इस स्टोरी की इसलिए रेवेंज फैक्टर तो है ही, पर उसके अलावा इसमें बहुत से ट्विस्ट एंड टर्न्स हैं जो ऑडियंस को बहुत पसंद आयेंगे। इस बार एक्शन भी पिछली बार से ज्यादा है और कुछ नए करैक्टर्स भी एड हुए हैं।

○ आप दूसरे सीजन के बारे में दर्शकों के लिए कोई मेसेज देना चाहेंगी?

सिद्धार्थ मैं यही कहूँगी कि सबसे पहले तो ऑडियंस का शुक्रिया जो उन्होंने सीजन वन को इतना प्यार दिया, दूसरा ये कि अगर उन्हें सीजन वन पसंद आया है तो सीजन 2 डेफिनेटली पसंद आयेगा क्योंकि इस बार एक्शन, इमोशन्स, ड्रामा और ट्विस्टस सब पिछली बार से बढ़कर है।

बहुत बहुत शुक्रिया आपका अनुजा, मैं विश करता हूँ कि आपकी वेब सीरीज **'एक थी बेगम का सीजन 2'** पहले सीजन से भी ज्यादा दर्शक देखें और इसे खूब खूब पसंद करें।

देखिए 'एक थी बेगम 2' के सभी एपिसोड्स बिल्कुल फ्री, सिर्फ और सिर्फ एमएक्स प्लेयर पर..

एक शक्तिशाली हथियार रखने के विचार ने मेरे रोंगटे खड़े कर दिएः अनुजा साठे एक बंदूक को संभालने के अपने अनुभव पर

ज्योति वेंकटेश

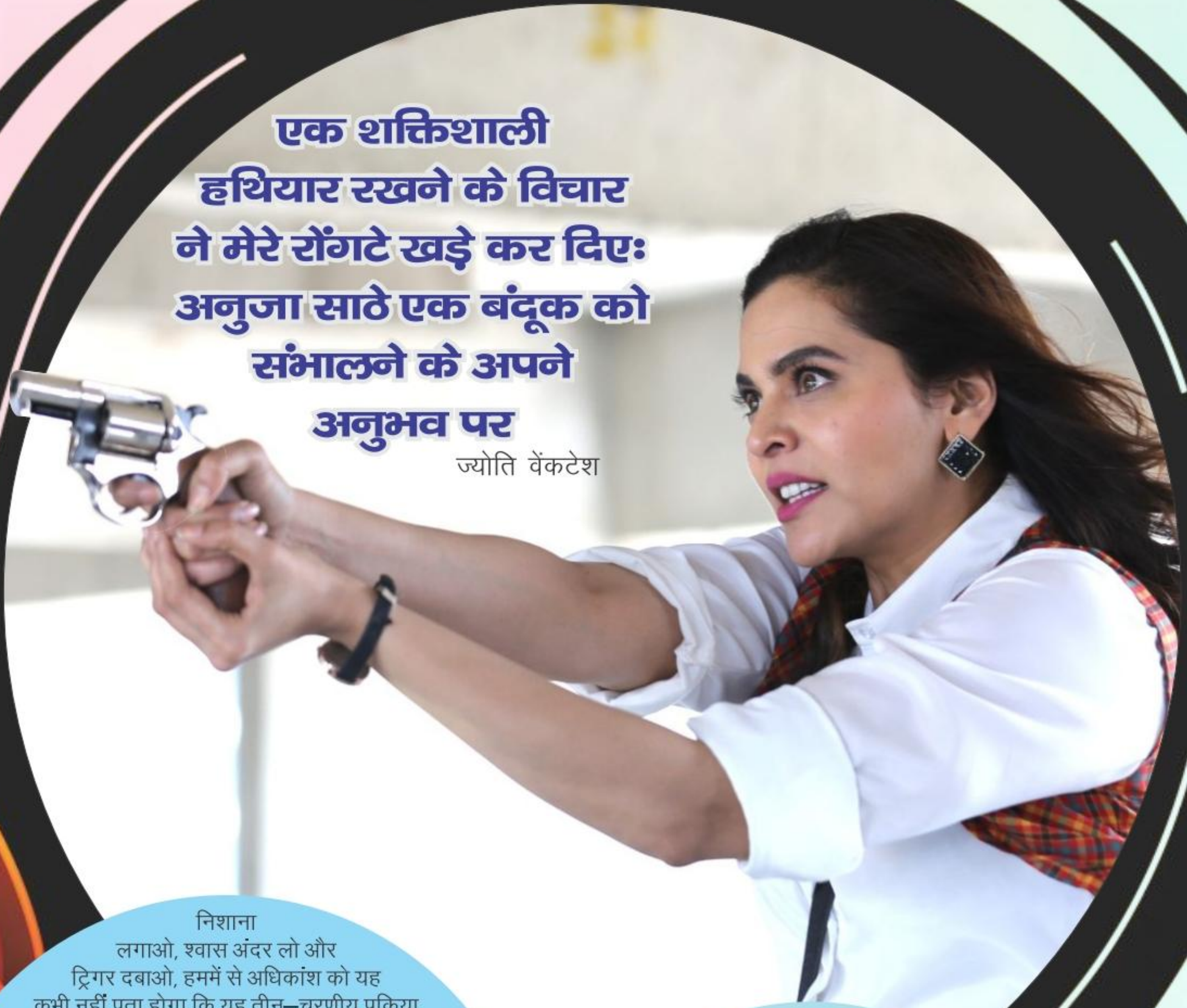

निशाना लगाओ, श्वास अंदर लो और ट्रिगर दबाओ, हममें से अधिकांश को यह कभी नहीं पता होगा कि यह तीन–चरणीय प्रक्रिया वास्तव में कैसे डराने वाली हो सकती है। एक देश के रूप में काल्पनिक अपराध नाटकों से ग्रस्त – हमने बहुत सारे ट्रिगर–खुश गुंडों को अपनी बंदूकें चलाते हुए, रक्तपात और स्क्रीन पर हिंसा फैलाते हुए देखा है। हम इतने मग्न हो जाते हैं कि अक्सर भूल जाते हैं कि यह सब एक कैमरे के पीछे हो रहा है। एक महिला जो कहानी के दोनों पक्षों में रही है, एमएक्स ओरिजिनल सीरीज **एक थी बेगम 2** की अनुजा साठे हमें बंदूक संभालने के अपने अनुभव की बारीकियों के बारे में बताती हैं।

अनुजा साठे ने कहा, ‘‘मैं झूठ नहीं बोलने जा रही हूं, जब मैंने पहली बार वास्तविक जीवन में बंदूक को छुआ था, तो बस इतना शक्तिशाली हथियार रखने के विचार ने मेरे रोंगटे खड़े कर दिए। अपने किरदार के लिए, मुझे पहली बार बंदूक रखने के अपने अनुभव को फिर से बनाना पड़ा, कि यह न केवल आपके हाथों में, बल्कि आपके विवेक में भी भारी और खतरनाक लगता है। लेकिन जब आप बदला लेने के लिए अंधे हो जाते हैं, तो आप इसे एक अंत के साधन के रूप में समझते हैं। सेट पर बंदूकों का इस्तेमाल करने से पहले हमें काफी ट्रेनिंग दी गई थी।’’

एक थी बेगम का दूसरा सीजन लीला पासवान की तलाश के साथ शुरू होता है, जो अशरफ का एक और भेष था, जिसने मौत को ललकारा और खतरनाक और शक्तिशाली दुबई डॉन मकसूद (अजय गेही) को अपने घुटनों पर लाने के अपने मिशन पर लौट आया। अपने पति जहीर (अंकित मोहन) की मौत का बदला लेने के लिए अपने साम्राज्य को उलटने की उसकी प्रतिज्ञा का पालन करते हुए, हम देखते हैं कि अशरफ पूरी तरह से अपराध की दुनिया में डूब गया है।

सचिन दरेकर और विशाल मोधवे द्वारा निर्देशित, इस श्रृंखला में शहाब अली, चिन्मय मंडलेकर, विजय निकम, रेशम श्रीवर्धनकर, राजेंद्र शिसातकर, नजर खान, हितेश भोजराज, सौरसेनी मैत्रा, लोकेश गुप्ते, मीर सरवर, पूर्णानंद वांडेकर और रोहन गूजर भी प्रमुख भूमिकाओं में है!

'अशरफ से लीला पासवान तक अनुजा साठे ने 'एक थी बेगम' 2 के अपने सफर के बारे में बताया'

बदले की आग इतनी भयानक होती है कि, हम खुद उसमें खाक हो जाते हैं! कभी–कभी यह आग आपको अपने वश में करके आपसे मनमानी करवाती है । बहुप्रतीक्षित सीरीज **'एक थी बेगम'** अपने दूसरे मनोरंजक सीजन के साथ वापस आ गई है, जिसमें **अनुजा साठे** एक बार फिर **अशरफ** के रूप में दिखाई देंगी और बदला लेने का उनका सिलसिला जारी रहेगा! इस सीजन में वह न केवल अपराध की दुनिया में कदम रखेगी, बल्कि मर्दों की दुनिया में अपना दबदबा बनायेगी। ये गैंगस्टर्स और सत्ता को लेकर उनकी लड़ाई की दुनिया है!

कभी जो प्यार करने वाली बीवी थी, आज एक वांटेड अपराधी है–जिसका पीछा पुलिस, राजनेता और निश्चित रूप से प्रतिद्वंद्वी गैंगस्टर कर रहे हैं। पहले सीजन की कहानी अशरफ के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसका पति जहीर(अंकित मोहन),जो कभी अंडरवर्ल्ड डॉन मकसूद (अजय गेही) का विश्वासपात्र था, मारा गया! अशरफ एक बार डांसर सपना के नाम को अपनाती है और अपने पति की हत्या के लिए जिम्मेदार सभी को मारने की गुप्त योजना बनाती है। अशरफ कमजोर थी, लेकिन वह

अपने हुस्न और चालाकी को अपनी ताकत बनाना जानती थी। लेकिन अब वह बदले की आग में जल रही है और कोई हिचक भी नहीं रह गयी थी।

दूसरे सीजन की शुरूआत लीला पासवान की तलाश के साथ होती है, जो अशरफ का ही एक और रूप है। उसने मौत को ललकारा है और दुबई के खतरनाक और ताकतवर, डॉन को अपने घुटनों पर लाने के अपने मिशन पर लौट आई है।

'इस बदलाव पर अनुजा साठे कहती हैं', 'एक दब्बू हाऊसवाइफ से बंदूक लोड करना और उसे चलाना सीखना, यह एक जुझारू महिला की कहानी है। एक महिला पर किया गया शारीरिक हमला उसे तोड़ सकता है लेकिन अशरफ का कभी न मरने वाला जज्बा उसे रुकने नहीं देता। यही एक हुनर है, जिसे मैं अपने साथ वापस ले जाऊंगी। वह कोई साधारण महिला नहीं है, ना ही कोई बागी है, उसके तरीके गलत हैं लेकिन उसने अपने रास्ते खुद बनाये हैं, उसने अपने दम पर अपनी एक जगह बनायी है और वह बहुत ही रियल है, जो बहुत वास्तविक लगती है!'

'उन्होंन आगे कहा', 'सीजन 1 के लिए मुझे जितनी तारीफें मिलीं और दर्शकों की मुझसे इतनी उम्मीदें थीं कि मेरे सामने बस ही चुनौती थी इस किरदार को अगले स्तर पर लेकर जाना। लीला पासवान ऊर्फ अशरफ हमेशा मेरे करियर के सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक रहेगी।"

सचिन दारेकर और विशाल मोधवे द्वारा निर्देशित, इस सीरीज में **शहाब अली, चिन्मय मांडलेकर, विजय निकम, रेशम श्रीवर्धनकर, राजेंद्र शिसातकर, नजर खान, हितेश भोजराज, सौरसेनी मैत्रा, लोकेश गुप्ते, मीर सरवर, पूर्णानंद वांडेकर** और **रोहन गूजर** भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

'एमएक्स ओरिजिनल सीरीज **'एक थी बेगम'** 2 के सभी एपिसोड 30 सितंबर से मुफ्त में स्ट्रीम होंगे, सिर्फ एमएक्स प्लेयर पर'

'एक थी बेगम 2' में मेरा शकील का करैक्टर बहुत चैलेंजिंग था-शाहाब अली

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

दिल्ली के रहने वाले शाहाब अली एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं पर इनका जज्बा, इनकी कोशिशें और कभी न हार मानने वाली आदत इन्हें असाधारण बनाती है! शाहाब कई थिएटर्स और प्ले करने के बाद **फैमिलीमैन 2** जैसी सुपरहिट सीरीज में भी काम कर चुके हैं और 30 सितम्बर से इनकी लेटेस्ट वेब सीरीज **'एक थी बेगम 2'** एमएक्सप्लेयर पर स्ट्रीम हो रही है। शाहाब से हुई हमारी मजेदार बातचीत के कुछ अंश आपके सामने पेश हैं

❍ हेलो शाहाब, क्या आपको बचपन से एक्टिंग का शौक था?

जी नहीं, बचपन में शौक तो छोड़िए मैंने 12जी स्टैण्डर्ड से पहले फिल्म्स ही नहीं देखी थीं। हमारे घर में फिल्म्स पोस्टर्स, मैगजीन्स, टेलीविजन आदि अच्छा नहीं माना जाता था। बल्कि इसे गुनाह माना जाता था। हाँ पर मेरे दोस्तों यारों के यहाँ, कई बार कुछ फिल्म्स कुछ सीन्स देख लिया करता था। बाकि इसके अलावा न मेरा कोई इंटरेस्ट था न कोई स्कोप था। बल्कि मैं इंट्रोवर्ट, थोड़ा शाय सा था। फिर कॉलेज जाने के बाद ऐसा हुआ कि एक साल मैंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में बिताया, वहाँ मैंने स्ट्रीट साइड प्लेज होते थे और वहाँ किसी ऑडिशन की जरुरत नहीं थी। तो मुझे जरा राहत की बात लगती थी, फिर वो नुक्कड़ नाटक करते वक्त ऑडियंस की तरफ से हौसलाअफजाई होने लगी, लोगों को मेरे एक्ट्स अच्छे लगने लगे। जबकि मैं इतनी समझ नहीं रखता था, मुझे जो मेरे सीनियर्स कहते थे, डायरेक्ट करते थे वो मैं करने लगता था।

धीरे–धीरे मैं कॉलेज की दूसरी एक्टिविटीज में भी शामिल होने लगा, सिंगिंग की, एक्टिंग की, लेकिन फिर कुछ ऐसी समस्याएं आने लगीं कि लगा एक्टिंग नहीं करनी चाहिए, पहले फैमिली देखनी जरूरी है।

लेकिन कुछ ही समय बाद मैं फिर एक्टिंग, वो थिएटर, वो फील ऑफ एक्सप्रेशन मिस करने लग गया। तब मैंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में अप्लाई किया क्योंकि और कोई प्राइवेट एक्टिंग स्कूलिंग मैं तब अफोर्ड नहीं कर सकता था। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के लिए भी मैंने बड़े जुगाड़ से काम किया। (हँसते हुए) आजतक किसी को बताया नहीं है पर

वहाँ कुछ सीनियर्स के, जिनके अंडर आपने थिएटर किया हो, 3 रेकोमेंडेशन लाने होते थे। अब मैं सच बताऊं तो तबतक मैंने थिएटर किया ही नहीं था। मैं तो नुक्कड़ नाटक ही करता था। तो मैंने अपने कॉलेज के कुछ टीचर्स को कुछ सीनियर्स को पटाया और उनसे लैटर लिया। लेकिन जब एग्जामिनर के सामने वो लैटर रखे तो वो पहचान ही नहीं पाए कि ये कौन है। फिर भी मैंने उन्हें समझा दिया कि ये बहुत बड़े एक्टर्स हैं।

ये 2011 की बात है, तब मैं आखिरी राउंड तक चला गया था और वहाँ पहुँचकर सलेक्ट न हो सका। पर मैं यही सोचकर गया था कि मेरे पास खोने के लिए क्या है! नेक्स्ट इयर मैंने फिर अप्लाई किया और इस बार मेरा एडमिशन हो गया। यहाँ रहकर मैंने बहुत कुछ सीखा। फिर एनएसडी की सबसे अच्छी बात ये थी कि बाकी जगह फीस लगती थी, पर यहाँ वजीफा मिलता था तो कोई दिक्कत नहीं होती थी।

❍ तो आपकी फैमिली की तरफ से क्या रिएक्शन आता था?

फैमिली में फादर तो जैसा मैंने बताया ही, इन सब कामों के सख्त खिलाफ थे जो जब मैं कॉलेज में नाटक वगैरह करता

था तब घर पर बताता ही नहीं था। लेकिन मेरी माँ जरा लिबरल रही हैं मेरे लिए, बहुत सपोर्ट किया उन्होंने। फिर मेरे पिता की डेथ हो गयी तो परिवार की सारी रेस्पोंसिबिलिटी मुझपर आ गयी पर माँ की तरफ से मुझे हमेशा सपोर्ट मिला। हालाँकि उनको भी डर था कि मुंबई में इतने लोग जाते हैं, इस लाइन में क्या कैरियर बनेगा पर मैं सिर्फ इतना चाहता था कि मैं ट्राई तो करूँ। मैं कोशिश ही नहीं करूँगा तो कैसे बात बनेगी?

❍ फिर आपकी फ्लाइट मुंबई कैसे पहुँची?

मैं कहीं न कहीं बैक ऑफ द माइंड ये सोच के चलता था कि मुझे मुंबई में करियर तो है, वहाँ जाकर स्ट्रगल करना मैं अफोर्ड नहीं कर सकता था। लेकिन एनएसडी में मैंने सीखा बहुत कुछ, जैसा मैंने पहले ही बताया, मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं था इसलिए मैंने दिल लगा के वहाँ जो सीनियर्स बताते गए, मैं सीखता गया। तब एनएसडी पासआउट होने से 4 महीने पहले ही जम्बूरा में काम मिल गया। यहाँ ऑडिशन आया और मैं सलेक्ट हो गया।

इसके बाद मुम्बई के एक शो **मुगल–ए–आजम** में सलीम के रोल के लिए मुझे ऑडिशन के लिए बुलाया गया और किस्मत से मैं उसमें भी सलेक्ट हो गया। इस वक्त भी मैं मुंबई में सेटल होने की नहीं सोच सकता था, मैं मुम्बई और दिल्ली दोनों जगह एक साथ काम कर रहा था। इसी दौरान मैंने अपनी घर की जिम्मेदारियां भी संभाल लीं। फिर मुझे फैमिलीमैन 2 के ऑडिशन में जाने का मौका मिला, कर्टसी मुकेश छाबड़ा कास्टिंग कम्पनी, मुझे ये रोल मिल गया और मैं मुम्बई अब फाइनली सैटल हो गया।

❍ आपकी जर्नी बहुत इंटरेस्टिंग है शाहाब, अब मुझे आप 'एक थी बेगम 2' में अपने करैक्टर के बारे में बताइए, कि ये किरदार आपसे कितना अलग है और आपको इसके लिए क्या–क्या तैयारियाँ करनी पड़ीं?

मुझसे तो ये किरदार कम्पलीटली डिफेरेंट है, (हँसते हुए) सबसे बड़ी बात मैं कोई गैंगसस्टर नहीं हूँ। ऑन सीरियस नोट, सबसे पहली बात कि ये एक अलग टाइम, अलग एरा की कहानी है, अस्सी–नब्बे के दशक का गैंगसस्टर है शकील अंसारी (पात्र का नाम)! लेकिन बाकी गैंगसस्टर्स की तरह शकील लाउड नहीं है, ये करैक्टर बहुत शांत और दिलचस्प है।

फिर इसको लेकर तैयारियों की बात करूँ तो शुरु में बहुत मेहनत करनी पड़ी! ये करैक्टर जरा मर्दों वाला था। शांत गंभीर और टू द पॉइंट बोलने वाले शकील की तैयारी के लिए डायरेक्टर के विजन को समझना बहुत जरूरी था। फिर सबसे बड़ी मुसीबत थी कि, शकील स्मोकिंग करता था और मैंने कभी सिगरेट को हाथ भी नहीं लगाया था। तो ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो करनी पड़ीं।

❍ वीमेन सेंट्रिक सीरीज में कहीं आपको अपने करैक्टर के लिए इनसिक्यूरिटी तो फील नहीं हुई?

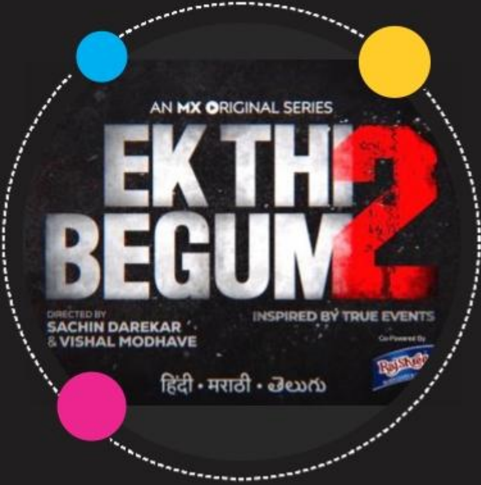

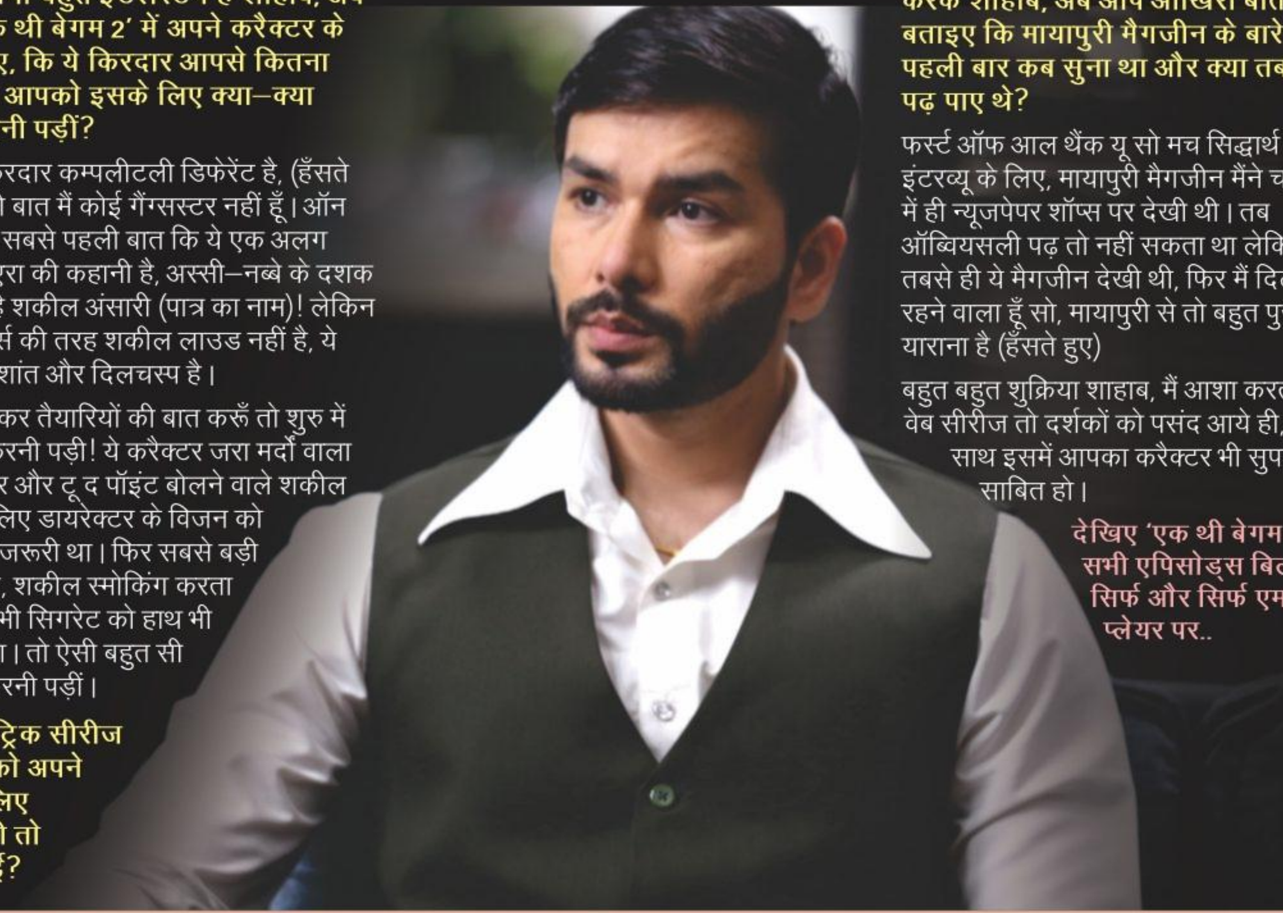

मैं सच बताऊं तो मैं ऐसी और बहुत सी फिल्मों में, सीरीज में काम करना चाहूँगा जिसमें वीमेन स्ट्रोंग करैक्टर्स हैं। मैंने एक लम्बे अरसे से देखा है कि खासकर अंडरवर्ल्ड पर बनी फिल्मों में तो सारी मेनिनिस्म के इर्द गिर्द ही होती हैं। तो इनसिक्योर होने का तो कोई सवाल ही नहीं, बल्कि मुझे खुशी हुई थी इस स्क्रिप्ट को पढ़कर कि मैं एक ऐसी सीरीज में काम कर रहा हूँ जिसमें वीमेन प्रोटाग्निस्ट हैं, कि ऐसे प्रोजेक्ट्स पर अब काम होने लगा है। ऐसे और भी शोज बनने चाहिए।

❍ क्या आप हमारे रीडर्स को इस वेब सीरीज, आपके किरदार शकील अंसारी और सोसाइटी से जुडी किसी बात के बारे में कोई मैसेज देना चाहेंगे?

देखिए सबसे बड़ी बात तो इस शो की ये है कि ये अंडरवर्ल्ड पर बेस्ड है और अंडरवर्ल्ड पर बनी फिल्म्स, सीरीज दर्शकों को कुछ कुछ अट्रेक्ट भी करती हैं। दूसरी बात मेरे करैक्टर कि बताऊं तो ये जानिये कि डॉन और माफिया और ड्रग लार्ड तो आपने बहुत देखे होंगे लेकिन ऐसा यूनीक करैक्टर शायद आपने नहीं देखा होगा। बाकी मैं ये बात और एड करना चाहूँगा कि अपने बच्चों को आर्ट से दूर न रखें, इन्फक्ट सिद्धार्थ मैंने अभी घर में बहुत से चेंजेस आए हैं, मेरी बहन को पेंटिंग का बहुत शौक है। वो एक स्कूल में आर्ट टीचर हैं, मेरी मदर भी अब आर्ट को लेकर खुला समर्थन देती हैं सो, चेंजेस लाने पड़ते हैं, मुझे प्राउड है कि मैं ऐसा कर सका। रीडर्स से भी गुजारिश है कि अपने बच्चों को उनकी फेवरेट आर्ट चुनने का मौका दें, उन्हें रोके नहीं।

बहुत–बहुत अच्छा लग रहा है आपसे बात करके शाहाब, अब आप आखिरी बात बस ये बताइए कि मायापुरी मैगजीन के बारे में आपने पहली बार कब सुना था और क्या तब आप इसे पढ़ पाए थे?

फर्स्ट ऑफ आल थैंक यू सो मच सिद्धार्थ इस इंटरव्यू के लिए, मायापुरी मैगजीन मैंने चाइल्डहुड में ही न्यूजपेपर शॉप्स पर देखी थी। तब ऑब्वियसली पढ़ तो नहीं सकता था लेकिन मैंने तबसे ही ये मैगजीन देखी थी, फिर मैं दिल्ली का ही रहने वाला हूँ सो, मायापुरी से तो बहुत पुराना याराना है (हँसते हुए)

बहुत बहुत शुक्रिया शाहाब, मैं आशा करता हूँ कि ये वेब सीरीज तो दर्शकों को पसंद आये ही, साथ साथ इसमें आपका करैक्टर भी सुपरहिट साबित हो।

देखिए 'एक थी बेगम 2' के सभी एपिसोड्स बिल्कुल फ्री, सिर्फ और सिर्फ एमएक्स प्लेयर पर..

रवीना की फोटो पर फैंस बेकाबू 'बालों से गोली मारे, लड़की कमाल' ऐसा है कहना

रवीना टंडन अपनी अदाओं से हमेशा से ही फैंस और दर्शकों पर बिजलियाँ गिराती आई हैं। खास बात यह है कि यह सिलसिला अभी–भी जारी है। बात उनकी आवाज की हो या उनके दिल छू लेने वाले एक्सप्रेशंस की, बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में अपनी छवि स्थापित करने वाली रवीना टंडन अपने फैंस से बहुत प्यार करती हैं, जिसकी झलक वे सोशल मीडिया के माध्यम से अपने से संबंधित पोस्ट्स करके हमेशा ही देती रहती हैं।

हाल ही में उन्होंने सोशल माइक्रोब्लॉगिंग ऐप कू के माध्यम से अपने कुछ बहुत ही खूबसूरत क्लोज अप्स पोस्ट किए हैं, जिसमें वे हँसती–खिलखिलाती किसी परी के समान दिखाई दे रही हैं। इसमें कैप्शन के साथ वे कहती हैं:

'अच्छे बालों के साथ दिन ऐसे होना चाहिए।#rarity''

फैंस को भी ये फोटोज काफी पसंद आ रहे हैं, जिन पर कुछ यूजर्स कमेंट करके कहते हैं:

'चुरा के दिल मेरा, गोरिया चली.... खूबसूरत बाल.... रेव रेव रेविशिंग रवीना''

'बालों से गोली मारे लड़की कमाल'

उर्वशी रौतेला को इंस्टाग्राम पर एक और ट्रेंड की उम्मीद, गोल्डन शिमरी गाउन में मंत्रमुग्ध लग रही हैं!

बॉलीवुड ब्यूटी उर्वशी रौतेला इन दिनों अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से खुद को इकट्ठी करने वाली अभिनेत्री अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। बॉलीवुड के साथ–साथ टॉलीवुड में भी बैक–टू–बैक कंटेंट–आधारित फिल्मों में दिखाई देने वाली अभिनेत्री विश्व स्तर पर भी अपनी पहचान बना रही है। उर्वशी रौतेला अपने सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय हैं और अपने प्रशंसकों को अपनी दिन–प्रतिदिन की दिनचर्या के बारे में अपडेट रखने के लिए मनोरंजक सामग्री देना सुनिश्चित करती हैं, चाहे वह शूटिंग कर रही हों या जिम में पसीना बहा रही हों।

उर्वशी रौतेला ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए एक वीडियो अपलोड किया है। इसके साथ जाने के लिए एक्ट्रेस ने गोल्डन लॉन्ग शिमर गाउन और मैचिंग लॉन्ग ईयररिंग पहना हुआ है। वीडियो में उर्वशी मनमोहक लग रही हैं क्योंकि वह डांस रूटीन में अपना खुद का ट्विस्ट जोड़ रही हैं। इससे पहले बॉलीवुड की हॉटी जैकलीन फर्नांडीज ने भी ऐसा ही ट्रेंड वीडियो किया था जो वायरल हुआ था. इसमें कोई शक नहीं कि उर्वशी रौतेला ने इसे बखूबी निभाया। यहां वीडियो देखें,

वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला जल्द ही जियो स्टूडियोज की वेब सीरीज **'इंस्पेक्टर अविनाश'** में रणदीप हुड्डा के साथ लीड रोल में नजर आएंगी। अभिनेत्री द्विभाषी थ्रिलर 'ब्लैक रोज' के साथ–साथ 'थिरुट्टू पायले 2' के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। अभिनेत्री को हाल ही में गुरु रंधावा के साथ उनके गीत "दूब गए" और मोहम्मद रमजान के साथ "वर्साचे बेबी" के लिए एक ब्लॉकबस्टर प्रतिक्रिया मिली। उर्वशी रौतेला 200 करोड़ के बड़े बजट की फिल्म "द लीजेंड" के साथ सरवाना के साथ तमिल में भी शुरुआत करेंगी। अभिनेत्री ने श्रपवै जनकपवे और T&Series के साथ तीन फिल्मों का अनुबंध भी किया है।

'अंडरवियर ब्राण्ड के कैम्पेन में रश्मिका मंडाना के इशारे पर हुकुम बजाते विक्की कौशल'

अमूल माचो ने काफी समय पहले साल 2007 में अपने **अंडरवियर ब्रांड** के लिए टेलीविजन विज्ञापन **'ये तो बड़ा टॉइंग है'** लॉन्च कर जेंडर स्टीरीयोटाइप्स पर चोट की थी! उस विज्ञापन में पुरुष अंडरवियर को लेकर महिला की इच्छा (डिजायर) पर फोकस किया गया था। उस जिंगल को लोगों ने काफी पसंद किया था। अब यह ब्राण्ड एक दशक से ज्यादा समय के बाद माचो स्पोर्टो की लॉन्चिंग के साथ वापसी कर रहा है, वह भी फीमेल गेज (महिला द्वारा ताकने) को उचित ठहराने की प्रतिबद्धता के साथ। टीवी विज्ञापनों की इस सीरीज में साउथ की मशहूर अभिनेत्री रश्मिका मंडाना के साथ बॉलीवुड स्टार विक्की कौशल नजर आ रहे हैं। रश्मिका जैसी चर्चित अभिनेत्री को एक मेन्सवियर प्रोडक्ट के लिए मॉडल के तौर पर लेना भी रूढ़ियों को तोड़ता है।

क्रियेटिव एजेंसी लियो बर्नेट द्वारा परिकल्पित और मीडिया एजेंसी मैडिसन मीडिया ओमेगा द्वारा प्रचारित माचो स्पोर्टो कैम्पेन में एक सीरीज की तरह तीन फिल्में शामिल हैं। फीमेल गेज जैसे साहसी और प्रगतिशील मुद्दे पर आधारित इन फिल्मों में रश्मिका मंडाना और विक्की कौशल दिखेंगे। विज्ञापन में जहां रश्मिका यंग योगा इंस्ट्रक्टर की भूमिका में हैं, वहीं विक्की उनके आकर्षक स्टूडेंट्स में से एक हैं। विज्ञापन में उनके योगा सेशंस के अलग–अलग दृश्य हैं, जिनमें रश्मिका विक्की के माचो स्पोर्टो वेस्टबैण्ड की झलक देख लेती हैं। उसे दोबारा देखने के लिए रश्मिका विक्की को ऊंचा उठने और लंबे समय तक वैसे ही बने रहने के लिए कहती हैं। हालांकि, विक्की इस मजाक को समझ जाते हैं, फिर भी रश्मिका की बात मानते हैं।

इस विज्ञापन के बारे में माचो स्पोर्टो की पैरेंट कंपनी जेजी होजरी के एमडी नवीन सेकसरिया कहते हैं, 'हम अपने आइकॉनिक कैम्पेन 'ये तो बड़ा टॉइंग है' को अपने ब्राण्ड माचो स्पोर्टो के आधुनिक और ज्यादा ट्रेंडी अवतार से नया रूप दे रहे हैं। हालांकि हम मेन्स अंडरवियर का विज्ञापन कर रहे हैं, लेकिन यह कैम्पेन एक यंग और कॉन्फिडेंट महिला के इर्द–गिर्द है, जो आकर्षक लगने पर एक पुरुष को ताकने की हिम्मत रखती है। पुरुष–प्रधान रूढियों को तोड़ने वाले इस विज्ञापन के जरिये हम दिखाना चाहते हैं कि आज की महिलाएं किसी भी तरह की पहल करने में संकोच नहीं करती हैं। इस मैसेज के लिए और नई बात शुरू करने के लिए पुरुष के अंडरवियर ब्राण्ड से बेहतर क्या हो सकता है।'

वहीं, इस कैम्पेन के बारे में लियो बर्नेट के सीईओ और चीफ क्रियेटिव ऑफिसर– साउथ एशिया राजदीपक दास कहते हैं, 'अपने कैम्पेन 'ये तो बड़ा टॉइंग है 2.0' के जरिये हम समाज को पीछे धकेलने वाले और पुराने जमाने के जेंडर स्टीरीयोटाइप्स को तोड़ना चाहते थे। इनरवियर ब्राण्ड्स आमतौर पर ही नहीं, पारंपरिक रूप से भी पुरुष का वर्चस्व ही दिखाते हैं, लेकिन हमारी फिल्में रोल रिवर्सल करती हैं और स्थिति को महिला के काबू में दिखाती हैं। शायद यह पहली बार हुआ है कि मेन्स वियर ब्राण्ड के लिए एक महिला को प्रमुखता दी गई है। ये विज्ञापन फिल्में हल्के–फुल्के अंदाज वाली हैं, जिनमें विक्की और रश्मिका ने अपने ऑनस्क्रीन रोल बखूबी निभाते हुए हमारे ब्राण्ड के मशहूर ह्यूमर को दिखाया है।'

वाईआरएफ ने रणबीर के लुक को किया टीज, सुपरस्टार के जन्मदिन पर किया 'मार्क ऑफ शमशेरा' का खुलासा!

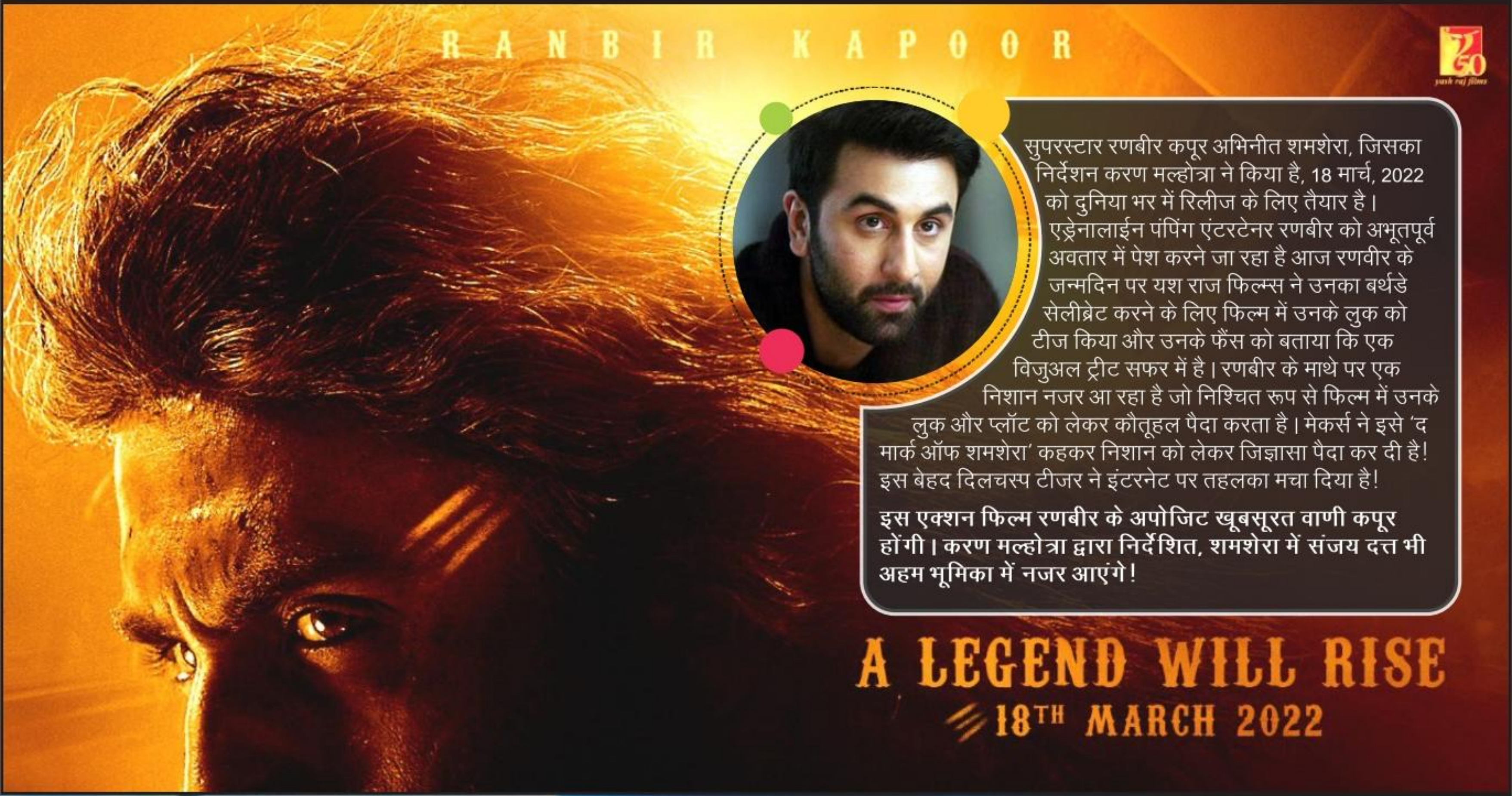

सुपरस्टार रणबीर कपूर अभिनीत शमशेरा, जिसका निर्देशन करण मल्होत्रा ने किया है, 18 मार्च, 2022 को दुनिया भर में रिलीज के लिए तैयार है। एड्रेनालाईन पंपिंग एंटरटेनर रणबीर को अभूतपूर्व अवतार में पेश करने जा रहा है आज रणवीर के जन्मदिन पर यश राज फिल्म्स ने उनका बर्थडे सेलीब्रेट करने के लिए फिल्म में उनके लुक को टीज किया और उनके फैंस को बताया कि एक विजुअल ट्रीट सफर में है। रणबीर के माथे पर एक निशान नजर आ रहा है जो निश्चित रूप से फिल्म में उनके लुक और प्लॉट को लेकर कौतूहल पैदा करता है। मेकर्स ने इसे 'द मार्क ऑफ शमशेरा' कहकर निशान को लेकर जिज्ञासा पैदा कर दी है! इस बेहद दिलचस्प टीजर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है!

इस एक्शन फिल्म रणबीर के अपोजिट खूबसूरत वाणी कपूर होंगी। करण मल्होत्रा द्वारा निर्देशित, शमशेरा में संजय दत्त भी अहम भूमिका में नजर आएंगे!

भूषण कुमार और मुराद खेतानी की 'भूल भुलैया 2' 25 मार्च 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है!

ज्योति वेंकटेश

25 मार्च 2022 को अपने नजदीकी थिएटर में बहुप्रतीक्षित फिल्म **'भूल भुलैया 2'** के साथ हंसी, डरावनी और रोमांच की अपनी खुराक का आनंद लेने के लिए तैयार हो जाइए। फिल्म के मोशन पोस्टर में कार्तिक आर्यन के नए लुक और उनकी दीवानगी की एक झलक देखें।

कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी और तब्बू अभिनीत इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया है और इसे फरहाद सामजी और आकाश कौशिक ने लिखा है।

टी–सीरीज और सिने 1 स्टूडियोज के बैनर तले **भूषण कुमार, मुराद खेतानी और कृष्ण कुमार** द्वारा निर्मित भूल भुलैया 2 25 मार्च 2022 को स्क्रीन पर आने वाली है।

ओटीटी के बादशाह पंकज त्रिपाठी दो बड़े प्रोजेक्ट्स की शूटिंग के लिए मुंबई और लद्दाख में व्यस्त

–सुलेना मजुमदार अरोरा

जब बाकी दुनिया कोरोना के चलते ठहरी हुई थी तब भी पंकज त्रिपाठी व्यस्त थे अपने उत्कृष्ट अभिनय कौशल और अद्भुत सामग्री से दर्शकों का मनोरंजन करने में। यह बहुमुखी अभिनेता हिंदी फिल्म उद्योग के सबसे व्यस्त अभिनेताओं में से एक है और विभिन्न पैक शेड्यूल के बीच भगदड़ कर रहे है। लेकिन एक प्रतिबद्ध कलाकार के रूप में, वे उन सभी फिल्मों को अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं जिसे वह पूरी ईमानदारी और मन प्राण देकर बना रहे हैं। वे अपने सभी शेड्यूल को समय पर पूरा करना चाहते हैं, भले ही वे कितने भी व्यस्त और चुनौतीपूर्ण स्थिति में हों।

पंकज त्रिपाठी अपने प्रोजेक्ट्स की समय–सीमा का पालन करने के लिए बैक–टू–बैक विभिन्न स्थानों के बीच दौड़ भाग करते जा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में लद्दाख के लोकेशन में निर्देशक–जोड़ी राज और डीके के लिए एक शेड्यूल पूरा किया है और साथ ही मुंबई में एक फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। इस फिल्म के पूरा होने के बाद, वे राज एंड डीके की फिल्म के बाकी शेड्यूल को पूरा करने के लिए वापस यात्रा करेंगे।

अपने व्यस्त कार्यक्रम के बारे में पंकज त्रिपाठी ने बताते हुए कहा, "मुझे अभिनय और विभिन्न सिनेमाई परियोजनाओं में काम करना बहुत पसंद है और मैं बहुत आभारी हूं कि एक से बढ़कर एक अच्छी स्क्रिप्ट्स मेरे रास्ते में आ रही है जिससे दर्शकों को मेरे काम का आनंद मिल रहा है। पिछले महीने हम बहुत व्यस्त रहे हैं क्योंकि मेरे कई प्रोजेक्ट्स तैयार थे और मेरे शेड्यूल्स भी पावर पैक्ड थे। एक बार इस साल की सभी परियोजनाएं खत्म हो जाने के बाद मैं अपनी गति को धीमा करने की कोशिश करूंगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण है, और मुझे लगता है कि काम से छुट्टी का समय भी महत्वपूर्ण है।"

जी कॉमेडी शो में निक्की तंबोली ने चंकी पांडे के साथ थिरकाए कदम और कहा 'मैं चंकी पांडे की फैन हूं'

जी कॉमेडी शो में इस रविवार के एपिसोड में चंकी पांडे होंगे स्पेशल गेस्ट, जहां निक्की तंबोली सिर्फ इस वीकेंड के लिए होंगी गेस्ट कॉमेडियन

एक ओर, जहां महामारी का खतरा अब भी मंडरा रहा है, वहीं जी टीवी अपने नए रियलिटी शो, जी कॉमेडी शो के जरिए अपने दर्शकों का तनाव दूर करने का प्रयास कर रहा है। जहां इस शो ने देश के हर परिवार को भारत के टॉप कॉमेडियन्स के साथ हंसने, खिलखिलाने और अपनी परेशानी भूल जाने का मौका दिया, वहीं इस रविवार के एपिसोड में पॉपुलर बॉलीवुड **एक्टर चंकी पांडे** स्पेशल गेस्ट के रूप में अपने दिलचस्प किस्सों और मस्त हाजिरजवाबी के साथ हमारा खूब मनोरंजन करेंगे! जहां उनकी कॉमिक पर्सनालिटी और मजेदार चुटकुले दर्शकों को खूब गुदगुदाएंगे, वहीं सभी 40 कॉमेडियन्स "टीम हंसाएंगे! बनकर सामने आएंगे और सबको लोटपोट कर देंगे! इसके अलावा निक्की तंबोली अपना स्पेशल सेंस ऑफ ह्यूमर लेकर आएंगी, जो सिर्फ इस वीकेंड के लिए गेस्ट कॉमेडियन होंगी।

शूटिंग के दौरान सभी कॉमेडियन्स के मजेदार एक्ट्स और लाफिंग बुद्धा फराह खान की हाजिरजवाबी और कमेंट्स सभी को खूब गुदगुदाएंगे, वहीं चंकी पांडे और निक्की तंबोली के डांस मूव्स सभी का जमकर मनोरंजन करेंगे। निक्की ने अपनी परफॉर्मेंस के साथ सभी को आकर्षित कर लिया, जिसमें उन्होंने एक स्पेशल एक्ट के दौरान गोवा में घूमती हुई एक मॉडल के रूप में परफॉर्म किया। उन्होंने स्पेशल गेस्ट चंकी पांडे से भी अपने साथ मंच पर आकर डांस करने की गुजारिश की। निक्की 'सात समुंदर पार' गाने पर चंकी पांडे के साथ डांस करते हुए सब पर छा गईं। बिना तैयारी के किया गया उनका यह एक्ट ना सिर्फ मनोरंजक था, बल्कि बेहद मजेदार भी था।

निक्की तंबोली ने बताया, "मैं चंकी पांडे की फैन हूं इसलिए उनके साथ डांस करना बहुत बढ़िया अनुभव रहा। मैं गेस्ट कॉमेडियन के रूप में दी कॉमेडी शो में आई थी, जहां चंकी पांडे स्पेशल गेस्ट थे। हम कुछ मजेदार करना चाहते थे, इसलिए हमने बिना तैयारी के एक डांस एक्ट किया। इस शो में मेरा वक्त वाकई बेहतरीन गुजरा!

जहां निक्की तंबोली का एक्ट और डांस मूव्स आपका ध्यान अपनी ओर खींचेंगे, वहीं आप इस वीकेंड के एपिसोड के दौरान जी कॉमेडी शो के कलाकारों के कॉमिक एक्ट्स भी बिल्कुल मिस नहीं कर सकते।

अक्षय कुमार का कहना है–‘यह बॉलीवुड में दीवाली मनाने का समय है!’’

–शरद राय

इनदिनों बॉलीवुडियों के चेहरे पर प्रसन्नता दिखाई देने लगी है! लंबे समय तक बंद रहने के बाद सिनेमा घरों में फिल्म लगाने की बात से हर कोई खुशी–खुशी बातें करने लग गया है। फिल्म ज़रूर निर्माता और डिस्ट्रीब्यूटर थिएटरों में लगाने की तैयारी कर रहे हैं लेकिन खुशी स्पॉटबॉय के चेहरे पर भी पढ़ी जा सकती है। **"क्योंकि फिल्में लगेंगी तो काम शुरू होगा! और, काम होगा तो हर किसी का चूल्हा ठीक ठाक जलेगा।"** यह कहना है अभिनेता अक्षय कुमार का। जिनकी एक फिल्म **'बेल बॉटम'** थिएटर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनो जगह रिलीज हुई है!

'मायापुरी' ने यही बात कुछ दिनों पहले ही लिखा था–'सजने लगे हैं थियेटरों के गेट और हाल के अंदर साफ सफाई शुरू कर दी गई है...।' कोरोना महामारी से डरी हुई महाराष्ट्र सरकार ने पहल करने में थोड़ी देर कर दिया जबकि दूसरे कई राज्यों में थिएटर शर्तों के साथ पहले ही खोल दिए गए थे! बॉलीवुड वालों के चेहरे पर खुशी देरी से लौटी है जब सपनों की नगरी मुम्बई में थिएटर खोले जाने की देर से घोषणा महाराष्ट्र की उद्धव सरकार ने किया। अक्षय कुमार कहते हैं–"मैं इसको इस तरह कहूंगा कि बॉलीवुड नगरी में दीवाली मनाने का समय आ गया है! मेरी और दूसरे स्टारों की कई कई फिल्में बनकर और कुछ अधूरी रहकर रिलीज के लिए इंतेज़ार में पड़ी रही हैं! अब वे सभी फिल्में लाइन से थिएटरों में रिलीज की जा पाएंगी! जो फिल्में पूरी तरह कम्प्लीट हैं वो थिएटर बुकिंग की कतार में और प्रिव्यू पर हैं जो कुछ पूरी होने में बाकी रह गई थी उनको पूरा किया जा रहा है।" अक्षय बताते हैं।

अक्षय कुमार की अगली रिलीज के लिए तैयार फिल्म है, **"सूर्यवंशी"** जिसको 5 नवम्बर को रिलीज किया जाएगा! यह फिल्म मार्च 2020 में रिलीज के लिए तैयार थी अब उसे 2021 में रिलीज किया जा रहा है। इसके बाद उनकी आनेवाली फिल्में हैं–**यशराज** बैनर की फिल्म **'पृथ्वीराज'** जो 11जनवरी को नए साल में प्रदर्शित की जाएगी! यह फिल्म नवम्बर में ही रिलीज होने वाली थी जो कोविड–19 कि दूसरी लहर आजाने के कारण नही प्रदर्शित हो पाई थी।उनकी एक और फिल्म **"रक्षा बन्धन"** को 11 अगस्त '22 को रिलीज किया जाएगा।

"अतरंगी रे" की तारीख अभी तय नहीं हो पाई है। **"रामसेतु"** की रिलीज की तैयारी भी चल रही है। ये फिल्में अपनी पूर्व घोषित तारीख पर नही रिलीज की जा सकी है। **"मेरा मानना है कि फिल्म सिनेमा घरों में रिलीज होती है तब वहां जुड़े कर्मचारियों को जीविका देती है। बेशक वर्ल्ड पेंडेमिक में फिल्म देखने वालों को ओटीटी प्लेटफॉर्म ने काफी राहत दिया है। दोनो ही माध्यम फिल्म व्यवसाय को बढ़ावा देने वाले हैं।"**

अक्षय कुमार की फिल्मों के अलावा दूसरी फिल्में जो थियटरों में पहुंचने के लिए तैयार हैं, वे हैं– **'नो टाइम टू डाय'**(30 सितम्बर), **'भवई'**(1ऑक्टोबर),**'शिद्दत'**और **'रश्मि रॉकेट'**(डिजिटल रिलीज 1 और 15 अक्टुबर),**'इटरनल्स'**(5 नवम्बर),**'बंटी और बबली2'**(19 नवम्बर),**'घोस्ट बस्टर्स'**(19 नवम्बर),**'सत्यमेव जयते2'**(26 नवम्बर),**'तड़प'**(3दिसम्बर),'चंडीगढ़ की **आशिकी'**(10दिसम्बर),**'स्पाइडर मैन: नो वे होम'**(17 दिसम्बर),**'83'**(24 दिसम्बर),**'पुष्पा आपार्ट 1'**(24 दिसम्बर),**'जर्सी'**(31 दिसम्बर),**'सर्कस'**(31 दिसम्बर) आदि। अक्षय कुमार कहते हैं–**"जब फिल्में रिलीज होंगी, तब ज्यादा बनेगी भी।तब इंडस्ट्री के चेहरे पर एकबार फिर पहले जैसी रौनक दिखाई देगी!"**

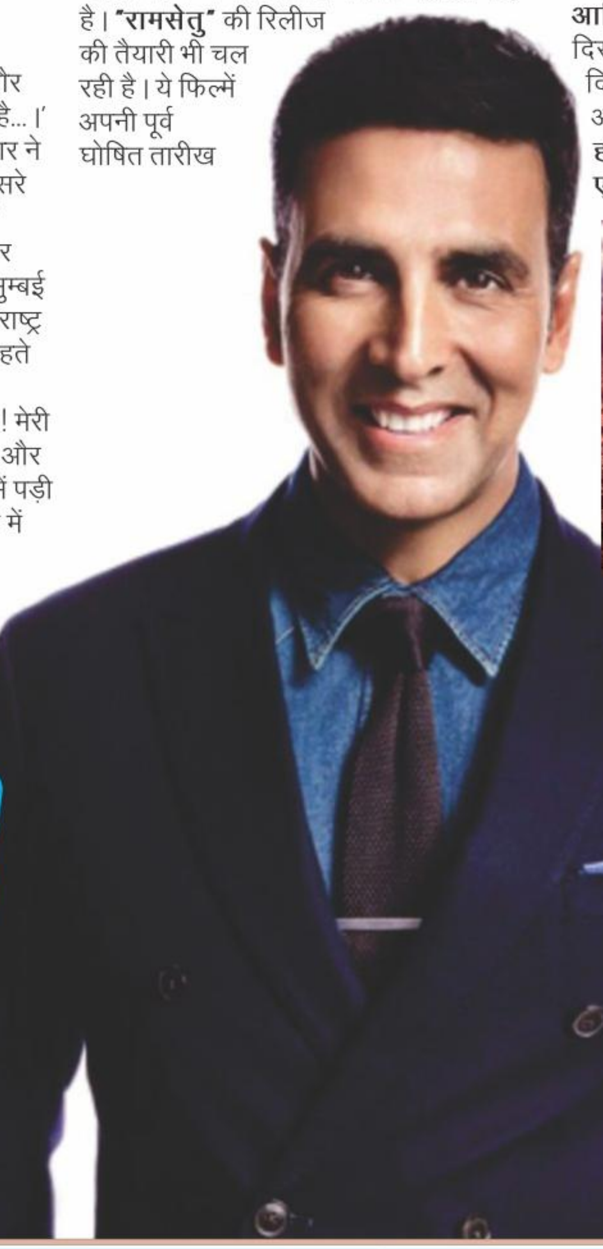

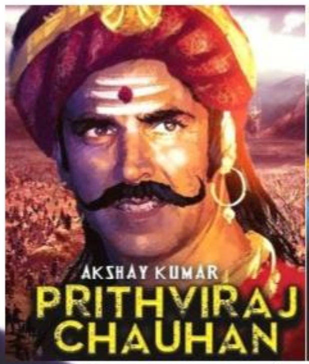
AKSHAY KUMAR
PRITHVIRAJ CHAUHAN

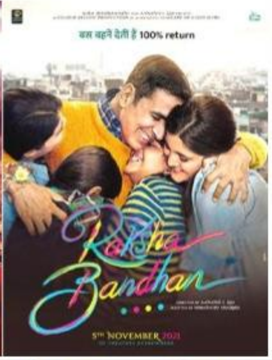
बस बहने देती है 100% return
Raksha Bandhan
5th NOVEMBER 2021

ATRANGI RE
AKSHAY KUMAR
SARA ALI KHAN
DHANUSH

AA RAHI HAI POLICE
a ROHIT SHETTY film
SOORYAVANSHI

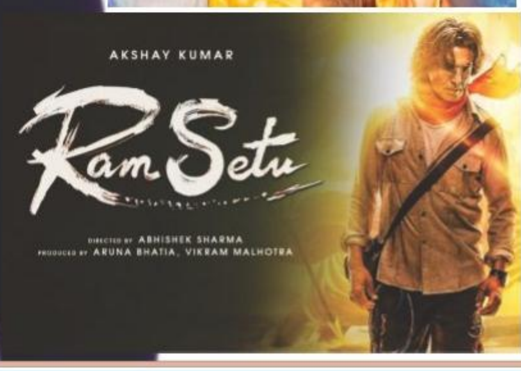
AKSHAY KUMAR
Ram Setu
DIRECTED BY ABHISHEK SHARMA
PRODUCED BY ARUNA BHATIA, VIKRAM MALHOTRA

क्या आजकल आलिया भट्ट रणबीर कपूर की प्रेमिकाओं की क्रॉस चेकिंग करने में लगी हैं?

– शरद राय

जैसी की चर्चा है कि आजकल रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की दोस्ती उस मुकाम पर आ चुकी है जब वे दोनों विवाह–बंधन में कभी भी बंध जाएं। मां नीतू सिंह कपूर आलिया भट्ट को बहुत पसंद भी करने लगी हैं। गाहे बगाहे आलिया को फोन करती रहती हैं। शॉपिंग जाना होता है तो बुला लेती हैं। और दूसरी तरफ से आलिया भट्ट भी उनको मां की तरह इज्जत देती पेश आती हैं। आलिया की मां सोनी राजदान भट्ट भी बेटी की इस पसंद से खुश हैं और चाहती हैं यह रिश्ता एक पूर्ण अंजाम तक पहुचे। हालांकि विवाह और रिश्तों की अहमियत भट्ट खानदान में बेहद व्यक्तिगत समझी जाती है लेकिन बेटी की मासूमियत को समझते हुए सुना है पापा महेश भट्ट ने भी सलाह दी है कि वह रिश्ते को कोई नाम देने से पहले अच्छी तरह से परख ले। यही इशारा इनदिनों आलिया को पशोपेश में डाल रखा है। खबरों की सुने तो छोटी भट्टिनी ने अपने प्रेमी छोटे कपूर की एक्स प्रेमिकाओं को खंगालना शुरू किया है कि कहीं कोई चिंगारी अतीत की धुंध में छुपी तो नहीं है। और, ये खबरें तब बन रही हैं जब एक तरफ यह भी समझा जा रहा है कि यह जोड़ा इस साल के अंत मे दिसम्बर महीने में विवाह कर सकता है।

पहले आलिया ने रणबीर कपूर के पिछले दिनों हुए बर्थडे के मौके पर (जयपुर में) खुद को लोगों के सामने बहुत स्ट्रांग दिखाने की कोशिश किया। उसने रणबीर को प्रेसराइज करके उनकी सभी पूर्व प्रेमिकाओं को आने के लिए आग्रह करवाया। रणबीर की जिन गर्ल फ्रेन्डों ने आने में असमर्थता बताया था, आलिया उनसे व्यक्तिगत बात की हैं और जानने की कोशिश की हैं कि उनके मन मे कपूर पुत्र के लिए कुछ है तो नहीं? बताते हैं जो आई थी उनसे यह बार–बार पूछने के बहाने आलिया ने बात की कि कैसी रही पार्टी? आलिया कपूर जैसी कोई आजकी टॉप स्टार किसी से पार्टी की बात पूछे तो सहज ही मन में सवाल बनता है कि वह अपने प्रेमी की चिंता बहुत ज्यादा कर रही हैं।

यहां हम पाठकों को याद दिलादें की चिकने कपूर के भोले चेहरे पर मरने वाली बॉलीवुड हीरोइनों में शायद कुछ नाम बचे रह गए होंगे– जिनको उनसे 'क्रस' न हुआ हो। एक लंबी लिस्ट बनती है जिनके साथ वह काम करते–करते "कुछ हो गया" की स्थिति में आ गये बताए गए हैं। नामों की फेहरिस्त में सबसे ऊपर है कैटरीना कैफ, दीपिका पादुकोण के नाम। और लड़कियों के नाम का जिक्र हम यहां नहीं करना चाहेंगे क्योंकि इनमें कई शादी कर चुकी हैं या एंगेज्ड हैं। बेशक दीपिका पादुकोण और कैटरीना के साथ रणवीर के रोमांटिक प्रसंग बहुत चर्चित रहे हैं। दीपिका के नाम पर नीतू सिंह ने बेटे के रिश्ते को अपनी स्वीकृति दे दिया था, अंगूठी भी बनवा लिया था। बात मंगनी होने तक पहुंच गई थी..उस समय रणबीर के पिता ऋषि कपूर ज़िंदा थे। यह रिश्ता क्यों टूटा और दीपिका 'मिसेज रणबीर कपूर' बनने की जगह 'मिसेज रणवीर सिंह' बन गयी, यह आज भी एक रहस्य है। दीपिका की चर्चा में रणबीर ने कभी कुछ नहीं कहा, तब लोगों ने कहा था कि वह टूट गए हैं। ऋषि कपूर भी दुखी हुए थे। रणबीर फिर तो कैटरीना कैफ के ऐसे दोस्त बन गए कि वे साथ में रहने तक लग गए थे। दोनो ने साथ मे बांद्रा में घर तक खरीद था। लोग भूल गए कि कभी यही कैटरीना सलमान की दोस्त थी और रणबीर दीपिका के। कैट के साथ तीन साल रहने के बाद यह रिश्ता भी दूसरे रिश्तों की तरह ध्वस्त हो गया। लेकिन, रणबीर कपूर पर तारिकाओं की कातिल नज़रें वैसी ही सलामत रहीं। इस बार उसी गर्मजोशी वाला इश्क उनके साथ आलिया भट्ट कर बैठी हैं। शायद दो बार की चोट खा चुके कपूर भी आलिया की मासूमियत पर फिदा हैं।

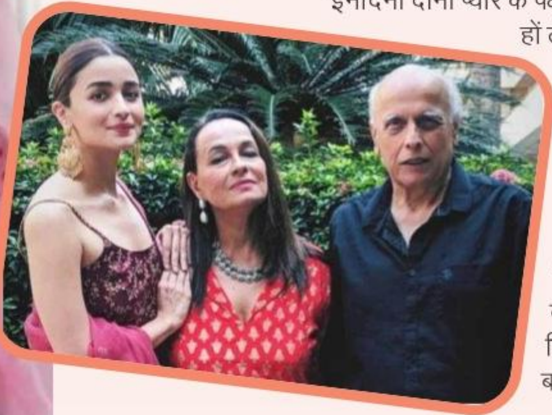

इनदिनों दोनों प्यार के पंक्षी प्रगाढ़ प्रेमपाश में भले हों लेकिन बताते हैं कि एक फांस आलिया के मन मे ज़रूर है और वह फूंक–फूंक कर छांछ पीना चाहती हैं और, शायद होना भी यही चाहिए। ना सिर्फ इनके रिश्तों में बल्कि बॉलीवुड के हर नए बनने वाले रिश्तों में यह सावधानी बरती जानी चाहिए।

अली फज़ल ने 'रे' में इस्पित नायर के किरदार के लिए बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल द्वारा एशिया कॉन्टेंट अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का नामांकन प्राप्त किया'

प्रस्तुति राकेश दवे

एशिया कॉन्टेंट अवार्ड्स के लिए नामांकन की घोषणा हाल ही में की गई थी, और अली फज़ल ने नेटफ्लिक्स पर **'रे'** एंथोलॉजी की चार फिल्मों में से एक, **'फॉरगेट मी नॉट'** में इस्पित नायर के अपने किरदार के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नामांकन प्राप्त किया। श्रीजीत मुखर्जी द्वारा निर्देशित, कहानी सत्यजीत रे की कहानी **'बिपिन चौधरी का स्मृति भ्रम'** की एक आधुनिक व्याख्या है। अली एक कॉर्पोरेट शार्क की भूमिका निभाते हैं जो कभी कुछ नहीं भूलता है और एक कंप्यूटर की तरह स्मृति रखता है।

नॉमिनेशन पर वे कहते हैं, ''वाह! यह पूरी तरह अप्रत्याशित था। मैं इस नामांकन को प्राप्त करने के लिए बहुत विनम्र हूं और ACA द्वारा मान्यता प्राप्त होना बहुत मायने रखता है। इस साल एशिया में बहुत सारी बेहतरीन कॉन्टेंट का निर्माण किया गया था और फिल्मों और अभिनेताओं के इस तरह के प्रभावशाली लाइनअप के बीच नामांकन प्राप्त करना एक सम्मान की बात है।"

नुसरत भरुचा ने नेटफ्लिक्स पर **'अजीब दास्तान'** के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नामांकन भी हासिल किया है। तीसरा एशियाई कॉन्टेंट पुरस्कार (ACA) बुसान अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (BIFF) के एशियाई कॉन्टेंट और फिल्म बाजार (ACFM) द्वारा चलाया जाता है। ACA का उद्देश्य एशिया से उत्कृष्ट टीवी, ओटीटी और ऑनलाइन कॉन्टेंट का प्रदर्शन करना है। इस साल, ACA पर कोरियाई नाटक और नेटफ्लिक्स ओरिजनल्स का बोलबाला था।

जीव माझा गुंट्ला सीरीज के सेट पर रेखा दुधाने और योगिता का तोहफा.

मुंबई, 29 सितंबर, 2021: कलर्स मराठी पर सीरीज जीव माझा गुंटाला इस समय खूब धमाल मचा रही है। यह कहना सही होगा कि इस सीरीज में पूरा महाराष्ट्र शामिल था। योगिता चव्हाण श्रृंखला में अंतर की भूमिका निभाती हैं। उन्होंने इस भूमिका के लिए खुद को रिक्शा चलाने के लिए प्रशिक्षित किया। मैंने रिक्शा चलाना सीखा लेकिन असली मजा तब आया जब मैं रिक्शा चलाते हुए बात करना और अभिनय करना चाहता था। लेकिन सीरीज और उनके पार्टनर (रिक्शा) के बीच की दूरी ने दर्शकों का दिल जीत लिया. फिर उसके साथी के साथ संवाद होना चाहिए और उसके और उसके साथी के बीच संबंध होना चाहिए। सेट पर दूरी यानी योगिता एक दिन हैरान रह गईं जब रेखा दुधाने उनसे मिलने सेट पर आईं। मेरे लिए, दूरी एक "महान उपहार" है।

योगिता ने कहा, 'रेखा दुधाने महाराष्ट्र की पहली महिला रिक्शा चालक हैं। अचानक एक दिन वह प्राणी मुझसे मिलने के लिए मेरी आकर्षक श्रृंखला के सेट पर आया। जब वह कमरे में आई, तो उसके तेजतर्रार व्यक्तित्व को देखकर, मुझे एक शब्द भी नहीं सूझ रहा था। उनके चेहरे पर खाकी वर्दी और एक अलग ही चमक थी। उसने रिक्शा की चाबी घुमाई और एक प्यारी सी मुस्कान के साथ कमरे में दाखिल हुआ। उन्हें अपने सामने देखकर अचानक दूरियों का भविष्य मेरी आंखों के सामने आ गया। मुझे सौंपी गई जिम्मेदारियों के बारे में मैं और अधिक जागरूक हो गया। लेकिन, मुझे इस बात की भी खुशी है कि हम सीरीज के जरिए ऐसी शख्सियत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। और जब उन्होंने दूरी की तारीफ की, तो मैंने किसी तरह अपने आंसू रोक लिए। वह कोई रिक्शा चालक नहीं बल्कि एक नर्स है। रेखा ताई ने अपने जीवन में बेटी, बहन, पत्नी आदि कई जिम्मेदारियां पूरी की हैं

बॉलीवुड की मस्ती भरी शरारतें

देख लों पब्लिक कितनी खुश है हम दोनों के प्यार से ... इतना तो कभी किसी बॉलीवुड जोड़ी की शादी से भी खुश नहीं हुई।

सच्चे प्यार को हर कोई प्यार करता है उनसे खुश ही होता है। और तुमने भी तो मेरे बर्थडे के दिन सोशल मीडिया पर पोस्ट करके तड़का दिया था तो भला मैं खुश क्यों न होऊं।

वरूण ये पब्लिक है सब जानती है। एड का सिलेक्शन थोड़ा देखभाल कर दिया करो। शुक्र है तुम बच गये हो।

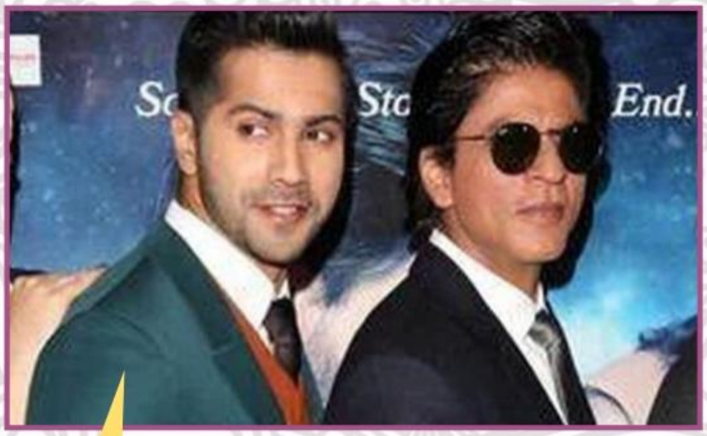

जैसा गुरू वैसा चेला... आप भी तो किसी से कम नहीं हो... ‘‘बोलो जुबां केसरी’ कुछ याद आया कि याद दिलाऊं ?

लता दीदी.. आप तो हमारे भारत देश की आन...बान और शान हैं। पूरे भारत में बल्कि विश्व ने आपको सुरों की देवी कहा है। आप बेमिसाल हैं।

बेमिसाल तो आप भी कम नहीं है। आपका भी तो पूरे विश्व में परचम लहलहरा रहा है। ईश्वर करें आप ऐसे ही देश के लिए कारनामें करते रहें।

वेब-सीरीज़ 'इनविज़िबल वुमन' के साथ अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए सुनील शेट्टी इतने रोमांचित क्यों हैं?

– चैतन्य पडुकोण

माचो बॉलीवुड स्टार–अभिनेता सुनील ('अन्ना') शेट्टी, जिन्होंने हाल ही में केबीसी क्विज़ टीवी शो सोनी टीवी पर विशेष एपिसोड में अपने हॉट–सीट पार्टनर और करीबी दोस्त–अभिनेता जैकी श्रॉफ के बारे में अपने भावुक किस्सों के साथ घर–दर्शकों को आंसू बहाए डिजिटल स्पेस में जूम करने के लिए सेट करें। सनी सुनील की शुरुआत एक वेब श्रृंखला के साथ है जिसका शीर्षक अदृश्य महिला है .. बहुमुखी सुनील शेट्टी, जिन्हें मैं हूं ना, मोहरा, धड़कन और हेरा फेरी कॉमेडी–एक्शन श्रृंखला जैसी ऐतिहासिक फिल्मों के लिए जाना जाता है, ने साझा किया कि वह तुरंत थे अदृश्य महिला की अनूठी कहानी के लिए तैयार आगामी वेब–शो को सारेगामा इंडिया–यूडली फिल्म्स की फिल्म शाखा द्वारा समर्थित किया गया है, जो इस परियोजना के साथ डिजिटल स्पेस में भी अपनी शुरुआत कर रहा है। नोयर (डार्क) एक्शन थ्रिलर श्रृंखला का निर्देशन प्रशंसित तमिल निर्देशक राजेश एम सेल्वा करेंगे

सुनील शेट्टी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, "आज एक वेब श्रृंखला में कुछ ऐसा होना चाहिए जो इसे पहले से मौजूद आख्यानों के बंधन से अलग कर सके। 'अदृश्य महिला' की कहानी ने तुरंत मेरा ध्यान खींचा। यूडली के साथ मिलकर इस अनोखे प्लॉट शो को जीवंत करने के लिए और इस तरह की अनूठी वेब श्रृंखला में अपनी शुरुआत करने के लिए बहुत खुश हूं, "60 वर्षीय अभी तक फिर से जीवंत मिलनसार अभिनेता सुनील जिनके साथ मैं एक व्यक्तिगत साझा करता हूं तालमेल, 1990 के बाद से, बलवान (1992) में मुख्य अभिनेता के रूप में फिल्मों में आने से पहले ही।

सारेगामा इंडिया के एमडी विक्रम मेहरा ने कहा कि ओटीटी (ओवर–द–टॉप) प्लेटफॉर्म पर अज्जी, हामिद और कनपुरिए जैसी फिल्मों के लिए दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद, वे एक वेब श्रृंखला के साथ शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। मेहरा ने स्पष्ट किया कि फीचर फिल्मों की अपनी स्लेट के माध्यम से हम नए उभरते डिजिटल दर्शकों की मांग को पूरा करने में बहुत प्रभावी रहे हैं, जिन्हें कई ओटीटी प्लेटफार्मों में पसंद किया गया है। "अब हम वेब श्रृंखला की दुनिया में छलांग लगाते हैं – एक ऐसा स्थान जिसमें हम प्रवेश करने के लिए खुजली कर रहे हैं, यह देखते हुए कि उपभोक्ताओं के उपभोग पैटर्न ने द्वि घातुमान–देखने के लिए एक विवर्तनिक बदलाव देखा है। हम सही प्रोजेक्ट के आने का इंतजार कर रहे थे और 'इनविजिबल वुमन' इस बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए सही है।"

श्रृंखला में पूर्व सौंदर्य–रानी ईशा गुप्ता, (राज –3, बादशाहो और रुस्तम फिल्मों की प्रसिद्धि) भी हैं, जिन्हें आखिरी बार 2019 की फिल्म वन डे: जस्टिस डिलीवर में देखा गया था।

यह याद किया जा सकता है कि बहुमुखी सुनील शेट्टी को इस मील के पत्थर की तमिल फिल्म दरबार (2020–जनवरी) में मुख्य प्रतिपक्षी के रूप में अच्छी तरह से सराहा गया था, जहाँ उन्होंने लंबे बालों वाले (एक पुरुष–बन का खेल) प्रतिपक्षी की भूमिका निभाई थी, जो उनकी अभिनय प्रतिभाओं का सम्मान करते थे सुपरस्टार रजनीकांत।

ड्यूरोफ्लेक्स की ब्रांड एंबेसडर आलिया भट्ट कहती हैं 'चेंज योर स्लीप, चेंज योर लाइफ''

भारत का प्रमुख स्लीप सॉल्यूशन ब्रांड 'ड्यूरोफ्लेक्स' अपने नेशनल ब्रांड एं**बेसडर आलिया भट्ट** के साथ दिवाली के लिए नया कैम्पेन '**चेंज योर स्लीप, चेंज योर लाइफ**' के जरिये एक बड़ा बदलाव लाने के संदेश के साथ त्योहार की खुशियां बांट रहा है।

त्योहार का समय, खासकर दिवाली भारतीयों के लिए एक शुभ मौका होता है! यह खुशियां बांटने, अपनों के साथ वक्त बिताने और बड़ी खरीदारी करने का त्योहार है। ऐसी खरीदारी, जो जीने के तरीके में बदलाव लेकर आए। वर्षों से दिवाली पर घरों की साज–सजावट करना, सामानों को अपग्रेड करना, ऑटोमोबाइल की खरीदारी परंपरा–सी बन गयी है। तभी तो इस साल ड्यूरोफ्लेक्स और आलिया भट्ट लोगों से जीने के तरीके में जरूरी बदलाव लाकर दिवाली मनाने का अनुरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि लोगों को अपने स्लीप एसेंशियल को इस तरह अपग्रेड करना चाहिए, ताकि उन्हें बेहतर जिंदगी के लिए हेल्दी और गहरी नींद मिल पाए।

इसी संदेश को ब्रांड ने अपने दिवाली विज्ञापन में साकार किया है। इसमें आलिया भट्ट अपनी रियल लाइफ फ्रेंड, आकांक्षा रंजन कपूर के साथ पहली बार परदे पर नजर आ रही हैं। विज्ञापन में आलिया, दिवाली पर कोई बड़ा चेंज करने की सोच रही आकांक्षा को बड़े ही प्यार से कुहनी मारती हैं। आलिया उन्हें पुराने मैट्रेस के बदले डॉक्टर द्वारा सुझाए ड्यूरोफ्लेक्स मैट्रेस लेने की सलाह देती हैं। आलिया जोर देकर बताती हैं रिसर्च के आधार पर तैयार ड्यूरोफ्लेक्स और बाकी मैट्रैस में क्या फर्क है। यानी, यह विज्ञापन आकांक्षा के ड्यूरोफ्लेक्स मैट्रेस पर चैन की नींद का आनंद लेने के साथ खत्म होता है और आलिया कहती नजर आती हैं, 'नदिंग लाइक ड्यूरोफ्लेक्स'।

इस कैम्पेन के बारे में ड्यूरोफ्लेक्स की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर स्मिता मुरारका कहती हैं, 'त्योहार का समय बदलाव लाने के लिए भारत में बहुत ही शुभ मौका माना जाता है, जोकि किसी के जीवन को बेहतर बना सके। पिछले कुछ सालों में घर की जरूरी चीजें, सजावट और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स, दिवाली खरीदारी की परंपरा बन गई है। इस साल हम लोगों को 'चेंज योर स्लीप, चेंज योर लाइफ' के जरिये सबसे बड़ा बदलाव लाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। एक स्लीप सॉल्यूशन ब्रांड के रूप में पांच दशक की विशेषज्ञता के साथ हमारा मानना है कि रिसर्च द्वारा तैयार मैट्रेस पर सुकून भरी नींद किसी की जिंदगी को बेहतर बना सकती है।'

—सुलेना मजुमदार अरोरा

एक वादा निभाने के लिए अपुन सबका जग्गू दादा (जैकी श्रॉफ) आ रयेला है

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने सिनेमा और इसके विभिन्न स्वरूपों के माध्यम से एनवायरमेंट के प्रति जागरूकता लाने के लिए अपना सपोर्ट देने का वादा किया है। जैकी श्रॉफ को मनोरंजन क्षेत्र से एक अनूठे कार्यक्रम के लिए गुडविल राजदूत के रूप में शामिल किया गया है, यह एक ऐसा फिल्म समारोह है जो पूरी तरह से फिल्मों और सिनेमा के लिए समर्पित है और पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के साथ—साथ ऐसे अन्य प्रासंगिक विषयों पर भी चर्चा और निदान करता है। ऑल लिविंग थिंग्स एनवायरनमेंटल फिल्म फेस्टिवल, एएलटी ईएफएफ (ALT EFF) भारत का पहला और एकमात्र ऐसा फेस्टिवल है जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सिनेमा के विचार को जोड़ कर समाज को एक सन्देश देना होता है। जैकी श्रॉफ हमेशा विभिन्न पर्यावरणीय पहलुओं से जुड़े रहे हैं और अक्सर वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। वे फिल्म उद्योग में अन्य प्रमुख हस्तियों के साथ मृण्मयी देशपांडे राव के साथ फेस्टिवल के राजदूत हैं।

बातचीत के दौरान अभिनेता जैकी श्रॉफ कहते हैं, "एएलटी ईएफएफ (।स्ज म्थ्थ्) वास्तव में बेहद रोमांचक है और मैं यह देखने के लिए इंतजार कर रहा हूं कि फेस्टिवल में किस प्रकार की फिल्में दिखाई जाएगी। सच पूछो तो, फिल्में भविष्य के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक शक्तिशाली माध्यम हैं। अगली पीढ़ी के लिए (अपने बच्चो के लिए) यह उनसे लिया गया एक ऋण है। मिट्टी, पानी, बीज, और हम उन सभी को दूषित करते हैं। परन्तु यह अच्छा है कि इतने सारे लोग एक जैसे सोच रहे हैं पर्यावरण बहाली के बारे में, मैं इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। एएलटी ईएफएफ (ALT EFF) की टीम और फिल्म निर्माताओं को मेरी ढेर सारी शुभकामनाएं जो अपनी कला के माध्यम से अपनी भावनाओं को प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे। आप लोग से जल्द ही मिलने आ रहा हूँ।"

यह फेसिवल उच्च क्वालिटी वाले सिनेमा द्वारा प्रतिष्ठित है, जिसे COVID—19 महामारी के कारण उपजी कई कठिन चुनौतियों के बावजूद समर्पण के साथ बनाया और क्यूरेट किया गया है। मूल रूप से, ALT EFF की कल्पना एक फिज़िकल फेस्टिवल के रूप में की गई थी, लेकिन इस वर्ष, सभी उत्सव मनाने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, ALT EFF वर्चुअली किया जा रहा है।

FOUR FILMS THAT PROVE TAMANNAAH IS THE MOST VERSATILE ACTRESS ON THE BLOCK

Malaika Arora Super Hot Look On Miss Diva 2021 Red Carpet

आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स ने अपनी चार प्रमुख बड़ी स्क्रीन फिल्मों बंटी और बबली 2, पृथ्वीराज, जयेशभाई जोरदार और शमशेरा की नाटकीय रिलीज की तारीखों की घोषणा की

ज्योति वेंकटेश

अच्छी खबर, सिनेमाघरों के बंद होने के बाद और पिछले डेढ़ साल से कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई थी, अब यशराज फिल्म्स से अच्छी खबर के लिए गियर. **'बंटी और बबली 2'** में **सैफ अली खान, रानी मुखर्जी, सिद्धांत चतुर्वेदी** और प्रतिभाशाली नवोदित शारवरी। बहुप्रतीक्षित, प्रफुल्लित करने वाला और पारिवारिक मनोरंजन 19 नवंबर, 2021 को दुनिया भर में रिलीज होगा! **निर्देशकः वरुण वी. शर्मा**

वाईआरएफ का बड़ा बजट **'पृथ्वीराज'** 21 जनवरी, 2022 को दुनिया भर में रिलीज होगी! इसमें सुपरस्टार **अक्षय कुमार** राजा पृथ्वीराज चौहान के रूप में हैं! भव्य **मानुषी छिल्लर** ने अक्षय के साथ संयोगिता के रूप में डेब्यू किया! **संजय दत्त और सोनू सूद** अहम भूमिका में हैं! निर्देशकः डॉ **चंद्रप्रकाश द्विवेदी!**

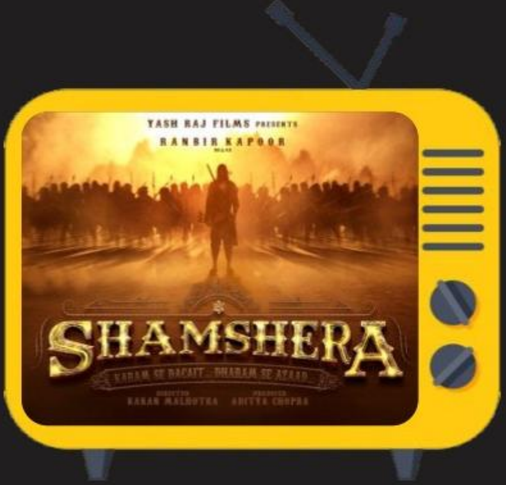

सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक, वाईआरएफ की **'जयेशभाई जोरदार'**, सुपरस्टार **रणवीर सिंह और शालिनी पांडे** अभिनीत, 25 फरवरी, 2022 को दुनिया भर में रिलीज होगी। गुजरात में स्थापित एक पारिवारिक मनोरंजन, रणवीर एक गुजराती व्यक्ति की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जो एक अप्रत्याशित नायक बन जाता है। निर्देशकः दिव्यांग ठक्करी

सुपरस्टार **रणबीर कपूर** अभिनीत **YRF** की **शमशेरा** एक एड्रेनालाईन पंपिंग एंटरटेनर है जो 18 मार्च, 2022 को रिलीज होने के लिए तैयार है। वाणी कपूर रणबीर के साथ अभिनय किया है**! संजय दत्त इ**स दृश्य असाधारण में निर्दयी दासता की भूमिका निभाते हैं! निर्देशकः **करण मल्होत्रा**

NO ONE
CAN
SHINE YOUR BRAND
AS

DOES.

BRIGHT
OUTDOOR
PRINT TV RADIO PR DIGITAL
CELEBRITY EVENTS & CREATIVES

PAN INDIA & INTERNATIONAL OOH

info@brightoutdoor.com | www.brightoutdoor.com | +91 9320971103

कुछ सवाल शहंशाह के बारे में जो चलते रहेंगे...

–अली पीटर जॉन

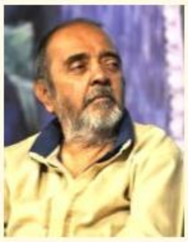

यह 24 सितंबर, साल 1982 था। जब वह अपनी निश्चित मृत्यु के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी लड़ाई समाप्त कर घर वापस आ गए थे। दो महीने का लंबा नाटक खत्म हो गया था। मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा और पारसियों के अग्नि मंदिरों और दुनिया में हर जगह पूजा के स्थानों पर उनके लिए प्रार्थना की गई थी। बैंगलोर के सेंट फिलोमेना अस्पताल के डॉक्टर और फिर कुछ बेहतरीन डॉक्टरों के बीच हुई असली बड़ी लड़ाई में डॉ.फरोख उद्वाडिया, डॉ. जयंत बर्वे और अन्य विशेषज्ञ द्वारा ब्रीच कैंडी अस्पताल का नेतृत्व किया गया और हर दिन, हर जगह तनाव था और एक दिन विशेष रूप से सुबह–सुबह तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने दिल्ली से केवल आपको देखने के लिए उड़ान भरी, क्योंकि आप उनकी मित्र, श्रीमतीजी बच्चन के पुत्र थे। और बाहरी भीड़ को यकीन था कि आप मर चुके है। दूसरी बार तनाव असहनीय था जब डॉक्टरों ने 2 अगस्त साल 1982 की रात को आपको 'क्लिनिकाल्ली डेड' घोषित कर दिया था और जया सिद्धिविनायक मंदिर नंगे पैर गई और वापस आई आपके कमरे में आपको देखने गई जहा उन्होंने आपके की उंगलियों को हिलते देखा और वह आपके जीवित होने के बारे में जोर जोर से चिल्लाई थी और सभी डॉक्टर्स जो आपका इलाज कर रहे थे, वे जल्दी ही वापस आ गए, हालांकि उन्होंने आपके लिए सभी होप छोड़ दी थी और डॉक्टर उद्वाडिया ने सभी डॉक्टर्स को आपको कोर्टीजोन इंजेक्शन के साथ पंप करने के लिए कहा था और आपको 100 से अधिक इंजेक्शनों के बाद पुनर्जीवित किया गया था जहां आप को पंप किया गया था और फिर एक शानदार रिकवरी के साथ आप जो 24 सितंबर 1982 को जिंदा हो गए थे और अब 37 साल के लंबे और कठिन परिश्रम के बाद दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के विजेता होने के नाते आपको यह देखना कितना कोइन्सिडन्स था। 2 अगस्त साल 1982 की उस रात अगर कोई गलत हो गया होता तो क्या होता?

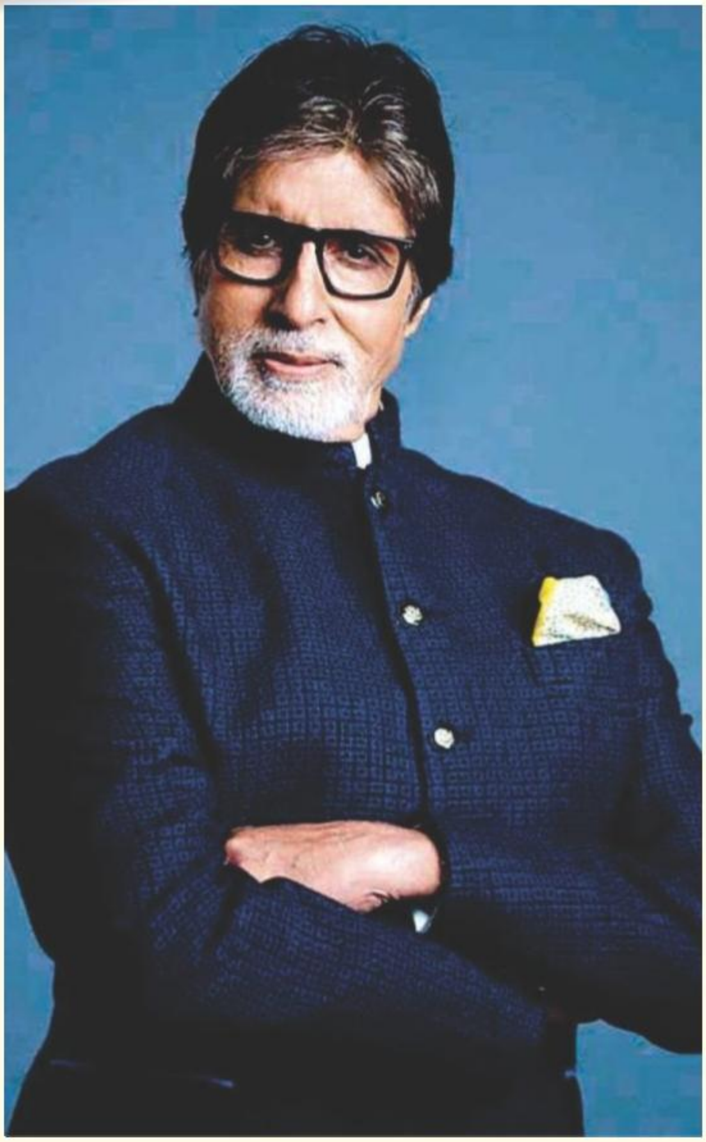

क्या होता अगर आपका नाम इंकलाब होता, जो आपके पिता ने चुना था और आपका भविष्य क्या होता अगर आपको इंकलाब श्रीवास्तव के नाम से जाना जाता, जो आपके पिता के परिवार का ओरिजिनल सर्नेम था और किसने सर्नेम बच्चन को अपने सर्नेम के रूप में लिया था?

क्या कवि निराला को पता था कि वह एक बच्चे अमिताभ का नामकरण कर रहे हैं जो आने वाले समय में दुनिया को रोशन करेगा?

अगर मेरे और आपके गुरु के. अब्बास ने 'सात हिंदुस्तानी' नामक एक फिल्म बनाने का फैसला नहीं किया होता तो क्या होता? और

अपने सहायक टीनू आनंद को 'सात हिंदुस्तानी' के रूप में लिया था और टीनू ने अंतिम समय तक उन्हें नहीं छोड़ा और उन्हें बताया कि सत्यजीत रे टीनू को अपने 13 वें सहायक के रूप में शामिल कर रहे है और अब्बास साहब ने उनसे कहा था कि वह उन्हें जाने नहीं देगे जब तक कि वह उन्हें एक विकल्प नहीं ढूंढ देते और टीनू ने अपने पर्स से एक तस्वीर निकाली जो उन्हें दिल्ली से उनकी दोस्त शीला द्वारा दी गई थी, जो चाहती थी कि टीनू तस्वीर में उस लड़के को एक अभिनेता के रूप में जॉब दे। और अब्बास ने कैसे उस एक तस्वीर को देखा और टीनू से लड़के को कोलकाता से मुंबई आने के लिए पहली ट्रेन लेने को कहा, और वह उन्हें कोलकाता से बॉम्बे के ट्रेन द्वारा सेकंड क्लास के टिकेट के पैसे भी पे करेगे। और कैसे आप और आपके भाई, अजिताभ ने आपकी खोज में स्टारडम में शामिल होने का फैसला लिया वास्तव में यह जाने बिना कि यह सब क्या था। और कैसे अब्बास की प्रतिभा के प्रति गहरी नजर थी और उन्हें आपने 7 वें भारतीय के रूप में कास्ट करने का फैसला किया था। और जब आपका अग्रीमेंट अब्दुल रहमान, उनके पीए, द्वारा टाइप किया जा रहा है, तो अब्बास यह जानने के लिए उत्सुक थे कि क्या आप कवि डॉ. बच्चन से संबंधित थे और जब आपने हां कहा था, तो कैसे उन्होंने आपको अपने पिता को दिल्ली कॉल करने के लिए कहा और यह जानने के बाद कि आपके पिता को आपके अभिनेता होने पर कोई आपत्ति नहीं थी, उन्होंने आपको पूरी फिल्म के लिए 5000 रुपए में साइन किया और गोवा में शूटिंग 40 दिनों की थी, जहां आपको पूरी यूनिट के साथ एक डोरमेट्री शेयर करनी थी जिसमें मिस्टर अब्बास भी शामिल थे।

अगर ऋषिकेश मुखर्जी, एस. रामनाथन जैसे अन्य निर्देशकों ने आपके प्रतिभा नहीं देखी होती और 'आनंद' और 'बॉम्बे टू गोवा' जैसी फिल्मों में कास्ट न किया होता, तो क्या होता? जहाँ आपको प्राण और ओमप्रकाश जैसे दिग्गज कलाकार नजर आ रहे थे जिन्होंने आपको प्रकाश मेहरा के लिए सिफारिश की थी जो एक अभिनेता की भूमिका निभा रहे थे जिसे देव आनंद, राज कुमार और धर्मेंद्र जैसे सितारों ने खारिज कर दिया था और यह सलीम–जावेद की लेखक टीम थी जिसने आखिरकार तय किया कि जंजीर आपके साथ बनाई जा सकती है और जंजीर में आपको इंस्पेक्टर विजय के रूप में कास्ट किया गया जिसमे आप असफलता की कुर्सी को लात मार कर सफलता की सीढ़ियों पर तेजी से चढ़ गए, और फिर आप एक "एंग्री यंग मैन" और अगले सुपरस्टार के रूप में जाने–जाने गए।

प्रकाश मेहरा द्वारा बोली गई एक पंक्ति को मैं कैसे भूल सकता हूं, जब उन्होंने कहा, **आप 12 बजे तक कुछ नहीं थे और 3 बजे एक स्टार थे।**

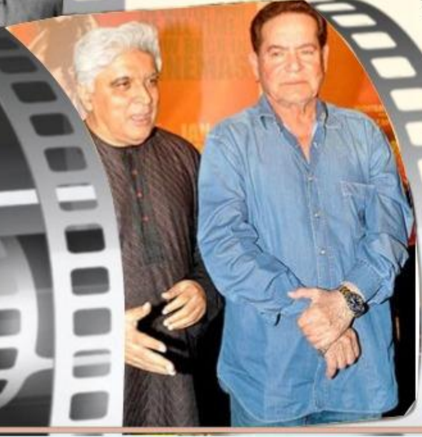

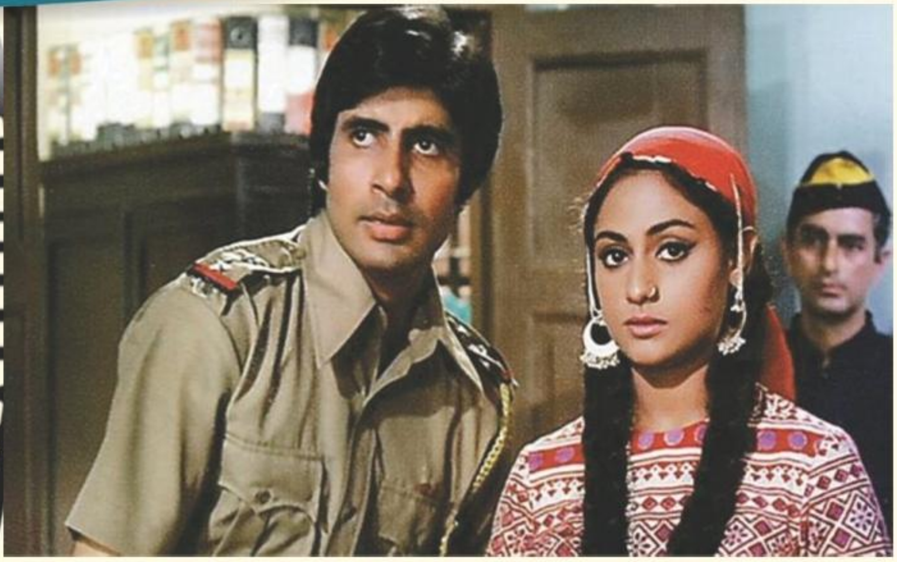

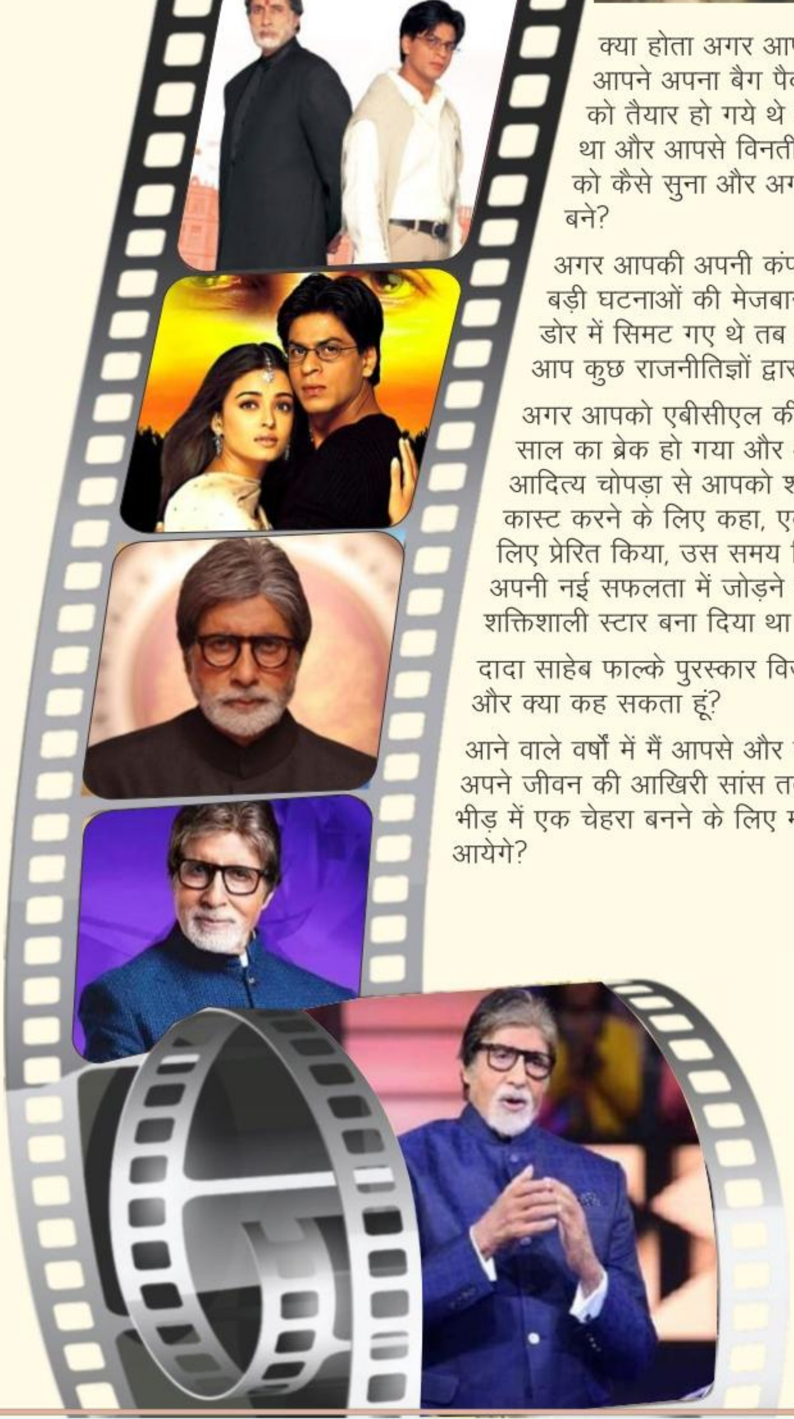

क्या होता अगर आप हार की ताकतों के सामने आत्मसमर्पण कर चुके होते और जब आपने अपना बैग पैक कर लिया था और 11 फ्लॉप होने के बाद कोलकाता वापस जाने को तैयार हो गये थे और आपके मित्र अनवर अली महमद के भाई ने आपको कैसे रोका था और आपसे विनती की थी कि आप दो महीने और न जाए और आपने उनकी सलाह को कैसे सुना और अगले कुछ महीनों में आप एक सुपरस्टार और मिलेनीअम के स्टार कैसे बने?

अगर आपकी अपनी कंपनी 'एबीसीएल' शुरू करने और बेंगलुरु में मिस वर्ल्ड पेजेंट जैसी बड़ी घटनाओं की मेजबानी करने की आपकी महत्वाकांक्षा को छोड़ दिया जाए और आप एक डोर में सिमट गए थे तब आपको अपने बंगले को गिरवी रखना पड़ा था और कहा गया कि आप कुछ राजनीतिज्ञों द्वारा बचाए गए थे और आप बच गए थे

अगर आपको एबीसीएल की आपदाओं के बाद कोई काम नहीं मिला और फिल्म से आपका 5 साल का ब्रेक हो गया और आपको बचाने वाला एकमात्र दोस्त यश चोपड़ा थे जिन्होंने अपने बेटे आदित्य चोपड़ा से आपको शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय के साथ अपनी फिल्म मोहब्बतें में कास्ट करने के लिए कहा, एक ऐसी फिल्म जिसने आपको एक अभिनेता के रूप में नए जीवन के लिए प्रेरित किया, उस समय किसी भी अभिनेता को आपके जितने प्रस्ताव नहीं मिले थे। और अपनी नई सफलता में जोड़ने के लिए, आपके पास शो 'केबीसी' था जिसने आपको एक शक्तिशाली स्टार बना दिया था जो कि आप अभी भी 'केबीसी' के बीसवें वें सीजन के रूप में हैं।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता के रूप में आपके जन्म के साक्षी होने के बाद मैं आपके बारे में और क्या कह सकता हूं?

आने वाले वर्षों में मैं आपसे और क्या उम्मीद कर सकता हूं, जैसा कि आपने खुद कहा है कि आप अपने जीवन की आखिरी सांस तक काम करेंगे और जब तक आप समय और परिस्थितियों के कारण भीड़ में एक चेहरा बनने के लिए मजबूर होंगे या किसी पार्टी में खड़े एक जूनियर कलाकार में नजर आयेंगे?

अनु– छवि शर्मा

भारत रत्न लता मंगेशकर

एक आवाज जो भगवान को और इंसान को दोनो को प्यारी है और हमेशा रहेगी

– अली पीटर जॉन

अस्सी से अधिक वर्षों के लिए, छोटी लड़की जिसने एक अभिनेत्री के रूप में शुरुआत की थी और जिसे कुछ विशेषज्ञों और आलोचकों के कारण शुरू में कुछ कठिन समय से गुजरना पड़ा था (उस तरह का नहीं जो बहुत कम ज्ञान के साथ निर्णय पारित करते हैं, लेकिन केवल बिल्ली के लिए इसके) जिन्होंने उनकी आवाज को 'पतली आवाज' कहा, लेकिन एक बार जब वह शुरू हो गई, तो उन्हें कोई रोक नहीं सका था भगवान और मनुष्य दोनों उनसे प्रसन्न थे और उनकी आवाज के प्यार में पागल थे, जो थे, जो है और जो होगा समय के अंत तक होगा।

यह उनके लिए बहुत बड़ी बात नहीं थी जब राष्ट्रपति राम कोविंद और उनकी पत्नी सविता ने सभी प्रोटोकॉल तोड़ दिए और उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ करने के लिए 'प्रभु कुंज' स्थित अपने आवाज पर उन्हें बुलाया, जो कि नब्बे के करीब होने के कारण सबसे अच्छा नहीं है। 28 सितंबर को नब्बे साल की हो गई। उन्होंने ऊंच–नीच के लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई थी, उन्होंने दुनिया के लगभग हर देश में गाया है। उनकी आवाज आकाश, जमीन पर, समुद्र पर और हर नुक्कड़ पर सुनी जा सकती है। उनकी आवाज हर जगह अरबों दिलों की धड़कन का हिस्सा है। उन्होंने जीवन के बारे में गाया है, जीवन में संघर्षों का सामना करना पड़ता है और जीवन के सुख और दुखों के बारे में गाया है। वह न केवल भारत के ताज में सबसे अच्छा गहना है, बल्कि वह इस दुनिया में और शायद उनके बाद भी दुनिया में हर चीज और अस्तित्व में है और उनकी आवाज निश्चित रूप से भगवान तक पहुंच रही होगी, जो उत्साहित महसूस कर रहे होंगे कि उन्होंने एक अद्भुत महिला बनाई है जिसे उन्हें लता मंगेशकर कहा जाता है।

पिछले आठ दशकों और उससे अधिक में, उनके पास भारत में बनी कुछ सबसे प्रसिद्ध और यहां तक कि कम ज्ञात फिल्में हैं। उन्होंने हर तरह की मानवीय भावनाओं को जीवन दिया है और उन्होंने राष्ट्र और इस राष्ट्र को बनाने वाले लोगों के बारे में गाया है, उन्होंने श्रोताओं को अपनी बात इस तरह सुनाई है जैसे वह भगवान के बाद दूसरे स्थान पर हों। हर महान और यहां तक कि इतनी महान अभिनेत्री ने सातवें आसमान में महसूस नहीं किया है जब उन्होंने उन्हें अपनी आवाज दी है, जिन्होंने उनके लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, वे सांसारिक सितारे हैं और उन्हें याद किया जाता है।

लता मंगेशकर ने देश की सभी भाषाओं में उन भावनाओं के साथ गाया है जो देश के उन हिस्सों में उन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के लिए स्वाभाविक हैं। उन्होंने स्वर्ग और पृथ्वी को स्थानांतरित कर दिया है और उनकी आवाज दुनिया के लिए एक प्रकाश की तरह है, एक प्रकाश जो हर अंधेरे को टुकड़े टुकड़े कर सकता है। कुछ महान कवियों ने उनकी और उनकी आवाज का वर्णन करने की कोशिश की है और उनकी प्रशंसा करने के बाद, उन्होंने महसूस किया है कि वे उनके और उनकी अमरता के साथ पूर्ण न्याय नहीं कर पाए हैं, जिसका उन्होंने खुद को आश्वासन दिया है।

मुंबई के एक गांव में बचपन से ही मेरा उनसे गहरा नाता रहा है। मैं अपने पिता को लता मंगेशकर नाम के किसी व्यक्ति के बारे में बात करते हुए और मेरी माँ को कुछ गाने गुनगुनाते हुए सुना करता था जो मैंने लता मंगेशकर के गीत सुने थे। मैं बताता हूं कि जब मुंबई में चेचक की महामारी थी और हर दूसरे घर में लोग मर रहे थे और सभी कब्रिस्तानों और सभी श्मशान घाटों में मृतकों के बारे में कहा गया था, जो किसी और दुनिया में ले जाने की प्रतीक्षा कर रहे थे। बॉम्बे नगर निगम महामारी से लड़ने के लिए युद्ध के मोर्चे पर चला गया था और लता मंगेशकर के गीतों के साथ वैन हर गांव, गली और गली में घूमती थी और लता मंगेशकर गाती थी, 'मन डोले तन डोले' हम जैसे बच्चों को वैन में आकर्षित करती थी यह देखने के लिए कि संगीत और गीत के पीछे क्या जादू था और हमें नगर निगम के डॉक्टरों ने पकड़ लिया और हमें निश्चित मौत से बचाने के लिए जबरन टीका लगाया गया।

जैसे–जैसे मैं बड़ा होता गया, मुझे उनकी आवाज़ की शक्ति का एहसास हुआ और मैं इतना मोहित हो गया कि जब मेरा परिवार गणतंत्र दिवस की रात बॉम्बे के चारों ओर रोशनी से जगमगाते बॉम्बे के सभी स्थलों को देखने के लिए जाता था, तो मैं बाहर निकल जाता था और एक पुराने ग्रामोफोन रिकॉर्ड प्लेयर पर लता मंगेशकर के गाने सुनने के लिए घर पर बैठें, जिन्हें गाने को बाहर लाने के लिए सचमुच मजबूर होना पड़ा जैसे कि वे उस ग्रामोफोन में छिपे हों। मैं लता मंगेशकर को सुबह के शुरुआती घंटों तक सुन सकता था जब मेरा परिवार रोशनी देखकर वापस आ गया। उन्हें शायद ही इस बात का एहसास था कि लता मंगेशकर मेरे जीवन की सबसे अच्छी रोशनी कैसे थीं।

जब मैं लगभग तेरह वर्ष का था तब मुझे एक बहुत ही अजीब संयोग का अनुभव हुआ। मेरी एक मौसी जिसका नाम सेसिलिया था, 'प्रभु कुंज' नामक भवन में घरेलू नौकर के रूप में काम कर रही थी। वह तीसरी मंजिल पर रहने वाले कर्मैलियों के घर में घरेलू सहायिका थी और मेरी चाची हमेशा मुझे इमारत के दूसरी तरफ से मिलने के लिए कहती थीं, जिसमें लोहे की सीढ़ी थी जो विशेष रूप से नौकरों, घरेलू नौकरों और के लिए बनाई गई थी। दूसरे जो अमीरों के घरों में काम करते थे। मैंने एक बार उस नियम को तोड़ने का फैसला किया और मुख्य द्वार से प्रवेश करने की कोशिश की और एक ऐसी जगह पर पहुंच गया जहां मुझे दिखाई नहीं दे रहा था क्योंकि मेरे बगल में खड़ी महिला थी जिसे मैंने पूजा की थी, लता मंगेशकर खुद। मैं उनके साथ किसी भी तरह की बातचीत करने की हिम्मत नहीं कर सकता था क्योंकि वह एक मिनट के भीतर जिप्सी की तरह गायब हो गई थी क्योंकि वह 'प्रभु कुंज' की पहली मंजिल पर रहती थी। मैंने अपनी चाची से अधिक बार मिलने की कोशिश की लेकिन बहुत पाया लता मंगेशकर की उस दृष्टि को फिर से देखने के कुछ अवसर।

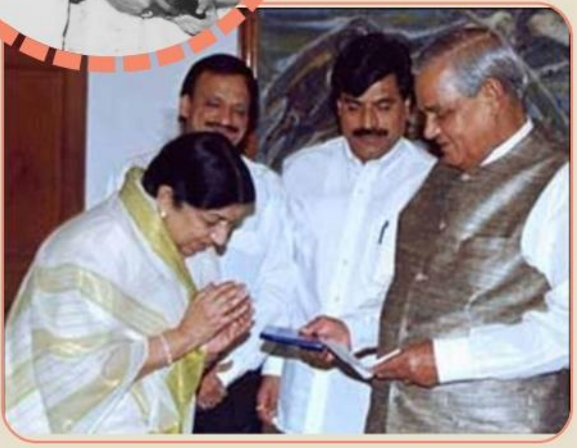

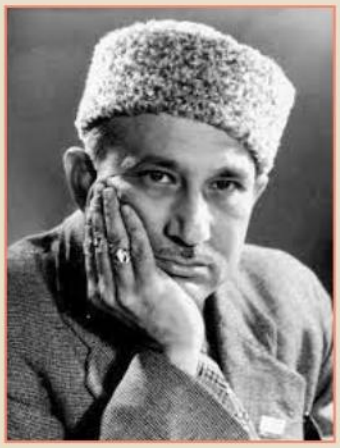

समय बीतता गया और जैसे समय के साथ सब कुछ बदल जाता है, वैसे ही मैंने जीवन की यात्रा में एक लंबा सफर तय किया था। मैं अब लता मंगेशकर को रिकॉर्डिंग स्टूडियो में देख रहा था। जल्द ही, मैं अपने गुरु, के ए अब्बास की सिफारिश पर 'स्क्रीन' में शामिल हो गया और रिकॉर्डिंग स्टूडियो की मेरी यात्रा आधिकारिक हो गई और मेरी नौकरी का हिस्सा बन गई। एक कमरे के उस डिब्बे में उसे गाते हुए देखना मेरे लिए खुशी की बात थी।

समय मुझ पर मेहरबान था। मेरे दो सीनियर थे जो उनके काफी करीब थे और मोहन वाघ, जिनके बारे में मुझे बाद में पता चला कि वह उनके निजी और पसंदीदा फोटोग्राफर थे, उन्होंने सबसे पहले मुझे उनसे मिलवाया और वह उनके साथ एक नए जुड़ाव की शुरुआत थी। मैं लगभग हर बड़े समारोह में वहां था जहां वह मोहन वाघ की वजह से थीं। मैं पुणे में पंडित दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर था, जो उनकी पहल थी और मैंने दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी और दक्षिण के महान अभिनेता शिवाजी गणेशन को देखा था, जिन्हें उन्होंने पहली बार 'अन्ना' (बड़ा भाई) कहा था।

ऐसे और भी कई कार्यक्रम और समारोह थे जहां हम मिले और बात की, लेकिन मेरी सबसे बड़ी जीत में से एक थी जब वह मेरे पुरस्कार समारोह में गाने के लिए तैयार हुई। उन्होंने अपने प्रबंधन से उनके अस्पताल को पांच लाख रुपये दान करने के लिए कहने के लिए कहा था। और जब मैंने उनसे पूछा कि उसे चेक की आवश्यकता कब है, तो वह हंस पड़ी और बोली, "मैंने तो गाना आपके कहने पर गाया था। मुझे नहीं चाहिए थे उनके पैसे।" मुझे नहीं पता था कि मुझे कैसा महसूस हुआ या व्यक्त करना है।

जिस व्यक्ति का मैंने ऊपर उल्लेख किया है, श्री कुमताकर शारीरिक और आर्थिक रूप से खराब स्थिति में थे। मैंने अपने एक मित्र से पूछा कि क्या वह कुछ पैसे श्री कुमताकर को सौंपने की व्यवस्था कर सकता है। वह कोई भी फैसला लेने में देरी कर रही थी। मैंने लताजी से बात की और वह मोहन वाघ के एक कमरे वाले अपार्टमेंट में आने के लिए तैयार हो गईं, जहां उन्होंने कहा कि वह मिस्टर कुमताकर का अभिनंदन करना चाहेंगी। मैंने अपने मित्र को बताया कि लताजी श्री कुमताकर को सम्मानित करने आ रही हैं। वह तुरंत मान गए और मोहन वाघ के घर पर मेरे द्वारा एक छोटा और निजी समारोह आयोजित किया गया। लताजी को देखकर मेरी सहेली रोमांचित हो गई, लेकिन उनका दिल उतना बड़ा नहीं था जितना मैंने सोचा था। वह पाँच हजार रुपये का चेक लाया जो वह श्री कुमताकर को देना चाहते थे। उन्हें लताजी के साथ फोटो खिंचवाने में ज्यादा दिलचस्पी थी और फिर चले गए। हम विश्व कप के क्रिकेट मैचों में से एक देख रहे थे और खेल की प्रगति पर उनकी चल रही टिप्पणी और क्रिकेट के बारे में उनका ज्ञान और दुनिया भर के खेल के कुछ महान खिलाड़ी उनके निजी दोस्त थे। जब वह खेल में तल्लीन थी, उसने अपना बैग खोला और एक लिफाफा निकाला और उसे बीमार और बूढ़े श्री कुमताकर को भेंट किया। यह पच्चीस हजार रुपये की राशि थी। उसने कहा कि श्री कुमताकर ने तीस से अधिक वर्षों से उनके लिए जो कुछ किया है, उनके लिए यह उसकी प्रशंसा का छोटा सा प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वह और अधिक योग्य है और वह देखेगी कि उन्हें उनका हक मिल गया है। उस आदमी की आंखों में आंसू थे। मुझे बाद में पता चला कि वह जो कुंवारा था, विरार में अपने छोटे भाई के घर चला गया, जहां वह पीसीओ चला रहा था। लताजी ने जो पैसा दिया, उसने उन्हें अपने भाई के घर में एक अंधेरा कमरा बनाने के लिए प्रेरित किया, जहां उन्होंने काम किया और अपने लंबे करियर के दौरान ली गई हजारों

तस्वीरों के नकारात्मक परिणाम निकाले। उन्हें पैसे कमाने में कोई दिलचस्पी नहीं थी और उन्होंने मुझे अपने साथ पिछली पीढ़ियों के कुछ सितारों के साथ चलने के लिए कहा और उन्हें उनके द्वारा लिए गए तस्वीरों के नकारात्मक के साथ प्रस्तुत किया। वे रोमांचित थे। दुर्भाग्य से कुमताकर के साथ वे दौर मेरे और उनके बीच आखिरी मुलाकातें होने वाली थीं। कुछ महीने बाद, मैंने सुना कि उनकी मृत्यु हो गई है। और मैं कोकिला के उस हावभाव को कैसे भूल सकता हूं? मैंने लापरवाही से एक दोपहर उसे फोन किया और उनसे कहा कि मैं अपनी एक किताब का विमोचन कर रहा हूं। मैं चौंक गया जब उन्होंने कहा, "मैं करता हूं न विमोचन आपकी किताब की।" मैंने कहा, "लताजी, लेकिन मैंने अभी हॉल बुक नहीं किया है"। उन्होंने तुरंत वापस गोली मार दी और कहा, "मेरे घर के नीचे हॉल है ना वहां करो ना, मेरे लिए भी आसान हो जाएगा।" मैं अभी भी विश्वास करने की कोशिश कर रहा था कि क्या हो रहा था, जब उन्होंने पूछा, "कौन से दिन करना है?" मैंने बेतरतीब ढंग से कहा , "18 अगस्त को और उन्होंने कहा 18 अगस्त की क्या खास बात है?" मैंने कहा, "उस दिन मेरी मां का जन्मदिन है"। उन्होंने कहा, "बहुत अच्छा दिन है अच्छा काम करने के लिए, आपकी मां के आत्मा को बहुत शांति मिलेगी"।

मेरी ओर से इससे ज्यादा और क्या कहा जा सकता था? उन्होंने मेहमानों के बैठने और सबके लिए कुछ अच्छे नाश्ते की व्यवस्था की थी। उन्होंने जगह को सबसे सरल लेकिन सुरुचिपूर्ण तरीके से सजाया भी था। मेहमानों में मेरे दोस्त और गाइड, मनोज कुमार और उनकी पत्नी, शशि और बड़े समय के वकील, रामजेठ मलानी और मुझे नहीं पता था कि बिन बुलाए पत्रकारों और फोटोग्राफरों की भारी भीड़ कहाँ से उतरी और हंगामा किया। उन्होंने अभी मेरी किताब का विमोचन किया और मुझे एक प्रति दी और कहा, "क्षमा करें, हां मैं जाती हूं। मुझसे ये शोर–शराबा नहीं सहा जाता। हम लोग बाद में फिर मिलते हैं कभी" और वह चुपचाप अपने घर की ओर जाने वाली सीढ़ियों तक चली गई।

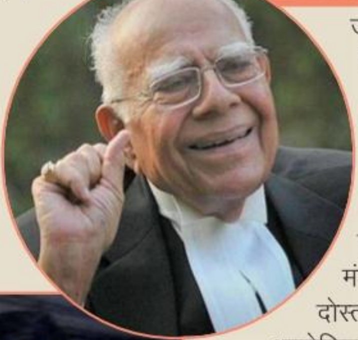

चीजें फिर से वैसी नहीं रहीं। जब मैंने अमिताभ बच्चन को उनके भाई पंडित हृदयनाथ मंगेशकर और उनके सबसे अच्छे दोस्त अविनाश प्रभावलकर द्वारा आयोजित पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में देखा था, तब मैंने उन्हें केवल एक ही बार देखा था। अमिताभ ने उनके बारे में हिंदी में जो भाषण दिया, उससे वह प्रभावित हुईं और उन्होंने उन्हें "हिंदी भाषा के शहंशाह" कहा। वह दो साल बाद अमिताभ को वही पुरस्कार देने वाली थीं, लेकिन वह समारोह में नहीं जा सकीं क्योंकि वह अस्वस्थ थीं, लेकिन उन्होंने अमिताभ और जया दोनों से मोबाइल पर बात की। मुझे पता था कि अमिताभ आहत हैं, लेकिन उन्होंने फिर साबित कर दिया कि वह कितने महानायक हैं। मेरे ऊपर एक और मुख्य अतिथि की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी थी और मुझे नहीं पता कि मैंने सुभाष घई के बारे में फिर से क्यों सोचा। हमें लताजी से पूछना पड़ा कि क्या सुभाष घई उनके लिए एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं और उन्होंने कहा, "हां हां भाई, वो बहुत बड़े निर्देशक हैं और मेरे अच्छे दोस्त भी हैं। मैंने सुभाष घई को फोन किया और उन्हें स्थिति के बारे में बताया, हालांकि मुझे पता था कि अमिताभ और घई के बीच अच्छे संबंध नहीं थे, जब घई ने अमिताभ के साथ एक गाने की शूटिंग के बाद "देवा" का निर्माण रद्द कर दिया था। लेकिन सुभाष बहुत दयालु साबित हुए और व्हिस्लिंग वुड्स से षणमुखानंद हॉल तक सभी तरह से नीचे आए और अमिताभ को एक बड़ी और विशिष्ट सभा के सामने पुरस्कार प्रदान किया।

कितनी अजीब है ये दुनिया और कितनी अजीब है ये बात। यह लताजी का नब्बे वां जन्मदिन मनाने का समय है, जो अब अपने कमरे से बाहर भी नहीं निकल रही है, लेकिन उसमें शामिल होने की इच्छा है जो वह मानती है कि यह उनके जीवन की आखिरी घटना हो सकती है, लेकिन वह तभी आएगी जब अमिताभ बच्चन मुख्य अतिथि थे। मैं दो सबसे महान किंवदंतियों के बीच फंस गया हूं और मैं भगवान से आशा करता हूं कि सब कुछ ठीक हो जाए और मैं उस महिला को बनाने के लिए कुछ कर सकता हूं जिसने अस्सी से अधिक वर्षों से खरबों लोगों को खुश किया है!!

Rashami
Desai

RUBINA DILAIK SHARES HOT AND BOLD LOOK IN A NEON BIKINI

कुछ सबसे आइकॉनिक फिल्में देने वाले संजय लीला भंसाली अपने बचपन में देखी उस फिल्म की शूटिंग को याद कर रहे हैं, जिसने उन्हें फिल्ममेकर बनने और नेटफ्लिक्स के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट हीरामंडी को बनाने की प्रेरणा दी

ज्योति वेंकटेश

संजय लीला भंसाली ने अपनी अद्भुत स्टोरीटेलिंग के दम पर विजुअल एक्स्ट्रावैगांजा और पिक्चरेस्क म्यूजिकल्स को एक नई परिभाषा दी है! अपनी फिल्म मेकिंग के हर पहलू को परफेक्ट बनाने के लिए मशहूर इस डाइरेक्टर ने अपने सिनेमा के माध्यम से ग्लोबल ऑडियंस को चकित कर दिया है! चाहे उनकी पहली फिल्म '**खामोशीः द म्यूजिकल**' हो या उनकी पिछली फिल्म '**पद्मावत**' भंसाली ने हर कहानी के साथ कोई न कोई नायाब और दिलकश चीज पेश की है।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे करने वाले इस डाइरेक्टर को हमेशा इंडियन सिनेमा को दिए गए उनके योगदान के लिए सेलीब्रेट किया जाता है! हाल ही में खुले दिल से हुई एक बातचीत के दौरान **संजय लीला भंसाली** ने अपने डाइरेक्टर बनने के पीछे की कहानी सुनाई! बचपन में पहली–पहली बार देखी एक फिल्म की शूटिंग को याद करते हुए डाइरेक्टर ने बताया, 'मुझे याद है कि जब मैं 4 साल का बच्चा था, तब मेरे पिता जी मुझे एक शूटिंग दिखाने ले गए थे! वह अपने दोस्तों से मिलने चले गए और मुझसे बोले कि मैं वहीं एक जगह पर बैठूं। कहने लगे कि अपने दोस्तों से मिल कर बस अभी लौटते हैं। उनके जाने के बाद मैं स्टूडियो में बैठा–बैठा सोच रहा था कि मेरे लिए इस जगह से ज्यादा सुकून भरी कोई और जगह हो ही नहीं सकती यह स्कूल, खेल के मैदान, किसी कजिन के घर या दुनिया की किसी भी जगह से ज्यादा आरामदायक है। मुझे लगा कि यह पूरी दुनिया की सबसे खूबसूरत जगह है। मेरी नजरों के सामने एक कैबरे डांस की शूटिंग चल रही थी और वे इसे बार–बार दोहराते रहे! लेकिन दरहकीकत मुझे उस शाम की सबसे गहरी जो चीज याद है, वह है मेरे पिता का आदेश– '**यहां बैठो और हिलना मत, और कहीं मत जाना।**' आज जब मैं उस घटना को पीछे मुड़कर देखता हूं तो पाता हूं कि मैं तो बीते 25 साल से वहीं बैठा हूं, क्योंकि उसके बाद से पूरी जिंदगी मैं वहीं रहने का सपना देखता रहा और मुझे खुशी है कि मैं वहीं बैठा हुआ हूं और मुझे जो करना है वह कर रहा हूं।''

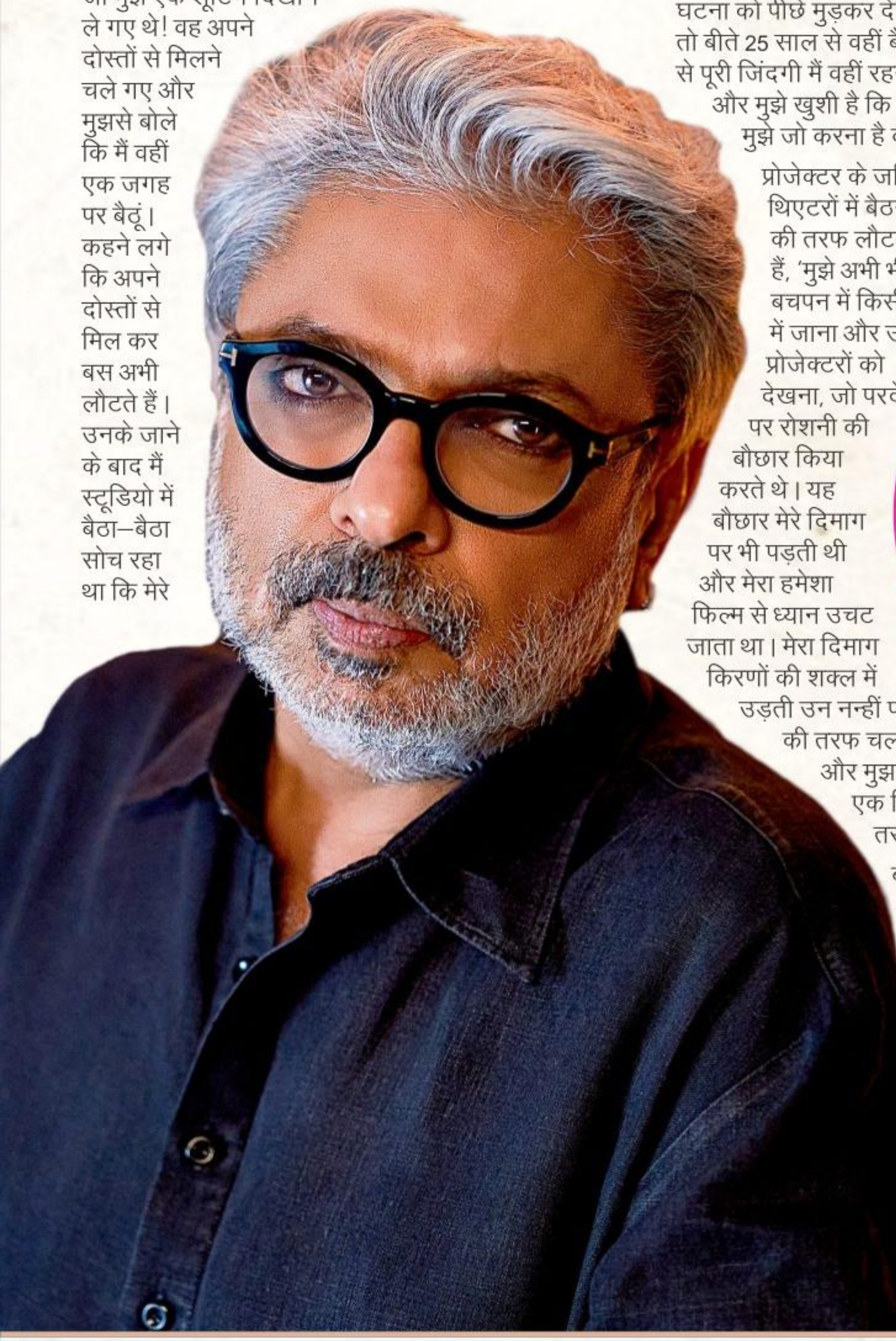

A FILM BY SANJAY LEELA BHANSALI
GANGUBAI KATHIAWADI
PRODUCED BY SANJAY LEELA BHANSALI & DR. JAYANTILAL GADA (PEN)
JULY 30, 2021

प्रोजेक्टर के जरिए फिल्में दिखाने वाले थिएटरों में बैठने की अपनी प्यारी यादों की तरफ लौटते हुए भंसाली आगे बताते हैं, 'मुझे अभी भी याद है, अपने बचपन में किसी थिएटर में जाना और उन प्रोजेक्टरों को देखना, जो परदे पर रोशनी की बौछार किया करते थे। यह बौछार मेरे दिमाग पर भी पड़ती थी और मेरा हमेशा फिल्म से ध्यान उचट जाता था। मेरा दिमाग किरणों की शक्ल में उड़ती उन नन्हीं परियों की तरफ चला जाता था, और मुझसे कहता था– ठीक है, एक दिन मेरी कहानी भी इसी तरह लहराएगी।'

बचपन का सपना पूरा करने और अपने सिनेमा के दम पर वैश्विक पहचान बनाने वाले इस डाइरेक्टर की खुशी का ठिकाना नहीं है। सबके लिए और ज्यादा विलक्षण कहानियां रचने को तत्पर भंसाली का कहना है– "ये तमाम चीजें जो मैंने बनाई हैं– मुझे लगता है कि मैं 9 फिल्में बना चुका हूं और 10वीं बनाने जा रहा हूं, इसमें 25 साल बीत गए हैं, अभी 25 साल और बिताने हैं।'

इस डाइरेक्टर की दो बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने जा रही हैं, जिनमें आलिया भट्ट स्टारर '**गंगूबाई काठियावाड़ी**' की थिएटरों में होने वाली रिलीज तथा नेटफ्लिक्स के लिए '**हीरामंडी**' शीर्षक से बनाया गया यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट शामिल है। 'हीरामंडी' आजादी से पहले के आबाद कोठों की दास्तान सुनाती है।

नेटफ्लिक्स ने हाल ही में '**हीरामंडी**' को अपनी वैश्विक कार्यक्रम सूची का स्पॉटलाइट शो घोषित किया है! इस ग्रैंड प्रोजेक्ट के बारे में संजय लीला भंसाली ने बताया, 'हीरामंडी एक ऐसी चीज थी, जिसे मेरे दोस्त मोइन बेग मेरे लिए 14 साल पहले लेकर आए थे। आखिरकार जब हमने इसे नेटफ्लिक्स के सामने पेश किया तो उनकी बांछें खिल गईं! उन्हें लगा कि इसको एक मेगा–सीरीज में तब्दील करने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यह बड़ी महत्वाकांक्षी चीज है। यह बहुत बड़ी है। यह विराट है! यह आजादी से पहले वाली तवायफों की कहानी है। वे संगीत, शायरी, नृत्य को जिंदा रखती थीं और कोठों के भीतर चलने वाली राजनीति के बीच जीने की कला के दम पर विजेता बन कर उभरती थीं।''

इस सीरीज में उनके रोमांचक प्रोजेक्ट की अगुवाई करने के लिए एक समावेशी स्टार कास्ट और प्रतिभाशाली टीमें शामिल हैं। हम संजय लीला भंसाली के सिनेमाई जादू का बड़े पर्दे पर, और अब ओटीटी के जरिए भी लुत्फ उठाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं!

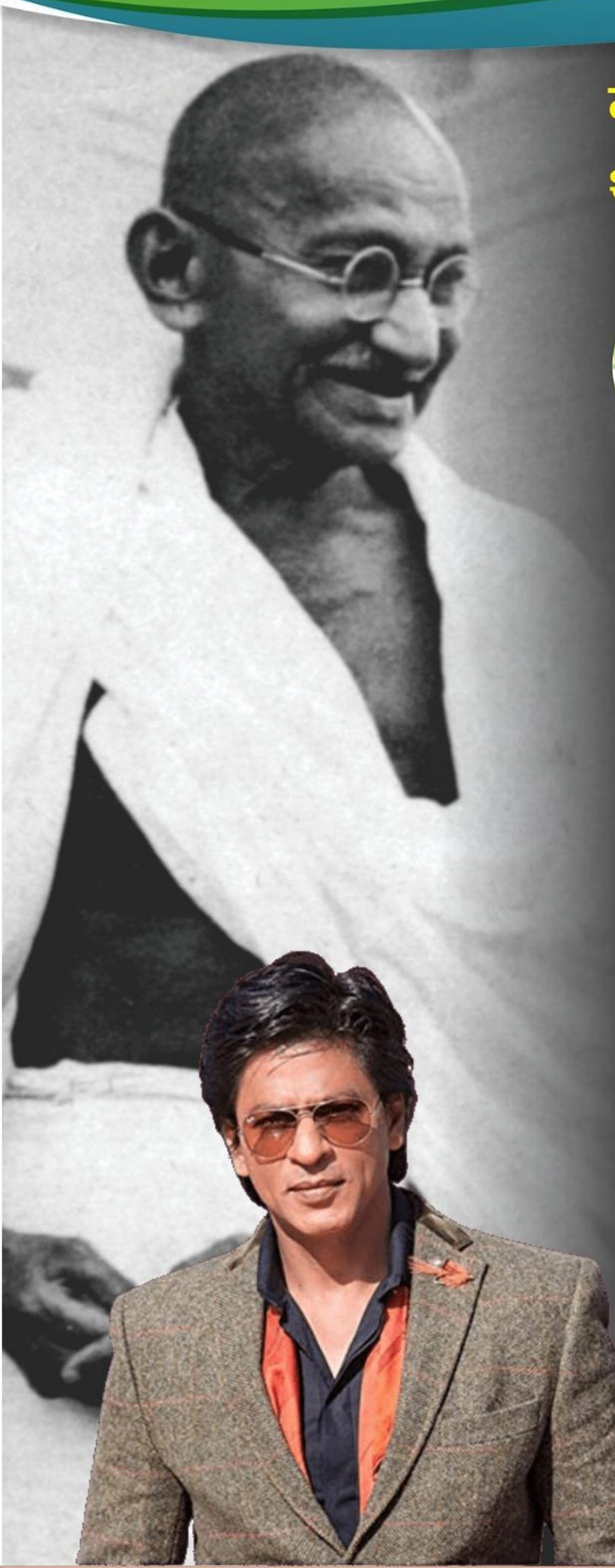

महात्मा गांधी से इंस्पायर्ड है शाहरुख खान की ये फिल्म

प्रगति राज

हमने महात्मा गांधी से जुड़ी कितनी ही फिल्में देखी है जैसे– गाँधी, गाँधी माय फादर, द मेकिंग ऑफ द महात्मा, लगे रहो मुन्ना भाई। लेकिन एक फिल्म ऐसी है जो महात्मा गांधी के ऊपर बनी है लेकिन हम में से शायद ही किसी को पता है कि ये फिल्म गांधी जी पर बेस्ड है। आज गांधी जयंती के मौके पर हम गांधी जी से इंस्पायर्ड शाहरुख खान की ऐसी ही एक फिल्म के बारे में बात करूँगी।

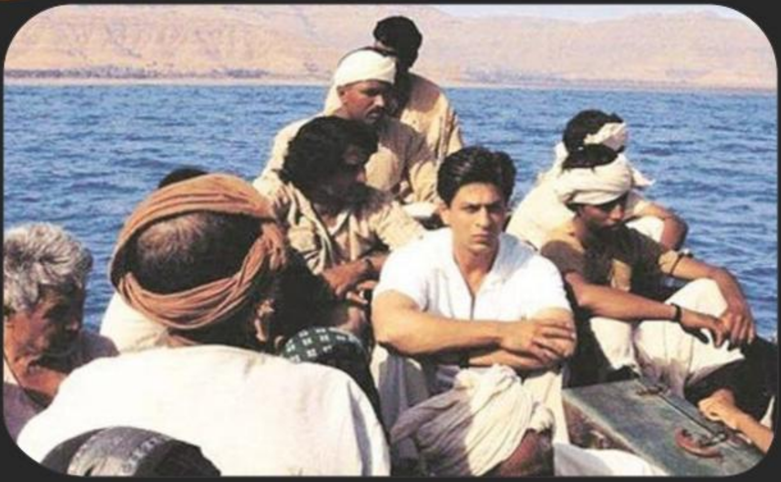

इस फिल्म का नाम है स्वदेस। चलिए आपको भी बताते हैं कि कैसे ये फिल्म गांधी जी से इंस्पायर्ड है। सबसे पहले फिल्म में शाहरुख खान के किरदार का नाम। फिल्म में शाहरुख का नाम होता है– मोहन। और हम सभी जानते हैं कि गांधी जी का पूरा नाम है– मोहनदास करमचंद गाँधी।

फिल्म की कहानी में दिखाया गया था कि शाहरुख विदेश में काम करते हैं लेकिन जब वो इंडिया आते हैं तो यहाँ की समस्याओं को देखकर लोगों की मदद में जूट जाते हैं। चाहे बिजली की दिक्कत हो, पानी की या फिर कोई अन्य परेशानी हो। सभी समस्याओं को दूर करने में जुट जाते हैं। वही गाँधी जी भी विदेश से पढ़ाई पूरी कर वापस आए थे तो यहाँ की समस्याओं को देखकर जनता की सेवा के लिए खुद को समर्पित कर देते हैं।

फिल्म में मोहन को शिक्षा को लेकर भी सवाल उठाते देखा गया है। बच्चों के लिए पढ़ाई कितनी जरूरी है इसपर भी बात की गई है। और बापू की बात करें तो उन्होंने हमेशा से ज्ञान को अहमियत दी है। वो हर व्यक्ति को शिक्षित देखना चाहते थे।

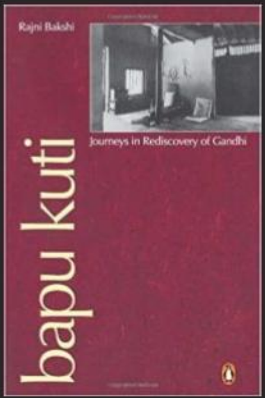

फिल्म में एक सीन में दिखाया जाता है जहाँ एक छोटे जाति के व्यक्ति से ये उम्मीद की जाती है कि वो भूखा मर जाए लेकिन अपना काम न बदले। जो काम उसके पूर्वज करते आए हैं वही काम करने की उम्मीद उससे भी की जाती है। और हम सब जानते हैं कि गांधी जी ने कास्ट सिस्टम को लेकर कितनी बातें किया करते थे। वो समानता में विश्वास रखते थे।

इन सबके अलावा आपको बता दूँ कि फिल्म स्वदेस, बापू कुटी नामक किताब से इंस्पायर्ड फिल्म है। अब तो आप समझ ही गए होंगे की ये फिल्म महात्मा गांधी से इंस्पायर्ड है।

KAREENA KAPOOR'S HOUSE PARTY

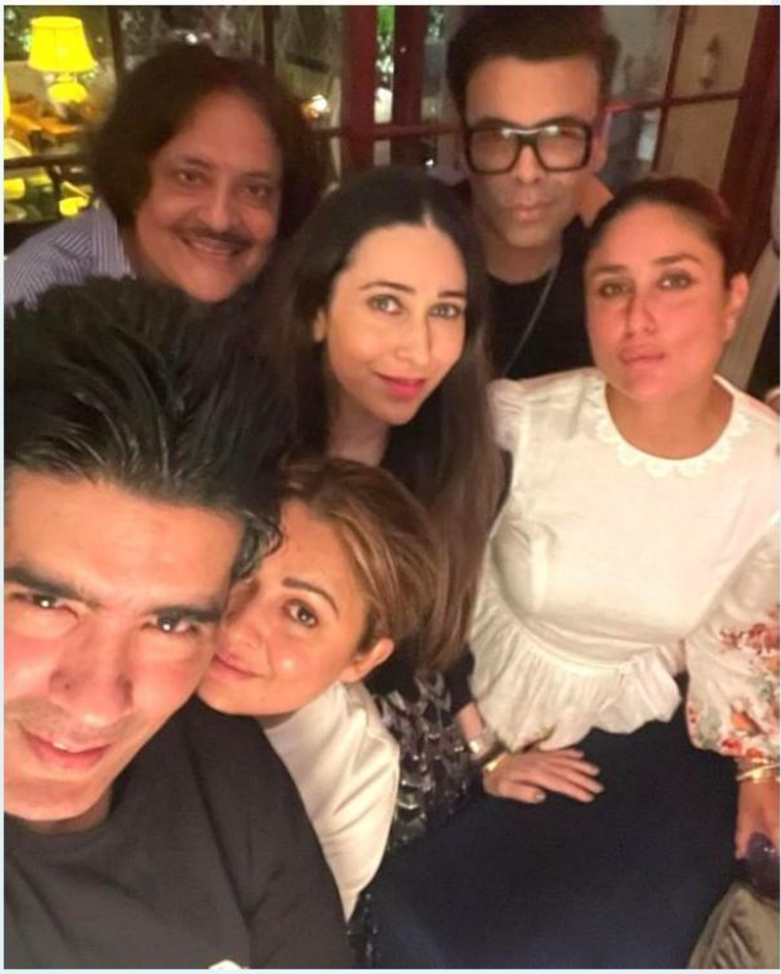

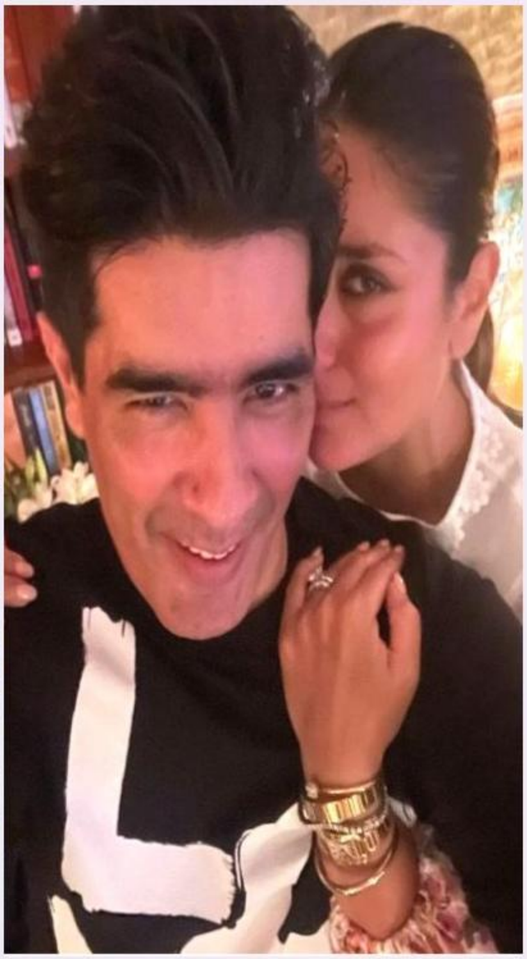

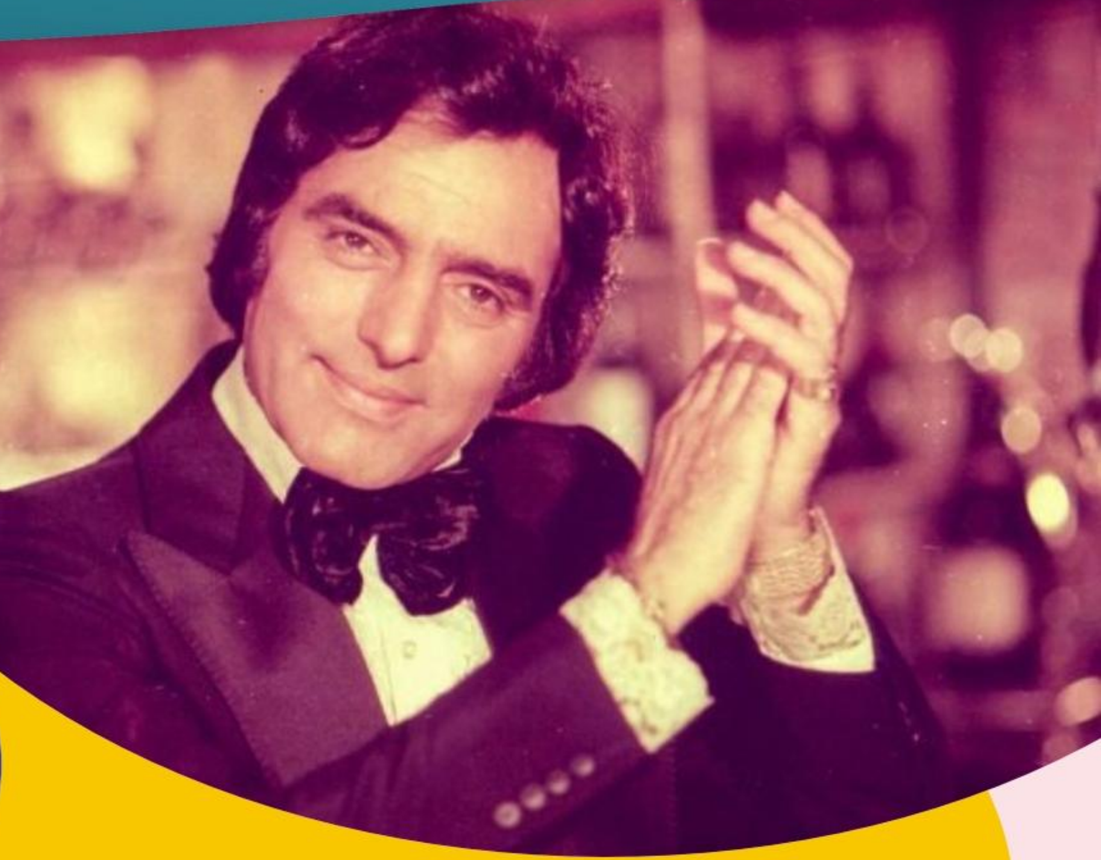

एक वक़्त स्नूकर खेलकर अपनी गुज़र बसर करते थे सुपरस्टार 'फ़िरोज़ खान'

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

फ़िरोज़ खान का नाम फिल्म इंडस्ट्री के पहले काओबॉय के तौर पर लिया जाता है। उन्हें बॉलीवुड का क्लिंट ईस्टवुड भी कहा जाता था। फ़िरोज़ खान का जन्म 25 सितम्बर 1939 में हुआ था। उनके पिता पठानी थे तो उनकी माँ इरानी और वह सब रहते बैंगलोर में थे। इसी कारण फ़िरोज़ खान बचपन से ही पढ़ने में बहुत तेज़ थे और आलम ये भी था कि उन्हें दो स्कूल से सिर्फ इसलिए निकलने के लिए कह दिया गया ताकि वो किसी बेहतर स्कूल में तालीम ले सकें। इतना ही नहीं, फ़िरोज़ खान कई भाषाओं में निपुण थे। उन्हें पश्तो, फ़ारसी, उर्दू, अंगेज़ी, हिन्दी और कन्नड़ भी बोलनी आती थी।

उनके शौक भी उनकी पर्सनालिटी से मैच करते हुए करते थे। उन्हें घुड़सवारी का शौक था। बंदूकें चलाने में उन्हें बहुत मज़ा आता था। उनके अन्य शौक में स्नूकर खेलना, हॉलीवुड की फिल्में देखना शामिल था। हॉलीवुड की फिल्में वह बहुत देखते थे। उनको वेस्टर्न स्टाइल की वो काओ बॉय वाली फिल्में बहुत रास आती थीं। बड़े होने के बाद उन्होंने फिल्मों में ट्राई करना चाहा। वो मुम्बई आए, कुछ दिन रहे पर बात नहीं बनी तो वापस बंगलौर लौट गये।

साल भर बाद वह फिर मुंबई गये और फिर किस्मत आजमाई, लेकिन इस बार भी बात नहीं बनी। उन्होंने यूपीएससी का एग्जाम समझ फिर तीसरी बार ट्राई मारा और इस बार उन्हें स्टंट मैन की जॉब मिल गयी। उन्होंने 'हम सब चोर हैं' से कैमरा फेस करना शुरु किया। लेकिन उनका मकसद तो हीरो बनना था। यह बात 1956 की है।

स्टंट्स रोल के चलते फ़िरोज़ खान को कम से कम इंडस्ट्री में घुसने का मौका तो मिला। उस वक़्त एक्टर्स को ही कोई बहुत पैसा नहीं मिलता था तो स्टंट आर्टिस्ट्स को कहाँ से मिलता। इसलिए अपना ख़र्च चलाने के लिए फ़िरोज़ खान क्लब्स में जाकर स्नूकर खेला करते थे और उस दौर में '500' (आज के 5 लाख के बराबर) रूपए की शर्तें लगाया करते थे। उन्हें अपने पैशन के चलते बहुत फायदा होता था लेकिन कई बार यूँ भी हुआ है कि गेम हार जाने की वजह से वो रात में भूखे ही सो गए।

अपने गर्दिशों के दौर में भी फ़िरोज़ खान के शौक और ठस्कों में कोई कमी नहीं आई। उन्हें सही ब्रेक फिल्म 'दीदी' (1960) में मिला।

इसके बाद उन्होंने कई बी और सी ग्रेड फिल्में कीं, जिसमें रिपोर्टर राजू उनकी पसंदीदा में से एक थी क्योंकि उस फिल्म में वह लीड एक्टर थे।

फ़िरोज़ खान ने तबतक सिर्फ एक हिन्दी फिल्म देखी थी, अशोक कुमार अभिनीत किस्मत (1943), वर्ना वह सिर्फ वेस्टर्न फ़िल्में ही देखा करते थे।

पर किस्मत देखने के बाद से ही फ़िरोज़ खान की इच्छा थी कि वह कभी अशोक कुमार के साथ काम करें। उनकी यह इच्छा पूरी हुई फिल्म ऊंचे लोग (1965) से जिसमें उनके साथ राज कुमार और अशोक कुमार थे। वह इन दोनों के छोटे भाई बने थे। यह फिल्म अच्छी

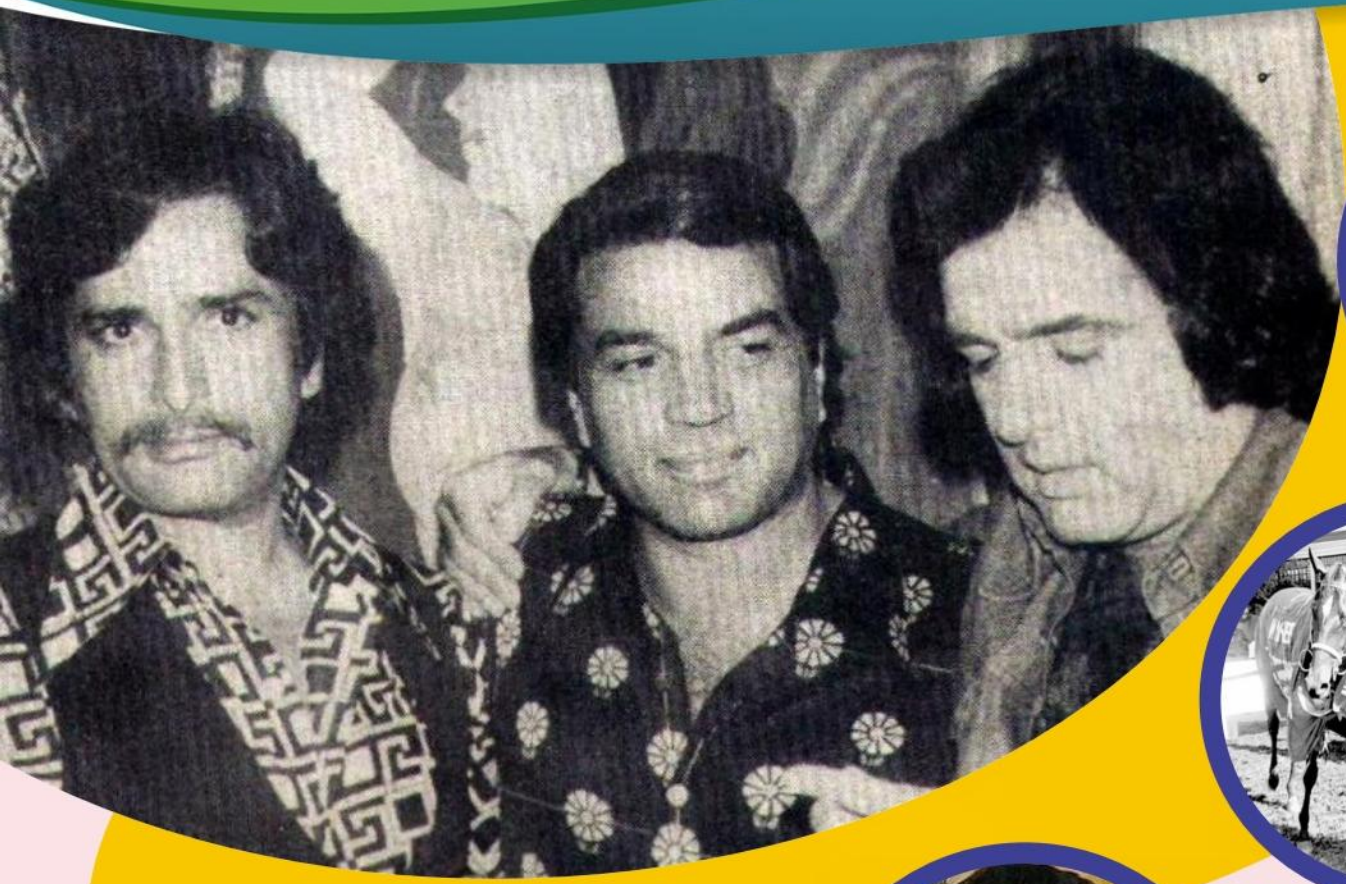

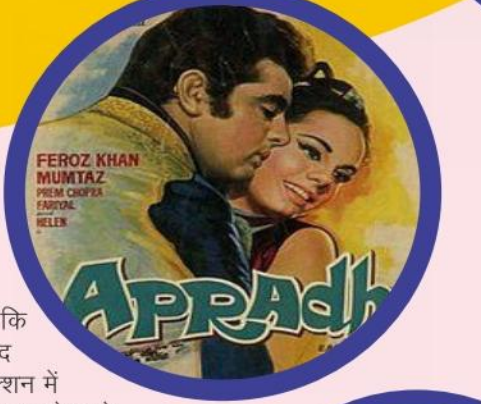

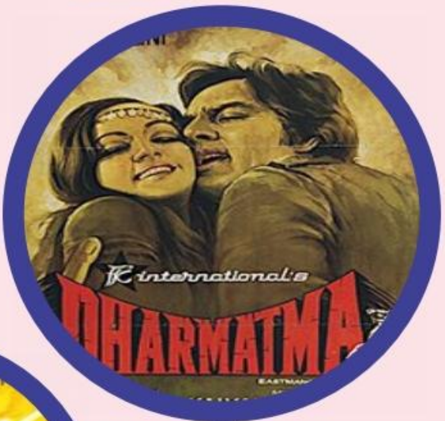

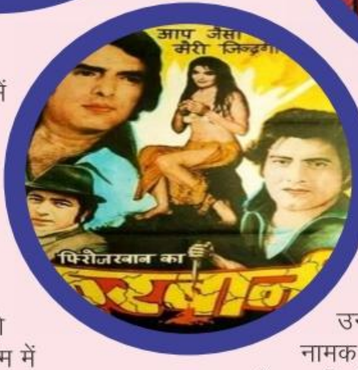

हिट हुई और फ़िरोज़ खान को इंडस्ट्री ने बिना किसी शर्त के अपना लिया।

इन्हीं दिनों फ़िरोज़ खान ने एक एयर होस्टेस से शादी भी कर ली। उस होस्टेस का नाम था 'सुन्दरी'। सुंदरी के साथ उनके दो बच्चे हुए, एक लैला और दूसरे उनके जानशीन, फरदीन खान। हालाँकि इसी बीच उनके और उनकी फेवरेट एक्ट्रेस मुमताज़ के लव अफेयर के चर्चे भी खूब सुने जाते थे।

कुछ समय बाद फ़िरोज़ खान ने बीआर चोपड़ा बैनर तले एक मल्टीस्टारर फिल्म की आदमी और इंसान (1969), इसमें फ़िरोज़ खान के साथ सुपर स्टार धर्मेंद्र,

जिन दिनों वह फिल्मों में एक्टिंग करते थे, तब वह सिनेमेटोग्राफर और डायरेक्टर के पास चले जाते थे और उनसे पूछते थे कि आप ये लेंस बदल रहे हो तो क्यों बदल रहे हो? इससे क्या होता है? शॉट यहाँ से लेने से क्या होगा? आदि इस तरह के सवाल वह करते रहते थे, उन्हें पता था कि वह बहुत जल्द फिल्म डायरेक्शन में ज़रूर आयेंगे। उनके आने के कुछ साल बाद उनके भाई 'संजय खान' (शाह अब्बास खान) भी फिल्मों में आ गये थे। इन दोनों भाइयों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया जिसमें उपासना नामक फिल्म खासी पॉपुलर हुई।

फ़िरोज़ खान ने अपने डायरेक्शन के शौक को प्रोडक्शन तक बढ़ाते हुए अपराध (1972) नामक फिल्म बनाई जो दर्शकों को बहुत पसंद आई। इस फिल्म में पहली बार कार रेसिंग दिखाई गयी थी जिसे पिक्चराइज़ करना उस दौर में बहुत बड़ी बात थी।

इसके बाद फिल्म खोटे सिक्के में उनके इम्पोर्टेन्ट रोल को भी दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

लेकिन अब फ़िरोज़ खान का मन डायरेक्शन में लग गया था। उन्हें दूसरों के डायरेक्शन से ज़्यादा अपने कण्ट्रोल में फिल्म अच्छी लगती थी। दर्शकों को सबसे ज़्यादा उनकी फिल्म की सिनेमाटोग्राफी, लार्जर फ्रेम्स और संगीत रास आता था। फ़िरोज़ खान की हर फिल्म का म्यूजिक ज़बरदस्त होता था।

”

उन्हों 1975 में धर्मात्मा नामक फिल्म बनाई जिसमें पहली बार किसी फिल्म की शूटिंग अफगानिस्तान में हुई। ये फिल्म भी ब्लॉकबस्टर हुई और अगर उसी साल शोले न आती, तो कोई बड़ी बात नहीं कि धर्मात्मा टॉप ग्रोसिंग मूवी में गिनी जाती। इस फिल्म में हेमा मालिनी और रेखा लीड हिरोइन्स थीं। हालाँकि फिल्म की कहानी काफी हद तक हॉलीवुड क्लासिक फिल्म 'गॉडफादर' से इंस्पायर्ड थी।

दो–एक दो–एक फिल्में बतौर एक्टर करने के साथ–साथ फ़िरोज़ खान अब फिल्म निर्माण में भी समय दे रहे थे। 1980 में फ़िरोज़ खान ने

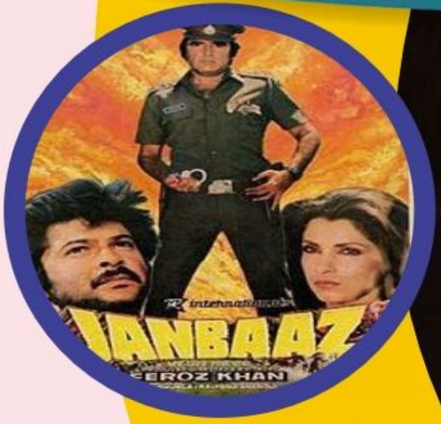

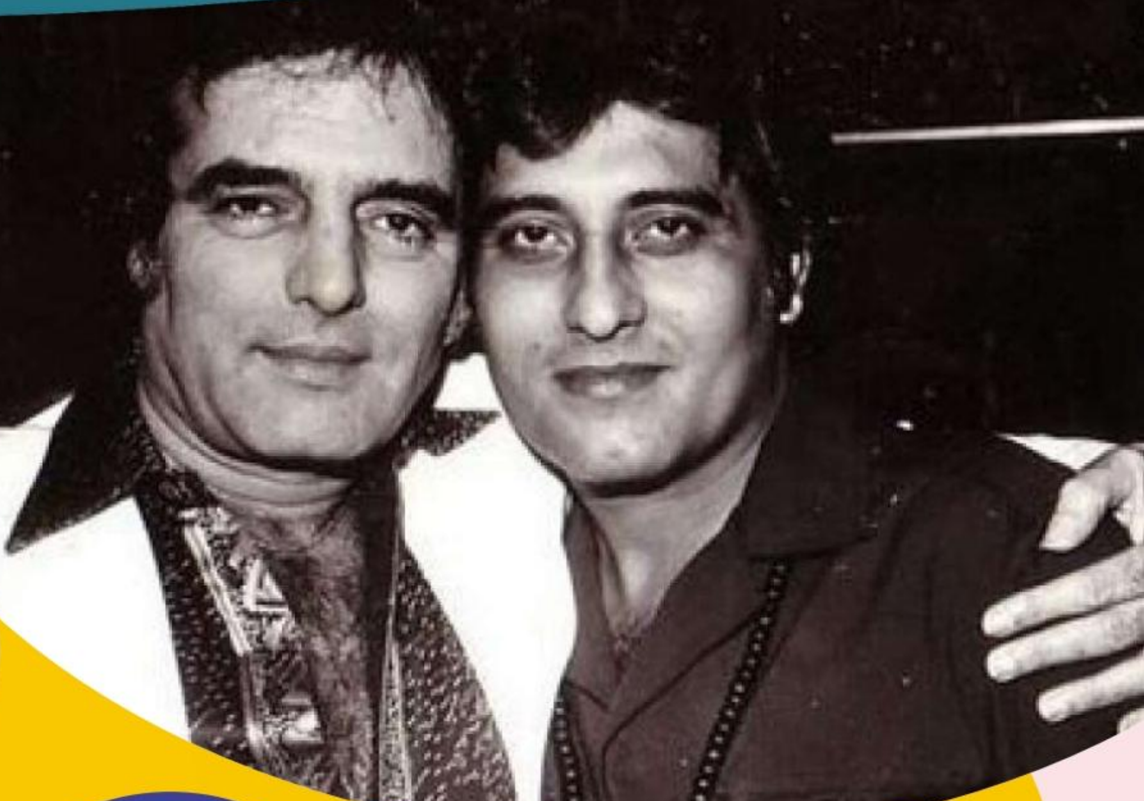

FEROZ KHAN'S
DAYAVAN
PYARELAL

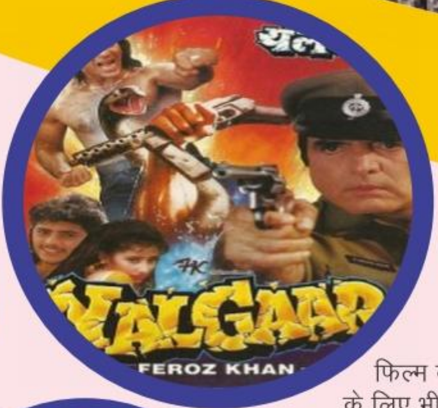

अपने दोस्त विनोद खन्ना के साथ 'कुर्बानी' बनाई और इस फिल्म ने कमाई के सारे रेकॉर्ड्स तोड़ दिए। अमजद खान, शक्ति कपूर, अमरीश पुरी और कदर खान जैसी सपोर्ट कास्ट से सजी यह फिल्म अपनी लागत से क़रीब दस गुना कमाई करने में कामयाब हुई थी।

इस फिल्म की कामयाबी की सबसे बड़ी वजह इसका म्यूजिक था। फिल्म में पाकिस्तानी सिंगर नाज़िया का गीत 'आप जैसा कोई मेरी ज़िन्दगी में आए, तो बात बन जाए' चार्टबस्टर हिट था। लेकिन अन्य चार गाने 'हम तुम्हें चाहते हैं ऐसे', 'क्या देखते हो?, सूरत तुम्हारी', 'लैला हो लैला' और टाइटल ट्रैक 'कुर्बानी–कुर्बानी' भी सुपर डुपर हिट थे। यहाँ तक कि 'आप जैसा कोई' के लिए 'नाज़िया' को फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला था।

फिल्म के साउंड के लिए भी पी हरिकिशन को फिल्मफेयर अवार्ड मिला था।

1985 में वो साल था जब फ़िरोज़ खान ने अपनी बीस साल की शादीशुदा ज़िन्दगी से तलाक ले लिया था। और इस तलाक की वजह थी एक नई एयरहोस्टेस, जो उन दिनों फ़िरोज़ खान को बहुत पसंद आ गयी थी और साए की तरह उनके साथ देखी जा सकती थी। बहरहाल,

फिल्मों से लिए ब्रेक को खत्म करते हुए छः साल बाद फ़िरोज़ खान ने जांबाज़ (1986) नामक फिल्म बनाई, इसमें अनिल कपूर और डिम्पल कपाड़िया भी उनके साथ थे। फिल्म समीक्षकों की माने तो फ़िरोज़ खान के कैरियर की ये बेस्ट फिल्म थी। इस फिल्म का गीत 'हर किसी को नहीं मिलता यहाँ प्यार ज़िन्दगी में' चार्टबस्टर गीत हुआ था। लेकिन एक और वजह थी इस फिल्म को पॉपुलर करने की, इसमें अनिल कपूर और डिम्पल कपाड़िया का एक कामुक दृश्य था जो कुछ इस तरह फ़िरोज़ खान ने डायरेक्ट किया था कि ऑडियंस की साँसे थम जाती थीं। सिर्फ इस सीन के लिए बहुत से लोग यह फिल्म देखने कई–कई बार पहुँच गये थे।

यहाँ तक उनकी हर फिल्म में म्यूजिक कल्याणजी आनंदजी का था।

विनोद खन्ना अपने कैरियर के पीक पर फिल्म इंडस्ट्री से ब्रेक लेकर आचार्य रजनीश की शागिर्दी में अमेरिका चले गये थे। जब वो लौटे तो उन्हें फिल्म में कास्ट करने वाला कोई न था। लेकिन उनके दोस्त 'फ़िरोज़ खान' तब भी मौजूद थे। फ़िरोज़ ने उनके साथ फिल्म 'दयावान' बनाई जिसमें माधुरी दीक्षित बिल्कुल नई हीरोइन थीं। यह फिल्म तो हिट हुई ही, लेकिन माधुरी दीक्षित और विनोद खन्ना के किस सीन की चर्चा फिल्म से कहीं ज़्यादा हुई।

इसके बाद फिर छः साल लेते हुए फ़िरोज़ खान ने 1992 में संजय दत्त, कबीर बेदी और विकी

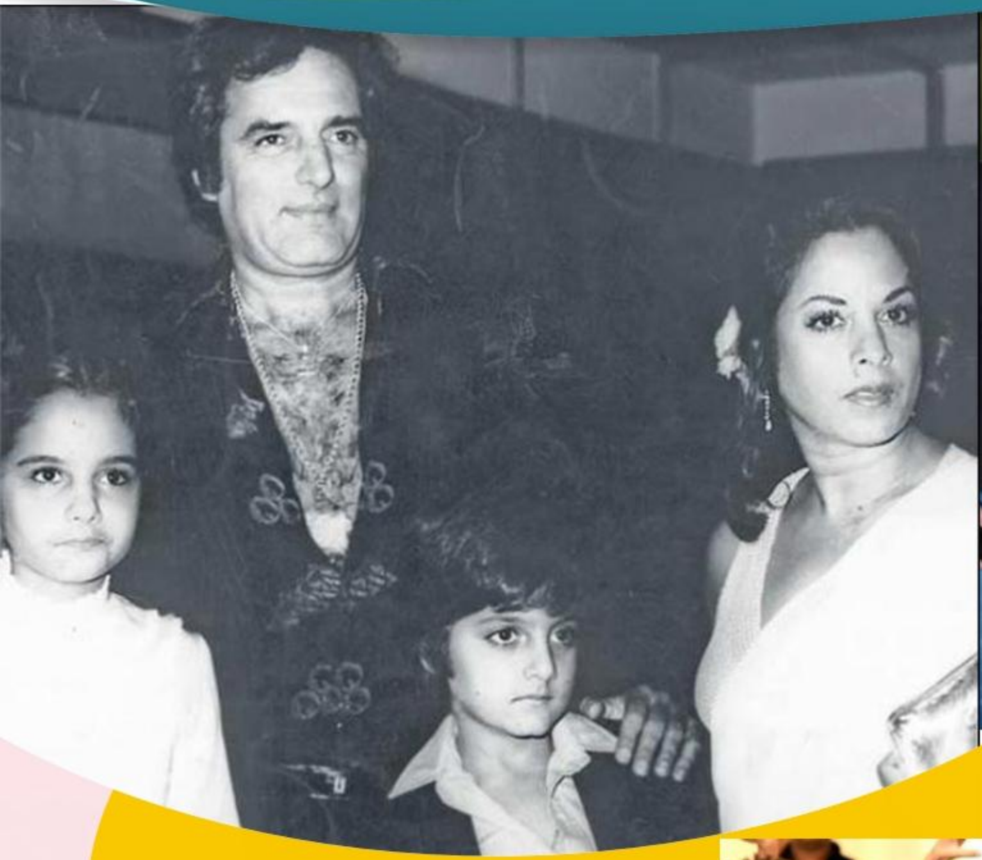

FARDEEN KHAN
THE ROGUE
FEROZ KHAN
THE TARGET
EK KHILADI
EK HASEENA
HINDI FILM
DIGITAL SOUND

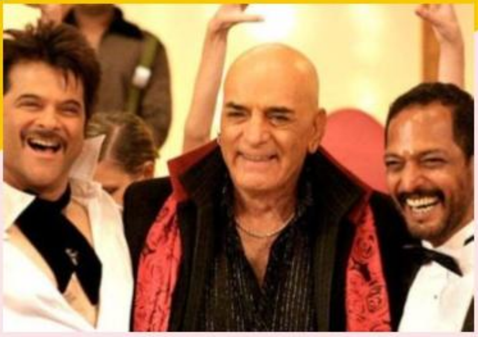

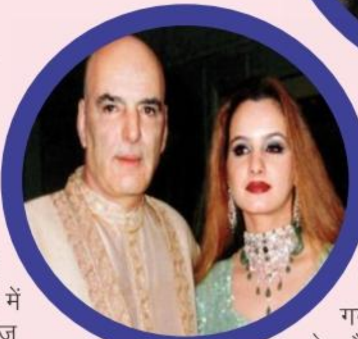

अरोड़ा के साथ यलगार बनाई। एक्शन क्राइम जोनर की ये फिल्म भी हिट रही।

इस फिल्म के बाद फ़िरोज़ खान ने एक्टिंग से कुछ समय के लिए ब्रेक ले लिया और फिर अपने बेटे फरदीन खान को लॉन्च करते हुए 'प्रेम अगन' बनाई, ये उनकी बनाई पहली फिल्म थी जो बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुँह गिरी। लेकिन हार न मानते हुए वह पाँच साल बाद 2003 में फिर फरदीन खान के साथ जानशीन लेकर आए, इस फिल्म में वह 11 साल बाद एक्टिंग भी कर रहे थे पर इस फिल्म का हाल प्रेम अगन से भी बुरा हुआ और ये आठवीं और आख़िरी फिल्म थी जो फ़िरोज़ खान ने डायरेक्ट की।

पर हाँ, 2005 में अपने बेटे का सपोर्ट करते हुए हॉलीवुड फिल्म कांफिडेंस की रीमेक 'एक खिलाड़ी एक हसीना' में फ़िरोज़ खान फरदीन के साथ आए। ये फिल्म हिट तो नहीं हुई पर सेटेलाईट पर दर्शकों द्वारा बहुत पसंद की गयी।

उन्होंने फरदीन की शादी अपनी दोस्त और कभी रह चुकी मुहब्बत, मुमताज़ की लड़की से की और समधी बनकर ही सही, आखिरकार मुमताज़ का साथ पा ही लिया

अपने कैरियर में शायद पहली बार और यकीनन आखिरी बार एक कॉमेडी फिल्म की, वेलकम (2007)! इस फिल्म में सबसे बड़े डॉन 'आरडीएक्स' बने फ़िरोज़ खान दर्शकों के दिल में फिर वही बरसों पुरानी रॉयल्टी, वही छाप छोड़ने में कामयाब रहे और ये फिल्म भी ब्लॉकबस्टर हुई। उनके फैन्स को उम्मीद थी की फ़िरोज़ खान फिर कुछ फिल्मों में कॉमेडी करते नज़र आयेंगे मगर अफ़सोस कि 2009 में ही लंग कैंसर की वजह से उनकी मृत्यु हो गयी।

पर मात्र आठ डायरेक्टेड फिल्मों के दम फ़िरोज़ खान अमर हो गये। उनके जैसा रॉयल, डैशिंग, हैंडसम, मैनिश और निडर न कोई आर्टिस्ट हुआ था न कभी होगा।

उनकी निडरता की मिसाल इससे समझिए कि एक बार पाकिस्तान गये और स्टेज पर खड़े होकर बोल आए कि "भारत एक महान देश है और उन्हें भारतीय होने पर गर्व है, भारत सेक्युलर देश है, वहाँ एक मुस्लिम राष्ट्रपति है तो प्राइममिनिस्टर एक सिख है। भारत का मुसलमान आज तरक्की कर रहा है, जबकि पाकिस्तान जो इस्लाम के नाम पर बनाया गया था लेकिन लगता है कि आज यहाँ मुस्लिम ही मुस्लिम को मार रहा है"

ख़ास इस स्टेटमेंट के चलते पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री परवेज़ मुशर्रफ ने उन्हें पाकिस्तान वीसा से ब्लैकलिस्ट कर दिया था।

पर फ़िरोज़ खान को क्या फ़र्क पड़ा? वो अपने आख़िर दिन तक भी बादशाह की तरह जिए और बादशाह की तरह मरे।

‘‘सिनेमा के प्रति सरकार को और जागरूक होना चाहिए...’’

गजेंद्र चौहान

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

मशहूर अभिनेता और फिल्म एंड टेलीवीजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया''के पूर्व चेअरमैन गजेंद्र चौहान वर्तमान सरकार के प्रशंसक हैं। मगर उन्हें लगता है कि सिनेमा के विकास के लिए सरकार को कई कदम उठाने की आवश्यकता है।

इसी सिलसिले में ''मायापुरी'' के लिए गजेंद्र चौहान से उनके घर पर हुई लंबी बातचीत इस प्रकार रही..

☐ सिनेमा को लेकर सरकार की जो सोच है। उसको लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। चार संस्थानों को एक में मिला दिया गया। सेंसर बोर्ड में भी कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सब कितना सिनेमा के हित में हैं? या सारा राजनीतिक मामला है?

मैं इसे राजनीतिक मामला कदापि नही कहूँगा।देखिए, जब यहां से यानी कि फिल्म इंडस्ट्री से कोई रिपोर्ट सरकार तक पहुँची,तभी सरकार ने रिएक्ट किया या यूँ कहें कि कदम उठाया। सरकार समय समय पर सिनेमा को सुधारने व सिनेमा के विकास के लिए सिनेमा से जुड़े लोगों से रिपोर्ट मांग रही थी। अब सरकार को जिस तरह की रिपोर्ट मिली, उसी के अनुरूप उसने कदम उठाया। फिल्मस डिवीजन, चिल्ड्रेन फिल्म सोसायटी जैसी यह चार पांच संस्थाएं फंक्शनल नही थी। मसलन यदि मैं ‘चिल्ड्रेन फिल्म सोसायटी’ की बात करुं, तो वहां बच्चों के लिए फिल्में कहां बन रही थीं। इस संस्था के अंतर्गत कोई काम ही नही हो रहा था। अब अगर मुझे ‘फिल्म एंड टेलीवीजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया’ का चेअरमैन बनाया गया, तो यह मेरी जिम्मेदारी बनती है कि मैं वहां पर सकारात्मक का करुं। अब सरकार वहां पर आकर थोड़े ही काम करेगी। काम तो मुझे ही करना था। और मैं दावे के साथ ऑन रिकार्ड कह रहा हूँ कि मैंने ‘एफटीआई आई’ में अपने छोटे कार्यकाल के दौरान काफी अच्छे काम किए। मेरे पास सूचना प्रसारण मंत्रालय का पत्र है, जिसमें उन्होने लिखा है कि ‘एफटीआई आई’ में जो भी सुधार व सकारात्मक काम हुआ, वह मेरे कारण ही संभव हो पाया। सूचना प्रसारण मंत्रालय का सेक्रेटरी तो आई ए एस आफिसर है। यह मेरी जिम्मेदारी थी काम करने की। फिल्मस डिवीजन हो, चिल्ड्रेन फिल्म सोसायटी हो या अन्य जो चार संस्थाए हैं, यह मृत पड़ी हुई थी। इनमें कोई काम नहीं हो रहा था। ऐसा क्यों था, इसकी वजह तो वही लोग जानते हैं, जो कि इन संस्थाओं के चेअरमैन थे। क्या हालात थे। वह सुधारना चाहते थे या नही चाहते थे। मुझे लगता है कि सरकार के पास रपट यही पहुँची होगी कि इन संस्थानों को बंद कर या सभी को एक में मिला देने में फायदा है, तो सरकार ने वही कदम उठाया। तो अब चार खिड़की पर जाने की बजाय एक ही खिड़की पर जाना होगा।

लेकिन मेरी राय में सरकार को सिनेमा के प्रति कुछ और जागरूक

होने की जरुरत है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि सिनेमा ऐसा माध्यम है जो कि सबसे छोटे मंत्रालय 'सूचना प्रसारण मंत्रालय'के अंतर्गत आता है। और बॉलीवुड की चीजें बहुत बड़े स्तर पर एक्स्प्लाइट होती हैं। इसका असर पूरे विश्व में होता है। आप फिल्म की शूटिंग शहर के एक कोने में करते हैं, पर उसे सौ करोड़ लोग देखते हैं। किसी अन्य मंत्रालय की कोई भी बात इस बड़े स्तर पर नहीं फैलती। देखिए, जब सरकार ने सिनेमा को इंडस्ट्री घोषित किया, तो इंडस्ट्री के सारे फायदे इसे मिलने चाहिए। आपको याद होगा कि तब सुषमा स्वराज जी जब सूचना प्रसारण मंत्री थीं, तब इसे इंडस्ट्री घोषित किया गया था। पर इसके फायदे फिल्म इंडस्ट्री को आज तक नही मिले। तो सरकार को अथवा सूचना प्रसारण मंत्रालय को ध्यान देना चाहिए कि हमारे देश का सिनेमा के रूप में इतना बड़ा हथियार है, जिसके माध्यम से हम अपनी बात बड़ी आसानी से सौ करोड़ लोगों तक पहुँचा सकते हैं। हम अपनी बात पूरे विश्व में रह रहे हर इंसान तक सिनेमा के माध्यम से पहुँचा सकते हैं। उसका रूप हमें अच्छे से मेंटेंन करने की आवश्यकता है। मैं अपनी यह बात कई बार अलग अलग प्लेटफार्म पर कह चुका हूॅ। सिनेमा के प्रति सरकार को और जागरूक होना चाहिए।

☐ लेकिन एफसीएटी यानी कि फिल्म ट्ब्यिूनल को बंद किए जाने से फिल्म निर्माताओं को जो सहूलियत थी,वह खत्म हो गयी?

यह तो मंत्रालय की सोच है। सरकार की सोच है। सरकार किस तरह से इसे आपरेट करना चाहती है, यह तो वही बता सकती है। देखिए, आज मैं आपको एक बड़ा सच बता दूॅं। हमारी फिल्म इंडस्ट्री की खबरें बाहर से कुछ और होती हैं, जबकि अंदर से कुछ और होती हैं। जैसे कि हर इंसान को कलाकार की जिंदगी बहुत आसान दिखती है, मगर हम कलाकारों को ही पता है कि हमारी जिंदगी कितनी कठिन है। इसी तरह सरकार तक जब तक सही चीजें नहीं पहुॅंचेंगी, तब तक सरकार के लिए सकारात्मक निर्णय करना कठिन होगा। मैं कई बार कहता हूॅ कि जितनी भी नियुक्तियां होती हैं, वह हमारी पार्टी की विचार धारा के लोगों की न करके दूसरी विचार धारा के लोगों की नियुक्ति की जाती है। जिसकी वजह से गड़बड़ियां होती हैं, तब पछतावा होता है। मैं आपको एक उदाहरण देता हूॅ। 'इफ्फी' का ज्यूरी हेड सुज्वॉय घोष को चेअरमैन बनाया। जिस दिन इफ्फी'का उद्घाटन था, उससे एक दिन पहले उन्होने त्यागपत्र दे दिया

था। जिसके चलते सरकार को काफी कुछ झेलना पड़ा। वास्तव में सरकार में बैठे लोगों को जानकारी नही होती है कि कौन अपने पक्ष का है और कौन विपक्ष का है। मैं भी कहता हूँ कि आप सिनेमा के जानकार लोगों को काम दीजिए, लेकिन यह तो देखें कि कौन आपके पक्ष का है। सरकार आपकी है, तो आपके लोगों को काम मिलना चाहिए। ऐसा भी नही है कि आपकी विचार धारा वाले लोग फिल्म इंडस्ट्री में न हों। बहुत से लोग हैं। इस बात को भी मैं अलग अलग प्लेटफार्म पर कह चुका हूँ। मैं आपके माध्यम से भी सरकार तक यह बात पहुँचाना चाहता हूँ। सरकार को चाहिए कि जो हमारी विचार धारा या हमारे साथ काम करने वाले लोग हैं, उनकी अलग अलग पदों पर नियुक्ति होनी चाहिए। जिससे उसका काम सरकार के काम में भी सहायक हो। सिनेमा जगत में जो बदलाव लाए जा रहे हैं, उसकी मूल वजह शायद यह है कि सरकार के पास सही सूचना नही पहुँच रही है।

☐ कहा जाता है कि सरकार के बदलने का सर्वाधिक प्रभाव सिनेमा पर पड़ता है? और सिनेमा बदलता है?

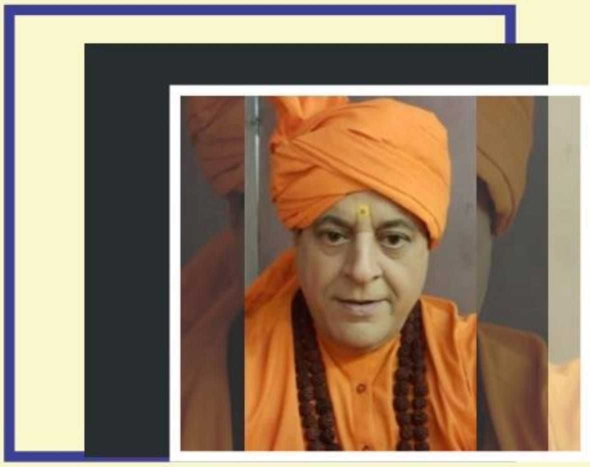

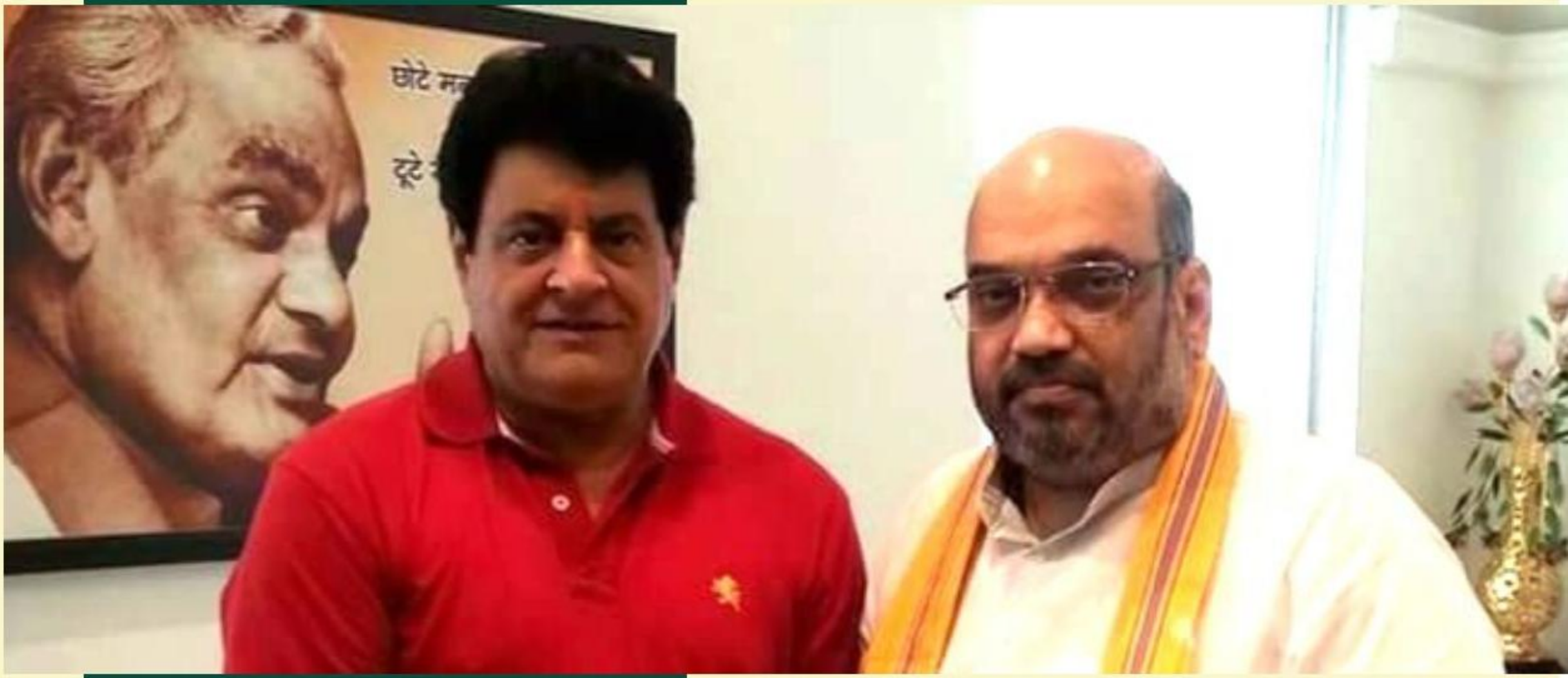

देखिए, ऐसा इसलिए होता है, कि कुछ लोग सरकार को खुश करने में लगे रहते हैं। मसलन उत्तर प्रदेश में कलाकारों को जो वजीफा मिलता था, वह बंद कर दिया। क्योंकि जब अपने लोग बैठे होते हैं, तो कुछ ऐसी चीजें चलती रहती हैं। पर सरकार को नुकसान हो रहा था। सरकार का खजाना खाली हो रहा था। इस तरह सरकार बदलने के साथ विचार धारा भी बदलती है। अलग अलग विचार धारा के लोग सरकार को खुश करने के लिए फिल्में बनाते हैं। इसलिए जनता को चाहिए कि उस सरकार को न बदले, जो देश हित में अच्छा काम कर रही हो।

देखिए, फिल्म उद्योग भी देश का हिस्सा है। इस फिल्म उद्योग में अलग अलग विचार धारा के लोग हैं। जब एफटीआई आई में मेरी नियुक्ति हुई, तो ऐसे ऐसे लोगों ने मेरा विरोध किया, जिनसे मैं कभी मिला ही नहीं था। जिनको मैं जानता ही नही। उनको मेरे विरोध की क्या जरुरत थी। पर यह विचार धारा है। पूरे देश में है, इससे सिनेमा भी अछूता नही है। सिनेमा जगत में भी अलग अलग विचार धारा के लोग हैं। मैं ऑन रिकार्ड कह सकता हूँ कि मैं तीस वर्ष से इस पार्टी के साथ जुड़ा हुआ हूँ। इसका मैने खामियाजा भी भुगता है। जब हमारी पार्टी शासन में नहीं थी,तब मुझे कई फिल्मों व सीरियलों से यह कह

कर निकाल दिया जाता था कि यह तो आरएसएस वाला है या बीजेपी वाला है। हमने उस नुकसान को झेला, क्योंकि मैं उस विचारधारा के साथ खड़ा हुआ था।

☐ पर सिनेमा तो कला है.वहां राजनीति क्यों?

देश में राजनीति से अछूता कोई रह नही सकता। राजनीति तो हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। मैं उदाहरण देता हूॅं। मान लीजिए आपको संसद जितना बड़ा घर दे दिया जाए, जिसमें सारी सुविधाएं हों। और आपको वहां अकेला रख दिया जाए, तो आप सात दिन से ज्यादा वहां नहीं रह पाएंगे। जबकि टीवी, इंटरनेट, खाना सहित जो कुछ चाहिए, वह सब मिलेगा। पर इंसान तो पोलीटिकल है। अगर उसे रोज राजनीतिक खुराक न मिले, तो उसका दिमाग खराब हो जाएगा। इसलिए हर इंसान राजनीति पर बहस करना चाहता है, वह राजनीति जानता हो या न जानता हो। इसी तरह सिनेमा भी इससे अछूता नही है। सिनेमा के लोग भी राजनीति पर बहस करते हैं। राजनीति पर फिल्म भी बनाते हैं। और कई बार कई चीजें ऐसी भी दिखाते हैं, जिसका उससे संबंध नही होता। तो यह उनकी अज्ञानता है। अथवा वह अपनी फिल्म या विषय वस्तु को विवादास्पद बनाने के लिए जानबूझकर करते हैं। उन्हे लगता है कि विवाद उठने के बाद उनकी फिल्म को सफलता मिल जाएगी। पर इस तरह के रास्ते ज्यादा दिन चलेंगें नहीं। जैसे इन दिनों आप देखेंगें तो सड़क पर चलते हुए सौ लोगों में से सौ लोग अपने मोबाइल पर ही नजर टिकाए हुए मिलेंगें। आने वाले समय में विज्ञापन प्रकाशित होंगे कि फेशबुक और व्हाट्सअप छुड़वाइए इतने रूपए में। यह बीमारी बन गयी है। इसी तरह राजनीति भी हर इंसान के दिमाग में है। आप सड़क पर बैठे हुए मजदूर से बात कर लीजिए। मैने अपनी गली की सड़क पर झाड़ू लगाने वाली से पूछा –'यह कचड़ा नही उठाया। 'तो उसने जवाब दिया–'मोदी जी कुछ करते ही नहीं।' मोदी जी इतना लोगों के करीब हो गए हैं। मेरी नजरों में प्रधानमंत्री के काम की यह लोकप्रियता है। आज तक किसी भी प्रधानमंत्री के लिए ऐसा नही कहा गया। किसी ने कभी यह नहीं कहा कि 'मनमोहनसिंह जी आए नहीं।' मेरा यही कहना है कि सिनेमा को भी दूसरे मंत्रालयों की तरह कुछ अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। सिनेमा के विकास के लिए काम करने की आवश्यकता है। सिनेमा वह माध्यम है,जहां से हम अपनी बात करोड़ो लोगों तक बड़ी सहूलियत से एक सेकंड के अंदर पहुॅंचा सकते हैं। सरकार की तरफ से इस माध्यम का सदुपयोग होना चाहिए। सिनेमा मनोरंजक, शिक्षाप्रद,आय का स्रोत हो सकता है। मैं दूरदर्शन पर अरूणप्रभा का चेअरमैन और फिर डीडी पर

सेलेक्शन कमेटी में था। तो मैं हमेशा उन कार्यक्रमों का चयन करता था, जो मनोरंजक, शिक्षाप्रद व आय का स्रोत पैदा करने वाले हों। मुझे लगता है कि सरकार को थोड़ा सा इस तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है।

☐ सिनेमा के जो हालात इस वक्त हैं, उसे आप किस तरह से देखते हैं और किस तरह के सुधार की आवश्यकता है?

सच कहूँ तो कोरोना काल में सिनेमा को सर्वाधिक नुकसान हुआ है। कोरोना की आपदा से सिनेमा को जो नुकसान हुआ है, उससे सिनेमा कब कैसे उबर पाया यह कहना बड़ा मुश्किल है। मुझे लगता है कि यदि तीसरी लहर नही आयी तो भी सिनेमा को उठने में तीन वर्ष का समय लग जाएगा। सिनेमाघर बंद हैं। सिनेमाघर नही खुलेंगें, तो व्यापार नही होगा। व्यापार नही होगा तो पैसे कहां से आएंगे। अब 22 अक्टूबर से सिनेमाघर खोलने की बात हो रही है। आर्थिक दृष्टिकोण से सिनेमा को काफी नुकसान हो चुका हैं इसके अलावा अब ऐसी फिल्में बनानी पड़ेंगी, जिन्हे देखने के लिए दर्शक सिनेमाघर के अंदर आएं।

उसके अलावा मुझे लगता है कि यह युग परिवर्तन का समय है। सिनेमा अब थिएटर यानी कि सिनेमाघरों से निकलकर लोगों के मोबाइल तक पहुँच गया है। लोग सोचने लगे हैं कि सिनेमाघर क्यों जाना, शाम को घर पर बैठकर मोबाइल पर ही फिल्म देख लेंगें। तो सिनेमा भी अपना रूप बदल रहा है। मैं ज्योतिषी तो नही हूँ, मगर मुझे लगता है कि आने वाले वक्त में सिनेमा आपकी मुट्ठी में आ जाएगा। इससे मूल सिनेमा को नुकसान पहुँचेगा, मगर सिनेमा का पैटर्न बदलना बहुत जरुरी है। आने वाले वक्त ढाई घंटे की अवधि वाली फिल्में बनना बंद हो जाएंगी। पैंतालिस मिनट से एक घंटे की अवधि वाली फिल्में बनना शुरू हो जाएंगी, जिससे सिनेमा के माध्यम से आपका संदेश दर्शकों तक पहुँच जाए। मनोरंजन के तो कई माध्यम आ गए।

☐ मगर ओटीटी प्लेटफार्म के कार्यकमों में सेक्स और हिंसा की ही बहुतायत होती है?

ओटीटी प्लेटफार्म अभी ग्रो कर रहे हैं। यह कितना ग्रो करेगा, कहां तक जाएगा, अभी से कुछ कहना मुश्किल है। यह परिवर्तन का युग है। सब कुछ बदल रहा है। जब जब सिनेमा बदलता है तब तब लेखक के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। आने वाले समय में कम समय में अपनी बात पहुँचाने की चुनौती लेखक के सामने होगी। मेरी समझ से ओटीटी अभी प्रयोग के दौर से गुजर रहा है। इसमें अभी ठहराव नही आया है।

PARINEETI CHOPRA SHARES GLIMPSES OF MALDIVES TRIP WITH 'FAM JAM'

रणबीर कपूर अपने बर्थडे पर आलिया भट्ट को भीड़ से बचाते हुए

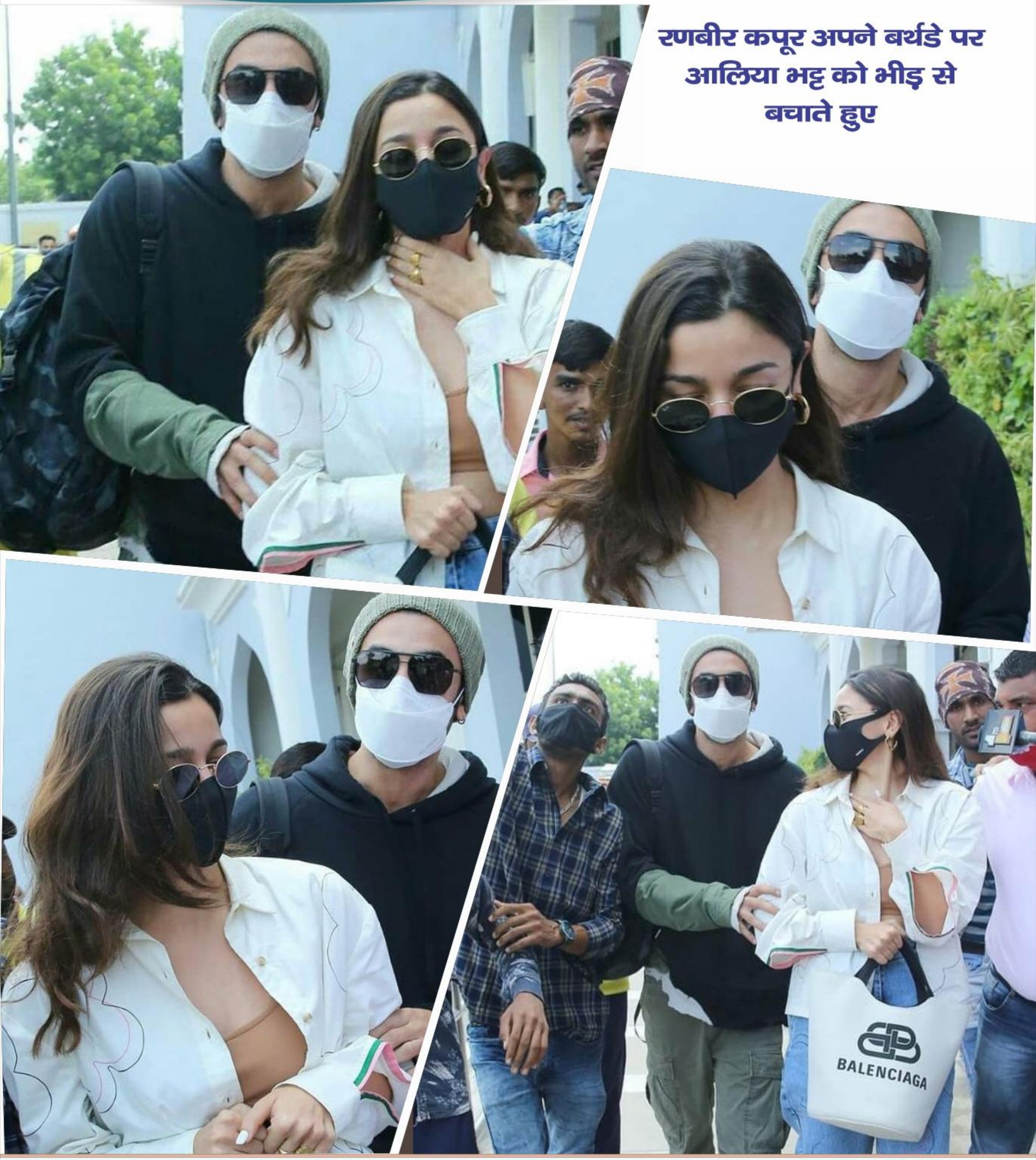
BALENCIAGA

HONSLA RAKH TRAILERSHEHNAAZ GILL AND DILJIT DOSANJH

Do patar anara de meh da mausm eh seen
What drives you

रोहन प्रीत सिंह और जैस्मिन भसीन का सॉन्ग 'पीने लगे हो' हुआ रिलीज

ARJUN KAPOOR'S SHOCKING TRANSFORMATION

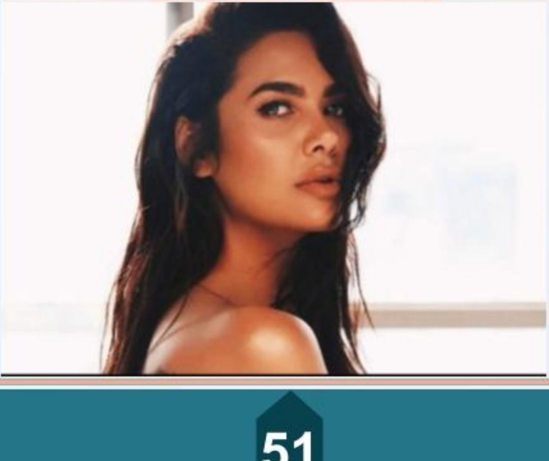

ESHA GUPTA'S BIKINI PICTURE SET THE INTERNET ON FIRE

वक्त आ गया है लता मंगेशकर को जिंदा होते हुए अमर मानने का (उनके जन्म दिन पर मेरा एक गीत)

– अली पीटर जॉन

आज, भगवान दुनिया के साथ उनकी सभी समस्याओं को भूल जाएंगे और लता मंगेशकर के गीतों को ही सुनेंगे, उनकी सबसे खूबसूरत रचनाओं में से एक जिसे उन्होंने बनाया और मनुष्य ने स्वीकार किया है।

संत लता मंगेशकर के सभी बेहतरीन गीत गाएंगे और सभी देवदूत उनके द्वारा गाये गए प्रत्येक गीत के लिए संगीत तैयार करेंगे और स्वर्ग और पृथ्वी भारत रत्न लता मंगेशकर का जन्मदिन मनाएंगे जो न केवल भारत को भगवान का उपहार है, बल्कि पूरी दुनिया को।

यदि आप जल्दी उठते हैं, तो आप लता मंगेशकर के कुछ बेहतरीन युगल गीत गाने के लिए कुछ समय के लिए डूबते चाँद और उगते सूरज को उनके सभी पुरुष गायकों के साथ मिलते हुए देखेंगे, जिन्होंने 70 वर्षों या उससे अधिक के दौरान उनके साथ गाया है, फिर उन्होंने राज किया है संगीत की दुनिया

28 सितंबर के इस पूरे दिन, हर जीवित प्राणी और हर इंसान उस आवाज को सूचीबद्ध करेगा जिसने लोगों के दिलों को सुकून दिया और लाखों लोगों को प्यार और शांति दी।

आज पेड़ भी झूम उठेंगे और उनके गीतों पर नाचेंगे, हर छुट्टी और हर फूल उनके गीत गाएगा और उसके सम्मान में गीत भी गाएगा।

सड़कों पर आम आदमी, भिखारी, किसान और सैनिक सभी गाएंगे या लता मंगेशकर के गुण गाएंगे

सूरज तब और तेज चमकेगा जब से वह पैदा हुए हैं और आकाश और बादल और हवा और लहरें और समुद्र खुद ही लता मंगेशकर के गीत गाएंगे या सुनेंगे।

लता मंगेशकर के यादगार गीत के साथ उदय होगा चांद, सितारे करेंगे कुछ बेहतरीन गानों पर हस्ताक्षर लता मंगेशकर ने जमीन के तारे और आसमान के सितारे के बारे में गाया है।

और 'लता जी की जय हो, लता जी अमर रहें' का नारा लगाते हुए पूरा ब्रह्मांड अपनी आवाज उठाएगा और ये सब मूर्ख लोग कम ही जानते होंगे कि लता जी ने दुनिया के समय तक जीवन नहीं जिया है, वह एक जीवन काल के लिए नहीं हैं या कई जन्मों तक, लताजी हमेशा के लिए है और समय की सभी बाधाओं और सीमाओं से परे है, वह मनुष्य के बहुत करीब है और वह भगवान के बहुत करीब है, लता दीदी ही नहीं है, लताजी देवी है।

वो लताजी के जाने जो कभी जमाना भूला नहीं सकेगा

1. आप की सेवा में पा लागू कर जोरी रे (पहला पार्श्व गीत)
2. मजबूर – दिल मेरा तोड़ा
3. अनोखा प्यार – याद रखना चांद तारो
4. ज़िद्दी – चंदा रे जा रे जा रे
5. अंदाज़ – उठाये जा उनके सीतम
6. बड़ी बहन – चले जाना नहीं
7. बरसात – जिया बेकरार है
8. बाजार – साजन की गलियां छोड़ चले
9. एक थी लड़की – लारा लप्पा लारा लप्पा
10. लाडली – तुम्हारे बुलाने को जी चाहता है
11. लाहौर – बहारें फिर भी आएंगी
12. महल – आयेगा आने वाला
13. निराला – महफिल में जल उठी शाम
14. अफसाना – अभी तो मैं जवान हूं
15. अलबेला – धीरे से आजा री अंखियां में
16. आवारा – आ जाओ तड़पते हैं अरमान
17. नौजवान – ठंडी हवाएं लहराके आए

18. साज़ा – तुम न जाने किस जहान में खो गए
19. तराना – बेइमान ने तोरे नैनवा
20. बैजू बावरा – मोहे भूल गए सांवरिया
21. नौबहार – ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी
22. संगदिल – वो तो चले गए ऐ दिल
23. शिंशिनाकी – बूबला तुम क्या जानो तुम्हारी याद में
24. अनारकली – ये जिंदगी उसी की है
25. बागी – हमारे बाद अब महफिल में
26. अमर – न मिलता गम तो बर्बादी
27. नागिन – मन डोले मेरा तन डोले
28. आजाद, राधा न बोले न बोले
29. हाउस नंबर 44 – फैली हुई हैं सपनों की बाहें

30. झनक झनक... – जो तुम तोडो पिया
31. सीमा – मनमोहना बड़े झूठे
32. यास्मीन – मुझ पे इल्जाम–ए–बेवफाई है
33. चोरी चोरी – रसिक बलमा
34. दो आंखें बारह... – ऐ मालिक तेरे बंदे हम
35. जलती निशानी – रूठ के तुम तो चल दिए
36. अदालत – यूं हसरतों के दाग
37. मधुमती – आजा रे परदेसी
38. गूंज उठी शहनाई – तेरे सुर और मेरे गीत
39. अनुराधा – हाय रे वो दिन क्यों ना आए
40. दिल अपना प्रीत पराई – अजीब दास्तान है ये
41. घूंघट – लागे न मोरा जिया
42. जिस देश में गंगा – ओ बसंती पवन पागल
43. मुगल–ए–आजम – प्यार किया तो डरना क्या
44. परख – हे सजना बरखा बहार आई
45. भाभी की चूड़ियां – ज्योति कलश छलके
46. हम दोनो – अल्लाह तेरो नाम
47. माया – जा रे जा रे उड़ जा रे पंछी
48. संजोग – वो भूली दास्तान
49. बीस साल बाद – कहीं दीप जले कहीं दिल
50. दिल एक मंदिर – रुक जा रात
51. मुझे जीने दो – रात भी है कुछ भीगी भीगी?
52. रुस्तम सोहराब – ऐ दिलरुबा नज़रें मिला
53. हकीकत – ज़रा सी आहट होती है
54. सती सावित्री – जीवन दो तुम्ही ने बंधी गाया
55. संत ज्ञानेश्वर – खबर मोरी ना ली
56. वो कौन थी – लग जा गले
57. आरजू – बेदर्दी बलमा तुझको
58. गाइड – पिया तोसे नैना लागे रे
59. जब जब फूल खिले – ये समा, समा है ये प्यार का
60. खानदान, तुम्हीं मेरे मंदिर

61. ऊँचे लोग – दिल का दीया जलाके गया
62. आखिरी खत – बहारो मेरा जीवन भी संवारो
63. आए दिन बहार के – सुनो सजना पपीहे ने
64. आम्रपाली – तुम्हें याद करते करते
65. अनुपमा – कुछ दिल ने कहा:
66. ममता – रहें न रहें हम
67. मेरा साया – नैनों में बदरा छाये
68. बहू बेगम – दुनिया करे सवाल तो हम
69. मेरे हमदम ...– चलो सजना जहां तक घटा चले
70. इंतकाम – कैसे रहूं चुप
71. दो रास्ते – बिंदिया चमकेगी
72. दस्तक – बैयां न धरो
73. अमर प्रेम – रैना बीती जाए
74. महबूब की मेहंदी – जाने क्यों लोग मोहब्बत
75. पाकीज़ा – इन्हीं लोगों ने
76. रेशमा और शेरा – तू चंदा मैं चांदनी
77. शर्मीली – मेघा छाए आधी रात
78. अभिमान – पिया बिना पिया बिना बसीहा
79. हंसते ज़ख्म – आज सोचा तो आंसू भर आए
80. प्रेम पर्वत – ये दिल और उनकी निगाहों के साये
81. सौदागर – तेरा मेरा साथ रहे
82. मौसम – रुके रुके से कदम
83. महबूबा – मेरे नैना सावन भादों
84. तुम्हारे लिए – तुम्हें देखती हूं
85. सत्यम शिवम...– ईश्वर सत्य है
86. एक दूजे के लिए – सोलह बरस की बाली उमर को सलाम
87. बाजार – दिखाई दीये तुम
88. रजिया सुल्ताना – ऐ दिल–ए–नादान
89. राम तेरी गंगा मैली – एक राधा एक मीरा
90. दिल से – जिया जले जान जले

और वो फिल्में जिन्हें लताजी ने अमर बना दिया

1. आप की सेवा में (पहली पार्श्व फिल्म),
2. अनोखा प्यारा
3. मजबूर
4. ज़िद्दी
5. अंदाज़
6. बड़ी बहन
7. बरसात
8. बाजार
9. दुलारी
10. एक थी लड़की
11. लाहौर
12. महल
13. पतंगा
14. अफसाना
15. अलबेला
16. आवारा
17. तराना
18. जाल
19. नौबहर
20. परछाईं
21. पूनम
22. आह
23. अनारकली
24. अमर
25. नागिन
26. नास्तिक
27. शबाब
28. आज़ाद
29. देवदास
30. झनक झनक पायल बाजे
31. मुनीमजी
32. उड़न खटोला
33. यास्मीन
34. भाई भाई
३५. चोरी चोरी
36. नई दिल्ली
37. दो आंखें बारह हाथ
38. कठपुतली
39. मदर इंडिया
40. अदालत
41. मधुमती
42. साधना
43. अनादि
44. गूंज उठी शहनाई
45. अनुराधा
46. दिल अपना प्रीत पराई
47. मुगल–ए–आजम
48. परख
49. भाभी की चूड़ियां
50. गंगा जमना
51. हम दोनो
52. अनपढ़
53. बीस साल बाद
54. दिल एक मंदिर
55. मुझे जीने दो
56. चित्रलेखा
57. जहां आरा
58. कोहरा
59. संत ज्ञानेश्वरः
60. सती सावित्री
61. वो कौन थी
62. आरज़ू
63. गाइड
64. हिमालय की गोद में
65. लुटेरा
66. आम्रपाली
67. अनुपमा
68. दुल्हन एक रात की
69. ममता
70. मेरा साया
71. इंतकाम
72. अभिनेत्री
73. दस्तक
74. हीर रांझा
75. अमर प्रेम
76. जल बिन मछली नृत्य बिन बिजली
77. मेरा गांव मेरा देश
78. पाकीज़ा
79. रेशमा और शेरा
80. शर्मीली
81. अभिमान
82. हंसते ज़ख्म
83. प्रेम पर्बत
84. महबूबा
85. सत्यम शिवम सुंदरम
86. सुबह
87. रज़िया सुल्तान
88. राम तेरी गंगा मैली
89. नाचे मयूरी
90. हिना

क्या कभी लताजी जैसी आवाज फिर आएगी? मुझे तो नहीं लगता। लेकिन अगर खुद ने चाहा तो कुछ भी हो सकता है। लेकिन फिर भी सोचा हूं कि खुदा भी लता मंगेशकर को वापस लता मंगेशकर जैसी लता नहीं बना सकता

Famous Pictures
بڑی بہن
बड़ी बहन
Bari Behen

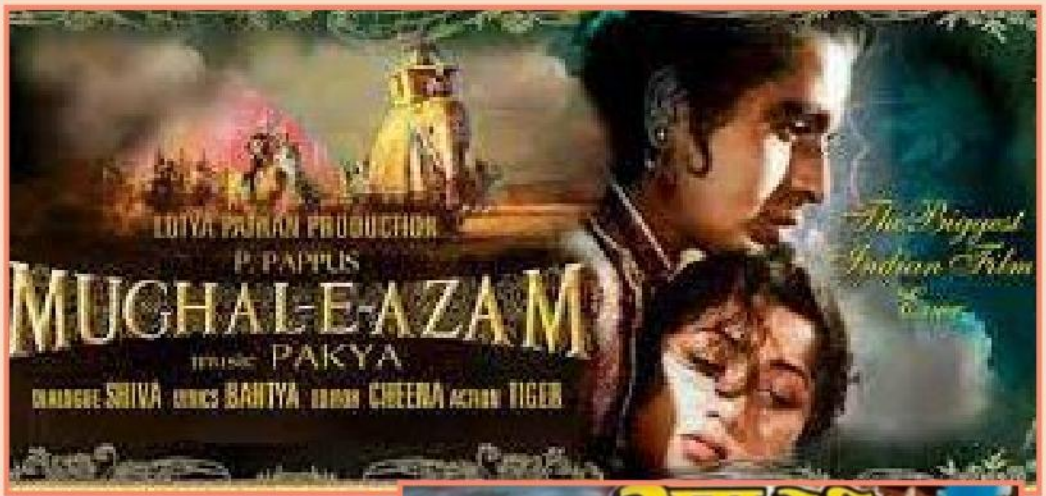
LOTYA PAJAMA PRODUCTION
P. PAPPUS
MUGHAL-E-AZAM
music PAKYA
dialogue SHIVA lyrics BANTYA editor CHEENA action TIGER
The Biggest Indian Film Ever

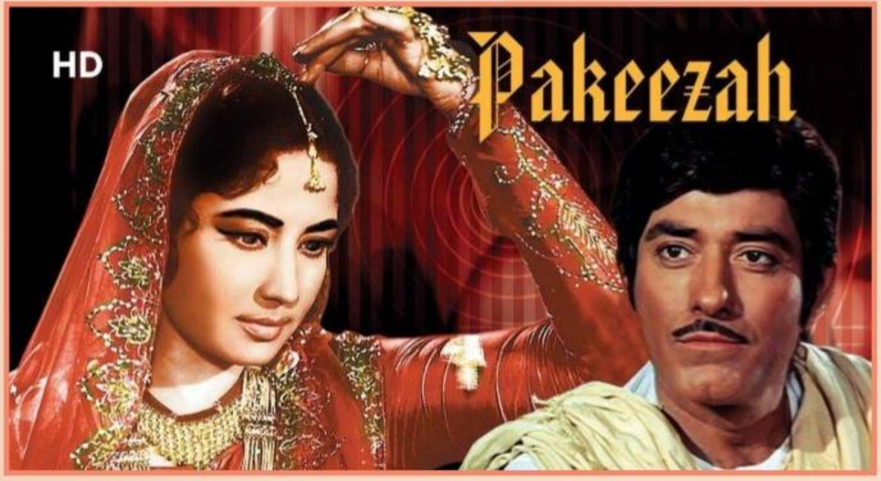
HD
Pakeezah

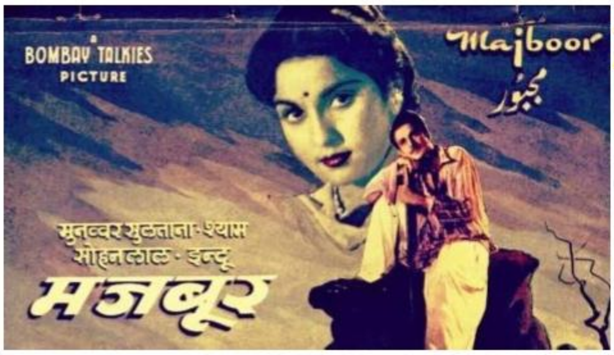
BOMBAY TALKIES
PICTURE
Majboor
مجبور
मुनव्वर सुलताना · श्याम
मोहनलाल · इन्दु
मजबूर

HD
जिया बेक़रार है
छाई बहार है

ZIDDI

धीरे से आजा री अंखियां में

लारा लप्पा
लारा लप्पा

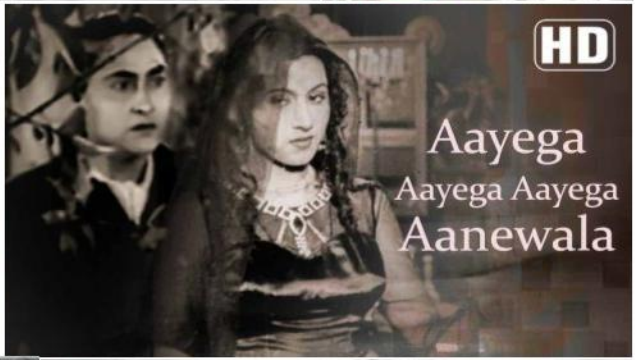
HD
Aayega
Aayega Aayega
Aanewala

Mohe Bhool Gaye...

ये जिंदगी उसी की है

HD
Man Dole Mera Tan Dole...

ये जिंदगी उसी की है

Yeh Samaa Samaa Hai..

Aye Dile
Nadaan
❤

जिया जले जान जले...

इन्हीं लोगों ने...

खुदा नकली चीज नहीं बनाता

अली पीटर जॉन

वर्षों और वर्षों से, बहुत बुद्धिमान और बहुत मूर्ख लोग रहे हैं जो मानते हैं कि **लता मंगेशकर** की नकल हो सकती है

उन्होंने यह साबित करने के लिए हर तरह के आध्यात्मिक, मानसिक मनोवैज्ञानिक और शारीरिक तरीकों की कोशिश की है कि, और नकल उसी तरह का प्रभाव पैदा कर सकते हैं जो मूल बनाता है, लेकिन मुझे बताओ, उनमें से कितने सफल हुए हैं?

और अगर ईश्वर की एक प्रतिभाशाली रचना है जिसका कभी अनुकरण या नकल नहीं की जा सकती है, तो वह पसंदीदा कोकिला है जिसे दुनिया लता मंगेशकर के रूप में जानती और पूजती है।

पिछले सत्तर वर्षों में, अनगिनत **'लता मंगेशकर'** हुई हैं, लेकिन भगवान ने यह देखा है कि, लता मंगेशकर में से केवल एक ही रही है, और हमेशा रहेंगी और उनके सभी डुप्लीकेट हमेशा कागज के फूलों की तरह होंगे। खुशबू या पसंद

तो, भगवान के लिए और आपके अपने लिए, उनके डुप्लीकेट और अनुकरणकर्ता, लता को शाश्वत लता होने दें जो वह है और आप जो हैं वही रहें, दुनिया एक बेहतर जगह होगी यदि हमारे पास भगवान के हाथों से अधिक मूल छूए गए हैं आप जो आज पैदा हुए और हमेशा के लिए चले गए

मत कर ऐसा घोर अन्य
अपने आप पर

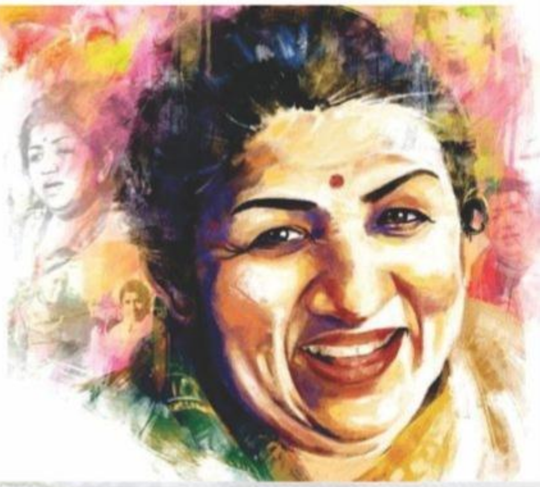

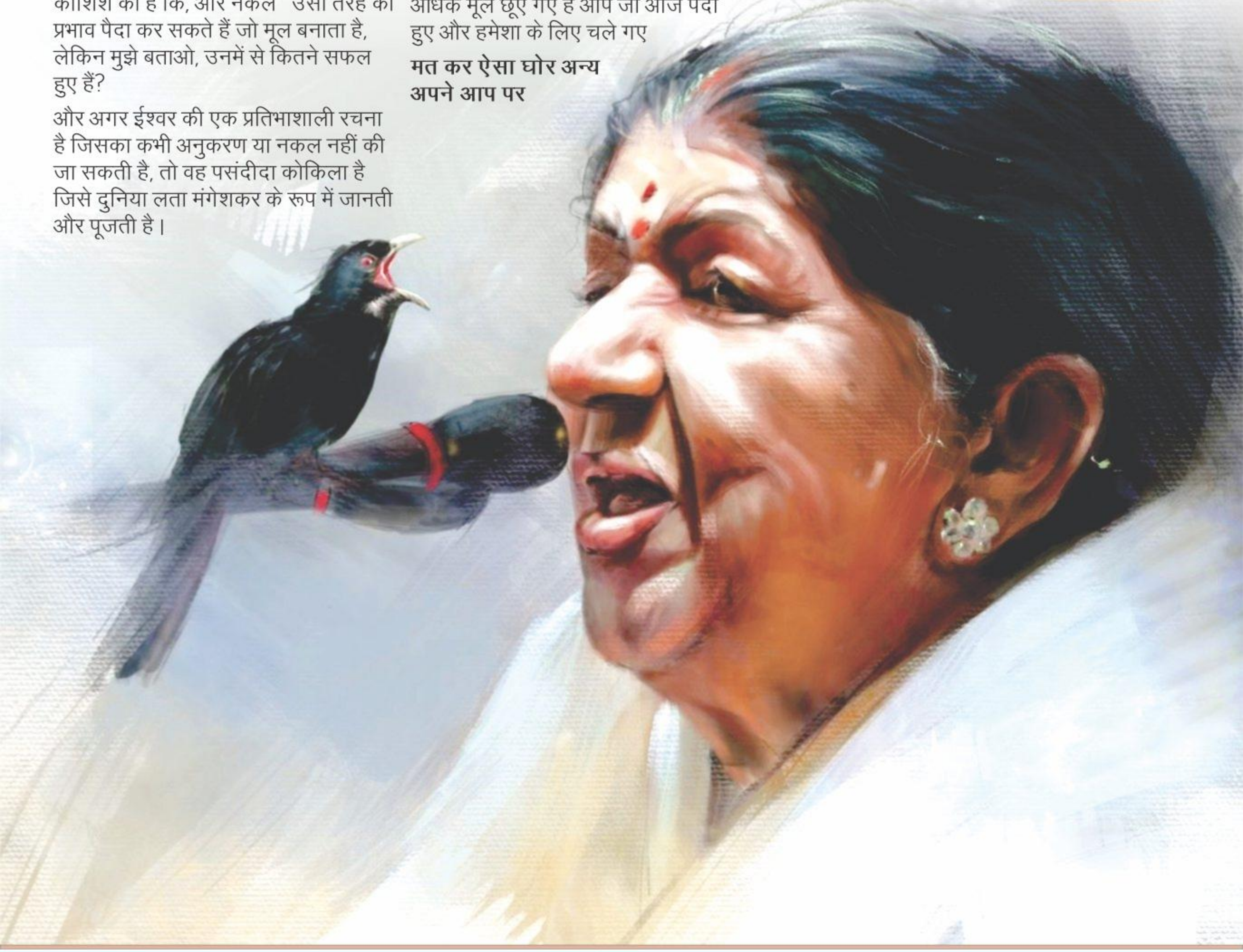

लता जी ने अपने जन्मदिन पर देव साहब के लिए गाना गाया और सिर्फ एक रूपये का सिक्का मांगा

–अली पीटर जॉन

संयोग मेरे जीवन का एक बहुत ही अजीब और असामान्य हिस्सा रहा है। मैं आपको एक मिनट में सौ उदाहरण दे सकता हूं, लेकिन मैं अपने आपको नियंत्रित करता हूं और आपको एक संयोग के बारे में बताता हूं जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता ...

मैं भगवान गणेश की एक बड़ी तस्वीर के सामने प्रभु–कुंज में लता मंगेशकर के साथ बैठे थे और वह उन कई नायकों के बारे में बात कर रही थी जिनकी फिल्मों के लिए उन्होंने अपने लंबे करियर के दौरान गाने गाये थे और जब देव आनंद की बात आई तो वह रुक गईं और लगता है कि शब्द खो गए हैं हिंदी या उर्दू में और यहां तक कि मराठी में उनका वर्णन करने के लिए और अंत में हिंदी में कहा, "वो सच में देव हैं, वो देव मानुष हैं, उनमें देव की शक्ति है और देव कू स्पर्ती हैं, मैंने अपनी जिंदगी में बहुत से इंसान देखे हैं, लेकिन देव आनंद जैसा कोई देव नहीं देखा" और उन्होंने अपनी आंखों से कुछ आंसू पोंछे और भगवान गणेश की छवि को छुआ और देव आनंद के लिए लंबे जीवन के लिए प्रार्थना की।

कुछ दिनों बाद, लताजी के पसंदीदा फोटोग्राफर मोहन वाघ ने मुझे फ्लोरा फाउंटेन में वेस्टर्न आउटडोर रिकॉर्डिंग स्टूडियो में बुलाया, जहां लताजी "देव साहब" की एक नई फिल्म के लिए एक गाना रिकॉर्ड कर रही थीं और मुझे अपनी अनुमति नहीं लेनी पड़ी। संपादक या मेरा दिल या मेरा दिमाग और बस फ्लोरा फाउंटेन के लिए रवाना हुए, जिसे अभी–अभी हुतात्मा चौक नाम दिया गया था।

देव मुझे देखकर बहुत उत्साहित हुए और उन्होंने मुझे रिकॉर्डिंग के बारे में नहीं बताने के लिए माफी मांगी, क्योंकि वह अन्य चीजों में बहुत व्यस्त थे "क्योंकि लता के साथ एक रिकॉर्डिंग एक तरह से केवल एक बार होती है और एक त्योहार की तरह होती है"

लताजी और देव साहब गाने के इतने दीवाने थे कि इसे दो घंटे के भीतर और लंच टाइम से पहले रिकॉर्ड कर लिया गया।

लताजी रिकॉर्डिंग स्टूडियो छोड़ने की इतनी जल्दी में थीं और जब वह मुझसे मिलीं, तो उन्होंने मुझसे पूछा कि देव साहब कहाँ हैं और इससे पहले कि मैं उन्हें बता पाता कि वह कहाँ हैं, वह दो मंजिलों से नीचे भाग गईं, अपनी कार तक पहुँचीं, अपनी कार में बैठ गईं और सोचा

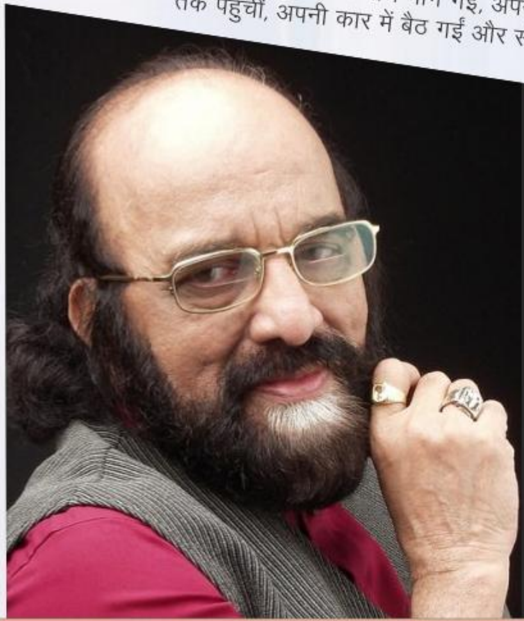

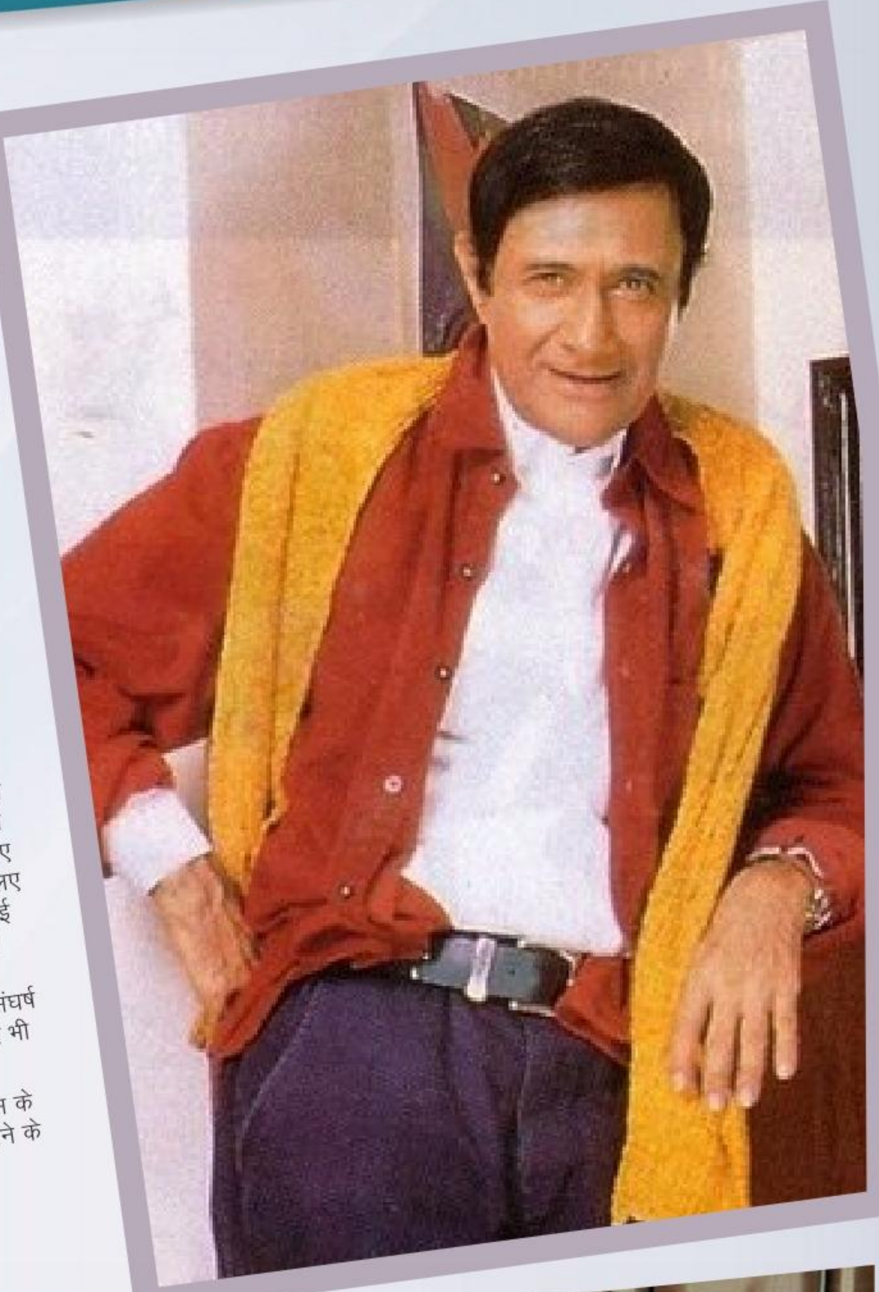

कि वह बच जाती, लेकिन वह दृढ़ निश्चयी देव आनंद को अच्छी तरह नहीं जानती थी।

रिकॉर्डिंग स्टूडियो में देव लताजी की तलाश में इधर–उधर भाग रहे थे। और जब वह मेरे पास पहुंचे तो उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैंने लता को जाते हुए देखा है। मैंने उन्हें स्पष्ट रूप से कहा कि मैंने उन्हें फ्लोरा फाउंटेन पर दोपहर के भोजन के समय ट्रैफिक में सफेद फिएट नई 118 में जाते हुए देखा था...

देव एक पल के लिए भी नहीं रुके, लेकिन लकड़ी की पुरानी सीढ़ी से नीचे भागे और लता की कार के पीछे भागे जैसे एक आदमी जो खोने वाला था वह सबसे कीमती खजाना है। आखिर में वह लता की कार को रोकने में कामयाब हो गया और चारों ओर कम से कम 10,000 लोग यह जानने के लिए उत्सुक थे कि यह उच्च नाटक क्या था ...

देव अपने साथ नोटों का एक पैकेट लेकर आये थे जिसे वह आम तौर पर हर रिकॉर्डिंग के बाद लताजी को भुगतान करता था। वह पैकेट लताजी के हाथ में थमाता रहे और उन्होंने लेने से मना कर दिया। देव उन्हें बताते रहे कि यह उनका पैसा है क्योंकि उन्होंने इसे अपनी प्रतिभा और ईमानदारी से काम के कारण कमाये हैं। देव ने लता को आगे बढ़ने से मना कर दिया, जब तक कि लता ने देव से कहा, "मैंने आपसे बहुत कुछ कमाया है इन सारे सालों में..अब मैं आपसे ये पैसे लेके क्या करुंगी?" लता आखिरकार देव से एक रुपये का सिक्का स्वीकार करने के लिए तैयार हो गई और देव ने कहा सिक्का नहीं है। उन्होंने मुझसे अनुरोध किया कि मैं उनके प्रोडक्शन मैनेजर के पास जाऊं और वह सिक्का ले आऊं, जिसे मैं देव के पास वापस ले आया। और देव ने सिक्का लता को दे दिया, जिसने बहुत बड़ी भीड़ की उपस्थिति में देव के पैर छुए और लता प्रभु कुंज में घर के लिए रवाना हो गई और देव रिकॉर्डिंग स्टूडियो के लिए रवाना हो गए और भीड़ अभी भी समझ नहीं पाई कि दोनों किंवदंतियों के बीच क्या हो रहा था। भारत के हुतात्मा चौक के बीच में, जहां ऐतिहासिक घटनाएं हो रही थीं, आजादी के संघर्ष के बाद से और आजादी के नए संघर्ष के बाद भी जीवन का एक तरीका था।

क्या यह पीढ़ी या कोई अन्य पीढ़ी इतिहास के सबसे महान मानव दृश्यों में से एक को देखने के लिए भाग्यशाली होगी ???

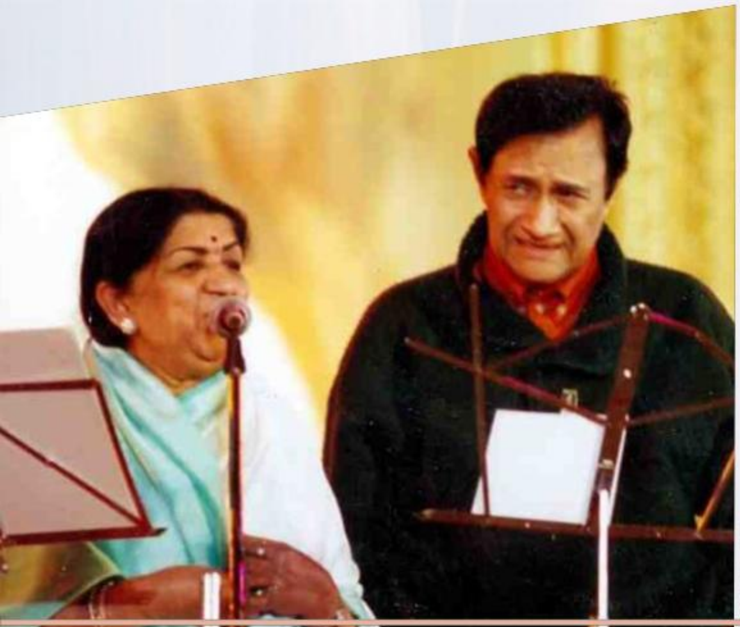

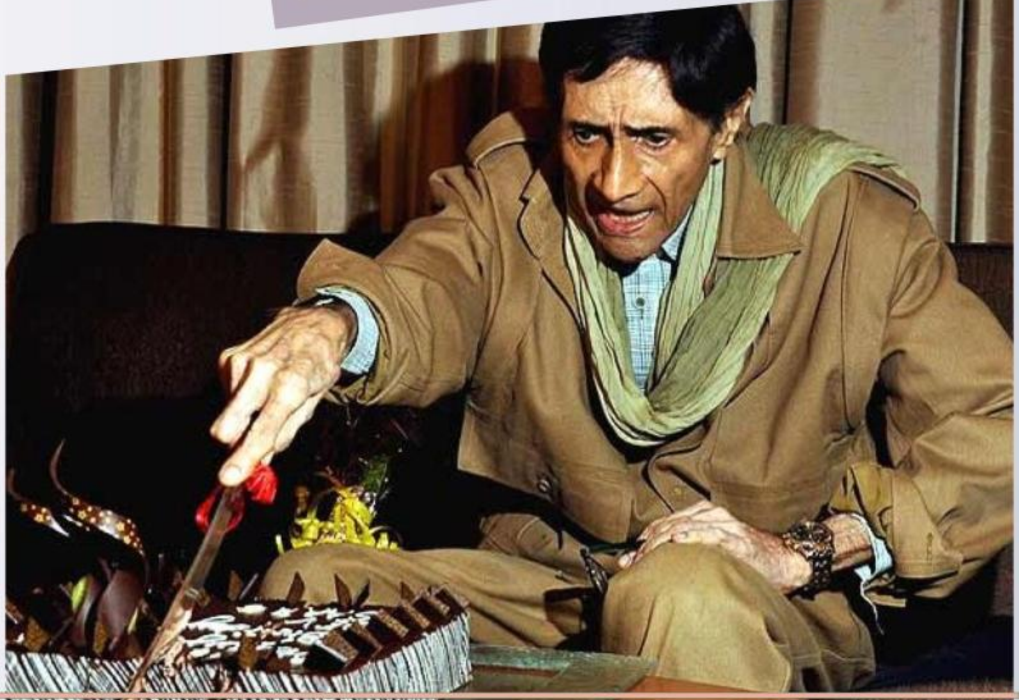

महान गायिका आशा भोसले ने राजन शाही की ‘अनुपमाँ’ की प्रशंसा की, शो को ‘समय की आवश्यकता’ कहा

ज्योति वेंकटेश

जहां दर्शक **राजन और दीपा शाही** की **‘अनुपमा’** के बारे में बड़बड़ाना बंद नहीं कर सकते हैं, वहीं इस शो को **आशा भोंसले** में भी एक प्रशंसक मिल गया है। महान गायिका ने राजन को फोन किया था और भारतीय समाज को दर्शाने वाला शो बनाने के लिए उनकी प्रशंसा की थी।

अभिभूत राजन ने उनकी बातचीत के बारे में बात की, और कहा, ‘यह एक बहुत अच्छा एहसास था जब महान गायिका ने मुझे फोन किया और ‘अनुपमा’ की सराहना की। उसने कहा कि वह शो की बहुत बड़ी प्रशंसक है और कभी भी एक एपिसोड को याद नहीं करती है। हमने एक लंबी बातचीत और उन्होंने शो के हर पहलू पर चर्चा की। उन्होंने मुझसे हर किरदार के बारे में बात की और शो के बारे में उनके कुछ बहुत ही मजबूत विचार थे। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह का शो समय की जरूरत है।"

खैर, यह दूसरी बार है जब उन्होंने व्यक्तिगत रूप से इस प्रसिद्ध निर्माता को उनके शो के बारे में बात करने के लिए बुलाया। आशा भोसले ने इससे पहले उनसे अपने सुपरहिट टीवी शो ''बिदाई... सपना बाबुल का'' के बारे में बात की थी।

‘वह ‘बिदाई..सपना बाबुल का’ की बहुत बड़ी प्रशंसक थीं। इस बार उन्होंने ‘अनुपमा’ के कुछ एपिसोड को याद किया था और मुझे आखिरी बार याद दिलाया था जब उन्होंने एक फिल्म नहीं देख पाने के लिए खेद व्यक्त किया था। उनकी यात्रा के कारण ‘बिदाई...’ के कुछ एपिसोड और मैंने उन्हें देखने के लिए पूरी श्रृंखला दी थी।''

इतना ही नहीं, आशा भोसले ने राजन की मां दीपा शाही को भी बधाई दी, जो ''अनुपमा'' के साथ निर्माता बनीं।

उन्होंने कहा, ‘उन्होंने मेरे नाना पी. जयराज को प्यार से याद किया और मेरी मां दीपा शाही को भी बधाई दी। उन्हें इस बात पर बहुत गर्व था कि वह ‘अनुपमा’ के साथ निर्माता बनीं और मुझे अपनी मां के साथ अपना संदेश साझा करने के लिए कहा।''.

महान गायिका के इस इशारे से राजन गहरी कृतज्ञता में हैं और उन्होंने कहा, ''यह उनके द्वारा एक सुंदर इशारा था। वह हर दृश्य और संवाद भी जानती थी। उसने कहा कि यह बेहतरीन शो में से एक है और साझा किया कि वह इसके साथ चर्चा करती है उसका परिवार भी। उसने कहा कि एक बार महामारी की स्थिति बेहतर होने के बाद वह व्यक्तिगत रूप से सेट पर सभी से मिलना चाहेगी।"

जो गीत अमिताभ ने लता जी के शान में गाया, क्या वो गीत कोई गा सकता है?

अली पीटर जॉन

अगले 48 घंटों या उससे कम समय में, **लता मंगेशकर** जिन्हें हर तरह की प्रशंसा से नवाजा गया है, जिन्होंने देश में सभी प्रमुख पुरस्कार प्राप्त किए हैं, **भारत रत्न** और अन्य पुरस्कारों की तरह, उन्होंने विदेशों में जितने भी पुरस्कार जीते हैं, उनके अलावा, लेखक, कवि, इतिहासकार, संत और दार्शनिक और यहां तक कि आम आदमी भी भारत के महानतम गायक की प्रशंसा करने के लिए हर संभव प्रयास करते है।

यह भारत की नाइटिंगेल को दी जाने वाली सबसे अद्भुत श्रद्धांजलि है, और यह सहस्त्राब्दी, **अमिताभ बच्चन** जैसे सितारे की ओर से है, जो उनके सबसे बड़े प्रशंसक हैं।

अमिताभ को अपने संगीत के एक बड़े उत्सव में **लताजी** का परिचय देने के लिए कहा गया और वे इस अवसर के लिए उचित रूप से तैयार होकर आए थे, सभी मेहमान लगभग एक संत की तरह दिख रहे हैं। वहां उपस्तित हर चेहरा अमिताभ को लताजी के बारे में बोलते हुए सुनने के लिए काफी उत्सुक था।

अमिताभ ने अपनी बात शुरू करते हुए एक सवाल पूछा, जिसमें उन्होंने पूछा, **"मैं उन महान व्यक्तित्व का परिचय कैसे दे सकता हूं, जो अपने आप में एक परिचय है? यह मेरे दिमाग और मेरे शब्दों से परे है,** लेकिन मैं अपना छोटा प्रयास करने की कोशिश करूंगा।" उन्होंने कहा कि लताजी न केवल देश की आवाज थी, बल्कि दुनिया की आवाज और सहस्राब्दी का वास्तविक सितारा है। उन्होंने कहा कि लताजी का वर्णन करना बहुत मुश्किल है, जिनके नाम के साथ सभी लोग **'सुर, ताल और संगीत'** के बारे में बात करना शुरू करते है और खत्म करते हैं।

उन्होंने कहा, उन्होंने असीमित पुरस्कार और यहां तक कि दुनिया के विभिन्न विश्वविद्यालयों से डॉक्टरेट के सम्मान भी जीते है, लेकिन वे अभी भी उनकी महानता का वर्णन करने के लिए पर्याप्त नहीं थी, उन्होंने कहा कि जब वह पाकिस्तान से अपने दोस्तों से मिले तब भी, उन्होंने उन्हें बताया कि उनके पास वे देश हैं, जहा सब कुछ है, लेकिन केवल दो चीजें नहीं हैं, एक **ताजमहल** और दूसरी **लता मंगेशकर**।

वह एक काव्यात्मक मूड में थे जब उन्होंने कहा कि लताजी का भगवान के साथ गहरा संबंध है, जिसे उन्होंने कहा था, और मनुष्य की 'आत्मा' का 'परमात्मा' से मिलन एक काल्पनिक संबंध।

उन्होंने सितार के सिंबल का इस्तेमाल किया, जिसमें उन्होंने कहा कि 12 प्रमुख डोर थी, और उन डोरों के नीचे छोटी डोरे थी जिन्हें उन्होंने 'सहानुभूति के डोर' कहा था जो सितार द्वारा छोटी उंगली से छुआ गया था, वह एक मैजिकल टच के साथ था, जो उन्होंने कहा वह गायक की आवाज और अन्य उपकरणों में भी पॉवर और प्यूरिटी से प्रेरित थे।

अमिताभ ने कहा कि उनका यह भी मानना है कि मनुष्य और परमात्मा के

बीच में एक डोर थी, और यह डोर लता मंगेशकर हैं!

उम्मीद थी, कि भीड़ तालियों की गडगडाहट से शोर मचा देगी, लेकिन पूरी भीड़ में एक ऐसा सन्नाटा था, मानो वे सब लताजी की आवाज के बारे में अमिताभ के वर्णन में ही खो गए हों।

अमिताभ को लताजी को एक पुरस्कार देने के लिए आमंत्रित किया गया था, जो उनके भाई **हृदयनाथ** के नाम पर था। दरअसल, **डॉ.ए.पी.जे. कलाम, सचिन तेंदुलकर** और **अमिताभ** यह तीन नाम उनके सामने रखे गए थे, और उनसे पूछा गया था, कि वह इस पुरस्कार को किसके द्वारा स्वीकार करना चाहती हैं? और उन्होंने कहा, "अगर इनमे अमिताभ का नाम है, तो आप मुझे दूसरे नाम क्यों दिखा रहे हैं?" मुझे समारोह में अमिताभ को आमंत्रित करने का सौभाग्य मिला। वह आए, हमेशा की तरह समय से पहले और फिर 45 मिनट तक बोले, केवल लताजी के बारे में जबकि दर्शक पूरे समय मौन बैठे रहे जब तक लताजी के बोलने का समय नहीं आया था, उनकी आंखों में आंसू थे, और उन्होंने कहा, "मैं क्या बोलू, इस महान भाषण के बादशाह के सामने?"

कुछ 30 साल पहले, यह **दिलीप कुमार** थे, जो अपनी **'छोटी बहन'** की प्रशंसा में गाई थी, (इस तरह से उन्होंने लता को हमेशा संबोधित किया)

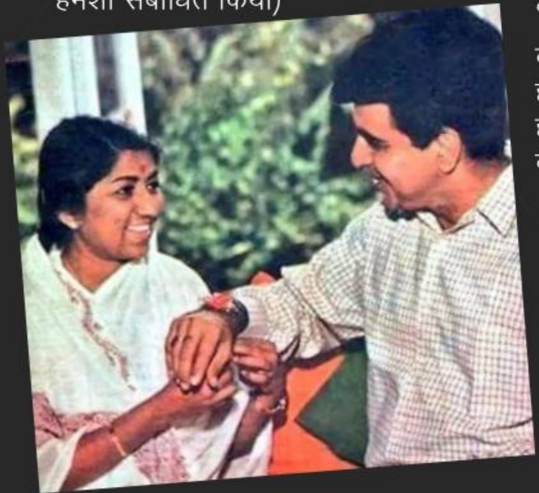

शास्त्रीय संगीत के कलाकार **'उस्ताद बिस्मिल्लाह खान'** परेल में एक घर की ओर से गुजर रहे थे, जब उन्होंने लताजी की आवाज सुनी और उन्होंने अपने ड्राइवर से कार रोकने के लिए कहा और अपने हाथ जोड़े और कहा, "गाडी रोको, इबादत हो रही हैं" लताजी की आवाज बंद होने के बाद ही कार आगे बढ़ी।

क्या हमारे पास कभी एक और लताजी होगी जिसका वर्णन हम मानव करते है, हालाँकि शब्द कभी भी उनके साथ न्याय करने में सफल नहीं होंगे?

अभी कल ही की बात थी, कंगना जी, तुमने क्या कह डाला था, अब तुम क्या कहोगी?...

– अली पीटर जॉन

VIBRI MOTION PICTURES & KARMA MEDIA AND ENTERTAINMENT PRESENTS
THALAIVI
A FILM BY VIJAY

शायद, "थलाइवी" के सफल होने का दावा करने वाली एकमात्र खुद कंगना रनौट हैं। या अब तक यह सिद्ध हो चुका है कि तमिलनाडु की सशक्त महिला डॉ जे जयललिता के जीवन और समय पर महत्वाकांक्षी पैमाने पर बनी फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में अपने चेहरे पर गिरी है। इसे पूरे महाराष्ट्र और विशेष रूप से मुंबई में भी जारी नहीं किया गया था और यहां तक कि इसकी नाटकीय रिलीज के दस दिन बाद ओटीटी रिलीज की रिपोर्ट भी बेहद निराशाजनक रही है और कंगना के चेहरे पर सभी बेहतरीन मुस्कान और हवाई अड्डों पर जीत के संकेत पीछे छिपे दुख को नहीं छिपा सकते हैं। उनका चेहरा, (और साहसी और साहसी महिला सार्वजनिक स्थानों पर मास्क भी नहीं पहनती है और स्वास्थ्य अधिकारियों की अवहेलना करती है जैसे कि वह अन्य सभी और बड़े अधिकारियों की अवहेलना कर रही है जब से वह वाई सुरक्षा सख्त पुरुषों के साथ रानी की तरह घूम रही है। उसकी बहन रंगोली चंदेल के खाते के साथ उनका ट्विटर अकाउंट अभी भी निलंबित है और इसलिए वे अपनी काल्पनिक और अन्य क्षमताओं के लिए इंस्टाग्राम का उपयोग कर रहे हैं ..... किसी भी तरह, कंगना, अभिनेत्री और स्टार के बारे में सच्चाई यह है कि वह लगातार ग्यारहवीं फ्लॉप हुई है। और उन्हें कुछ गंभीर आत्माचिन्तन करना होगा – यह खोज कर कि क्या उन्हें अपनी अभिनेत्री को बचाना है। लेकिन उनसे पहले, वह करेगी पिछले दो वर्षों के दौरान वह लगातार "पाप" कर रही है।

मैं उन्हें याद दिला दूं कि उन्होंने किस तरह कुछ बेहद अहम मुद्दों पर मुंह फेर लिया है। यह उनके लिए अच्छा होगा यदि वह याद करती है कि उन्होंने क्या कहा और बहुत देर होने से पहले पछताया .....

कंगना ने शाहीन बाग की दादी को "सौ रुपये में किराए पर लेने वाली और विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए बिरयानी की आधी प्लेट खिलाई जाने वाली महिलाएं" कहकर शुरुआत की। महिला के उनके वर्णन ने उन्हें सभी सही सोच वाले लोगों की हंसी का पात्र बना दिया।

इसके बाद उन्होंने विरोध करने वाले किसानों को "खालिस्तानी" कहा, जिनका किसानों के विरोध से कोई लेना–देना नहीं था। इस बार उन्हें देश के अन्नदाता की देखभाल करने वालों में से एक ने नारा दिया था।

वह कई कदम आगे बढ़ गई जब उन्होंने कहा कि शवों के साथ बहने वाली गंगा नहीं, बल्कि नाइजीरिया में एक नदी है। इस बार उनके आलोचकों और पर्यवेक्षकों ने आश्चर्य किया और उनके मन और उनकी दृष्टि के लिए चिंतित थे।

जब बीजेपी पश्चिम बंगाल में बुरी तरह हार गई तो उन्होंने अपने गुरु से कहा कि वह गुजरात के मुख्यमंत्री की तरह दृढ़ रहें।

उन्होंने खुले तौर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, श्री उद्धव ठाकरे और उनके सहयोगी संजय राउत को निशाने पर लिया।

और उन्होंने अपनी लड़ाई फिर से जारी रखी जिसे वह "बॉलीवुड माफिया" कहती थी और यहां तक कि श्रीमती जया बच्चन जैसे अपने वरिष्ठ सहयोगियों पर भी आरोप लगाती थी .....

क्या उसे कभी इस बात का अहसास नहीं था कि उन्होंने जो कुछ कहा है वह किसी दिन उसे बुमेरांग करेगा? हाँ, वह दिन पहले ही आ चुका है, ऐसा लगता है। ऐसा लगता है कि 'थलाईवी' की फ्लॉप ने उसे जगा दिया है और वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन पुरुषों और महिलाओं का समर्थन मांग रही है, जिन्हें उन्होंने लगभग एक साल पहले ही "बॉलीवुड माफिया" कहा था और यह देखना होगा कि कैसे "माफिया" उसके देर से अनुरोध पर प्रतिक्रिया करता है।

इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि कंगना एक अच्छी अभिनेत्री हैं और इसका सबूत है कि उनके पास अभी भी "धाकड़", "तेजस" मणिकर्णिका रिटर्न्स – द लीजेंड ऑफ डिड्डा", "अपराजिता अयोध्या" सीता और एक डिजिटल फिल्म जैसी फिल्में हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ मुख्य भूमिका में हैं।

यह कंगना के लिए एक अच्छी दुनिया होगी यदि वह पहले से बेहतर अभिनेत्री के रूप में विकसित होने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, बजाय इसके कि उनके बॉस और गुरु जो उनकी प्रतिभा के बारे में बहुत कम या कुछ भी नहीं जानते हैं, उन्हें कठपुतली की तरह करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। होना तय नहीं है। उसे अपना मन बनाना होगा (मुझे यकीन है कि उनका दिमाग बहुत तेज है) कि वह एक सस्ता राजनेता बनना चाहती है या एक यादगार अभिनेत्री। चुनाव उनका है और उसे अब अपनी पसंद बनानी है।

चली कंगनाजी सीता बनने...

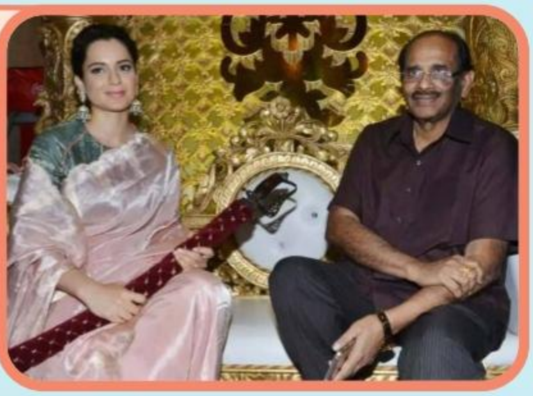

– अली पीटर जॉन

अगर आपको लगता है कि कंगना "थलाइवी" की दयनीय आपदा के बाद चुपचाप छांव में चलेंगी, तो आप बिल्कुल गलत हैं। उग्र कंगना बॉक्स ऑफिस पर सुर्खियों में रहने के लिए अपनी लड़ाई छोड़ने के मूड में नहीं हैं, मीडिया और उद्योग में उनके प्रतिद्वंद्वी उनके बारे में कुछ भी कहते हैं, और वे उनके बारे में बहुत सारी दिलचस्प बातें नहीं कह रहे हैं।....

और "थलाइवी" के बाद उनके और उनके करियर के साथ जो होने की उम्मीद थी, उनके विपरीत, वह अपने नियमों और शर्तों पर कुछ बहुत बड़ी फिल्में साइन कर रही हैं।

हाल के दिनों में उन्होंने जो सबसे महत्वाकांक्षी और महंगी फिल्म साइन की है, वह "सीता" नामक एक फिल्म है जिसमें वह निस्संदेह सीता की शीर्षक भूमिका निभाएंगी।

लेखक के **विजेंद्र प्रसाद** और कंगना को निर्माताओं द्वारा भुगतान की गई कीमतों के कारण फिल्म पहले से ही चर्चा में है, जो पहली बार फिल्मों के निर्माण के क्षेत्र में कूद रहे हैं।

ऐसा कहा जाता है कि निर्माता पहले दीपिका पादुकोण या करीना कपूर को सीता के रूप में लेने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन यह कंगना की जोड़तोड़ थी जिन्होंने आखिरकार उन्हें प्रतिष्ठित भूमिका दिलाई। उन्हें केवल चार या पांच करोड़ का भुगतान करने की उम्मीद थी, लेकिन जब 'थलाइवी' बाजार में गर्म थी और चार सौ से पांच सौ करोड़ का कारोबार करने की उम्मीद की गई थी, तब उन्हें साइन किया गया था, लेकिन 'थलाइवी' ने बमबारी की और निर्माताओं को भारी नुकसान हुआ, लेकिन कंगना अभी भी अपनी कीमत पाने में सफल रही जो कि बत्तीस करोड़ थी।

लेकिन इससे ज्यादा आश्चर्य की बात क्या है (या यह चौंकाने वाली है?) क्या यह सच है कि लेखक के विजेंद्र प्रसाद ने निर्माताओं से ग्यारह करोड़ रुपये वसूले हैं, जो कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में किसी भी लेखक ने भुगतान नहीं किया है। विजेंद्र प्रसाद निर्देशक एसएस राजामौली के पिता हैं और "बा" बाहुबली", " बाहुबली 2", 'बजरंगी भाईजान', 'मणिकर्णिका' और अब 'थलाइवी' जैसी ब्लॉक बस्टर के लेखक हैं। क्या "सीता" माँ सीता की कहानी होगी? या यह होगी कंगना की नई छवि के अनुरूप सीता का अवतार?

कंगना है तो कुछ भी हो सकता है। कंगना है तो हर मुश्किल आसान हो सकती है आज के युग में। कंगना है तो हर मुश्किल मुश्किल है। कोई शक?

आगे आगे देखो होता है क्या

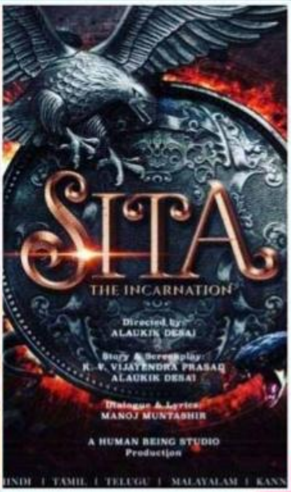
SITA
THE INCARNATION
Directed by ALAUKIK DESAI
Story & Screenplay: K. V. VIJAYENDRA PRASAD ALAUKIK DESAI
Dialogue & Lyrics: MANOJ MUNTASHIR
A HUMAN BEING STUDIO Production
HINDI | TAMIL | TELUGU | MALAYALAM | KANN

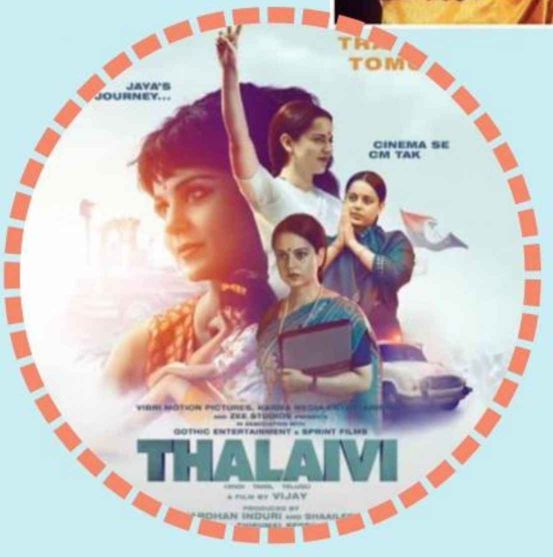
JAYA'S JOURNEY...
CINEMA SE CM TAK
THALAIVI
A FILM BY VIJAY

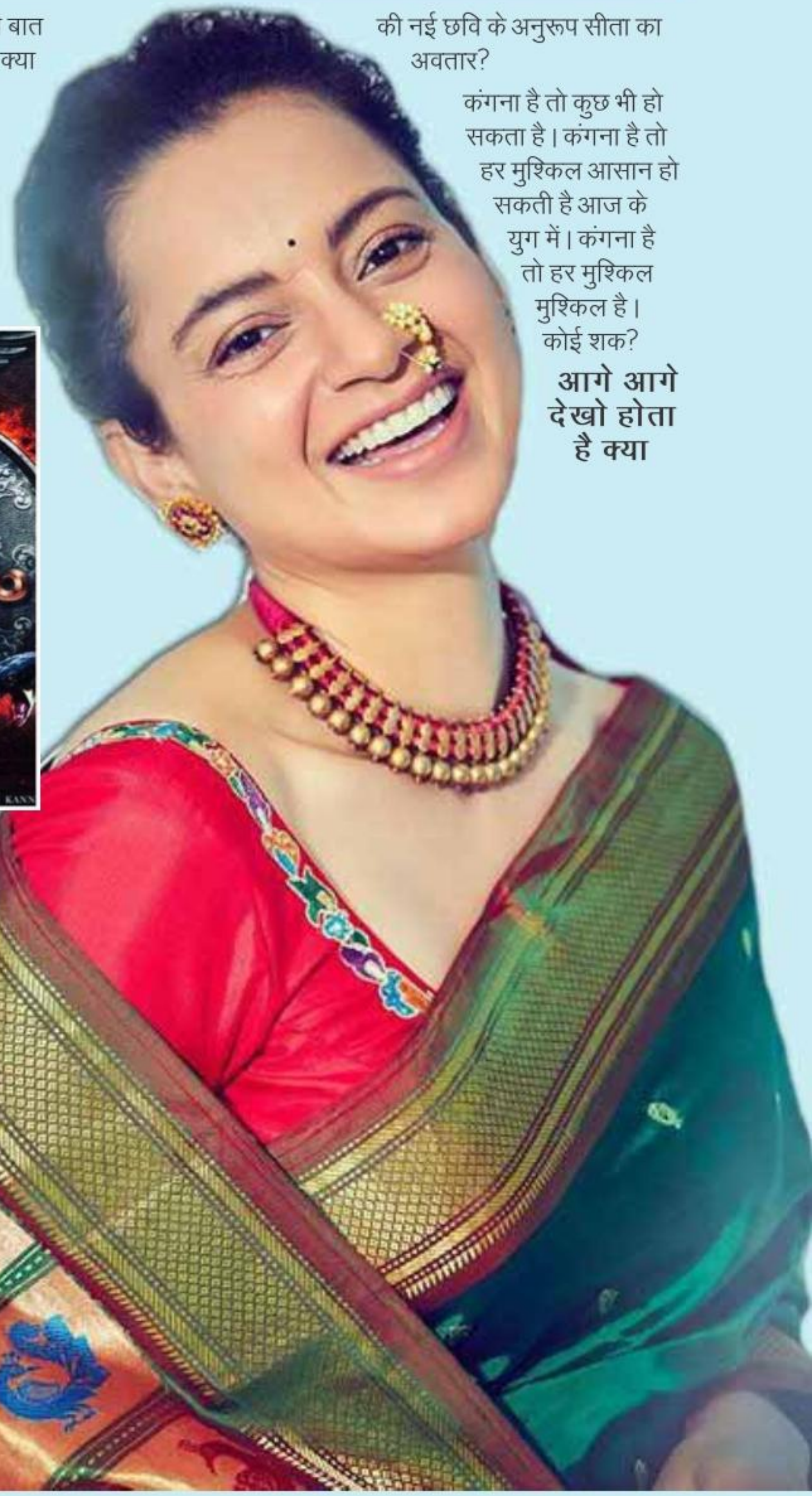

कहानी नवजोत सिंह सिद्धू की– ...वाह गुरु फिर हो गए शुरू !

– शरद राय

बात 2017 की है जब क्रिकेट, टीवी और राजनीति के सितारे नवजोत सिंह सिद्धू अपनी राजनीतिक पार्टी बदले थे। वह बीजेपी का साथ छोड़कर कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़ने की चर्चा में थे। मैं बॉलीवुड और राजनीति के लोगों के बीच में काफी चर्चित 'गुरुजी' – स्ट्रोलॉजर सुब्रत बनर्जी के पास बैठा हुआ था। मेरे साथ दो और पत्रकार– आशुतोष अवनीन्द्र (न्यूज़ 24) और एक दैनिक पत्र 'अमर उजाला' के पत्रकार थे। जाहिर है चर्चा उस समय के राजनीतिक गलियारे से सिद्धू की ही होनी थी। गुरुजी ने अपने लैपटॉप को खोलकर कई जन्म कुंडलिया निकाला, जिनमे एक नवजोत सिंह सिद्धू की थी। सुब्रत दा बोले– "सिद्धूजी कि कुंडली किसी बहुत बड़े स्टार की कुंडली है लेकिन...वो भटकाव भरी है। जब लगेगा वह चरम पर हैं, वो वहां से हट जाएंगे।" मैंने यह खबर 'मायापुरी' में छापा भी था, शीर्षक था – "सिद्धू के सितारे गर्दिश में"। छापने की वजह थी कि सिद्धू जी फिल्मी दुनिया के लिए भी स्टार की हैसियत रखते थे। आज जब सिद्धू एक बार फिर चर्चा में हैं , मुख्यमंत्री की कुर्सी उनके आसपास हैं, वह पंजाब प्रदेश के कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे बैठे हैं। मुझे गुरुजी की बात याद आ रही है। नवजोत सिद्धू तब–तब गुलाटी मारे हैं जब स्टारडम के बहुत करीब पहुचे हुए देखे जाते हैं। यह उनके जीवन की सोचने की शैली या विडंबना हो सकती है पर उनके चाहने वालों को कुछ ऐसा ही लगता है कि कामयाबी के करीब होकर सिद्धू जी के सितारे गर्दिश में आ जाते हैं।

सिद्धू जी के क्रिकेट जीवन की शुरुआत 1983 से होकर 1999 तक रही है। यह संयोग ही है कि 83 में ही कपिल देव वर्ल्ड कप जीतकर लाये थे, सिद्धू को भारतीय टीम में तब मौका मिला जब वर्ल्ड विजेता टीम का हिस्सा बनने का मौका जा चुका था। वह ओपनिंग बल्लेबाज़ थे, 'सिक्सर' बैट्समैन कहे जाते थे। 87 के वर्ल्डकप में नाम कमाए थे, फिर 99 में जब क्रिकेट की दुनिया मे उनका बड़ा नाम था, वह क्रिकेट से सन्यास की घोषणा कर अलग हो गए। वजह बताए थे कि उनके एक खराब खेल की वजह से किसी कमेंट्रेटर ने उन पर टिप्पणी कर दिया था। फिर वह कमेंट्रेटर बनकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाए। वह दूरदर्शन पर क्रिकेट मैचों के पॉपुलर कमेंट्रेटर थे। हर क्रिकेट टीम उनकी मांग करने लगी थी,तब वह कमेंट्री को छोड़कर टीवी के एक शो 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' में जज के रूप में जुड़ गए। फिर टीवी से राजनीति में आ गये। 2004 में बीजेपी ज्वाइन किए, चुनाव जीते और संसद में इनकी चर्चा बढ़ी, तभी उन पर एक आदमी की हत्या करने का आरोप लग गया। राजनीति में इस आरोप के बाद रह पाना उनको भारी पड़ गया। वह राजनीति से कुछ समय के लिए दूर होकर रहे। केस से बरी होने के बाद फिर राजनीति में लौटे, चुनाव लड़े और जीते। वह 2016 तक बीजेपी के साथ जुड़े रहे। इस बीच एमपी बने, राज्य सभा सदस्य रहे और फिर जब पार्टी से प्रतिफल लेनेका समय आया, उसी पार्टी को छोड़ दिये , कांग्रेस पार्टी से जुड़ गए। चार साल खूब मेहनत की, विधायक बने, पंजाब सरकार में मंत्री (मिनिस्टर ऑफ टूरिज्म एन्ड कल्चरल अफ़ेयर) बने। कांग्रेस में अपनी स्थिति मजबूत करने के साथ पार्टी अध्यक्ष बन गए। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्य मंत्री पद से बेदखल कराने में सिद्धू की भूमिका को हर कोई जानता है। कहा जाने लगा था कि नवजोत सिद्धू मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। यहां फिर उनका गणित बिगड़ गया। चन्नी मुख्यमंत्री बनाये गए और नाराज होकर सिद्धू अध्यक्ष पद भी छोड़ दिए।

सिद्धू को फेस वैल्यू देने में टेलीविजन का बड़ा हाथ रहा है। 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' के वह जज बने, 'पंजाबी चक दे' और 'बिगबॉस–6' के घर में जाने से उनको खूब शोहरत मिला। कपिल शर्मा शो के बाद से तो देश भर के बच्चे–बच्चे उनको पहचानने लगे। उनके बिना अधूरा लगता है कपिल का शो! जिसके वह खास आकर्षण रहे हैं। यानी– नवजोत सिद्धू के जीवन की ट्रेजेडी है कि वह मेहनत करके अपनी स्टार इमेज तैयार करते हैं लेकिन, जब चमकने का असली वक्त आता है वो वहां टिके नहीं रह पाते हैं। शायद 'गुरुजी' का कथन सच ही था।

अब उनकी राजनीति का ऊंट किस करवट बैठता है, कुछ दिन में ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल तो उनको भली भांति जानने वाले कहने लगे हैं ...वाह गुरु फिर हो गए शुरू !!

नुसरत भरुचा के साथ, विनोद भानुशाली और राज शांडिल्य की 'जनहित में जारी' का शूट हुई शुरू

–रूचि गुप्ता

भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और जाने–माने लेखक–निर्देशक राज शांडिल्य एक मल्टी–फिल्म डील के लिए साथ आए हैं। जब दो उम्दा कहानीकार फिल्में बनाने के लिए एक साथ आते हैं, तो उनसे बेहतरीन मनोरंजन फिल्मों की उम्मीद की जा सकती है। हास्य के स्पर्श के साथ प्रासंगिक फिल्में बनाने के लिए, भानुशाली स्टूडियो लिमिटेड ने एक मल्टी–फिल्म डील के लिए राज शांडिल्य के साथ हाथ मिलाया है।

शूट होने वाली फिल्म "जनहित में जारी" – एक असामान्य लेकिन प्रासंगिक और हास्य से परिपूर्ण फिल्म है–जिसमें नुसरत भरुचा, अन्नू कपूर, अनुद सिंह ढाका और परितोष त्रिपाठी ने अभिनय किया है। फिल्म के लिए शूटिंग हाल ही में मध्य प्रदेश के चंदेरी में शुरू हुई। यह फिल्म राज शांडिल्य द्वारा लिखित और नवोदित जय बसंतू सिंह, जिन्होंने कई प्रशंसित टीवी शो का निर्देशन किया है, द्वारा निर्देशित है।

यह फिल्म अपने तत्कालीन विषय के माध्यम से सभी पुरानी परंपराओं को तोड़ देगी। इस फिल्म में नुसरत भरुचा अपने बेहतरीन अभिनय का प्रदर्शन किया है जिसे उन्होंने आज से पहले कभी नहीं चित्रित नहीं किया था। ड्रीम गर्ल के निर्देशक–लेखक ने एक असामान्य लेकिन हास्यपूर्ण तरीके से एक महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डाला है।

अपनी भूमिका और फिल्म के विषय को लेकर उत्साहित नुसरत कहती हैं, "जनहित में जारी" एक बेहद दिलचस्प कान्सेप्ट है, जैसे ही मैंने इसकी स्क्रिप्ट सुनी तुरन्त ही इस फिल्म का हिस्सा बनना तय किया। और ड्रीम गर्ल के बाद एक बार फिर राज के साथ फिल्म करना सच में एक बेहतरीन एहसास है! भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड के सहयोग से भारत की पहली महिला फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूं।"

अपने दूसरे प्रोडक्शन के बारे में निर्माता विनोद भानुशाली कहते हैं, "मैं हमेशा ऐसी अच्छी कहानियों का प्रशंसक रहा हूं जो आपको सोचने पर मजबूर करती है। जनहित में जारी बिल्कुल ऐसी ही है। राज की कहानी मनोरंजक होती है, दमदार ट्रेडमार्क राज शांडिल्य के हास्य के साथ एक मजेदार मनोरंजक तरीके से अच्छे संदेश भी देती हैं। नुसरत इस फिल्म के साथ अपनी एक अलग पहचान बनाने और दर्शकों को आश्चर्यचकित करने जा रही हैं।

जनहित में जारी और बीएसएल के साथ अपने एसोसिएशन के बारे में बोलते हुए, राज शांडिल्य कहते हैं, "यह देखते हुए कि भारत का अधिकांश हिस्सा छोटे शहरों और गांवों में रहता है, एक फिल्म निर्माता के रूप में, मेरा प्रयास उनकी कहानियों को मुख्यधारा में लाना है। जनहित में जारी न केवल कुछ सामाजिक और प्रासंगिक मुद्दों को संबोधित करती है, बल्कि कुछ ऐसे वैध बिंदु भी देता है जिन पर हमें विचार करने की आवश्यकता है। मुझे यकीन है कि यह विषय शहरी दर्शकों को भी पसंद आएगा। नुसरत एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं और ड्रीम गर्ल के बाद मैं इस फिल्म के लिए उनके अलावा किसी और के बारे में नहीं सोच सकता था। मैं विनोद भानुशाली के साथ अपने एसोसिएशन को लेकर उत्साहित हूं और उम्मीद करता हूं कि हमारे असंख्य और विभिन्न दर्शकों के लिए ऐसी कई और दिलचस्प और नई कहानियां पर्दे पर लाऊंगा।"

राज शांडिल्य द्वारा प्रस्तुत, भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और श्री राघव एंटरटेनमेंट एलएलपी के सहयोग से थिंक इंक पिक्चर्स प्रोडक्शन की, जनहित में जारी विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, विशाल गुरनानी, राज शांडिल्य, विमल लाहोटी, श्रद्धा चंदावरकर, बंटी राघव और राजेश द्वारा निर्मित और राघव, तथा जूही पारेख मेहता द्वारा सह–निर्मित है।

रामलीला महासंघ को उपराज्यपाल बैंजल ने रामलीला आयोजन का आश्वासन दिया'

आज रामलीला महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल उत्तरी दिल्ली के पूर्व महापौर और रामलीला महासंघ के मंत्री **अवतार सिंह** के नेतृत्व में उपराज्यपाल **अनिल बैजल** को राजनिवास सचिवालय में मिला !

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने उपराज्यपाल श्री बैजल से रामलीला आयोजन को बिना विलम्ब तुरंत अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया! रामलीला महासंघ के कार्यकारी प्रेसिडेंट अशोक अग्रवाल के मुताबिक माननीय उपराज्यपाल ने प्रतिनिधि मंडल की बात विस्तार से सुनने के बाद उन्हें आश्वासन दिया कि इस गाइड लाइन में कोविड़ 19 के सुरक्षा उपायों के पालन के साथ दिल्ली में रामलीला आयोजन को अनुमति प्रदान की जाएगी

इस अवसर पर पूर्व मेयर अवतार सिंह ने कहा कि रामलीलाओं से हमे अपनी सांस्कृतिक का ज्ञान मिलता है

फिल्म पुष्पा से रश्मिका मंदाना का लुक हुआ रिलीज-श्रीवल्ली के किरदार में नजर आएंगी

फिल्म पुष्पा के मेकर्स ने एक बार फिर दर्शकों को पुष्पा की लीडिंग लेडी का पोस्टर रिलीज कर आश्चर्यचकित कर दिया है। आप को बता दे कि यह लीडिंग लेडी कोई और नहीं नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना हैं। इस पोस्टर में उनके किरदार श्रीवल्ली को रिवील किया गया। रश्मिका का लुक इस ओर इशारा करता है कि ऐसा किरदार वे पहली बार निभा रही हैं। इस पोस्टर को देख नेटीजन जरूर आश्चर्यचकित रह गए होंगे, फैंस इस फिल्म के रिलीज होने का अब और भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस पोस्टर ने फिल्म के प्रति लोगों की उत्सुकता को एक पायदान ऊपर उठा दिया है।

मैथरी मूवी मेकर्स के निर्माता नवीन यरनेनी और वाई. रवि शंकर कहते हैं, '' फिल्म पुष्पा में रश्मिका पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएंगी। इस किरदार में ढलने के लिए उन्होनें कोई कसर नहीं छोड़ी है। पुष्पा का अपरंपरागत प्रेम जीवन श्रीवल्ली के इर्द–गिर्द घूमता है और दर्शकों के लिए उन्हें इस किरदार में बड़े पर्दे पर जादू बिखेरते हुए देखना दिलचस्प होगा।''

यह अल्लू अर्जुन स्टारर आंध्र प्रदेश की पहाड़ियों में लाल चंदन की तस्करी और इसके लिए चल रही सांठगांठ की कहानी को पेश करती है जो सच्ची घटना पर आधारित है। पहली बार दर्शक अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना को स्क्रीन शेयर करते हुए देखेंगे। इस फिल्म को दो भाग में पैन इंडिया रिलीज किया जाएगा, पहला भाग क्रिसमस में रिलीज किया जायेगा।

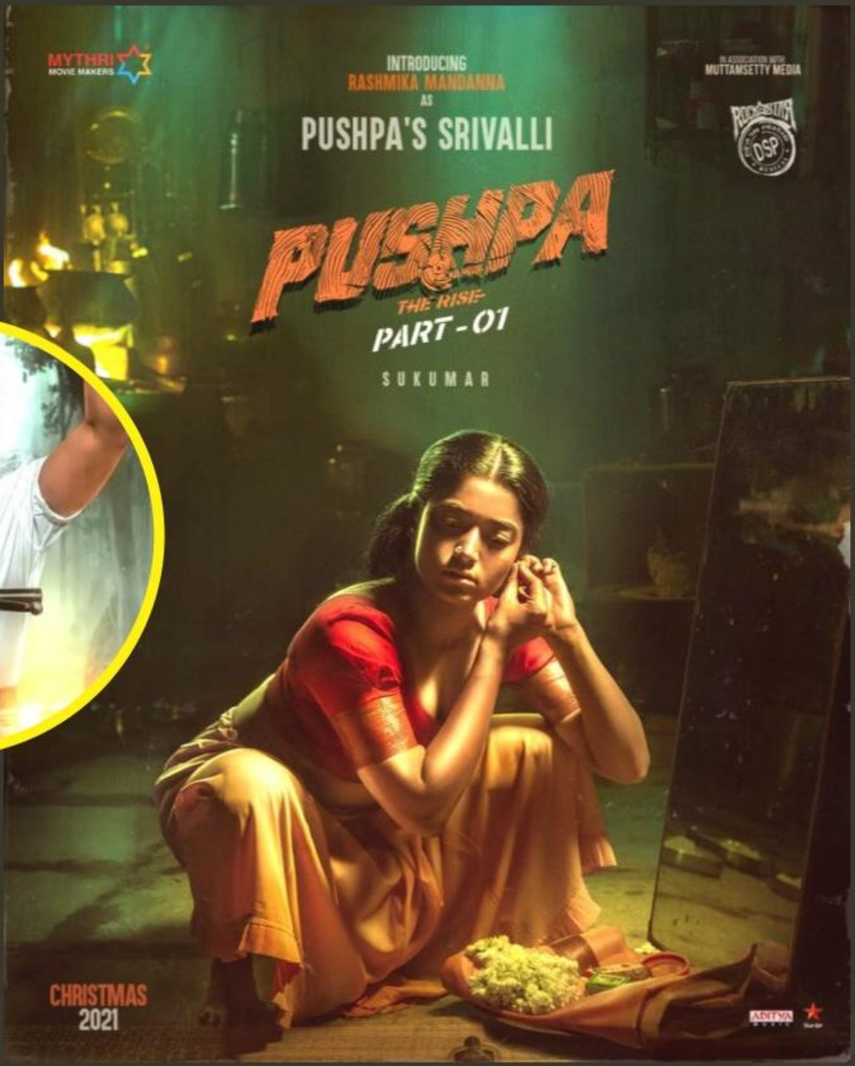
MYTHRI MOVIE MAKERS
INTRODUCING
RASHMIKA MANDANNA
AS
PUSHPA'S SRIVALLI
IN ASSOCIATION WITH MUTTAMSETTY MEDIA
DSP
PUSHPA
THE RISE
PART-01
SUKUMAR
CHRISTMAS 2021
ADITYA

लता मंगेशकर और गुलज़ार का 26 साल पहले बना 'नया' गाना लेकर आए हैं विशाल भारद्वाज

"When you sing, I don't have to make any effort to act"
- Meena Kumari

1963 - When a voice moved the entire nation to tears

"Lata Mangeshkar is one of the greatest human miracles of all time"
- Dev Anand

28 सितम्बर 1929 को जन्मी, मंगेशकर बहनों में सबसे अग्रज लता मंगेशकर उर्फ़ स्वर कोकिला, उर्फ़ नाईटेंगल ऑफ इंडिया उर्फ़ सुरों की महारानी लता मंगेशकर के लिए गुलज़ार साहब और विशाल भारद्वाज ने एक नायाब तोहफा दिया है. बात 1994—95 की है, जब विशाल भारद्वाज कदरन नए—नए फिल्म इंडस्ट्री में आए थे. 'ठीक नहीं लगता' के ऑनलाइन प्रेस इवेंट में विशाल भारद्वाज ने बताया कि जब उन्हें पहली बार पता चला कि लता मंगेश्कर जी के साथ उन्हें गाना रिकॉर्ड करना है तो वह बहुत नर्वस हो गए. कोई भी नया म्यूजिक डायरेक्टर होता तो उसका यही हाल होता।

फिर विशाल भारद्वाज के बारे में सब जानते हैं कि वह गुलज़ार साहब से कितने मुतासिर रहते हैं, उन्हें गुलज़ार की लिखी हर नज़्म, हर गीत कंठस्त है. अमूमन जब कोई कलाकार मुंबई पहुँचता है तो उसका सपना होता है कि वह बहुत कामयाब हो जाए, वह बहुत पैसा कमायें लेकिन विशाल भारद्वाज बस इतना चाहते थे कि उन्हें गुलज़ार साहब के साथ काम करने का मौका मिल जाए, और उनकी किस्मत ही खुल जाए अगर उनका कम्पोज़ किया कोई गाना, गुलज़ार साहब ने लिखा हो और लता दीदी उस गीत को अपनी आवाज़ दें.

—सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

लता जी से गीत कैसे गवाया जाता है, इस राज़ से भी विशाल जी ने पर्दा उठाया कि "लता जी से अप्रोच करने के लिए पहले उन्हें गीत रिकॉर्ड कर कैसेट में भरकर भेजना होता है, वो पहले सुनती हैं फिर उन्हें ठीक लगता है तो वह गाना गाती हैं" विशाल जी ने यही प्रोसीजर फॉलो किया और लता जी गाना गाने के लिए तैयार हो गयीं.

अब ये सपना सच होने वाला था. नर्वस होना लाज़मी था. पर जब लता जी स्टूडियो आईं और विशाल को नर्वस देखा तो बोलीं "आप मुझे ठीक वैसे ही समझिए जैसे किसी नए सिंगर को समझते हैं. आप

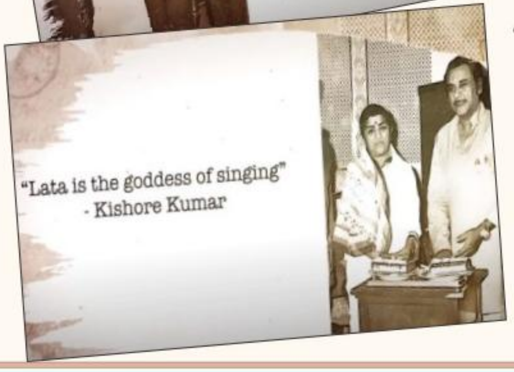

"Lata is the goddess of singing"
- Kishore Kumar

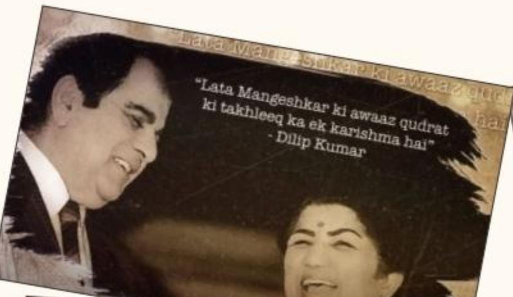

"Lata Mangeshkar ki awaaz qudrat ki takhleeq ka ek karishma hai"
- Dilip Kumar

Co-Sponsors
TATA

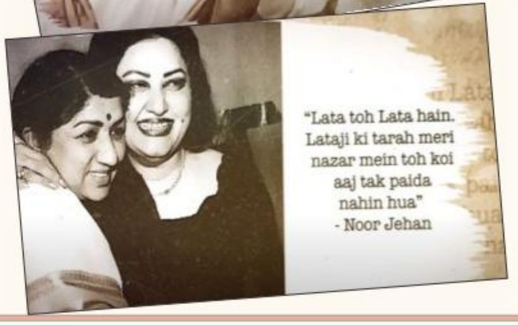

"Lata toh Lata hain. Lataji ki tarah meri nazar mein toh koi aaj tak paida nahin hua"
- Noor Jehan

ONE DIGITAL ENTERTAINMENT
THEEK NAHI LAGTA
VISHAL BHARDWAJ | LATA MANGESHKAR | GULZAR
IN COLLABORATION WITH moj

बिल्कुल ये मत सोचिए कि मैं कोई बहुत बड़ी सिंगर हूँ”

विशाल ने बताया कि किसी न्यू कमर के लिए कोई लीजेंड ऐसा कुछ कह दे तो वह बता नहीं सकते कि कितना अच्छा लगता है. यही वजह है कि लता जी बेस्ट हैं, वो लिजेंड हैं.

इसी प्रेस कांफ्रेंस में गुलज़ार साहब ने बताया कि एक बार वो और पंचम (आर डी बर्मन) फिल्म घर का गाना ‘आपकी आँखों में कुछ महके हुए से राज़ हैं’ कम्पोज़ कर रहे थे. उसके एक अंतरे के बारे में गुलज़ार साहब बताते हैं कि ”आपकी आँखों में फिर, कोई शरारत तो नहीं, बेवजह तारीफ करना आपकी आदत तो नहीं, आपकी बदमाशियों के ये नए अंदाज़ हैं”

अब इस अंतरे पर पंचम दा ने कहा ”नहीं–नहीं, लता दीदी ये अंतरा नहीं गायेंगी, उनको अच्छा नहीं लगेगा” तो इसपर गुलज़ार बोले ”चिंता मत करो पंचम, मैंने बैकअप तैयार कर लिया है, लेकिन एक बार उनके पास लेकर जाने तो दो”

और जब गुलज़ार साहब लता दीदी के पास गये और बोले कि ”लता दीदी ये अंतरा देखिए, पंचम कहता है कि आपको अच्छा नहीं लगेगा”

तब लता जी हँस के बोलीं ”अरे ये ही अंतरा तो अच्छा है, कुछ अलग है“

गुलज़ार साहब बताते हैं कि ”जब भी मैं लता दीदी के लिए कोई गाना लिखता था तो ये सोचकर लिखता था कि कुछ नया, कुछ तो ऐसा दूँ जो उन्हें अलग लगे, अच्छा लगे. उस्ताद को खुश करने के लिए कुछ तो करूँ”

स्वर कोकिला लता मंगेशकर दीदी को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं

"When I was in India, one person I was excited to meet was Lata Mangeshkar. Her voice is exquisite"
- George Harrison

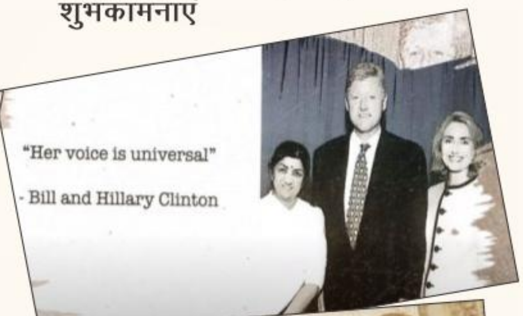

"Her voice is universal"
- Bill and Hillary Clinton

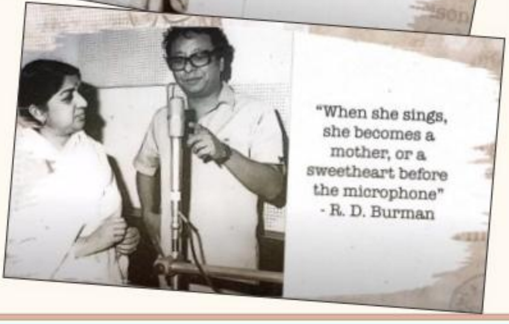

"When she sings, she becomes a mother, or a sweetheart before the microphone"
- R. D. Burman

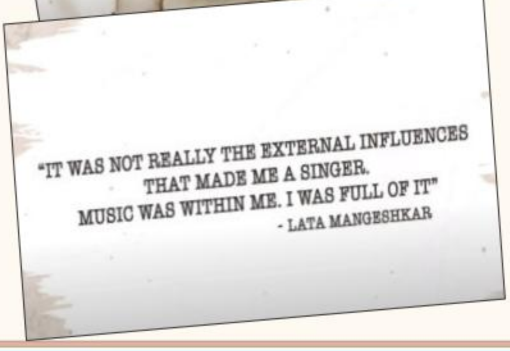

"IT WAS NOT REALLY THE EXTERNAL INFLUENCES THAT MADE ME A SINGER. MUSIC WAS WITHIN ME. I WAS FULL OF IT"
- LATA MANGESHKAR

कथा देव आनंद की आत्मकथा की...

– अली पीटर जॉन

अपने जीवन के अंतिम 10 वर्षों के दौरान, देवानंद के पास भारत और विदेश के जितने भी लेखक थे, जो उनके जीवन और करियर के बारे में जीवनी लिखने के इच्छुक थे, लेकिन देव किसी को भी उनके बारे में अंतिम पुस्तक लिखने का अधिकार नहीं देना चाहते थे। वह अक्सर मुझसे पूछते थे, 'देव के बारे में उनके अलावा कौन किताब लिख सकता है?

एक सुबह, उन्होंने मुझे फोन किया और मुझे अपने कार्यालय आने के लिए कहा क्योंकि वह मुझे एक सरप्राइज देना चाहते थे। उन्होंने मुझे बड़े आकार की नोटबुक्स का ढेर और विभिन्न रंगों के कई फीलेड पेन दिखाए। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि मुझे सबसे पहले पता चले कि वह अपनी आत्मकथा लिखना शुरू करने वाले थे और उन्होंने सिर्फ एक नोटबुक ली और लिखना शुरू किया और फिर अगले तीन महीनों तक उन्हें कोई रोक नहीं पाया। उन्होंने अपनी सभी नोटबुक्स को अपनी लिखावट में भर दिया जो कि बड़े अक्षरों में थी।

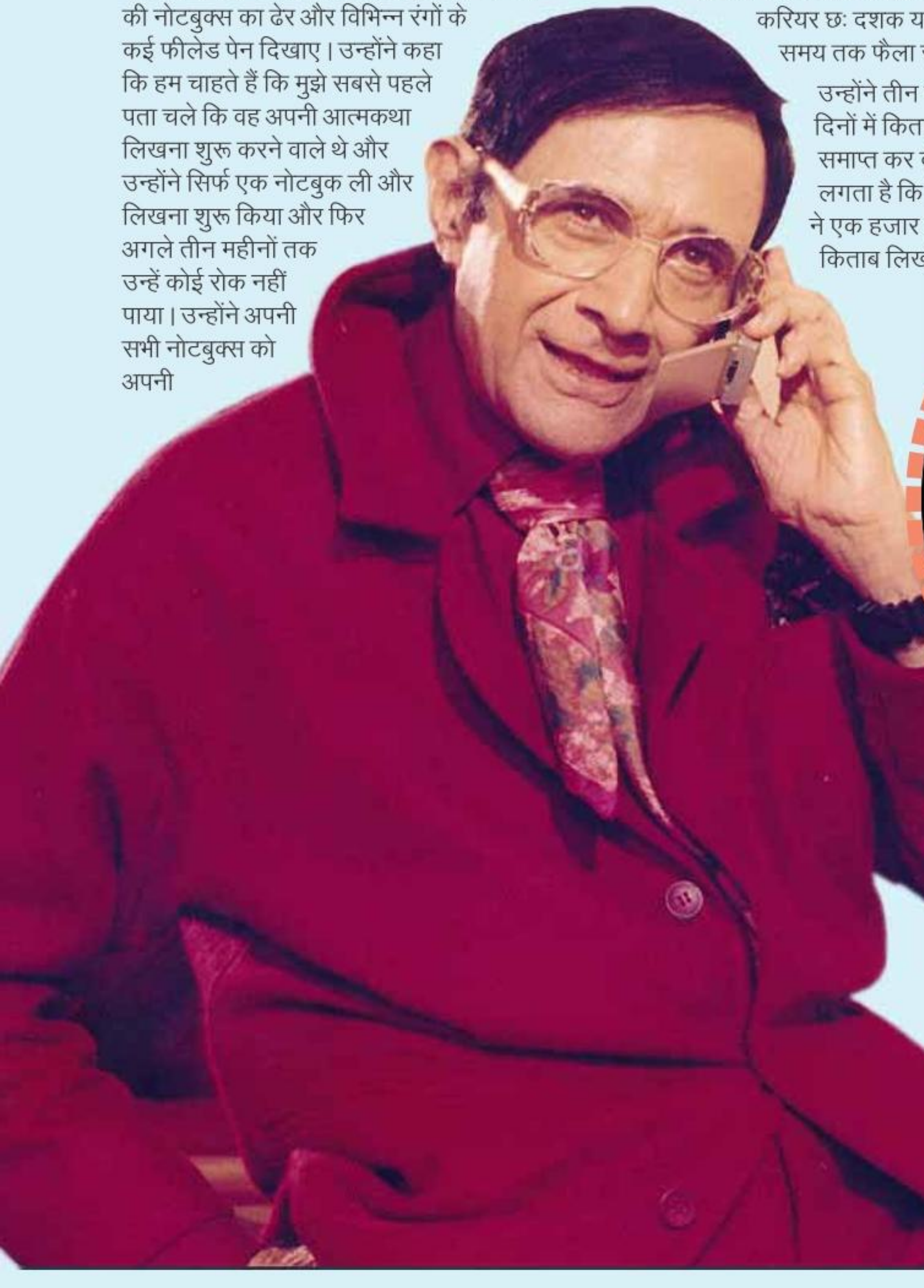

उन्होंने मेरे द्वारा लिखे गए अनुच्छेदों और पृष्ठों की संख्या के साथ मुझे संपर्क में रखा और यहां तक कि मुझे उनके द्वारा लिखी गई अधिकांश तस्वीरों को पढ़ने का सौभाग्य भी दिया और कोई रास्ता नहीं था जिससे मैं पढ़ना बंद कर सकता था, क्योंकि वह सबसे रोमांचक में से एक को बता रहे थे और एक ऐसे व्यक्ति के बारे में दिलचस्प कहानियाँ, जिनका करियर छः दशक या उससे अधिक समय तक फैला रहा।

उन्होंने तीन महीने और 20 दिनों में किताब लिखना समाप्त कर दी है, जो मुझे लगता है कि किसी भी लेखक ने एक हजार पृष्ठों में एक किताब लिखने के लिए सबसे कम समय लिया है।

उन्हें प्रकाशकों की तलाश नहीं करनी पड़ी क्योंकि देश में हर पढ़ने वाला प्रकाशक उनके जीवन के बारे में उनके द्वारा लिखी गई पुस्तक को प्रकाशित करने के लिए तैयार थे।

विजेता बड़ा हार्पर एंड कॉलिन्स निकला। उन्होंने पुस्तक को समझने में कुछ समय लिया और जब उन्होंने संस्करण का संपादन देव के पास किया, तो वे निराश हो गए, लेकिन हार्पर एंड कॉलिन्स ने उन्हें बताया कि वे पुस्तक को दो भागों में प्रकाशित करेंगे। किताब का शीर्षक था 'रोमांसिंग विद लाइफ' देव का अपना नाम।

देव ने मुझे बताया कि वह अपने जीवन में हर चीज और अपने काम और जिन लोगों के साथ उन्होंने काम किया था, उनके बारे में सच्चाई के साथ सामने आए थे, लेकिन केवल एक चीज जो उन्होंने टाल दी थी, वह थी अपने जीवन में महिलाओं के बारे में लिखना क्योंकि उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते थे अपने जीवन के इस पड़ाव पर किसी को नुकसान पहुँचाने के लिए।

पुस्तक के विमोचन की तारीख तय करने का समय आ गया था। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या अमिताभ बच्चन को अपनी किताब का एहसास होगा।

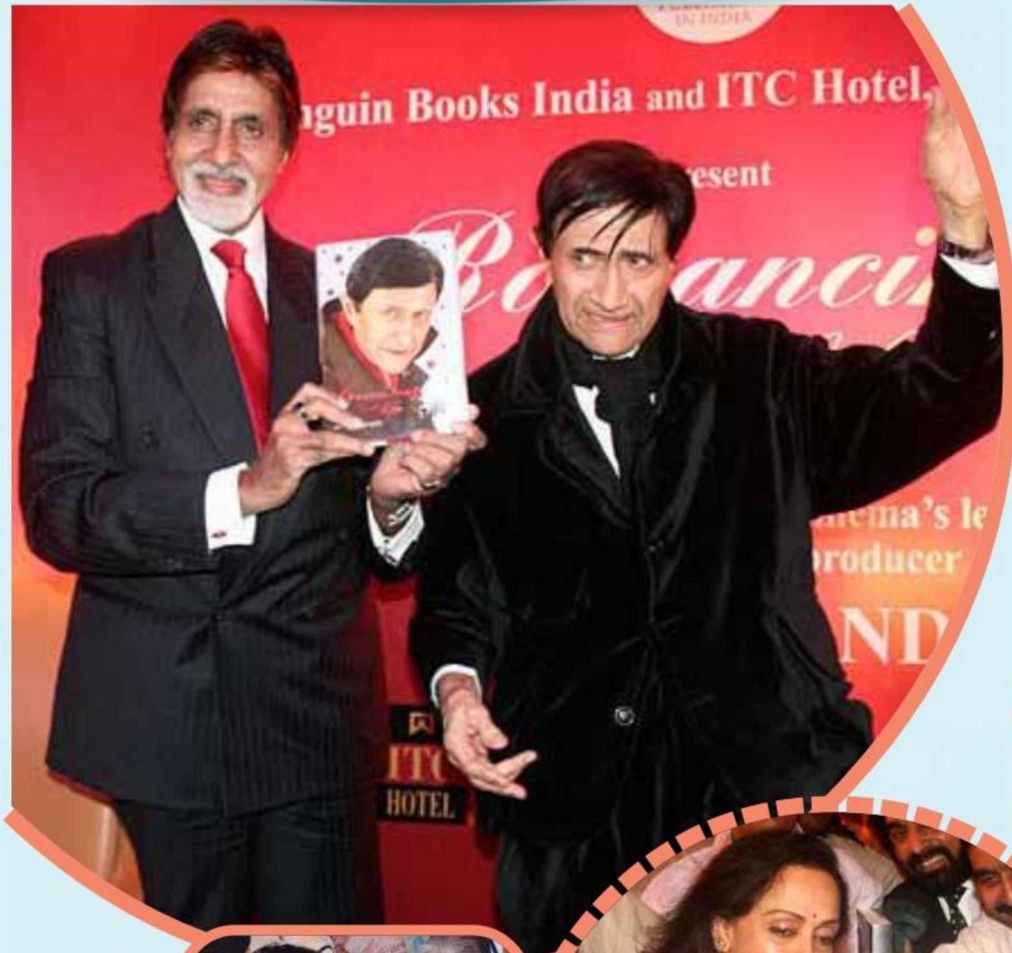
...nguin Books India and ITC Hotel,
...resent
Romanci...
...nema's le...
...producer
...ND
ITC
HOTEL

मैंने उनसे पूछा कि क्या वह मजाक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह नहीं थे। मैंने उसे अमिताभ का नंबर डायल करने के लिए कहा और इससे पहले कि वह कोई निर्णय ले पाते मैंने अमिताभ का नंबर डायल किया और उन्हें मोबाईल दे दिया। अमिताभ को उनके अनुरोध पर सहमत होने में उन्हें केवल 2 मिनट लगे और उनके चेहरे पर उत्साह देखकर मैं हैरान रह गया।

पुस्तक का विमोचन अमिताभ ने द लीला होटल में किया था और अतिथि में वहीदा रहमान, हेमा मालिनी, राखी और तब्बू जैसी देव की पसंदीदा अभिनेत्रियाँ थीं। हेमा और राखी को देव के लिए बहुत प्यार और सम्मान था और उन्होंने उनके जन्मदिन पर और उनकी किसी भी फिल्म की रिलीज पर पूजा की।

अब दिल्ली में किताब के विमोचन का समय था। उन्होंने फिर मुझसे सलाह ली और मैंने उनसे पूछा कि वह तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के लिए कोशिश क्यों नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि उनके साथ उनके ज्यादा संबंध नहीं थे। मैंने उन्हें अपना नंबर आज़माने और उन्हें अपनी पुस्तक के बारे में बताने के लिए कहा। प्रधानमंत्री बहुत खुश थे, लेकिन उन्होंने कहा कि जिस दिन देव अपनी पुस्तक का विमोचन करना चाहते थे (26 सितंबर) उस दिन उनका जन्मदिन भी था और उन्होंने देव से विमोचन करने का अनुरोध किया। उनके आवास पर उनकी किताब का और वह क्या लॉन्च था!

मुझे आश्चर्य है कि उन सभी पृष्ठों का क्या हुआ जिन्हें प्रकाशकों ने अनुपयोगी छोड़ दिये थे। मुझे आश्चर्य है कि किताब में एक सीक्वल लाने का वादा करने वाले सभी का क्या हुआ। मुझे यह भी आश्चर्य होता है कि उनके बेटे ने उन बिल्डरों के साथ किस तरह का सौदा किया था, जिन्होंने पाली हिल पर इस बंगले, 'आनंद' को नए भवन में दो पूरी मंजिल देने के वादे के साथ खरीदा था, जो आने वाले थे। मुझे आश्चर्य है कि उन सभी आधुनिक ध्वनि उपकरणों का क्या हुआ है जिन्हें देव ने कुछ साल पहले अपने स्टूडियो को एशिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए खरीदा था। मुझे आश्चर्य है कि देव के पास अपने पेन्ट हाउस में पुस्तकालय में मौजूद पुस्तकों के विशाल खजाने का क्या हुआ है।

और अब मुझे भी आश्चर्य और चिंता है कि जुहू में उनके एक समय के रमणीय बंगले, आइरिस पार्क का क्या हो सकता है। मैं कब तक एक ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचता रहूंगा जो मेरे जीवन के सबसे महान आश्चर्यों में से एक था?

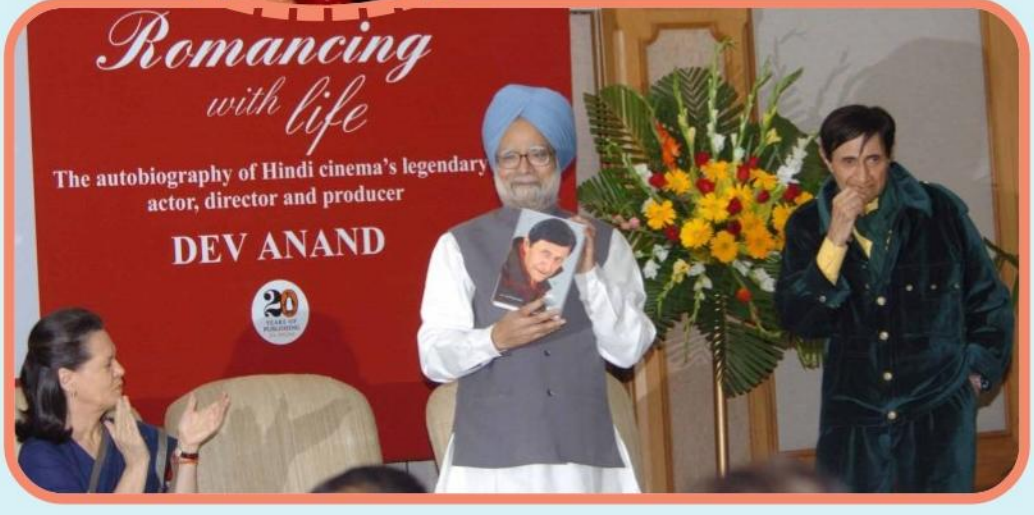
Romancing
with life
The autobiography of Hindi cinema's legendary
actor, director and producer
DEV ANAND
20

क्या आर के फिर कभी जागेगा नहीं?

–अली पीटर जॉन

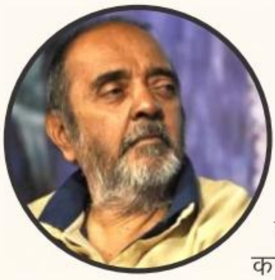

यह सब पाकिस्तान के पेशावर में शुरू हुआ था। पृथ्वीराज कपूर का जन्म जमींदारों के परिवार में हुआ था। बसेश्वरनाथ कपूर के बड़े बेटे पृथ्वीराज कपूर थे, जिन्हें अपने पिता के व्यवसाय में कोई दिलचस्पी नहीं थी और वे अभिनेता बनना चाहते थे। वह घर से भाग गये और कोलकाता में बन रही फिल्मों में जो भी भूमिका मिली, उनमें काम करना शुरू कर दिया।

जब उन्होंने अपने लिए काफी नाम कमाया था, तब वे मुंबई आ गए थे और उनके बहुत ही हैंडसम लुक और डैशिंग पर्सनैलिटी ने उन्हें हिंदी फिल्मों में जगह बनाने में बहुत कम समय लिया था। उन्होंने हिंदी थिएटर को बढ़ावा देने के इरादे से पृथ्वी थिएटर भी शुरू किया। उनके पहले कुछ नाटकों ने पृथ्वी थिएटर को पूरे देश में एक नाम बना दिया।

पृथ्वीराज के तीन बेटे थे, राज, शमशेर (शम्मी) और शशि। राज के तीन बेटे रणधीर, ऋषि और राजीव थे। ये सभी हिंदी फिल्मों की दुनिया में बड़े नाम बन गए।

रणधीर – बबीता की दो बेटियां हैं – करिश्मा और करीना जो अभिनेत्रियां हैं।

शम्मी ने दो बार शादी की, पहली मशहूर अभिनेत्री गीता बाली से, जिनकी चेचक से मृत्यु हो गई। शम्मी ने नीला देवी नामक राजकुमारी से शादी की, उनकी पहली पत्नी से उनके दो बच्चे अभिनेता के रूप में कुछ नहीं कर सके। उनकी बेटी कंचन की शादी उनके सबसे अच्छे दोस्त और निर्देशक मनमोहन देसाई के बेटे केतन से हुई थी।

शशि के बड़े बेटे करण ने हिंदी फिल्मों में हीरो बनने की कोशिश की, लेकिन उन्हें हिंदी फिल्म का हीरो बनने के लिए 'बहुत पश्चिमी' माना जाता था और वे विदेश चले गए जहां वे एक बहुत लोकप्रिय फोटोग्राफर, एक मॉडल और एक अभिनेता हैं। उनकी बेटी, संजना ने भी एक अभिनेत्री के रूप में अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन उन्हें भी बहुत अधिक पश्चिमी होने के कारण खारिज कर दिया गया। उनके बेटे कुणाल ने भी एक अभिनेता के रूप में प्रयास किया, लेकिन

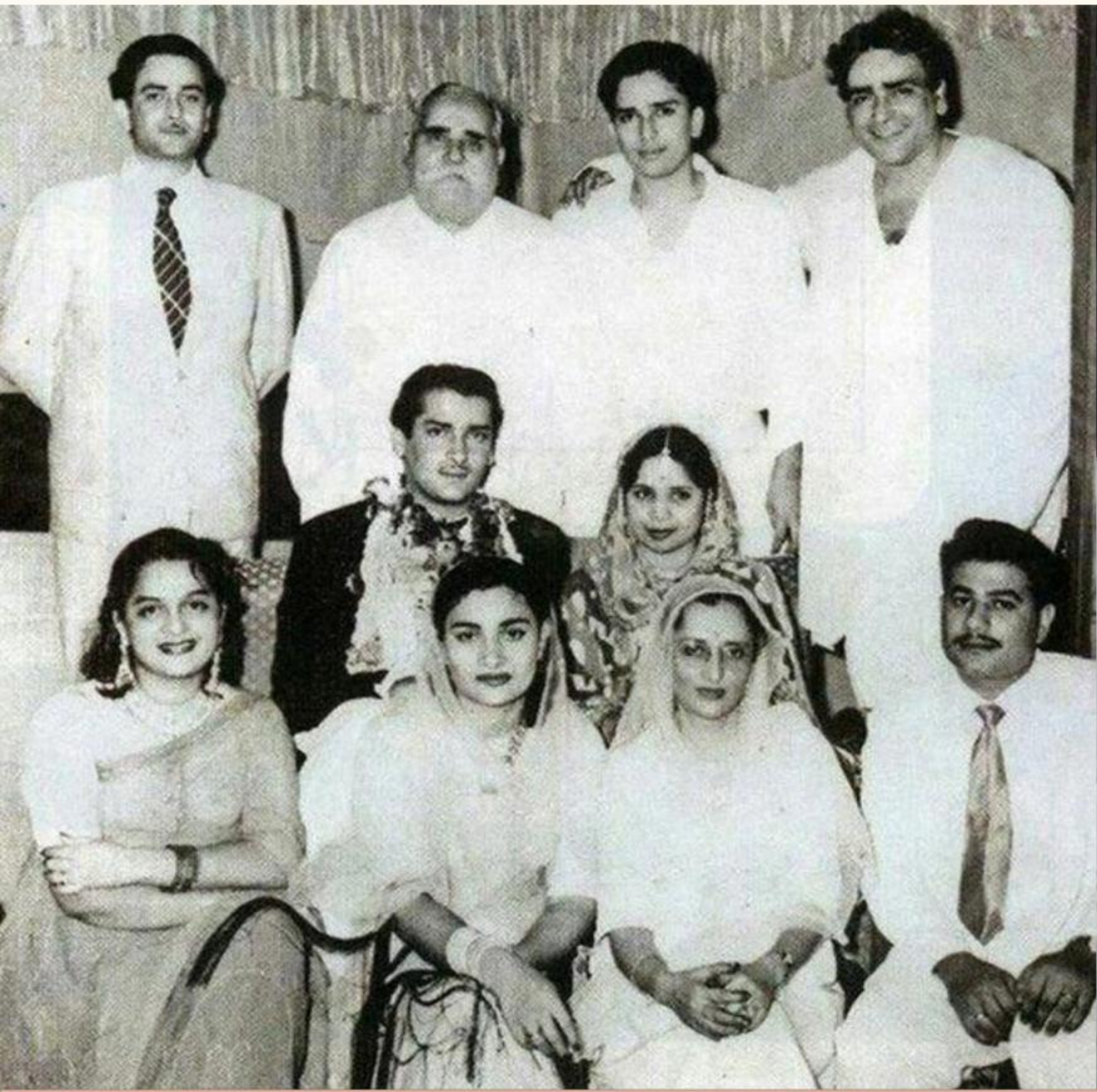

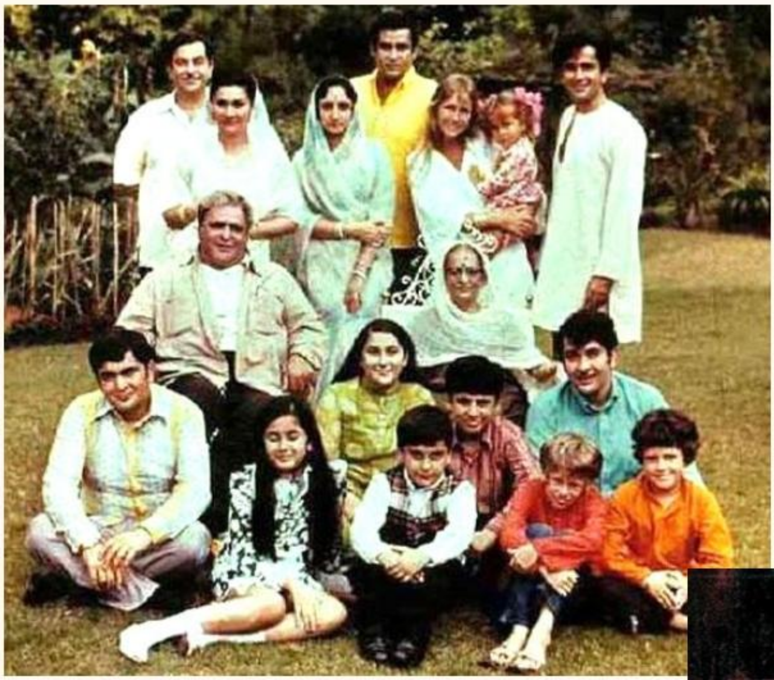

उन्होंने हार मान ली क्योंकि उन्हें अच्छी भूमिकाएँ नहीं मिलीं और अब उन्होंने जुहू में पृथ्वी थिएटर को चलाना शुरू कर दिया है, जिसे उन्होंने अपने निर्देशन में एक नया रूप दिया है।

एक अभिनेता के रूप में राजीव का करियर असफल रहा। उन्होंने अपने भाई, ऋषि और माधुरी दीक्षित अभिनीत 'प्रेम ग्रंथ' के साथ निर्देशन किया। फिल्म फ्लॉप हो गई और इसी तरह उनकी शादी और टीवी फिल्म निर्माता के रूप में उनका करियर भी फ्लॉप हो गया। अब वह पुणे के लोनी में अपने पिता की संपत्ति में अकेले समय बिताते हैं।

राज कपूर पृथ्वीराज का इकलौते पुत्र थे जो न केवल अपने आरके साम्राज्य का निर्माण कर सके, बल्कि जब तक वह जीवित थे तब तक उन्हें अपनी सारी महिमा में उड़ाता रहा। अभिनेता के रूप में सफल करियर के बाद रणधीर और ऋषि ने फिल्मों का निर्देशन करने की कोशिश की, लेकिन वे कोई प्रगति नहीं कर सके। अब, आर के स्टूडियो को ध्वस्त कर दिया गया है और राज कपूर ने भी सभी सपने देखे हैं। श्रीमती कृष्णा राज कपूर जो आरके साम्राज्य के अंतिम स्तंभ थे, कुछ समय पहले वृद्धावस्था में मर गए, ऋषि की मृत्यु हो गई, राजीव ने उनका अनुसरण किया और रणधीर कपूर एक बीमार बूढ़े व्यक्ति हैं और यह सुनिश्चित नहीं है कि वह कुछ भी कर पाएंगे या नहीं अपने पिता के साम्राज्य को बचाओ।

उनके बाद, केवल रणबीर कपूर ही रह जाते हैं जो आज सबसे प्रसिद्ध और सबसे अधिक भुगतान पाने वाले सितारों में से एक हैं और जिनके जल्द ही आलिया भट्ट से शादी करने की उम्मीद है।

क्या इसका मतलब यह है कि भविष्य या काल्पनिक आरके साम्राज्य भविष्य में मिस्टर एंड मिसेज रणबीर और आलिया कपूर के हाथों में होगा? और क्या आज के समय में आरके जैसा साम्राज्य चलाने के लिए रणबीर के पास अपने दादा के समान दृष्टिकोण और समर्पण है?

कपूर परिवार

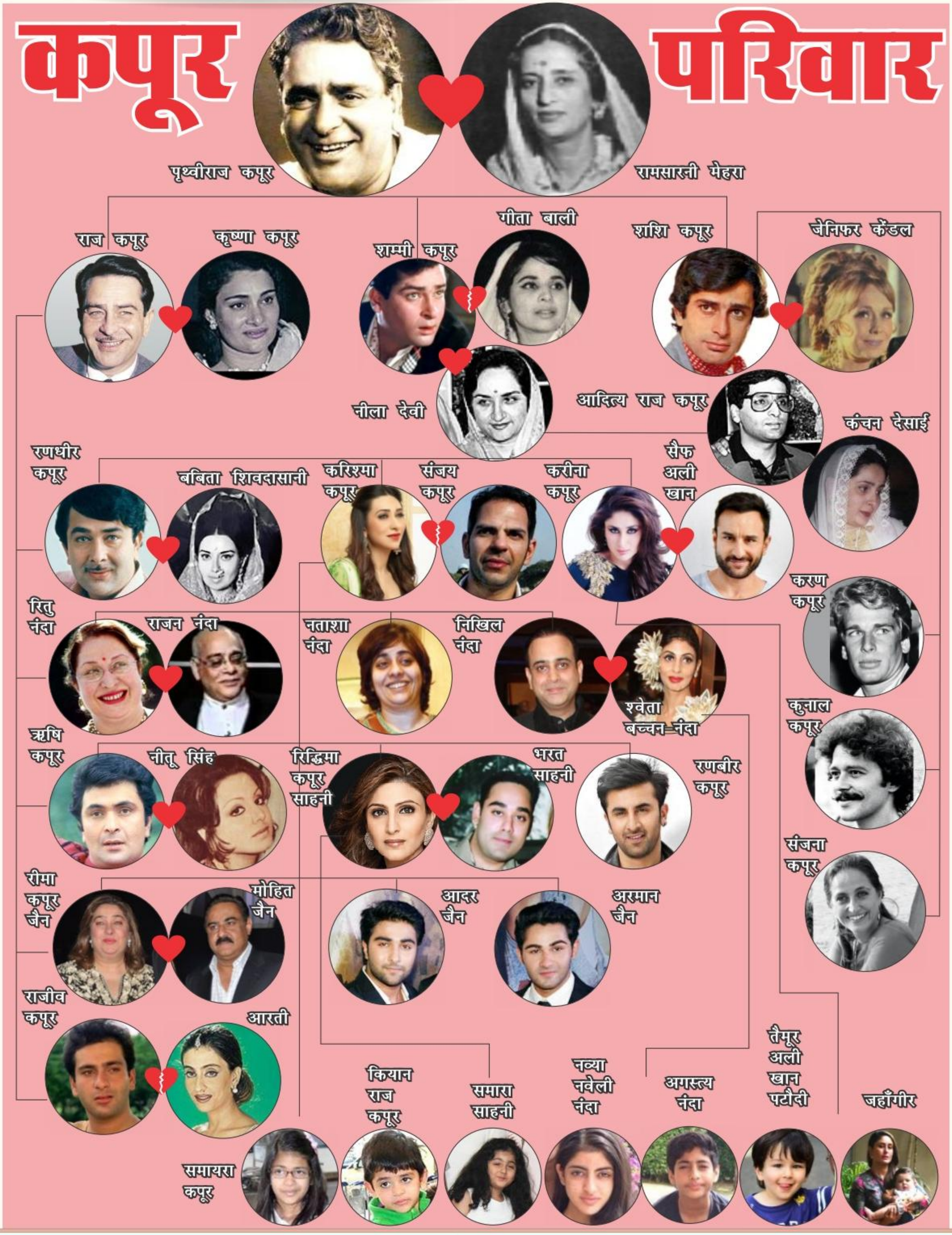
पृथ्वीराज कपूर
रामसरनी मेहरा
राज कपूर
कृष्णा कपूर
शम्मी कपूर
गीता बाली
शशि कपूर
जेनिफर केंडल
नीला देवी
आदित्य राज कपूर
कंचन देसाई
रणधीर कपूर
बबिता शिवदासानी
करिश्मा कपूर
संजय कपूर
करीना कपूर
सैफ अली खान
करण कपूर
रितु नंदा
राजन नंदा
नताशा नंदा
निखिल नंदा
श्वेता बच्चन-नंदा
कुनाल कपूर
ऋषि कपूर
नीतू सिंह
रिद्धिमा कपूर साहनी
भरत साहनी
रणबीर कपूर
संजना कपूर
रीमा कपूर जैन
मोहित जैन
आदर जैन
अरमान जैन
राजीव कपूर
आरती
कियान राज कपूर
समारा साहनी
नव्या नवेली नंदा
अगस्त्य नंदा
तैमूर अली खान पटौदी
जहाँगीर
समायरा कपूर

लिस्नर्स को आप जो अच्छा सुनायेंगे तो वो सुनना पसंद करेंगे–करेंगे

मनन भारद्वाज

नमस्कार मनन, मायापुरी मैगज़ीन इंटरव्यू में आपका स्वागत है,

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

☐ सबसे पहले मनन हमें यह बताइए कि बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री में आपका आना कैसे हुआ और संगीत का शौक आपको कैसे लगा?

हेलो सिद्धार्थ, जैसे हर बच्चे का अपना सपना होता है कि उसे पायलट बनना है या उसे एक्टर बनना है या डॉक्टर बनना है, ऐसे ही शायद फोर्थ स्टैण्डर्ड से ही मेरा सपना था कि मैं कम्पोज़र बनूँ। लेकिन मेरी फैमिली में सब सिविल सर्विसेज़ वाले और हाइली एजुकेटेड मेम्बर्स हैं, उन्होंने शुरुआत में तो मना ही किया, कि इसमें फ्यूचर नहीं है या फ्यूचर है भी तो स्टेबल नहीं है। पर जब उन्होंने समझा कि मेरा मन म्यूजिक में ही लगता है तो उन्होंने समझा और ज़रुरत पड़ने पर सपोर्ट भी किया। सोचिए स्कूल टाइम में कोर्स बुक में जो पोएट्री होती थी मैं उसी को कम्पोज़ कर दिया करता था। फिर इंडस्ट्री में आना ऐसे हुआ कि मैं ए आर रहमान को अपना आइडल मानता हूँ, जहाँ तक कोशिश हुई उनके ही नक़्शे–कदम पर चला और म्यूजिक इंडस्ट्री में हाथ पाँव मारने से पहले प्रॉपर पढ़ाई की, मुंबई से ट्रेनिंग ली। साउंड डिजाइनिंग, कम्पोजिंग आदि हर म्यूजिक से जुड़ी हर बारीकी को पहले समझा, फिर वापस गुड़गाँव आ गया। फिर मैं हमेशा से चाहता था कि मुझे 'टी–सीरीज़' के साथ काम करने का मौका मिले, पर मैंने स्टूडियो स्टूडियो भटकने से बेहतर यहीं, गुड़गाँव में रहकर अपना म्यूजिक बनाया और यूट्यूब पर या जो अवेलेबल प्लेटफोर्म दिखा उसपर अपलोड करना शुरु किया एंड फोर्चुनेटली मुझे टी–सीरीज़ से ही मुझे मेरे पहले गाने का ऑफर मिला।

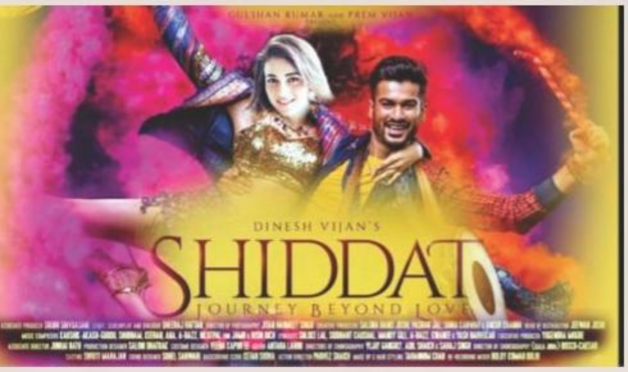

☐ ए आर रहमान के अलावा आप किनको सुनते थे? इसे मानते थे?

जी मेरे तीन आइडल रहे हैं, रहमान साहब के अलावा जगजीत सिंह जी और उस्ताद नुसरत फतेह अली खान साहब को मैं बहुत मानता हूँ। मुझे लगता है कि मैंने अपने आइडल सही चुन लिए थे। फिर मुझे ये लगता है कि खुद को मानना भी बहुत ज़रूरी है। मैं खुद के म्यूजिक पर, जो अन्दर से आता है, उसपर बहुत बिलीव करता हूँ। मैं खुद अपना का आइडल हूँ। मुझे लगता है कि सही दिशा में मेहनत करनी ज़रूरी है।

☐ आपने 90 का म्यूजिक तो खूब सुना होगा?

हाँ, बिल्कुल, उस वक़्त बप्पी दा के गाने, अनु मलिक के, नदीम श्रवण आदि के गाने मेलोडियस होते थे, सुने भी बहुत थे पर जब रोज़ा (1992) आई न, मैं फैन हो गया। मुझे गूज़ बम्प्स होते थे उसके गाने सुनकर। उसी समय मैंने तय कर लिया था कि मुझे म्यूजिक करना है।

☐ उस वक़्त और आज के समय में म्यूजिक में क्या फ़र्क आया है?

देखिए मैं इतना बड़ा तो नहीं हुआ कि किसी संगीतकार पर कमेंट करूँ लेकिन बेसिक फ़र्क जो मुझे लगता है कि श्रोताओं को आप जो सुनायेंगे वो वही सुनने लगेंगे। हाँ तब ये कम था, आज नोटीफिकेशन्स और मोबाइल एप्स के टाइम में ये चीज़ ज़्यादा हो गयी है। पर तब भी, आपका गाना अगर अच्छा है तो आपको वो सुनाना तो पड़ता ही था। उस समय भीड़ कम थी, म्यूजिक बनाने में टाइम दिया जाता था। आज की डेट में डिमांड ज़्यादा है इसलिए जल्दी–जल्दी काम निपटाना पड़ता है। लेकिन मैं अपनी बताऊं तो 'शिद्दत' की एल्बम के लिए मुझे चार गाने मिले थे, मैंने इन चार गानों के लिए डेढ़ साल का समय लिया है। मैंने प्रॉपर टाइम लिया है। फिर मुझे लगता है कि हम म्यूजिक कहाँ कम्पोज़ कर रहे हैं इसका बहुत फ़र्क पड़ता है, मैं मुंबई में रहकर यही म्यूजिक बनाता तो वो अलग बनता, वही मैंने अपनी मिट्टी से जुड़कर बनाया है तो अलग बात आई है। मेरे दोस्त ज़ुबीन भाई (ज़ुबीन नोटियाल) पहाड़ों के हैं, वह जब देहरादून से गाते हैं तो वो अलग ही रंग आता है।

☐ क्या आपको लगता है आज के म्यूजिक गायकी पर हावी हो रहा है?

मुझे ऐसा लगता है कि इस चीज़ के लिए हम संगीतकार भी ज़िम्मेदार हैं। उस दौर में टेक्नीकली उतने साउंड नहीं होते थे इसलिए वोकल बेस्ड सोंग्स ही बनते थे। लेकिन अब जहाँ ज़रुरत होती है वहाँ तो म्यूजिक हावी हो ही जाता है। पर ऐसा हर गाने में नहीं होना चाहिए, हमें समझना चाहिए कि किस गाने में म्यूजिक हावी करने की ज़रुरत है किसमें नहीं। बहुत से लोग कहते हैं कि यूथ की ऐसी डिमांड है पर मेरा मानना है कि यूथ बिचारा बहुत सीधा है, जो आप सुनाओगे वो सुन लेगा। ये सबसे हल्का बहाना है। उनको जो परोसे वो एक्सेप्ट कर लेगा। आजकल रिक्रिएशन का दौर चल रहा है, मैंने 'शिद्दत' में उस्ताद नुसरत साहब की कव्वाली 'अँखियाँ उडीक दीयां' रीक्रिएट किया है। देखिए, रिक्रिएशन का मकसद ये होता है कि आज से 40 साल बाद की जेनेरेशन भी हमारी रिक्रिएशन के द्वारा ही सही, उस क्लासिकल म्यूजिक से जुड़ी रहे।

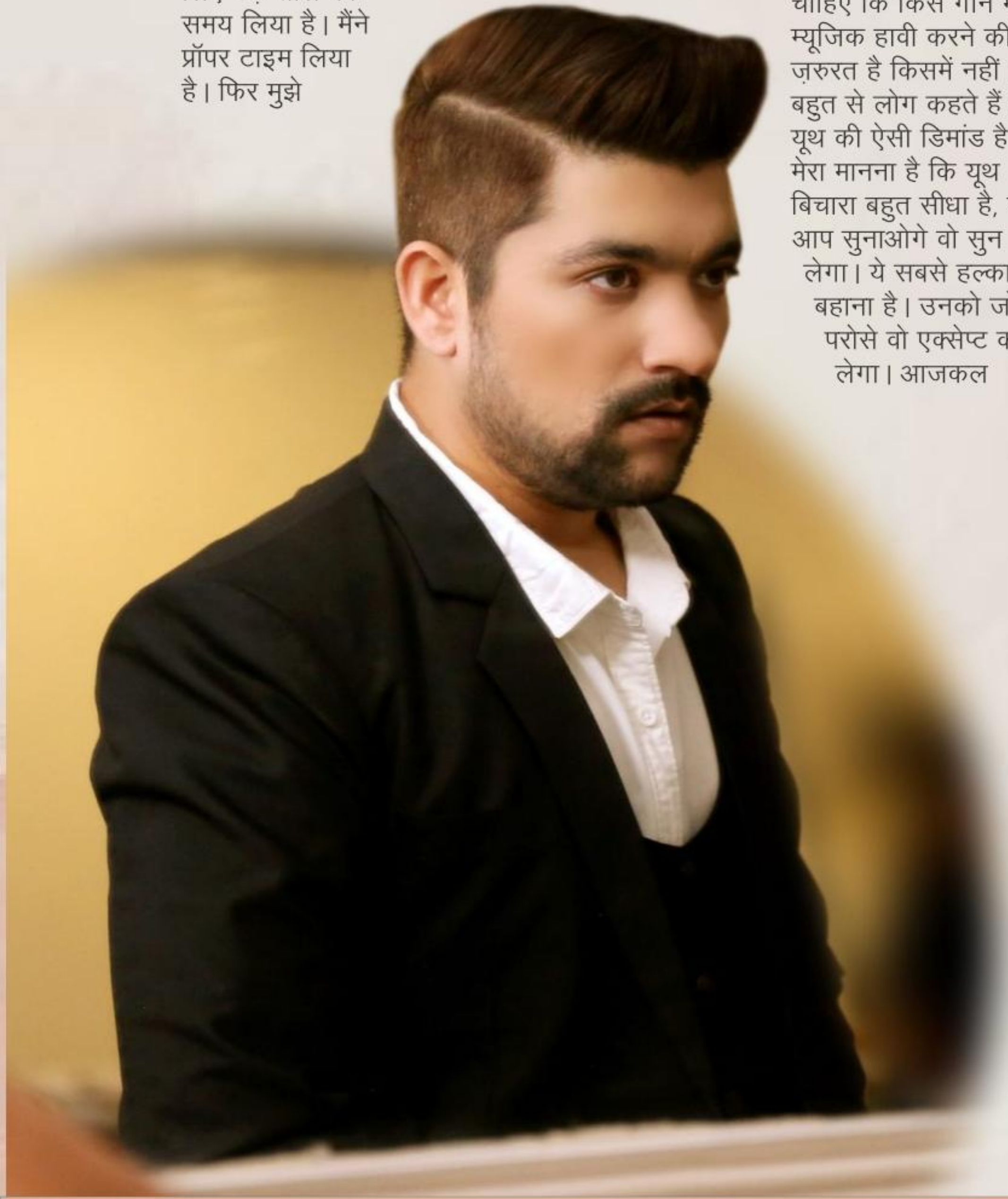

☐ शिद्दत की एल्बम के बारे में ज़रा विस्तार से बताइए

इसमें चार गाने हैं, उसमें टाइटल ट्रैक जो है वो कुछ यूँ हिट हुआ है जैसे पहली बॉल पर सिक्सर लगा हो। मैंने उसके लिए कुनाल भाई से कहा आप बस मुझे अच्छे से नेरेट कर दो कि आपको क्या चाहिए, मैं एक ही बार गाना बनाऊंगा बार–बार बनाकर दूंगा कि आपको कुछ भी चेंज करने की ज़रुरत नहीं पड़ेगी। फिर उन्होंने कहा भी यही कि मनन फर्स्ट टाइम ऐसा हुआ है कि मुझे किसी गाने में से कोई भी बदलाव करने की ज़रुरत नहीं पड़ी। मुझे अपनी यूएसपी ये लगती है कि मैं गाने कम्पोज़ तो करता ही हूँ, साथ–साथ गाता और लिखता भी खुद हूँ। यूँ एक गाना पूरी तरह मैं हैंडल करता हूँ।

☐ आप वाकई हरफनमौला संगीतकार हैं मनन, अच्छा आप हरियाणा में ही रहते हैं, दिल्ली तो आते–जाते ही होंगे, क्या आपने पहले कभी मायापुरी मैगज़ीन पढ़ी है?

बिल्कुल मैंने इसके बारे में बहुत सुना, फिर पढ़ी भी। मुझे बहुत पसंद आई। इस बार का एडिशन (हँसते हुए) तो मैं ज़रूर पढ़ूंगा

हमें समय देने के लिए बहुत बहुत शुक्रिया मनन, मैं आशा करता हूँ कि शिद्दत के गाने सुपर हिट हों और प्रभास स्टारर अपकमिंग फिल्म 'राधे श्याम' में आपका वो एक गाना चार्टबस्टर बन जाए।

''हमारी फिल्म 'छिपकली' एक दार्शनिक यात्रा है..''

मीमो,फिल्म 'छिपकली' के निर्माता व संगीतकार

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

'जावकर धन', 'अलीनगरेर गोलोकधाधा' व '''क्वींस गम्बेट''' जैसी कई सफल बंगला फिल्मों के संगीतकार मीमो भी बॉलीवुड से जुड़ गए हैं। मीमो बतौर निर्माता और संगीतकार हिंदी फिल्म ''छिपकली'' का निर्माण ''सुआन सिल्वर स्क्रीन'' के बैनर तले कर रहे हैं, जिसके निर्देशक कौशिक हैं। फिल्म ''छिपकली'' का फस्ट लुक पोस्टर भी जारी हो चुका है। हाल ही में मीमो, गायक शान की आवाज में एक गाने ''जिंदा हूँ मैं .. ''को रिकॉर्ड करने के लिए मुंबई आए थे। उसी दौरान निर्माता व संगीतकार मीमो से लंबी बातचीत हुई,जो कि इस प्रकार रही..

☐ आपको संगीत का चस्का कैसे लगा?

इसका सही जवाब तो मेरे पास भी नही है। मेरे घर में फिल्म या संगीत या कला का कोई माहौल नहीं रहा। मैं अपने परिवार का पहला सदस्य हूँ, जो कि इस क्षेत्र में आया हूँ, हो सकता है कि मैं इसे आगे बढ़ा सकूँ। मेरी मम्मी ने मुझे बताया था कि बचपन में मुझे खाना खिलाने के लिए उन्हे रवींद्र संगीत बजाना पड़ता था अथवा उन्हे खुद लोरी सुनानी पड़ती थी। हम बंगाली है, इसलिए हमारे यहां रवींद्र संगीत का कल्चर भी है। फिर भी मेरे यहां कोई गाता नहीं था, पर कैसेट से रवींद्र संगीत सुना जाता था। मेरी मां मुझे रवींद्र संगीत सुनाकर सुलाती थी। इसके अलावा मैने चार वर्ष की उम्र से शास्त्रीय गायन सीखने लगा था।

☐ आपने संगीत को कैरियर बनाने का फैसला कब किया?

जब मैं इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था, तब मैं बार बार फेल हो रहा था, तब पहली बार मुझे अहसास हुआ कि इंजीनियरिंग मेरे वश की बात नही है। अगर मुझे नाम कमाना है, कोई उपलब्धि हासिल करनी है, तो संगीत के क्षेत्र में ही कुछ रचनात्मक काम करना होगा। मुझे लगा कि ग्यारहवीं व 12 वीं की पढ़ाई के दौरान मैने कुछ गलत निर्णय ले लिए थे। फिर भी किसी तरह मंगलोर से मैने इंजीनिरंग की डिग्री हासिल की। पर तब तक मैं आश्वस्त हो चुका था कि मुझे संगीत जगत से ही जुड़ना है। वैसे मैं चार वर्ष की उम्र से ही शास्त्रीय गायन सीखना शुरू कर दिया था। मेरे पापा मेरा सपोर्ट करते थे। मेरे पापा ने हमेशा कहा कि मुझे जो अच्छा लगे, वह मैं कर सकता हूँ।

☐ बतौर संगीतकार पहली फिल्म पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा या नही?

सर..संघर्ष तो काफी करना पड़ा। मैने संगीतकार के तौर पर फिल्म न मिलने पर डाक्यूमेंट्री,लघु फिल्में,विज्ञापन फिल्मों में संगीत देते हुए अपनी प्रतिभा को निखारता रहा। कई बार काम करने के बावजूद पैसे नही मिलते थे। पर मैं काम करता रहा। दो तीन लघु फिल्मों में संगीत दिया, जिसकी चर्चा हुई। तब मुझे कुछ कारपोरेट एड ,टीवीसी मिले.कारपोरेट एंथम को संगीत से संवारने का अवसर मिला। प्रोफेशनली मैंने 2013 में शुरूआत की। जब मैने बंगला फिल्म को संगीत से संवारा तो मुझे बड़ा सकून मिला। मुझे सबसे पहले 2016 में शांतनु घोषाल निर्देशित बंगला फिल्म ''जावकर धन'' में संगीत देने का अवसर

छिपकली
THE THIRD PERSON
COMING THIS WINTER

मिला था। इस एडवेंचर फिल्म में परमबता चटर्जी, राहुल, प्रियंका सरकार, सव्यसांची चक्रवर्ती जैसे कलाकार थे.सव्यसाची चक्रवर्ती ने हिंदी फिल्म 'दिल से' नगेटिब किरदार निभाया था। सव्यसाची चक्रवर्ती ने मेरा काफी हौसला बढ़ाया। इस फिल्म में सभी गाने डार्क किस्म के थे। यह एक एडवेंचर फिल्म है।

वैसे शांतनु घोष मेरे बचपन के दोस्त हैं। हम दोनों ग्यारहवीं कक्षा से एक साथ हैं। शांतनु घोष की बतौर निर्देशक और मेरी बतौर संगीतकार पहली बंगला फिल्म 'जावकर धन' है। उन दिनों बंगला भाषा में एडवेंचर फिल्में नहीं बनती थी। तब बंगला में रोमांस, रोमांचक,पारिवारिक व हॉरर फिल्में ही बनती रही हैं। 'इंडियाना जोंस' या 'नेशनल ट्ेजर' जैसी फिल्में बंगला भाषा में नही बन रही थीं। पर हमारी फिल्म 'जावकर धन' एडवेंचर जॉनर में पहली बंगला फिल्म थी। इस फिल्म को संगीत से संवारने का अनुभव काफी अच्छा रहा था। फिल्म के संगीत को काफी पसंद किया गया था और मुझे अवॉर्ड भी मिला था। इसके बाद मैने अलीनगरेर गोलोकधाधा', हास्य फिल्म 'क्वींस गम्बेट' तथा दो वेब सीरीज की।

☐ बंगला फिल्मों में संगीकार के रूप में जब आप काफी अच्छा काम कर रहे थे, तभी आपने हिंदी फिल्म ''छिपकली'' बनाने का निर्णय ले लिया?

मुझे लगता है कि सिनेमा से जुड़ने वाला हर शख्स निर्माता बनने की इच्छा रखता है। हर इंसान की इच्छा होती है कि अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस/बैनर हो। मैं हमेशा अच्छा काम करना चाहता हूँ। फिल्म ''छिपकली'' की कहानी बहुत अनकंविशनल है। यह मसाला किस्म नही है। यह फिल्म एक दार्शनिक यात्रा है। हम इसे 'फिलोसाफिकल थ्रिलर' कहते हैं। हकीकत में हमारी फिल्म के निर्देशक कौशिक कर के साथ हम इस कहानी पर फिल्म बनाने के लिए निर्माता की तलाश कर रहे थे। पर कोई निर्माता इस पर फिल्म बनाने के लिए तैयार नही हो रहा था। इसकी कहानी मुझे भी बहुत पसंद थी। अंततः मैने खुद इसका निर्माण करने का फैसला किया। अब फिल्म पूरी हो चुकी है।

☐ आपको ''छिपकली'' की कहानी में क्या खास पसंद आया?

देखिए, तमाम लोग सोचते हैं कि मैं अपने घर की चार दीवारी के अदर चाहे जो करुं, किसी को भी उसकी भनक नही लगेगी। मैं कप तोड़ दॅू या किसी की हत्या कर दॅू या बलात्कार कर दॅू। पर कोई मुझे देखने वाला नही है। लेकिन असल में कुदरत नामक एक ताकत ऐसी है, जो कि हर इंसान के हर कारनामें पर नजर रख रहा है। इसलिए इंसान को यह कभी नहीं सोचना चाहिए कि वह चुपके से कुछ करेगा और वह पकड़ा नही जाएगा। हमने अपनी फिल्म का नामकरण करते समय 'छिपकली' को एक रूपक के तौर पर उपयोग किया है। यदि आप घर के अंदर ध्यान देंगें तो सीसीटीवी की तरह घर की किसी भी दीवार पर चिपके हुए छिपकली सब कुछ देखती रहती है। फिल्म यही कहती है कि आप जो कुछ कर रहे हैं, उसे मैं देख रही हॅूं। तो हमारी फिल्म 'छिपकली' ऐसे इंसानों के लिए एक चेतावनी की तरह है। फिल्म की इस फिलोसफी/दर्शन शास्त्र ने मुझे प्रेरित किया। फिल्म की पटकथा भी बेहतर तरीके से लिखी गयी है। यह नए जॉनर के साथ रोमांचक फिल्म है। हम इसे 'फिलोसाफिकल थ्रिलर'कहते हैं।

फिल्म की कहानी के केंद्र में दो किरदार हैं। पचास वर्षीय असफल लेखक आलोक चतुर्वेदी (यशपाल शर्मा) है। लेखक महोदय दार्शनिक हैं। दूसरा किरदार एक जासूस रुद्राक्ष रॉय(योगेश भारद्वाज) का है, वह युवा और प्रैक्टिकल है। अपनी सोच व दिमाग को लेकर सवाल करता है। फिर बुद्धिमत्ता के साथ उन सवालों का जवाब भी देता है। लेखक आलोक चतुर्वेदी मानकर चलते हैं कि बाजार कुछ भी कहे, मेरी लेखनी सर्वश्रेष्ठ है। बाजार की स्वीकृति की उसे परवाह नही। क्योंकि बाजार सिर्फ 'सफल' मांगता है। जब मैं संघर्ष कर रहा था, तब लोग कहते थे आपके गाने में हुक लाइन नही है। कैसे सफल होगा? अरे, भाई किसी को नही पता कब कौन सा गाना या कौन सी फिल्म सफल हो जाएगी। क्या जो करोड़ों रूपए कमाकर दे,वही सफल है। मैं मानता हॅू कि जब आप व्यापार कर रहे हैं, तो पैसा महत्वपूर्ण हो जाता है। अब मैं फिल्म बना रहा हॅू, तो मुझे यह देखना है कि मैं जितना पैसा लगा रहा हॅू, वह वापस आ सके। लेकिन सफल होने के लिए कुछ भी नही कर सकता.इसलिए मैने सोचा कि दर्शकों तक अच्छी कहानी पहॅुचाने के लिए मैं खुद 'छिपकली' का निर्माण करता हॅू। यह प्रतिभाएं हैं। लोगों के पास पैसा भी है। मगर सही जगह पैसा लगाने वाला कोई नही है।

☐ पहली फिल्म अपनी मातृभाषा बंगला की बजाय हिंदी में बनाने के पीछे क्या सोच रही है? बंगला भाषा में यह फिल्म कम बजट में बना सकते थे?

आपने एकदम सही कहा कि हम इसे बंगला में कम बजट में बना सकते थे और हम बंगला भाषा में भी फिल्म बनाएंगे। मुझे बंगाली होने का गर्व है। मगर कुछ विषय या यूँ कहें कि कहानियां राष्ट्रीय स्तर पर पेश करने की जरुरत होती है। 'छिपकली' की कहानी ऐसी है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर कहा जाना चाहिए। इसलिए हमने इसे हिंदी में बनाने का निर्णय लिया। दूसरी बात यह फिल्म किसी भी भाषा में बन सकती है। यदि हम बंगला कल्चर पर फिल्म बनाते, तो उसे बंगला में बनाना आवश्यक होता. 'छिपकली'का विषय युनिवर्सल है।

☐ कलाकारों का चयन किस हिसाब से?

देखिए, हमें स्टार कलाकार की बजाय बेहतरीन कलाकार की तलाश थी। हमें सिर्फ नामचीन कलाकार नही चाहिए था। हमने 'गंगाजल','लगान','अब तक छप्पन' सहित कुछ फिल्मों में यशपाल शर्मा का उत्कृष्ट अभिनय देखा था। तो हमें लगा कि आलोक चतुर्वेदी का किरदार यशपाल शर्मा जैसा सशक्त कलाकार ही निभा सकता है। वहीं जासूस का किरदार निभाने वाले योगेश भारद्वाज कमाल के कलाकार हैं। योगेश के बारे में यशपाल शर्मा ने ही हमें बताया था।

☐ इस फिल्म को बनाने के क्या अनुभव रहे?

अच्छे अनुभव रहे.काम करने में मजा आया। तनाव भी हुआ। मैने बहुत बड़ा रिस्क उठाया है। मैने अपनी जिंदगी को दांव पर लगाकर इस फिल्म का निर्माण किया है। मैने काफी कर्ज लिया है। पर मुझे यकीन है कि मेरी फिल्म सफल होगी।

☐ फिल्म को कहां व कितने दिन में फिल्माया है?

मैंने इसे कोलकाता के बेहरामपुर में पांच हजार स्क्वायर फिट के क्षेत्र में बने राज महल जैसे मकान में 25 दिन में फिल्माया.

☐ रोमांचक फिल्म में संगीत काफी अहम होता है?

रोमांचक फिल्म का संगीत तार्किक दृष्टिकोण से एकदम सटीक होना चाहिए। अब दर्शक काफी समझदार हो गया है। इसी वजह से अब कंटेंट प्रधान फिल्में या वेब सीरीज ज्यादा बन रही हैं। हमने इस तरह का संगीत रचा है, जो कहानी के साथ मिल गया है। हमारी फिल्म में हमने एक प्रमोशनल सांग बनाया है, जो कि कहानी के साथ मेल खाता है। इसे देब्यांजली बी जोशी ने स्वरबद्ध किया। यह प्रमोशनल गाना फिल्म के अंत में आएगा, मगर इसकी कुछ लाइनें बीच बीच में भी रखी हैं। इसका संगीत बहुत ही अलग तरह का है। इसके अलावा एक गाना 'जिंदा हूँ मैं' है, जिसे गायक शान ने गाया है। यह आम गीत नही हैं। यह गाना ऐसा है, जिसे लेखक गुस्से में अपनी लेखनी से निकाल रहा है। यह आम गीत नही है। हमने दूसरे फिल्मकारों की तरह गाना ठूँसा नही है। जबकि हम चाहते तो इसमें लेखक व उसकी पत्नी के बीच रोमांटिक सांग जोड़ सकते थे, पर हमने ऐसा नही किया।

जब मैं किसी भी गाने को संगीतबद्ध करता हूँ, तो मेरे दिमाग में दो बातें स्पष्ट रहती हैं कि गाना फिल्म की कहानी व सिच्युएशन को न्याय दे और वह धुन 'कैची' हो।

☐ सिनेमा किधर जा रहा है?

सिनेमा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। कोरोना महामारी व लॉक डाउन के चलते सिनेमा को आर्थिक दृष्टिकोण से जबरदस्त नुकसान हुआ है।

☐ बंगला सिनेमा काफी समृद्ध रहा है, पर अब वैसा सिनेमा नही बन पा रहा है?

इमानदारी से कहूँ तो यह कल्चरल ह्रास के चलते हैं। अच्छे सिनेमा को बढ़ावा देने वाले निर्माताओं की काफी कमी है। जब कोई छात्र फिल्म संस्थान में प्रशिक्षण लेने जाता है, तो उसे बंगला फिल्मकार सत्यजीत रे, रितुपर्णो घोष व अपर्णा सेन की फिल्में दिखाकर फिल्म निर्माण निर्देशन आदि सिखाया जाता है। लेकिन वही छात्र जब खुद फिल्म बनाते हैं, तो वह जो सिखाया गया वह भूल जाते हैं या फिल्म निर्माण में जिनका पैसा लगा होता है, वह उन्हें करने नही देते।

☐ क्या सरकार के बदलने का राजनीतिक असर सिनेमा पर होता है?

कुछ पड़ता है। मैं खुद राजनीतिक इंसान नही हूँ। मेरी नजर में हर राजनीतिक पार्टी में कुछ अच्छाईयां व कुछ बुराईयां है। हम इस बात से इंकार नही कर सकते कि सिनेमा पर राजनीतिक दबाव होते हैं।

☐ भविष्य की क्या योजनाएं हैं?

संगीत में निरंतर कुछ न कुछ काम करता रहता हूँ। एक फिल्म पर काम चल रहा है। मेरा मानना है कि अगर आप इमानदारी से काम करते है तो वह 'छिपकली' कही न कहीं देख रहा है, जो किसी न किसी मोड़ पर हमारी मदद करेगा।

एण्डटीवी के कलाकारों ने महात्मा गांधी से सीखे गए जिंदगी के सबक के बारे में बताया

—शांतिस्वरूप त्रिपाठी

'जीवन को इस तरह से जियो जैसे कल ही मौत आने वाली है। ज्ञान इस तरह से अर्जित करो जैसे तुम हमेशा जीने वाले हो।' ये अद्भुत बोल मोहनदास करमचंद गांधी के हैं, जिन्हें हम प्यार से बापू कहकर बुलाते हैं। उन्होंने हमें जीवन जीने का एक आदर्श तरीका सिखाया है। दुनिया को बदल देने की अपनी ताकत से हममें से कई लोगों को प्रेरित करने वाले महात्मा गांधी हमेशा सादा जीवन और उच्च विचार को मानते थे। 'गांधी जयंती' के अवसर पर, एण्डटीवी के 'मौका–ए–वारदात–ऑपरेशन विजय' के एक्टर्स तान्या अबरोल (सब–इंस्पेक्टर सुरभि कौर) और पीयूश सहदेव (पुलिस इंस्पेक्टर राठौर), 'हप्पू की उलटन पलटन' की सपना सिकरवार (बिमलेश), 'और भई क्या चल रहा है' की अकांक्षा भार्मा (सकीना मिर्जा), 'घर एक मंदिर–कृपा अग्रसेन महाराज की' के साई बल्लाल (कुंदन अग्रवाल) और 'भाबीजी घर पर हैं' की भुभांगी अत्रे (अंगूरी भाबी) ने राश्ट्रपिता और उनके सबक को याद किया।

एण्डटीवी के 'मौका–ए–वारदात –ऑपरेशन विजय' में सब–इंस्पेक्टर सुरभि कौर के रूप में नजर आ रही **तान्या अबरोल** ने कहा, ''स्कूल में हिस्ट्री में हमने सत्याग्रह के संघर्ष और महात्मा गांधी के नेतृत्व के बारे में पढ़ा था। साथ ही उनके लाए गए सुधारों से जिंदगियां बदल गयीं और कई लोगों के लिये बेहद प्रेरणादायक है। तब से ही बापू, मेरे आदर्श हैं और मैं अपने जीवन में उनके मूल्यों व सीख को भाामिल करने की कोशिश करती हूं। बापू की तरह ही मेरा मानना है कि प्यार में पर्वत को भी हिला देने की ताकत होती है और मैंने इसे एक बार नहीं, बल्कि कई बार महसूस किया है। साथ ही मैं दूसरों के समय का सम्मान करती हूं क्योंकि मैं खुद भी समय की बेहद पाबंद हूं। जब आप समय की इज्जत करते हैं तो समय भी आपका मान रखता है।''

सपना सिकरवार, एण्डटीवी के 'हप्पू की उलटन पलटन' में बिमलेश के रूप में नजर आ रही हैं, उनका कहना है,''महात्मा गांधी से सीखने के लिये काफी सारी बातें हैं, लेकिन अहिंसा को लेकर उनके विचार सबसे ज्यादा सीखने वाले हैं। उनके लिये इसका अर्थ है, किसी के लिये भी बुरे विचार को जगह ना देना, अपने दुश्मनों के लिये भी नहीं। मुझे लगता है हिंसा से केवल लड़ाई और बहस ही जन्म लेती है, लेकिन इससे समस्या का हल नहीं निकलता। यदि आप परेशानी को समझ जायें और उसे ठंडे दिमाग से सुलझाने की कोशिश करें, तो आपको हल जरूर मिलेगा। जब मैं मुंबई आई थी तो मुझे एहसास हो गया था कि मैं किस तरह से चीजों का सामना करना चाहती हूं और इससे मुझे मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों से बाहर आने में मदद मिली। गांधी जयंती के मौके पर मैं आप सबसे गुजारिश करूंगी कि अहिंसा को अपने जीवन जीने का तरीका बनायें ताकि आप एक बेहतर इंसान बन सकें। इससे ज्यादा से ज्यादा दयालु बनने में मदद मिल सकती है।''

अकांक्षा भार्मा, एण्डटीवी के 'और भई क्या चल रहा है' में सकीना मिर्जा के रूप नजर आ रही हैं, वह कहती हैं, ''महात्मा गांधी ने हमें एक नहीं, कई तरीकों से प्रेरित किया है। बापू से सीखने लायक काफी सारी चीजें हैं। उनकी बतायी एक सीख को मैंने अपने जीवन में उतारा है, वह है माफ कर देना। सच कहूं तो माफ करना बलवान का गुण है। रिश्तों को बनने में वक्त लगता है और इस तरह के गुण ही रिश्तों को मजबूत बनाते हैं। मैं औरों को माफ कर देने पर भरोसा करती हूं, क्योंकि इससे उन्हें बेहतर होने का मौका मिलता है और हम हल्का महसूस करते हैं। हर किसी को गुस्से और बदले को छोड़ देने की भावना अपनाने की कोशिश करनी चाहिये। साथ ही दिमाग से सारे नकारात्मक विचार निकाल देने चाहिये।''

साई बल्लाल, एण्डटीवी के 'घर एक मंदिर–कृपा अग्रसेन महाराज की' में **कुंदन अग्रवाल** बने हैं, उनका कहना है, ''महात्मा गांधी का कथन 'सत्यमेव जयते' ने हमेशा ही मुझे सच के रास्ते पर चलने के लिये प्रेरित किया है। मेरा मानना है कि ईमानदारी से कुछ भी और सबकुछ जीता जा सकता है। मैं अपने आस–पास के लोगों, अपने काम और खुद से हमेशा ही वफादार रहने की कोशिश करता हूं। यदि 'सत्य' और 'अहिंसा' अंग्रेजों को खदेड़ सकता है तो यह और भी चमत्कार कर सकता है। गांधी जयंती के मौके पर, आइये ईमानदारी और सच्चाई का संकल्प लें और इस दुनिया को बेहतर बनायें।''

एण्डटीवी के 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी यानि **शुभांगी अत्रे** का कहना है,''मैं गांधीजी की स्वदेशी विचारधारा को मानती हूं। आज के समय में, मुझे ऐसा लगता है कि अपनी अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये अपने लघु उद्योगों को आगे बढ़ाने का समय आ गया है। लोकल स्टोर से खरीदारी करने का आकर्षण ही अलग होता है। आपको ज्यादा विश्वसनीय और हाथ से बनी हुई चीजें मिलती हैं। मैं जब कभी भी देश के किसी कोने में जाती हूं, तो मैं लोकल मार्केट जरूर जाती हूं और वहां से चीजें खरीदती हूं। मेरा यह पक्का विश्वास है कि यदि हम सपोर्ट करें तो भारतीय उद्योग आगे बढ़ सकते हैं और किसी भी ग्लोबल इंडस्ट्री को पीछे छोड़ सकते हैं। गांधी जयंती के मौके पर, मैं सबसे कहना चाहती हूं कि भारतीय उत्पादों को प्रचारित करें और उन्हें सपोर्ट करें और भारतीय उद्योगों को आगे बढ़ने में मदद करें।''

एण्डटीवी के 'मौका–ए–वारदात–ऑपरेशन विजय' में पुलिस इंस्पेक्टर राठौर के रूप में नजर आ रहे **पीयूश सहदेव** का कहना है, ''महात्मा गांधी इस बात का उदाहरण हैं कि लगन और इच्छाशक्ति लक्ष्य को पाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मैंने अपने जीवन में हर पड़ाव पर काफी आलोचनाएं झेली हैं। लेकिन अपने लक्ष्य पर डटे रहने और एकाग्र रहने की बात ने मुझे आगे बढ़ने और मजबूत बने रहने का साहस दिया। हेल्थ, कॅरियर और रिश्ते मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। मैं इन सबको बराबर वक्त देने की कोशिश करता हूं। इसके अलावा, दिमाग में एक बात हमेशा रखता हूं कि लोगों के साथ सम्मान से पेश आना है, जिस तरह कि मैं उनसे सम्मान पाने की उम्मीद करता हूं। इन सारी सीखों ने मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद की है।''

गोल्डन कलर की ड्रेस में कहर ढा रही हैं जैस्मीन भसीन

प्रगति राज

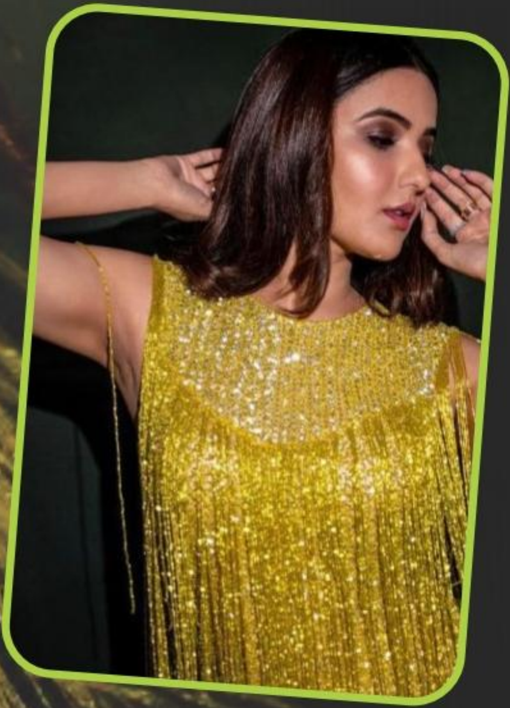

एक्ट्रेस और बिग बॉस 13 फेम जैस्मीन भसीन, शो डांस दीवाने के अपकमिंग एपिसोड में दिखाई देंगी। हाल ही में रिलीज़ हुआ उनका गाना ‘पीने लगे हो’ के प्रमोशन के लिए आएंगी। शो पर वो गोल्डन कलर के ड्रेस में नज़र आएंगी। इस ड्रेस में जैस्मीन ने अपनी एक तस्वीर भी इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस ड्रेस में वो काफी स्टनिंग नज़र आ रही हैं।

शो डांस दीवाने की एक प्रोमो वीडियो भी सामने आई है जिसमें माधुरी दीक्षित, भारती सिंह और जैस्मीन को मेकअप करते देखा जा सकता है। फिर अंत में तीनों साथ में पोज देती है।

बात करें जैस्मीन भसीन के म्यूजिक वीडियो की तो उनका ये वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है। इस वीडियो में उनके साथ नेहा कक्कड़ के पति रोहनप्रीत सिंह नज़र आ रहे हैं। वहीं इस वीडियो को नेहा ने डायरेक्ट किया है।

DR. JAYANTILAL GADA-CHAIRMAN & MD OF PEN STUDIOS AND DIRECTOR-PRODUCER ROHIT SHETTY MEETS THE HON. CHIEF MINISTER OF MAHARASHTRA-UDDHAV THACKERAY ON SATURDAY TO DISCUSS THE REOPENING OF THE THEATRES ACROSS MAHARASHTRA.

RITHVIK DHANJANI IS FASHION SUPREMACY

SHOWFEST WAS AN EXPERIENCE BEYOND JUST ENTERTAINMENT

Govinda Ahuja with Wife Sunita Ahuja

Karl Kalra

Daler Mehndi

Pooja Hegde

Shaan

Salim Merchant

Richa Sharma

Mohit Chauhan

Ananya Birla

Udit Narayan

Aanand Dawda, Pooja Hegde and Karl Kalra

Karl Kalra, Sulaiman Merchant and Aanand Dawda

Karl Kalra With Mohit Chauhan

Aanand Dawda, Pooja Hegde, Daler Mehndi, Govinda Ahuja, Kumar Sanu With Karl Kalra

Sophie Chaudhry Govinda and Pooja Hegde

Salman Ali, Harshdeep Kaur, Richa Sharma, Salim Sulaiman, Dj Akbar Sami

Mohit Chauhan, KK and Shaan

Alka Yagnik Kumar Sanu and Udit Narayan

Pooja Hegde and Karl Kalra

Sophie Chaudhry, Aanand Dawda and Karl Kalra

Aanand Dawda, Merchant and Karl Kalra

Salman Ali

Sulaiman Merchant

ANIL KAPOOR AT THE RED CARPET OF THE ICONIC GATEWAY OF INDIA TO HOST THE GLOBAL CITIZEN LIVE FOR MUMBAI

Pics By Rakesh Dave

AADITYA THACKERAY AT GLOBAL CITIZEN LIVE MUMBAI

Pics By Rakesh Dave

GAUTAM RODE SHARES THIS ADORABLE PICTURE WITH HIS WIFE PANKHURI AWASTHY RODE GIVING US A CUE ON THEIR NEXT PROJECT

KAPIL SHARMA SHOULD BE GIVEN MINISTRY OF LAUGHTER, SAYS SUNIL GROVER TO KARAN SINGH CHHABRA

अटपटी चटपटी गप्पें

सुलेना मजुमदार अरोरा

वाकई तापसी पन्नू है तो घनी कूल छोरी

'घनी कूल छोरी' तापसी पन्नू जब अपनी बहनों, शगुन पन्नू और इवानिया पन्नू के साथ अपने 'पन्नू पिंड' ,में खुद की नवीनतम फ़िल्म 'रश्मि रॉकेट' की फुट टैपिंग नम्बर 'घनी कूल छोरी' पर थिरकने लगी तो जैसे फ्रॉम बिगिनिंग टू घाघरा तक का वक्त नाच उठा। 'रश्मि रॉकेट' पन्द्रह अक्टूबर को रिलीज होने वाली फ़िल्म है और इन्ही दिनों नवरात्रि उत्सव की गहमा गहमी भी बढ़ने वाली है। लेकिन डांडिया का सुरूर छाने से पहले ही पिंक गर्ल तापसी तो अभी से उत्सव के मूड में आ गई। अपने इंस्टाग्राम में जो वीडियो उसने शेयर की उसमें तीनों बहनों की मस्ती भरी शरारतें देखी जा सकती है। वीडियो में बहन शगुन पर कैमरा शुरू होकर बहन इवानिया पर शिफ्ट होता है और फिर तापसी की स्टार एंट्री होती दिखती है। इससे पहले भी तीनों बहनों ने अपने मालदीव्स वेकेशन के दौरान ऐसे ही 'बिगिनी शूट' ,पर डांस किया था जो वाइरल हो गया था।
अब अपने इस नए वीडियो को कैप्शन देते हुए तापसी ने लिखा "फ्रॉम बिगिनिंग शूट टू घाघरा' हम सब कुछ साथ साथ करते हैं अपने नवरात्रि ग्राउंड 'पन्नू पिंड' में

एक राजा और एक रानी, रणवीर सिंह और दीपिका के सपनों का महल

'मन चंगा तो कठौती में गंगा' यह साबित कर दिया दीपिका पादुकोण ने जब उसने कहा था कि उसके लिए 'गुड टाइम्स का मतलब है 'पीस ऑफ माइंड ओवर एवरीथिंग।' और उसी पीस ऑफ माइंड को कुछ और आराम देने के लिए पति पत्नी दोनों ने अली बाग के अपने विशाल सी–फेसिंग वेकेशन बंगलो पर काम शुरू किया। दरअसल हाल ही में दीपिका और रणवीर ने मुंबई के नज़दीक बीच–टाउन अलीबाग में अपना एक समुंदर के पास बंगला खरीदा। जब जब उन्हें पीस ऑफ माइंड चाहिए होगी, दोनों हाथों में हाथ डालकर यहीं कुछ दिन आराम करेंगे। नीले समुंदर की ओट में, हरे भरे बगिया में धूप सेंकते। दीपिका और रणवीर आने वाले दिनों में ऐसी ही रिलैक्सिग गुड टाइम की व्यवस्था कर रहें हैं। उस बंगले को सजाने के लिए उनके साथ सेलेब्रिटी इंटीरियर डिजाइनर विनीता चैतन्य भी है। बताया जाता है कि विनीता नें दीपिका और रणवीर की दादर प्रभादेवी स्थित छब्बीस महले पर बने अपार्टमेंट वाले वर्तमान घर को भी डिज़ाइन किया था। पहले लोगों को लगा था कि अलीबाग में बंगला खरीदने की बात अफवाह होगी पर अब लगता है कि ये गप्प सरासर सच हो गयी है। बताया जाता है कि यह बंगला सवा दो एकड़ तक फैला है। पाँच बेडरूम हॉल किचन और दो महले का यह बंगला अलीबाग के सतिरजे में है जहां से खूबसूरत किहिम बीच बस दस मिनट की दूरी पर है। रणवीर फिलहाल फ़िल्म 'रॉकी और रानी की कहानी' ,की शूटिंग कर रहें हैं और दीपिका 'पठान' ,में व्यस्त हैं लेकिन व्यस्तता के बीच दोनों ने अपने सपनों के घर को सजाने का टाइम निकाल ही लिया।

रणबीर कपूर ने आलिया को कैसे बचाया, ?

खबरों के अनुसार रणबीर कपूर ने कहा था, "अगर लॉक डाउन न हुआ होता तो पिछले साल ही हमारी शादी हो गई होती।' लेकिन कहते हैं ना? जब प्यार होता है तो किसी भी तरह मिलते रहने का बहाना मिलता ही रहता है। रणबीर और आलिया भट्ट ने भी वो बहाना और मौका चुरा ही लिया। रणबीर के जन्मदिन पर दोनों ने राजस्थान, जोधपुर में ढेर सारी क्वालिटी टाइम साथ साथ बिताया। झील के तट में, सुनहरे, ठंडे ज़मी पर, एक दूसरे की बाहों में बाहें डाल कर घण्टों कभी नीले झील की हल्की लहरों को गिना कभी एक दूसरे की गोद में सर रखकर आंखों में झांका। सबसे ज्यादा दोनों को मजे करते देखा सबने जोधपुर के पास जवाई में सफारी राइड करते हुए। दोनों जंगल और नेचर को एन्जॉय करने के लिए जंगल के नज़दीक ही होटल में ठहरे थे। वहां से जब वे मुंबई के लिए लौटने लगे तो जोधपुर एयरपोर्ट तक पहुंचने से पहले ही इन पॉपुलर स्टार्स को देखने के लिए पब्लिक की भीड़ उमड़ पड़ी और देखते देखते दोनों हज़ारो फैंस की गिरफ्त में घिर गए। अपनी जान से ज्यादा प्यारी आलिया को परेशानी में देख कर रणबीर एकदम अलर्ट हो गए और किसी तरह खुद को जोखम में डालकर अपनी महबूबा को अपने बाहों के घेरे में समेटते हुए उसे लोगों की आपा धापी से बचाते हुए सुरक्षित तरीके से गाड़ी में बैठा दिया। मुंबई लौटते ही दोनों लव बड्र्स अपने नवनिर्माणधीन कपूर होम को देखने गए। साथ में मोम नीतू कपूर भी थी।

कियारा आडवाणी और वरुण धवन की शरारत, फन और मस्ती

कियारा आडवाणी और वरुण धवन ने अपने नवीनतम फ़िल्म 'जुग जुग जीओ' के सेट पर शूटिंग के साथ साथ खूब मस्ती की जिसका वीडियो बना कर कियारा ने शेयर कर दिया। वीडियो में दोनों दिलजीत दोसाँझ की हालिया ट्रैक 'लवर' की धुन पर खूब नाचते दिखे और वो भी अपने वैनिटी वैन में। इस वीडियो को एक नटखट कैप्शन देते हुए कियारा ने लिखा, "बींग एडल्ट्स" और जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, हर तरफ से खट्टे मीठे कमेंट्स की बरसात होने लगी। किसी ने लिखा, "हा हा हा, नाइट शूट्स का असर' ,तो किसी ने लिखा 'क्या बात है, हॉट एंड कूल जोड़ी'।' इन कमेंट्स पर कियारा की शरारतें कुछ और जवां हो गयी। अभी कुछ समय पहले ही वरुण ने अपने मस्त मस्त बॉडी का जलवा नुमा करते हुए कहा था, "अब अपने लंबे बालों को गुड बाय कहने का वक्त आ गया है क्योंकि मेरी फिल्म 'भेड़िया' की शूटिंग खत्म हो गयी है।" भेड़िया की शूटिंग खत्म करके वरुण, 'जुग जुग जियो' में बड़ी मस्ती में जी रहें है। कियारा और वरुण जानतें हैं कि कैसे शूटिंग की स्ट्रेन और स्ट्रेस को दूर भगाने के लिए थोड़ा सा फन, थोड़ी सी शरारत करके जी को बहलाना चाहिए। इस फ़िल्म की शूटिंग पिछले वर्ष नवम्बर में शुरू हुआ था लेकिन वरुण और नीतू कपूर जब कोविड कि चपेट में आ गए तो कुछ समय काम रोकना पड़ा। नाउ ऑल इज वेल।

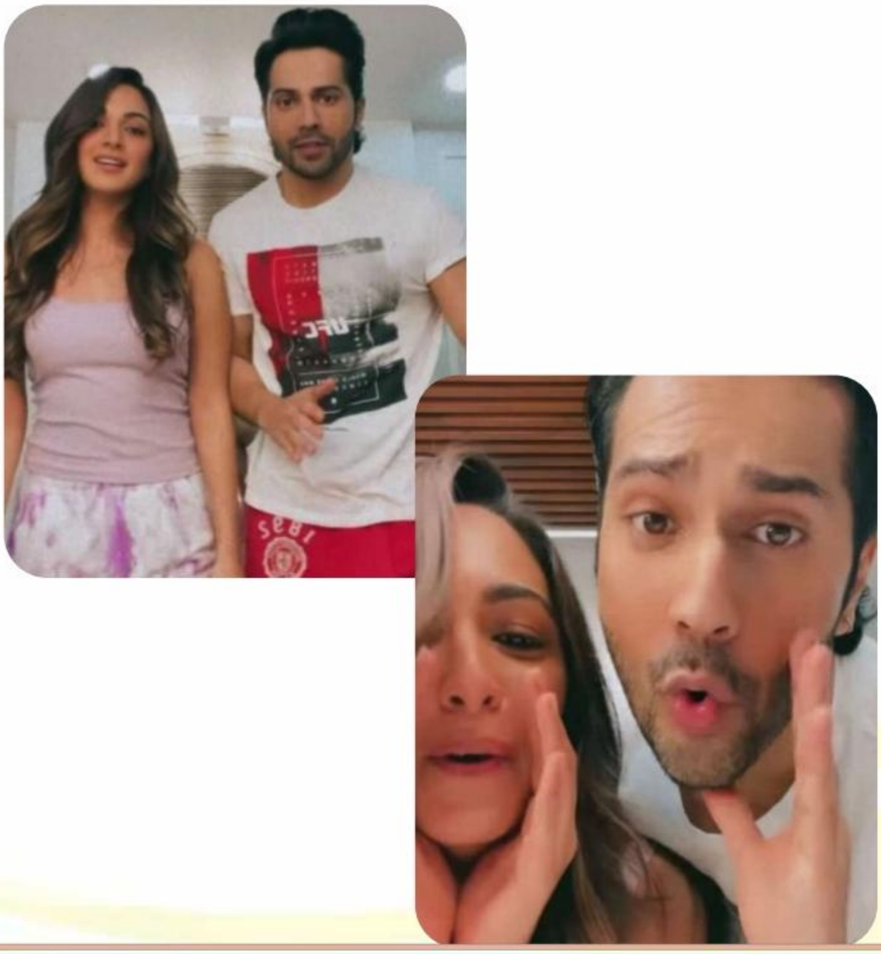

अनुपम खेर फिल्म 'साँचा' की स्टोरी सुनकर काम करने को राजी हुए थे निर्माता विवेक दीक्षित

– संतोष राज

अनुपम खेर, रघुवीर यादव, मुकेश तिवारी, विजय राज, सुधा चंद्रन जैसे कलाकारों के कमाल के अभिनय से सजी फ़िल्म साँचा एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुई है जिसे दर्शकों का बहुत ही अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फ़िल्म में अनुपम खेर का किरदार काफी पसंद किया जा रहा है, और उनकी नेचुरल एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है।

फ़िल्म 'साँचा' के निर्माता विवेक दीक्षित ने**अनुपम खेर** से जुड़ी कई बातें बताईं। उन्होंने कहा कि चूंकि फ़िल्म की कहानी मैंने ही लिखी है, इसलिए कहानी अनुपम खेर को मैंने सुनाई थी, उन्हें कहानी बेहद पसंद आई। उन्होंने दिल से इसमे अदाकारी की। फ़िल्म भी उन्हें काफी अच्छी लगी। फ़िल्म की शूटिंग हमने राजपिपला, महाराष्ट्र में की थी। अनुपम खेर का बहुत सपोर्ट हासिल रहा। फ़िल्म को लेकर अनुपम खेर का कहना है कि यह एक बहुत अच्छी रियलिस्टिक फ़िल्म है, इसे लोगों को देखना चाहिए।

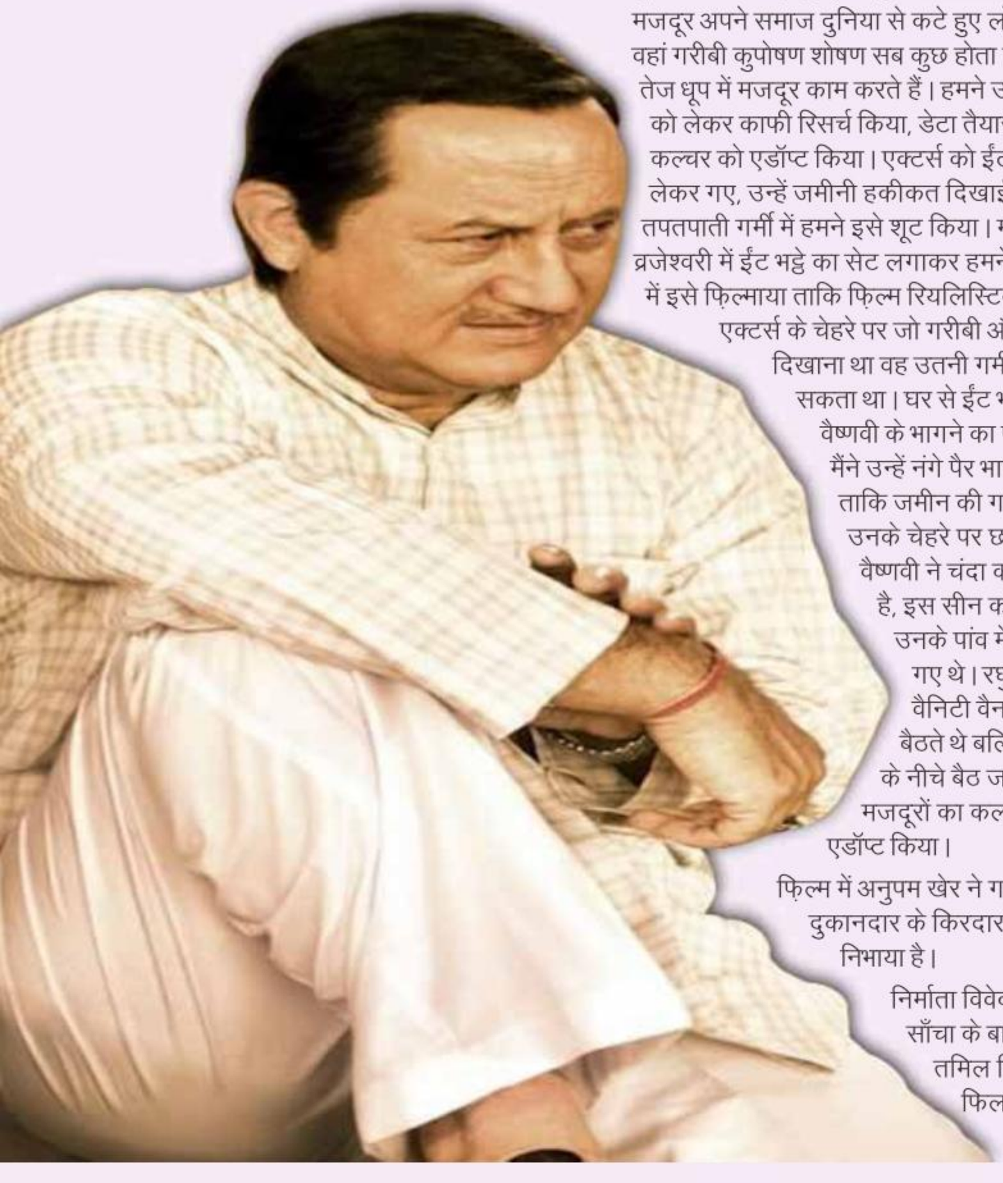

प्रोड्यूसर **विवेक दीक्षित** ने बताया कि यह अच्छे कंटेंट का ज़माना है। ओटीटी ने पूरा परिदृश्य बदल दिया है। लोग साँचा काफी देख रहे हैं, तारीफ कर रहे हैं। ईंट भट्ठों पर काम करने वाले मजदूर अपने समाज दुनिया से कटे हुए लोग होते हैं। वहां गरीबी कुपोषण शोषण सब कुछ होता है। इतनी तेज धूप में मजदूर काम करते हैं। हमने उस स्थिति को लेकर काफी रिसर्च किया, डेटा तैयार किया, उस कल्चर को एडॉप्ट किया। एक्टर्स को ईंट भट्ठे पर लेकर गए, उन्हें जमीनी हकीकत दिखाई। जून की तपतपाती गर्मी में हमने इसे शूट किया। महाराष्ट्र के व्रजेश्वरी में ईंट भट्ठे का सेट लगाकर हमने सख्त गर्मी में इसे फ़िल्माया ताकि फ़िल्म रियलिस्टिक लगे। एक्टर्स के चेहरे पर जो गरीबी और दर्द दिखाना था वह उतनी गर्मी में ही आ सकता था। घर से ईंट भट्ठे तक वैष्णवी के भागने का एक सीन था, मैंने उन्हें नंगे पैर भागने को कहा ताकि जमीन की गर्मी की शिद्दत उनके चेहरे पर छलके। वैष्णवी ने चंदा का रोल किया है, इस सीन को करने में उनके पांव में छाले पड़ गए थे। रघुबीर यादव वैनिटी वैन में नहीं बैठते थे बल्कि वहीं पेड़ के नीचे बैठ जाते थे। मजदूरों का कल्चर उन्होंने एडॉप्ट किया।

फ़िल्म में अनुपम खेर ने गांव के एक दुकानदार के किरदार को बखूबी निभाया है।

निर्माता विवेक दीक्षित ने साँचा के बाद एक तमिल फिल्म बनाई, फिलहाल वह एक और हिंदी फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। उसकी कहानी रेडी है। वह सोशल ईशु पर बेस्ड फ़िल्म बनाना पसन्द करते हैं। रियलिस्टिक और सन्देश देने वाली फिल्म बनाते हैं। ऐसा सिनेमा जिससे समाज को कुछ दे पाए।

आपको बता दें कि फिल्म "साँचा" के निर्देशक आलोक नाथ दीक्षित, निर्माता : विवेक दीक्षित, हैं। रामखिलावन के रोल में अनुपम खेर ने जान डाल दी है। सामाजिक ईशु और सोसाइटी के कड़वे सच पर बेस्ड यह एक उम्दा सिनेमा है। फ़िल्म एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम की जा रही है, आप देख सकते हैं।

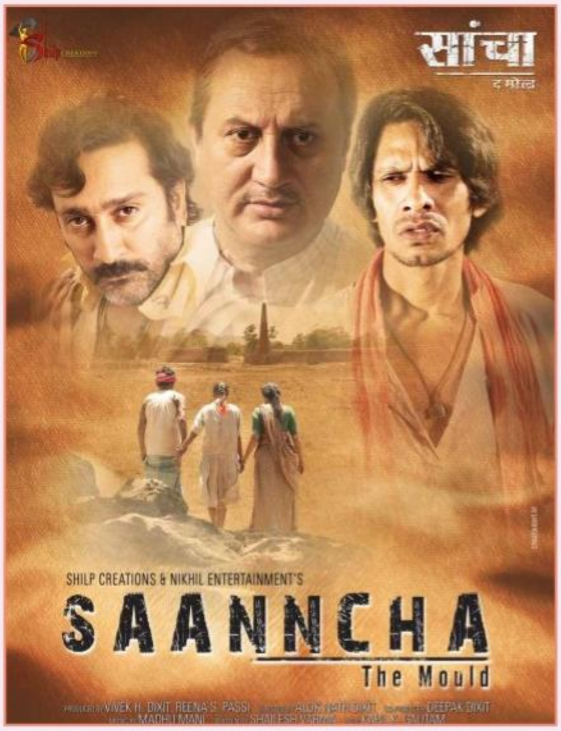

अर्पित दधीच और एंजेल राय ने जीता #TakaTakStar चैलेंज

ज्योति वेंकटेश

TakaTak Hashtag
Challenges
Participate and win
Exciting
Prizes
MX Takatak

MX TakaTak
Indias Most Popular
Short Video App

एक क्रिएटर फर्स्ट प्लेटफॉर्म के रूप में, **एमएक्स टकाटक** का हमेशा से ही अपने क्रिएटर समुदाय को प्रसिद्धि पाने के अवसर जीवन में एक बार देकर पोषित करने का रहा है। नवोदित डिजिटल उत्साही लोगों के लिए इस वादे को पूरा करने के हिस्से के रूप में, एमएक्स टकाटक ने भारत के प्रमुख सौंदर्य प्रतियोगिताओं में से एक–LIVA मिस दिवा के साथ–साथ एमएक्स समुदाय के शीर्ष 20 प्रतियोगियों के लिए #TakaTakStar चैलेंज लॉन्च किया! इस चुनौती के लिए 2 विजेताओं, अर्पित दधीच (मिस्टर टकाटक के रूप में ताज पहनाया गया) और एंजेल राय (सुश्री टकाटक) को लीवा मिस दिवा विजेताओं से मिलने और प्रतिष्ठित ग्रैंड फिनाले का हिस्सा बनने का मौका मिलता है और साथ ही बाद में एमटीवी पर भी शामिल होता है। समारोह का!

यूजर जेनरेटेड कंटेंट को बढ़ाने पर ध्यान देने के साथ, चुनौती ने उपयोगकर्ताओं को 3 मजेदार और विषयगत मापदंडों– #RampWalk, #FitAndFab और #ILoveTakaTak पर आंका। पहली चुनौती #RampWalk के एक भाग के रूप में, प्रभावितों से अपेक्षा की गई थी कि, वे ट्यूटोरियल, ब्लूपर्स या यहां तक कि कॉमिक वीडियो के रूप में रैंप पर चलने का अपना संस्करण तैयार करेंगे! एक स्वस्थ जीवन शैली की खेती करना, दूसरी चुनौती #FitAndFab, के लिए उपयोगकर्ताओं को अपने कसरत और फिटनेस वीडियो पोस्ट करने की आवश्यकता है और अंत में, तीसरी चुनौती #ILoveTakaTak में प्रतिभागियों ने अपने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए मंच के लिए अपने प्यार का इजहार किया! एक समावेशी समुदाय बनाना, #TakaTakStar चुनौती लिंग–अज्ञेयवादी है, दर्शकों के व्यापक समूह के भाग लेने का मार्ग प्रशस्त करती है!

चुनौती के एक भाग के रूप में–#RampWalk, एंजेल राय ने **'मचायेंगे'** के ट्रेंडिंग ऑडियो क्लिप पर अपने शानदार वॉक के साथ एक वीडियो बनाया , जिससे उन्हें लगभग 130K लाइक्स हासिल करने में मदद मिली। एमएक्स टकाटक प्लेटफॉर्म पर क्रिएटर के 25.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं और #ILoveTakaTak चैलेंज के लिए अर्पित दधीच ने एक वीडियो बनाया जहां उन्होंने अपने कारणों से प्लेटफॉर्म के लिए अपने प्यार का इजहार किया। एमएक्स टकाटक प्लेटफॉर्म पर क्रिएटर के 12 हजार फॉलोअर्स हैं, जहां वह एक्टिंग और डांसिंग वीडियो बनाता है।

#TakaTakStar चुनौती सभी फैशन उत्साही और रचनाकारों के लिए एक शानदार अवसर था। मैं भाग्यशाली हूं कि न केवल इसका हिस्सा बना, बल्कि चुनौती को भी जीता। मैं सभी प्रतिभागियों को बधाई देता हूं और एमएक्स टकाटक के खिताब से मेरी प्रतिभा को पहचानने के लिए मैं एमएक्स टकाटक का आभारी हूं", विजेता **एंजेल राय** ने कहा।

चुनौती जीतने पर **अर्पित दधीच** ने कहा, "एमएक्स टकाटक मेरे जीवन का सबसे मजबूत स्तंभ रहा है क्योंकि इसने मुझे अपने अभिनय और नृत्य कौशल को चित्रित करने के लिए एक मंच दिया है। मुझे नए दर्शकों के साथ जुड़ने का मौका मिला है जो मेरी सामग्री को पसंद करते हैं और इस चुनौती को जीतकर मिस्टर टकाटक का ताज पहनाया जाना मुझे बेहद खुशी देता है। मैं राष्ट्रीय टीवी पर आने और लीवा मिस दिवा विजेताओं से मिलने के लिए उत्साहित हूं।"

लीवा मिस दिवा 2021, एमएक्स टकाटक द्वारा सह–पावर्ड, युवा, आत्मविश्वास से भरी महिलाओं के लिए एक मंच प्रदान करने के अपने निहित दर्शन के लिए सच है, तूफान से दुनिया को लेने के लिए तैयार है और चुनौती #TakaTakStar ने ऐसी प्रतिभाओं के लिए एक अवसर बनाकर समान मूल्यों का प्रदर्शन किया।

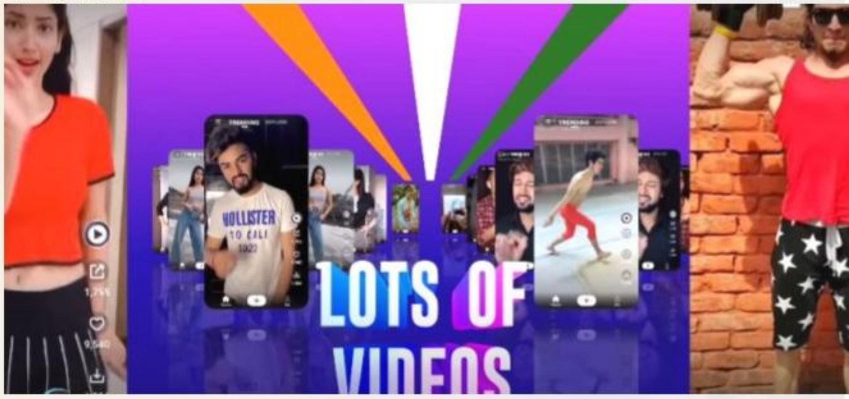

'आजकल ज्यादातर फिल्मों हीरोइनों के लिए कुछ होता नहीं है, सिवाय ग्लैमर परोसने के

–आरुषी शर्मा

प्रस्तुतिः–संजय राज शर्मा

धारावाहिक **'जग जननी माँ वैष्णोदेवी'**, **'मुस्कान'** जैसे धारावाहिको में एक्टिंग करके टीवी जगत में अपनी छाप छोड़नेवाली बहुमुखी प्रतिभाशाली अभिनेत्री **आरुषी शर्मा** का आज कल **'दंगल टीवी'** पर धारावाहिक **'रंजू की बेटियां'** प्रसारित हो रहा है, जोकि दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है!धारावाहिक में उनकी 'मुस्कान' की भूमिका को काफी सराहा जा रहा है!

अभिनेत्री आरुषी शर्मा अपने रोल के बारे में कहती है,''इसमें मैं रंजू की तीसरी बेटी बनी हूँ। मेरी माँ हम चार बहनों को पालती है, मेरे पिता माँ को छोड़ कर ललिता मिश्रा (दीपशिखा) के पास चले जाते है और वह हमारे परिवार को परेशान करती है। अभी तक मेरा किरदार एक भोलीभाली व चुटकीले अंदाज वाला था। लेकिन अब मेरा किरदार अलग तरह का होगा, जोकि दर्शकों को हैरान कर देगा। यह टवीस्ट लोगो को पसंद आएगा।''

फिल्मों में काम करने के बारे में आरुषी कहती है,'' मैं साउथ की फिल्म साइन किया था, लेकिन करोना की वजह से शुरू नहीं हो पाई। शायद जल्द ही शुरू होगी। वैसे 'पार्ले हाइड एंड सीक' व 'टाटा टियागो कार' इत्यादि का विज्ञापन किया था , जिससे काफी फायदा हुआ। मैं केवल अच्छे व चैलेंजिंग कैरेक्टर करना चाहती हूँ। बातचीत तो काफी होती है, लेकिन आजकल ज्यादातर फिल्मों हीरोइनों के लिए कुछ होता नहीं है, सिवाय ग्लैमर परोसने के, उससे अच्छा तो एक्टिंग का स्कोप धारावाहिकों में होता है।''

मीत के शादी वाले सीक्वेंस के लिए आशी सिंह ने पहना अपनी रील लाइफ मां का वेडिंग आउटफिट कहा, ''ये हम दोनों के लिए ही एक खास पल था और मैंने सोचा कि यह इस अनोखी शादी में चार चांद लगा देगा''

–ज्योति वेंक्टेश

ज़ी टीवी के ताजातरीन फिक्शन शो 'मीत' ने अपने प्रीमियर से ही दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना ली है। इस शो में मीत (आशी सिंह) की कहानी है, जो देश भर की ऐसी बहुत–सी महिलाओं की झलक दिखाती है, जो काम और जिम्मेदारियों के मामले में लैंगिक भेदभाव का सामना कर रही हैं। जहां इस शो ने दर्शकों में जागरुकता पैदा की है और सभी इसकी प्रमुख नायिका की तारीफ कर रहे हैं, वहीं अब कहानी में आया नया मोड़ सभी की दिलचस्पी और बढ़ा देगा।

आने वाले एपिसोड्स में मीत हुड्डा (आशी सिंह) की शादी मीत अहलावत (शगुन पांडे) से होने जा रही है क्योंकि मीत हुड्डा की बहन घर से भाग जाती है। वैसे तो यह शादी बड़ी अजीब परिस्थितियों में होगी, लेकिन मीत का ब्राइडल लुक सभी का मन मोह लेगा। आशी इस सीक्वेंस के लिए हाल ही में दुल्हन की तरह सजी नजर आई, जिसमें उन्होंने लाल और हरे रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी। हालांकि खास बात यह है कि यह साड़ी असल में उनकी ऑनस्क्रीन मां वैष्णवी मैकडोनाल्ड की है, जिसे उन्होंने भी पर्दे पर अपनी शादी के लिए पहनी थी। है ना कमाल? इस साड़ी में आशी वाकई बहुत खूबसूरत नजर आई, हालांकि शुरुआत में आशी को इस बात की फिक्र थी कि वो छोटे बालों के साथ वेडिंग सीक्वेंस कैसे कर पाएंगी, लेकिन अब लगता है कि उन्हें यह लुक बहुत पसंद आया।

आशी बताती हैं, ''मीत में अपने वेडिंग लुक के लिए मैंने जो साड़ी पहनी है, वो असल में मेरी ऑनस्क्रीन मां वैष्णवी मैकडोनाल्ड की साड़ी है, जिसे उन्होंने अपनी रील लाइफ वेडिंग के लिए पहनी थी। मुझे यह बहुत पसंद आई। ये हम दोनों के लिए ही बेहद खास पल था। मैंने सोचा कि ये साड़ी इस अनोखी शादी में चार चांद लगा देगी। यह बहुत ही सिंपल और खूबसूरत साड़ी है, जिसे मैं अपनी रियल लाइफ में भी पहनना पसंद करूंगी। जैसा कि आप जानते हैं कि मीत का किरदार बड़ा सीधा–सादा है, तो ये कहानी के साथ भी बखूबी मेल खाती है। असल में मुझे भारी भरकम ज्वेलरी और आउटफिट्स पहनकर बड़ा असहज लगता है, लेकिन यह परफेक्ट था। मुझे इस बात की फिक्र थी कि ब्राइडल अवतार में मीत के छोटे बाल कैसे दिखेंगे, लेकिन मुझे खुशी है कि यह बहुत बढ़िया नजर आए और मैं इसे बखूबी निभा सकी। मीत बाकी की दुल्हनों की तरह ही सुंदर नजर आई। अब वो शादी करके अपनी जिंदगी के एक नए चरण में कदम रख रही है।''

वैसे हम भी आशी को ब्राइडल लुक में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। हालांकि आने वाले एपिसोड्स में दर्शकों को कुछ और भी रोमांचक मोड़ देखने को मिलेंगे, जब मीत हुड्डा की शादी मीत अहलावत से होगी।

आगे क्या होगा, जानने के लिए देखिए मीत, हर सोमवार से शनिवार शाम 7:30 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।

&TV'S HAPPU KI ULTAN PALTAN CROSSES THE 600-EPISODE LANDMARK

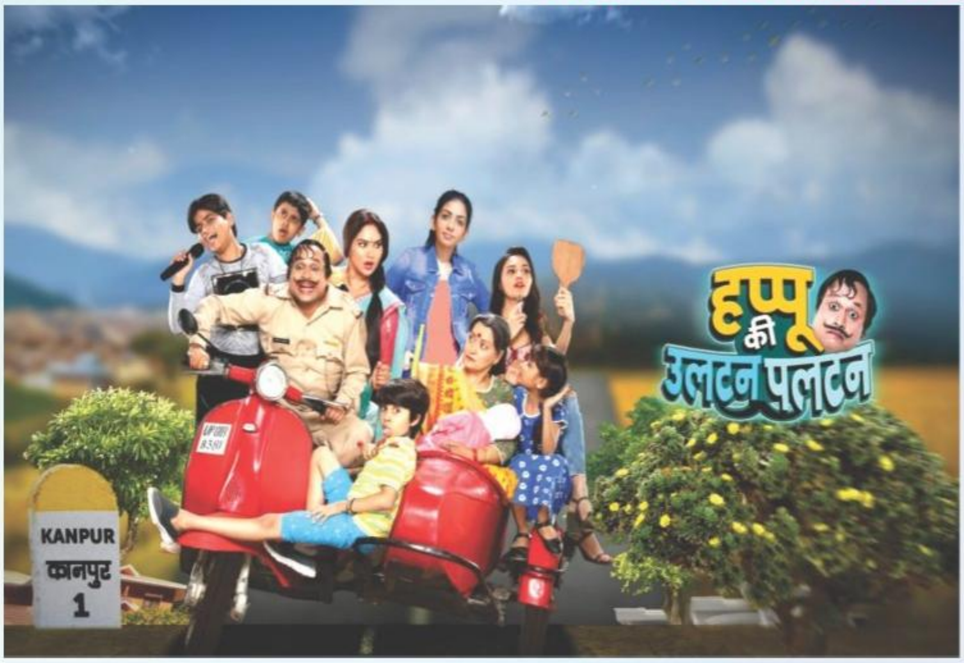
हप्पू की उलटन पलटन
KANPUR
कानपुर
1

Congratulations

KASHI KASHYAP, ANJALI PANDEY, AJAY KUMAR SONI, KHUSHBU VAIDYA, MANALI CHATURVEDI, SHHAILENDRA KKUMAR,AT THE LAUNCH OF MUSIC VIDEO TERE BINA, PRODUCER AJAY KUMAR SONI, CO PRODUCER SHHAILENDRA KKUMAR, PRODUCTION HOUSE ..SEVEN HORSES STUDIO

Pics by : Rakesh Dave

नवरात्रि त्योहार में भक्तों को झूमने पर मजबूर करने को तैयार गोलू गोल्ड और नीलम गिरी का देवी गीत 'चुनरिया सासाराम के'

—सुलेना मजुमदार अरोरा

नवरात्रि करीब आते ही देवी के भक्ति गीत डिमांड में आ जाते हैं। सिर्फ भक्त ही नहीं बल्कि हर कोई देवी के भजन गाने और सुनने लगते है। ऐसे में देवी के भक्तों का उत्साह बढ़ाने के लिए, भोजपुरी इंडस्ट्री से नए नए देवी गीत रिलीज होते रहते हैं। इसी कड़ी में श्रद्धालुओं में भक्ति की अलख जगाने के लिए भोजपुरी के विख्यात लोक गायक गोलू गोल्ड अपना नया देवी गीत लेकर आ गए हैं। इसके बोल हैं 'चुनरिया सासाराम' जिसे वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स भोजपुरी पर रिलीज किया है। जो रिलीज के साथ ही हर भोजपुरिया दर्शक की जुबान पर चढ़ गया है।

'चुनरिया सासाराम' देवी गीत को प्रसिद्ध गायक और कलाकार गोलू गोल्ड तथा भोजपुरी इंडस्ट्री की ट्रेंडिंग गर्ल तथा करोड़ों दिलों की धड़कन नीलम गिरी पर फिल्माया गया है। दोनों की सोशल मीडिया पर अपनी अपनी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। जो गानों को कुछ ही समय में मिलियन क्लब में शामिल करा देते हैं। नीलम गिरी सोशल मीडिया में काफी ज्यादा एक्टिव रहती है। उन्होंने कम समय में ही इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना ली है।

सिंगर गोलू गोल्ड ने बताया कि "देवी में उनकी गहरी श्रद्धा है. यही कारण है कि हम हर साल माता के श्रीचरणों में कुछ गीत अर्पित करते हैं। आगे भी हम माता के गाने लाते रहेंगे। साथ ही हम माता रानी से प्रार्थना करते हैं कि वो सभी का कल्याण करे।"

बातचीत के दौरान नीलम गिरी ने कहा कि "माता रानी के गानों में परफॉर्म करके मुझे बहुत खुशी महसूस होती है। क्योंकि माता रानी में मेरी गहरी आस्था है। नवरात्रि शुरू होने को है और ऐसे में ये देवी गीत भक्तों में नया उत्साह भर देने वाला है।"

वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स भोजपुरी के एमडी रत्नाकर कुमार ने कहा कि "'चुनरिया सासाराम के' में गोलू गोल्ड और नीलम गिरी बहुत ही शानदार लग रहे हैं। दोनों का ये देवी गीत इंडस्ट्री में धमाल मचा रहा है।" वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स भोजपुरी प्रस्तुत 'चुनरिया सासाराम के', के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। इस गीत के लेखक अरविंद निषाद, तो वहीं संगीत दिया है एडीआर आनंद ने, गीत का निर्देशन सुमित भारद्वाज ने किया और कोरियोग्राफर हैं गोल्डी जैसवाल व बॉबी जैक्सन। प्रोडक्शन हेड पंकज सोनी और एडिटिंग की जिम्मेदारी मीत जी ने संभाली है।

विद्युत जामवाल–स्टारर खुदा हाफिज चैप्टर 2 – अग्नि परीक्षा का लखनऊ शेड्यूल हुआ पूरा '

–मायापुरी प्रतिनिधि

2020–21 की अनिश्चितताओं को मात देते हुए, पैनोरामा स्टूडियोज के खुदा हाफिज चैप्टर 2 – अग्नि परीक्षा ने धमाकेदार तरीके से अपनी शूटिंग शुरू की थी और अब इसने लखनऊ में अपना शेड्यूल पूरा कर लिया है, जिसकी झलक कैंडिड तस्वीरों में देखी जा सकती है, जिसमें फिल्म के निर्देशक फारुक कबीर को लीड एक्टर विद्युत जामवाल के साथ बैठे हुए देखा जा सकता है। ऐसे में निर्देशक ने अपने सोशल मीडिया पर एक क्लैपबोर्ड की तस्वीर भी अपलोड की है, जिसके द्वारा रैप–अप की घोषणा की गयी है। उनके निर्देशन ने लगभग 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी कर ली है और शेष भाग को आने वाले दिनों में गहन रूप से शूट किया जाएगा। विद्युत जामवाल और शिवालिका ओबेरॉय स्टारर, आगामी फिल्म दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर रही है, क्योंकि निर्देशक और मुख्य कलाकार पर्दे के पीछे के मनोरंजक क्षणों को साझा करते आए हैं।

फिल्ममेकर फारूक कबीर का मानना है कि, '' मुझे कहते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हमने लखनऊ में बहुत ही बेहतरीन समय बिताया है। हम करीब २ महीने से एक परिवार की तरह रह रहे थे। फिल्म से जुड़ी टीम निर्धारित किए गए समय के अंतर्गत शूटिंग पूरी करने का पूरा प्रयत्न कर रही थी। फिल्म से जुड़े सभी लोगों को यह भरोसा है की वे बहुत जल्द दर्शकों के समक्ष एक प्यारी सी इंटेंस एक्शन लव स्टोरी लेकर आएंगे।''

पैनोरामा स्टूडियोज इंटरनेशनल द्वारा प्रस्तुत खुदा हाफिज चैप्टर 2 – अग्नि परीक्षा, एक पैनोरामा स्टूडियोज प्रोडक्शन है जो फारूक कबीर द्वारा लिखा और डायरेक्ट किया जा रहा है। यह फिल्म कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक द्वारा निर्मित और संजीव जोशी, आदित्य चौकसी और हसनैन हुसैनी द्वारा सहनिर्मित की जायेगी। इस फिल्म में प्रीतम का म्यूजिक होगा जिसके बोल इर्शाद कामिल द्वारा लिखे जायेंगे। इस फिल्म में विद्युत जामवाल और शिवालीका ओबेरॉय अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के दूसरे चैप्टर में विद्युत जामवाल और शिवालिका ओबेरॉय ऐसा किरदार निभा रहे हैं जो परिस्थितियों और समाज द्वारा उत्पन्न की गई चुनौतियों का सामना करते है। यह एक इंटेंस एक्शन लव स्टोरी हैं।

LISTEN TO THE LIES BY NO GREY AREA COLLECTION LAUNCH AT CURATO, MUMBAI

Arnav Malhotra and Krystle D'souza

Erika Packard and Arnav Malhotra

Keith Sequeira and Rochelle Rao Sequeira

Usaamah Siddique and Meghna Kaur

Sarang Patil, Ankit Aroram, Karishma Rawat and Daizy Batra

Sajjad Khan

Giogia Andriani

Chaitanya Dixit

Jamal Shaikh, Usaamah Siddique and Arnav Malhotra

Suved Lohia, Ritik Bhasin and Sinan Kader

Tanvi Shah, Shenaz Tresaurym Arjun Kanungo and Sinan Kade

Vedant Lamba and Chaitanya Dixit

Sinan Kader, Tanvi Shah, Shenaz Treasury, Elixir Naha

Sanjay Kumar Dauhaliya

Krystle D'souza

Sarang Patil

Usaamah Siddique

Ray and Sohail Nathani

Usaamah Siddique, Arnav Malhotra, Ritik Bhasin and Sinan Kader

ANNIE MUNJAL (DIRECTOR) & NEENA SINGH (HEAD COUNSELLOR) HOSTS THE 6TH EDITION OF STAR ACADEMY FACEOFF CHAMPIONSHIP

Creations By Students
Of Star Salon Academy

Aman Yatan Verma and
Annie Munjal

Neena Singh, Head Consellor
Star Salon Academy With
Lieut. Rita Gangwani

Neena Singh, Aman Verma and Annie Munjal

CELEBS TALK TO JYOTHI VENKATESH ABOUT THEIR FAVORITE TOURIST DESTINATION AND THE THINGS THEY ALWAYS CARRY WITH THEM WHILE TRAVELLING

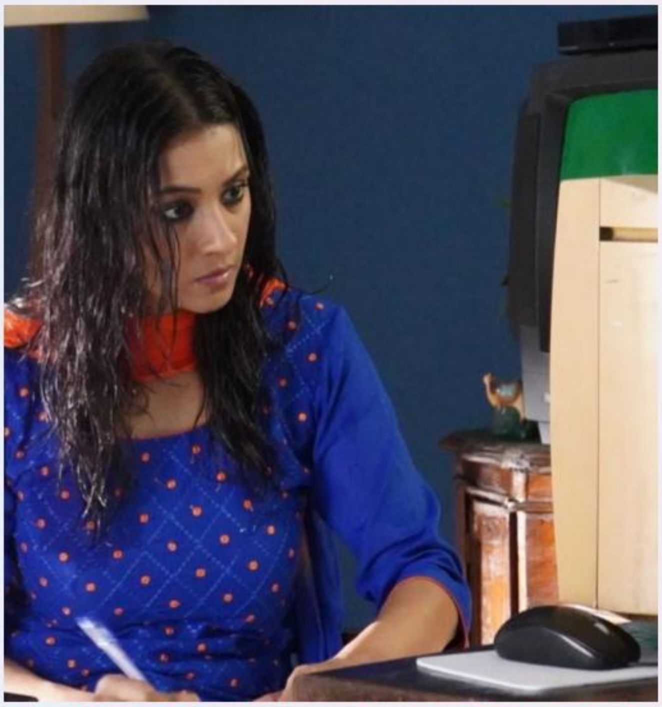

IT WAS THE SCRIPT THAT DROVE ME TOWARDS THE SHOW–BARKHA BISHT ON COLLABORATING FOR TENTATIVELY TITLED NAAM GHUM JAYEGA

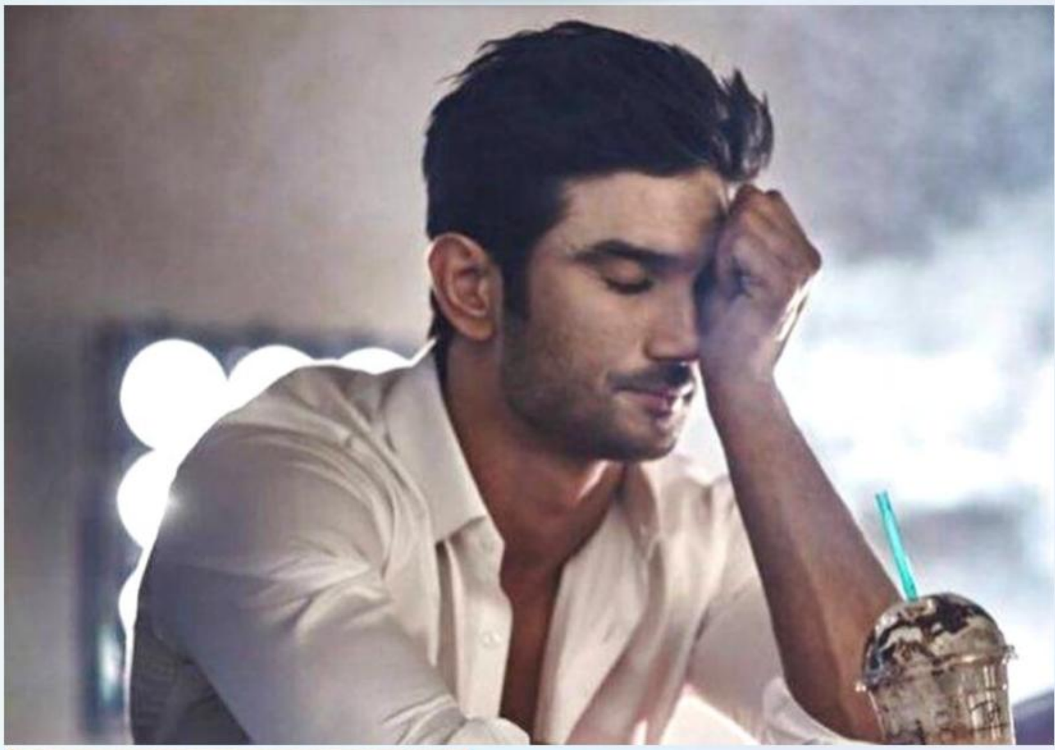

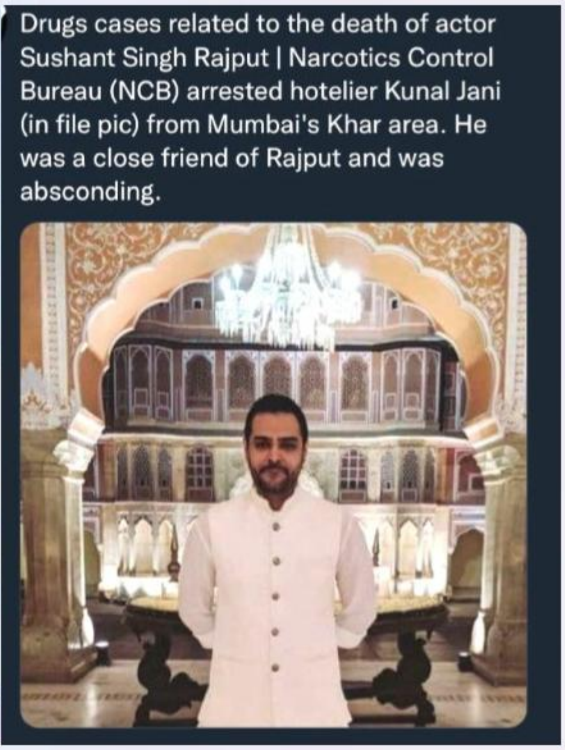

Drugs cases related to the death of actor Sushant Singh Rajput | Narcotics Control Bureau (NCB) arrested hotelier Kunal Jani (in file pic) from Mumbai's Khar area. He was a close friend of Rajput and was absconding.

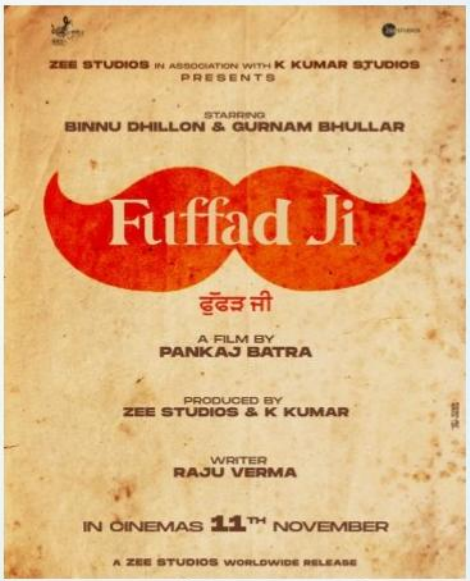
ZEE STUDIOS IN ASSOCIATION WITH K KUMAR STUDIOS
PRESENTS
STARRING
BINNU DHILLON & GURNAM BHULLAR
Fuffad Ji
ਫੁੱਫੜ ਜੀ
A FILM BY
PANKAJ BATRA
PRODUCED BY
ZEE STUDIOS & K KUMAR
WRITER
RAJU VERMA
IN CINEMAS 11TH NOVEMBER
A ZEE STUDIOS WORLDWIDE RELEASE

जी स्टूडियोज की अगली पंजाबी फिल्म 'फुफड़ जी' 11 नवंबर 2021 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

'पुवाड़ा' और **'किस्मत 2'** को मिली जबरदस्त सफलता के बाद जी स्टूडियोज ने और एक पंजाबी फिल्म **'फुफड़ जी'** की घोषणा की है। **बिन्नू ढिल्लों** और **गुरनाम भुल्लर** अभिनीत यह फिल्म 11 नवंबर, 2021 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

इस खास खबर का ऐलान करने के लिए निर्मातओं ने फिल्म का एक पोस्टर जारी किया है। एक दिल को छू लेने वाली यह पीरियड ड्रामा फिल्म 'फुफड़ जी' का लेखन राजू वर्मा और निर्देशन पंकज बत्रा ने किया है। इस फिल्म में सिद्धिका शर्मा और जैस्मीन बाजवा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगी!

SAMEER DHARMADHIKARI YEARNS FOR MAA KE HAATH KE GULAB JAMUN

SUSHANT KANDYA'S ENTRY AS SPECIAL AGENT AMBAR RAWAT TO EVOKE NEW TWISTS AND TURNS IN SONY SAB'S ZIDDI DIL – MANNE NA

'मेरी डोली मेरे अंगना' के आस्था अभय ने 21वीं सदी में हो रहे भेदभाव के बारे में बताया

—मायापुरी प्रतिनिधि

एक दशक पहले, हमारे पास ऐसे उज्ज्वल भविष्य के लिए एक दृष्टि थी – उड़ने वाली कारें, कृत्रिम बुद्धि और सबसे महत्वपूर्ण, पूर्वाग्रह और पूर्वाग्रह से मुक्त दुनिया। जबकि हम अभी भी यह सब हासिल करने से कुछ समय दूर हैं, अच्छी खबर यह है कि हमारे पास दूरदर्शी और राय के नेता हैं जो विचारधारा में बदलाव लाने के लिए बदलाव लाते हैं। हाल ही में लॉन्च किया गया शो 'मेरी डोली मेरे अंगना' आज के युवाओं के सपनों और इच्छाओं को प्रदर्शित करने वाले सामाजिक मानदंडों और परंपराओं जैसे विषयों पर प्रकाश डालने के लिए भारतीय भीतरी इलाकों से एक प्रेरक लेकिन संबंधित कथा को सामने लाने का प्रयास करता है।

MXPLAYER
DOWNLOAD NOW
MXPLAYER
DOWNLOAD NOW

शो से आस्था अभय ने कहा, "हालांकि हमने काफी प्रगति कर ली है, हम वास्तविकता से बहुत दूर हैं। हम 21वीं सदी में जी रहे हैं लेकिन हमारी संस्कृति के सभी हिस्सों में भेदभाव अभी भी व्याप्त है। यह 'ऐसा ही होना चाहिए' की आड़ में हमारी सदियों पुरानी विचारधाराओं में छा गया है। समय आ गया है कि हम इस पर सवाल उठाएं और एक प्रगतिशील माहौल तैयार करें। मेरा किरदार जानकी इस देश की कई महिलाओं का थूकने वाला प्रतिबिंब है, जो निस्संदेह इस शो को देखने और सुनने के बाद महसूस करेंगी।

मेरी डोली मेरे अंगना में एक अनुभवहीन और शालीन बेटी से एक अनुभवी बहू तक जानकी की यात्रा को दर्शाया गया है, जो जटिल परिस्थितियों और रिश्तों को प्रबंधित करना सीखती है, जबकि यह महसूस करते हुए कि पारंपरिक सांस्कृतिक मानक जो एक बेटी और एक बहू के बीच भेदभाव करते हैं, अभी भी बने हुए हैं। .

वास्तविक भावनाएं, वास्तविक जीवन नोक–झोंक, कठोर परंपराओं पर आशा की विजय, यह शो बहुत सारे भारतीय घरों में गूंजेगा ।

अब आप मेरी डोली मेरे अंगना और पवित्र भरोसा का सफर को एमएक्स प्लेयर और आजाद पर हर सोमवार से शनिवार को क्रमशः रात 9 बजे और रात 9.30 बजे स्ट्रीम कर सकते हैं। आप मांग पर शो मुफ्त में भी देख सकते हैं, विशेष रूप से केवल एमएक्स प्लेयर पर।

MX PLAYER
DOWNLOAD NOW
आज़ाद ओरिजनल
मेरी डोली मेरे अंगना
सोम से शनि
XPLAYER
MX PLAYER
DOWNLOAD NOW
मेरी डोली मेरे अंगना

प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक डॉ. हरविन्द्र मांकड़ सम्मानित

प्रसिद्ध फिल्म निदेशक, कार्टूनिस्ट, स्क्रिप्ट राईटर डॉ.हरविन्द्र मॉंकड़ को आज विद्याधाम (यू.एस.ए.) ने ' भारतीय संस्कृति संवाहक अवॉर्ड 2027 ' से सम्मानित किया। यह सम्मान आज गांधी स्मारक भवन सैक्टर 16, चंडीगढ़ के प्रांगण में विद्याधाम (यू.एस.ए.) की अध्यक्षा डॉ. सरिता मेहता की अध्यक्षता में दिया गया जिसमें चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर रविकांत शर्मा, कमिश्नर नगर निगम आनंदिता मित्रा, देवराज त्यागी, प्रेम विज, डॉ. विनोद शर्मा, मीता खन्ना, कंचन त्यागी, पापिया चक्रवर्ती, आनन्द राव, अमित, महेंद्र सिंह, विक्की इत्यादि उपस्थित थे।. हरविन्द्र मॉंकड़ जाने माने फिल्म निदेशक हैं, इन्होंने मोटू –पतलू चरित्र के लेखक व कार्टूनिस्ट एवं बॉलीवुड की जानी मानी हस्ति हैं ! सम्मान में उन्हें प्रशस्ति पत्र, दुशाला और गुलदस्ता भेंट किया गया।

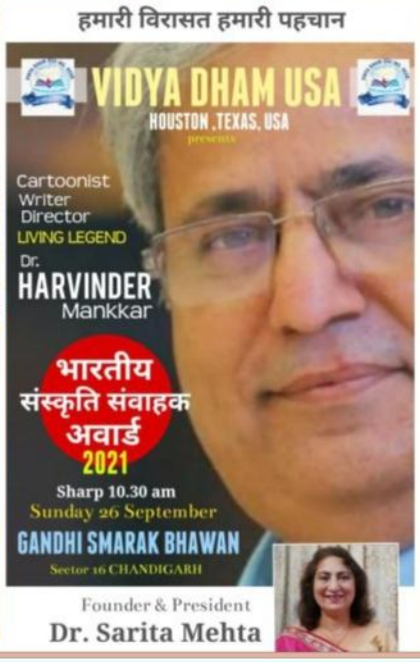

हमारी विरासत हमारी पहचान

VIDYA DHAM USA
HOUSTON ,TEXAS, USA
presents

Cartoonist
Writer
Director
LIVING LEGEND
Dr.
HARVINDER
Mankkar

भारतीय
संस्कृति संवाहक
अवार्ड
2021

Sharp 10.30 am
Sunday 26 September
GANDHI SMARAK BHAWAN
Sector 16 CHANDIGARH

Founder & President
Dr. Sarita Mehta

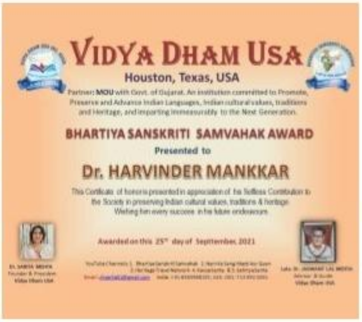

VIDYA DHAM USA
Houston, Texas, USA
Partner: MOU with Govt. of Gujarat. An institution committed to Promote, Preserve and Advance Indian Languages, Indian cultural values, traditions and Heritage, and imparting immeasurably to the Next Generation.

BHARTIYA SANSKRITI SAMVAHAK AWARD
Presented to
Dr. HARVINDER MANKKAR

This Certificate of honor is presented in appreciation of his Selfless Contribution to the Society in preserving Indian cultural values, traditions & heritage. Wishing him every success in his future endeavours.

Awarded on this 25th day of September, 2021

KAPIL SHARMA CHEATING CASE

CAR DESIGNER DILIP CHHABRIA'S SON ARRESTED

KAPIL, HAD INFORMED THE POLICE THAT HE HAD PAID CHABBRIA, WHO OWNS DILIP CHABBRIA , RS 5.3 CRORE TO DESIGN A VANITY BUS FOR HIM

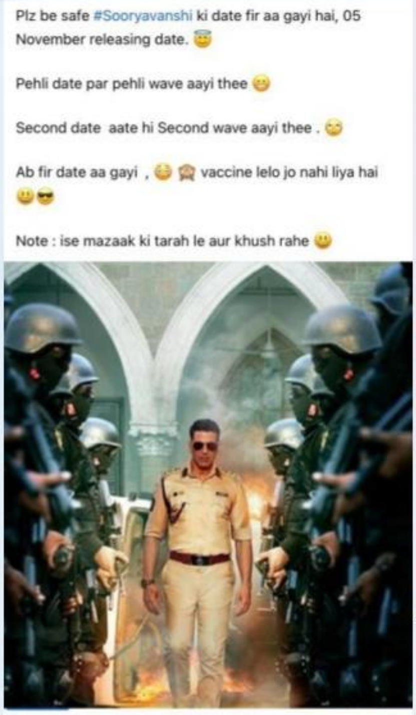

Plz be safe #Sooryavanshi ki date fir aa gayi hai, 05 November releasing date. 😇

Pehli date par pehli wave aayi thee 😁

Second date aate hi Second wave aayi thee . 😁

Ab fir date aa gayi , 😂 🙈 vaccine lelo jo nahi liya hai 😃😎

Note : ise mazaak ki tarah le aur khush rahe 😃

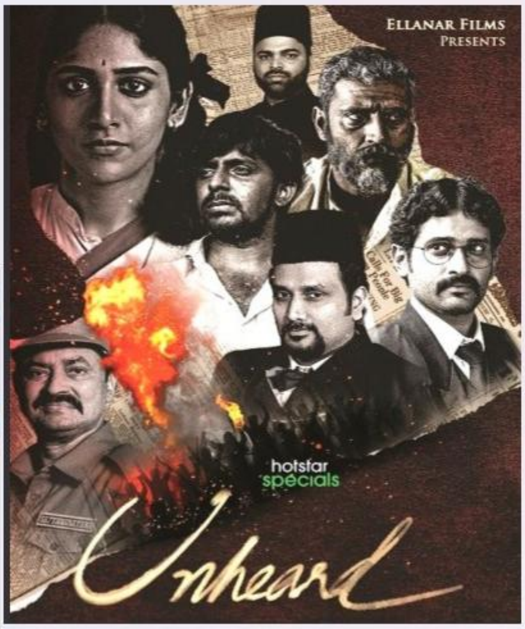

ELLANAR FILMS CELEBRATES THE RELEASE OF ITS PHILOSOPHICAL PERIOD DRAMA UNHEARD ON DISNEY + HOTSTAR

AMRUTA FADNAVIS, MEERA RAUTELA AND URVASHI RAUTELA MOST INFLUENTIAL BOLLYWOOD ACTRESS 2021 & BEST HUMANITARIAN AWARD

PRANATI RAI PRAKASH'S SHOOTING VIDEO GOES VIRAL, FANS LAUD THE ACTRESS WITH VARIOUS TALENTS

SIMPLE KAUL SAYS THAT HER CHARACTER IN ZIDDI DIL MAANE NA OF KOEL IS STRONG, EMOTIONAL, MANIPULATIVE, WARM AND FUNNY AND HER GOODNESS AND FLAWS MAKE HER RELATABLE

लताजी की जन्म दिन पर उनके लिए सबसे प्यारा तोहफा!

–अली पीटर जॉन

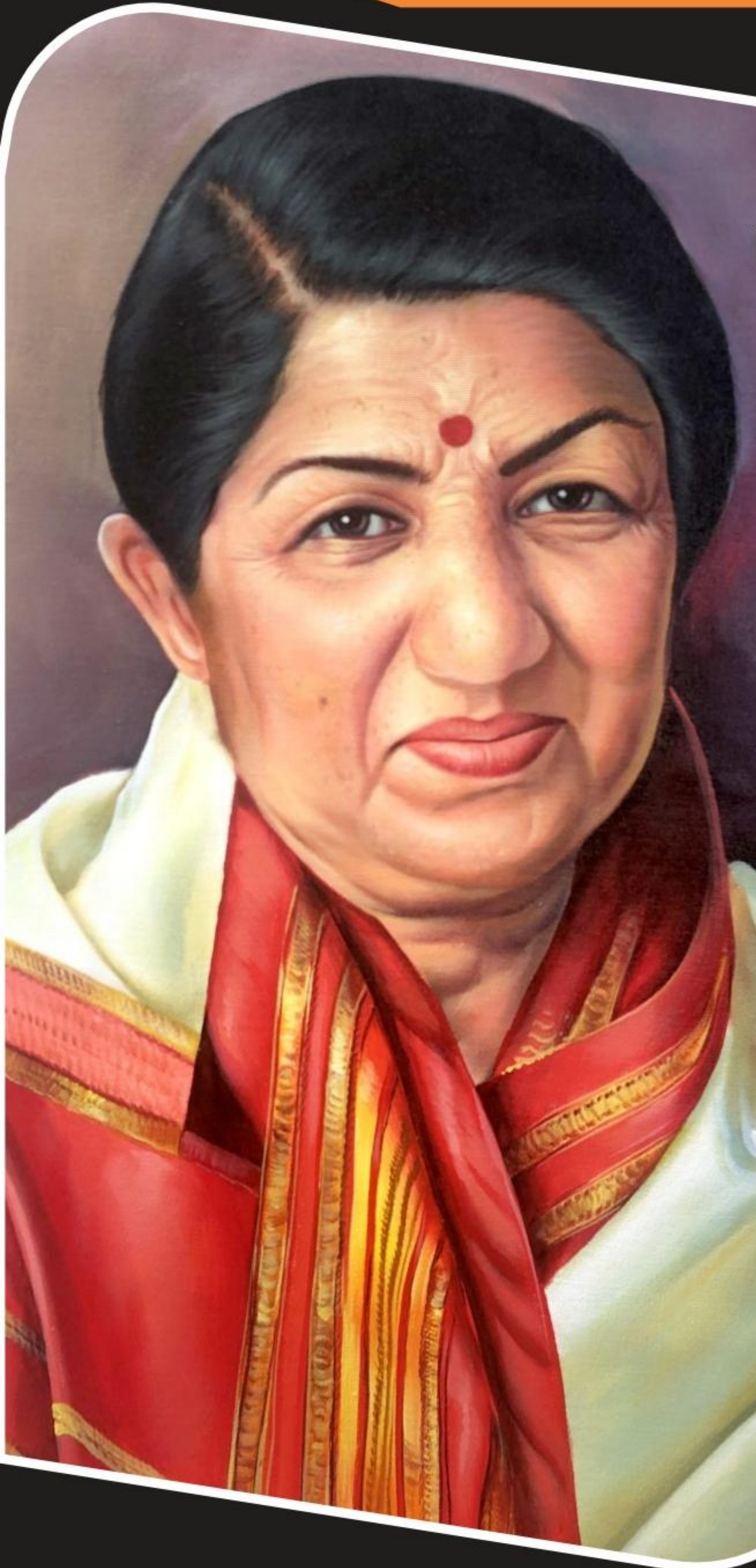

भारत रत्न लता मंगेशकर ने अपने सभी 80 वर्षों में अपने जन्मदिन पर अनगिनत पुरस्कार, उपहार और ट्राफियां प्राप्त की हैं, लेकिन वह अपने 98 वें जन्मदिन पर अपने निवास प्रभु कुंज में प्राप्त पुरस्कार को सबसे कीमती मानती हैं।

वह **के एल सहगल** की प्रबल प्रशंसक थी, लेकिन खुद को दुर्भाग्यपूर्ण और बदकिस्मत मानती थी क्योंकि वह न केवल उनके साथ गा सकती थी, बल्कि उनसे मिल भी नहीं सकती थी।

उसका परिवार जानता था कि उन्होंने सहगल के साथ गाने का मौका कितना गंवाया और उनके 98वें जन्मदिन पर उसे सरप्राइज देने का फैसला किया।

उनके इकलौते भाई **पंडित हृदयनाथ मंगेशकर** के पुत्र बैजनाफ एक प्रशिक्षित शास्त्रीय गायक थे, जिन्होंने अपने पिता के साथ कई संगीत कार्यक्रमों में भाग लिया था। बैजू को उनकी मौसी लता ने बैजू के रूप में बुलाया, सहगल के दो सर्वश्रेष्ठ गीत गाने के लिए तैयार थे और उन्होंने अपनी शानदार चाची की उपस्थिति में गाने गाए और उनकी आंखों में खुशी के आंसू थे और मराठी में कहा, **"सैगल साहब परात आले , सहगल साहब परात आले"**। और यह लताजी के लिए सबसे अच्छे जन्मदिनों में से एक था।

sion of 73rd Bir
. H ynath
Mang
Ratna
mark
Hrid

उस रात, लताजी, जो रात 10 बजे सो गईं, 2 बजे तक सोई नहीं और अपने परिवार और कुछ करीबी दोस्तों से कहा कि उनकी उम्र के अन्य लोग या तो पीछे मुड़कर देखते हैं और अपने अतीत के गौरव को देखते हैं या मौत के बारे में सोचते हैं जो उन्हें घूर रही है। उनके चेहरे पर हर समय, लेकिन उन्होंने कहा कि वह सभी बीमारियों और पीड़ाओं से मुक्त थी और जब वह 40 वर्ष की थी और फिट से लड़ रही थी, तब वह उतनी ही फिट महसूस कर रही थी। पिछले 50 वर्षों में यह उनके लिए सबसे अच्छे जन्मदिनों में से एक था, उन्होंने कहा और हम कहते हैं, आने वाले कई और जन्मदिन हो सकते हैं।

सुलेना मजुमदार अरोरा

सुशील कुमार अग्रवाल को 57 वां वार्षिक आम बैठक में ‘एंटरटेनमेंट कंटेंट ओनर्स एसोसिएशन (ईसीओए)के अध्यक्ष के रूप में दोबारा चुना गया

"एंटरटेनमेंट कंटेंट ओनर्स एसोसिएशन" (ईसीओए) की 57 वीं वार्षिक आम बैठक में, श्री सुशील कुमार अग्रवाल, (अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप) को फिर से अध्यक्ष के रूप में चुना गया। इनके अलावा कई और परिषद सदस्यों को भी चुना गया जिनके नाम है, हिरेन गडा (शेमारू) उपाध्यक्ष के रूप में, अशोक जैन (वीनस) सचिव के रूप में और आरके दुग्गल (आरके दुग्गल स्टूडियो) एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष के रूप में

भारतीय फिल्म निर्यातक संघ का गठन 1963 में लिम बिलिमोरिया और कुछ अन्य भारतीय फिल्म निर्यातकों द्वारा, विदेशों में भारतीय फिल्मों के वाणिज्य को बढ़ावा देने और सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया था। हाल ही में इसका नाम बदलकर एंटरटेनमेंट कंटेंट ओनर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया कर दिया गया है और अब इसकी नई पहचान को दर्शाने के लिए एक नया कंटेम्परेरी logo है। अपने नए अवतार में, ECOA सभी ऑडियो विजुअल प्लेटफॉर्म पर, सभी भाषाओं, शैलियों और प्रारूपों के विभिन्न मनोरंजन कॉन्टेंट ओनर के लिए अपनी सदस्यता ग्रहण करता है और एक्सटेंड करता है। ECOA विभिन्न महत्वपूर्ण संघों और FICCI और FFI जैसे शीर्ष निकायों का एक प्रमुख सदस्य भी है। ईसीओए बदलते समय का प्रतीक है और टीवी, ओटीटी और डिजिटल के मॅटोरिक विकास को स्वीकार करता है – एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों में हीराचंद दंड, गोरधन तनवानी, सूरज चंदना, नरेंद्र हीरावत, सज्जन कुमार दमानी, मिहिर मेहता और सुंदरी राममूर्ति हैं।

अपनी स्थापना के बाद से, ईसीओए अपने सदस्यों की ओवरऑल भलाई का प्रतिनिधित्व, सुरक्षा और प्रचार कर रहा है, जो भारत के मनोरंजन सामग्री के मालिक रहे हैं। यह बॉडी, अतिक्रमण, उत्पादकों और कॉपीराइट धारकों द्वारा अधिकारों की दोहरी बिक्री से संबंधित विवादों को भी सुलझाता है।

ईसीओए अपने सदस्यों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए टीवी चैनल्स, ओटीटी, डिजिटल तथा अन्य मौजूदा या आगामी प्लेटफार्मों को नोटिस जारी करेगा। ईसीओए अब टैरिफ, कराधान, लेवी, जीएसटी और अन्य नीतिगत मामलों आदि में कमी और संशोधन के प्रतिनिधित्व करने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों, विधायी प्राधिकरणों और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर रहा है।

ईसीओए, नियमित रूप से अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक सूचना और विज्ञापन प्रकाशित करेगा जहां इंडस्ट्री में विभिन्न सामग्री और अन्य अधिकारों के विवादों के व्यापार अधिग्रहण की जानकारी दी जाएगी।

श्री सुशील कुमार अग्रवाल ने कोट करते हुए कहा, "मैं इस सम्मानित एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुने जाने को लेकर हम्बल्ड महसूस कर रहा हूं। मैं इस अवसर पर, एसोसिएशन में अपने सभी सहयोगियों को धन्यवाद देता हूं, जिनके निरंतर संरक्षण और ईसीओए में विश्वास हमें मौजूदा सदस्यों के साथ–साथ नए सदस्यों के लिए हमारी सर्वोत्तम सेवाओं का विस्तार करने के लिए प्रेरित करता है जो जल्द ही हमारे साथ जुड़ जाएंगे।"

ECOA
57th ANNUAL GENERAL MEETING
OF
ENTERTAINM CONTENT OWNERS
ASSOC N OF INDIA
Formerly Council of Impex for
Fi Programmers
2021

–शांतिस्वरूप त्रिपाठी

सिनेमाघर, नाट्यगृह, मॉल्स और रेस्टारेंट के खुलने पर टीवी सेलेब्रिटीज ने किया खुशी का इजहार

कोरोना महामारी की वजह से पिछले डेढ़ वर्ष से सिनेमाघर,रेस्टोरेंट व मॉल्स वगैरह बंद चल रहे थे। कोरोना मरीजों की संख्या में कमी आने के साथ ही देश के कई हिस्सो में पिछले दो माह से कुछ शर्तों के साथ सिनेमाघर खुल गए थे। मगर महाराष्ट् राज्य में अभी भी बंद चल रहे है। बहरहाल, अब महाराष्ट् सरकार ने अक्टूबर माह में चार अक्टूबर से स्कूल,सात अक्टूबर से मंदिर और 22 अक्टूबर से सिनेमाघरों, नाट्यगृहों वगैरह को खोलने की अनुमति दे दी है। इससे महाराष्ट् व मुंबई के निवासियों के साथ साथ टीवी जगत से जुड़े लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गयी है। भारत में लोग धीरे–धीरे अपनी पुरानी जीवनशैली में वापस आ रहे हैं। पूरी तरह से टीकाकरण वाले लोगों के लिए मॉल फिर से खुल गए हैं, और होटल भी रात 10 बजे तक खुल रहे हैं। आइए देखे कि अब सेलेब्रिटी क्या करने की योजना बना रहे हैं??

"जल्द ही रेस्तरां और सिनेमाघरों का दौरा करना शुरू कर दूंगी।"

–डेलनाज ईरानी

फिल्म व टीवी अभिनेत्री डेलनाज इरानी कहती हैं'–''मैं बहुत उत्साहित हूं... मुझे लगता है कि यह उचित है कि हर किसी को कमाने का उचित मौका मिले। मॉल खुल रहे हैं, रेस्तरां ने दरवाजे खोल दिए हैं, और समय बढ़ा दिया गया है, इसलिए यह प्यारा है। मैंने कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज यानी कि खुराक ले ली है। इसलिए अब मुझे अपने पसंदीदा मॉल में खरीदारी करने के लिए जाने की आजादी है।जो मेरे घर के बहुत करीब है। मैं इसे लेकर बहुत रोमांचित हूं। मुझे लगता है कि जीवन वापस सामान्य हो जाना चाहिए और हम सभी को जल्दी से टीका लगवाना चाहिए, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। सब कुछ दूसरी तरफ नहीं रखा जा सकता है, मुझे लगता है कि नागरिकों के रूप में हमें अपनी सुरक्षा के लिए सरकार के साथ सहयोग करने की भी आवश्यकता है और एक चीज जो हम कर सकते हैं वह है टीकाकरण। हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि हम कब बाहर निकल रहे हैं, हम कैसे यात्रा कर रहे हैं, मास्क लगा होना चाहिए, सेनिटाइज करना चाहिए और दूरी बनाए रखनी चाहिए। यह वायरस यहां कितने समय तक रहने के लिए है, हम नहीं जानते हैं, और जिस तरह से हमने इसे खूबसूरती से पार किया है, वैसे ही यह भी बीत जाएगा। मैं और सब कुछ बहुत खुश हूं और जल्द ही रेस्तरां और सिनेमाघरों का दौरा करना शुरू कर दूंगी।''

"हम सभी को जिम्मेदारी से पेश आने की जरूरत है.."

–पारूल चौधरी

सिनेमाघर खुलने के सरकार के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री पारुल चौधरी ने कहा–''मैं सरकार के इस फैसले, रेस्टारेंट,माल्स ,नाट्य गृह व सिनेमाघरों के जल्द खुलने की खबर से बहुत खुश हूं। मुझे यह भी याद नहीं है कि मैं आखिरी बार कब किसी रेस्तरां या मॉल में गयी थी। इस फरवरी में दूसरे लॉकडाउन से पहले, अपने जन्मदिन के दौरान मैं एक रेस्तरां में गयी थी। खैर,यह वास्तव में सरकार द्वारा एक स्वागत योग्य बदलाव है और मुझे खुशी है कि उन्होंने पूरी तरह से टीकाकरण को अनिवार्य कर दिया है। इस समय मुझे इंतजार करना पड़ रहा है ,क्योंकि मेरी वैक्सीन की दूसरी खुराक बाकी है। मुझे उम्मीद है कि लोग अब और अधिक जिम्मेदारी से पेश आएंगे। क्योंकि हमें इस घातक वायरस के प्रसार को नियंत्रित करना है।''

"मैं अभी भी बच्चों के बाहर निकलने को लेकर चिंतित हूं.."

–निवेदिता बसु

टीवी जगत की चर्चित निर्माता व निर्देशक निवेदिता बसु कहती हैं–''सच कहूँ,तो मुझे नहीं पता कि मॉल और सिनेमाघर खोलना एक अच्छा विचार है या नहीं। क्योंकि डेल्टा संस्करण ने अभी मुंबई, महाराष्ट्र में अपना पैर जमा रखा है। इसमें कहीं न कहीं हम लोगों की कुछ लापरवाही है। दुर्भाग्य से कुछ लोगों ने मास्क पहनना बंद कर दिया है। जब भी मैं किसी अत्यावश्यक काम के सिलसिले में घर से बाहर निकलती हूं,तो मैं देखती हूँ कि 60 फीसदी लोगों ने मास्क नहीं पहना हुआ है। मुझे नहीं पता कि एक और लॉकडाउन कितनी जल्दी हो रहा है। रेस्तरां ठीक हैं,क्योंकि वह अभी भी केवल आने वाले लोगों की संख्या को नियंत्रित कर सकते हैं और समय बढ़ने के साथ चीजें बेहतर होंगी। मुझे लगता है कि अब अधिक लोग एक रेस्तरां में आ सकते हैं और बाहर प्रतीक्षा करने और भीड़ लगाने के बजाय वह बस जगह बना सकते हैं । ताकि हर कोई खुश हो, आनंद ले सके और कमा भी सके। हम सभी अपने पहले के जीवन को याद कर रहे हैं, खासकर बच्चों को। मेरी बेटी बाहर जाना याद करती है। कई बच्चे स्कूल नहीं गए हैं, दोस्तों को नहीं जानते हैं, सामाजिक कौशल विकसित नहीं किए हैं और केवल ऑनलाइन अध्ययन के अधीन हैं। लेकिन बैंगलोर में जो कुछ हुआ, उसके बाद से मैं अभी भी बच्चों के बाहर निकलने को लेकर चिंतित हूं। बंगलोर में 10 से 12 साल के बीच के 300 बच्चे स्कूलों के फिर से शुरू होने पर वायरस से संक्रमित हो गए। डेल्टा संस्करण स्पष्ट रूप से बच्चों को अधिक प्रभावित करता है। मुझे उम्मीद है कि यह लोग जो इन मॉल,रेस्तरां और सिनेमाघर खोलना चाहते हैं, वह भी सावधानी बरतेंगे क्योंकि यह सिर्फ उनकी सुरक्षा नहीं है, एक छोटी सी गलती कई अन्य लोगों की जान जोखिम में डाल सकती है। फिर भी सिनेमाघर खुलते ही मैं अपने दोस्तों के साथ फिल्म देखने जाऊंगी।''

''मैं अपनी बहन रोहिणी वकील के साथ फिल्म 'सूर्यवंशी' देखने जाऊंगी।''

–चित्रा वकील शर्मा

टीवी सीरियल निर्माता चित्रा वकील शर्मा कहती हैं–''अंत में वापसी की भावना हो रही है और मैं खरीदारी के लिए वापस जा रही हूं और बाहर भोजन कर रही हूं। एक बार जब आप पूरी तरह से टीका लगवा लेते हैं और निश्चित रूप से सावधानियों के साथ और अन्य आवश्यक मानदंडों का पालन करते हुए सामान्य रूप से जीना शुरू करना महत्वपूर्ण है। हम डर के साए में जीवन जी रहे हैं और हमें जल्द ही इससे बाहर निकलने की जरूरत है। मैं निश्चित रूप से परिवार और दोस्तों के साथ रेस्ट्रो जाने से चूक रही हूं। प्रत्येक रविवार की शाम का भोजन एक पारिवारिक भोजन होगा। मेरे पति अजय,हमारी बेटी, तन्वी और मैं एक नए रेस्तरां में जाते और फिर से सामान्य होने की भावना का पता लगाते। मेरे लिए खरीदारी चिकित्सा है। और मेरे जैसे खाने वाले को नए व्यंजन आजमाना पसंद है। मैं पूरी तरह से टीकाकृत हूं और सभी सावधानियां बरत रहा हूं। जब तक हम मानदंडों का पालन करते हैं और सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनते हैं, हम जल्द ही इन प्रतिबंधों के बिना जीवन जीना शुरू कर सकते हैं। हमें खुशी है कि छुट्टियों, वीकेंड आउटिंग, शॉपिंग और खाने आदि का हमारा समय वापस आ गया है। मैं अपनी बहन रोहिणी वकील के साथ फिल्म 'सूर्यवंशी' देखने जाऊंगी।''

''सिनेमाघरों में फिल्में देखने का कोई विकल्प नहीं है।''

–कावेरी प्रियम

कावेरी प्रियम कहती हैं–''जी हां! हम सब सामान्य स्थिति का इंतजार कर रहे हैं। हम सभी वास्तव में लंबे समय से इसके लिए तरस रहे थे। मॉल का खुला होना अच्छी बात है और वह भी केवल पूरी तरह से टीकाकरण वाले लोगों के लिए ही हमें और अधिक सुरक्षित महसूस कराता है। यह अच्छी खबर है। मैं मॉल जाना पसंद करूंगा क्योंकि मैं कोरोना वैक्सीन के दोनो डोज ले चुकी हूँ। यहां तक कि जो लोग मॉल और सुपरमार्केट में काम कर रहे हैं और कमा रहे हैं और अपना काम कर रहे हैं और यह उनके लिए भी अच्छा है। थिएटर बड़े समय से मिस कर रहे थे। सिनेमाघरों में फिल्में देखने का कोई विकल्प नहीं है।''

''मैं थिएटर में फिल्में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।''

–हसन जैदी

अभिनेता हसन जैदी सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहते हैं–''मेरी राय में सिनेमाघरों व नाट्यगृहों को खोलने का सरकार का निर्णय बहुत ही ज्यादा स्वागत योग्य है। हम लंबे समय से पीड़ित हैं और हममें से ज्यादातर लोग सावधानी बरत रहे हैं। वायरस ने कहर बरपाया है। लेकिन हमारे पास सिस्टम हैं, हमने सारी जांच कर ली है। हम नागरिकों को जिम्मेदार होने की जरूरत है। दूसरी तरफ दुनिया की अर्थव्यवस्था खासकर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर तबाह हो गया है। यह एक ऐसा क्षेत्र है,जिसका पूरी तरह से सफाया हो गया है। यह एक सकारात्मक बदलाव है कि सभी को धीरे–धीरे फिर से कमाने की अनुमति दी जा रही है। लेकिन आपको अपना मास्क पहनना होगा, सेनीटाइज करना होगा और दूरी बनाए रखनी होगी। आप पूरे समय डर और खतरे में नहीं रह सकते। क्योंकि यह किसी भी मामले में एक नकारात्मक भावना और होने की स्थिति है। अपने डर के बारे में जानें, जिम्मेदार बनें लेकिन जीवन में आगे बढ़ें। जैसा कि हम अपने काम की लाइन में कहते हैं, शो चलते रहना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि कारोबार वापस उछाल देगा। जब व्यवसाय वापस उछालते हैं, लोग वापस उछालते हैं, राष्ट्र वापस उछालता है और हम बेहतर भविष्य की ओर बढ़ते हैं। मैं थिएटर में फिल्में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।''

''यह राहत देने वाला कदम है.''

–स्मिता डोंगरे

स्मिता डोंगरे कहती हें–''बेशक,अब ऐसा लगता है कि स्थितियां सामान्य हो रही हैं। मैं अभी तक किसी मॉल या रेस्तरां में नहीं गयी हूं। हाँ, मैं इसे याद कर रही हूँ। मुझे थिएटर जाना भी याद आ रहा है। हमारे उद्योग के सभी तकनीशियन और कलाकार पीड़ित हैं। अच्छी बात यह है कि हम एक दूसरे के करीब आ गए हैं, करुणामय हो गए हैं। इसकी वजह से हमें मन की थोड़ी शांति भी मिली है। हम अपना काफी समय घर पर बिता रहे हैं। पहले चूहे की दौड़ होती थी, लेकिन अब सब कुछ नियंत्रित स्थिति में आ गया है। हम अपने परिवार और लोगों के करीब आ गए हैं, जिनके साथ हमारा पहले से संपर्क टूट गया था। क्योंकि हम पहले भाग रहे थे। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारी उम्मीदें कम हो गई हैं। मैं पिछले डेढ़ वर्ष से कहीं बाहर नही गयी। रेस्टोरेंट और मॉल में भी नही गयी। पर अब जाना चाहूँगी।''

''मैं सिनेमाई अनुभव की प्रतीक्षा कर रहा हूं..''

–दुष्यंत वाग

अभिनेता दुश्यंत वाग कहते हैं– ''अंततः अब मॉल,रेस्तरां व सिनेमाघर खुल रहे हैं...मगर दुर्भाग्य की बात यह है कि हमारे देश में ज्यादातर लोग नियमों का पालन करना पसंद नहीं करते हैं। साफ है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का पालन नहीं किया गया,तो तीसरी लहर आएगी और आने वाले महीनों में कोविड के मामले बढ़ने की संभावना है। यह एक ऐसी चीज है,जिसका हम सभी को ध्यान रखना चाहिए और इसके बारे में चिंता करनी चाहिए। बेशक मैं रेस्तरां और मॉल का दौरा करूंगा, मैं इन गतिविधियों को करने से चूक गया हूं। जैसा कि आप जानते हैं कि मैं जंक फूड का बहुत बड़ा प्रेमी हूं। रेस्टोरेंट में खाना खाने का मजा ही कुछ और है। आप दोस्तों, परिवार के साथ जाते हैं और कभी–कभी आप अकेले जाते हैं, लेकिन जब आप बाहर खाते हैं तो यह एक अलग माहौल और माहौल होता है। वहाँ तुम जाओ, समय बिताओ और रेडीमेड कटलरी और खाना तुम्हारे सामने आता है। बेशक मुझे वह अनुभव याद आ रहा है। मैं चाहता हूं कि मेरा पिछला जीवन जल्द ही फिर से शुरू हो। मैं नहीं चाहता कि कोरोनावायरस फिर से फैले। हमें ध्यान रखना होगा और सामाजिक दूरी बनाए रखनी होगी ताकि हम आनंद लेने के लिए स्वतंत्र हों। मैं सिनेमाई अनुभव की प्रतीक्षा कर रहा हूं..''

आलिया भट्ट पर हिंदू भावनाएं आहत करने पर हुई शिकायत दर्ज

—मुस्कान मनचंदा

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों खूब सुर्खियों में बनी हुई है। आलिया भट्ट अक्सर सुर्खियों में छाई रहती है। आलिया कभी अपने बॉयफ्रेंड रणबीर कपूर के साथ शादी को लेकर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती है, तो वहीं अब आलिया अपनी कन्यादान वाली एक 'ब्राइडल वियर ब्रांड' के एड को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। इतना ही नहीं आलिया के इस एड से एक शख्स इतना नाराज हो गया है कि, उसने आलिया के खिलाफ मुंबई के सांताक्रूज थाने में शिकायत दर्ज कर दी है।

आपको बता दें कि, शिकायतकर्ता का ये कहना है कि आलिया भट्ट ने हिंदू भावनाओं को आहत किया है और कन्यादान को गलत तरीके से दिखाया गया है। शिकायतकर्ता ने इस मामले में मान्यवर कंपनी और आलिया भट्ट के खिलाफ मुंबई के सांताक्रूज थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

वहीं ये भी बता दें कि, जब ये एड रिलीज किया गया था, तभी से सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इसे लेकर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। लोगों का कहना है कि, कई धर्मों में कई ऐसी कुरीतियां हैं जिनके खिलाफ जागरूकता नहीं फैलाई जाती, लेकिन कुछ ब्रांड्स ऐसे हैं जिन्होंने हिंदू धर्म के खिलाफ जैसे धर्म युद्ध छेड़कर रख दिया है।

इतना ही नहीं, लोगों मे नराजगी जताते हुए ये भी कहा कि, असलियत में हिंदू महिलाओं ने बड़े क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन, कुछ निर्देशक महिलाओं को पराया धन बताते हुए फिल्में बनाते हैं फिर समाज सुधारक की भूमिका भी निभाते हैं, जो कि गलत है।

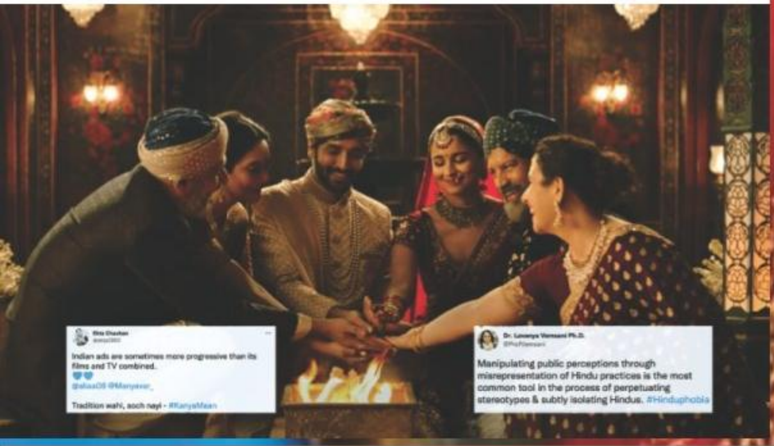

Rita Chauhan

Indian ads are sometimes more progressive than its films and TV combined.
💙💙
@aliaa08 @Manyavar_

Tradition wahi, soch nayi - #KanyaMaan

Dr. Lavanya Vemsani Ph.D.

Manipulating public perceptions through misrepresentation of Hindu practices is the most common tool in the process of perpetuating stereotypes & subtly isolating Hindus. #Hinduphobia

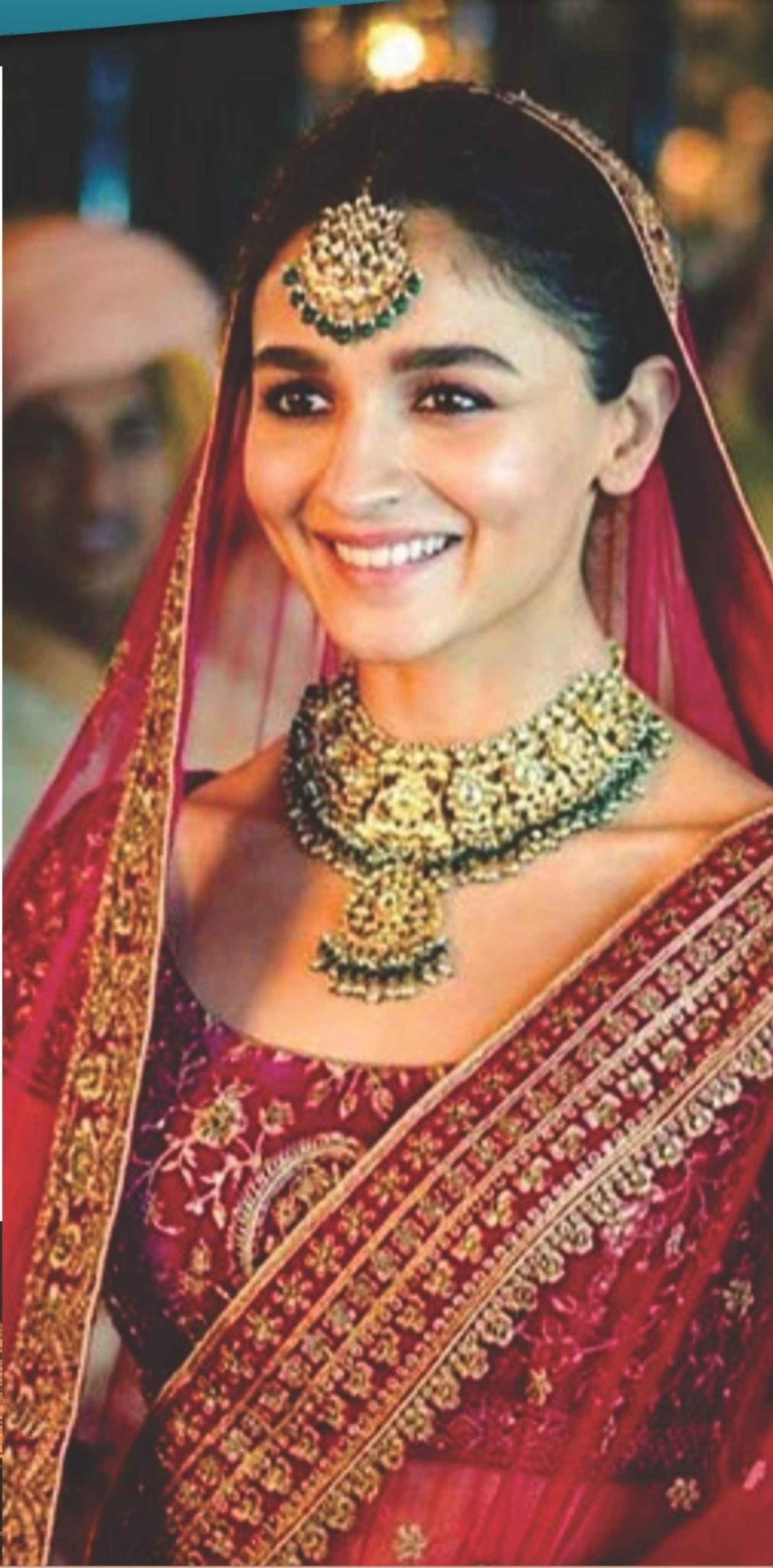

—सुलेना मजुमदार अरोरा

प्रियंका सिंह का दर्द भरा वीडियो नंबर "तकलीफ" वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स से हुआ रिलीज़

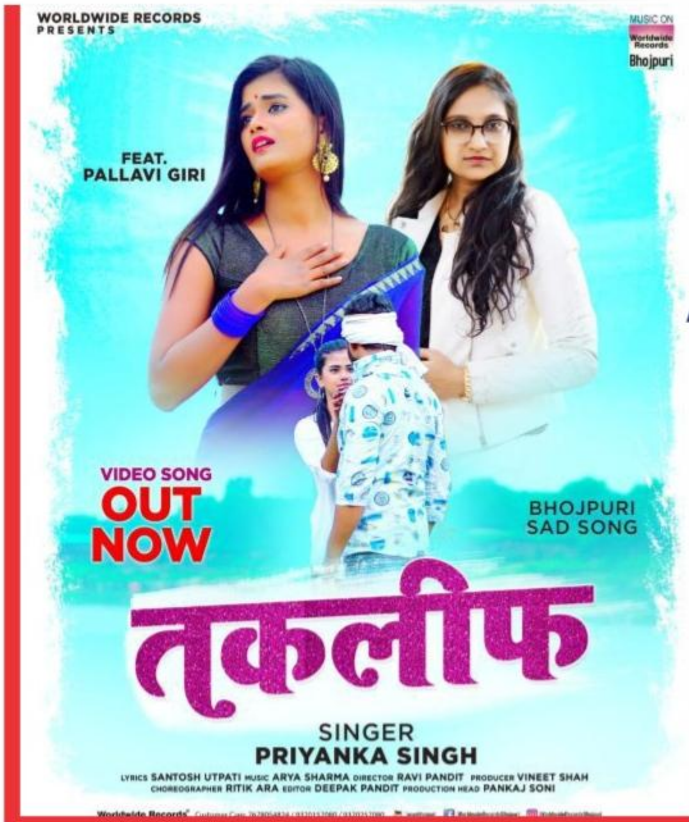
WORLDWIDE RECORDS PRESENTS
MUSIC ON Worldwide Records Bhojpuri
FEAT. PALLAVI GIRI
VIDEO SONG OUT NOW
BHOJPURI SAD SONG
तकलीफ
SINGER
PRIYANKA SINGH
LYRICS SANTOSH UTPATI MUSIC ARYA SHARMA DIRECTOR RAVI PANDIT PRODUCER VINEET SHAH
CHOREOGRAPHER RITIK ARA EDITOR DEEPAK PANDIT PRODUCTION HEAD PANKAJ SONI

प्रसिद्ध सिंगर प्रियंका सिंह की मधुर आवाज में गाया हुआ दर्दभरा सॉंग "तकलीफ़" वर्ल्डवाइड रिकॉड्र्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो गया है। इस विडियो सॉग में प्रियंका सिंह की आवाज और पल्लवी गिरी का देसी अंदाज़ का कम्बीनेशन लोगों को पसंद आ रहा है। गाने का पोस्टर सोशल मीडिया पर आउट होते ही वायरल हो गया और लोग इसका इंतजार कर रहे थे। यह एक सैड गीत सिचुएशन के साथ फिल्माया गया है। जिसमें पल्लवी गिरी की अदायगी ध्यान खींचती है। गाने में वह अपने दिल की हालात बयान कर रही हैं। उन्हें प्यार में तकलीफ पहुंची है और दिल टूटने के इसी एहसास को इस गाने में पेश किया गया है। गाना यूथ में काफी सराहा जा रहा है।

वर्ल्डवाइड रिकॉड्र्स प्रस्तुत प्रियंका सिंह और पल्लवी गिरी के इस वीडियो गीत "तकलीफ" से हर टूटे दिल का आशिक अपने को जोड़ने की कोशिश में लगे है। वीडियो के सिचुएशन के अनुसार इसमें पल्लवी गिरी को इस बात की तकलीफ है कि उनका प्रेमी उन्हें भुला कर किसी और से शादी रचा रहे हैं। इस लोक गीत की खास बात यह है कि यह एक ऐसा सॉन्ग है, जो मुहब्बत के पुराने जज्बातों को आज के युग में ताजा कर देती हैं। भोजपुरी के इस लोक गीत को प्रियंका सिंह ने अपनी विशेष शैली में गाया है। इस गाने को संतोष उत्पाती ने लिखा है और म्यूजिक आर्या शर्मा ने दिया है। निर्देशक रवि पंडित, कोरियोग्राफ़र रितिक आरा, प्रोड्यूसर विनीत शाह और एडिटर दीपक पंडित तथा प्रोडक्शन हेड पंकज सोनी हैं। इस वीडियो सॉन्ग के निर्देशक रवि पंडित, आजकल वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स के एक से बढ़कर एक गाने डायरेक्ट कर रहें हैं।

जानी मानी भोजपुरी एक्ट्रेस, लसगर, 'निशा दुबे का देवी भक्ति सांग 'पसंद बाटे कवन फुलवा' हुआ रिलीज

मातारानी की भक्ति में डूब निशा ने गाया 'पसंद बाटे कवन फुलवा'।

भोजपुरी की जानी–मानी एक्ट्रेस–सिंगर निशा दुबे अपनी अदाओं और स्वर से फैंस को हमेशा दीवाना बना लेती हैं। वो कई गानों में नजर आ चुकी हैं और उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया है। निशा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनको इंस्टाग्राम पर आठ लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। वे अपने ग्लैमरस अंदाज से भोजपुरिया दर्शकों को खूब भाती रही हैं, लेकिन अब दर्शकों को निशा दुबे का देवी भक्ति का नया अवतार देखने को मिल रहा है।

वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स भोजपुरी से निशा का देवी भक्ति गीत 'पसंद बाटे कवन फुलवा' जारी हो चुका है। इस सॉन्ग में दर्शकों को निशा दुबे की एक अलग छवि और अलग सा भक्ति रस में डूबी आवाज सुनने को मिल रही है जो दर्शकों के सरचढ़ कर बोल रही है। सॉन्ग में निशा दुबे ने खुद मदमस्त ढंग से परफॉर्म भी किया है और उनके साथ बैकग्राउंड डांसर भी डांस कर रहे हैं। इस भक्ति पूर्ण गाने को बड़े ही भव्य तरीके से फिल्माया गया है जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है।

वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स प्रस्तुत पसंद बाटे कवन फुलवा के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। जैसा कि बताया, इस गीत को निशा दुबे ने गाया है। गीत को जीतू जिद्दी ने लिखा है। संगीत आर्या शर्मा, निर्देशक तुषार केसरवानी, डीओपी संतोष यादव,कोरियोग्राफर अनुज आर मौर्या, कैमरा नवीन और एडिटिंग विवेक वीएफएक्स ने की है।

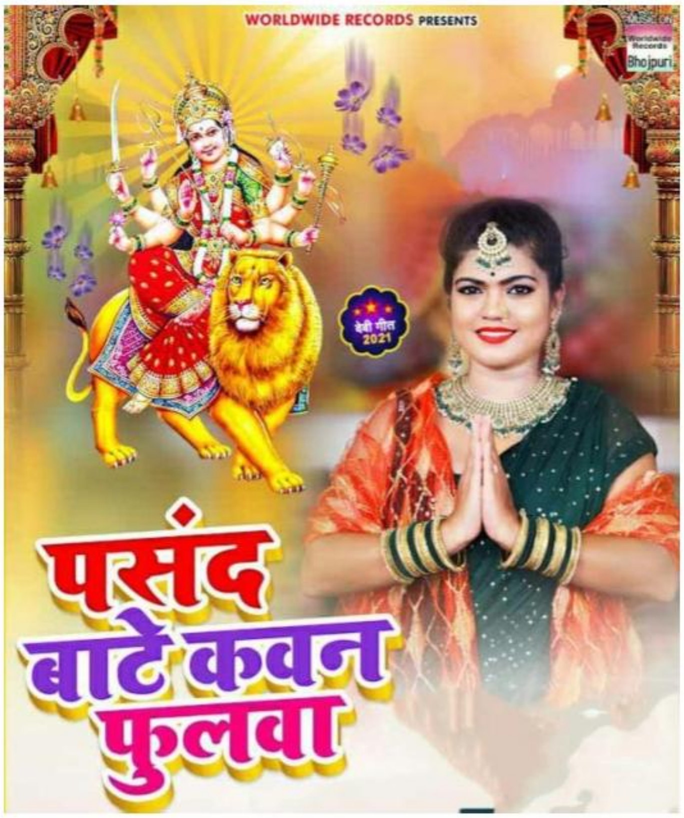
WORLDWIDE RECORDS PRESENTS
Worldwide Records Bhojpuri
देवी गीत 2021
पसंद बाटे कवन फुलवा

‘‘मुझे हर माध्यम पर बेहतरीन किरदार निभाने हैं..’’

–हर्ष ए सिंह

–शांतिस्वरूप त्रिपाठी

ओटीटी प्लेटफार्म की बढ़ती लोकप्रियता के साथ ही कई बहुमुखी प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा लोगों तक पहुॅचाने का अच्छा अवसर मिल रहा है। ऐसे ही बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता हैं हर्ष ए सिंह.वह रेडियो जॉकी,अभिनेता,गायक, रंगमंचकर्मी, वॉयस ओवर आर्टिस्ट के रूप में काम कर चुके है। वह ‘‘आर जे हंट’’के विजेता रहे हैं। दर्शक उन्हे ‘थप्पड़’,‘कबीर सिंह’,रामन राघव 2.0’,‘बजरंगी भाईजान’, ‘ब्रदर्स’, ‘दंगल’ जैसी फिल्मों के अलावा ‘बंदिश बैंडिट’,‘स्टेट आफ सीजः टेंपल अटैक’ जैसी वेब सीरीज के अलावा सोनी टीवी के सीरियल ‘‘क्यों उट्ठे दिल छोड़ आए’’में देख चुके हैं। मूलतः लुधियाना निवासी हर्ष ए सिंह ने रंगमंच / थिएटर पर अलिक पद्मशी,जेहान मॉनेकशॉ ,विक्रम कापाड़िया और क्वासर पद्मशी के साथ काफी काम किया है। उनके अभिनय से सजी लघु फिल्म ‘‘ग्रीन रूम : ठहराव’’ को कॉस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कृत किया जा चुका है। जबकि हर्ष ए सिंह एक लघु फिल्म ‘‘ग्रैंड प्लान’’ का निर्देशन भी कर चुके हैं। हाल ही में अमेजॉन प्राइम वीडियो पर प्रसारित वेब सीरीज ‘‘मुंबई डायरीज : 26 / 11’’में लोगों ने उन्हे डॉक्टर फारुख रोमानी के मुख्य किरदार में काफी पसंद कर चुके हैं।

○ अमेजॉन प्राइम पर स्ट्रीम हो रही ‘‘मुंबई डायरीज 26 / 11’’ में आपके अभिनय की काफी प्रशंसा हो रही है?

–जी हॉ! उम्मीद से भी कहीं अधिक लोगों ने ‘‘मुंबई डायरीज 26 / 11’’ में मेरे किरदार डॉ. फारूख रोमानी को काफी पसंद किया। डॉ. फारूख रोमानी एक सर्जन, परफेक्ट और कॉपीबुक सर्जन हैं। यूॅ तो लोग कोंकणा सेन शर्मा और मोहित रैना द्वारा निभाए गए किरदारों को भी काफी पसंद कर रहे हैं,क्यों कि इनके किरदार बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल में कहर ढा रहे हैं। जबकि मेरा किरदार किताब से खेलता है।

○ डॉ. फारुख रोमानी के किरदार को निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारी करनी पड़ी?

–मैं अपने हर किरदार को निभाने से पहले तैयारी करता हूॅ। मैने अपने अधिकांश पात्रों की ही तरह डॉ. फारुख रोमानी पर एक तीन पृष्ठ की जीवनी लिखी। जिसमें उनका जीवन, बचपन, कैसे और क्यों वह डॉक्टर बने इसका विस्तृत विवरण दर्ज किया। इससे मुझे किरदार को आत्मसात करने में काफी मदद मिली। चिकित्सा प्रक्रियाएं व्यापक कार्यशालाओं का हिस्सा थीं,जो कि टेबल रीडिंग के दौरान और शूटिंग से कुछ दिन पहले सेट पर आयोजित की जाती थीं। निर्देशक की तरफ से कुछ वर्कशॉप भी किए गए। सत्यजीत दुबे,नताशा,मृणमयी तक हम सभी ने शूटिंग से पहले बुनियादी सर्जिकल प्रक्रियाएं (बिना किसी को मारे) सीखी थीं। मुझे सीपीआर करना पहले से ही पता था। यह अविश्वसनीय रूप से विस्तृत और कठिन था, लेकिन इतना मजेदार था।

○ जब मुंबई में 26 / 11 की भयावह घटना घटी,उस वक्त आप कहां थे?

–उन दिनों मैं रेडियो सिटी 91.1 का प्रोग्रामिंग हेड होने के नाते रेडियो स्टेशन पर ही था। इस घटना की खबर मिलते ही मैं सदमें में था। सच तो यह है कि सुबह तक क्या चल रहा था, इस बारे में हम स्पष्ट नहीं थे। इसलिए मैं सुबह चार बजे रेडियो स्टेशन पहुंचा और हमने लोगों को शांत रखने के लिए बस इतना ही किया। हमने उस रात लियोपोल्ड में रात के खाने की योजना बनाई थी, लेकिन किसी कारण से हमने रद्द कर दिया। तो इसने पूरी चीज को इतना अधिक भयानक बना दिया। हम बस लाचार और असहाय लग रहे थे। मैं बस यही सोचता रहा कि एक इंसान के अंदर आखिर कितनी नफरत हो सकती है? जबकि हम सभी जानते हैं कि यह हिंसा किसी भी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करती है।

○ ‘‘मुंबई डायरीज 26 / 11’’ में आपको बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करने का अवसर भी मिला?

–जी हॉ! इस वेब सीरीज में बेहतरीन कलाकारों के साथ मुझे अभिनय करने का अवसर मिला,इसी वजह से यह वेब सीरीज बेहतरीन बन सकी। हर किरदार को बहुत अच्छे तरीके से पेश किया गया है। इसका श्रेय लेखकों और निर्देशकों को जाता है। मैं तो इसके लिए लेखकों और निर्देशकों निखिल आडवाणी और निक गोंजाल्विस की सराहना करता हूॅ। उन्होंने प्रत्येक चरित्र में गहराई, विवरण और निरंतरता को बरकरार रखने के लिए पटकथा लेखन से निर्देशन तक में काफी मेहनत की। मुझे लगता है कि यही कारण है कि ‘मुंबई डायरीज 26 / 11’ भारत की अब तक की सबसे बेहतरीन वेब सीरीज बन सकी। निर्देशक ने मुख्य किरदारों के साथ ही मरीजों,अस्पताल के स्टाफ,न्यूज क्रू तक हर किरदार के लिए अनुभवी व प्रतिभाशाली कलाकारों का चयन किया। इतना ही नही निर्देशक ने शूटिंग से कुछ हफ्ते पहले सभी कलाकारों को एक होटल में दो दिन के लिए बुलाकर स्क्रिप्ट को दर्दनाक विस्तार से बताया। निखिल और एनआईके मौजूद थे, इसलिए सभी के पास अपनी भूमिका निभाने का समय था। इस तरह की स्क्रिप्ट के साथ रहना और सेट पर आने से पहले सभी अभिनेताओं के साथ बातचीत करना एक ऐसी विलासिता थी।

सुना है कि कुछ लोगों को आपका डॉ. फारुख रोमानी का किरदार पसंद नही आया?

–देखिए,मेरी पत्नी इस किरदार से प्यार करती हैं। लेकिन मेरे पास मेरे दोस्त हैं,जो मेरे चरित्र से नफरत करते हैं। वह डॉ रोमानी को एक महिला विरोधी और कट्टरवादी की संज्ञा देते हैं। जबकि महिला मित्रों ने फोन किया और कहा कि अगर मैं कभी भी कोंकणा सेन की तरह कुछ भी ‘‘ मैन्सप्लानिंग ’’करने की कोशिश करता हूं। लेकिन यह शानदार है, जिसका मतलब है कि किरदार ने काम किया।"

○ ‘स्टेट ऑफ सीजः टेंपल अटैक’के बाद ‘मुंबई डायरीज 26 / 11’ कर चुके हैं। यानी कि आपको ओटीटी प्लेटफार्म पर आनंद आ रहा है?

–इसकी मूल वजह यही है कि मुझे उस तरह के किरदार निभाने को मिल रहे हैं,जिन्हे मैं करना चाहता हूं। मुझे याद है कि ‘स्टेट ऑफ सीजः टेंपल अटैक’ के साथ कुछ गंभीर तारीख के मुद्दे थे, इसलिए मैंने पहले मना किया था। लेकिन फिल्म के निर्देशक केन घोष ने जोर देकर कहा कि यह मुझे ही निभाना है। यह बात बहुत अच्छा लगा। लेकिन आपको यह पता होना चाहिए कि एक अभिनेता कभी संतुष्ट नहीं होता। वह थोड़े समय के लिए खुश होता है, लेकिन कभी संतुष्ट नहीं होता। आप अधिक चुनौतियां, प्रसिद्धि, पैसा, सब कुछ चाहते हैं। यह दुखद है लेकिन सच है। ईमानदारी से कहूं तो मैं माध्यमों में अंतर नहीं करता। मैं हर माध्यम पर चरित्र ओरिएंटेड किरदार ही करूंगा।

○ आपने कुछ लघु फिल्में भी की हैं?

–जी हॉ! लघु फिल्में हमेशा कंटेंट प्रधान होती हैं। हाल ही में मैंने लघु फिल्म ‘ग्रीन रूमः ठहराव’ की थी, जिसने ‘कॉन्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल’ में दर्शकों का पुरस्कार जीता था। मैं रोमांच से परे हूं। कॉस में 150 फिल्में थी,पर हमारी फिल्म को पुरस्कृत किया गया।

हृषिदा हर दिल के अंदर की बात जानते थे!

अली पीटर जॉन

मैंने अपने जीवन के कुछ बेहतरीन साल **हृषिदा** को देखने में बिताए क्योंकि वह बेहतर जानते थे, लेकिन मैं कसम खाता हूं कि मैं कभी नहीं समझ सका कि महान व्यक्ति के दिमाग और दिल ने कैसे काम किया।

मैं आज के किसी भी सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माता को चुनौती देता हूं कि चालीस वर्षों में और सामग्री या गुणवत्ता से समझौता किए बिना 42 फिल्में बनाएं।

हृषिदा ने जो किया उन्हें करने के लिए मैं लोगों को चुनौती दे सकता हूं, लेकिन ऐसे समय में लोगों को चुनौती देने का क्या फायदा जब लोग चुनौतियों को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं हैं और कम से कम हृषिदा का एक वां हिस्सा नहीं हैं...।

मैं आपको **दिलीप कुमार, राज कपूर और देव आनंद** से लेकर **राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन और अमोल पालेकर तक और नूतन, साधना और शर्मिला टैगोर** से लेकर **बिंदिया गोस्वामी, जूही** तक उनके द्वारा बनाई गई फिल्मों और उनके साथ काम करने वाले सितारों की सूची दूंगा! चावला और ज़ीनत अमान और भी बहुत कुछ। और आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वह भारतीय सिनेमा के लिए कितना बड़ा तोहफा थे।

उनके साथ मेरी अपनी प्यार भरी मुलाकातें थीं, मैं कहता हूं कि प्यार करना क्योंकि वह प्यार और देखभाल करने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने सभी को **'बेटा'** कहा और मुझे भी उनका 'बेटा' होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मैं उन्हें मोहन स्टूडियो में नियमित रूप से देखता था, जहां उनके गुरु, **बिमल रॉय, नभेंदु घोष, मोनी भट्टाचार्य** और इसी तरह के अन्य विचारक निर्देशकों के कार्यालय छोटे कमरों में थे, जो किसी भी तूफान, हल्के या तेज से उड़ाए जा सकते थे।

MOSES SAPIR

वह हमेशा एक ढीला पायजामा–कुर्ता और पैरों में चप्पल पहने रहते थे। वह उद्योग का बहुत हिस्सा थे और इससे बहुत कुछ और फिर भी उन्होंने कुछ सबसे उत्कृष्ट और यादगार फिल्में बनाईं।

उनसे मेरी पहली गंभीर मुलाकात तब हुई जब 'स्क्रीन' पुरस्कारों की ज्यूरी में शामिल होने के लिए उनसे संपर्क करने की जिम्मेदारी मुझ पर थी।

वह सबसे व्यस्त निदेशकों में से एक थे और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड और अन्य बोर्डों जैसे सरकारी संस्थानों के प्रमुख थे, लेकिन मेरे अनुरोध को हां कहने में उन्हें दो मिनट से भी कम समय लगा और फिर ज्यूरी के कई अन्य सदस्यों के विपरीत, उन्होंने भाग लिया। हर स्क्रीनिंग और पुरस्कारों से जुड़ी हर बैठक।

मुझे पता था कि उन्होंने सीबीएफसी के अध्यक्ष के रूप में कैसा प्रदर्शन किया है। वह अपने पहले के अधिकांश अध्यक्षों के विपरीत एक बहुत ही समझदार और बहुत मददगार अध्यक्ष थे।

उनके कार्यकाल के दौरान बहुत कम या कोई फिल्मों पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया था या यहां तक कि उनमें भारी कटौती भी नहीं की गई थी। अगर कोई फिल्म थी जो सीबीएफसी के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करती थी, तो उन्होंने उन फिल्म निर्माताओं को व्यक्तिगत स्तर पर अपनी फिल्में जमा करने के लिए कहकर उनकी मदद करने की पेशकश की और वह सेंसर द्वारा पारित होने के लिए फिल्म को संपादित और आकार में रखेंगे।

ऋषिकेश मुखर्जी 1

उन्होंने हर बड़े स्टार के साथ काम किया था और अपने खुद के सितारे भी बनाए थे, लेकिन वह उनके साथ वैसा ही व्यवहार कर सकते थे जैसा एक पिता अपने बच्चों के साथ करता है, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें कुछ बेहतरीन प्रदर्शन मिले।

मैं उस चमत्कारी आदमी और मसीहा के बारे में और आगे जा सकता हूं, जिन्होंने आम तौर पर मध्यम वर्ग के सामने आने वाली समस्याओं और मुद्दों के बारे में फिल्में बनाकर फिल्म निर्माण में एक नया चलन बनाया।

ऐसे और भी कई निर्माता हैं जिन्होंने उनकी नकल करने या उनका अनुसरण करने की कोशिश की है, लेकिन उन्हें कम ही पता था कि एक हृषिदा केवल एक बार आए थे और फिर कभी नहीं आएंगे।

उनके केवल उस उद्योग में दोस्त और प्रशंसक थे जहां दुश्मन बनाना और प्रतिद्वंद्वी होना जीवन का एक तरीका था।

उनकी फिल्मों के बारे में इतनी सारी किताबें लिखी जा सकती हैं, उनके द्वारा बनाई गई सभी 42 फिल्मों के लिए

एक किताब, लेकिन इस उद्योग में सबसे महान दिमागों की परवाह कौन करता है, जहां ज्यादातर समय अजगरों ने राज किया है?

मुझे उद्योग से नफरत थी जब इसी आदमी को अपने करियर के अंत में असंख्य समस्याओं का सामना करना पड़ा था।

ऋषिकेश मुखर्जी 2

ऐसे सितारे जो तब पैदा भी नहीं हुए थे जब वह अपने करियर के चरम पर थे, उन्होंने समय और उन सभी चीजों का अनादर करके उन्हें परेशान किया, जिनके लिए वह खड़े थे।

अपनी आखिरी फिल्मों में से एक में, उन्हें सितारों से इतनी घृणा थी कि उन्होंने फिर कभी किसी फिल्म का निर्देशन नहीं करने का फैसला किया और टीवी–सीरियल्स का निर्देशन करने लगे।

चोट के अपमान को जोड़ने के लिए, उन्हें एक बार एक कॉर्पोरेट कंपनी द्वारा फिल्म बनाने की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था।

उन्हें रिसेप्शनिस्ट काउंटर से संपर्क करना पड़ा और उन्हें अपना नाम और अपनी यात्रा का उद्देश्य बताना पड़ा और जो व्यक्ति हमेशा नियमों और अनुशासन का पालन करने वाले थे, उन्होंने वही किया जो उन्हें करने के लिए कहा गया था।

लड़की ने उन्हें चकनाचूर कर दिया और यहां तक कि जब उन्होंने पूछा, "ऋषिकेश कौन?" और उन्हें फ़ोयर में एक सोफे पर बैठने के लिए कहा और वह आखिरकार अपना आपा खो बैठे और चुपचाप कॉर्पोरेट कार्यालय से बाहर चले गये। उन्होंने फिर कभी किसी बढ़ते कॉरपोरेट घराने से संपर्क करने की कोशिश नहीं की...

वह जल्द ही बीमार पड़ गए और उन्हें गुर्दे की विफलता का पता चला, जिसके लिए उन्हें हर दूसरे दिन लीलावती अस्पताल जाना पड़ा।

उन्होंने यूनियन पार्क में अपना बंगला बेच दिया था, जिसमें कुत्तों की संख्या और बहुत कम इंसान थे।

मैंने इसे इंसानों के व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में देखा और उन्होंने कैसे महसूस किया होगा कि कुत्ते अधिक वफादार थे और इंसानों की तुलना में अधिक देखभाल और प्यार करने के योग्य थे।

वह **'अनुपमा'** (उनकी अधिक लोकप्रिय फिल्मों में से एक का नाम) नामक एक इमारत में एक अपार्टमेंट में स्थानांतरित हो गये।

गुर्दे की विफलता के साथ उनकी समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही थीं और उन्होंने फिल्में बनाने में रुचि खो दी थी और अपने जीवनकाल में उन्हें मिले सभी प्रमुख पुरस्कारों को भी नहीं देखा या प्रतिक्रिया नहीं दी।

मुझे याद है कि कैसे सुनील दत्त ने मुझे एक बिस्तर पर जीवित रहते हुए उनके साथ एक यात्रा करने के लिए कहा था, जो मेरे बेवकूफ दिमाग को उनके मरने से पहले ही उनके लिए बने ताबूत की तरह लग रहा था।

उस मुलाकात के दौरान, वह पुरानी यादों के दौर में चले गये और उन सभी सितारों को याद किया जिनके साथ वह चले गये थे और कैसे उन्होंने उन्हें खराब वासियों की तरह संभाला था।

दत्त साहब के जाने के बाद उन्होंने मुझसे एक निवेदन किया। उनके बेटे, संदीप मुखर्जी, जिन्होंने सिर्फ एक फिल्म का निर्देशन किया था, कि अचानक एक रेलवे स्टेशन पर दमा के दौरे के बाद अचानक मृत्यु हो गई थी।

ह्रषिदा ने कहा कि उनके बेटे ने कुछ चालीस हजार रुपये छोड़ दिए हैं और वह चाहते हैं कि मैं इसे अपने लिए इस्तेमाल करूं और जब मैंने दृढ़ता से मना कर दिया, तो उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं किसी धर्मार्थ कारण के लिए पैसे दान कर सकता हूं। मैंने उनसे कहा कि मैं फिर आऊंगा...

मैं एक सुबह उनके घर गया और कोई मेरे लिए दरवाजा नहीं खोल रहा था। मुझे नहीं पता था कि मुझे गुस्सा आना चाहिए था या समझने की कोशिश करनी चाहिए और ऑफिस चला गया।

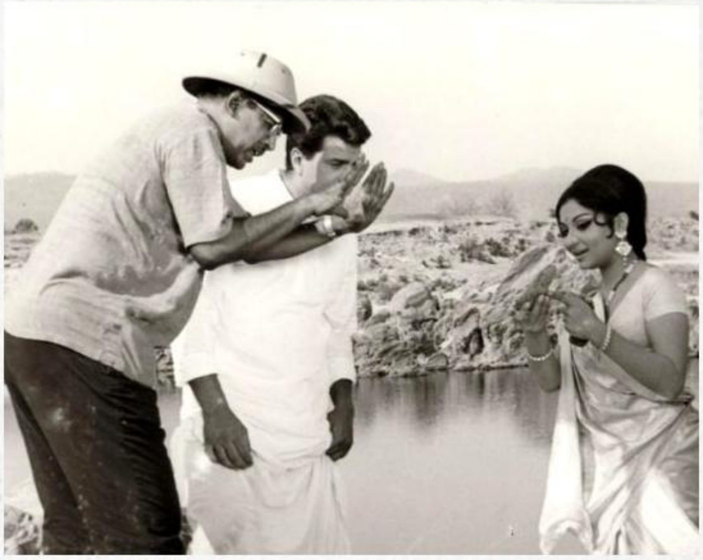

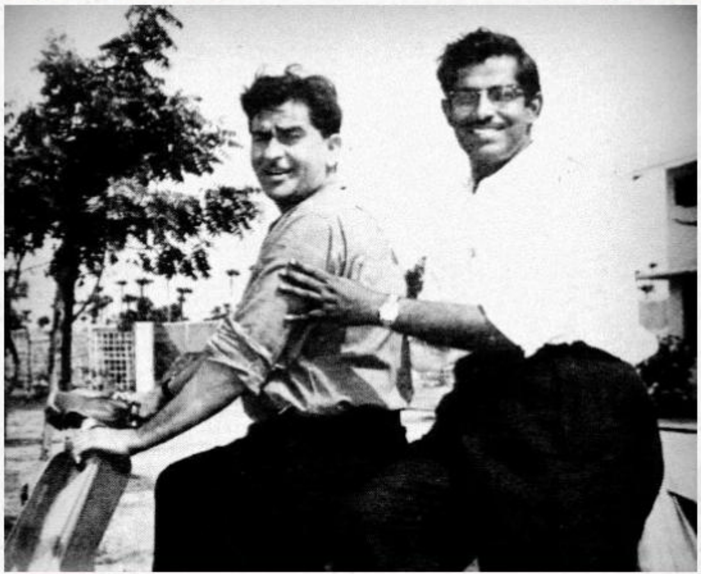

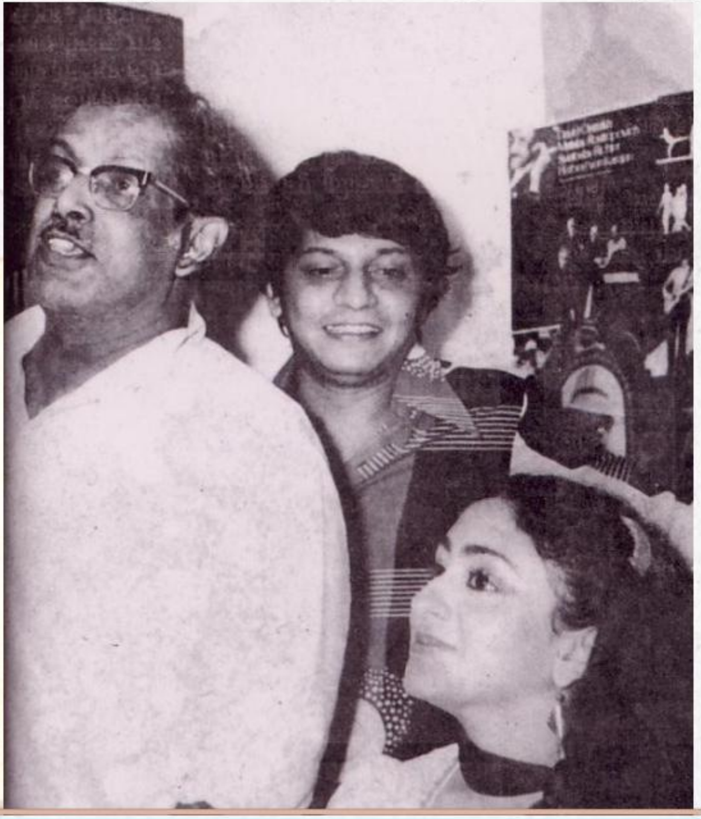

अगली सुबह, उन्होंने मुझे सॉरी बोलने के लिए बुलाया क्योंकि उन्होंने कहा कि मैं जो समय आया था वह समय था जब वह बहुत दर्द में थे और वह नहीं चाहते थे कि मैं उन्हें उस हालत में देखूं।

एक हफ्ते बाद, मुझे उस महिला का फोन आया, जो उनकी देखभाल कर रही थी और जिसे सारी निकटता के बारे में पता चला था, जिन्होंने मुझे बताया कि सब कुछ खत्म हो गया था। ऋषिदा ने फिल्मों की दुनिया और दुनिया से विदाई ले ली थी।

क्या कोई और ह्रषिदा होगें? यदि आप उद्योग का हिस्सा हैं और यदि आप उनके बारे में कुछ भी जानते हैं, तो कृपया घर जाएं और अपने आप से उत्तर के लिए पूछें जब आप अपने कमरे में अकेले हों।

उनकी बनाई कुछ फिल्में– "मुसाफिर", "अनारी", "अनुराधा", "छाया", "असली–नकली", "आशिक", "सांझ और सवेरा", "अनुपमा", "गबन", "मझली दीदी" , "आशीर्वाद", "सत्यकाम", "प्यार का सपना", "गुड्डी", "बावर्ची", "अभिमान", "नमक हराम", "चुपके चुपके", "मिली", "चैताली", "आलाप", "गोल माल", "खुबसूरत", "नरम गरम", "रंग बिरंगी", "किस्से ना कहना" और "अच्छा बुरा"और जहां तक एक्टर्स की बात है, अशोक कुमार से लेकर जीनत अमान तक, उन्होंने सबको बता दिया था कि एक्टिंग असल में क्या है और यही वजह थी कि हर एक्टर उनके साथ काम करना चाहते थे।

वास्तव में, अमिताभ और जया ने उन्हें अपने हस्ताक्षर के साथ कोरे पत्र भी दिए थे, जिससे उन्हें एक टीम के रूप में उनके साथ किसी भी फिल्म को निर्देशित करने का उचित अधिकार मिला।

क्या आप महसूस कर सकते हैं कि आपका सिर एक चक्कर में जा रहा है? इसे करना ही होगा, क्योंकि अगर ऐसा नहीं होता है, तो आपको यह जानने के लिए जांच करानी होगी कि क्या आप अभी भी इंसान हैं।

क्या हमें अब ह्रषिकेश मुखर्जी की जरूरत है? अगर हमें अपनी और अपने सिनेमा को अपनी फिल्मों में जाने वाली बकवास और मूर्खता के सड़े–गले नाले में गिरने से बचाना है, तो हम जरूर करते हैं, लेकिन हमें दूसरा ह्रषिदा कहां मिलेंगे ???

The Man Who Spoke in Pictures
BIMAL ROY

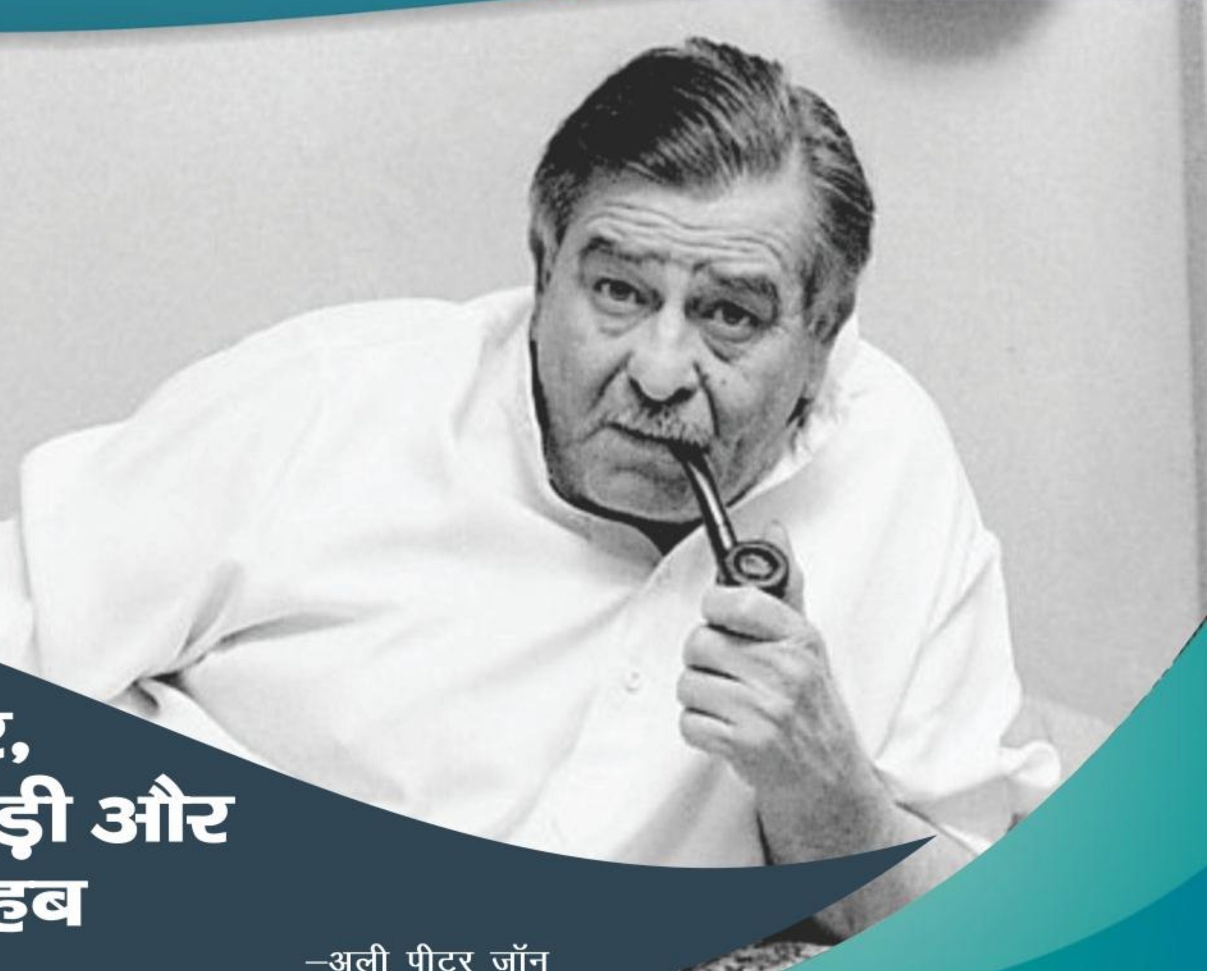

राज कपूर, वो एम्बेसडर गाड़ी और अब्बास साहब

—अली पीटर जॉन

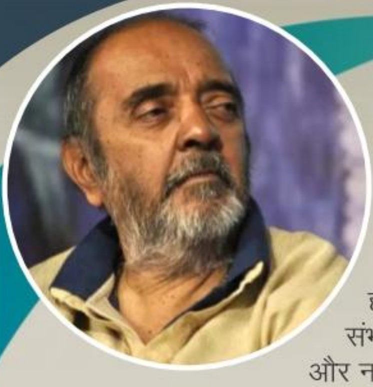

यह एक दूसरे के लिए बनी टीम की तरह थे। एक ने दूसरे को भली–भांति समझा और गलतफहमियां होने पर भी उन्होंने एक–दूसरे को संभालने की कला और अपने मिजाज और नखरे में महारत हासिल कर ली थी। राज कपूर ने के ए अब्बास को अपना विवेक बताया और अब्बास ने "आवारा" और "श्री 420" जैसी फिल्में लिखकर आरके स्टूडियो के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राज कपूर ने "जिस देश में गंगा बहती है" के लिए अर्जुन देव रश्क और "संगम" के लिए इंदर राज आनंद जैसे अन्य लेखकों की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें अब्बास के साथ मिली संतुष्टि नहीं मिली।

और इसलिए जब वह अपनी सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म, "मेरा नाम जोकर" की योजना बना रहे थे, जो एक तरह की आत्मकथात्मक फिल्म थी, उन्होंने अब्बास को फिर से चुना क्योंकि उन्हें पता था कि कोई अन्य लेखक उनके जीवन के साथ न्याय नहीं कर सकता क्योंकि अब्बास को उनके जीवन के बारे में सब कुछ पता था। वास्तव में, उनका रिश्ता इतना घनिष्ठ था कि केवल दो तस्वीरें राज कपूर के निजी कमरे में लटकी हुई थीं, जहाँ दोनों की एक साथ बैठे एक तस्वीर और दूसरी तस्वीर जिसमें केवल एक कविता थी जिसमें अब्बास ने राज कपूर के बारे में लिखा था।

जैसा कि इतिहास अब गवाह है, 'मेरा नाम जोकर' सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक साबित हुई, जिसके कारण राज कपूर की सारी संपत्ति बेच दी गई और यहां तक कि उनके स्टूडियो और उनके घर को गिरवी रख दिया गया। वह चकनाचूर हो गये और एक आदमी जो उनकी व्हिस्की से प्यार करता था, सचमुच उसमें डूब गये, जब तक कि उसे एक दिन होश नहीं आया और उनके दिमाग में पहला नाम अब्बास आया।

वह अब्बास के कार्यालय में आये जो पाँचवीं मंजिल पर थे और वहाँ कोई लिफ्ट नहीं थी। दोपहर के समय वह इतना नशे में थे कि उनके मैनेजर मि. बिबरा और एक अन्य दोस्त को उन्हें पकड़ना पड़ा क्योंकि उन्हें अब्बास के कार्यालय की ओर जाने वाली पाँच मंजिलों पर चढ़ना मुश्किल था, जो एक कारखाने के मुक़दम के केबिन की तरह था जहाँ किसी भी विलासिता का कोई संकेत नहीं था और कुछ भी फिल्मी का कोई संकेत नहीं था।

शराब से नफरत करने वाले अब्बास की पहली प्रतिक्रिया

भारत के महानतम शो मैन को तुरंत अपना कार्यालय छोड़ने के लिए कहना था क्योंकि वह किसी को भी शराब के नशे में अपने कार्यालय में आना पसंद नहीं करते थे। लेकिन जब उसने अपने दोस्त की हालत देखी, हाथ जोड़े और उनकी आँखों में आंसू थे और उस रंगीन त्रासदी को जानकर, जिससे वह अभी गुजरा था, उन्होंने उन्हें अपनी लकड़ी की मेज के सामने एक स्टील की कुर्सी पर बैठने के लिए कहा।

राज कपूर कहते रहे, "बर्बाद हो गया हूं, मुझे मालूम है, सिर्फ तुम मुझे और आरके स्टूडियोज को बचा सकते हो। मेरे पास और कोई रास्ता नहीं है, मेरा बेटा है चिंटू जिनको मैं हीरो बनाना चाहता हूं और एक नई का सोच रहा हूं। लेकिन ये सब तब होगा जब तुम मेरे लिए एक कहानी लिखोगे"। बैठक अब्बास के साथ समाप्त हुई और उन्हें तीन दिनों के भीतर कहानी का एक मोटा मसौदा देने का वादा किया। तीसरे दिन राजकपूर अब्बास के ऑफिस पहुँचे और अब्बास, जिन्हें आपातकाल का एहसास हो गया था, ने तीन दिनों में "बॉबी" की पूरी स्क्रिप्ट लिखी और राज कपूर को सौंप दी, जो तुरंत उनके पैर छूने के लिए दौड़ पड़े और वह फिर से सामान्य अब्बास थे। जब वह चिल्लाया, "मैं भगवान नहीं हूं। मैंने अपना काम कर दिया है। अब तुम और तुम्हारा भगवान ही जाने"।

फिल्म की शूटिंग अगले छः महीनों में बॉम्बे और गोवा में की गई, जिसमें युवा प्रमुख जोड़ी और प्रेम नाथ, प्राण, प्रेम चोपड़ा और अरुणा ईरानी जैसे वरिष्ठ लोग मदद के लिए आगे आए।

राज जिन्होंने अपनी पिछली सभी फिल्में शंकर–जयकिशन और शैलेंद्र और हसरत जयपुरी के संयोजन के साथ बनाई थीं, अब उन्हें लक्ष्मीकांत–प्यारेलाल और आनंद बख्शी की टीम के साथ बदल दी थी और सभी गीतों को गाने के लिए शैलेंद्र सिंह नामक एक नए युवा गायक को पेश किया था। ऋषि कपूर।

फिल्म बड़े पैमाने पर हिट हुई और आरके फिल्मों की महिमा वापस आ गई।

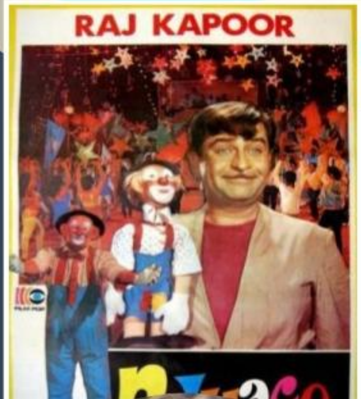

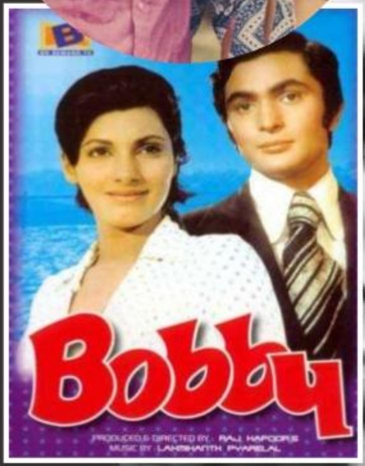
Bobby
PRODUCED & DIRECTED BY : RAJ KAPOOR
MUSIC BY LAXMIKANT PYARELAL

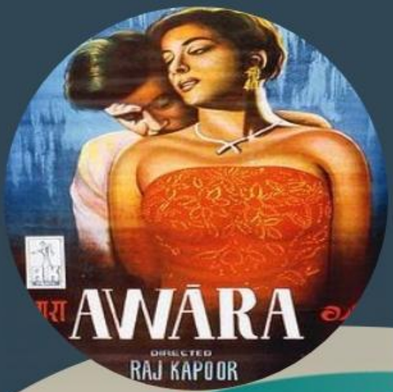

RAJ KAPOOR'S
JIS DESH
MEN
ANGA BEHT

SHREE
420
RAJ KAPOOR

राज कपूर शोमैन के रूप में वापस आ गए थे और उनके पास समारोहों की कतार थी। उन्होंने अपनी टीम के सभी वरिष्ठ सदस्यों को एक बिल्कुल नई एम्बेसडर कार और अन्य को बाइक और हरक्यूलिस साइकिल के साथ पेश करने का भी फैसला किया।

अब्बास को अपनी कार के साथ पेश करने का समय आ गया था और राज कपूर ने अपने सफेद राजदूत के साथ जुहू की यात्रा की और उनके बाद नए राजदूत थे। वह अब्बास के पास गये और उन्हें एक मिनट के लिए नीचे आने के लिए कहा और अब्बास ने फिर चिल्लाया, "तुम्हारी बेवकूफियों के लिए मेरे पास वक्त नहीं है"। लेकिन राज कपूर ने फिर उनके पैर छुए और कहा "अब्बास साहब, बस एक मिनट"। वे उस परिसर में पहुँचे जहाँ नया राजदूत खड़ा था और राज कपूर ने बहुत भावुक होकर अब्बास को कार की चाबी सौंप दी और अशफाक नामक एक ड्राइवर की ओर इशारा किया और अब्बास से कहा कि वह उनका ड्राइवर होगा और उनका वेतन और पेट्रोल का पैसा होगा आरके द्वारा भुगतान किया जा सकता है, लेकिन राज कपूर की केवल एक ही शर्त थी, उन्होंने अब्बास को किसी भी हालत में कार नहीं बेचने के लिए कहा, क्योंकि उन्हें पता था कि जिस क्षण अब्बास के पास अपनी खुद की फिल्म बनाने के लिए पैसे जुटाने के लिए कोई संसाधन होगा, वह सब चला जाएगा बाहर करो। उनके लिए सांसारिक मामले कोई मायने नहीं रखते थे जब उनके काम की बात आती थी और विशेष रूप से उनकी फिल्मों के निर्माण की।

अब्बास को कार बेचने के लिए कई प्रलोभन दिए गए, लेकिन उन्होंने अपने दोस्त से किया वादा निभाया और अपने जीवन के अंत में, कार उनके लिए इतनी महत्वपूर्ण नहीं थी। लेकिन उन्होंने अभी भी उस राजदूत को एक गैरेज में रखा था, उनके भवन के मकान मालिक श्री कोरिया ने उसे उपहार में दिया था और जब अब्बास की मृत्यु हुई तो कार कबाड़ में बदलने के संकेत दिखा रही थी और वह आखिरी बार कार को देखा था।

फेमिना के फैबुलस 40 में प्रदर्शित, रोहिणी अय्यर को प्रेरक उद्यमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

ज्योति वेंकटेश

रेनड्रॉप मीडिया की संस्थापक और **निर्देशक रोहिणी अय्यर** के लिए यह शो–स्टॉपिंग सप्ताह रहा है। लगातार सातवें वर्ष, **फेमिना की फैबुलस** 40 सूची में 39 अन्य अविश्वसनीय महिलाओं के साथ पावर आइकन चित्रित किया गया,

जिन्होंने 2021 में अपने काम से फर्क दिखाया है। उन्हें इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा #ETPromisingEntrepreneur में एक प्रेरक उद्यमी के रूप में घोषणा की गई इस मौके पर **सुजैन खान, रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख** भी साथ थे।

'द वुमन विद द मिडास टच' के नाम से मशहूर **रोहिणी अय्यर** मीडिया और मनोरंजन की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में से एक हैं। अपनी हालिया उपलब्धियों को शामिल करते हुए, उन्हें 19 पुरस्कार मिले हैं और उन्हें 28 पॉवरफूल लिस्ट में शामिल किया गया है और देश की सबसे शक्तिशाली महिला उद्यमियों के बारे में तीन बुक्स में लिखा गया है। उन्हें बॉलीवुड के लोगों द्वारा लकी चार्म कहा जाता है क्योंकि वह उनके सुनहरे बॉक्स ऑफिस की अवधि का हिस्सा रही हैं और उद्योग के सबसे बड़े नामों के उदय के लिए जिम्मेदार रही हैं।

जबकि अन्य ब्रांड बनाते हैं तो वही रोहिणी साम्राज्य बनाने के लिए जानी जाती है। तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वह रेनड्रॉप मीडिया और उनकी कंपनियों के समूह के लिए कुछ बड़ी घोषणाओं की योजना बना रही है। आइए प्रतीक्षा करें और देखें कि गेम चेंजर के पास हमारे लिए आगे क्या है!

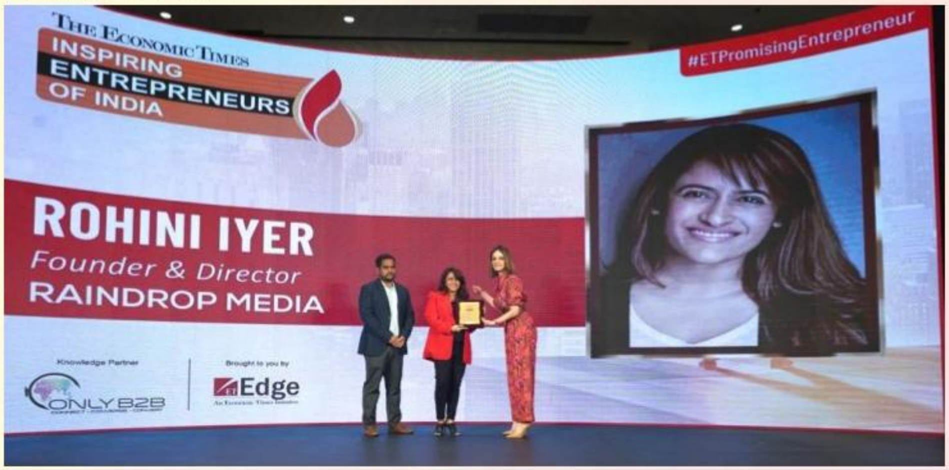

निर्देशक रंजन सिंह को मिला इस साल सातवां अवॉर्ड

ज्योति वेंकटेश

टेलीविजन के नम्बर वन निर्देशक **रंजन सिंह** को इस साल भी उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए लगातार अवार्ड मिल रहा है! हाल ही में उन्हें बेस्ट निर्देशन के लिए मुम्बई के होटल सहारा स्टार में आयोजित एक कार्यक्रम में सातवां अवॉर्ड मिला जिसका नाम था आइकोनिक गोल्ड अवॉर्ड। रंजन सिंह को इस साल जो सात अवॉर्ड मिले हैं वे हैं बलराज साहनी गौरव सम्मान,ब्लिसफुल इंडिया एक्सीलेंस अवार्ड, छत्रपति शिवाजी महाराज गौरव अवॉर्ड,वाग्धारा नवरत्न सम्मान, मुम्बई मीडिया आइकोनिक अवॉर्ड और पिछले साल का दादा साहेब फाल्के आइकॉन अवॉर्ड प्रमुख है। रंजन सिंह के कैरियरग्राफ पर नजर डालें तो लगभग 91 टीवी शो वे निर्देशित कर चुके हैं जिसमें कई शो आज भी ऑन एयर हो रहे है। उनके द्वारा निर्देशित पापुलर टीवी सीरियल हैं ये हैं

चाहतें,स्वराज,कांटेलाल एंड सन्स, नागिन, नागिन 2, नागिन 3, नागिन 4 और नागिन 5, कवच 2, प्यार की कसौटी,विध्नहर्ता गणेश,बेवफा से वफा,आज लिखेंगे कल, प्यार की कसौटी,चंद्रकांता,ब्रम्हराक्षस,कसम,कलश,ये कहां आगये हम,प्यार को हो जाने दो,थपकी प्यार की,महाराणा प्रताप, मेरी आशिकी तुमसे है, कुमकुम भाग्य, कैसा ये इश्क है, ये हैं मोहब्बतें सावित्री,भागोवाली,जगजननी मां दुर्गा,अखियों के झरोखों से,राम मिलाए जोड़ी,तेरे मेरे सपने,बालिका बधू,विवाह,बेटियां,मायका,माता की चौकी,अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजौ,हादसा,सीआईडी और जय हनुमान तथा रावण आदि। माइथोलॉजिकल शो के मास्टर डायरेक्टर माने जाने वाले रंजन सिंह एनएसडी से हैं और पटना ,बिहार और भोजपुरी उनके दिल मे बसती है।उन्होंने कई फिल्में भी निर्देशित की है। वे कहते हैं ये अवार्ड मेरे शो को देखने वाले दर्शकों खास कर महिला दर्शकों और मेरी माता जी तथा मेरी पत्नी प्रीति सिंह को समर्पित हैं।वे निर्माता संजय खान और बालाजी टेलीफिल्म्स की एकता कपूर का भी आभार मानते हैं जिन्होंने उन्हें एक नई पहचान दी। आपको बतादें कि रंजन सिंह ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्होंने अपने टैलेंट के दमपर सभी को इंप्रेस किया है. ।वे आज टीवी की दुनिया का बड़ा नाम माने जाते हैं। वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अपने फैंस संग इंटरैक्ट करना पसंद करते हैं।

ICONIC GOLD AWARDS
RANJAN KUMAR SINGH

बाल कलाकार से निर्देशक बने राजू श्रेष्ठ

—ज्योति वेंकटेश

बाल अभिनेता से निर्देशक बने राजू श्रेष्ठ सुधीर शर्मा और सीमा शर्मा के टीवी शो जिद्दी दिल माने ना (ZDMN) में नए हैं। अभिनेता दैनिक में प्रेम की भूमिका निभाता है। अभिनेता ने अपनी भूमिका के लिए जिस तरह की सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, वह उन्हें और बेहतर करने के लिए उत्साहित करती है।

''मुझे जो प्रतिक्रिया मिल रही है वह बहुत अच्छी है। इसे युवा इसलिए देख रहे हैं क्योंकि वे ZDMN के लक्षित दर्शक हैं। शुक्र है कि कॉन्सेप्ट, प्रेजेंटेशन और परफॉरमेंस ने सभी को पसंद किया है। टीआरपी केवल बेहतर हो रही है। अच्छा लगता है जब आपके प्रयास को सराहा जाता है," वे कहते हैं।

अभिनेता, जिन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में अपनी यात्रा शुरू की है और बावर्ची (1972), अमर प्रेम (1972), चितचोर और अभिमान (1973) सहित कई बॉलीवुड क्लासिक्स का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कई लोकप्रिय हिंदी टीवी शो भी किए हैं। राजू अपने अभिनय कौशल और जिस तरह के काम से खुद को जोड़ता है, उसके लिए जाना जाता है।

ZDMN के साथ उनके लिए चीजें कैसे काम करती हैं और शो अच्छा क्यों चल रहा है, यह साझा करते हुए, उन्होंने आगे कहा, "वे एक नया मोड़ चाहते थे, शॉक फैक्टर को जोड़ना चाहते थे लेकिन एक सूक्ष्म तरीके से किसी नए को शो में प्रवेश दिलाना। यह सब टीवी का स्टाइल है। और, यही कारण है कि मैं इसमें शामिल हो गया... मैंने प्रेम चरित्र के लिए ऑडिशन दिया और यह बहुत अच्छा रहा... यह शो सुधीर और सीमा के रचनात्मक दिमाग की उपज है। उन्होंने एक अलग स्तर पर सोचा है और यह अपने तरीके से काफी अनोखा है और इसलिए यह इतना अच्छा कर रहा है। वरना डेली सोप में वही कहानी और ड्रामा दोहराया जाता है। युवा दर्शक जो रियलिटी शो में हैं जैसे रोडीज और इसलिए अवधारणा को पसंद करते हैं, जेडडीएमएन की भावना। हमने अभी शुरुआत की है लेकिन अब तक यह अच्छा रहा है।''

अपने किरदार से वह कितना जुड़ाव महसूस करते हैं, इस बारे में राजू कहते हैं, ''मैं एक ऐसे अभिनेता की भूमिका निभा रहा हूं, जो यहां पराक्रम अकादमी में प्रशिक्षण लेने आया है। मैं इस किरदार से बहुत अच्छी तरह से संबंधित हूं, क्योंकि मैं बॉलीवुड बैकग्राउंड से आता हूं। मैंने 150 से अधिक फिल्में और हजारों एपिसोड किए हैं। मेरे अनुभवों ने भी मुझे किरदार में ढलने में मदद की है। मैं इस शो में थोड़ा फिल्मी होने की कोशिश कर रहा हूं।''

शो के निर्माताओं की प्रशंसा करते हुए, राजू ने बताया कि क्यों शो दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठा रहा है।

"सुधीर और सीमा दोनों ही मिलनसार, मिलनसार और मिलनसार हैं। आप उनसे किसी भी मुद्दे पर बात कर सकते हैं और वे आपकी मदद करेंगे। ऐसे पेशेवर लोगों के साथ सहयोग करना अच्छा लगता है। एंड टीवी पर मेरा आखिरी शो आमिर जाफर के साथ था। वह अच्छे और दयालु भी थे। अपने टेलीविजन करियर के इतने वर्षों के बाद, मैं इन अच्छे लोगों से मिला हूँ और उनके साथ काम करने का आनंद उठा रहा हूँ। वे जानते हैं कि अपने अभिनेताओं के साथ कैसा व्यवहार करना है, "वह समाप्त होता है।

Raju Shrestha with Dilip Kumar

Raju Shrestha with Gulzar

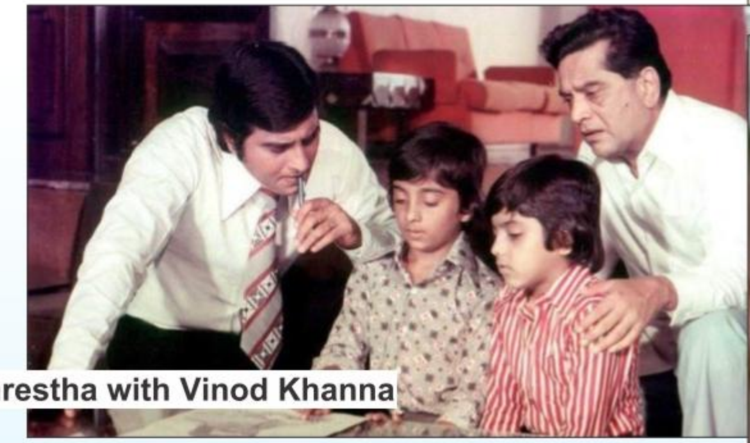

Raju Shrestha with Vinod Khanna

Parichay

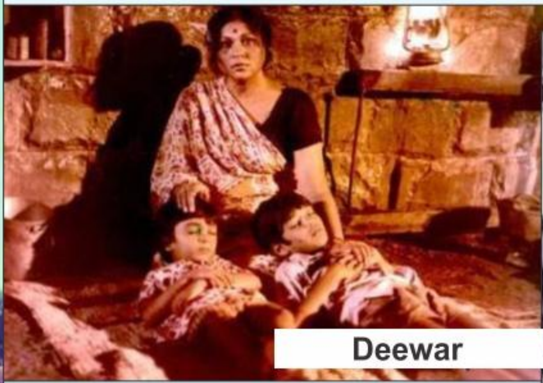

Deewar

Khatta Meetha

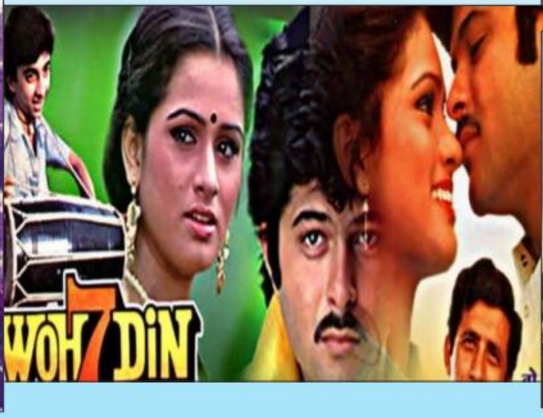

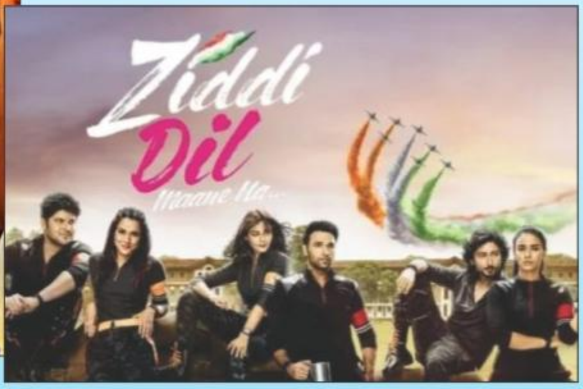

Ziddi Dil
Maane Na...

खुशबू

जीते-जीते जिंदगी ने उनके कितने सारे रंग बदल दिए

–अली पीटर जॉन

मुझे नहीं पता कि, मेरे विचार कवि **विलियम वर्ड्सवर्थ** या किसी अन्य कवि की पंक्तियों से मेल खाते हैं, लेकिन मुझे पता है कि इस कहावत में कुछ सच्चाई है कि कई फूल धूल में या कीचड़ में खिलते हैं।

खुशबू के मामले में, यह लगभग सच हो जाता है क्योंकि वह और कुछ नहीं बल्कि एक फूल है जो मुंबई की एक झुग्गी में पैदा हुई और पली–बढ़ी और आज कांग्रेस पार्टी के नेताओं में से एक है, लेकिन उसे फेंकना पड़ा है उस कीचड़ से ऊपर उठने के लिए एक लंबा और कभी–कभी दर्दनाक संघर्ष जिसमें वह एक बार खेलती थी।

खुशबू ने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी और उन्हें बेबी खुशबू के नाम से जानी जाती थी। वह कीचड़ में रहना जारी रख सकती थी, लेकिन यह उनकी बहुत योग्य बुद्धिमान माँ थी जिन्होंने उनके लिए जीवन देखा और वैकल्पिक किया। वह एक बाल कलाकार के रूप में अपने सुंदर बच्चे को फिल्मों में काम करने देने के लिए अपने एक दोस्त द्वारा सक्रिय थी और उन्होंने सलाह को गंभीरता से लिया।

उसे अपनी बेटी को बढ़ावा देने की रणनीति जानने में बहुत कम समय लगा और बेटी के साथ हर स्टूडियो, कार्यालय में गये और निर्देशकों और अन्य लोगों के साथ बैठकें कीं, जो छोटी लड़की को एक बच्चे की भूमिका दे सकते थे।

कुछ ही समय में बेबी खुशबू हिंदी सिनेमा के सबसे होनहार और लोकप्रिय बाल कलाकारों में से एक थी। उनके पास एक अतिरिक्त योग्यता थी, वह एक लड़का और एक लड़की दोनों की भूमिका निभा सकती थी, जिससे उनके लिए अधिक से अधिक काम ढूंढना आसान हो गया।

एक बाल कलाकार के रूप में उनका करियर 10 साल से अधिक समय तक चला और बेबी खुशबू के रूप में उनकी आखिरी फिल्म **"दर्द का रिश्ता"** थी, जिसे सुनील दत्त ने निर्देशित किया था और जिनमें उन्होंने मौत के कगार पर एक कैंसर रोगी की भूमिका निभाई थी।

Dard KA Rishta

वह काफी समय के लिए दृश्य से गायब हो गई, लेकिन जब वह 16 साल की उम्र में वापस आई, तो वह एक खूबसूरत युवती थी, जो स्क्रीन पर आग लगाने के लिए पूरी तरह तैयार थी।

हालाँकि वह इसे बड़ा बनाने की जल्दी में थी क्योंकि वह उनकी माँ की महत्वाकांक्षा थी जो अभी भी उनकी माँ से अधिक उनकी मार्गदर्शक और प्रबंधक थी। उन्होंने **सुभाष घई** की **'मेरी जंग'** में एक बहन की भूमिका निभाने के लिए राजी होकर एक बड़ी गलती की,

फिल्म में **जावेद जाफ़री** उनके प्रेमी के रूप में थे। फिल्म **'मेरी जंग'** ने हालांकि उनका कुछ अच्छा नहीं किया, लेकिन वह चलती रहीं क्योंकि उनकी मां जो एक अनपढ़ मुस्लिम महिला थीं, ने उन्हें यही सिखाया था।

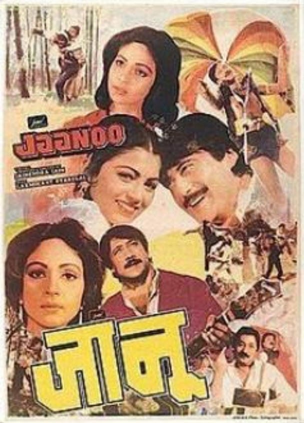

उनके दृढ़ संकल्प और उनकी मां की प्रेरणा ने उन्हें **जैकी श्रॉफ** के साथ **'जन्नू'** जैसी फिल्मों में प्रमुख भूमिकाएं करने के लिए प्रेरित किया, लेकिन फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई। उनके पास एकमात्र अन्य फिल्म थी जो 'सौतेला पति' नामक एक सेक्स आधारित फिल्म थी, जिसे ब्रिशारा द्वारा निर्देशित किया गया था, जिसे 'भारतीय सिनेमा में सेक्स के महायाजक' के रूप में जाना जाता था। यह फिल्म भी फ्लॉप हो गई और खुशबू जिसने अब अपने नाम से बेबी

को हटा दिया था, समुद्र में थी और उसे आश्रय या छोटा नहीं मिला।

लेकिन, जब तक उनकी माँ उनके साथ थी, उन्हें चिंता करने की कोई बात नहीं थी। उनके पिता एक साधारण बिजली मिस्त्री थे, जिन्हें जुहू के बाजार में खोखा (अस्थायी रूप से झटका) लगा था और मां और बेटी दोनों उन्हें किसी के लिए भी अच्छा नहीं मानते थे।

माँ ने एक और योजना बनाई और इस बार यह एक बहुत ही सफल योजना थी। वह अपनी बेटी के साथ और अपने पति को बताए बिना मद्रास चली गई।

माँ अपनी बेटी को लोकप्रिय बनाने के अपने दिनों में वापस चली गईं और अपनी बेटी की खुशबू को तमिल फिल्मों और फिर दक्षिण में बनी अन्य फिल्मों में एक प्रमुख शुरुआत करने में केवल कुछ महीने लगे।

एक समय आया जब उन्हें दक्षिण की नंबर 1 अभिनेत्री के रूप में घोषित किया गया और उनके कुछ दीवाने प्रशंसकों ने 'देवी खुशबू' नाम से एक मंदिर बनाने की हद तक चला गया, जिसे हर रोज हजारों लोग देखने आते थे और दान पेटी रखी जाती थी। रात में उपयोगी रूप से धन से भरे प्रवेश द्वार पर। यहां तक कि श्रीलंका और खाड़ी के अन्य देशों से भी लोग नए देवताओं को श्रद्धांजलि देने आए थे।

लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में उनके करियर को एक बड़ा झटका लगा, जब उनका 'अभिनय के देवता', शिवाजी गणेशन के बेटे प्रभु के साथ संबंध था, जिसके कारण उन्हें तमिल नायडू के सभी प्रमुख फिल्म निर्माताओं द्वारा बैंड बनाया गया और उनका करियर लगभग आ गया। एक समाप्ति के लिए।

लेकिन वह अभी भी टावर में फेंकने को तैयार नहीं थी और राजनीति में शामिल हो गई और पहले डीएमके पार्टी में शामिल हो गईं, जब उन्हें पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया और कांग्रेस में शामिल हो गईं, जो आज वह प्रवक्ता हैं।

मुंबई की मलिन बस्तियों का बच्चा चेन्नई के प्रमुख नागरिकों में से एक है। उनके पास उनका जीता हुआ बंगला और एक बड़ी संपत्ति है जिसमें जमीन और अन्य सामान शामिल हैं। उन्होंने अब एक पूर्व अभिनेता सुंदर से शादी कर ली है और अब उन्हें अम्मा कहा जाता है। एक अभिनेत्री के रूप में उनकी कोई भूमिका नहीं है, लेकिन उन्होंने एक ऐसा नाम बनाया है जो तमिल फिल्मों का इतिहास लिखे जाने पर याद किया जाएगा।

संयोग से देवी खुसभोक का मंदिर अब अस्तित्व में नहीं है, जो काफी सरल है कि कैसे एक महिला कहीं से भी उठती है, एक नकली देवी बन जाती है और फिर चढ़ने से गिर जाती है और कंपनी के लिए केवल उनकी यादों के साथ रहती है।

मैं रानी के लिस्पिंग बेबी का साक्षी रहा हूं और वह जिसने नेता बनने की कोशिश की है, और यहां तक कि सफल भी हुई और यहां तक कि असफल भी हुई।

दंगल टीवी के शो रंजू की बेटियां में जैसे को तैसा वाला ड्रामा

–हिमांशु झुनझुनवाला

जल्द ही 200 एपिसोड कम्प्लीट करने वाला है अयूब खान, दीपशिखा का यह शो

दंगल टीवी के नम्बर वन शो रंजू की बेटियां में ट्विस्ट पे ट्विस्ट आता जा रहा है। अपहरण हो चुकी मुस्कान बड़ी मुश्किल से घर वापस आई है यहां तक कि विक्की को भी बचा लिया गया, मुस्कान को खोजने के लिए रंजू ने जिसका अपहरण करवा लिया था। ललिता को पता चल जाता है कि रंजू ने आखिरकार अपना वादा पूरा कर लिया है कि वह ललिता निवास को शांति निवास में बदल देगी। यह रंजू की पहली बड़ी जीत है। अब कहानी में मोड़ यह आता है कि ललिता को घर छोड़ने के लिए 1 दिन का नोटिस दिया गया है, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने रंजू के परिवार के साथ किया था।

अयूब खान ने कहा कि ललिता मिश्रा की हरकतों की वजह से गुड्डू मिश्रा का दिल खट्टा हो जाता है। अब तक वह इस हद तक पहुँच गई है कि छोटी बच्ची की किडनैपिंग भी करने लगी हैं। हमारी मुस्कान वापस आ गई है और अब हम यह जाहिर करने वाले हैं कि यह काम ललिता ने किया है। मुझे खुशी है कि मेरे किरदार गुड्डू मिश्रा को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। इस शो की कामयाबी में लेखकों का बड़ा कमाल है, उन्होंने कहानी में इतनी दिलचस्पी रखी है कि लोग पसन्द कर रहे हैं। हमारे शो में काफी टर्न ट्विस्ट हैं, आगे आगे देखिए होता है क्या?

मुस्कान घर वापस आ गई है लेकिन ललिता मिश्रा की आंखों में आंसू आ गए हैं। ललिता का रोल कर रही दीपशिखा नागपाल ने बताया कि ललिता इस लिए परेशान है क्योंकि उसका बेटा किडनैप हो गया है। दरअसल रंजू ने गेम खेला है, उसको लगा कि मैंने उसकी बेटी मुस्कान का अपहरण करवाया था तो उसने मेरे बेटे का अपहरण करवा दिया। शो में जैसे को तैसा वाला मामला चल रहा है, ड्रामा बढ़ता ही जा रहा है। ललिता को चालबाजी से हराने की कोशिश की गई लेकिन ललिता हार मानने वालों में से नहीं है, हार कर जीतने वालों को ही बाजीगर कहते हैं। वह फिर कुछ नया प्लान रचेगी। ललिता के किरदार से लोग नफरत कर रहे हैं मगर वह अपने परिवार बच्चों के लिए हमेशा आगे रहती है। बेटा किडनैप हुआ तो उसने खड़े खड़े घर बेच दिया। हमारे शो में कौन कब धोखा देगा किसी को नहीं पता। हम बहुत उत्साहित हैं कि शो जल्द ही 200 एपिसोड कंप्लीट करने वाला है।

करण खण्डेलवाल ने बताया कि शो में इंटरेस्टिंग मोड़ आता ही जा रहा है। अब हम वेट कर रहे हैं कि हमारी मम्मी ललिता जी कुछ नया प्लान बनाएं और हमें बताएं तो हम उस पर अमल करें।

रंजू ने बताया कि मुस्कान वापस आ गई तो हमने चैन की सांस ली है वरना एक मां के लिए सबसे डरावना सपना होता है कि उसकी बेटी को कोठे पे बेच दिया जाए। ललिता का हाथ इस मामले में था अब उनके साथ क्या होता है यह आप आने वाले एपिसोड में देखेंगे।

बुलबुल (रूपल त्यागी) ने बताया कि जब उसने मुस्कान को इतने दर्द में डांस करते देखा तो मेरे दिल ने कहा कि कैसे भी इसे बचा लिया जाए और फिर मैं इसे बचा कर ले आई।

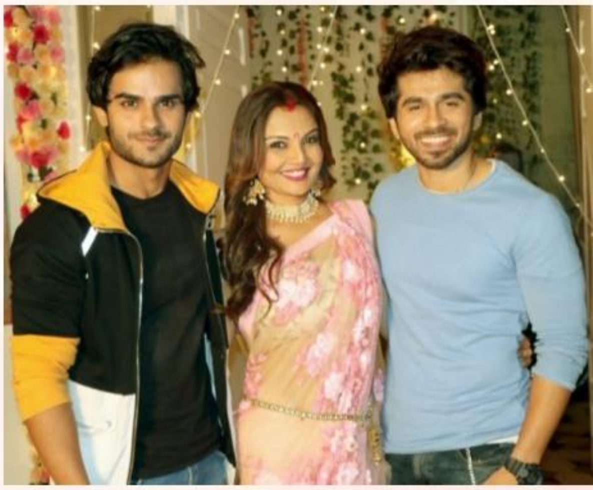

मुस्कान (आरुषि शर्मा) ने बताया कि बुलबुल दीदी को बचाने के लिए मुस्कान इतने दर्द में भी डांस करती है। वह खुश है कि कोठे जैसी जगह से वह वापस बचकर आ गई।

गौरतलब है कि दंगल टीवी के लोकप्रिय शो 'रंजू की बेटियां' में अयूब खान, दीपशिखा नागपाल, रूपल त्यागी, करण खंडेलवाल, जीवांश चड्ढा और रीना कपूर सहित मोनिका चौहान, नवीन पंडिता और अनुष्का श्रीवास्तव जैसे कई कलाकार हैं।यह शो सोमवार से शुक्रवार रात 9.30 बजे सिर्फ दंगल टीवी पर देखा जा सकता है।

सुकृति और प्रकृति ने एक संगीत वीडियो में पहली बार अभिषेक और सिद्धार्थ निगम अभिनीत अपना नवीनतम गीत 'मजनू' जारी किया–VYRL मूल पर अभी बाहर

MAJNU
STARRING

HORIA INTER COLLEGE FESTIVAL

एक साथ एक बड़ी हिट – माफियान देने के बाद, बहु–प्रतिभाशाली जुड़वां सुकृति –प्रकृति मेलो डी के साथ एक और शानदार गीत 'मजनू' के साथ वापस आ गए हैं। संगीत वीडियो भारतीय टेलीविजन उद्योग की सबसे खूबसूरत भाई–बहन की जोड़ी अभिषेक और सिद्धार्थ निगम में से एक है, जो पहली बार एक संगीत वीडियो में एक साथ दिखाई दे रहे हैं।

'मजनू' लड़कियों और लड़कों दोनों के नजरिए से एक आधुनिक समय की प्रेम कहानी पर एक उत्साही और विचित्र कहानी है, जिसे सुकृति–प्रकृति ने मेलोडी के साथ गाया है। यह गीत मेलोडी और द रिश द्वारा रचित और सह–लिखित है, जो 90 के दशक के भारतीय पॉप संगीत से काफी हद तक प्रेरित, बीट्स की पारंपरिकता को सामने लाता है।

इस जीवंत संगीत वीडियो का निर्देशन स्नेहा शेट्टी कोहली ने किया है जो सुकृति – प्रकृति और अभिषेक और सिद्धार्थ निगम के बीच एक जलती हुई केमिस्ट्री को सामने लाता है। वीडियो कॉलेज के माहौल में एक बहुत ही जीवंत मूड के साथ सेट किया गया है जो लड़कियों को लुभाने की प्रक्रिया में शामिल मस्ती और खेलों को चित्रित करता है। वीडियो के नायक आपके भीतर के 'मजनू' को जगाएंगे और आपको मनोरम गीत पर थिरकेंगे जो निश्चित है मिलेनियल्स के बीच हिट होने के लिए।

अपनी नवीनतम रिलीज के बारे में बात करते हुए, सुकृति और प्रकृति ने कहा, "हम अपने दर्शकों के लिए मस्ती से भरे गाने प्राप्त करना पसंद करते हैं। मजनू एक और आनंददायक गीत है जिसमें दो भाई–बहन पहली बार एक संगीत वीडियो में एक साथ आ रहे हैं। सिद्धार्थ और अभिषेक निगम ने बेशक वीडियो को नेक्स्ट लेवल पर ले गए हैं! मेलो डी और द रिश ने गाने को खूबसूरती से कंपोज और लिखा है और पूरी टीम के साथ काम करना हमेशा से एक शानदार अनुभव रहा है। यह गीत अब वीवायआरएल ओरिजिनल्स पर आ गया है, और हमें उम्मीद है कि हमें उतना ही प्यार मिलेगा, जितना हमें अपनी पिछली रिलीज के लिए मिला था।''

एक साथ अपने पहले संगीत वीडियो के बारे में उत्साहित, निगम ब्रदर्स (सिद्धार्थ और अभिषेक) ने कहा, ''मजनू एक आदर्श पार्टी गीत है, विशेष रूप से हुक स्टेप्स क्योंकि आप इसके आदी होने के लिए बाध्य हैं! यह हमारा पहला संगीत वीडियो एक साथ है और हमने सुकृति–प्रकृति के साथ शूटिंग का एक अद्भुत समय। गाने में शहरी बीट्स के साथ पूरी तरह से आधुनिक वाइब है, जो इसे एक पूर्ण सहस्राब्दी पसंदीदा बनाता है। VYRL ओरिजिनल्स की पूरी टीम के साथ काम करने में मजा आता है, और हम इसका हिस्सा बनकर रोमांचित हैं।

PRIYANKA CHOPRA SITS WITH CROSSED LEGS IN A PRIVATE JET

RANBIR KAPOOR AND ALIA BHATT ENJOYS JUNGLE SAFARI IN JODHPUR

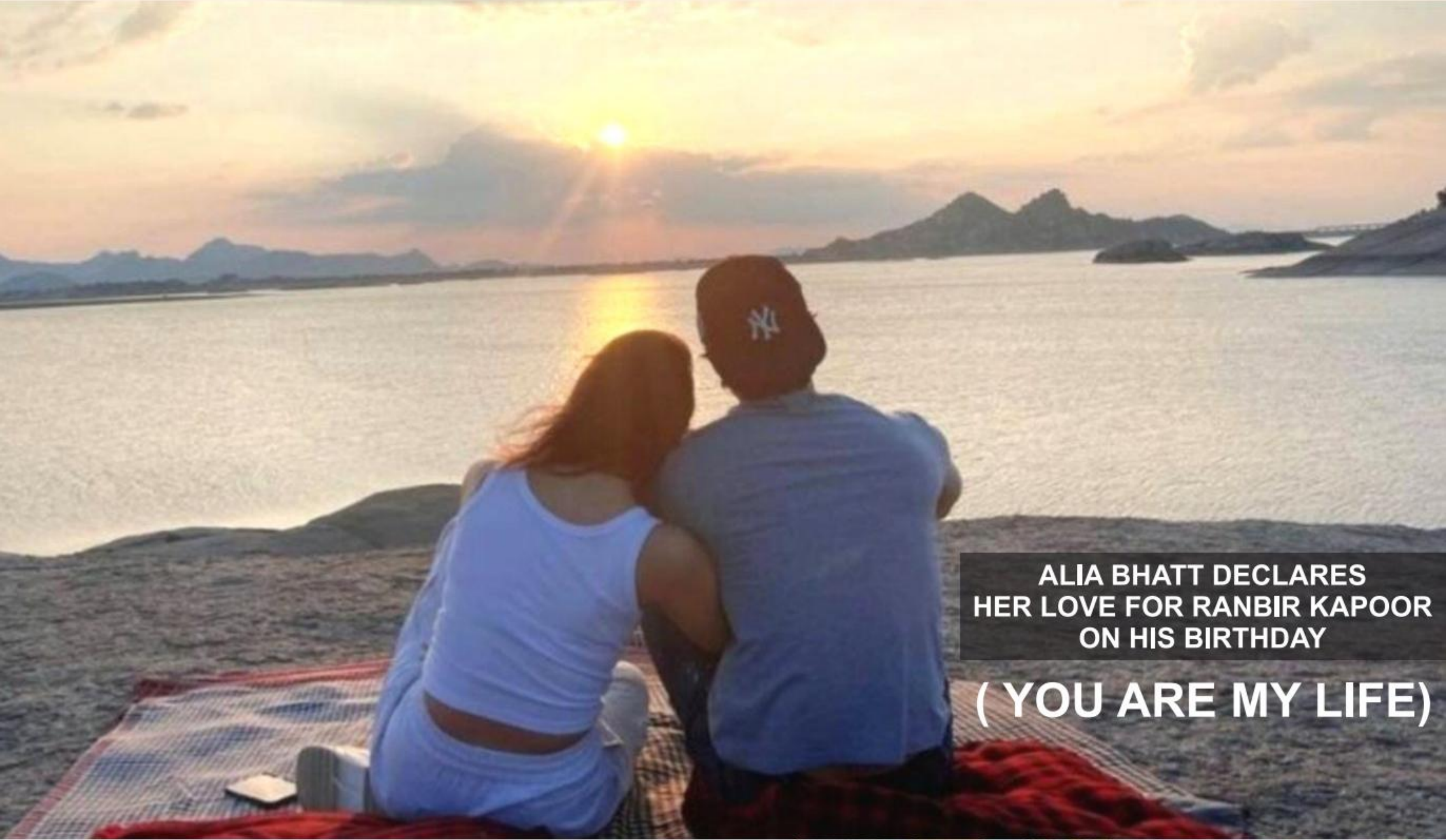

ALIA BHATT DECLARES HER LOVE FOR RANBIR KAPOOR ON HIS BIRTHDAY

(YOU ARE MY LIFE)

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

महाराष्ट् के राज्यपाल ने ''चैम्पियन ऑफ चेंज महाराष्ट्र संस्करण 2021'' में राजनैतिक , व्यवसाय जगत , सिनेमा कला और सामाजिक कल्याण की विभूतियों को किया सम्मानित

इंटेरैक्टिव फोरम ऑन इंडियन इकोनॉमी द्वारा ताजमहल पैलेस होटल में प्रतिष्ठित राज्य मान्यता पुरस्कार 'चैंपियंस ऑफ चेंज' महाराष्ट्र समारोह' आयोजित किया गया. विजेताओं को महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी मुख्य अतिथि के रूप में पुरस्कार प्रदान किये. यह समारोह डॉ. वेद प्रताप वैदिक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ.इस अवसर पर राजनैतिक,सिनेमा, सामाजिक कल्याण और उद्योग जगत के दिग्गज सम्मानित किया गए. प्रमुख पुरस्कार विजेताओं में देवेन्द्र फडणवीस,दिलिप वल्से पाटिल,नाना पटोले, श्रीमती सिंधुताई सपकाल,सत्यजीत भटकाल, उदित नारायण,पोपटराव पवार, शांतिलाल मुत्था,नवाजुद्दीन सिद्दीकी, कुमारी पलक मुच्छल, श्रीमती उषा एस० काकड़े,मोतीलाल ओसवाल,जैकी श्रौफ, डॉ. जसवंत पाटिल, श्रीमती दीया मिर्जा,हिमांशु शाह को चैंपियंस ऑफ चेंज महाराष्ट्र संस्करण से सम्मानित किया गया। अन्य प्रमुख विजेताओं में डॉ. मधु पराशर,एस.पी भारिल्ल,श्रीमती अगाथा सुशीला अंथोनी डायस, श्रीमती ज्योत्सना रेड्डी, जसपाल सिंह, श्रीमती सरिता सिंह, अमित बुदानिया,कुमारी जरीन मनचंदा, श्रीमती नेहा सुंदेशा, श्रीमती भाविनी खख्खर,कौशिक पलीचा,संजय कालिका मिश्रा,राज आशू,पंचम सिंह, नरेन्द्र फिरोदिया,यतिन गुप्ते, श्री रामचंद्र सिंह,कपिल मेहरा को भी पुरस्कृत किया गया।

'चैम्पियंस ऑफ चेंज' पुरस्कार विजेताओं का चयन सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति की अध्यक्षता वाली प्रख्यात जूरी द्वारा किया जाता है। इस पुरस्कार का उद्देश्य उन चैंपियंस को सम्मानित करना है,जिन्होंने साहस, सामाजिक कल्याण, विकास और समाज के पालन–पोषण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक नायकों के रूप में काम किया है।

इस अवसर पर चैम्पियन ऑफ चेंज के संस्थापक नंदन झा ने कहा– ''चैम्पियन ऑफ चेंज के महाराष्ट्र संस्करण में सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूँ इंटरैक्टिव फोरम ऑन इंडियन इकोनॉमी द्वारा चौम्पियन ऑफ चेंज के अन्य राज्यों में भी आयोजन किया जाएगा।''

'चैम्पियंस ऑफ चेंज अवॉर्ड' एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अवार्ड है। और चैंपियंस ऑफ चेंज महाराष्ट्र पुरस्कार इन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार का एक हिस्सा है। इस राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना 2018 में अधिवक्ता नंदन झा ने की। और प्रति वर्ष यह पुरस्कार माननीय राष्ट्रपति, माननीय उपराष्ट्रपति, माननीय प्रधान मंत्री, माननीय राज्यपाल या भारत के किसी प्रमुख संवैधानिक व्यक्ति द्वारा प्रदान किया जाता हैं।

इस पुरस्कार का आयोजन इंटरैक्टिव फोरम ऑन इंडियन इकॉनोमी और इसके मासिक राष्ट्रीय समाचार पत्रिका पावर कॉरिडोर, समाचार पोर्टल पंचायती टाइम्स (ग्रामीण भारत की आवाज को आगे ले जाने वाला सबसे बड़ा डिजिटल समाचार मंच) के साथ किया जाता है।

पिछले 3 वर्षों से राष्ट्रीय पुरस्कार के मुख्य अतिथि रहे हैं– भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू, भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति व भारत रत्न स्वर्गीय श्री प्रणब मुखर्जी और महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारीं।

''चैंपियंस ऑफ चेंज अवार्ड'' के पिछले उल्लेखनीय विजेताओं में श्री एमके स्टालिन (तमिलनाडु के सीएम), श्री प्रमोद सावंत (गोवा के सीएम), श्री हेमंत सोरेन (झारखंड के सीएम), श्री एन बीरेन सिंह (मणिपुर के सीएम) शामिल हैं. स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज (जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर), श्री अनुराग ठाकुर (केंद्रीय खेल, युवा मामले, सूचना और प्रसारण मंत्री), श्री मनीष सिसोदिया (दिल्ली के उप मुख्यमंत्री) श्री श्रीपद नाइक (राज्य मंत्री, भारत सरकार), और भारतीय फिल्म उद्योग से पुरस्कार पाने वालों में श्रीमती हेमा मालिनी, श्रीमती सुष्मिता सेन, श्रीमती शिल्पा शेट्टी, श्री पहलाज निहलानी, और श्री सोनू निगम शामिल हैं।

IFIE
CHAMPIONS OF CHANGE
PC

निर्देशक राजू चौहान ने फिल्म की शूटिंग से पहले 'दम है तो आ जा' का टीजर फिल्माकर भोजपुरी सिनेमा में रचा इतिहास

कई हिंदी और भोजपुरी फिल्मों के निर्देशक राजू चौहाण इन दिनों भोजपुरी अभिनेता सत्येन्द्र सिंह राजपूत को हीरो लेकर एक्शन प्रधान भोजपुरी फिल्म ''दम है तो आ जा'' की शूटिंग दिसंबर माह में गोपालगंज, बिहार में करने वाले है। मगर इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले ही राजू चौहान ने सत्य्रेंद सिंह राजपूत पर सबसे पहले फिल्म का टीजर फिल्माकर भोजपुरी सिनेमा के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरूआत की है।

फिल्म ''दम है तो आ जा'' में निधि झा भी अभिनय कर रही है। फिल्म ''भूचाल'' के बाद सत्येन्द्र सिंह राजपूत और निधि झा की एक साथ यह दूसरी फिल्म होगी। फिल्म के कैमरामैन दयाशंकर हैं।

फिल्म निर्देशक राजू चौहान अपनी इस फिल्म के संदर्भ में कहते हैं–''हमारी फिल्म 'दम है तो आ जा' की कहानी बहुत ही अलग है, जिसे हम बेहद भव्य रूप से शूट करने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग से पहले किसी फिल्म का टीजर शूट नहीं होता है, लेकिन भोजपुरी सिनेमा के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि हमने इस फिल्म का टीजर उसी लोकेशन पर पहले फिल्माया , जहां पूरी फिल्म की शूटिंग होनी है। यह फिल्म भोजपुरी दर्शकों के लिए भी एक नया ट्रीटमेंट होगा।''

निर्देशक राजू चौहान को गोपालगंज, बिहार से खास लगाव है। उन्होने इससे पहले अपनी पिछली फिल्म ''भूचाल'' को गोपालगंज,बिहार में ही फिल्माया था,जिसमें सत्येन्द्र सिंह राजपूत और निधि झा की जोड़ी थी। इस तरह देखा जाए तो निर्देशक, हीरो व हीरोईन की तिकड़ी की एक्शन फिल्म ''दम है तो आ जा ''से वापसी हो रही है।

निर्देशक राजू चौहान कहते हैं–''इस फिल्म में सत्येन्द्र सिंह राजपूत एक अलग किस्म के लुक और एकदम हटकर किरदार निभते हुए नजर आएंगे। तो वहीं फिल्म में निधि झा के साथ उनकी जोड़ी और केमिस्ट्री लाजवाब दिखने वाली है।सत्येन्द्र सिंह राजपूत की प्रतिभा लाजवाब है। मुझे उन के साथ काम करके मजा आता है। यह एक इंटरटेनिंग सिनेमा है, जिसके गाने और संवाद दर्शकों से जल्द कनेक्ट होने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग गोपालगंज के मनोरम लोकेशन पर होने जा रही है।''

जबकि निर्देशक राजू चौहान की तारीफ करते हुए सत्येन्द्र सिंह राजपूत ने कहा–'' मैं फिल्म के निर्देशक राजू चौहान जी का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। उनके साथ मुझे लगातार फिल्म करने का मौका मिल रहा है। वह कमाल के निर्देशक हैं,जिनकी हर फ्रेम पर बारीक नजर होती है। हम लोगों ने 'दम है तो आजा' के टीजर का फिल्मांकन करते हुए काफी इंज्वॉय किया और अब फिल्म की शूटिंग शुरू करने को लेकर उत्साहित हैं।''

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

गायक व गीतकार ए–जल अपने नए एल्बम '17 एंड 11 नाइट्स' के साथ करेंगें वर्चुअल टूर

न्यूयॉर्क में रह रहे भारतीय गायक व गीतकार ए–जल ने अपने पहले एकल अमरीकी पॉप एल्बम '17 एंड 11 नाइट्स' के साथ एक वर्च्युअल / आभासी दौरे की योजना बनाई है। यह एक व्यावसायिक पॉप अलबम है,जिसमें उच्च ऑक्टेन डांस नंबरों से लेकर आत्मा को उत्तेजित करने वाले मधुर गीतों तक कई तरह के ट्रैक शामिल हैं।

ए–जाल ने अक्टूबर में शुरू होने वाले अपने आभासी दौरे के लिए न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया, टेक्सास और नैशविले में प्रमुख क्लबों और समुदायों के साथ करार किया है। हालांकि मंच पर प्रदर्शन करने के अनुभव की कमी होगी, लेकिन मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए पूरी टीम द्वारा वर्चुअल टूर करना सबसे अच्छा निर्णय रहा है। विदेशों में संगीत समुदाय इस विचार का समर्थन करता रहा है और इसे संभव बनाने में सहायक रहा है। ए–जल उन सभी लोगों के लिए बहुत सम्मान करते हैं जिन्होंने इस विचार के लिए उनका समर्थन किया है।

ए – जल भारत में उसी वर्चुअल टूर को दोहराने की योजना बना रहे हैं और उसी के लिए तैयारी चल रही है। वह चाहते हैं कि एल्बम के बाजार में आने से पहले उनके दर्शक व श्रोता उनके लाइव प्रदर्शन का अनुभव करें और एक जुड़ाव को महसूस करें।

खुद ए–जाल कहते हैं, ''कोरोना महामारी के चलते जिस तरह से चीजें आकार ले रही हैं, उसे देखते हुए मुझे इस समय लाइव कॉन्सर्ट नहीं कर पाने का बुरा नहीं लग रहा है! यह नई बात है, मैं कहूंगा। कुछ जगहों ने निश्चित रूप से खोलना शुरू कर दिया है, लेकिन बहुत सारे कारक थे जो यह तय करने में गए कि हमें आभासी / वर्च्युअल होना चाहिए। वैसे देखा जाए तो आभासी संगीत कार्यक्रमों में दर्शकों से बातचीत बहुत अधिक होती है और कुछ ऐसा जो सभी कलाकार आनंद लेते हैं। एक चीज जो मुझे निश्चित रूप से याद आती है वह है ऊर्जा । हजारों लोग जब संगीत कार्यक्रम में शामिल होंते हैं तो कए अलग तरह की उर्जा का संचार होता है। उस ऊर्जा और ध्वनि का मिलान कभी भी एक आभासी संगीत कार्यक्रम से नहीं किया जा सकता है। मैं मंच पर वापस आने का इंतजार नहीं कर सकता, लेकिन मुझे आभासी होने का कोई पछतावा भी नहीं है,क्योंकि कोरोना महामारी के चलते पैदा हुए हालात के अनुसार हमें कार्य करने की आवश्यकता है।''

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

फिल्म ''बालाकोट''में नजर आएगी अश्मित पटेल और वेरोनिका वनिज की जोड़ी

कुछ म्यूजिक वीडियो के बाद 'उल्लू ऐप' की वेब सीरीज 'स्मार्टफोन' के अलावा फिल्म ''बंद तिजोरी'' में अभिनय कर अपनी एक पहचान बना लेने वाली वेरोनिका वनिज इन दिनों अभिनेता अश्मित पटेल के साथ ''क्यू कैफे फिल्मस'' निर्मित फिल्म ''बालाकोट''को लेकर अति उत्साहित नजर आ रही हैं। फिल्म ''बालाकोट'' के निर्देशक हितेश ख्रीस्ती और कैमरामैन सुनील पटेल हैं। वेरोनिका का दावा है कि वह अपने हर किरदार की तैयारी पूरी गंभीरता के साथ करती हैं।

वेरोनिका वनिज कहती हैं– ''मैं फिल्म की कहानी के बारे में फिलहाल ज्यादा कुछ नहीं बता सकती। लेकिन मैं निश्चित रूप से कह सकती हूं कि यह हमारे समय की सबसे प्यारी कहानियों में से एक है। कहानी आम नागरिक से बहुत जुड़ी हुई है और लोग इसे अवश्य पसंद करेंगें। क्योंकि वह खुद को इसके साथ जुड़ा हुआ पाएंगे। यह बेहद प्रासंगिक फिल्म है। जैसे ही मैंने स्क्रिप्ट सुनी, तुरंत हां कह दिया था।''

SECTOR BALAKOT

HITESH KHRISTY FILM PRODUCTION
SECTOR BALAKOT
PRODUCTION HOUSE : Q CAFE MOVIES
DIRECTOR : MR. HITESH KHRISTY
D.O.P. : MR. SUNIL PATEL
SCENE NO.
SHOT NO.
TAKE NO.

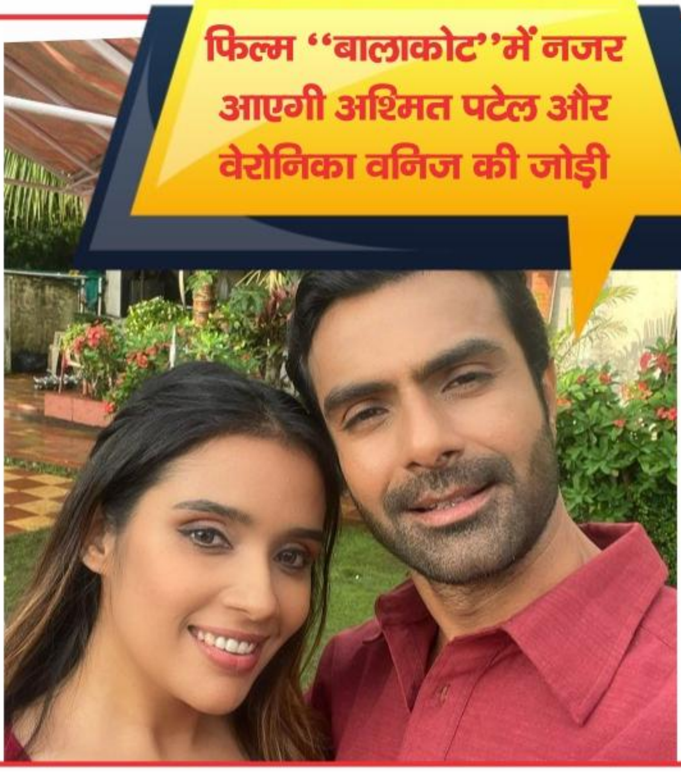

''वंस अगेन मोदी'' गीत के गायक व रैपर हितेश्वर को केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने किया सम्मानित

मशहूर रैपर हितेश्वर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित करते हुए एक गाना ''वंस अगेन मोदी'' को स्वरबद्ध कर मशहूर रैपर हितेश्वर जबरदस्त शोहरत बटोर रहे है। इस गीत के वायरल होन के बाद हाल ही में केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने हाल ही में आज रैपर हितेश्वर को सम्मानित किया। मुख्तार अब्बास नकवी ने उन्हें प्रधानमंत्री पर बनाए उनके गाना 'वंस अगेन मोदी को लेकर अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इस मौके पर भाजपा के महामंत्री रवि भी मौजूद रहे। सम्मान समारोह के अवसर पर हितेश्वर ने कहा–''नरेंद्र मोदी सिर्फ देश के प्रधानमंत्री ही नहीं, युवाओं के आइकन हैं। उन्होंने देश ही नही पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ाने का काम किया है। उनके नेतृत्व में भारत हर मोर्चे पर मजबूत हुआ है। ऐसे में यह मेरा सौभाग्य है कि मैंने उनके लिए गाना 'वंस अगेन मोदी' गाया है। उम्मीद है यह गाना लोगों को काफी पसंद आएगा। और वह एक मजबूत व जिम्मेदार नेतृत्व की अहमियत को भी समझेंगे।

रैपर हितेश्वर ने अपने गाने ''वंस अगेन मोदी'' में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों और उनके कुशल नेतृत्व को लेकर एक जनजागृति वाले इस गाने का निर्माण किया। हितेश्वर ने इस गाने को अपने यूट्यूब चैनल से रिलीज किया है। अब यह गाना लोगों को खूब पसंद भी आ रहा है और वायरल हो रहा है। इस गाने का निर्माण भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष एजाज देशमुख ने किया है। गीतकार कुणाल बिहारी लिखे इस गीत को संगीत से संवारा है संगीतकार रीवन सिंह ने।वीडियो निर्देशक प्राण पांडा हैं। जबकि अभिषेक गजान को धन्यवाद अदा किया गया है।

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

गांधी जयंती के अवसर पर फिलमची भोजपुरी पर यश कुमार की फिल्म 'रूद्रा' का विश्व टेलीविजन प्रीमियर

फिलमची भोजपुरी टीवी हर सप्ताह शानदार भोजपुरी फिल्मों का विश्व टेलीवीजन प्रीमियर करता है। इसी श्रृंखला में दो अक्टूबर को गांधी जयंती के खास अवसर पर 'फिलमची भोजुपरी टीवी ''ने भोजपुरी की सुपर हिट फिल्म 'रूद्रा' का विश्व प्रीमियर करने का निर्णय लिया है। भोजपुरी टेलीवीजन के इतिहास में पहली बार 2 अक्टूबर को फिलमची टीवी एक शानदार फिल्म ''रूद्रा '' लेकर आ रहा है, जिसका इंतजार सभी को बेसब्री से है। इस फिल्म का प्रीमियर शनिवार 2 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से होगा।

इस संबंध में ''फिलमची भोजपुरी'' के तरुण तलरेजा कहते हैं–''भोजपुरी फिल्म 'रूद्रा' यश कुमार की बेहतरीन फिल्म है। इस फिल्म को सिनेमाघरों में दर्शकों ने खूब पसंद किया है। अब बारी टेलीवीजन की है, जहां पूरे परिवार के साथ दर्शक इस फिल्म को देख सकेंगे। फिल्म में एक्शन और इमोशन के साथ एक सार्थक संदेश भी छिपा है। 2 अक्टूबर 2021 गांधी जयंती के अवसर पर खुशहाल परिवार में खुशी के बीच सुपर स्टार यश कुमार, रिचा दीक्षित और निशा दुबे की सुपरहिट फिल्म देखीं ''रुद्रा'' दोपहर 12 बजे फिलमची भोजपुरी पर देख सकेंगे।''

तरूण तलरेजा आगे कहते हैं–''फिलमची टीवी टी एन 10 मीडिया नेटवर्क का प्रीमीयम भोजपुरी फिल्म, चौनल है, जिस पर दर्शक 24ग7 भोजपुरी फिल्म देख सकेंगे. यह चैनल डीडी फ्री डिश, टाटा स्काय, एयरटेल टीवी, डिश टीवी, जीटीपीएल, दर्श, सिटी मौर्या, सिटी केबल आदि पर उपलब्ध है।

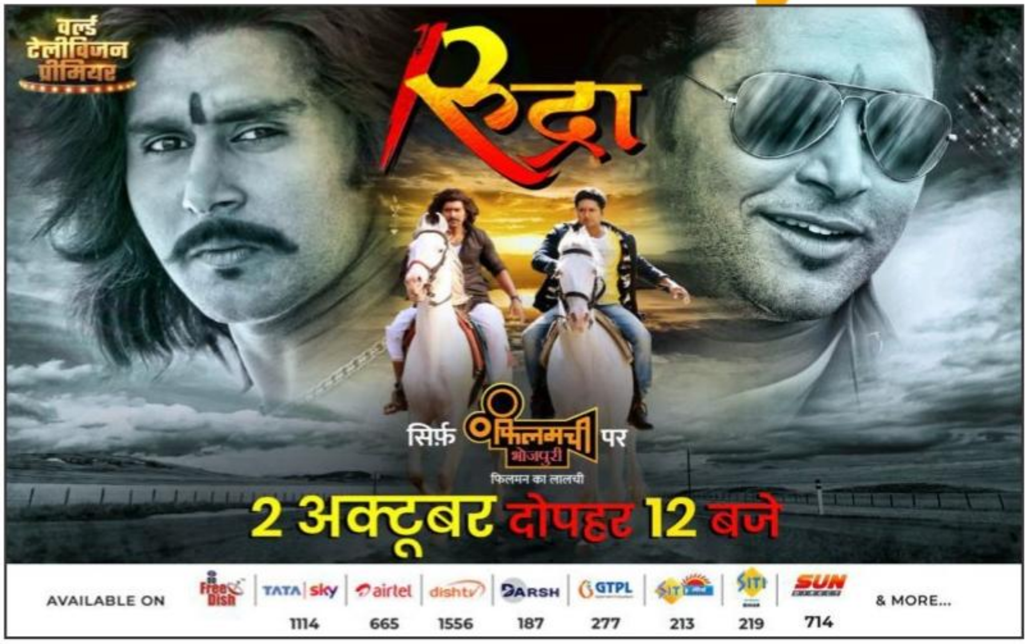

भोजपुरी फिल्म 'नैना चार हो गईल' का पटना में हुआ भव्य मुहूर्त

''अंशु फिल्म्स एंड इंटरटेंमेंट'' और ''गोल्डन लाइन मोशन पिक्चर्स'' प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म 'नैना चार हो गईल' का भव्य मुहूर्त हाल ही में पटना में संपन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य रूप से चुन्नू चौबे, राजेश राजा, शशांक शेखर, प्रेम कुमार, प्रवीण कुमार, शशांक कश्यप, जय शंकर, रंजीत कुमार सिंह, आदर्श केसरी,राज चौबे, सागर आदि लोगो नें मौजूद रहकर फिल्म की सफलता की कामना की। इस फिल्म के लेखक और निर्देशक सर्वज्ञ,निर्माता शानू सचिन कुमार हैं। फिल्म की शूटिंग बिहार के चंपारण जिले में होगी, जिसके लिए तैयारियां जोरो शोरों से चल रही है।

वहीं फिल्म के मुहूर्त के मौके पर निर्माता शानू सचिन कुमार ने कहा–''फिल्म 'नैना चार हो गईल' एक नायाब प्रेम कथा है। दो प्यार करने वाले बिछड़ते हैं, लेकिन बिछड़ने के बाद भी वह प्यार जिंदा रहता है और एक दूसरे को भूल नहीं पाते हैं। यही हमारी फिल्म की कहानी है, जो बेहद रोमांटिक है। प्यार क्या होता है, इसलिए फिल्म में दिखाया जायेगा। दोस्ती, प्यार और परिवार की ताकत इस फिल्म की कहानी का मजबूत हिस्सा है। फिल्म में प्यार में इंतजार के महत्व को भी दिखाया गया है। कहानी ग्रामीण परिवेश की है, जहां से फिल्म की कहानी शुरू होती है और 30 साल के इंतजार के बाद प्यार की जीत होती है और प्यार मिल जाते हैं।''

वह आगे कहते हैं–''यह बेहद साथ सुथरी फिल्म होगी। फिल्म के गीत संगीत भी रोमांस के रंग में सराबोर होने वाले हैं। फिल्म में नितिका रायजादा, आरती गुप्ता, सर्वज्ञ मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म के सह निर्माता गोल्डन लायन मोशन पिक्चर्स,संगीतकार प्रेम और प्रवीण हैं।

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

खास मकसद से ओहायो यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित फैशन शो के लिए आउटफिट डिजाइन करने पर अंजली फौगाट हुई सम्मानित

मानव तस्करी पीड़ितों और घरेलू हिंसा पीड़ितों की शिक्षा पर खर्च करने के लिए धनराशि जुटाने के मकसद से हाल ही में 'ओहियो स्टेट युनिवर्सिटी'' फैशन शो का आयोजन किया गया,जिसके साथ अंजली फौगाट एक डिजाइनर के रूप में जुड़ी थीं। इतना ही नही इस खास मकसद के लिए अंजली फौगाट ने कुछ आउट फिट भी डिजाइन किए,जिसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया। इस पर अंजली फौगाट ने कहा कि किसी खास वजह के आउटफिट डिजाइन करना उनके लिए सम्मान की बात है। एक डिजाइनर होने का पूरा मकसद यही था।

यूॅं भी अंजली फौगाट की फितरत है कि वह किसी ने किसी मुद्दे या वजह के साथ जुड़ना व सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूकता लाने के लिए कार्य करना। वह सदैव उन लोगों के लिए खुशी लाती हैं, जो उसके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। उनकी नजर में इंसान की असली सुंदरता आंतरिक होती है और लोगों को दूसरों को विशेषाधिकार प्रदान करना चाहिए जो वास्तव में इसके लायक हैं। लेकिन उनकी इच्छाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता या संसाधन नहीं हैं। इसलिए वह वास्तव में सम्मानित महसूस कर रही थीं, जब ओहियो विश्वविद्यालय के छात्र इस कारण से संगठनों को डिजाइन करने के लिए उनके पास पहुंचे। उन्होंने अंजली को कपड़े डिजाइन करने के लिए पैसे की पेशकश की थी, लेकिन अंजली ने मना कर दिया और स्वेच्छा से ऐसा करने का फैसला किया। इस फैशन शो से जुटाई गई धनराशि मानव तस्करी पीड़ितों और घरेलू हिंसा पीड़ितों की शिक्षा पर खर्च की जाएगी।

सभी जानते है कि हाल ही में ओहियो राज्य द्वारा अंजली फौगाट की लघु फिल्म को सम्मानित किया गया था। उन्होंने एलेक्स रोजर्स द्वारा अभिनीत एक फिल्म इंक्लूजन थ्रू यूनिटी की टीम के साथ पुरस्कार साझा किया। वह इस पुरस्कार को एक बड़ी उपलब्धि मानती हैं। पुरस्कार फिल्म निर्देशक को दिया गया और पूरी टीम को सम्मानित किया गया। फिल्म की पूरी टीम के लिए ओहायो राज्य द्वारा सम्मानित किया जाना सौभाग्य की बात है क्योंकि यह टीम वर्क है और यह टीम ही है जो बहुत मेहनत करती है तभी लोग कुछ सफल कर पाते हैं।

एक डिजाइनर और फैशन पर्सन के रूप में, वह समुदाय को यह संदेश देना चाहती हैं कि फैशन सिर्फ बाहरी लुक के लिए नहीं है। उन्हें लगता है कि उनके बिरादरी के सदस्य हमेशा रिसाइकिल करने योग्य कपड़े का उपयोग करने और इसके लायक लोगों को एक मंच देने जैसे अद्भुत संदेश दे सकते हैं। उनके अनुसार, कई खूबसूरत लड़कियां हैं, लेकिन संसाधनों की कमी है और उन्हें सही मंच नहीं मिल रहा है। उन्हें लगता है कि डिजाइनिंग एक अद्भुत चीज है। यह आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करता है और किसी को अपना व्यक्तित्व बनाने में मदद करता है और सही सिल्हूट और सही कपड़े पहनकर मंच पर जाने से आत्म विश्वास बढ़ाने में बहुत मदद मिलती है।

वह समानता, समावेश और लैंगिक समानता के बारे में वैश्विक लघु फिल्म पुरस्कार विजेता लघु फिल्म ''एकता के माध्यम से समावेश'' के निर्माण का एक हिस्सा थीं, जो दक्षिण एशियाई समुदाय के बीच एक बड़ा सवाल है। वह सोचती है कि बहुत से लोग एलजीबीटीक्यू समुदाय के बारे में बात नहीं करते हैं, नकली सौंदर्य मानकों को शामिल करने या तोड़ने, घरेलू हिंसा के पीड़ितों का समर्थन करने और मानव तस्करी पीड़ितों का समर्थन करने के बारे में बात नहीं करते हैं।

अंजली फौगाट ने महामारी के दौरान कई तरह की पहल की। उन्होने एक विशेष डिजाइनर मुखौटा/मास्क बनाया और उस मास्क को बेचने पर मिली पूरी राशि को घरेलू हिंसा के शिकार लोगों की मदद करने वाले एक गैर सरकारी संगठन को दे दिया। उन्होंने ओहायो हेल्थ फ्रंटलाइन वर्कर्स को ढेर सारे मास्क दान करने के साथ पीपीई किट भी मुहैया कराई। अंजली ने उस समुदाय के लिए कुछ करने की कोशिश की,जो भारत में मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों की शिक्षा के लिए मदद करते हैं। वह अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया से मिलने वाली बिक्री का एक प्रतिशत दान करने की कोशिश करती है।

अंजली हर इंसान को कुछ अच्छा व बेहतर करने के लिए सदैव प्रोत्साहित करती रहती है। वह कहती हैं–''प्रत्येक व्यक्ति को दूसरों के लिए कुछ अच्छा करना चाहिए,ताकि हर कोई एक साथ आ सके और समुदाय में बदलाव ला सके।''

वह अभिनेत्री दीया मिर्जा को पसंद करती हैं और अच्छे कारणों का समर्थन करने के लिए उन्हें एक प्रेरणा के रूप में देखती हैं। अंजली का मानना लोकप्रियता पा चुके लोगों को कुछ मुद्दों के समर्थन में आगे आना चाहिए और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

—शांतिस्वरूप तित्राठी

रिडले स्कॉट निर्देशित 'द लास्ट डयूएल' 22 अक्टूबर को भारतीय सिनेमाघरों में होगी रिलीज

मैट डेमन, एडम ड्राइवर, जोडी कॉमर और बेन एफ्लेक के अभिनय से सजी फिल्म 'द लास्ट ड्यूएल'

14वीं सदी के फ्रांस की क्रूरता के खिलाफ विश्वासघात और प्रतिशोध की एक मनोरंजक कहानी को मशहूर निर्देशक रिडले स्कॉट''ने फिल्म ''द लास्ट ड्यूएल''में उकेरा है I ''20 वीं सेंच्युरी स्टूडियो'' द्वारा निर्मित यह फिल्म वास्तविक घटनाओं के आधार पर ऐतिहासिक महाकाव्य जीन डे कारुगेस और जैक्स ले ग्रिस के बीच फ्रांस के अंतिम स्वीकृत द्वंद्व के बारे में लंबे समय से चली आ रही धारणाओं को उजागर करती है,जब दो दोस्त कटु प्रतिद्वंद्वी बन गए I

'द लास्ट ड्यूएल' में ऑस्कर विजेता मैट डेमन, दो बार के अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकित एडम ड्राइवर, एमी विजेता जोडी कॉमर और दो बार के ऑस्कर विजेता बेन एफ्लेक हैं I फिल्म का निर्देशन चार बार के अकादमी पुरस्कार के लिए नामित रिडले स्कॉट ने किया है I

फिल्म ''द लास्ट ड्यूएल'' 22 अक्टूबर को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी I

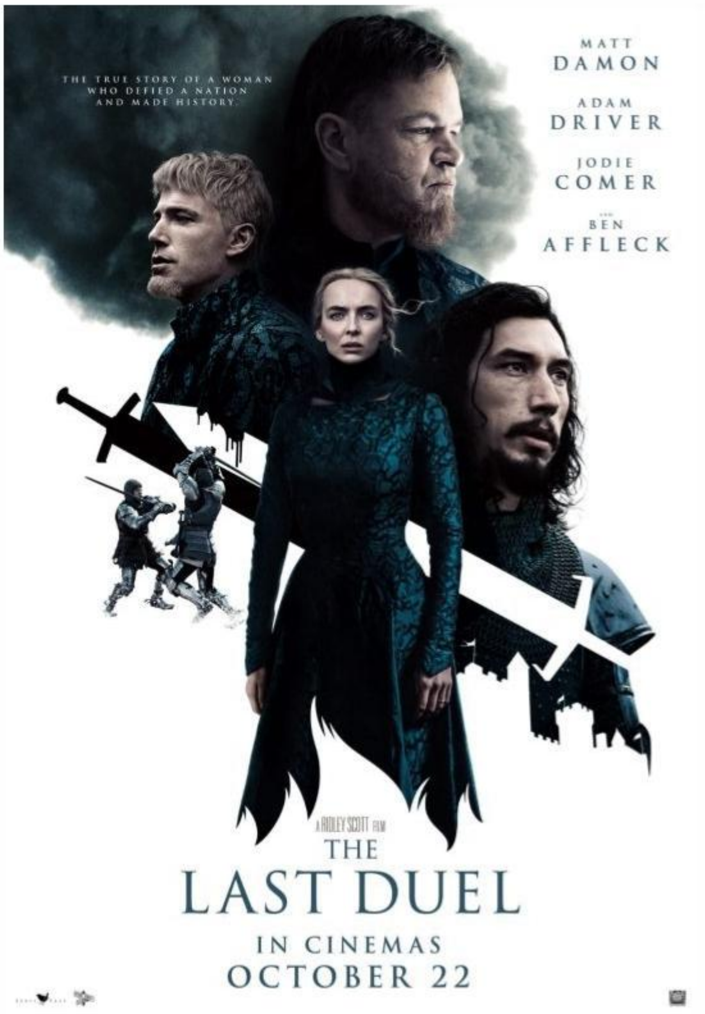

गीत 'मेंहदी लगी' के संगीत में मैंडोलिन, रबाब, बौजौकी, शहनाई और बांसुरी जैसे बहुत सारे जीवंत वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल किया..."

कई विज्ञापनों के जिंगलों को संगीत से संवार चुके नीलेश आहुजा काफी उंचाइयां छू चुके है I नीलेश आहुजा ने कुछ समय पहले ''थोड़ा थोड़ा प्यार'' गाने को संगीत से संवारा था I कुमार लिखित इस गीत को स्टेबिन ने स्वरबद्ध किया था I जिसके वीडियो में सिद्धार्थ मल्होत्रा थे,इसे 225 मिलियन से अधिक व्यूज मिले थे I इसके अलावा ''जाहिर करें'' सहित कई गीतों को वह संगीत से संवार चुके हैं I अब उनके संगीत से सजा नया गाना ''मेंहदी लगी'' बाजार में आ चुका है,जिसे स्टेबिन बेन और काव्या थापर ने स्वरबद्ध किया है I इस गाने को भी दो दिन के ही अंदर छह मिलियन से अधिक व्यूज मिल चुके है I

गीत ''मेंहदी लगी जब..''की चर्चा चलने पर संगीतकार नीलेश आहुजा ने कहा–''यह गाना बहुत तेजी से वायरल हो रहा है और इस गीत के प्रति लोगों के पागलपन का हाल यह है कि बहुत से लोगों ने इस पर इंस्टाग्राम रील बनाना शुरू कर दिया है I गाने में बहुत भावनात्मक खिंचाव है I इसे मुंबई में ही फिल्माया गया I''

नीलेश आहुजा आगे कहते हैं–''एक दिन मैं और महान गीतकार कुमार पाजी एक साथ बैठे हुए बातचीत कर रहे थे,तभी कुमार जी को गीत 'मेहंदी लगी जब तेरे हाथ में' का विचार आया Iमैं साथ में था,तो तुरंत ही संगीत की धुन को अंतिम रूप दे दिया गया था I फिर यह गाना जी म्यूजिक के अनुराग बेदी सर को भी पसंद आ गया I हम सभी के पास ट्रैक को भव्य और महाकाव्य बनाने का वीजन था I हमने इस गीत के संगीत में मैंडोलिन, रबाब, बौजौकी, शहनाई और बांसुरी जैसे बहुत सारे जीवंत वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल किया I गीत को समृद्ध बनाने के लिए आधुनिक ध्वनियों के मिश्रण के साथ उन्हें एक बहुत ही पारंपरिक अनुभव देने के लिए इस्तेमाल किया गया था I स्टीन की आवाज में गीत के प्रति बहुत अच्छा अनुभव है I उन्होंने वास्तव में अच्छा गाया I''

नीलेश आगे कहते हैं–''इन दिनों संगीत वीडियो का चलन काफी बढ़ गया है I हमारे कुछ गीतों को बॉलीवुड फिल्म के गीतों की तुलना में अधिक सराहा गया था I सिद्धार्थ मल्होत्रा और नेहा शर्मा की विशेषता वाला मेरा आखिरी गाना 'थोड़ा थोड़ा प्यार' इस वर्ष के सबसे वायरल गीतों में से एक रहा है और एक पंथ और चिरस्थायी ट्रैक बन गया है I अब वही टीम 'मेहंदी लगी' के साथ वापस आयी है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि इसे दर्शकों द्वारा सराहा जाएगा I मैं आगे भी अपने प्रशंसकों और देश के लिए सुखदायक संगीत बनाता रहूंगा I''

SUMMER IN THE CITY

–शांतिस्वरूप त्रिपाठी

मिड डे इंटरनेशनल आइकॉन अवॉर्ड में सिनेमा की दिग्गज हस्तियां सम्मानित

mid·day
INTERNATIONAL
SHOWBIZ

'जागरण' समूह के अंग्रेजी समाचार पत्र मिड–डे द्वारा आयोजित दो दिवसीय पुरस्कार मिड डे इंटरनेशनल आइकॉन अवॉर्ड समारोह में सिनेमा के दिग्गज कलाकारों का उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। दुबई के ग्रैंड हयात होटल में रंगारंग कार्यक्रम में अभिनेता, निर्माता अभिनेत्री, निर्देशक, गायक, मार्केटिंग, प्रमोशन, ओटीटी के साथ सिनेमा में पिछले वर्ष में उनके कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार समारोह में अदिति राव हैदरी को आइकॉनिक एक्ट्रेस फीमेल, नेहा शर्मा को आयकोनिक परफॉर्मर, जरीन खान को आइकोनिक अभिनेत्री, अभिनेता विवेक ओबेराय को आयकॉनिक मल्टी टैलेंटेड एक्टर,डेजी शाह को आयकॉनिक स्टाइल ऑयकान, अमेया दस्तूर को आयकॉनिक फैशन ट्रेंडसेटर ,का पुरस्कार दिया गया।

अभिनय प्रमुख पुरस्कारों में अभिनेता जतिन खुराना को आयकॉनिक एक्सप्रीमेंटल अभिनेता का पुरस्कार, संदीपा धर को आयकोनिक ब्रेक थाट परफॉरमेस, अभिनेता तन्मय सिंह को फिल्म सयोनी के लिए आयकोनिक डेब्यू अवार्ड, अभिनेत्री अनामिका शुक्ला को आयकॉनिक फीमेल लीड एक्ट्रेस फॉर मुकेश जासूस, रवि सुधा चौधरी को आयकॉनिक डेब्यूट फॉर सीतापुर द सिटी आफ गैंगस्टर, अभिनेत्री पायल घोष को आयकॉनिक मोस्ट डिजायरेबल अभिनेत्री, पाखी हेगड़े आयकॉनिक वुमन परफॉर्मर इन फरफॉरमिंग आर्ट्स, सुनील शाह को फिल्म मुड़स ऑफ क्राइम के लिए आयकॉनिक निर्देशक, मिस्टर भूसरा आयकॉनिक प्रोडक्शन हाउस, रंजित सिंह आयकॉनिक एक्टर , अली कुली को आयकॉनिक सिंगर, सुनील शाह आयकॉनिक निर्माता बी फॉर यू का पुरस्कार दिया गया।

mid·day
INTERNATIONAL
SHOWBIZ

फिल्म और मनोरंजन जगत के व्यवसाय, मार्केटिंग और प्रमोशन जगत में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले वाले विभिन्न दिग्गजों को उनके महत्वपूर्ण कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। नरेंद्र हिरावत को पॉयनियर फॉर कापीराइट, कलापी नागदा को आयकॉनिक एंटरटेनमेंट वर्ल्डवाइड , आनेरी सवाला और जुबिन को शेमारू एप के लिए आयकोनिक रीजनल ओटीटी, संदीप मुखर्जी को आयकोनिक प्रॉमिसिंग इनोवेटिव ओटीटी प्लेटफोर्म, गौरांग दोषी को आयकोनिक प्रॉमिसिंग निर्माता, मनु पटेल को आयकोनिक वेब सीरिज आफ द ईयर, आनंदी चतुर्वेदी आयकोनिक डायरेक्टर आफ द ईयर, दिलावर सिंह और ऐंड्रस सजकक्स को आयकोनिक फिन टेक स्टार्ट अप, जेनोफर फातिमा को आयकोनिक शॉर्ट फिल्म डायरेक्टर, मिस्टर केयूर को आयकोनिक म्यूजिकल स्टार्ट अप कम्पनी, ममता प्रतीक शाह और प्रतीक शाह को आयकोनिक फिल्म प्रोड्यूसर, गुजरेज आलम आइकोनिक डिजिटल पी आर एजेंसी, मिस्टर मुर्तुजा आयकोनिक एंटेरटेंनमेंट पोर्टल, , इरफान अजहर आयकोनिक डेब्यू प्रोड्यूसर, जग्गी संधु आयकोनिक नाइट लाइफ सिंगर, निकिता रावल आयकोनिक स्टाइलिस्ट एक्ट्रेस अवार्ड, मधु भंडारी आयकोनिक नेक्स्ट जेंन बिजनेस लीडर, मोहित भिजलानी आयकोनिक नाईट लाइफ क्यूरेटर, मिस्टर खोजा को आयकोनिक बोलीवुड वास्तु एंड नाड़ी एस्ट्रोलोजर, मानिक सोनी आयकोनिक एंटरप्रोनर, नदीम अखघ्तर आयकोनिक एंटरप्रोनर, कुमार राज आयकोनिक डायरेक्टर, रेखा राणा आयकोनिक एक्ट्रेस, गिरीश वानखेड़े आयकोनिक मूवी एंड ओटीटी ट्रेड एनानलिस्ट, भाविनी गोस्वामी आयकोनिक , नगमा खान को आयकोनिक पीआर एंड एंटरप्रोनर , मार्केटिंग एंड पी आर एजेंसी के साथ ही अश्वनी शुक्ला, एल्टेयर मीडिया को आयकोनिक पी आर एजेंसी आफ द ईयर का अवार्ड दिया गया।

इस अवसर पर मिड ड़े शो बीज अवार्ड और इंटरनेशनल आयकन अवार्ड के प्रमुख आयोजक राहुल शुक्ला–''पिछले साल महामारी की चुनौतियों के साथ अपने अपने क्षेत्र में आउट स्टैंडिंग कार्य करने वालों को सम्मानित करने के लिए दुबई एक आदर्श होस्ट का चुनाव करना एक सही निर्णय हुआ। हमारी मार्केटिंग और प्रबंधन टीम ने इंटरनेशनल आइकॉन अवार्ड समारोह को एक यादगार इवेंट बनाने के लिए पिछले कई महीनों से कड़ी मेहनत की है।मैं अपने सभी सहकर्मी ,स्पॉसर, एसोसिएटस और स्टार्स को धन्यवाद करना चाहता हूँ भविष्य में भी मिड ड़े समूह द्वारा आगामी आयोजन को और भी बेहतर और भव्य करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।''

—शांतिस्वरूप त्रिपाठी

'वॉल्ट डिज़्नी एनीमेशन स्टूडियो की फिल्म 'एनकैंटो' भारत में 26 नवंबर को होगी प्रदर्शित

वॉल्ट डिज़्नी एनीमेशन स्टूडियो की फिल्म 'एनकैंटो' एक असाधारण परिवार, द मैड्रिगल्स की कहानी है, जो एक जादुई घर में कोलंबिया के पहाड़ों में एनकैंटो नामक एक अद्भुत आकर्षक और काफी जीवंत शहर में छिपा रहता है। फिल्म में एनकैंटो के जादू ने मिराबेल को छोड़कर परिवार के हर बच्चे को सुपर स्ट्रेंथ से लेकर चंगा करने की शक्ति तक एक अनोखा उपहार दिया है।

मिराबेल 15 साल की एक साधारण लड़की है जो अपने परिवार में अपनी जगह पाने के लिए संघर्ष कर रही है। लेकिन जब उसे पता चलता है कि एनकैंटो के आसपास का जादू खतरे में है, तो मिराबेल ने फैसला किया कि वह एकमात्र साधारण मेड्रिगल,उसके असाधारण परिवार की आखिरी उम्मीद हो सकती है। इस एनीमेशन फिल्म के विभिन्न पात्रों को मारिया सेसिलिया बोटेरो, विल्मर वाल्डेरामा, अडासा, डायने ग्युरेरो, मौरो कैस्टिलो, एंजी सेपेडा, जेसिका डारो, रेन्जी फेलिज और कैरोलिना गैटन ने आवाज दी है।

फिल्म निर्माता ''एनकैंटो'' के शुरुआती विकास के दौरान कोलंबिया की अपनी शोध यात्रा से गहराई से प्रेरित थे और लिन–मैनुअल मिरांडा (''हैमिल्टन,'' ''मोआना'') के सभी नए गाने पेश करते हैं। यह बायरन हॉवर्ड ('जूटोपिया,' 'टेंगल्ड') और जेरेड बुश (सह–निर्देशक 'जूटोपिया') द्वारा निर्देशित है, जो चारिस कास्त्रो स्मिथ (लेखक ''द डेथ ऑफ ईवा सोफिया वाल्डेज'') द्वारा सह–निर्देशित है और क्लार्क स्पेंसर द्वारा निर्मित है। और यवेट मेरिनो। बुश और कास्त्रो स्मिथ फिल्म के पटकथा लेखक हैं।

वॉल्ट डिज़्नी एनिमेशन स्टूडियो का 'एनकैंटो' 26 नवंबर को भारतीय सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

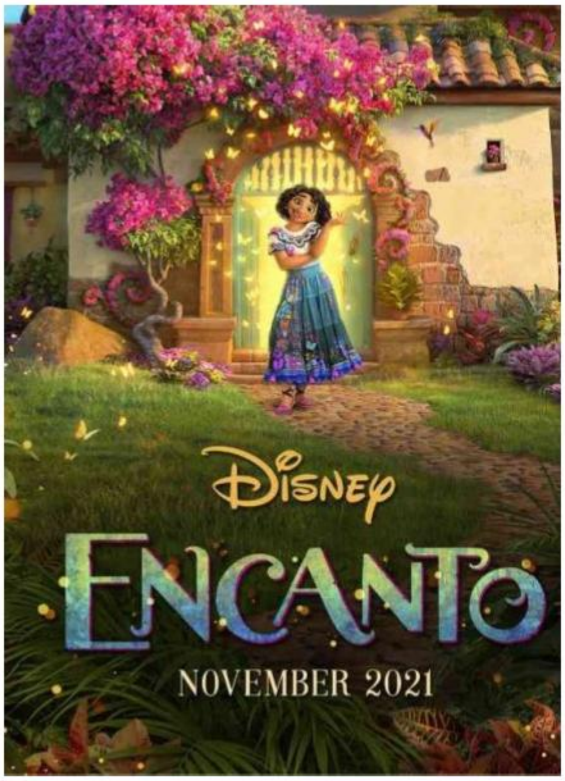

''बलात्कारियों को मौत की सजा दी जानी चाहिए..''

–निवेदिता बसु

2012 में दिल्ली में हुई निर्भयाकांड की घटना को देश कभी नहीं भूल सकता। 2012 के निर्भय कांड के बाद जिस तरह से पूरे देश में बलात्कार के खिलाफ आवाज उठी थी,उसे देखते हुए सरकार ने कई कड़े कदम उठाए। और लगा कि अब सब कुछ सामान्य हो जाएगा। मगर ऐसा नही है। हाल ही में मुंबई के साकीनाका इलाके में 30 वर्षीय महिला के साथ जघन्य बलात्कार ने एक बार फिर देश को झकझोर कर रख दिया और हमें निर्भया त्रासदी की याद दिला दी। इससे पूरे देश में आक्रोश फैला हुआ है। और महिला सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से सवाल उठाए जा रहे हैं। कई लोगों को हैरानी इस बात की है कि यह मुंबई जैसे शहर में हुआ, जो महिलाओं के लिए सुरक्षित माना जाता है। इससे लेखिका, निर्माता और निर्देशक निवेदिता बसु काफी आहत है।

निवेदिता बसु कहती हैं–''निर्भया कांड के बाद यह बात उभरकर आयी थी कि उत्तर भारत महिलाओं के लिए असुरक्षित माना जाता है। लेकिन जब मैंने औरतों के लिए अति सुरक्षित माने जाने वाले मुंबई शहर के साकीनाका इलाके में एक महिला के साथ जघन्य तरीके से किए गए बलात्कार के बारे में सुना तो मैं सदमे में आ गई। क्योंकि मुंबई लड़कियों के लिए इतनी सुरक्षित रही है कि रात के दो बजे भी एक लड़की अकेले सड़क पर निकलने से हिचकिचाती नही थी। मगर साकीनाका कांड बहुत परेशान करने वाला है।''

निवेदिता बसु आगे कहती हैं–'' अब समय आ गया है कि भारत में ऐसे अपराधों के खिलाफ नियमों को और सख्त बनाया जाए और अपराधी को इतनी कड़ी सजा दी जाए कि सुनकर लोगों की रूह कांप जाए। ऐसे अपराधियों की कोई 'सुनवाई या कुछ भी नहीं होना चाहिए। इन अपराधियों को सिर्फ मौत की सजा दी जानी चाहिए। कुछ अभी भी ऐसे जघन्य अपराध करने की हिम्मत करते हैं,क्योंकि वह मानकर चलते हैं कि वह कानूनी दांव पेंच से बच सकते हैं। मैं बस उम्मीद करती हूं कि न्याय मिले और इस तरह की चीजें कम से कम महाराष्ट्र में दोबारा न हों।''

न्याय के लिए और अधिक घृणा और आवाज व्यक्त करते हुए निवेदिता बसु आगे कहती हैं–''बेशक, हम नाराज और परेशान हैं,क्योंकि कई महिलाएं ऐसे क्षेत्रों में काम करती हैं, जहां उन्हें देर रात तक काम करना पड़ता है। तो क्या अब उन्हें काम करना बंद कर देना चाहिए? मैं भी ऐसे ही एक कार्यक्षेत्र का हिस्सा हूं। पहले घर वापस आते समय हमने वास्तव में कभी किसी सुरक्षा मुद्दे के बारे में नहीं सोचा था, लेकिन अब हम चिंतित और डरे हुए हैं, इसलिए हमारे परिवार के सदस्य भी चिंतित हैं।"

■ ■ ■

–शांतिस्वरूप त्रिपाठी

8 जुलाई 2022 को ईद पर 'एक विलेन रिटर्न्स' सिनेमाघरों में करेगी धमाल

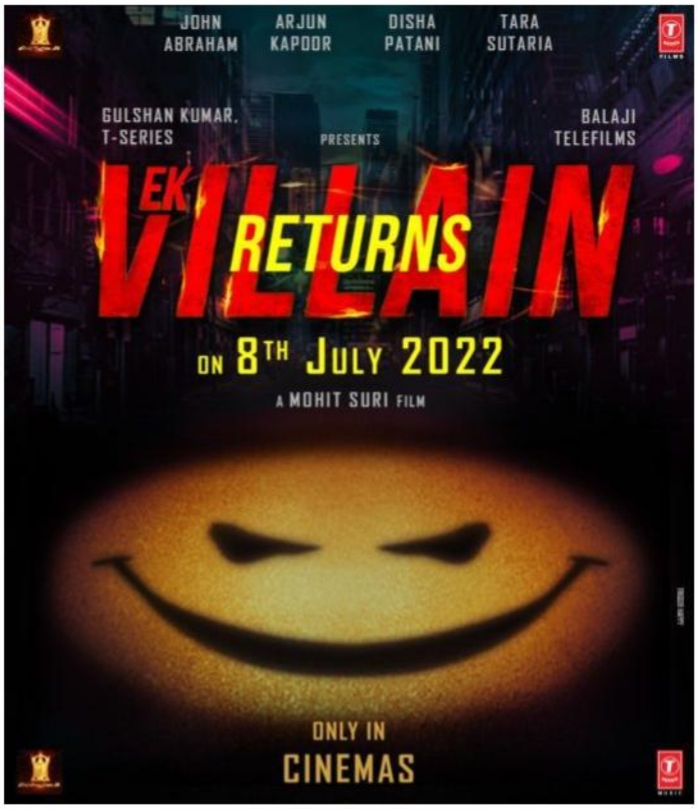
JOHN ABRAHAM
ARJUN KAPOOR
DISHA PATANI
TARA SUTARIA
GULSHAN KUMAR, T-SERIES
PRESENTS
BALAJI TELEFILMS
EK VILLAIN RETURNS
ON 8TH JULY 2022
A MOHIT SURI FILM
ONLY IN CINEMAS

2014 की मोहित सूरी निर्देशित सफलतम फिल्म ''एक विलेन''की सात वर्ष बाद सिक्वअल फिल्म ''एक विलेन रिटर्नस'' का निर्माण किया जा रहा है। इस फिल्म को 8 जुलाई 2022 को ईद पर प्रदर्शित करने की योजना है। फिल्म के निर्माताओं ने इस फिल्म का डिजिटल पोस्टर जारी कर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। नए पोस्टर में फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की गई है। अपने शानदार एक्शन दृश्यों को देखते हुए एक पंच पैक करने के वादे के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' एक अलग कहानी पेश करने वाली है।

इस फिल्म के निर्माण से उत्साहित निर्माता एकता कपूर ने कहा– " फिल्म 'एक विलेन रिटर्नस' बड़े एक्शन, मोटे सस्पेंस और दोहरी नाटकीयता के साथ वापस आएगा ! एक विलेन बालाजी की सबसे खास फ्लैगशिप फ्रैंचाइजी है और अब एक विलेन 'रिटर्न्स' दर्शकों को अपनी सीट से जोड़े रखने के लिए। मैंने 'एक विलेन रिटर्न्स' बनाने के हर पल को पसंद किया है और मैं रोमांचित हूं कि फिल्म ईद पर रिलीज होगी। हम दर्शकों को एक अलग से पावर–पैक थिएट्रिकल अनुभव देने की उम्मीद कर रहे हैं! "

वहीं फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता भूषण कुमार ने कहा– "हमने 'एक विलेन रिटर्नस' बनाने के लिए एक विलेन का पैमाना बढ़ाया है। फिल्म ईद रिलीज की हकदार है और मैं बहुत उत्साहित हूं कि हम फिल्म के साथ न्याय कर रहे हैं। आप हमारे पास आपके लिए रखे गए सभी कार्यों को याद नहीं करना चाहेंगे!''

जॉन अब्राहम, अर्जुन कपूर, दिशा पटानी और तारा सुतारिया सहित अन्य शक्तिशाली कलाकारों द्वारा अभिनीत फिल्म '' एक विलेन रिटर्न्स'' को 2022 की सबसे बहुप्रतीक्षित और सबसे बड़ी एक्शन–थ्रिलर में से एक माना जा रहा है। यह फिल्म मोहित सूरी द्वारा निर्देशित और टीसीरीज और बालाजी फिल्मस'द्वारा संयुक्त रूप से बनायी गयी है।

Singing sensation Sukriti and Prakriti Kakar elevate the glam quotient at the grand finale of Miss Diva 2021

छायाः राकेश दवे

DIVA
E INDIA 2021
red by
artemis
MXT

TRULY SUCH A HONOR TO HAVE MET OUR HIS EXCELLANCY SHRI SUHAIL M AL ZAROONI, A TRUE HUMAN WITH SO MUCH OF WARMTH AND HEART TOUCHED HOSPITALITY

1/4
I DANCE LIKE GASHMEER MAHAJANI

TV ACTORS TOOK POLYCAB INDIA'S LOVE AT FIRST LIGHT REEL CHALLENGE SHAHEER SHEIKH, ANKITA LOKHANDE, NAKKUL MEHTA, MUGDHA CHAPEKAR, AISHWARYA SHARMA, NIMRIT KAUR AHLUWALIA, GASHMEER MAHAJANI, AWEZ DARBAR

WORLD HEART DAY CELEBS ON WHAT MAKES THEIR HEART HAPPY, HEALTHY

टिप्स रिवाइंड, जगजीत सिंह को एक श्रद्धांजलि सोनू निगम के साथ 'बड़ी नाजुक' शीर्षक से अपना पहला गीत जारी किया

SONG BADI NAZUK
SINGER SONU NIGAM

मूल संगीत– तबुन सूत्रधर, मूल गीत–जमीर काजमी, संगीत– शमीर टंडन, अतिरिक्त गीत–प्रियंका आर बाला

टिप्स ने टिप्स रिवाइंड की श्रृंखला से अपनी पहली गजल जारी की, जिसका शीर्षक **'बड़ी नाजुक'** है, जिसे प्रसिद्ध गायक सोनू निगम ने बनाया था।

सोनू निगम कहते हैं, ''बड़ी नाजुक सोना है। मैं आज तक मूल सुनता हूं। मेरे दिल में इसका एक विशेष स्थान है। तथ्य यह है कि मैं इस ट्रैक को फिर से बना सका एक सम्मान है''

टिप्स रिवाइंड प्लेटफॉर्म भारत के सबसे प्रतिभाशाली और लोकप्रिय कलाकारों को एक साथ लाएगा, जो एक ही मंच पर जगजीत सिंह की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियों का प्रदर्शन और प्रदर्शन करेंगे। कलाकार लाइन अप में शामिल हैं – सोनू निगम, हरिहरन, बाबुल सुप्रियो, शान, समीर खान, अंकित तिवारी, तलत अजीज, अमित मिश्रा, बंदिश, ऐश किंग, शाहिद माल्या और नवराज हंस।

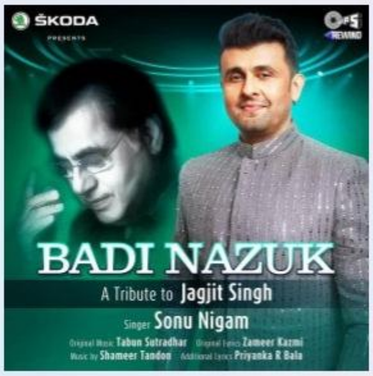
ŠKODA
PRESENTS
REWIND
BADI NAZUK
A Tribute to Jagjit Singh
Singer Sonu Nigam
Original Music Tabun Sutradhar
Original Lyrics Zameer Kazmi
Music by Shameer Tandon
Additional Lyrics Priyanka R Bala

Aaj kal hote hain dil yeh kaanch ke
Haan kaanch ke

ICONIC LEGEND

Rakhna... ho tu rakhna
Sambhaal ke... hoo sambhaal ke

EXPERIENCE 'EMBODIMENT OF GODDESS DURGA' THROUGH CANVAS PAINTINGS BY ARTIST RADHIKA POWARAT NEHRU CENTRE ART GALLERY

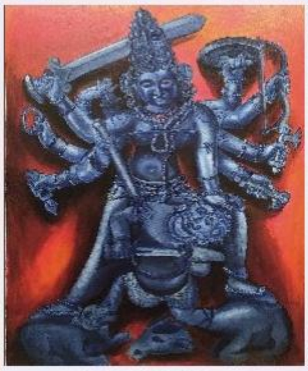

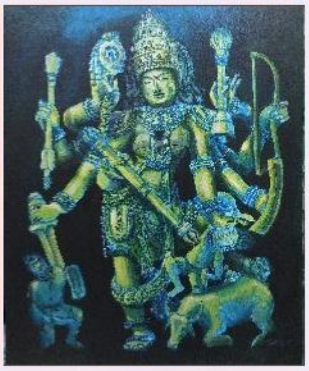

महमूद भाईजान जो फिल्मों में अपनी जान डाल देते थे...

(उनके 89वें जन्मदिन पर)

अली पीटर जॉन

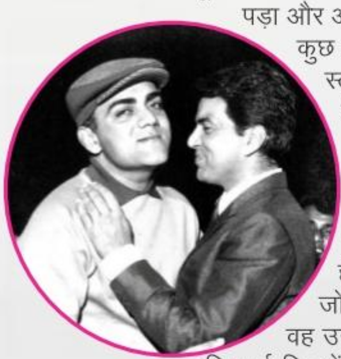

वह मुमताज अली नामक एक लोकप्रिय चरित्र अभिनेता का बेटा था, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह इसे बहुत बड़ा बना सकते थे, लेकिन लगभग एक कंगाल की मृत्यु हो गई, खासकर शराब की लत के कारण। महमूद अली उनका सबसे बड़ा बेटा थे और वह अपने पिता के नक्शेकदम पर चलना चाहते थे, लेकिन जैसा कि आमतौर पर ज्यादातर सफलता की कहानियों के मामले में होता है, महमूद अली को एक गंभीर संघर्ष से गुजरना पड़ा और अक्सर भूखे रहते थे और कुछ काम खोजने के लिए सभी स्टूडियो में चले जाते थे। एक अभिनेता के रूप में। लेकिन अधिकांश फिल्म निर्माताओं ने उन्हें बताया कि उनके पास न तो नायक का चेहरा है और न ही खलनायक का और उन्हें जो भी काम दिया गया था, वह उन्होंने लिया और यहां तक कि कई फिल्मों में भीड़ में एक चेहरा भी था। उनकी मुख्य समस्या न केवल अपने लिए बल्कि अपने बड़े परिवार के लिए भी जीवन यापन करना था...

पहला निर्देशक जिसने उन्हें नोटिस किया और उन्हें अपने चालाक और दुष्ट भाई की भूमिका की पेशकश की, गुरु दत्त थे और महमूद ने उनकी भूमिका को पूर्णता के लिए बुरे भाई के रूप में निभाया। अगले कई सालों तक महमूद एक भूमिका से दूसरी भूमिका में तब तक बहते रहे, जब तक कि उन्हें उनमें असली प्रतिभा का पता नहीं चला। उन्होंने कॉमेडियन की भूमिका निभाई और अगले तीस वर्षों तक वे कॉमेडी के बेताज बादशाह थे। एक समय ऐसा आया जब वह नायक से अधिक लोकप्रिय थे और कई बार नायक और नायिका और खलनायक से भी अधिक लोकप्रिय थे। अस्सी के दशक में, मैंने उन्हें रामानंद सागर, एनएन सिप्पी और प्रमोद चक्रवर्ती जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं से उनकी फीस के बारे में बात करते सुना, जो दस से पंद्रह लाख रुपये की सीमा में थी और न केवल बॉम्बे के सभी फिल्म निर्माता बल्कि विशेष रूप से दक्षिण में थे। वह जितनी भी राशि मांगे, देने को तैयार हैं। प्राण की

तरह जो सबसे लोकप्रिय खलनायक थे, महमूद सबसे लोकप्रिय और उच्च भुगतान वाले हास्य अभिनेता थे। कलाकारों में उनका नाम सफलता की गारंटी था और सभी प्रमुख नायकों के पास फिल्मों में काम करने के बारे में एक जटिलता थी जिसमें उन्हें मुख्य हास्य अभिनेता के रूप में रखा गया था... |

जो आदमी कभी मुंबई की सड़कों पर घूमते थे, उनके पास अब एक बड़ा बंगला था, पहले माहिम में और फिर अंधेरी में वह इतना बड़ा नाम बन गये थे कि मीना कुमारी की छोटी बहन मधु उनसे शादी करने के लिए तैयार हो गई, एक शादी जो हालांकि बहुत लंबे समय तक नहीं चली, लेकिन उनके बेटे और बेटियां थीं जिन्हें महमूद ने किसी अन्य स्टार के अमीर बच्चों की तरह पाला। उन्होंने ट्रेसी से शादी की, जिसका नाम उन्होंने ताहिरा रखा और

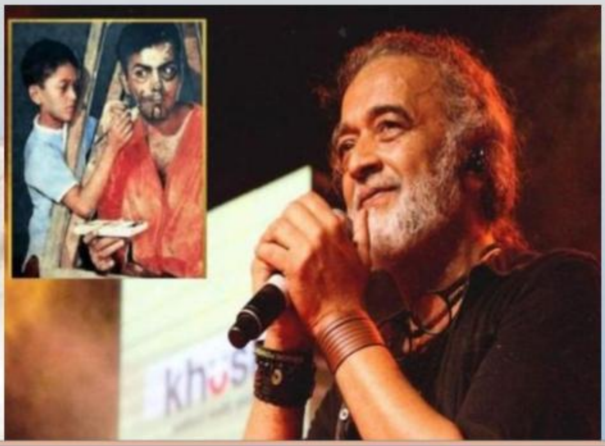

उनके जीवन के अंत तक कुछ उतार–चढ़ाव के साथ एक खुशहाल जीवन शैली थी, एक अंत जो उनके कई दोस्तों, सह–कलाकारों, लेखकों और संगीतकारों जैसे आरडी बर्मन ने कहा था कि इससे पहले आया था। ड्रग्स की उनकी भारी लत के कारण, विशेष रूप से नींद की गोलियां जो उन्होंने एक बार में सौ निगल लीं, विशेष रूप से तब जब वह काम के दबाव में था। जावेद सिद्दीकी, जिन्हें एक व्यावसायिक फिल्म निर्माता के साथ काम करने का पहला अनुभव था, जब उन्होंने सत्यजीत रे की पहली हिंदी फिल्म, "शतरंज के खिलाड़ी" के साथ एक उत्कृष्ट शुरुआत की और अबरार अल्वी में शामिल हो गए, जिन्होंने गुरु दत्त की कुछ बेहतरीन फिल्में लिखीं, खासकर "प्यासा", याद करती है कि कैसे महमूद पूरी तरह से नशे में बैठकर एक कहानी पर आया और गिर पड़ा...।

महमूद के पास कॉमेडी पर आधारित फिल्में बनाने का अपना तरीका था, लेकिन एक बहुत ही मजबूत संदेश था। उन्हें उनके दोहरे अर्थ वाले संवाद के लिए भी जाना जाता था, जिसने दादा कोंडके को उनका बहुत बड़ा प्रशंसक बना दिया और नौ मराठी फिल्में बनाईं, जो सभी स्वर्ण जयंती हिट थीं और उन्हें गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल किया और मरने से पहले उन्होंने एक हिंदी फिल्म बनाई। महमूद जैसे उन्होंने अमजद खान के साथ एक फिल्म बनाई, एक और हिंदी फिल्म अभिनेता जिसके वे प्रशंसक थे।

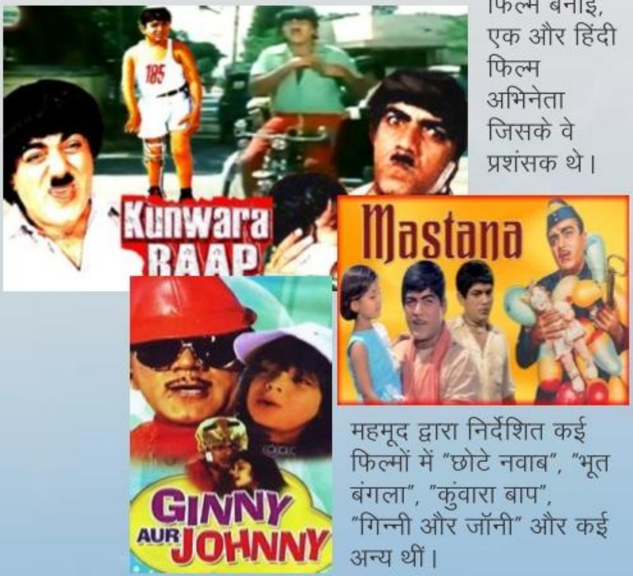

महमूद द्वारा निर्देशित कई फिल्मों में "छोटे नवाब", "भूत बंगला", "कुंवारा बाप", "गिन्नी और जॉनी" और कई अन्य थीं।

वह वह व्यक्ति थे जिन्होंने आरडी बर्मन जैसी युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया, जिन्होंने संगीतकार और अभिनेता दोनों के रूप में अपना पहला ब्रेक दिया, अमिताभ बच्चन जिन्हें उन्होंने प्रोत्साहित किया क्योंकि वह उनके छोटे भाई अनवर अली और अरुणा ईरानी के दोस्त थे, जिन्हें कई लोगों ने कहा था कि उनका था प्रेमिका और कुछ ने तो यहां तक कह दिया कि उसने उससे किसी तरह की शादी कर ली है, जो अभी भी अटकलों के दायरे में है। लेकिन उन्होंने साबित कर दिया कि जब उन्होंने अपनी कुछ बेहतर फिल्मों में उन्हें कास्ट किया तो वह उनके लिए खास थीं और "बॉम्बे टू गोवा" में अमिताभ बच्चन की पहली नायिका के रूप में उन्हें कास्ट करके उनका बड़ा उपकार किया।

WAH WAH PRODUCTIONS
में ओए
START TO FI

यह नब्बे के दशक की शुरुआत में थी कि वह नियमित रूप से बीमार पड़ने लगे और वित्तीय समस्याओं का भी सामना करना पड़ा, जिन्होंने राजा को चार बंगलों के अभिषेक अपार्टमेंट में एक अपार्टमेंट में स्थानांतरित कर दिया, जहां वह हर समय दो वेंटिलेटर पर थे, लेकिन उनके पास अभी भी थे अपना सेंस ऑफ ह्यूमर नहीं खोया। उन्होंने लम्बे वेंटिलेटर को "मेरा अमिताभ बच्चन" और छोटे वेंटिलेटर को "माई मुकरी" कहा।

यह वह समय था जब मैं "स्क्रीन अवॉड्र्स" की योजना बना रहा था, जिसे अनुपम खेर और उनके दोस्त सतीश कौशिक द्वारा संचालित किया जाना था। हम सभी को लगा कि इंडस्ट्री के सभी कॉमेडियन को सम्मान देना एक अच्छा विचार होगा। अनुपम और सतीश ने एक लंबी लिस्ट बना ली थी जिसमें महमूद भाईजान का नाम नहीं था। उन्होंने कहा कि वह बहुत बीमार हैं और अमेरिका में हैं। मैंने उनसे कहा कि वह यहां मुंबई में हैं और अंधेरी स्पोट्र्स क्लब के करीब हैं जहां पुरस्कार समारोह होना था। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं उनसे बात कर सकता हूं और उन्हें किसी तरह मंच पर ला सकता हूं और यह शाम का मुख्य आकर्षण होगा...।

मैं महमूद भाईजान को देखने अंधेरी के अभिषेक अपार्टमेंट में गया था और वह सांता क्लॉज़ के नए संस्करण की तरह लग रहे थे, लेकिन उनका हास्य सांता क्लॉज़ या किसी अन्य कॉमेडियन या फ़नस्टर से अधिक मजबूत था। मैंने उन्हें घटना के बारे में बताया और वह बहुत उत्साहित थे, भले ही उनके डॉक्टरों ने उन्हें अपने बिस्तर से न हिलने के लिए कहा था।

IPA
11
SHEMAROO

हमने एक योजना बनाई जिसके अनुसार महमूद भाईजान व्हीलचेयर पर बैठकर मंच पर आएंगे। उन्हें एक विशेष रूप से खड़ी लिफ्ट में लाया जाएगा। यह विचार एक बड़ी सफलता थी क्योंकि हमने यह घोषणा भी नहीं की थी कि वह कहीं भी मौजूद थे। घटना के बारे में मुझे याद रखने वाली एकमात्र दुखद बात यह थी कि मैं व्हीलचेयर की तलाश में घूम रहा था। डॉ. नारायणराव चव्हाण नाम का एक धोखेबाज डॉक्टर था जो एक अच्छे डॉक्टर से ज्यादा एक गंदे राजनेता थे। मैंने उनसे कहा कि व्हीलचेयर महमूद भाईजान के लिए है और उन्होंने सिर्फ इतना कहा, "मुझे परवाह नहीं है कि यह कौन है, लेकिन मैं व्हीलचेयर के लिए प्रति घंटे सौ रुपये चार्ज करूंगा"। मैं उनकी इस शर्त पर राजी हो गये और यहां तक कि अपनी सांसों के नीचे उन्हें शाप भी दे दिया क्योंकि वह वही डॉक्टर थे जो मुझे पास के भवन कॉलेज में एक छात्र के रूप में कई "सवारी" के लिए ले गए थे।

पिछली बार जब मैं महमूद भाईजान से मिले थे, वह गंभीर रूप से बीमार थे और परिवार उसे पेंसिल्वेनिया ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन उन्होंने कहा, "काहे को ये सब ड्रामा? अपुन का खेल खत्म हो गया है। इधर ही मरने दो न हमको"।

एक कमजोर बाद में, बड़ी खबर थी। महमूद भाईजान की नींद में ही दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। उनके पार्थिव शरीर को मुंबई ले जाया गया और महबूब स्टूडियो के परिसर में रखा गया ताकि लोग उस व्यक्ति को अंतिम विदाई दे सकें, जिन्होंने अपने काम की शक्ति से हमेशा जीने का वादा किया था, जो दूसरों को हंसाने के लिए जीने और मरने के लिए पैदा हुए थे। जिस ताबूत में उसे ढेर सारे फूलों के साथ रखा गया था, उसमें भी ऐसा लग रहा था जैसे वह जीवन और जीने का मजाक उड़ा रहा हो।

वो जीते शान से......

भाईजान की तेजतर्रारता उनके व्यक्तित्व का हिस्सा थी। वह अपनी जीवन शैली के साथ–साथ अपने बड़े दिल के मामले में भी एक राजा की तरह रहते थे। उन्होंने 150 लोगों के हमारे विस्तारित कुटुंब की देखभाल की। वह कारों से प्यार करते थे और एक समय में उसके पास 24 कारों का एक बेड़ा था, जिसमें एक स्टिंग्रे, डॉज, इम्पाला, एमजी, जगुआर और अन्य शामिल थे। उनके पास ऑस्टिन नाम का एक इन–हाउस मैकेनिक था। वह उसे एक कार्यक्रम के लिए पहनने वाले सूट के रंग से मेल खाने के लिए कार को पेंट करने के लिए कहते थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उन्हें इसे रंगने के लिए लगभग एक लाख खर्च करने पड़े!

वह अपने जूतों को कार के रंग से भी मिलाते थे।

उन्होंने मुझे एक जगुआर उपहार में दी। मेरी गर्लफ्रेंड मुझसे प्यार करती थी क्योंकि मैं उसे चलाता था। तो क्या अमिताभ (बच्चन) की गर्लफ्रेंड भी थी क्योंकि उन्होंने इसे भी चलाया था (कथित तौर पर बच्चन को उनके संघर्ष के शुरुआती वर्षों में महमूद का समर्थन मिला था)! मुझे याद है कि जब मैंने ट्रेसी भाभी (महमूद की दूसरी पत्नी) की बहन को एक डांस पार्टी के लिए कार में बैठाया था, तभी उन्होंने मुझे थप्पड़ मारा था। उसे यह मंजूर नहीं था। भाईजान ने लंदन में शॉपिंग का लुत्फ उठाया। यदि उसे कोई विशेष कमीज / पैंट / जूते पसंद हैं, तो वह उसी शैली में सभी रंगों का चयन करेगा।

लेकिन यह 'मैं खुद' के बारे में कभी नहीं था। एक बार विदेश यात्रा से लौटने पर उन्हें सभी के लिए इतने उपहार मिले कि उन्हें एक टेम्पो में घर लाना पड़ा। इनमें लिफ्टमैन, चौकीदार और यहां तक कि डाकिया के लिए सीको घड़ियां भी शामिल थीं!

भाईजान का एक और शौक घोड़ों का था और वह उनमें से कुछ के मालिक थे। उनका पसंदीदा घोड़ा हार्डहेल्ड अमेरिका से मंगवाया गया था। भाईजान ने बुरे दौर से गुजर रहे जॉकी मानसिंह को शिरडी के साईं बाबा से मिलने के लिए कहा और तभी से उनकी जीत का सिलसिला शुरू हो गया।

भाईजान सभी धर्मों का सम्मान करते थे। इसलिए वह अपने स्क्रीन नाम के रूप में 'महेश' (भगवान शिव का नाम) से चिपके रहे। हम आजाद मैदान में एक साथ ईद की नमाज अदा करेंगे। लोगों ने उन्हें पहचाना लेकिन उन्हें कभी परेशान नहीं किया। फिर वह जॉनी वॉकर के घर जाते और ईदी (उपहार के पैसे) मांगते। उन्होंने सूफी संतों मखदूमशाह बाबा (माहिम और मलाड में) और कमर अली दरवेश (शिवपुर, पुणे) की दरगाहों का भी दौरा किया।

भाईजान को महिलाओं से ढेर सारे फैन मेल मिले। एक मजेदार घटना, जिसे भाईजान अक्सर सुनाते थे कि एक बार वह एक फिल्म

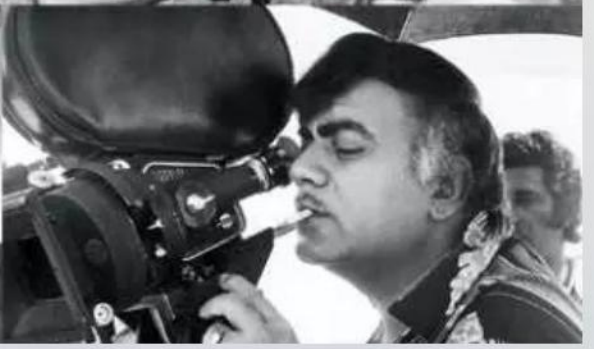

की शूटिंग के लिए जापान गए थे। वहां नायक और वह एक नाइट क्लब गए जिसके बाद वे गीशा को अपने कमरे में ले गए। आधी रात में, भाईजान ने अपने दरवाजे पर दस्तक सुनी। यह नायक था। ”गदबद हो गई। वो 'वो' निकला। मैंने उसे भगा दिया!” चकित सितारा ने कहा।

महमूद ने कॉमेडी की अपनी शैली विकसित की। अपने चरम पर, उन्हें फिल्म के नायक से अधिक भुगतान किया गया था और यह देखना आसान है कि क्यों। शीर्ष डॉलर के लुढ़कने के साथ, वह एक तेजतर्रार जीवन जी रहे थे। एक बड़ा खर्च, उसने अपने घोड़ों को रखने के लिए एक खेत खरीदा। इस चमक का उनके शाही खून से कुछ लेना–देना हो सकता है।

”वह अपनी जीवन शैली के साथ–साथ अपने बड़े दिल के मामले में भी एक राजा की तरह रहते थे। उन्होंने 150 लोगों के हमारे विस्तारित कुटुंब की देखभाल की। वह कारों से प्यार करता था शामिल थे,” उनके भाई अनवर अली ने एक साक्षात्कार में याद किया। कथित तौर पर, उनके तत्कालीन शिष्य अमिताभ बच्चन महमूद के कार संग्रह से ”अपनी गर्लफ्रेंड को प्रभावित करने” के लिए चोरी करते थे।

अपनी पत्नियों के लिए, भाईजान की मीनाजी (कुमारी) बहन मधु से पहली शादी लंबे समय तक नहीं चली। उनकी शादी से उनके चार बेटे थे – मसूद अली (एक बाप छे बेटे में चित्रित), मकसूद अली (उर्फ अभिनेता / गायक लकी अली), मकदूम अली उर्फ मैकी अली (कुंवारा बाप में एक चुनौतीपूर्ण बच्चे की भूमिका निभाई) और मासूम अली जिन्होंने उत्पादन किया दुश्मन दुनिया का (1996)।

भाईजान बाद में महाबलेश्वर में अमेरिकी निवासी ट्रेसी से मिले, जहां वह भूत बांग्ला (1965) की शूटिंग कर रहे थे। उन्हें प्यार हो गया और उन्होंने शादी कर ली। उनके '3+1' बच्चे थे। ट्रेसी भाभी के साथ उनके तीन बच्चे हुए, मंसूर अली, मंजूर अली (दुश्मन दुनिया का में ड्रग एडिक्ट की भूमिका निभाई) और बेटी लतीफुन्निसा उर्फ गिन्नी (गिन्नी और जॉनी में अभिनय किया)। चौथी लड़की किजी के पीछे एक कहानी है। एक बार जब वे बैंगलोर में थे, ट्रेसी भाभी ने एक बच्ची को खेत में लावारिस पड़ा पाया। उसने उसे उठाया, उसे नहलाया और भाईजान से कहा, ”चलो उसे मदर टेरेसा के पास ले चलते हैं।” लेकिन माँ ने कहा, ”वह तुम्हारे लिए है!” उन्होंने भाईजान को एक क्रॉस

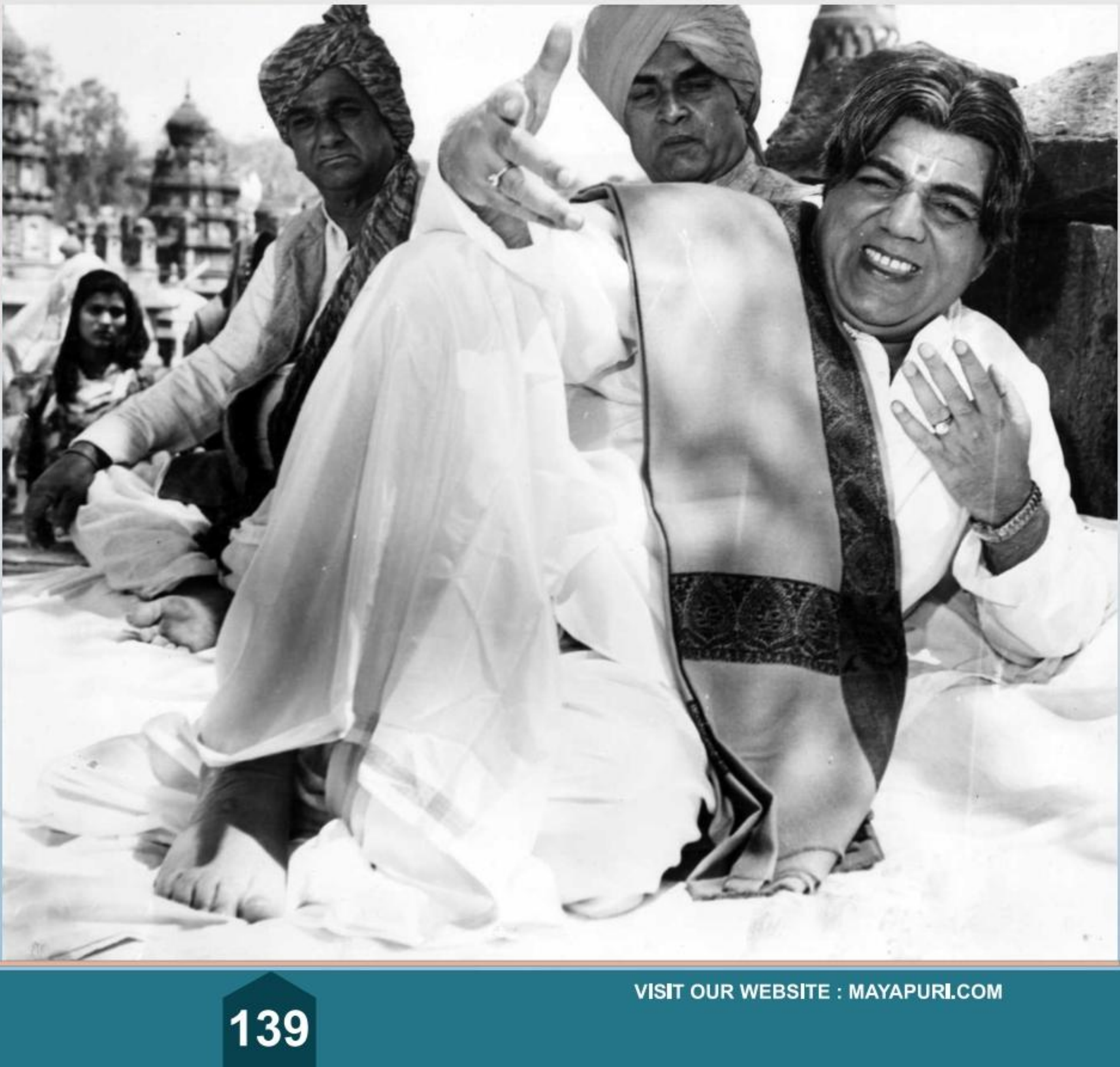

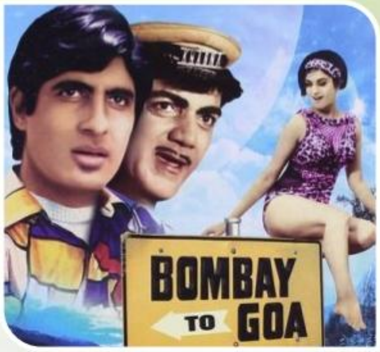

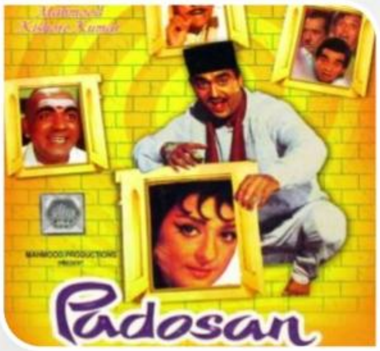

KUNWARA BAAP

BHOOT BUNGLA

भी दिया, जिसे उसने जीवन भर पहना था। उन्होंने बच्ची का नाम रहमत (आशीर्वाद) रखा। ज्ञप्रल (उसका पालतू नाम) पेशे से एक नर्स है और अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में रहती है। वह भाईजान से प्यार करती थी। एक बार जब वह अमेरिका में थे, तो उन्होंने उन्हें एक कार की चाबी देते हुए कहा, "यह कार तुम्हारे लिए है।" अरुणाजी (ईरानी) से भी भाईजान की नजदीकियों की अफवाहें थीं। हां, भाईजान और अरुणाजी एक–दूसरे के करीब थे लेकिन इस हद तक नहीं कि वे दूसरे लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाएं। यह सच है।

भाईजान एक भारी धूम्रपान करने वाले थे। उन्होंने शराब का सेवन नहीं किया, लेकिन कैलम्पोस की बड़ी खुराक ली, जिसमें बेहोश करने की क्रिया का प्रभाव था। शूटिंग के दौरान भी उनके पास था। जल्द ही, उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। दुश्मन दुनिया का, 1996 में, उनकी आखिरी फिल्मों में से एक थी। जल्द ही, उन्होंने उद्योग से बाहर कर दिया। उसका एक फेफड़ा टूट गया था। उसे सांस लेने के लिए ऑक्सीजन मास्क की जरूरत थी। वह ट्रेसी भाभी के साथ वहां की चिकित्सा सुविधाओं के कारण अमेरिका चले गये। वह आध्यात्मिक हो गये थे और अक्सर फोन पर कुरान की आयतें पढ़ते थे।

उनके पिता की शराब से लेकर उनके बेटे की विकलांगता और बड़े परिवार को चलाने की वित्तीय जिम्मेदारी तक उनका व्यक्तिगत जीवन कठिन था। वास्तव में, वह अक्सर अपने जीवन की विडंबना पर रहते थे। वह कहते थे कि उन्होंने लोगों को जीने के लिए हंसाया लेकिन सोचा कि उनका अपना जीवन इतना दुखद और दुखद क्यों था।

जैसा कि चैपलिन ने कहा था, "जब क्लोज–अप में देखा जाए तो जीवन एक त्रासदी है, लेकिन लंबे शॉट में एक कॉमेडी।"

23 जुलाई 2004 को पेनसिल्वेनिया में उनके निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई के लिए महबूब स्टूडियो लाया गया। वह 72 वर्ष के थे। पांच दिनों तक अमिताभ उनके पार्थिव शरीर के आने के इंतजार में काम पर नहीं गए। यहां औपचारिक अलविदा के बाद, उनके पार्थिव शरीर को बंगलौर ले जाया गया और हमारे पिता और उनके बेटे मैकी के बगल में दफनाया गया, जिनकी एक साल पहले दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई थी। उस दिन मुझे लगा कि मैंने अपने पिता को खो दिया है।

महान हास्य अभिनेता महमूद की पुण्यतिथि पर, बिग बी ने ब्लॉग पर कुछ अद्भुत यादें साझा कीं।

उनके कुछ आखरी शब्द ......

"शहर में सूरज चमकता है – एक दुर्लभ घटना! और यह

27 वीं शाम को बड़े प्रत्याशित धूमधाम से शुरू होने वाले ओलंपिक के उत्साह के बीच, पूरी आबादी पार्कों में, बेंचों पर, कैफे और पबों में, गर्मियों के कपड़ों में टहल रही है!

आज महमूद भाई की भी पुण्यतिथि है, जिन्हें हमने उद्योग के सबसे महान हास्य अभिनेता भाईजान के रूप में संबोधित किया था। उनके भाई अनवर अली और मैं मेरी पहली फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' के सेट पर मिले, उनमें से एक की भूमिका उन्होंने निभाई, और हम तब से करीबी दोस्त बने रहे। मैं उनके साथ महमूद भाई के एक बड़े परिसर में स्थित उनके अपार्टमेंट में, उनके बाकी बड़े परिवार के साथ रहा। महमूद भाई मेरे करियर ग्राफ के शुरुआती योगदानकर्ताओं में से थे; वह मुझ पर पहले दिन से ही विश्वास रखते थे, विरोधियों की इच्छाओं और टिप्पणियों के खिलाफ।

कुछ अजीबोगरीब कारणों से वह मुझे 'डेंजर डायबोलिक' के रूप में संबोधित करते थे, और मुझे मुख्य भूमिका देने वाले पहले निर्माता थे – 'बॉम्बे टू गोवा', एक तमिल हिट 'मद्रास टू पांडिचेरी' की रीमेक, जिसमें वह अन्य शानदार कॉमेडियन था दक्षिण से नागेश, अरुणा ईरानी के सामने। महमूद भाईजान ने तमिल में नागेश की फिल्मों के कई रीमेक किए और वे सभी बहुत सफल रहे। नागेश एक संस्था थी। उनकी प्रतिभा का अब तक मुकाबला नहीं किया जा सका है. वह एक फिल्म के कॉमेडी भागफल थे, लेकिन उनकी लोकप्रियता और अनुसरण ऐसी थी

उनके लिए मुख्य भूमिकाएँ लिखी गईं, इस तथ्य के बावजूद कि वह फिल्म में कॉमेडियन थे।

पीएस– मुंबई नगर निगम को उनके नाम पर काले प्लेग के साथ "हास्य कलाकार महमूद चौक" पढ़ने वाले सुनहरे अक्षरों के साथ एक सड़क का नाम देने में दस साल लग गए। उन्हें एक ऐसे आदमी पर देर से एहसान करने की ज़रूरत नहीं है, जो जीवन और हँसी–मंज़ाक करता रहेगा।

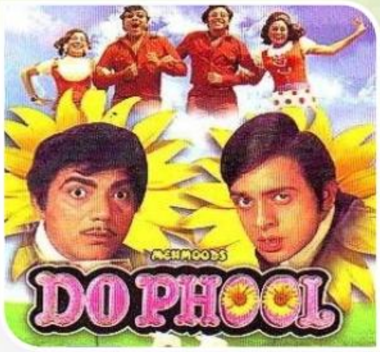

Bhimsingh Mahmood Productions
Sadhu aur Shaitaan

SABSE BADA RUPAIYA

EROS
JOHAR MEHMOOD IN GOA

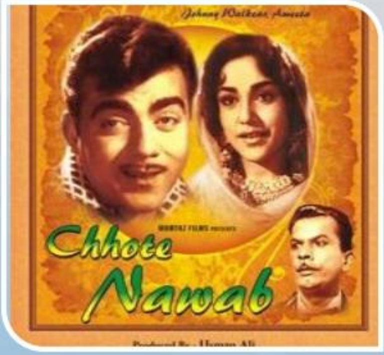

मोनिका ओ माय डार्लिंग' पर वासन बाला को लेकर सिकंदर खेर ने कहा

—सुलेना मजुमदार अरोरा

जल्द ही सिकंदर खेर वासन बाला की बहुचर्चित फ़िल्म '''मोनिका, ओ माई डार्लिंग''' में दिखाई देंगे, जो एक नॉयर यानी डार्क क्राइम टाइप जॉनर की फिल्म है और नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। सिकंदर खेर ने निर्देशक वासन बाला के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया और कहा कि वे शुरू से ही उनकी फिल्म निर्माण शैली से बेहद विस्मित और चमत्कृत रहें हैं। सिकंदर का मानना है कि वासन बाला सिर्फ एक निर्देशक ही नहीं बल्कि उनमें सिनेमा की अपनी अनूठी समझ है और वे सहज रूप से पॉप संस्कृति के क्लासिक उपयोग के साथ फिल्मों को निर्देशित करते हैं। इसलिए उन्हें उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया और वो अनुभव किसी सीख से कम नहीं।

सिकंदर से इस विषय पर बातचीत के दौरान उन्होंने उल्लेख किया, "वासन सर का लेखन और निर्देशन एक उत्कृष्ट मास्टर पीस कृति है। वे जिस तरह का अनोखा सिनेमा पेश करते हैं, वो नयापन और ताज़गी से भरपूर है। वे पूरी प्रक्रिया के दौरान बहुत हैंड्स ऑन एटिट्यूड रखते है। वे काम के हर पहलू में अपने को बारिकी से शामिल करतें है जैसे, छायांकन, रंगमंच की सामग्री, वेशभूषा, संगीत, सब कुछ। उनके साथ कोलाबोरेट करना एक प्रिविलेज और पूर्ण सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही एक साथ काम करना शुरू कर देंगे। "

सिकंदर खेर को आखिरी बार फ़िल्म 'आर्य' में देखा गया था और अब वह 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जो एक मल्टी–स्टारर फिल्म है और जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फ़िल्म की कहानी उस व्यक्ति के इर्द–गिर्द घूमती है जो कुछ असंभावित सहयोगियों और एक शैतानी योजना के साथ चोटी पर पहुंचना चाहता है।

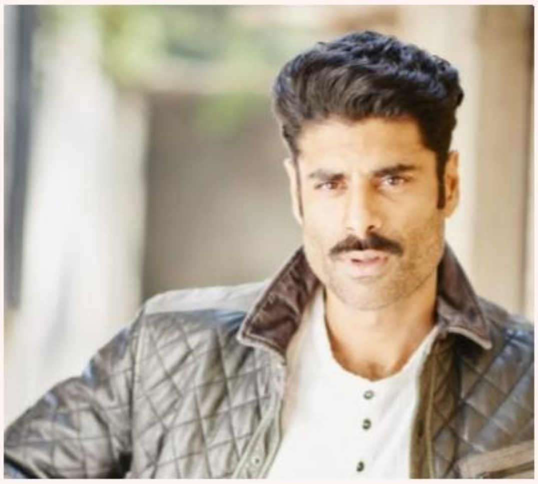

शुरू हुई कैमरा रोललिंग...'डोंट डू शादी' के सेट पर जन्मदिन के साथ फिल्मांकन आरम्भ

– माधुरी राय

अभिनेत्री सुमन यादव का जन्मदिन सेलिब्रेशन देखने के लिए सेट पर उपस्थित भीड़भाड़ का आलम देखकर यही लगता था कि कोई बड़ी घटना हुई है। लेकिन यह वस्तुतः एक शूट था। फिल्म का नाम है "डोंट डू शादी"। फिल्म की रोलिंग शुरू हो चुकी है। शक्ति कपूर, असरानी, हिमानी शिवपुरी, मंजू गुप्ता आदि फिल्म की खास भूमिका में हैं। सुशीलाजीत कमलजीत फिल्म्स और पेज 1 मीडिया नेटवर्क के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म के लेखक– निर्देशक हैं– जितेंद्र साहनी। गीत संगीत अमिताभ रंजन का है।

म्यूज़िक वीडियो और विज्ञापन फिल्में कर चुकी सुमन यादव की इस फिल्म में मुख्य भूमिका है। फिल्म के दूसरे कलाकार हैं– सन्नी, पूजा, योगिता कोचर, वैशाली, सुधांशु शेखर शास्त्री, मास्टर तेजश कुमार (चुगगु), नितू भारती, निशा भारती, अर्जुन ग्रोवर, हिमांशु कुमार , आकाश, श्याम, लाल बहादुर सिंह आदि। मास्टर विवान कश्यप की एक खास भूमिका है।सह निर्माता हैं विनोद सेठ।

Tulsi Kumar & Darshan Raval bring in the shaadi season with a peppy track, Tera Naam releasing soon!

ब्रॉडवे पर 'द साउंड इनसाइड' के लिए भारत ने अपना पहला 'टोनी नामांकन' प्राप्त किया है, जिसमें 6 टोनी नामांकन है।

– सुलेना मजुमदार अरोरा

''सोनिया मुदभटकल टोनी नामांकन (द साउंड इनसाइड के लिए सर्वश्रेष्ठ प्ले) हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं।''

टोनी अवॉड्र्स को प्रसिद्ध क्वार्टेट ''ईजीओटी (एमी, ग्रैमी, ऑस्कर और टोनी)'' का हिस्सा मानते हुए, भारत के लिए यह नामांकन और भी खास बन गया। ऐसे समय में जब हॉलीवुड जानबूझकर समावेशिता और विविधता के लिए अपने द्वार खोल रहा है, और भारतीय प्रतिभा धीरे–धीरे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्क्रीन पर अपनी पहचान बना रही है, यहां एक विशेष पहल है।

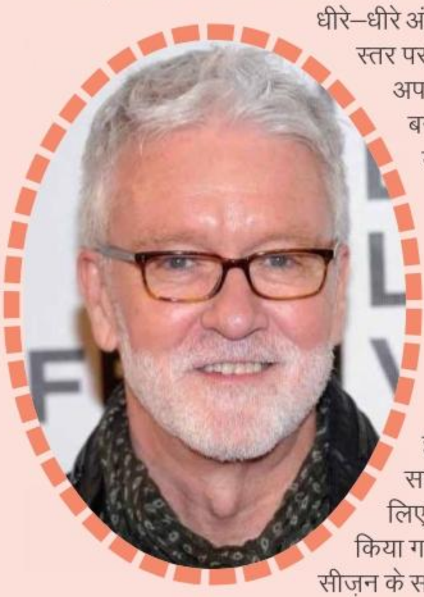

मुंबई की सोनिया मुदभटकल को ''द साउंड इनसाइड'' सर्वश्रेष्ठ प्ले के लिए नामांकित किया गया है, जो इस सीज़न के समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यावसायिक रूप से सफल ब्रॉडवे शो में से एक है, जिसकी न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा "सबलिमिनल सबलाइम थ्रिलर, अर्थात अचेतन उदात्त थ्रिलर" के रूप में समीक्षा की गई और छह में से 6 टोनी पुरस्कार नामांकन प्राप्त किए गए। सर्वश्रेष्ठ प्ले के अलावा, सर्वश्रेष्ठ मूल स्कोर (संगीत और / या गीत) थिएटर के लिए लिखित (डैनियल क्लुगर), प्ले में मुख्य भूमिका में एक अभिनेत्री द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (मैरी–लुईस पार्कर), एक प्ले का सर्वश्रेष्ठ प्रकाश डिजाइन (हीदर गिल्बर्ट), एक प्ले का सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिजाइन (डैनियल क्लुगर) और एक प्ले का सर्वश्रेष्ठ निर्देशन (डेविड क्रॉमर)। द साउंड इनसाइड भी 7 सम्मानों के साथ सीजन के सबसे अधिक सम्मानित नाटकों में से एक है, जिसमें न्यूयॉर्क शहर में आयोजित आउटर क्रिटिक्स अवॉड्र्स में बेस्ट प्ले भी शामिल है। द साउंड इनसाइड का निर्माण जितेंद्र सोनार और चित्रा मेटे द्वारा किया गया है, जो अनुभवी हॉलीवुड निर्माता जॉन हार्ट के साथ हैं, जिनके पिछले उपलब्धियों में एमी, ग्रैमी, ऑस्कर और टोनी जीतने वाले कार्य शामिल हैं जैसे ब्रॉडवे हिट शिकागो, वन्स, और द बैंड्स विजिट, तथा फीचर फिल्में जैसे क्रांतिकारी सड़क और लड़के रोते नहीं हैं। यह प्रसिद्ध लेखक एडम रैप के ब्रॉडवे डेब्यू का भी प्रतीक है। इसमें गोल्डन ग्लोब, एमी और टोनी विजेता अभिनेत्री मैरी लुईस पार्कर, द वेस्ट विंग, एंजल्स इन अमेरिका और वीड्स फेम एक्टर मुख्य भूमिका में हैं और टोनी पुरस्कार विजेता निर्देशक डेविड क्रॉमर द्वारा निर्देशित है।

पुरस्कारों की पूर्व संध्या पर, निर्मातागण रोमांचित हैं कि द साउंड इनसाइड को ब्रॉडवे पर इतनी अच्छी तरह से ग्रहण किया गया है, और उनका मानना है कि टोनी नामांकन भारतीय उत्पादन के लिए एक बूस्ट है जो निकट भविष्य में वैश्विक परिदृश्य पर ब्रेक करने के कगार पर है। इस बारे में वे कहते हैं, "यह केवल तभी होता है जब भारतीय निर्माता दुनिया के लिए प्रोड्यूस करते हैं, बाकी भारतीय प्रतिभाएं जैसे लेखक, निर्देशक, अभिनेता, तकनीशियन अनुसरण कर सकते हैं क्योंकि वे चित्र या शो को एक साथ रखने के लिए निर्माता पर निर्भर करते हैं"।

वयोवृद्ध निर्माता जॉन हार्ट कहते हैं, "सोनिया और मेरा, बतौर निर्माता समान रुचियां हैं और मुझे उम्मीद है कि हम थिएटर, फिल्म और लंबे रूप में एक साथ सहयोग करना जारी रखेंगे। उन्हें एक व्यक्ति के रूप में और भारत के लोगों को विस्तार से जानने के लिए, यह मेरे लिए एक महान विशेषाधिकार और एक अमूल्य "जागृति" रहा है। हमारे देशों में कहानियों के लिए एक साझा जुनून है जो मायने रखता है और हमें एक दूसरे की कहानियों और दुनिया में इस तरह से सहयोग करना और भाग लेना जारी रखना चाहिए जो हमें एक साथ लाता है।"

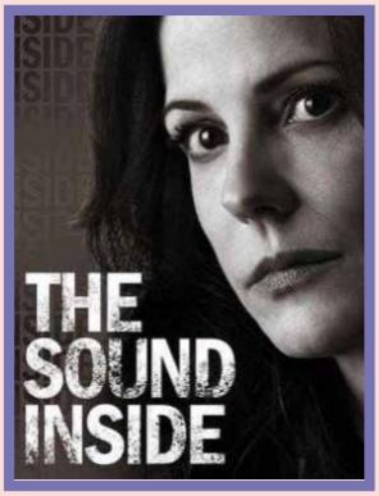

सोनिया मुदभटकल लॉस एंजिल्स में स्थित एक फिल्म, थिएटर और लॉन्गफॉर्म प्रोडक्शन कंपनी, कॉन्टिनम मीडिया की संस्थापक और निर्माता हैं। वह इससे पहले लॉस एंजिल्स में ''सोनी पिक्चर्स, ट्वेंटिएथ सेंचुरी फॉक्स और वार्नर ब्रदर्स स्टूडियो'' के साथ मोशन पिक्चर्स में काम कर चुकी हैं।

जितेंद्र सोनार एक व्यवसायी और लॉस एंजिल्स स्थित प्रोडक्शन कंपनी पार्टिकल मीडिया के संस्थापक हैं। चित्रा मेटे एक एंटरप्रेन्योर और कलाकार हैं और पुणे में "सुंबरन" कला फाउंडेशन की संस्थापक हैं जो भारत में कला और संस्कृति को बढ़ावा देती है।

74वें टोनी अवॉड्र्स 27 सितंबर, सुबह 4.30 बजे न्यूयॉर्क शहर के ब्रॉडवे पर विंटर गार्डन थिएटर में आयोजित हुआ, और पैरामाउंट + और सीबीएस द्वारा लाइव स्ट्रीम और टेलीविज़न किया जाएगा।

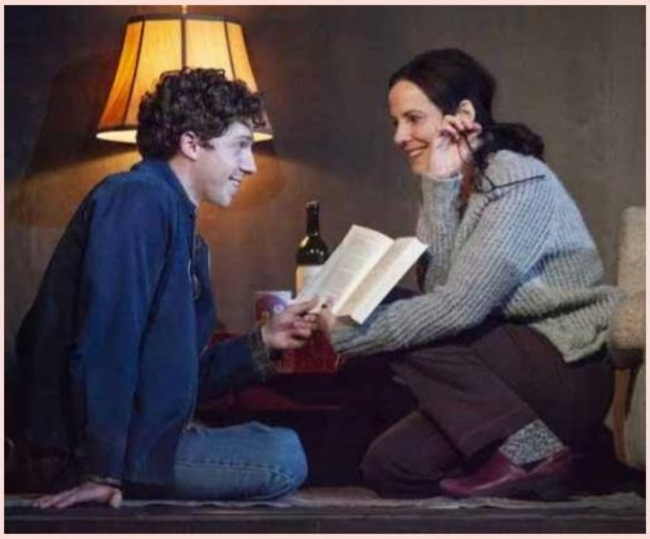

उर्वशी रौतेला ने मोहम्मद रमजान के साथ अपने अंतर्राष्ट्रीय गीत ''वर्साचे बेबी'' के लिए महामारी के बाद अपने पहले संगीत कार्यक्रम की घोषणा की..

बॉलीवुड की सबसे कम उम्र की सुपरस्टार **उर्वशी रौतेला** अपने प्रशंसकों के लिए अपना दिल बहलाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं क्योंकि वह मिस्र के सुपरस्टार मोहम्मद रमजान के साथ अपने सफल गीत **'वर्साचे बेबी'** के लिए एक संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगी। महामारी के बाद उर्वशी रौतेला का यह पहला संगीत कार्यक्रम होगा। इस गाने को इस साल का सबसे ज्यादा बजट वाला गाना बताया जा रहा है। पूरे वीडियो में दोनों के बीच की केमिस्ट्री देखते ही बनती है. इस गाने को अब तक यूट्यूब पर 20 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है और लोगों द्वारा इसे बड़े पैमाने पर पसंद किया जा रहा है।

उर्वशी रौतेला ने अपने इंस्टाग्राम वीडियो पर रहस्योद्घाटन किया कि उन्होंने मोहम्मद रमजान के साथ पोस्ट किया था जिसमें वह एक सफेद बकसुआ बेल्ट ब्लेजर पोशाक पहने हुए दिखाई दे रही थीं। महामारी के कारण प्रचार प्रक्रिया थोड़ी धीमी हो गई थी लेकिन यह गीत विभिन्न प्लेटफार्मों पर वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है! अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ प्यारे पर्दे के पीछे के वीडियो साझा किए हैं और प्रशंसक इसे पूरी तरह से पसंद कर रहे हैं। उर्वशी रौतेला अब मोहम्मद रमजान के साथ कॉन्सर्ट में परफॉर्म करती नजर आएंगी, जैसा कि उन्होंने वीडियो में बताया, अभिनेत्री ने कैप्शन दिया, 'हमारे अंतर्राष्ट्रीय शो के लिए कड़ी मेहनत #VersaceBaby @mohamedramadanws

एक और वीडियो जो उर्वशी रौतेला का मोहम्मद रमजान से नीले रंग के बुगाटी चिरोन के साथ मुलाकात का वायरल हो रहा है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला जल्द ही जियो स्टूडियोज की वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में रणदीप हुड्डा के साथ लीड रोल में नजर आएंगी। अभिनेत्री द्विभाषी थ्रिलर 'ब्लैक रोज' के साथ–साथ 'थिरुट्टू पायले 2' के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। अभिनेत्री को हाल ही में गुरु रंधावा के साथ उनके गीत ''दूब गए'' और मोहम्मद रमजान के साथ ''वर्साचे बेबी'' के लिए एक ब्लॉकबस्टर प्रतिक्रिया मिली। उर्वशी रौतेला 200 करोड़ के बड़े बजट की फिल्म ''द लीजेंड'' के साथ सरवाना के साथ तमिल में भी शुरुआत करेंगी। अभिनेत्री ने Jio Studios और T&Series के साथ तीन फिल्मों का अनुबंध भी किया है।

हरियाणा के रोहतक में आयोजित श्रीमद् भागवत गीता ज्ञान समारोह में मुख्य वक्ता और विश्वविद्यालय संत स्वामी ज्ञानानंद जी को वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स अवॉर्ड्स 2021 देते हुए चेयरमैन योगराज शर्मा!

हस्तियों को वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स अवॉर्ड्स 2021

रोहतक के मदनलाल ढींगरा स्थल पर आयोजित गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी के तीन दिवसीय भागवद गीता आयोजन में डबलूएचआरओ के चेयरमैन योगराज शर्मा ने स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, सांसद अरविंद शर्मा. विधायक भारत भूषण बतरा, मेयर श्री गोयल, कपिल मुनी जी, व यूनिवर्सिटि के वाईस चांसलर श्री मारकंडेय जी को वर्ल्ड ह्यूमन राइटस अवॉर्डस 2021 प्रदान किए। इस मौके पर चेयरमैन योगराज शर्मा ने कहा कि आज जहां विश्व भर में मानव अधिकारों के लिए संगठन बनाने और नियम बनाने पड रहे हैं, वहीं इन्ही मानवाधिकारों के लिए भगवान श्री कृष्ण के महाभारत युद्ध में सत्य का साथ देते हुए पांडवों को उनका हक दिलवाया था। आज चाहे यूनाइटेड नेशनंस हो या यूनियन सिक्योरिटी काउंसिल्स, जो मानव अधिकारों के लिए काम करती है, लेकिन भारत का इतिहास ही ऐसा गौरवपूर्ण रहा है कि जब जब धर्म की हानि होती दिखी, भगवान खुद प्रकट हुए और मानवाधिकारों का हनन करने वाले कंस हो या रावण, दुर्योधन हो या अन्य, उनका संघारकर के समानता व न्याय का अधिकार जगत को दिया। इस आयोजन में शिक्षाविद व समाजसेवी डा. जोगेंद्र दलाल व युवा अभिनेता भावेश दलाल भी मौजूद थे।

विश्व भर मे मानव अधिकारों के लिए कार्य कर रहे वर्ल्ड ह्यूमन राइटस ओर्गेनाइजेशन की करीब 20 देशों और भारत के 24 राज्यों में कार्यकर्ता सक्रिय हैं जो संविधान मे हमे मिले मौलिक व मानव अधिकारो के लिए जागरुकता कार्य कर रहे है और पीडितों की सरकार, प्रशासन व न्यायालयों के माध्यम से मदद कर रहे हैं।

–शांतिस्वरूप त्रिपाठी

विश्व हृदय दिवस पर टीवी जगत की हस्तियों ने रखी अपने मन की बात

पूरे विश्व में 'फादर्स डे', 'मदरर्स', 'वेलेनटाइन डे'सहित कुछ महत्वपूर्ण दिन मनाए जाते हैं,इन्ही में से एक है–'विश्व हार्ट डे' यानी कि 'विश्व हृदय दिवस' । एक स्वस्थ इंसान के लिए उसके ह्रदय का स्वस्थ होना अत्यावश्यक है। विश्व ह्रदय दिवस विभिन्न ह्रदय रोगों और संबंधित स्वास्थ्य बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाता है। यह हमें इस बात से भी सावधान करता है कि कैसे और क्यों हमारे दिल से संबंधित किसी भी स्वास्थ्य समस्या की उपेक्षा करना खतरनाक हो सकता है और केवल एक खुश अंदर और सही जीवन शैली का संयोजन ही ह्रदय को स्वस्थ रख सकता है। इस बार स्वस्थ हृदय के महत्व को पहचानने के लिए चिह्नित दिन 29 सितंबर को मनाया गया। आम इंसान ही नही टीवी जगत की कई हस्तियाँ भी इस बात से सहमत हैं कि स्वस्थ हृदय जीवन की सबसे बड़ी न्यामत है। आइए देखें के इस संबंध में टीवी जगत की हस्तियां क्या कहती हैं:

"मेरे परिवार का अच्छा स्वास्थ्य ही मुझे खुशी देता है.."

–प्रतीक चौधरी

अभी मेरा काम और मेरे परिवार का अच्छा स्वास्थ्य ही ऐसी चीजें हैं,जो मेरे दिल को बहुत खुश करती हैं। सुख और शांति हर किसी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण संपत्ति नहीं है। धन, यश, सब कुछ व्यर्थ है, यदि व्यक्ति सुखी या शांत नहीं है। मैं वास्तव में बिना एक ब्रेक के अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मैं अपना दिन जल्दी शुरू करता हूं, हर दिन सुबह लगभग साढ़े चार बजे उठकर अपने अभिनय का रियाज शुरू करता हूँ, फिर मैं कसरत करता हूं, स्वस्थ भोजन करता हूं और शूटिंग के लिए जाता हूं। मैं भी ऐसे दिनों में दौड़ने जाता हूं जब मुझे ऐसा लगता है। अपने परिवार के साथ समय बिताना, उनके साथ रहना मेरी रोज की खुशियों की खुराक है। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और अपने परिवार और खुद को गौरवान्वित और खुश करने और उनके सभी सपनों को पूरा करने के लिए पिछले कुछ वर्षों से यह मेरी दिनचर्या है।''

"हमें अपना समय और ऊर्जा उन चीजों पर लगाना चाहिए जो हमें खुश करती हैं.."

–डेलनाज ईरानी

खुश रहने की पूरी सोच, मन की शांति, जीवन में हमेशा से मेरा मंत्र रहा है। मैं जिस भी स्थिति में हूं, मैंने हमेशा मन की शांति को महत्व दिया है। यह वास्तव में महत्वपूर्ण है और मैंने इसे जीवन में कठिन तरीके से सीखा है। मुझे छोटी–छोटी चीजों में खुशी मिलती है जैसे रोज सुबह अखबार उठाना और चाय की चुस्की लेते हुए उसे पढ़ना, मनोज', जो हमारे मददगार हैं, को उनके पाक कौशल की प्रशंसा करके मुस्कुराना, सड़क पर पानी पुरी के लिए बाहर जाना। पर्सी (करकारियाय डीजे और डेलनाज के साथी) के साथ, फूलदान में सुंदर फूल हमारे रहने की जगह में रंग जोड़ते हैं, जीवन में हर चीज के लिए छोटी प्रार्थना। जो कुछ भी मुझे पूर्ण तनाव मुक्त क्षण और मन की शांति देता है, वह मुझे मेरे दिल से मुस्कुरा देता है। हमें केवल उन चीजों के पीछे नहीं भागना चाहिए जो हमारे हाथ में भी नहीं हैं। हमें अपना समय और ऊर्जा उन चीजों पर लगाना चाहिए जो हमें खुश करती हैं। असली खुशियाँ और तरह–तरह की हरकतें वे चीजें हैं जो मेरे दिल को खुश और स्वस्थ रखती हैं।''

"शांत और संयमित रहना ही स्वस्थ हृदय की कुंजी है।

–स्नेहा नमनंदी

मेरे जीवन का एकमात्र लक्ष्य खुश रहना है। जब कोई मुझसे पूछता है कि मैं क्या बनना चाहती हूं तो मैं हमेशा उनसे कहती हूं कि मैं खुश रहना चाहती हूं। मैं एक सहज और जैविक व्यक्ति हूं। मेरे दिल में जो कुछ भी आता है, मैं तुरंत उसे करती हूं, चाहे कुछ भी हो। जब तक कि यह किसी को चोट या नुकसान न पहुंचाए। मैं बहुत उत्साही और उत्साहित महिला हूं। छोटी–छोटी बातें मुझे खुशी देती हैं। कॉफी और मेरे कुत्ते मुझे खुश करते हैं। शांत और संयमित रहना ही स्वस्थ हृदय की कुंजी है। गुस्सा और हताशा ही आपको नीचे की ओर खींचेगी। इसलिए हमेशा खुश रहना चाहिए..''

"खुश रहने के लिए नकारात्मकता से बचना जरूरी है"

– हर्ष ए सिंह

विश्व ह्रदय दिवस पर, मुझे यह देखकर खुशी होती है कि महामारी का सबसे बुरा दौर धीरे–धीरे खत्म हो रहा है और लोगों ने अपने जीवन और काम को पुनर्जीवित किया है। यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि अगले माह सिनेमाघर खुलेगें हैं और फिल्में रिलीज होने लगेंगी। खुशी और शांति बहुत महत्वपूर्ण है, हालांकि मैं बहुत सारे बौद्ध साहित्य पढ़ रहा हूं, और मुझे विश्वास हो गया है कि खुशी को संघर्ष के क्षणों के साथ संतुलित करना होगा या आप खुशी की बिल्कुल भी सराहना नहीं करेंगे। इसलिए जीवन में सुख और शांति का भरपूर आनंद उठाना चाहिए ताकि आप निराशाओं के आने पर सामना करने के लिए तैयार रह सकें। खुशी और शांति के लिए अपने आप को ऐसे लोगों के इर्द गिर्द रखें, जिन्हें आप प्यार करते हैं, जैसे दोस्त, परिवार, गुरु, साथी, बच्चे और नकारात्मकता से बचें। इसलिए, मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि मैं अपने करीबी दोस्तों से नियमित रूप से मिलूं, उनके साथ अच्छी तरह से हंसूं। मैं अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताता हूं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं हर दिन प्रार्थना और ध्यान करता हूं। मेरे पास जो कुछ भी है, उसी में मैं अपनी खुशी व शांतिपूर्ण जीवन ढूंढ़ता हूँ।''

''पशुओ के पास रहना मुझे खुशी देता है..''

-रागिनी नंदवानी

मैं एक पशु प्रेमी हूं, इसलिए उनके आसपास रहना मुझे हमेशा खुशी देता है। मैं जितना हो सके उनकी देखभाल करने की कोशिश करता हूं और विभिन्न कुत्तों के आश्रयों और गैर सरकारी संगठनों से जुड़ा रहा हूं, जो आवारा जानवरों की देखभाल करते हैं।''

''दूसरे के चेहरे पर मुस्कान लाने से मुझे भी खुशी मिलती है।''

-मुनिशा खतवानी

अध्यात्मवाद वह है,जो मेरे दिल और दिमाग को खुश करता है। मुझे अपना सुंदरकांड और रामायण पथ करना बहुत पसंद है। मुझे भी कुत्तों जैसे जानवरों से प्यार है। मुझे तो जानवरों में इतनी ही पवित्रता मिलती है। जब भी मैं कुत्ते के साथ खेल रही होती हूं या जब मैं किसी कुत्ते से मिलती हूं, तो मुझे बेहद खुशी होती है क्योंकि उनके कंपन शुद्ध होते हैं, खासकर अगर वह घर का पालतू जानवर हो। मैं वास्तव में जीवन में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हूं। मैं इसमें पूरे मन से मानव सेवा कर रही हूं। मैं यहां लोगों की मदद करने के लिए हूं और इसका कोई उल्टा मकसद नहीं है। जब मैं लोगों को खुश देखती हूं या जब मेरी भविष्यवाणियां सच होती हैं, तो शांति और खुशी का मूल्य सभी से जुड़ा होता है। किसी और के चेहरे पर मुस्कान लाने से मुझे भी खुशी मिलती है।''

''प्रोमैक्स इंडिया अवार्ड्स 2021'' में 'जी सिनेमा' ने एक स्वर्ण और दो रजत पुरस्कार तथा 'एंड पिक्चर्स' ने एक स्वर्ण और एक रजत पुरस्कार जीता

ZEECINEMA
सीने में CINEMA

&pictures
ON NAHI, FULL ON

जी सिनेमा और एंड पिक्चर्स ने प्रतिष्ठित 'प्रोमैक्स इंडिया अवार्ड्स 2021' में प्रमुख श्रेणियों में अपने अभियानों के लिए कई पुरस्कार हासिल कर विजेता बनकर उभरे हैं। जी हिंदी मूवी क्लस्टर क्रिएटिव, ऑडियंस–फर्स्ट नैरेटिव और दृष्टिकोण के मामले में सबसे आगे रहा है। इन प्रशंसनीय उपलब्धियों के साथ चैनलों ने एक बार फिर अपनी काबिलियत साबित की है।

''प्रोमैक्स इंडिया अवार्ड्स'' मनोरंजन विपणन और डिजाइन क्षेत्र में अपने पथ–प्रदर्शक अभियानों के लिए ब्रांडों को मान्यता देता है। जी सिनेमा और एंड पिक्चर्स ने अपने अत्याधुनिक ब्रांड मैसेजिंग और आकर्षक अभियानों के लिए इस सीजन में विभिन्न श्रेणियों में सामूहिक रूप से पांच पुरस्कार अर्जित किए।

जी सिनेमा ने अपने अभियानों के साथ दर्शकों को बेदाग पढ़ने के लिए पुरस्कारों में चमक दी, जिसने चैनल के 'सीन में सिनेमा' के ब्रांड प्रस्ताव को प्रतिध्वनित किया। चैनल ने अपने अभिनव,अंतर्दृष्टि–संचालित अभियान – 2020 का द एंड के लिए 'बेस्ट हॉलिडे–फेस्टिव प्रोमो' में सिल्वर के साथ 'बेस्ट सोशल मीडिया कैंपेन फॉर ए प्रोग्राम' में एक गोल्ड जीता। यह अभियान सिनेमाई तरीके से सकारात्मकता फैलाने की एक पहल थी, जिसमें सबसे अधिक नफरत करने वाले रूपक खलनायक 2020 को खत्म करने और लोगों को एक आशावादी कल की कामना करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक इंटरैक्टिव अभियान शुरू किया गया था। चैनल ने विश्व टीवी प्रीमियर के तहत फिल्म 'थप्पड़' के लिए तापसी पन्नू के साथ मिलकर सामाजिक रूप से प्रासंगिक संदेश देने के लिए 'सेलिब्रिटी–इन्फ्लुएंसर – सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले प्रतिभा' में एक रजत जीता।

युवा भारत की भावना को प्रतिध्वनित करने वाले चैनल 'एंड पिक्चर्स' को को उनके अद्वितीय डिजाइन और आकर्षक सोशल मीडिया अभियान के लिए सम्मानित किया गया। इसने हाल ही में अभूतपूर्व ब्रांड रिफ्रेश अभियान 'ऑन नहीं फुल ऑन' के तहत 'मल्टीपल मीडिया में सर्वश्रेष्ठ लोगो डिजाइन' के लिए एक स्वर्ण पदक और 'चौनल या ब्रांड के लिए सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया अभियान' के लिए एक रजत जीता। ब्रांड रिफ्रेश अभियान 'ऑन नहीं फुल ऑन' उपभोक्ताओं के साथ मजबूत प्रतिध्वनि बनाने और एक मजेदार और ऊर्जावान गंतव्य होने की ब्रांड की धारणा को सुदृढ़ करने के लिए एक रणनीतिक पहल थी। आकर्षक अभियान ने अपने लक्षित दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाया।

इन अभियानों ने चैनलों की व्यक्तिगत ब्रांड विचार धाराओं के बारे में बहुत कुछ बताया,जो दर्शकों के लिए एक बेजोड़ अनुभव लाने के लिए छल करते हैं। सभी चैनलों में शीर्ष पारिवारिक मनोरंजन के साथ, जी हिंदी मूवी क्लस्टर ने संचार को गढ़ने की दिशा में पूरी तरह से काम किया है जो एक गहरा संबंध बनाता है और अपने दर्शकों से सीधे बात करता है।

वो कामयाब कैसे नहीं हो सकता है, जिसका दिल दूसरों की कामयाबी की हमेशा कामना करता है, नाम है अमिताभ बच्चन

अली पीटर जॉन

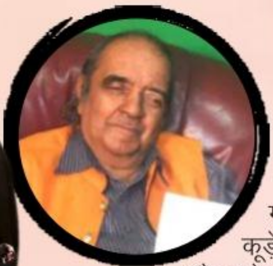

जब मैं चारों ओर देखता हूं और देखता हूं कि मानव जाति कैसे बदल रही है और कैसे एक समय के सबसे ऊंचे मूल्यों में से कुछ समय के कूड़ेदान में फेंक दिए गए हैं और मुझे एक नया धर्म दिखाई दे रहा है जिसे कृतज्ञता कहा जाता है और अनुयायियों की संख्या इस खतरनाक धर्म का ही विकास हो रहा है।

यह इस माहौल में है जो न केवल मेरे लिए बल्कि लाखों अन्य लोगों के लिए जीवन को दुखी कर रहा है, मुझे **अमिताभ बच्चन** नामक एक व्यक्ति को जानने और खोजने में प्रसन्नता हो रही है, जिसने अपने लिए कुछ निश्चित दिशानिर्देशों का पालन करने के कारण अपने लिए प्रसिद्धि का हॉल बनाया है! उन्होंने उनके लिए निर्धारित किया है और उस समय के लिए बहुत गंभीरता और ईमानदारी से अनुसरण करता है जब से मुझे याद है।

कभी—कभी, मुझे यह प्रबल भावना होती है कि वह उन सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता से भरे होने के इस दृष्टिकोण के साथ पैदा हुए है, जिन्होंने अपने जीवन में कुछ किया है, जो कि उन लोगों के कारण है जिन्होंने उन्हें हर छोटे या हर छोटे के लिए महान होने का उपहार दिया है! उस पर किया गया बड़ा उपकार या कार्य!

अमिताभ ने लोगों को यह बताने का कोई अवसर या अवसर नहीं गंवाया है कि, वह अपने माता—पिता, **डॉ हरिवंश राय बच्चन** और उनकी मां **श्रीमती तेजी बच्चन** के प्रति कितने आभारी हैं! उन्होंने अक्सर यह कहा है कि उन्होंने डॉ. बच्चन और उनकी मां जैसे पिता के महान कवि से जीवन के सभी मूल्यों को सीखा है। वे उनके जीवन के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने उन्हें मूल्यों से समझौता किए बिना और अंधेरे और हार की ताकतों के सामने आत्मसमर्पण किए बिना, धूप में अपने स्थान के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया।

अमिताभ या प्रबुद्ध व्यक्ति, जैसा कि उनके नाम का अर्थ है, ईश्वर में अधिक विश्वास करने वाले हैं और उनके पास अपने बहुत ही तंग कार्यक्रम और समय के साथ अपनी लंबी लड़ाई में भी प्रार्थना के लिए समय है, यही एक कारण है कि वह सहस्राब्दी का सितारा है और देश में सबसे लोकप्रिय, व्यस्त और यहां तक कि सबसे अमीर अभिनेता जब वह केवल 78 वर्ष के हैं।

अमिताभ मेरे गुरु और **राज कपूर** के गुरु और कई अन्य लोगों के प्रति कृतज्ञता दिखाना कभी नहीं भूले, जिन्होंने उन्हें एक अभिनेता के रूप में अपना पहला ब्रेक दिया और

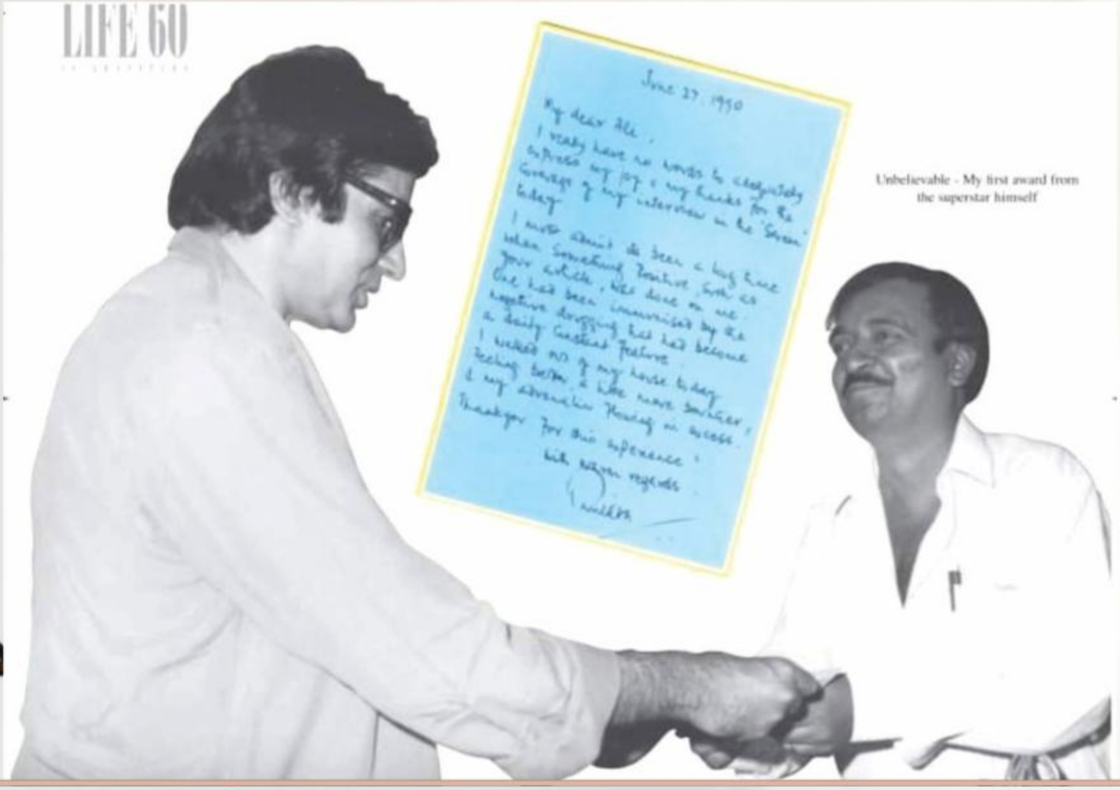

Unbelievable - My first award from the superstar himself

चाहे वह इलाहाबाद में छात्रों के एक समूह के लिए बोल रहे हों या किसी सभा में बोल रहे हों! साहित्यकार या वकील या बुद्धिजीवी, वह **अब्बास** नामक व्यक्ति के प्रति अपना आभार प्रकट करना कभी नहीं भूलते हैं और जिसे उन्होंने **'सात हिंदुस्तानी'** की शूटिंग के दौरान **'मामू जान'** कहा था।

पिछले चालीस वर्षों में, उन्होंने अनगिनत और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के पुरुषों और महिलाओं के साथ काम किया है और राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और संतों और सबसे बढ़कर आम आदमी के साथ बातचीत की है, और उनके जीवन में कोई समय नहीं रहा है। शानदार करियर जब वह उन सभी लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करना भूल गए, जिनके बारे में वे कहते हैं कि, कोलकाता में एक अंग्रेजी फर्म में एक जूनियर कार्यकारी को न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में सबसे महान सितारों में से एक के रूप में विकसित करने के लिए जिम्मेदार थे!

उनकी कृतज्ञता की भावना इतनी प्रबल है कि वह उन लोगों के प्रति भी अपना आभार प्रकट करते हैं जो उनकी सफलता के मार्ग में भी आड़े आए हैं। और जो मुझे विश्वास करना मुश्किल लगता है वह यह है कि वह अपने बच्चों, **अभिषेक और श्वेता** और यहां तक कि अपने पोते, **नव्या नवेली** और **आराध्या** के भी आभारी हैं। लेकिन, उनकी कृतज्ञता की भावना अगस्त 1982 में मौत के जबड़े से बाहर निकलने से ज्यादा मजबूत कभी नहीं हुई। जिस दिन वे उस महान युद्ध के बाद घर लौटे, उनके पास बात करने की ताकत भी नहीं थी, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि, उन्होंने अस्पताल में रहने के दौरान उनके लिए प्रार्थना करने वाले लाखों लोगों और बैंगलोर के सेंट फिलोमेना अस्पताल के डॉक्टरों और फिर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने किसी को भी धन्यवाद देने के लिए कुछ ही क्षण लिए हैं, जिसने उसे धन्यवाद या बधाई देने के लिए संदेश भेजा है। ट्विटर पर उनके संदेश और विशेष रूप से उनका अपना ब्लॉग, जो वे नियमित रूप से हर रात लिखते हैं, उन्हें यह जानने के लिए देखना और पढ़ना होगा कि, उनका दिल और दिमाग कितना आभारी है!

भगवान के प्रति उनका आभार हमेशा उनके जीवन का एक अभिन्न अंग रहा है, जैसे कि यह उनके माता–पिता के लिए था। मृत्यु के उस मात्र संबंध से उबरने के तुरंत बाद, उन्होंने भगवान के प्रति अपनी कृतज्ञता दिखाने के लिए पूरे देश में सभी धर्मों के सभी बड़े और छोटे पूजा स्थलों का दौरा करने का फैसला किया, जब वे पहली बार स्टारडम पर पहुंचे थे, तो उनके पास ऐसे पुरुष थे जो उन्हें प्राप्त प्रत्येक पत्र के लिए आभार पत्र लिखा। अब, वह किसी भी विषय पर अपनी कृतज्ञता और अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने में माहिर हैं जो उनके दिमाग पर प्रभाव डालता है।

उनके कृतज्ञता के संदेश उन लोगों के लिए इतने कीमती हैं जो उन्हें प्राप्त करते हैं कि वे तब देखते रहते हैं, यह विश्वास करने की कोशिश करते हैं कि यह वास्तव में अमिताभ बच्चन हैं जिन्होंने आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने इसे अपने सभी जन्मदिनों, अपने सभी उत्तराधिकार, अपने सभी पुरस्कारों पर किया था और नवीनतम उन सभी के प्रति आभार व्यक्त करना है जिन्होंने उन्हें सिनेमा में योगदान के लिए **दादा साहब फाल्के पुरस्कार** प्राप्त करने पर बधाई दी है। मैं जो उन्हें उस समय से जानता हूं जब से उन्होंने सात हिंदुस्तानी को साइन किया था, उन्होंने उन्हें एक अंधेरे और नीरस अस्थायी थिएटर से बधाई संदेश भेजा है और उसी शाम मुझे उनका संदेश प्राप्त हुआ और मुझे धन्यवाद दिया और पुरस्कार से विनम्र होने की भावना व्यक्त की।

मैं उनके कृतज्ञता के कई पत्र प्राप्त करने के लिए बहुत भाग्यशाली रहा हूं, लेकिन मुझे जो सबसे अच्छा मिला है और मेरे पास वह खजाना है जो उन्होंने मुझे उस समय लिखा था जब बोफोर्स तोप घोटाले के दौरान पूरा प्रेस उनके खिलाफ था और मैं चला गया था मेरे अपने कागज और उनके मालिक के आदेश के खिलाफ और उनके साथ खड़ा था। नीचे दिया गया पत्र किसी को भी दिखाएगा कि इस विनम्र व्यक्ति के पास अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए किस तरह की महानता है, जिसे कहने के लिए मुझे फिर से खेद है कि यह एक ऐसी भावना है कि यह रास्ते में है और यहां तक कि कुछ मनुष्यों के लिए मर भी गया है जो खुद को मानते हैं श्रेष्ठ मनुष्य और हमारे इतने असीम रूप से हीन।

मेरा बधाई संदेश प्राप्त करने के बाद मुझे उनके संदेश को पुनः पेश करने का मोहक है–'मैं बहुत आभारी हूं ... और बहुत विनम्र ..

मेरा हार्दिक आभार

अमिताभ बच्चन।''

परम आभार

अगर यह कृतज्ञता नहीं है, तो कृतज्ञता का कोई अर्थ नहीं है

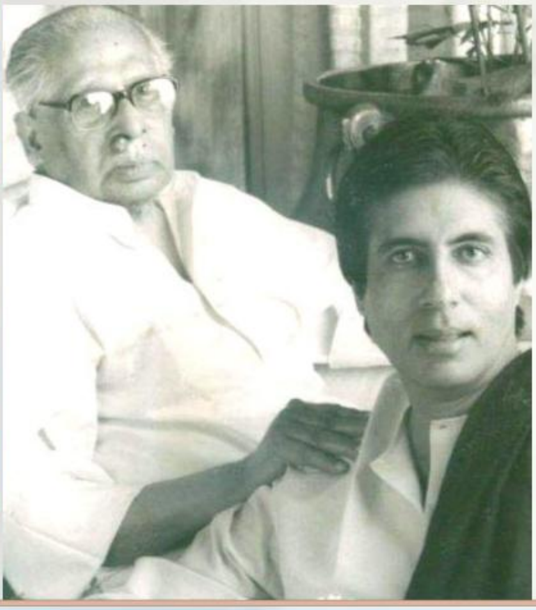

वो रात, स्वरलता, लता और मैं!

अली पीटर जॉन

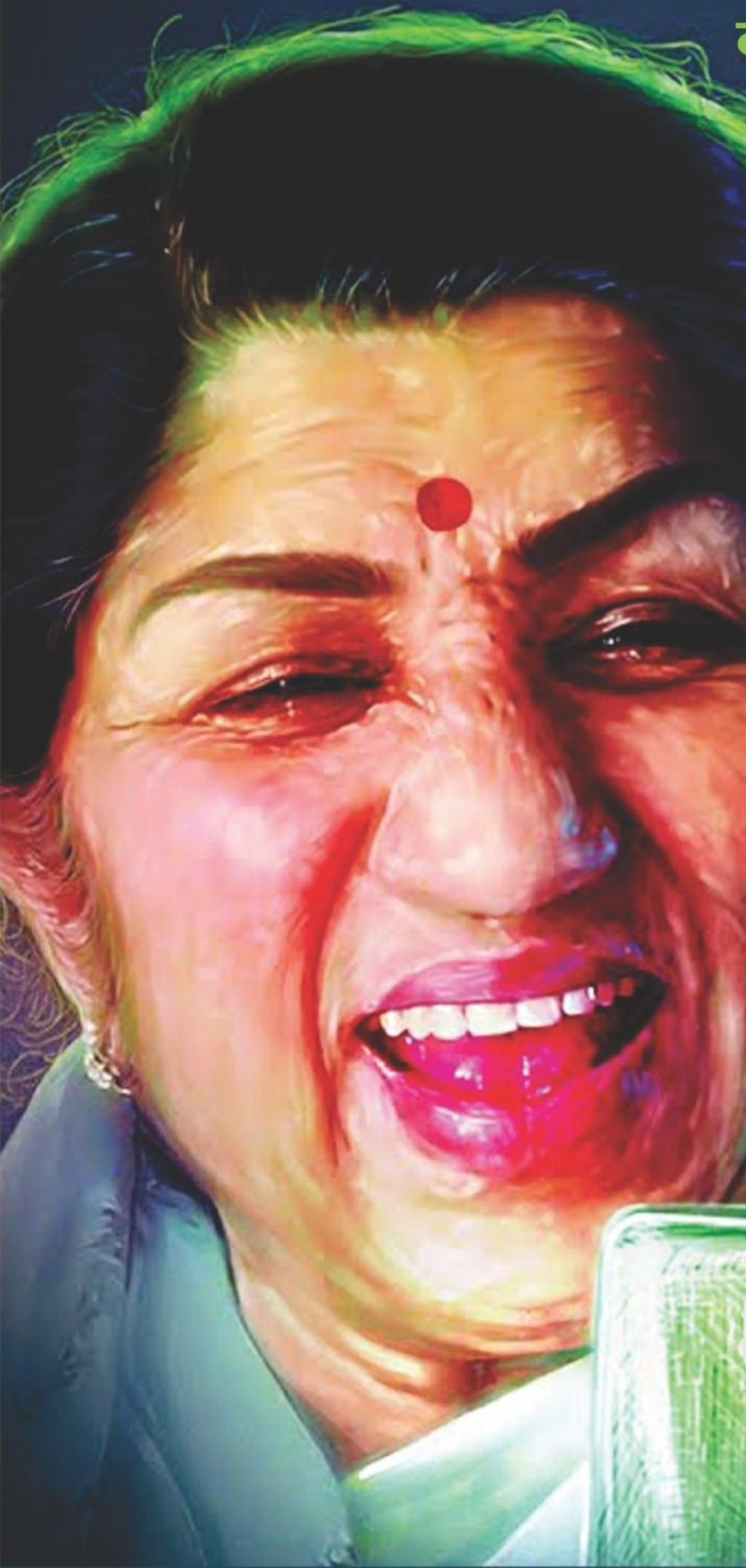

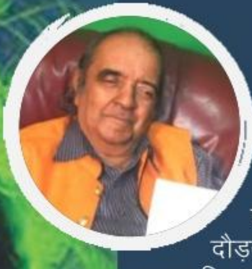

मैं अपने दिन का काम खत्म कर चुका था और अंधेरी पश्चिम में म्हाडा की गलियों में अकेला चल रहा था, तभी **लता मंगेशकर** का दाहिना हाथ महेश मेरे पीछे दौड़ता हुआ आया! उसने मुझे बताया कि लताजी लता के लिए बुलाए गए बंगले में गाना रिकॉर्ड कर रही हैं और अगर मैं उनसे मिले बिना चला जाऊं तो वह दुखी होंगी।

मैं गाने की रानी से मिलने के प्रलोभन का विरोध कैसे कर सकता था जब मैं उनके बहुत करीब था और इसलिए मैं '**स्वरलता**' में चला गया, एक बंगला जिसे एक प्रशंसक ने उनके गाने रिकॉर्ड करने के लिए बनाया था जब भी वह उपनगरों में थीं ... .

लताजी ने एक मुस्कान के साथ मेरा स्वागत किया जिसे मैं पूरी दुनिया को बेच कर नहीं खरीद सकता था और उसकी रिकॉर्डिंग पर वापस आ गया।

वह हैदराबाद के एक युवा वितरक और फाइनेंसर **संतोष कुमार जैन** नामक एक अज्ञात निर्माता, लेखक और निर्देशक के लिए एक गाना गा रही थी, जो मुझसे पहले मिले थे और मुझे बताया था कि वह ब्रैड पिट के साथ एक सौ पचास करोड़ के बजट पर एक फिल्म बना रहे हैं।, **एंजेला जोली, अमिताभ बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन**। उन्होंने मुझे बताया था कि आंध्र

प्रदेश के मुख्यमंत्री एनटी रामाराव की विधवा पर्वतम्मा उनकी फिल्म का वित्तपोषण कर रही हैं। मुझे उनकी कक्षा और स्थिति का पता तब चला जब उन्होंने मुझे रात के खाने के लिए आमंत्रित किया, जहां 350 रुपये में एक बुफे परोसा गया और उन्होंने अपने कर्मचारियों को बिना किसी शर्म के उनके साथ रात का खाना साझा करने के लिए बुलाया।

लताजी ने संगीत निर्देशक राम–लक्ष्मण के तहत गीत रिकॉर्ड करना जारी रखा और लताजी जो गीत गा रही थीं, वह राज कपूर के ''राम तेरी गंगा मैली'' के शीर्षक गीत के समान ही लग रहा था।

लताजी मेरे पास आईं और मेरे बगल वाली कुर्सी पर बैठ गईं और मैं खुद को यह कहने से रोक नहीं पाई कि यह गाना राज कपूर के गाने की कॉपी की तरह लग रहा है और उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा और कहा, ''मुझे क्या पता नहीं है क्या? मैं तो सिर्फ राम–लक्ष्मण के लिए गा रही हूं जिसकी माली हालत बहुत खराब है। सोचती हूं, मेरे गाने से कुछ पैसे मिल जाएंगे''.

..

और उस रात राम–लक्ष्मण एक लाख रुपये लेकर घर गए और लताजी ने प्रभु कुंज जाने से पहले मुझे घर छोड़ दिया।

मैं व्यक्तिगत रूप से कम से कम एक सौ बीस किलोग्राम लताजी को व्यक्तिगत, संस्थागत, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कारणों से मुफ्त में गाते हुए जानता हूं। यही कारण है कि वह लता मंगेशकर हैं, जो सुनहरी आवाज और अधिक कीमती दिल वाली महिला हैं!

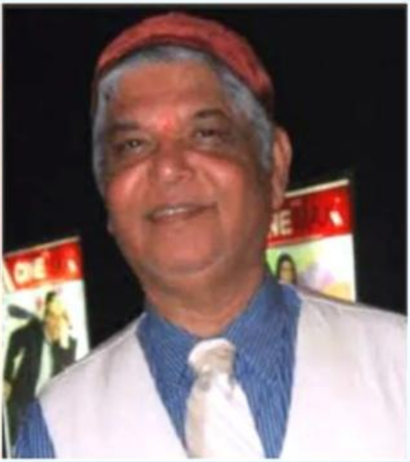

यश चोपड़ा

हर दम वक्त के साथ चलते रहे, लेकिन आखिरी वक्त, वक्त ने उन्हें धोखा दे दिया

– अली पीटर जॉन

यह एक ऐसा प्रश्न है जो मैं अपने आप से तब से पूछ रहा हूं जब से मुझे पता था कि प्रासंगिक प्रश्न पूछना क्या होता है। मैं जीवन भर कोशिश करता रहा हूं और मुझे अभी भी किसी नतीजे पर पहुंचना है। इसलिए जब मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं, तो मैं कभी–कभी रुक जाता हूं और खुद से पूछता हूं कि क्या कोई भगवान है जो मेरी प्रार्थना सुनते है और फिर प्रार्थना करता रहता हूँ कि कोई भगवान मेरी प्रार्थना सुन रहा हो। इसलिए जब मैं देखता हूं कि मनुष्य समय के अनुसार चीजों की योजना बना रहा है और आने वाले वर्षों और समय में महान चीजों की योजना बना रहा है, बिना यह जाने कि कभी–कभी कल कभी नहीं आता। यही कारण है कि मैं अपने ट्रैक में रुक गया और यहां तक कि सबसे महत्वाकांक्षी योजनाएँ बनाने वाले व्यक्ति पर हँसता हूँ, केवल उन्हें खाड़ी के किनारे गिरते हुए देखने के लिए।

ये विचार मेरे दिमाग में आते हैं जब मैं सोचता हूं कि मैं लगभग पचास साल पहले यश चोपड़ा द्वारा बनाई गई प्रमुख फिल्मों में से एक को समय नामक फिल्म मानता हूं जो हिंदी फिल्मों की पहली मल्टी स्टारर थी।

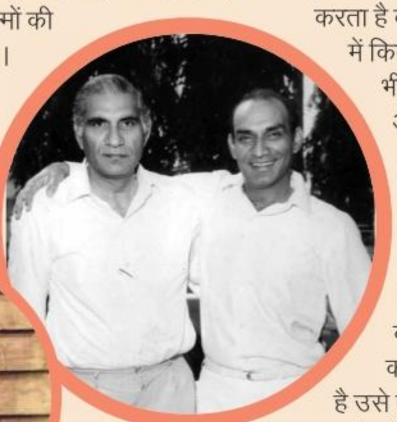

कवि साहिर लुधियानवी के कट्टर प्रशंसक यश चोपड़ा ने साहिर की कविताओं को पढ़ने के बाद फिल्मों में कुछ भी करने के लिए आईसीएस अधिकारी बनने से अपना मन बदल लिया था। वह अपने पिता को यह बताने में सफल रहा था कि वह अपने बड़े भाई बीआर चोपड़ा द्वारा प्रशिक्षित होने के बाद निर्देशक बनने के लिए अपनी किस्मत आजमाएगा।

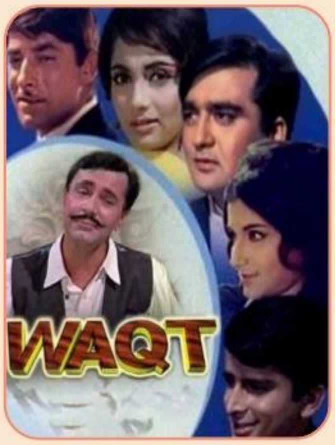

वह अपनी पहली दो फिल्मों "धूल का फूल" और "धर्म पुत्र" के साथ एक अच्छे निर्देशक साबित हुए। वह दोस्त बनाने में बहुत अच्छा थे और जल्द ही सभी बड़े सितारे उनके दोस्तों के रूप में काम करने लगे।

उनकी अगली फिल्म, "वक्त" अख्तर उल ईमान द्वारा लिखी गई एक पटकथा पर आधारित थी, जो अमजद खान के ससुर बनने वाले थे। फिल्म को पहली आधुनिक खोई और पाई गई फिल्म कहा जा सकता है।

सबसे प्रभावशाली दृश्य तब शुरू होता है जब एक परिवार का अमीर मुखिया अपने बंगले पर उत्सव मनाता है और अपने तीन छोटे बेटों के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं के बारे में अपनी भावनाओं को प्रकट करता है, एक पारिवारिक ज्योतिषी है जो परिवार के मुखिया का उपहास करता है और प्रतीक का उपयोग करता है कप को पकड़े हुए और कप को होठों को छूने में कितना समय लगता है और उस समय में कुछ भी कैसे हो सकता है। और अचानक एक भूकंप आता है जिसके बाद कुल विनाश होता है और परिवार अलग हो जाता है।

परिवार का मुखिया बेसहारा हो जाता है। बेटों में से एक को एक अमीर आदमी ने गोद लिया है जो एक अपराधी भी है। दूसरे बेटे को एक व्यवसायी ने गोद लिया है और केवल छोटा बेटा जो ड्राइवर के रूप में काम करता है और अपनी बीमार मां के साथ रहता है उसे एकमात्र जीवित बचे लोगों के रूप में देखा जाता है और परिवार के किसी अन्य सदस्य का कोई निशान नहीं है। एक नाटकीय अदालती मामले में परिवार एक साथ कैसे आता है, यह कहानी है जो समय और उनके जंगली तरीकों के बारे में है।

समय ने अपने खेल खेले हैं जो फिल्म की पूरी इकाई। बीआर चोपड़ा जो निर्माता थे और यश चोपड़ा जो निर्देशक थे मर चुके हैं। गीतकार साहिर लुधियानवी और रवि भी मर चुके हैं और लेखक और अन्य सभी तकनीशियन जैसे कायगी, छायाकार और संपादक प्राण मेहरा भी मर चुके हैं।

फिल्म में साठ के दशक के कुछ सबसे लोकप्रिय सितारे थे। परिवार के मुखिया की भूमिका निभाने वाले बलराज साहनी और उनकी पत्नी की भूमिका निभाने वाले अचला सचदेव थे। सुनील दत्त, राजकुमार और शशि कपूर तीन बेटे थे। साधना और शर्मिला टैगोर प्रमुख महिलाएँ थीं। रहमान जो गुरुदत्त की फिल्मों में एक नियमित खलनायक थे, मदन पुरी उनके गुर्गे थे और कई अन्य छोटी भूमिकाएँ जाने–माने चेहरों द्वारा निभाई गईं।

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मैं उन सभी सितारों और अभिनेताओं को एक गौरवशाली अतीत के हिस्से के रूप में देखता हूं। वे सभी मर चुके हैं और अनंत काल में चले गए हैं सभी भगवान, समय और भाग्य जानते हैं कि वे कहां हैं।

कल्ट फिल्म के निर्माण की गाथा का एकमात्र जीवित गवाह शर्मिला टैगोर है जो फिल्म के निर्माण के समय एक नवागंतुक थी। और मुझे आश्चर्य है कि जीवनी लिखने और फिल्मों के इतिहास का पता लगाने के इस युग में कोई भी उस जादू को फिर से बनाने की कोशिश क्यों नहीं कर रहा है जो यश चोपड़ा ने "वक्त" में काम किया था। जैसे राजेश खन्ना अपने करियर के अंतिम कुछ वर्षों के दौरान हर समारोह या बैठक में कहा करते थे, उन्हें "वो भी एक दौर था, ये भी एक दौर है" के लिए आमंत्रित किया गया था और उसी तरह राजेश खन्ना ने फिल्म आनंद में कहा था, " हम सब रंगमंच की कटपुतलियां हैं यहां कौन कब उठेगा किसी को कुछ नहीं पता हाहाहा"।

समय के चंगुल में फंसे सभी लोगों के लिए यह एक बड़ी चेतावनी है कि समय का सम्मान करें क्योंकि जब समय आपका अनादर करने का फैसला करता है, तो यह केवल आपके लिए समय का अंत हो सकता है। धोखा दिया

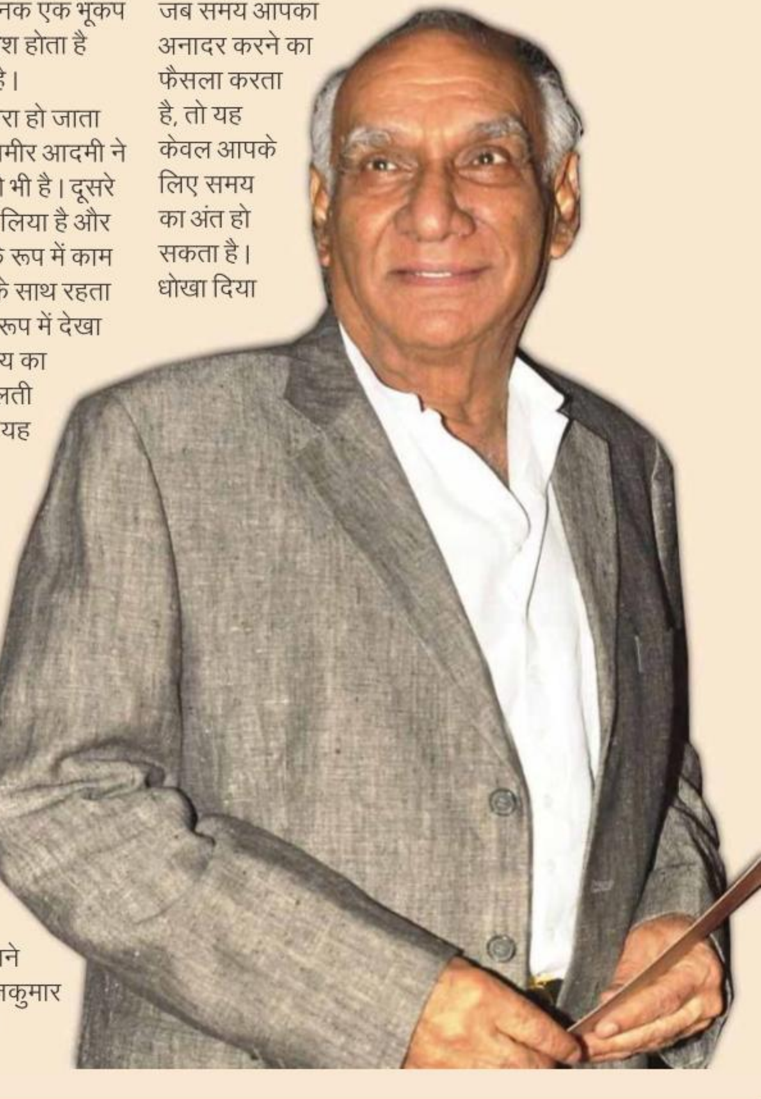

''मैं अलग अलग तरह के किरदार निभाना चाहती हूँ।''

रिद्धिमा तिवारी

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

फिल्म ''बेगम जान'' में विद्या बालन के साथ कोठे वाली पद्मा का किरदार निभाकर शोहरत बटोरने वाली अभिनेत्री रिद्धिमा तिवारी पिछले पंद्रह वर्षों से अभिनय जगत में सक्रिय हैं। वह कई टीवी सीरियलो में अभिनय कर चुकी हैं। इन दिनों ''दंगल टीवी'' हर सोमवार से शुक्रवार रात साढ़े नौ बजे प्रसारित हो रहे सीरियल ''रंजू की बेटियां''में कोठे वाली रेशमा बेगम का किरदार निभाते हुए रिद्धिमा तिवारी काफी सूर्खियां बटोर रही हैं.

प्रस्तुत है रिद्धिमा तिवारी से हुई बातचीत के खास अंशः

☐ अपनी पृष्ठभूमि के बारे में बताएं?

मेरा परिवार शिक्षाविद हैं। हमारे यहां शिक्षा यानी कि पढ़ाई को बहुत गंभीरता से लिया जाता है। लेकिन संगीत व नृत्य का भी माहौल रहा है। पापा सुरेश तिवारी और मम्मी माधुरी तिवारी गाते थे। दोनों को संगीत का शौक रहा है। बचपन से यह माहौल मिला, मगर पढ़ाई को खास तवज्जो दी गयी। मेरा जन्म ग्वालियर में हुआ। मेरी मम्मी ग्वालियर की और पिता इटावा के हैं। पर हम ज्यादातर ननिहाल में ही रहे। मैने कभी भी अभिनेत्री बनने की बात नहीं सोची थी। मैने तो मुंबई आने के बारे में भी नहीं सोचा था। मेरे घर पर बहुत ही सख्त अनुशासन वाला माहौल था। मेरे घर पर टीवी नहीं था। फिल्में देखने की इजाजत नहीं थी। मेरे माता पिता अध्यापक थे। फिर प्रिंसिपल के पद से अवकाश ग्रहण किया है। सुबह पांच बजे हमें उठना पड़ता था। सुबह जल्दी हो जाती थी। पर नृत्य व संगीत का शौक इसलिए हुआ क्योंकि मेरे पिता रचनात्मक दिमाग व रूचि वाले थे। पापा व मम्मी दोनो गाते थे। दोनों की आवाज काफी अच्छी है। नाना जी भी रेडियो सुनने के शौकीन थे। तो मेरी भी रूचि बढ़ती गयी.मैं भी लता मंगेशकर सहित कई पुराने गायकों के गीतों को सुना करती थी। मुझे बचपन में अच्छे सास्कृतिक मूल्य मिले। मेरे माता पिता मुझे डाक्टर बनाना चाहते थे। मेरा भाई इंजीनियर है। मैं भाषाओ में निपुण रही हूँ। .इसलिए वाद विवाद प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लेती थी। विजय हासिल करती थी। पढ़ाई में भी अच्छी थी। क्योंकि मैं शिक्षक की बेटी थी। स्पोर्ट्स में भी मुझे एक्सपोजर मिला। पर मेरे दिमाग में यह साफ नही था कि मुझे क्या करना है। जब 12वीं कक्षा में मुझे गणित व फिजिक्स में कम नंबर मिले और अंग्रेजी भाषा में उस वर्ष मैने टॉप किया,तब मेरे शिक्षक ने मां से कहा कि यह पत्रकार बन सकती है। यह लिखती अच्छा है। भाषा पर इसका अच्छा अधिकार है। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में महारत रखती है। यह निडर है। इसके अंदर बेबाकपन है। तब मेरे पिता जी ने मुझे मुंबई के सोफिया कालेज से अंग्रेजी भाषा में स्नातक की पढ़ाई करने की इजाजत दी। सोफिया कालेज में मुझे कई तरह की गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिला। मैं थोड़ा सा विद्रोही किस्म की रही हूँ, तो मैने स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद मास कम्यूनीकेशन की पढ़ाई करने की बजाय इंडुसलैंड बैंक में नौकरी करने लगी थी। मैं अपनी जिंदगी में अक्सर बिना सोचे समझे कई जगहों पर कूदी हूँ और हमेशा सफलता पायी है। दो वर्ष तक मैने बैंक की नौकरी की.काफी कुछ सीखा। उसके बाद मै बोर हो गयी। क्योंकि एक आफिस में बैठकर काम में इतनी व्यस्तता रहती थी कि बात करने को नही मिल रही थी। मुझे अपने अंदर की प्रतिभा को विकसित करने को नहीं मिल रहा था। इसी बीच 'ग्लैडरैट 'ब्यूटी कॉटेंस्ट हुआ, जिसने मुझे चमकने का मौका दिया। जब मैने इसमें हिस्सा लिया, उस वक्त तक मुझे अहसास नहीं

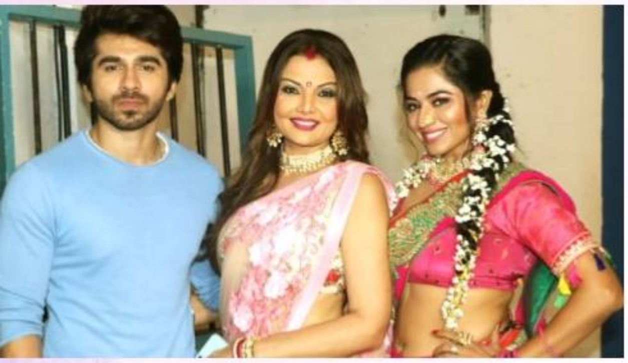

था कि यह मुझे अभिनय के क्षेत्र में लाने का जरिया बनेगा। अन्यथा मुझे लगा रहा था कि मेरे व्यक्तित्व के अंदर कुछ बुझ रहा है। इस सुंदरता प्रतियोगिता ने उसे बुझने से रोका। मैने माता पिता को बताए बिना ग्लैडरेट ब्यूटी कॉटेस्ट में हिस्सा लिया। मुझे अवार्ड मिल गया। तो मैने सनसिल्क का एड कर लिया। फिर अपनी बैंक की नौकरी करने लगी। यहां मेरा कोई गॉड फादर नही था। मुझे कोई सलाह देने वाला नही था। पर मुझे अंदर से लगने लगा कि मैं कुछ तो खो रही हूँ। मन ने कहा कि इस आफिस से बाहर का मंच ही मेरे लिए है। फिर एक दिन पिता को नही बताया, मगर मां को बताकर नौकरी छोड़कर अभिनय के मैदान में कूद पड़ी। मां ने मुझ पर अंधविश्वास कर मुझे आगे बढ़ने के लिए कहा। मैने कोई ट्रेनिंग हासिल नही की। अभिनय के क्षेत्र में कूद पड़ी और काम करते हुए सीखती गयी. डांट भी खायी। तो वहीं वरिष्ठ कलाकारों का सहयोग भी मिला। मेरे अंदर एनर्जी और पैशन तो हमेशा से रहा है। धीरे धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया। मेरी मम्मी बहुत बड़ी आलोचक रही। वह मेकअप से लेकर हर तरह की गलतियों की तरफ इशारा करती रही। आज मै कह सकती हूँ कि मैंने अपना एक स्थान बिना किसी की मदद या किसी के मार्गदर्शन के बनाया है। मैं सिर्फ ईश्वर का शुक्रिया अदा करती हूँ।

☐ अभिनय के क्षेत्र में सफलता के लिए किस तरह के संघर्षों का सामना करना पड़ा?

हर सफलता से लगता है कि हम मुकाम पर पहुँच गए, जबकि वह महज एक माइल स्टोन/नींव का पत्थर होता है। क्योकि जैसे ही आप एक जगह पहुँचते हैं, आपको उससे आगे जाना होता है। मुझे पहली सफलता स्टार प्लस 'के सीरियल ' अन्नू की हो गयी वाह भाई वाह'' । उससे पहले सिर्फ डांट ही खा रही थी। मगर इस सीरियल से मुझे अहसास हुआ कि मैं भी अभिनेत्री हूँ। इससे मुझे शोहरत व नाम दोनो मिले। पर यह बहुत छोटी सी सफलता थी। इसके बाद मुझे बड़ी सफलता मिली सीरियल ''ससुराल गेंदा फूल', जिसमें मैंने दिशा का किरदार निभाया। इसमें कई दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला। फिर 2017 में मुझे फिल्म ''बेगम जान'' में विद्या बालन के साथ काम करने का अवसर मिला। मैने सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे इतनी जल्दी अपनी आदर्श इरफान,तब्बू और विद्या बालन में से विद्या बालन जी के साथ काम करने का अवसर मिल जाएगा।

शुरूआत में मैने खुद संघर्ष करते हुए अपना रास्ता बनाया। जिसमें समय लगना ही था। धैर्य से आगे बढ़ना था। इस संघर्ष के दौरान कई बार आपका 'ईगो' मरता है। कई बार आप बुझते हो, फिर आप नई उर्जा एकत्र कर उठते हो। लेकिन फिर से नई शुरूआत करने का दृढ़संकल्प ही आगे बढ़ाता है। तो शुरूआत में मैने हर दिन रिजेक्शन झेला है। असफलता झेली है। सौ में से अस्सी लोग मुझे रिजेक्ट करते थे। मुझे कई तरह से अपने आप में बदलाव लाने की सलाह देते थे। लेकिन जब मुझे 'अन्नू की हो गयी...'के लिए शाबाशी मिली,तब मेरी समझ में आया कि मुझे खुद में कुछ भी बदलने की जरुरत नही है। किसी और की तरह बनने की जरुरत नही है। क्योंकि जो मैं हूँ, जो मेरी जड़े हैं, मेरे परिवार का जो निचोड़ मेरे पास है, उसे पकड़ कर रखना ही जरुरी था, जिसे मैने आज तक पकड़ कर रखा हुआ है। यही मेरी सफलता का सबसे बड़ा कारण है।

☐ फिल्म ''बेगम जान'' करने के बाद फिल्मकारों से किस तरह की प्रतिकियाएं मिली?

'बेगम जान' बहुत ही अलग तरह की फिल्म थी। यह नारी सशक्तिकरण पर फिल्म थी। कोठे पर आधारित फिल्म थी। इस फिल्म का मुद्दा था कि लोग मानते हैं कि कोठा शहर से बाहर होता है। ऐसी औरतें जिन्हे इज्जत नही दी जाती, उनके घर में जब लकीर खींची जाती है, उन्हे घर छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है। माना कि उसके काम की वजह से उसे इज्जत नही दी जाती, मगर उसने अपनी आत्मा नही बेची है। यह फिल्म इस बारे में थी कि हम अपना घर नहीं छोड़ेंगे। यह इस बारे में थी कि हम शरीर बेचते हैं, आत्मा नहीं। यह डार्क विषयवस्तु वाली फिल्म थी, जिसे लोग स्वीकार नहीं करते। इसलिए इसे बाक्स आफिस पर उतनी सफलता नही मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी। पर यह मेरे दिल के करीब वाली फिल्म है।

इस फिल्म के माध्यम से फिल्मकारों की समझ में आया कि रिद्धिमा बड़े परदे पर भी अपने अभिनय का जादू चलाने का माद्दा रखती है। मेरी राय में फिल्म हो सीरियल हो, यह सभी कलाकार के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने के अलग अलग मंच है। पर यहां कुछ लोग फिल्म में अभिनय करने को ही मुकाम मानते हैं। फिल्म ''बेगम जान'' में अभिनय करने से यह फायदा हुआ कि फिल्मकारों ने मान लिया कि मैं एक बेहतरीन अदाकारा हूँ। लोग रिद्धिमा तिवारी को गंभीरता से लेने लगे।

☐ आपने कहा कि कलाकार के लिए थिएटर, टीवी व फिल्म सारे मंच एक जैसे होते हैं। मगर एक वक्त वह था जब फिल्म वालों की नजर में टीवी से जुड़े कलाकार अछूत हुआ करते थे?

जी ..यह सच है। यह अंतर तो रहा है। पर मेरा साबका ऐसी सोच रखने वालों से कम पड़ा। दो तीन बार ऐसा हुआ था, जब लोगो ने फोन पर पूछा था कि मैंने टीवी कितने समय से नही किया है। फिल्म ''बेगम जान'' के बाद लोगो ने सोचा था कि अब मैं टीवी को बाय बाय कर चुकी हूँ। पर क्यो? मैं एक कलाकार हूँ। हर मंच पर काम कर सकती हॅं। .मुझे वेब सीरीज के भी आफर आए। मगर यहां कुछ लोगो ने एक पैटर्न बना दिया था कि टीवी पर अलग एक्टिंग होती है, मैं पूछती हूँ कि अलग कैसे होती है? टीवी में अलग तरीके का ट्रीटमेंट होता है। जिस तरह टीवी कलाकार सेट पर स्क्रिप्ट पढ़कर तैयार होकर कैमरे के सामने अभिनय करता

है,उस तरह से फिल्म कलाकार के लिए करना मुश्किल है। फिल्म में हर कलाकार को तैयारी करने का अवसर मिलता है। फिल्म के लिए वर्कशॉप होती हैं। ऐसे में टीवी व फिल्म की तुलना करना बेमानी है। जब हम फिल्म कलाकारों की इज्जत करते है,तो उन्हे भी टीवी कलाकारों को नीची नजर से नहीं देखना चाहिए। मुझे नही लगता कि कलाकार ऐसा करते हैं, बल्कि कुछ लोग हैं,जो इस तरह की बातें प्रचारित करते हैं।

❑ फिल्म ''बेगम जान'' कोठे पर थी। और अब आप 'दंगल' टीवी के सीरियल 'रंजू की बेटियां' में भी कोठा चलाने वाली?

My B... House.
My ... Rules.

कुछ लोग कलाकार को किसी एक किरदार में देख लें, तो वह उनके दिमाग में बैठ जाता है। यह कभी अच्छा है ,तो कभी खराब भी है। पर मैं अलग अलग तरह के किरदार निभाना चाहती हूॅं। लेकिन यदि लोगों को लगता है कि मैं कोठे वाली का किरदार अच्छे से कर सकती हूं, तो अच्छी बात है।

❑ फिल्म ''रंजू की बेटियां'' के अपने किरदार को लेकर क्या कहना चाहेंगी?

रेशमा बेगम का किरदार निभा रही हूॅं। यह रेशमा बेगम का दरबार है। वह शरीर बेचने का अपना व्यापार अच्छे तरीके से कर रही है। ललिता की मांग आती है कि मुस्कान को कहीं दूर भेजा जाए। रेशमा को इस बात से मतलब नही है कि ललिता कौन है? रेशमा को सिर्फ अपने बिजनेस से मतलब है। उसका रवैया साफ है। यह उसका दरबार है। वह अपने दरबार की रानी है। उसे कोई ऐरा गैरा कुछ बोल नही सकता। वह ताकतवर है. उसके यहां सब कुछ उसी के अनुसार होता है. रेशमा बेगम किसी की कठपुतली नहीं बन सकती.रेशमा बेगम साफ गोई वाली ताकतवर लड़की है. उसका औरा बहुत बड़ा है। मेरी नजर में रेशमा बेगम का किरदार नगेटिब नही है, वह तो अपना व्यापार कर रही है। वह जिद्दी है।

❑ इस सीरियल में वेश्यावृत्ति को लेकर कोई कमेंट किया जा रहा है?

जी नही... हमने अब तक जो कुछ फिल्माया है, उससे ऐसा कुछ नही लगता। मुझे लगता है कि वेश्याएं है, इसलिए दूसरी नारियां सुरक्षित हैं। उनका स्थान मेरे लिए सर्वोपरी है।

❑ 'बेगम जान' के बाद फिल्में क्यों नही की?

ऐसा नहीं है कि मैं फिल्में नहीं करना चाहती थी। मैंने कुछ फिल्मों के लिए ऑडीशन भी दिए। फिल्में मिलने में वक्त लगता है। किस्मत भी चाहिए। फिल्में ने मिलने की निराशा नही है। मैं फिल्में करने के लिए अपनी तरफ से हमेशा कोशिश करती रहूॅंगी। मैं वेब सीरीज भी करना चाहती हूॅं। मेरे अंदर की अभिनय की आग खत्म नही हुई है।

❑ आप कुछ लिखती हैं?

मैं कविताएं, ब्लाग, अपने विचारों को कागज पर कलम से लिखती रहती हूॅं। मुझे जिंदगी लिखने के लिए प्रेरित करती है। अलग अलग लोग, उनकी सोच, किस सिच्युएशन पर वह किस तरह से प्रतिक्रिया दे रहा है। हर इंसान किस तरह से हर दिन अपने आप पर काम कर रहा है। मुझे लोगों ,प्रकृति, भावनाओ के गिरते उठते उबाल लिखने के लिए प्रेरित करते हैं। सेट पर भी मैं अपने निर्देशक से विचार विमर्श करती हूॅं। अगली बार जब आप मिलेंगे, तो शायद आपको मेरी कोई किताब छपी हुई मिल जाए।

प्रस्तुतिः–रमाकांत मुंडे मुंबई

रॉनी रॉड्रिक्स (भारतीय बिजनेसमैन) को जन्मदिन की धूम सात समुंदर पार लंदन में

Ronnie Rodrigues, Ramakant Munde, Nilesh Malhotra, Hemant Kukedia & Mrs. Harshika Kukedia

पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष और प्रबंध निर्देशक के साथ–साथ सिने बस्टर मैगजीन प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी संपादक और मालिक **श्री रॉनी रॉड्रिक्स** ने अपने परिवार रिश्तेदारों के साथ काम करने वाले पूरे स्टाफ को लंडन ले जनेका फैसला किया और 18 सितंबर 2021 को ब्लू ऑर्किड होटल के टावर सुइट्स का बैंक्वेट हॉल सुबह से ही पार्टी की तैयारी से गुलजार था! रोनी सर ने इस विशेष पार्टी के लिए भारत से एक प्रसिद्ध डीजे एलेक्स को स्पेशली लंडन बुलाया और उन्होंने स्थानीय कार्यक्रम आयोजकों में के साथ प्रभावशाली व्यवस्था की! सिने बस्टर के श्री अश्विन और श्री केविन ने भी पार्टी को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की शाम को मुंबई से आए सभी लोग प्रिय रॉनी सर के स्वागत के लिए एकत्रित हुए।

मुंडे न्यूज चैनल के श्री रमाकांत मुंडे जो सिने बस्टर पत्रिका के एक फोटो समाचार संपादक हैं को कुछ स्थानीय भारतीयों को भी इस पार्टी के लिए आमंत्रित किया गया था। जैसे श्री रतन भाटिया, मिसेस रीमा भाटिया, श्री हेमंत कुकेडिया, मिसेस हर्शिका हेमंत कुकेडिया, और श्री निलेश मल्होत्रा जी सभी ने रोनी सर का स्वागत किया, जो लंदन की सुंदरियों की चौकड़ी द्वारा अनुरक्षित थे। तुरंत ही डांस फ्लोर को खोल दिया गया और रॉनी सर ने अपने बेदाग अंदाज में लंदन की सुंदरियों के साथ शानदार डांस परफॉर्मेंस दी। अधिकांश अतिथि उनके साथ शामिल हुए और डांस फ्लोर पर नृत्य के विभिन्न स्वाद देखने को मिले।

Ramakant Munde @18 Sept 20

Ronnie Rodrigues & Ramakant Munde

Ronnie Rodrigues & Nilesh Malhotra

RR
Ramakant Munde @18 Sept 2021 (L

Ramakant Munde @18 Sept 2021 (London

Ramakant Munde @18 Sept 2021 (London)

रॉनी सर ही एकमात्र ऐसे मेजबान होंगे जिन्होंने भारतीय परंपरा के अनुसार ढेर सारे करेंसी नोट बांटे। वह एकमात्र मेजबान होना चाहिए जिसने डांस फ्लोर पर ब्रिटिश मुद्रा की बौछार की। डांस फ्लोर स्टर्लिंग पाउंड के समुद्र में था। सभी लंदनवासी यह देखकर अचंभित थे क्योंकि उन्होंने लंदन में किसी भारतीय द्वारा आयोजित किसी भी पार्टी में ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा था। यही रॉनी सर की विशिष्टता है क्योंकि वह हमेशा इस बात पर कायम रहते हैं कि भारतीय किसी भी देशवासी से कम नहीं हैं जिसमें अंग्रेजों भी शामिल हैं।

जब डांस फ्लोर पर रोनी सर ने 'मैं हु डॉन...' सहित अपने पसंदीदा बॉलवुड गाने गाते हुए देखा तो वहां मस्ती और उल्लास था।

'देवा श्रीगणेशा ... गाना बजने लगा तो सब लोग उठकर नाचणे लगे और महाद्वीपीय भोजन परोसा गया था। लेकिन एकमात्र रोड़ा यह था कि भारतीय चावल के स्थान पर इटालियन चावल परोसा गया था। ' इटालियन चावल दुनिया भर में महंगा है लेकिन यह मुंबई के धारावी प्रांत की मलिन बस्तियों में खाया जाता है', रोनी सर ने व्यक्त किया। विडंबना यह है कि धारावी की झुग्गी बस्तियों में गरीब लोग इस तरह के चावल खाते हैं जो विदेशों में फाइव स्टार होटलों में अत्यधिक कीमत पर परोसे जाते हैं।

नीलेश मल्होत्रा अभिनेता, निर्देशक और निर्माता उनकी अंग्रेजी फिल्म 'हंकी पनकी' को कान्स फिल्म समारोह में मुख्य अभिनेता, निर्देशक और निर्माता के रूप में 88 देशों में से और 50000 फिल्मों में से चुना गया था और उनकी नई

हिंदी फिल्म 'मिस्टी पे' तैयार है और जल्द ही इसी साल या अगले साल मार्च तक रिलीज होगी।

नीलेश मल्होत्रा को मिस्टर रॉनी रॉड्रिक्स की बर्थडे पार्टी के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था निलेश मल्होत्रा अपनी नई फिल्म की रेकी के लिए यूरोप में आए हुए थे।

उन्हों ने यूरोप से लंदन आ कर इस बर्थडे पार्टी में रौनक बड़ा दी.

अगले दिन रॉनी सर ने अपने चचेरे भाई सावियो का जन्मदिन लंदन में बहुत धूमधाम से मनाया। भारी आवाज में सावियो ने आभार व्यक्त किया और बहुत खुश हुए।

सुनहरे दिल वाले रॉनी रॉड्रिक्स अपने कर्मचारियों को एक परिवार की तरह मानते हैं। एक और उदाहरण, कर्मचारियों में से एक, सोनाली, कुछ महीनों में शादी कर रही है और रोनी सर ने उसे एक आश्चर्यजनक उपहार दिया जिससे उसकी आँखों में आंसू आ गए। रॉनी सर ने उन्हें अग्रिम शादी के तोहफे के रूप में एक महंगा हीरे जड़ित चोकर हार भेंट किया। इस इशारे ने कई लोगों की आंखें नम कर दीं। हैवी ड्यूटी म्यूजिक, डांसिंग और डाइनिंग के साथ यह पार्टी भी सफल रही। इस पार्टी में भी रॉनी सर की ओर से भारी "मुद्रा बौछार" देखी गई। उन्होंने की पैसोंकी बारिश, वो भी ब्रिटिश पाउंड में, ये एक अपने आप में एक मिसाल हैं।

Ronnie Rodrigues & Sonali

Ronnie Rodrigues & Jyoti Patel

Ronnie Rodrigues & Ashwin

Ronnie Rodrigues and Krutika

Ronnie Rodrigues & Ramesh Rao

Ronnie Rodrigues & Kirti Kadam

Ronnie Rodrigues and Madiha

Ronnie Rodrigues & Raju Mama

Ronnie Rodrigues & Kevin

उनके सुनहरे दिल वाले व्यक्तित्व का एक और पहलू यह था कि उन्होंने पार्टी के दौरान की गई कड़ी मेहनत के लिए होटल के कर्मचारियों को स्टर्लिंग पाउंड में भारी मात्रा में इत्तला दी। कुल मिलाकर, लंदन में भारतीय व्यवसायी रॉनी रॉड्रिक्स के जन्मदिन की पार्टी में हर किसी के पास एक शानदार समय और एक धमाका था जो कोई भी अपने जीवन मी कभी भूल नही पायेंगा. और रमाकांत मुंडे ने मुंडे न्यूज चैनल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय समाचार कवरेज प्रदान करने के लिए रोनी रोड्रिगेज को धन्यवाद दिया!

Ronnie Rodrigues, Ramakant Munde, Nilesh Malhotra, Ratan Bhatia, Mrs. Reema Ratan Bhatia, Hemant Kukedia

Ramakant Munde @18 Se

Ronnie Rodrigues, Ramakant Munde, Mrs Reema Ratan Bhatia, Ratan Bhatia and Hemant Kukedia

Ramakant Munde @18 Sept 2021 (London

Ronnie Rodrigues, Ramakant Munde, Nilesh Malhotra, Ratan Bhatia , Mrs. Reema Ratan Bhatia

Ramakant Munde, Nilesh Malhotra, Kirti Kadam, Reema Ratan and Ratan Bhatia

Ramakant Munde @1
Ramaka

Hemant Kukedia, Nilesh Malhotra, Ramakant Munde, Ratan Bhatia And Kirti Kadam

''हमारी फिल्म 'सरकार की सेवा में' सामाजिक स्टेटमेंट है..''

श्रेयस तलपड़े

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

कोरोना वायरस के चलते पिछले डेढ़ वर्ष से बॉलीवुड ठप्प सा है। मगर अभिनेता,रंगकर्मी,निर्माता व निर्देशक श्रेयस तलपड़े इस दौरान सर्वाधिक सक्रिय रहे। लोग उन्हे 'इकबाल','डोर','वेलकम सज्जनपुर', 'गोलमाल' व 'हाउसफुल' जैसी सफलतम फिल्मों की वजह से पहचानते है। सबसे पहले उन्होने थिएटर से जुड़े लोगों को मदद मिल सके तथा थिएटर का विकास हो सके, इस मकसद से थिएटर के लिए ओटीटी प्लेटफार्म ''नाइन रसा'' की शुरूआत की, जिससे थिएटर से जुड़े दो हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला। फिर उन्होने स्वयं मराठी भाषा के टीवी सीरियल ''माझी तुझी रेशमी गॉठ'' में अभिनय करते हुए सत्रह वर्ष बाद मराठी टीवी पर वापसी की। तो वहीं बतौर अभिनेता उनकी दो हिंदी और एक मराठी भाषा की फिल्म प्रदर्शन के लिए तैयार है। जबकि बतौर निर्देशक उनकी हिंदी फिल्म ''सर कार की सेवा में ''लगभग पूरी हो चुकी है।

प्रस्तुत है श्रेयस तलपड़े से फोन पर हुई एक्सक्लूसिब बातचीत के अंश...

☐ अब तक के अपने कैरियर को आप किस तरह से देखते हैं?

सर, सच कहूँ तो मैने काफी इंज्वॉय किया है। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो मुझे कोई रिग्रेट नही है। जहां से मैने शुरू किया था और जहां तक मैं पहुँचा हूँ, वह सुखद ही है। मैं यह मानकर चलता हूँ कि हर दिन एक नया दिन है और आपको वह कहीं और ले जाएगा। बशर्ते आप मेहनत व अपने प्रयासों में कमी न आने दें। जब मैंने अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा था, तब कहीं मेरी कोई जान पहचान नहीं थी। हम एक सपना देखकर निकला था और अब जहां पहुँचा हूँ, उसके लिए कोई रिग्रेट नहीं। ईश्वर मुझ पर मेहरबान रहा। अपनी इस यात्रा को मैने काफी इंज्वॉय किया। कई दोस्त बने। बहुत अलग अलग किस्म के लोग मिले। मैने कई दिग्गजों के साथ काम किया। यहां से अभी मुझे काफी आगे जाना है। लेकिन मुझे इस यात्रा में मजा आया।

☐ इस यात्रा के उतार चढ़ाव और माइल स्टोन क्या रहे?

देखिए, गड़बड़ भी होता रहता है। वह तो हमारे हाथ में नहीं रहता। हम अपनी तरफ से हमेशा अचछा काम करने का ही प्रयास करते हैं। माइल स्टोन की बात करे। तो 'आल द बेस्ट' जैसा नाटक माइल स्टोन रहा। यह मेरे कैरियर का शुरूआती दौर था। पूरे महाराष्ट् में इस नाटक की जबरदस्त सराहना हुई। फिर मैंने मराठी भाषा में सीरियल 'आभाल माया' की। वह भी काफी लोकप्रिय रहा.फिल्मों की बात करे, तो 'इकबाल', 'डोर', 'वेलकम टू सज्जन पुर', 'गोलमाल', 'ओम शांति ओम', 'गोलमाल थ्री','गोलमाल रिटर्न',मराठी फिल्म 'पोस्टर ब्वॉयज' का निर्माण किया। फिर हिंदी में 'पोस्टर ब्वॉयज' का निर्देशन किया। यह सारे माइल स्टोन रहे, जिनका मेरी जिंदगी में बहुत महत्व है। इन अलग अलग माइल स्टोन ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। हॉ! गड़बड़ की बात करुं,तो कुछ फिल्में चलती हैं, कुछ फिल्में नहीं चलती हैं। बड़े बड़े कलाकारों की फिल्में असफल होती हैं। पहले जब फिल्म असफल होती थी, तो दुःख होता था। लेकिन अब फिल्म की असफलता को मैं दिल पर नहीं लेता हूँ। क्योंकि उसमें भी मैने पूरी इमानदारी के साथ काम किया होता है, उसके बाद फिल्म का चलना या न चलना, तो हमारे हाथ में नहीं होता है, यह तो दर्शकों के हाथ में होता है। आखिरकार दर्शक तय करता है कि उन्हे क्या पसंद आता है और क्या नहीं आता है। हमारा काम इतना है कि दर्शक को यह फिल्म पसंद आयी,तो ठीक है। अब हम और अधिक मेहनत करेंगे, जिससे दर्शकों को हमारी अगली फिल्म

और अधिक पसंद आए। अगर हमारी कोई फिल्म पसंद नही आया, तो ठीक है, हम दोबारा मेहनत करेंगे, कुछ अच्छा बनाएंगे, जिससे अगली फिल्म पसंद आ जाए। तो यह सब आना जाना है। आपके जीवन में कौन सी चीज कब कौन सा मोड़ ले ले, यह तो कोई नही बता सकता। सबसे अच्छा कदम यही है कि अपना काम पूरी इमानदारी व लगन से करते रहो, बाकी सफलता असफलता तो आवन जावन है। असफलता को दिल से नहीं लगाना चाहिए।

☐ 'इकबाल','डोर','वेलकम सज्जनपुर' जैसी फिल्मों से जो पहचान मिली थी, वह 'गोलमाल' जैसी मल्टीस्टारर फिल्मों में धूमिल पड़ गयी?

मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। मेरी हर फिल्म मेरे दिल के करीब है। सर, आज बच्चा बच्चा मुझे 'गोलमाल' या 'गोलमाल अगेन'के लिए जानता है। एक जो नई पीढ़ी आज सबसे अधिक सिनेमा देखती है, वह मुझे 'गोलमाल' के कारण जानती है। मुझे लोग पहचानते हैं और मुस्कुराकर कहते हैं कि सर हमने आपकी फिल्म 'गोलमाल' पचास बार देखी है, आपका काम पसंद आता है। तो इससे अधिक एक कलाकार को क्या चाहिए। हॉं! मैं मानता हूँ कि 'इकबाल', 'डोर' से मुझे बहुत पहचान मिली। मगर पहचान मुझे 'गोलमाल','ओम शांति ओम' और 'हाउसफुल'से भी मिली। इसलिए मेरे लिए मेरी सभी फिल्में एक समान हैं।

☐ कलाकार को जिन फिल्मों का हिस्सा बनकर आत्म संतुष्टि मिलती है। यदि उस दृष्टिकोण से देखें, तो..?

सर, मुझे यदि कलाकार के तौर पर संतुष्टि नहीं मिलती है, तो मैं वह फिल्में नहीं करता हूँ। मैने यदि कोई फिल्म की है, तो इसके मायने यह हैं कि उस फिल्म से मुझे सटिस्फैक्शन मिला है।

☐ हिंदी फिल्म ''पोस्टर ब्वॉयज'' से निर्देशन में कदम रखने के लिए किसने प्रेरित किया?

हमने मराठी फिल्म ''पोस्टर ब्वॉयज'' का निर्माण व उसमें अभिनय किया था। इसे सफलता मिली, तब हमने इसकी पटकथा को हिंदी भाषियों के हिसाब से लिखी और इसे हमने सनी देओल जी को सुनाया। उस वक्त तक निर्देशक का नाम तय नही था। बातचीत के दौरान सनी पा जी ने पूछ लिया कि निर्देशक कौन है? मैने कह दिया कि अभी तय नही है। सनी पा जी ने उस वक्त मेरा हौसला बढ़ाते हुए कहा कि, 'तुम्हारे दिमाग में कहानी स्पष्ट है, तुम खुद ही इसका निर्देशन क्यों नही करते। इसका निर्देशन कर लो, हम सभी मदद करने के लिए हैं।' तो मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मैने इसका निर्देशन किया। अब दूसरी फिल्म ''सर कार की सेवा में'' का निर्देशन कर रहा हूँ।

☐ फिल्म ''सर कार की सेवा में'' की कहानी का बीज कहां से मिला?

इसकी कहानी मैंने नही लिखी है। इसकी कहानी हमारे लेखक विक्रम शंकर ने लिखी है। शायद इनके साथ कोई घटना घटी थी, जिस पर विक्रम शंकर ने यह कहानी लिखी। अथवा किसी टैक्सी ड्रायवर ने उन्हे यह कहानी बतायी थी। खैर, जब विक्रम शंकर ने मुझे कहानी सुनायी और कहा कि उन्हे इस पर फिल्म बनानी है। उनके पास निर्माता भी थे। निर्माता को कहानी पसंद आयी थी। मुझे भी पसंद आयी.पर फिर हम दोनों ने बैठकर इसमें कुछ बदलाव कर इसे फिल्म पटकथा का रूप दिया।

☐ फिल्म ''सर कार की सेवा में'' किस तरह की फिल्म है?

यह एक ऐसे बंदे की कहानी है, जिसके पिता चाहते हैं कि वह सरकारी नौकरी करे। सरकार की सेवा करे। तो वह बेचारा लगातार सरकारी नौकरी पाने के लिए कोशिश किए जा रहा है, पर उसे कामयाबी नहीं मिल रही है। इसी के समानांतर वह एक टैक्सी चलाता है और एक दिन वह तय करता है कि बहुत कोशिश हो गयी, अब मैं टैक्सी ही चलाउंगा। वह अपनी खुद की टैक्सी खरीदने के बाद ऐसी घटना घटती है कि उसके बाद वह फिर सरकार की ही सेवा में लग जाता है।

अब वह कौन सी घटना है और वह किस तरह की सेवा करता है? यही इस फिल्म का हिस्सा है।

☐ इस फिल्म में आने नए कलाकारों को अभिनय का मौका दिया है। क्या यह पटकथा की मांग है?

यह विषय की मांग थी। हमारे निर्माता चाहते थे कि मैं इसका निर्देशन करने के साथ अभिनय भी करुं। मैने पिता के किरदार में सुधीर पांडे को लिया है। वह इतने बेहतरीन कलाकार है कि हमने जो सोचा था, उससे भी कहीं ज्यादा बेहतरीन परफार्मेंस दी है। एक पत्नी,दो नए बंदे हैं और कुछ छोटे छोटे किरदार हैं। कहानी व किरदार को ध्यान में रचाते हुए हमने कलाकार चुने। कुछ कलाकार लखनउ से हैं। कुछ मुंबई से हैं।

☐ फिल्म देखने के बाद दर्शक तक क्या बात पहुँचेगी?

देखिए, इसमें राजनीतिक बात बिलकुल नही है। सामाजिक स्टेटमेंट है। हर फिल्म का अपना एक मोरल होता है। इसमें भी है। इसमें यह है कि सरकार की सेवा करने के लिए किसी घटना का होना जरुरी नही है। हम सभी की ड्यूटी व जिम्मेदारी बनती है कि हम सरकार की सेवा करते रहना चाहिए। हम इस फिल्म में हास्य के साथ आम जिंदगी में लोगों को जिन परेशानियों से गुजरना पड़ता है, उसे ही चित्रित कर रहे हैं।

☐ आपने रंगमंच/थिएटर पर नाटकों में अभिनय करते हुए शुरूआत की थी। अब आप नाटकों को ओटीटी प्लेटफार्म ''नाइन रसा'' में लेकर आए हैं। यह विचार आपके दिमाग में कब आया था?

जब गत वर्ष कोरोना महामारी के चलते सभी थिएटर बंद हो गए, तब कई रंगकर्मियों, थिएटर पर काम करने वालों के फोन आए कि थिएटर वालों की बड़ी दुर्दशा है, क्या किया जाए? उस वक्त मैने सोचा कि जब हर चीज ऑन लाइन/डिजिटल हो रही है, कूकिंग, शिक्षा सब कुछ ऑन लाइन है। फिल्में भी ओटीटी पर आ रही थी। तो फिर थिएटर जैसी चीज ऑन लाइन क्यों न हो? इससे एक तरफ थिएटर भी ज्यादा लोगों तक पहुँचेगा, तो दूसरी तरफ थिएटर के बंदो को रोजगार भी मिलेगा। इसी सोच के साथ हमने ओटीटी प्लेटफार्म 'नाइन रसा' की शुरूआत की। हम खुश हैं। अब तक हम दो हजार से ज्यादा लोगों के लिए नौकरी पैदा कर चुके हैं।

☐ किस तरह की प्रतिकियाएं आ रही हैं। थिएटर में नाटक देखने का जो आनंद होता है,वही आनंद ऑन लाइन मिल रहा

है?

बहुत बेहतरीन प्रतिक्रियाएं आ रही है। मगर सिनेमाघर के अंदर जाकर फिल्म देखना और ओटीटी पर यानी मोबाइल पर फिल्म देखने में अंतर है, उसी तरह नाटक का भी मसला है। लाइव नाटक देखना और ऑन लाइन देखने में भी अंतर है। पर दिल्ली में रहने वाला शख्स मुंबई में हो रहे नाटक को देखना चाहता है, तो उसे यह अवसर ऑन लाइन मिल रहा है। हम इसकी शूटिंग थिएटर की संजीदगी का ख्याल रखते हुए करते हैं। इस महामारी के दौरान थिएटर को 'मिस' करने वाले सभी लोग ऑन लाइन इसका आनंद ले रहे हैं। सभी कहते है कि इसी बहाने थिएटर को जिंदा रखा गया है। अच्छे कलाकारों का अच्छा अभिनय देखने को मिल रहा है।

☐ क्या यह माना जाए कि इससे थिएटर व थिएटर पर काम करने वालों का विकास होगा?

जरुर। ऑन लाइन की वजह से थिएटर घर घर तक पहुॅच रहा है। टीवी सीरियल ,फिल्म की ही तरह थिएटर का अपना एक जादू है। थिएटर की कहानियां बहुत अलग किस्म की होती हैं। कलाकारों की परफार्मेंस जबरदस्त होती हैं। पहले थिएटर ऑडीटोरियम तक सीमित था। जिसके चलते फिल्म या टीवी सीरियल की तरह ज्यादा लोगों तक पहुॅच नही पा रहा था। ऑन लाइन आने से थिएटर एक माध्यम के रूप में ज्यादा लोगों तक पहुॅचेगा।

☐ थिएटर के विकास से थिएटर से जुड़े लोगों की जीवन शैली में भी विकास आएगा?

यह तो हर इंसान पर निर्भर करता है.हमारी कोशिश ज्यादा से ज्यादा लोगो को रोजगार देना और थिएटर को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुॅचाना है। तो जब थिएटर से जुड़े लोगों की आमदनी मे इजाफा होगा तो उनकी जीवन शैली में भी बदलाव आएगा।

☐ ओटीटी 'नाइन रसा' में सिर्फ हिंदी नाटक हैं?

अभी तो हमारे पास हिंदी, मराठी, गुजराती, इंग्लिश व हिंग्लिश नाटक हैं। हम बंगला और दक्षिण भारतीय नाटकों के लिए भी प्रयासरत हैं। अभी महामारी की वजह से कुछ बंदिशें भी हैं।

☐ लेकिन महामारी की समाप्ति और नाट्ग्रह के खुलने पर लोग नाट्यगृह में नाटक देखने जाना चाहेंगें या सिर्फ ऑन लाइन ही देखेंगें?

मैं खुद चाहूॅंगा कि नाट्यग्रह खुलने पर लोग वहां जाकर नाटक देखने का आनंद उठाएं। सिनेमाघर में भी लोग फिल्में देखने जाएंगे। देखिए, मेरा मकसद तो सिर्फ इतना है कि नाटक /थिएटर का विकास हो, फिर चाहे वह लाइव हो या ऑन लाइन हो। जब नाटक ज्यादा लोगों तक पहुॅचेगा, तो सभी का फायदा होगा। मगर नाटक का 'इकोसिस्टम' बनना जरुरी है।

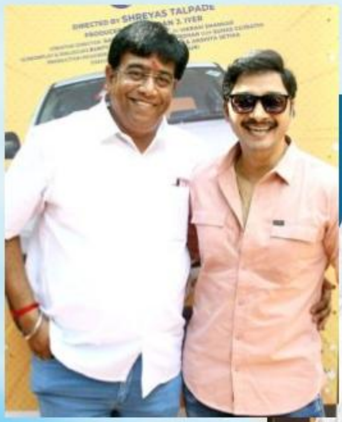

☐ मराठी व गुजराती नाटको की तरह हिंदी नाटकों की स्थिति अच्छी नही है। क्या आपने इस पर गौर किया?

वास्तव में हमने ऑन लाइन जितने नाटक डाले हैं, उनमें हिंदी नाटकों को सर्वाधिक रिस्पांस मिल रहा है। इसका मतलब यह हुआ कि हिंदी नाटक दर्शकों तक पहुॅच नहीं रहे थे। शायद वह हिंदी नाटकों के ऑन लाइन आने का इंतजार कर रहे थे।

☐ आपके ओटीटी प्लेटफार्म ''नाइन रसा'' के साथ 'जी थिएटर' भी जुड़ गया है। इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

हम शुक्रगुजार है कि जी थिएटर हमारे साथ जुड़ा। जी बहुत बड़ा प्लेटफार्म है। इसके सब्सक्राइबर ज्यादा है। आज का जमाना कोलोब्रेशन का है। साथ में मिलकर आगे बढ़ना ही वर्तमान समय का मंत्र है।

☐ ओटीटी का टीवी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की चर्चाएं हो रही हैं?

मुझे ऐसा लगता है कि कोई नकारात्मक प्रभाव नही पड़ेगा। पहले कहानियां कागजों पर होती थी। फिर फिल्में बनने लगीं। फिर टीवी सीरियल बनने लगे.टीवी पर फिल्में आती हैं। वीसीआर आया। मगर सिनेमा अपनी जगह चल रहा है। टीवी भी चल रहा है। अब ओटीटी आ गया। मगर ओटीटी,टीवी,फिल्में सब चलेंगी। लोग अच्छा कंटेंट हर माध्यम पर देखना चाहेंगे।

☐ आपने सत्रह वर्ष बाद मराठी भाषी सीरियल ''माझी तुझी रेशमी गांठ' से टीवी पर वापसी की है?

जी हॉं! मैं लंबे समय से मराठी सीरियल करना चाह रहा था। मेरे मराठी भाषी प्रशंसकों की भी ऐसी ही मांग थी। हम कलाकार तो जनता को खुश करने के लिए ही होते हैं। इस महामारी के दौरान हमने देखा कि ढेर सारी चीजें बदली हैं। पर लोगों से जुड़ा रहना जरुरी है। आज के दौर में लोगों से जुड़ने के लिए टीवी से बेहतर कोई माध्यम नही है। ऐसे में जब मेरे पास मराठी सीरियल का आफर आया, कहानी रोचक लगी। हमारे लिए खुशी की बात है कि चार सप्ताह में ही हम स्लॉट लीडर बन गए। टीआरपी अच्छी आ रही है।

☐ टीवी में काफी कुछ बदला है। इस बदलाव को कैसे देखते हैं?

अब कहानी कहने का अंदाज बदला है। मगर मूलभूत संजीदगी तो वही है। इमोशन वही है। दुनिया में सात कहानियां हैं। उन्ही को पेश किया जा रहा है। ओटीटी के चलते प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। टीवी पीछे नहीं रहना चाहता। इसी वजह से टीवी पर कुछ अलग और कुछ प्रोग्रेसिब चीजें हुई हैं। मुझे नही लगता कि टीवी पर कुछ भी दिखाते हैं। टीवी का अपना दर्शक वर्ग है, जिनके लिए सीरिल बनए जाते हैं। पर आप सभी को खुश नही रख सकतें

☐ आपकी लघु फिल्म 'स्पीड डायल' भी चर्चा में हैं?

अब अलग अलग कंटेंट पर काम होगा। लोग कम अवधि में कही जाने वाली कहानी देखना चाहते हैं। लघु फिल्म ''स्पीड डायल'' छोटी फिल्म है। यह फिल्म कहती है कि अपने दिल की बात कहने के लिए किसी जादुई फोन की जरुरत नही है।

☐ इसके बाद की योजना?

मेरी दो हिंदी की फिल्में पूरी हो चुकी हैं। एक का नाम है–'मन्नु और मुन्नी की शादी।' दूसरी का नाम है–''लव यू शंकर'। महेश मांजरेकर के साथ एक मराठी फिल्म की है।

मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे स्विस फिल्म 'एंड टुमारो यू विल बी डेड' करने का अवसर मिला..

सिद्धांत कार्णिक

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

23 सितंबर से 3 अक्टूबर 2021 के मध्य स्विटजरलैंड के ज्यूरिच शहर में आयोजित ''ज्यूरिच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल'' में उद्घाटन फिल्म के रूप में स्विस फिल्मकार मिचेल स्टेनर की फिल्म ''एंड टुमारो वी विल बी डेड'' का प्रदर्शन हुआ.2011 के सत्य घटनाक्रम पर आधारित इस फिल्म में तालीबान का एक अलग मानवीय चेहरा सामने आता है.यह फिल्म धर्म,राजनीति व इंसानियत को लेकर भी काफी कुछ कहती हैं. इस फिल्म में तालीबानी कमांडर नजरजान के किरदार में भारतीय अभिनेता सिद्धांत कार्णिक है

प्रस्तुत है सिद्धांत कार्णिक से हुई एक्सक्लूसिब बातचीत के अंश...

☐ आपके अंदर अभिनय की रूचि कैसे पैदा हुई?

मेरी परवरिश आर्मी बैकग्राउंड में हुई है.मेरे पिता महाराष्ट्यिन व मां सिंधी हैं.पर पिता सिख रेजीमेंट में पोस्टेड थे,तो मेरी परवरिश सरदारों के बीच हुई.आप यह कह सकते हैं कि मैं फौजी के परिवार का कुत्ता हूॅं.हमारे पिता जी की युनिट की पोस्टिंग राजस्थान,गुजरात सहित अलग अलग राज्यों में होती रही.इसीलिए मैं गर्व से कहता हूॅं कि मैं तो धोबी का कुत्ता हूॅं.लेकिन अलग अलग जगह पर बार बार पोस्टिंग होने के चलते हम भी नई जगह पहुॅंचते थे,इससे हमें नई चीजों को तुरंत अडॉप्ट कर लेने की आदत सी पड़ गयी.तो मैने अपनी परवरिश के चलते यह चारित्रिक विशेषता पायी.

जहां तक कला की बात करुं,तो जब माता पिता के बीच झगड़ा या नाराजगी हो जाती थी,तो मैं और मेरे बड़े भाई घर में संगीत बजाते थे.मैं कुछ कास्ट्यूम पहनकर उनके लिए डांस करता था. जिससे उनका गुस्सा ठंडा हो जाता था.फिर मम्मी अच्छा खाना बना लेती थीं.मेरे हिसाब से उन चीजों ने नौटंकी करने योग्य बनाने में पुल का काम किया.

☐ अभिनय को ही कैरियर बनाने की बात आपके दिमाग में कब आयी?

पहले मैं भी अपने पिताजी की ही तरह फौज में भर्ती होना चाहता था.लेकिन एक दिन मेरे पिता जी ने कहा कि पहले कालेज की पढ़ाई पूरी करो,फिर एनडीए की बजाय आइएमए के जरिए सेना का हिस्सा बन सकते हो.तो मैंने भी कालेज जिंदगी का अनुभव लेने की सोचकर कालेज जाने लगा.मैने एडवरटाइजिंग में मास मीडिया की बैचलर डिग्री हासिल की.जब कालेज में हम प्रयोग के तौर पर एड फिल्में बनाने लगा, तो धीरे धीरे कालेज की सभी सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने लगा.पढ़ाई में मन तो लगता नहीं था.इसलिए नृत्य प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता वगैरह में बढ़चढ़कर हिस्सा लेता था.इसी बीच मेरे कालेज के प्रिंसिपल ने रंगकर्मी अतुल कुमार के साथ एक समझौता किया था.अतुल कुमार को अपने नाटकों की रिहर्सल के लिए हमारे कालेज का हाल / कमरा दिया था,जिसके एवज में अतुल कुमार ने कालेज के कुछ बच्चों के साथ वर्कशॉप करने यानी कि थिएटर सिखाने के लिए हामी भरी थी.वहीं से थिएटर जगत से मेरा जुड़ाव हुआ.उस वक्त तक तो यह सब मैं शौकवश ही कर रहा था.

कालेज की पढ़ाई खत्म होने के बाद दिमाग से फौज जाने की बात हवा हो चुकी थी.अब कुछ अलग सा काम करना था.मुझे यह भी पता था कि एमबीए या कोई मास्टर की डिग्री की पढ़ाई करना मेरे वश की बात नही.मैने तो कालेज की पढ़ाई सिर्फ पिता जी का मान रखने के लिए किया.धीरे धीरे एड फिल्म व मॉडलिंग करने लगा था.जिससे मैं पॉकेट मनी कमा रहा था.फौजी की ही तरह मेरे अंदर भी वाभिमान की बात आ गयी थी.18 वर्ष की उम्र से मैने पिता जी से पैसे लेना बंद कर दिया था.मैं माल्स में माइक पर चिल्लाकर बच्चों को गेम खिलाता या दूसरे काम करता था.

☐ पर अभिनय की शुरूआत कैसे हुई?

अचानक एक दिन मेरे पास सीरियल 'रीमिक्स' में अभिनय करने का ऑफर आया,तो मैने स्वीकार कर लिया.इसे करते हुए लगा कि मैं कालेज दिन

जी रहा हूँ.उसके बाद मुझे एक फिल्म''यह मेरा इंडिया''करने का आफर मिला.फिल्म को सराहना काफी मिली थी,मगर बाक्स आफिस पर फिल्म को सफलता नही मिली थी.इस फिल्म की शूटिंग के लिए कैमरामैन लॉस एंजिल्स से आए थे.पहले दिन सेट पर मैं नर्वस था कि एक बड़े निर्देशक और हालीवुड के कैमरामैन के साथ काम कर रहा हूँ.अंदर से डरा हुआ था.पर ईश्वर की मर्जी कि मैने पहला सीन महज एक टेक में ही ओके कर दिया था.मैं अपनी वैनिटी वैन के सामने बैठा हुआ था,तभी कैमरामैन मेरे पास आए और उन्होने कहा –''आपके अंदर तो रॉबर्ट डिनेरो जैसी प्रतिभा है. ''मैने कहा सर आप मजाक न करे.तो उन्होने कहा –'जी नही..मैं तुम्हारी ऑखों में देखकर यह बात कह रहा हूं.''उसके बाद उसने कुछ नही कहा.जब हॉलीवुड से आकर आपकी प्रतिभा को लेकर कोई कुछ कह दे या आपकी प्रतिभा को पहचान दे दे,तो अंदर से अच्छा लगता ही है.मेरा भी आत्मविश्वास बढ़ गया.फिर मुझे अभिनय करने में मजा आने लगा.और मैने अभिनय को ही कैरियर बनाने का निर्णय लिया.तब से पीछे मुड़कर देखने की जरुरत नहीं पड़ी.

☐ आप अपने पिता की नौकरी में स्थानांतरण के चलते ऐसा क्या सीख रहे थे,जो आज आपके अभिनय में मदद गार साबित हो रहा है?

क्वालिटी टू बी एडॉप्टिब.बहुत जल्दी किसी किरदार को आत्मसात कर लेना.मैने अपने पिता जी के तबादले के चलते आठ वर्ष में सात स्कूल बदले थे.इसलिए मुझे हर बार नए सिरे से सब कुछ एडॉप्ट करता था.अब जब मैं गौर करता हूँ तो पाता हूँ कि जो बच्चे पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा तक एक ही स्कूल में उन्हीं दोस्तों के साथ पढ़ाई करते हैं,उनके अंदर एडॉप्टिंग की खूबी नहीं होती.एक कलाकार के अंदर इस खूबी का होना बहुत जरुरी है.कलाकार के पास कई बार काम नहीं होता है,तो वह बेरोजगार की जिंदगी जीता है.कभी इतना काम आ जाता है कि उसे बीस बीस घंटे काम करना पड़ता है.हम एक ही माह में तीन बड़े निर्देशकों के साथ काम कर रहे होते हैं.हर निर्देशक की अपनी अलग संजीदगी और काम की ग्रामर होती है,जिसे समझने में ही वक्त लगता है.लेकिन आर्मी माहौल की परवरिश और एडॉप्टिंग की खूबी मेरी मदद करती है.

☐ थिएटर पर किनके साथ काम किया?

प्रसाद ठाकुर,अतुल कुमार,अलिक पद्मशी और उनके बेटे के साथ मैंने काफी अंग्रेजी नाटक किए हैं.

☐ चर्चा हो रही है कि हाल ही में आपने एक विदेशी यानी कि स्विस फिल्म''एंड टुमारो यू विल बी डेड''की है.मगर मेरी जानकारी के अनुसार आपने 2011 में फ्रेंच फिल्म ''द अव रिवोर'' की थी?

एकदम सही फरमाया.फ्रेंच निर्देशक जियान लुईस बारस्को निर्देशित फिल्म ''द अव रिवोर'एक लघु फिल्म थी.यह बात उन दिनों की है,जब मैं बालाजी टेलीफिल्मस के सीरियल ''प्यार की कहानी''में डार्क किरदार यानी कि वैम्पायर का किरदार निभा रहा था.इसकी शूटिंग रात में ही होती थी.मेरी एक दोस्त ने फ्रेंच निर्देशक जियान लुईस बारस्को के साथ एक विज्ञापन फिल्म की थी.वह मुंबई में थे,तो उन्होने सोचा कि यहां पर कोई लघु फिल्म बनायी जाए. तब मेरे दोस्त ने फ्रेंच निर्देशक जियान लुईस से मुझे मिलवाया.मैं भी विदेशी निर्देशकों के साथ काम कर एक अलग अनुभव लेना चाहता था.अपने दिमाग को विकसित करना चाहता था.वह कलाकार की संजीदगी को ज्यादा बेहतर ढंग से समझते हैं.तीन दिन हमने उनके साथ शूटिंग की. मैं दिन में उनके साथ शूटिंग करता था और रात में 'प्यार की कहानी' की शूटिंग करता था.इस फिल्म को कॉस फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था.मुझे भी कॉस फेस्टिवल के लिए निमंत्रण था,पर अपनी व्यस्तताओं के चलते जा नहीं पाया था.पर अब दूसरी बार जिंदगी ने मुझे दूसरा मौका दिया है.

☐ स्विस निर्देशक मिचेल स्टेनर की फिल्म ''एंड टुमारो यू विल बी डेड''कैसे मिली?

ऑडीशन देना पड़ा.इसकी कास्टिंग नंदिनी कर रही थीं.उन्होने मुझसे कहा कि एक स्विस फिल्म में अफगानी कमांडर का किरदार है.इसकी शूटिंग भारत में होनी है,इसलिए निर्देशक ने भारतीय कलाकार को लेने का फैसला किया है.इके लिए मुझे ऑडीशन देना चाहिए.मैने ऑडीशन दिया.मुझे पटकथा दी गयी.मेरा ऑडीशन निर्देशक को पसंद आया.उसके बाद निर्देशक मिचेल स्टेनर ने खुद मेरा ऑडीशन लिया.वह सिर्फ भारतीय कलाकारों के ऑडीशन लेने के लिए भारत आए थे.मेरे संवाद अंग्रेजी और पाश्तो भाषा में थे.ऑडीशन के समय निर्देशक ने कहा कि मैं संवाद आम अंग्रेजी भाषा में बोल सकता हूँ.अरेबिक असेंट वाली अंग्रेजी में बोलने की जरुरत नही है.लेकिन मैने अपनी तरफ से कुछ तैयारी की.मैने अपने पिता से बातचीत कर खुद तैयारी की.मेरे पिता आर्मी में थे,वह कश्मीर में एंटी इनसर्जेंसी स्क्वाड'में तैनात थे.उनकी कई अफगानों के साथ बातचीत हुई थी.उसके बाद मैं तैयारी के साथ निर्देशक के सामने ऑडीशन दिया.दो दिन मेरा चयन हो गया.

☐ पर आपने स्विस फिल्म''एंड टुमारो वी विल बी डेड''करने की क्यो सोची?

जब एक बेहतरीन मौका मिला,तो मना करने का सवाल ही नही उठा.उस वक्त मेरे सामने कोई दूसरा ऑप्शन ही नहीं था.मेरे अंदर कलाकार के तौर पर अपनी प्रतिभा को निखारने की एक भूख थी.वैसे भी हर कलाकार हमेशा अच्छा काम करने के लिए लालायित रहता है.जिनकी संजीदगी तेज होती है,वह तो अलग अलग तरह के निर्देशकों, खासकर विदेशी निर्देशकों के साथ अवश्य काम करना चाहते हैं.

☐ फिल्म ''टुमारो यू विल बी डेड''के अपने किरदार को लेकर क्या कहेंगें?

जब स्विस दंपति डेविड व डैनीला तालीबानियों की कैद में थे,तब उनका अपहरणकर्ता निगोशिएशन करने वाला एक कमांडर नजर जान था.मैने इसी नजर जान का किरदार निभाया है. नजर जान तालीबानी तो था,पर बहुत अच्छी

अंग्रेजी बोलता था.इसीलिए वह मध्यस्थता का काम कर रहा था.लेकिन राजनीति एक चीज होती है.धर्म एक चीज होता है.और रोजमर्रा की जिंदगी में जो रिश्ता बनता है,वह अलग होता है.

☐ **इस किरदार को निभाने के लिए किस तरह की तैयारी की?**

इस किरदार की तैयारी करने के लिए मैने डेविड और डैनीला से बातचीत की थी कि आखिर यह नजर जान कौन था?कैसा था? क्योकि हमने फिल्म में तालीबान के मानवीय पक्ष को भी रखने का प्रयास किया है.मेरे निर्देशक ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह अपनी फिल्म में तालीबानियों को उस तरह से नहीं दिखाना चाहते,जिस तरह की तस्वीर अमरीकन या हॉलीवुड पेश करता है. फिल्म के निर्देशक ने फिल्म में तालीबानियों को यथार्थ परक रूप में ही चित्रित किया है. तालीबानियों की गुस्सैल प्रवृत्ति के साथ मानवीय पक्ष के बारे में भी डेविड व डैनीला ने हमें बताया.

☐ **इस फिल्म को देखकर दर्शक क्या समझेंगें?**

मुझे नही लगता कि अब तक किसी फिल्म की वजह से लोगों के विचार बदले हों.मगर इस फिल्म को देखकर लोगों को दूसरा पर्सपैक्टिब समझ में आए.लोग यह सोच सकते हैं कि अच्छा ऐसा भी हो सकता है.

☐ **आपने भारतीय,फ्रेंच व स्विस फिल्म निर्देशक के साथ काम कर लिया.कहां क्या फर्क महसूस किया?**

हर किसी के अपने कुछ फायदे और कुछ नुकसान हैं.फायदे की बात पर गौर करें,तो भारतीय निर्देशक इमोशन निकालने में माहिर हैं,जिसमें विदेशी निर्देशक माहिर नही हैं.विदेशी निदेशक सटल और नुवांइसेस को पढ़ सकते हैं,जो कि ज्यादातर भारतीय निर्देशक नहीं कर सकते.नुवांइसेस पकड़ने में विदेशी निर्देशकों को महारत हासिल है. में उदाहरण देना चाहूंगा.मैं इसी की शूटिंग के लिए स्पेन गया था.महज दो घंटे की शूटिंग के लिए उन्होने मुझे भारत से स्पेन लॉकडाउन के दौरान बुलाया था.इसके लिए उन्हें कई तरह की इजाजत लेनी पड़ी, काफी तकलीफ झेलनी पड़ी थी.अगर वहां पर कोई भारतीय निर्माता निर्देशक होता,तो वह कुछ दूसरी लाइनें लिखकर काम चला लेता. लेकिन स्विस निर्देशक हमेशा अथैंसिटी पर जोर देते हैं.मैं स्पेन गया,मैने एक दो टेक दिए और मेरा काम खत्म.

☐ **फिल्म''टुमारो यू विल बी डेड''ज्यूरिच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल''में दिखाशी गयी। आपके लिए यह बात कितना मायने रखती है?**

यह मेरे लिए बड़ी खुशी और उपलब्धि वाली बात है.मेरी फिल्म से ही इस फेस्टिवल की शुरूआत हुई। स्विटजरलैंड के राष्ट्पति और ज्यूरिख के मेयर मेरे साथ बैठकर इस फिल्म को देखने वाले हैं.डेविड और डैनीला भी होंगे,वहां पर.28 सितंबर को जेम्स बांड की नई फिल्म भी आयी.18 वर्ष के कैरियर में यह बड़ा अवसर आया है.

☐ **सोनी लिव पर आपकी वेब सीरीज पॉटलक स्ट्रीम हो रही है.क्या कहना चाहेंगें?**

पॉटलक एक बेहतरीन पारिवारिक मनोरंजक सीरीज है.इसे बच्चे से बूढ़े सभी एक साथ बैठकर देख सकते हैं.अन्यथा ओटीटी पर नगेटिविटी परोसने वाली सीरीज ज्यादा प्रसारित हो रही हैं. ऐसे में मैं कुछ हल्का फुल्का फन देखना चाहता था.जब मुझे 'पॉटलक' का अफसर मिला,तो मैने ऑडीशन दिया और काम किया.यह दिल को छू लेने वाली हल्की फुल्की हास्यप्रद सीरीज है. यह शास्त्री परिवार की कहानी है,जो हर शनीवार को पॉटलक मनाते हैं.उस पॉटलक में परिवार के मुद्दे,परिवार की समस्याओं, परिवार अपने लिए विचार विमर्श करती है.इसके लिए हास्य का सहारा लिया गया है.

☐ **''पॉटलक''के अपने किरदार को लेकर क्या कहना चाहेंगें?**

शास्त्री परिवार मे दो बेटे और एक बेटी है.बेटों की शादी हो गयी है. छोटी बेटी आलिम के साथ डेटिंग कर रही है और मैने आलिम का किरदार निभाया है.आलिम लखनउ से हैं.वह जब इस पंजाबी परिवार से जुड़ते है तो देखते है कि इस परिवार में कितना पागलपन व कितना प्यार है.मेरे किरदार के मार्फत दर्शक इस परिवार को एक समान्य नजरिए से देखती है.

☐ **जब किसी कलाकार की तुलना किसी अन्य कलाकार से होती है,तो वह उसी की तरह बनने की कोशिश करने लगता है.फिल्म की शूटिंग के दौरान कैमरामैन ने आपसे कहा था कि आपके अंदर रॉबर्ट डिनेरो जैसी प्रतिभा है.तो उसके बाद आपके मन में क्या आया था?**

उस वक्त कुछ नही था और रॉबर्ट डिनेरो कितने उंचे मुकाम पर थे.इसलिए उस वक्त मैने इस संबंध में कुछ नहीं सोचा.लेकिन कैमरामैन की बातों से मेरे अंदर अपनी अभिनय प्रतिभा को लेकर एक यकीन पैदा हुआ था.क्योंकि कैमरामैन ने बिना किसी मकसद के मेरी प्रतिभा के बारे में कुछ कहा था.मेरा मानना है कि एक कैमरामैन को कलाकार की प्रतिभा को आंकने की ताकत सबसे अधिक होती है.जब कोई बाहरी इंसान आपके बारे में कुछ कहता है,तो उससे आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है.खासकर इस इंडस्ट्री में जहां मौके कम हो और रिजेक्शन ज्यादा झेलने पड़ते हों.उसके बाद मेरे अंदर एक बदलाव यह आया कि मैं जब भी किसी इंसान को कुछ अच्छा काम करते हुए देखता हूँ,तो उसकी तारीफ जरुर करता हूँ.

☐ **कुछ नया कर रहे हैं?**

मैं खुद को संगीतकार या गायक नही मानता. लेकिन मैं गाने बनाता हूँ.कोविड के चलते गत वर्ष मेरे पिताजी का देहांत हो गया था.उससे उबरने के लिए मैने संगीत को चुना.बांसुरी वादक गांधार अमीन के साथ मिलकर मैने सात मिनट का एक गाना ''बेस्ट बिफोर'' बनाया. इसे मैंने यूट्यूब पर डाला.

☐ **कोई नया गाना बना रहे हैं?**

मैं अपनी जिंदगी के अनुभवो को लेकर लिखता हूँ.फिर उसे संगीत के माध्यम से गाना बनाता रहता हूँ.

SONY
liv
SONY
liv
ONY
liv
riginals

शूटिंग के दौरान जोया अख्तर की फ़िल्म 'खो गए हम कहाँ के माहौल पर बोले आदर्श गौरव

–सुलेना मजुमदार अरोरा

जोया अख्तर की आगामी प्रोजेक्ट में बहुमुखी प्रतिभा के धनी आदर्श गौरव, सिद्धांत चतुर्वेदी और अनन्या पांडे के साथ दिखाई देंगे। फिल्म 'खो गए हम कहां' डिजिटल दुनिया में खोई हुई वर्तमान पीढ़ी के जीवन पर एक अनूठी कहानी है। यह फिल्म मुंबई के तीन दोस्तों के बारे में है जो अपनी डिजिटल लाइफ में खो गए हैं। प्रासंगिक और सार्थक, यह फिल्म 2023 में रिलीज होने के लिए तैयार है।

आदर्श कहते हैं, '' इस फ़िल्म में काम करते हुए सेट के माहौल का जिक्र जरूर करना चाहता हूँ। सच बात तो ये है कि यहां युवाओं के साथ काम करने से प्रोजेक्ट में नया नजरिया और अलग सोच आती है। सेट पर जोश होता है, सीखने की उत्सुकता होती है और एक सकारात्मक समझ होती है। यह इतना प्रोडक्टिव और रचनात्मक वातावरण है कि दिल बाग बाग हो जाता है। मैनें अपने करियर के इन वर्षों में अपने सह–अभिनेताओं से बहुत कुछ सीखा है और वो सारे अनुभव हमेशा ही इतना सुंदर रहा है। आदर्श ने आगे कहा, "हमारा फिल्म उद्योग युवा प्रतिभा और ऊर्जा के साथ फलफूल रहा है और यह जवान खून तथा युवा धमाके, जिस परियोजना में काम कर रहे होते हैं उसमें वे अपना सब कुछ दे देते हैं। आदर्श इस बात का भी उल्लेख करते है कि नई पीढ़ी के साथ काम करने से सेट में बहुत उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा आती है। जिन लोगों के साथ आप वाइब करते हैं उनके साथ काम करना आसान हो जाता है। समान विचारधारा वाले कलाकारों के साथ सहयोग करना हमेशा एक मजेदार अनुभव होता है।"

EXCEL ENTERTAINMENT and TIGER BABY PRESENT
KHO GAYE
HUM KAHAN

–शांतिस्वरूप त्रिपाठी

''हमें किसी स्थिति को जीवन से बड़ा नहीं बनने देना चाहिए..''

–हिमांश कोहली

''**यारियां**'' फेम अभिनेता हिमांश कोहली को लगता है कि जीवन में खुशी और दुःख के क्षण आते रहेंगे, लेकिन हमें किसी भी स्थिति को जीवन से बड़ा नहीं होने देना चाहिए।

वह कहते हैं–''हम सामाजिक प्राणी हैं और पहली चीज जो हमें मारती है वह है अकेलापन और संचार या ध्यान की कमी। कुछ लोग अकेले होते हैं, लेकिन अगर आप किसी में अचानक नीरसता देखते हैं, तो कृपया उनसे पूछें। आपकी दो मिनट की चैट उनका दिन बना सकती है। !आमतौर पर एक आत्महत्या खराब मानसिक स्वास्थ्य स्थिति को इंगित करती है और इसे कभी भी अनदेखा नहीं करना चाहिए। अपने पेट पर भरोसा रखें और आपको अंधेरे स्थान से उठाने के लिए जो कुछ भी आवश्यक है वह करें।''

वह आगे कहते हैं–''उसके मन में कभी भी आत्महत्या के विचार न आएं। लेकिन उसे इस बात का डर जरूर रहता है कि किसी दिन उसके करीबी लोग उसे छोड़कर चले जाएंगे। लेकिन मैं उनके साथ ऐसा नहीं करना चाहता, विशेष रूप से स्वेच्छा से नहीं। अगर आपको इस तरह के नकारात्मक विचार आते हैं, तो किसी मित्र, अभिभावक, माता– पिता, परामर्शदाता, सलाहकार से बात करें, जो भी आपको लगता है वह आपको समझता है।''

क्या उन्हें लगता है कि भावनात्मक झटके या विश्वास की कमी लोगों को एक खोल में डाल देती है, जिसके कारण वह अपने मन या अपने दिल से व्यक्त या साझा नहीं करते हैं? इस पर हिमांश कोहली कहते हैं–''ऐसा होता है, हाँ। लेकिन किसी को पता होना चाहिए कि कब उस खोल से बाहर निकलना है और फिर से जीवन का आनंद लेना शुरू करना है। असफलताओं का अनुभव करना ठीक है, हर कोई उनका सामना करता है, और खुश और दुखद उदाहरण आएंगे। हमें ऐसी स्थिति नहीं आने देनी चाहिए जीवन से बड़ा हो। "

उन्होंने कहा, ''हम ऐसी लाखों स्थितियां बना सकते हैं, क्यों सिर्फ एक बुरे अनुभव के लिए समझौता करे, उससे सीखें, और आप सबसे मजबूत बन सकते हैं।''

हिमांश का मानना है कि जीवन पुनर्निर्माण करता है, घाव भरता है, प्यार फिर से होता है, पैसा कमाया जा सकता है, और समय सब कुछ ठीक कर देता है।

हिमांश कोहली कहते हैं–''मेरे पिता ने एक बार मुझसे कहा था, 'जब भी आप किसी स्थिति से बचना चाहते हैं या आगे बढ़ना चाहते हैं, तो उसे बुरी भावना से न छोड़ें, पहले उसे ठीक करें और फिर करें, अन्यथा आप एक बुरी याददाश्त पैदा कर लेते हैं जो आपको जीवन भर के लिए दुख देती है।'महामारी के बाद, नौकरी, व्यापार, रिश्तों और शादी में असुरक्षा कई गुना बढ़ गई है। वह सोचता है कि इसका समाधान है व्यस्त रहना, नई चीजें करते रहना और प्रेरित होना न भूलें। खुद को मोटिवेट रखने के लिए वह काफी मेहनत करते हैं, एक्सरसाइज भी करते हैं और व्यस्त रहते हैं। ''ऐसा लगभग कभी नहीं होता है जब मैं कुछ नहीं कर रहा होता हूं, जब भी मेरे पास समय होता है, मैं देखने या करने या किसी से बात करने के लिए कुछ चुनता हूं।''

अपने जीवन दर्शन के बारे में बात करते हुए हिमांश कोहली ने कहा–''आज आपके जीवन में जो कुछ भी हो रहा है, वह आपके द्वारा कल किए गए चुनाव के कारण है। अपने लिए अच्छा चुनें।''

‘बाहुबली’, ‘खुफिया’ स्टार वामिका गब्बी के बर्थडे (29 सितंबर) पर उनके कई राज फाश

—सुलेना मजुमदार अरोरा

—सुलेना मजुमदार अरोरा

वेब श्रृंखला में अपनी उपस्थिति एक धमाके के साथ दर्ज करने वाली, क्रिटिकली अ्क्लेम्ड, ’ग्रहण’ स्टार वामिका गब्बी इन दिनों सुर्खियों में हैं। इस 27 वर्षीय हॉट स्टार की किटी में कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। वे बाहुबली फिल्म फ्रैंचाइज़ी की प्रीक्वल सीरीज़ में शिवगामी की भूमिका निभाने जा रही है और अनुष्का शर्मा की लेटेस्ट प्रोडक्शन, नेटफ्लिक्स वेबसीरीज़ ’माई’ में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सफल रही है।

इस सनसनाती स्टार के कुछ राज़ की बातें सुनिए:

☐ लोगों को लगता है कि वामिका गब्बी जो हिंदी सिनेमा में अपने परफॉर्मेंस से सुर्खियों बटोर रही है, उन्होंने हिंदी फिल्मों से करियर की शुरुआत की है?, जी नहीं, दरअसल वो पंजाबी और दक्षिण फिल्म उद्योग में भी कई फिल्में कर चुकी हैं और उस इंडस्ट्री में भी बहुत लोकप्रिय है।

☐ वामिका गब्बी को एक नहीं, दो नही, तीन नहीं बल्कि बहुत सारी भाषाएं अच्छी तरह आती है – वह मलयालम, तमिल, तेलुगु, पंजाबी उतनी ही सहजता से बोल सकती है जितनी सहजता से हिंदी और अंग्रेजी।

☐ वामिका सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं बल्कि एक बेहतरीन गायिका, एक कथक नर्तकी और एक फेमस एनिमल एक्टिविस्ट है। हकीकत के जीवन में वे पांच– पांच सुंदर डॉगियों (कुत्तों) के लिए एक प्राउड माँ की भूमिका भी निभा रही है और एक सर्वोत्कृष्ट पशु प्रेमी है और पशु क्रूरता के खिलाफ आवाज उठाने से कभी नहीं कतराती है। वो अभिनय की अथक व्यस्तता के बावजूद अपना रेस्ट टाइम इन निरीह मूक जानवरों और पक्षियों की सेवा, संरक्षण में लगा देती हैं।

☐ उन्होंने 2007 में चौदह वर्ष की उम्र में, फिल्म जब वी मेट में से अपनी सिनेमाई यात्रा शुरू की थी।

☐ वह अपने परिवार के बेहद करीब है और अपने पिता के साथ एक बहुत ही खास बंधन शेयर करती है। वामिका को अपने पिता से प्रेरणा और ताकत मिलती है जिन्होंने उन्हें प्रदर्शन और कला की दुनिया से परिचित कराया था।

☐ उन्हें विशाल भारद्वाज कृत ’खूफ़िया’ तथा अनुष्का शर्मा द्वारा निर्मित अतुल मोंगिया की ’माई ’,सहित कई मेगा प्रोजेक्ट्स के लिए चुने जाने के कारण बॉलीवुड के जेन नेक्स्ट बड़े चेहरे के रूप में जाना जाता है। दबी दबी खबरें ये भी है कि वामिका बाहुबली प्रीक्वल में शिवगामीकी कठिन भूमिका निभा रही हैं। उनके फैंस उसे जल्द ही कुछ शानदार कॉन्टेंट में देखेंगे।

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अनुष्का शर्मा जैसी मजबूत महिलाओं के साथ कंटेंट स्पेस में काम करने को लेकर जो कहा

—सुलेना मजुमदार अरोरा

बहुचर्चित फ़िल्म ’ग्रहण’ की अभिनेत्री वामिका गब्बी, जो जल्द ही अनुष्का शर्मा के नेटफ्लिक्स प्रोडक्शन ’माई’ में दिखाई देगी, का मानना है कि अब बॉलीवुड में महिला केंद्रित फिल्में टिके रहने और अधिक फलने फूलने के लिए विकसित होती जा रही है। चाहे लेंस के पीछे से हो या कैमरे के सामने से, स्त्रियां सतत काम करती जा रही है। आज सिनेमा में कोई भी डोमेन ऐसा नहीं है जो महिलाओं की उपस्थिति से नहीं गूंजती हो। ओटीटी प्लेटफॉर्म के रफ्तार पकड़ने तथा विकसित, जागरूक दर्शकों की उपस्थिति के साथ, कंटेंट प्रधान कहानियां ,अब प्रमुख कलाकारों में पुरुषों के सदियों पुराने फॉर्मूले तक सीमित नहीं रह गई है। आज जो सबसे ज्यादा मायने रखता है वह वास्तव में कहानियों का प्रतिनिधित्व है, जो साफ तौर पर एक फर्क बताता है।” बातचीत आगे बढ़ाते हुए वामिका आगे कहती है, ”खासकर आज के दौर में अनूठी और प्रासंगिक कहानियां दर्शकों को गुदगुदाती हैं। आज के फिल्म निर्माता और निर्देशक, अब एक अच्छी कहानी की ताकत में विश्वास करते हैं और उसी के अनुसार कलाकारों को कास्ट करते हैं।”

वामिका को इस परियोजना के लिए चुना गया है और वह श्रृंखला में एक बहुत ही मजबूत किरदार निभाती हैं।

इस प्रोजेक्ट के बारे में बोलते हुए, वामीका कहती हैं, ”मैं इस अद्भुत प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने और ऐसे सुपर प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करने के लिए अपने को बेहद सम्मानित और बेहद विनम्र महसूस कर रही हूं। मुझे नहीं लगता कि मेरा नेटफ्लिक्स डेब्यू इससे बड़ा और बेहतर कुछ हो सकता है। मुझे पूरी तरह से विश्वास है कि लीड रोल्स के रूप में, महिलाओं के साथ, कंटेंट से प्रेरित कहानियां अब राज करने वाली हैं। अनुष्का जैसी मजबूत महिला नेतृत्व वाले इस समुदाय का हिस्सा बनना बहुत अच्छा अहसास है और मैं इस फिल्म पर दर्शकों की प्रतिक्रिया पाने के लिए अभी से बेसब्र हुई जा रही हूँ। मुझसे और इंतजार नहीं हो रहा है।”

अनुष्का शर्मा की नवीनतम प्रोडक्शन, ’माई’ में साक्षी तंवर मुख्य भूमिका में होंगी और वामिका गब्बी, इसमें एक बहुत ही महत्वपूर्ण रोल में नज़र आएंगी। वामिका के अनुसार महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले ज्वलंत मुद्दों और उनके खिलाफ पक्षपात के आसपास केंद्रित विषयों पर, जागरूक स्टार अनुष्का शर्मा ने हमेशा महिलाओं को केंद्रित करके कथा को चित्रित किया है। वह उद्योग में एक शक्तिशाली आवाज हैं जिन्होंने हमेशा एक अच्छी कहानी को चित्रित करने की दिशा में काम किया है।

सोनी टीवी के 'विघ्नहर्ता गणेश' में विक्रमादित्य ने दिया मीरा बाई को विष पिलाने का आदेश

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का पौराणिक शो **'विघ्नहर्ता गणेश'** शाम 6:30 बजे के प्राइमटाइम स्लॉट पर प्रसारित हो रहा है और टेलीविजन स्क्रीन पर कमाल कर रहा है। भगवान गणेश से जुड़े हिंदू शाश्वत सत्य पर आधारित वर्तमान ट्रैक में मीरा बाई (लवीना टंडन) और चित्तौड़ के नए राजा, विक्रमादित्य की कहानी दिखाई जा रही है। आगामी ट्रैक में राजा विक्रमादित्य, दयाराम और बिंदिया के साथ 'गिरधर' की मूर्ति पर आवरण चढ़ाने पर विचार करेंगे। बाद में मीरा बाई मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति को ना पाकर परेशान हो जाती हैं। लेकिन, भगवान कृष्ण में अटूट श्रद्धा और विश्वास रखने के कारण उन्हें भरोसा होता है कि वो उनसे दूर नहीं रह पाएंगे और जल्द ही वापस लौट आएंगे।

शो में आगे दिखाया जाएगा कि जब मीरा बाई को पता चलेगा कि मूर्ति असल में चोरी हो गई है, तो वे क्रोधित हो जाती हैं। लेकिन, वो सकारात्मक बनी रहेंगी और प्रभु में अपना विश्वास रखेंगी। बाद में, यह दिखाया जाएगा कि मूर्ति, स्वयं ही मंदिर तक पहुंच जाती है और दयाराम को कैद हो जाएगी, जिससे विक्रमादित्य की विफलता उजागर होगी और मीरा बाई के विश्वास की जीत होगी।

मीरा बाई की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं। आने वाले ट्रैक में दिखाया जाएगा कि राजा की विश्वस्त बिंदिया दावा करेगी कि उसने मीरा बाई को देर रात किसी से बात करते हुए देखा था। इस आरोप पर मीरा बाई राजा विक्रमादित्य को समझाती नजर आएंगी कि वो तो अपने भगवान कृष्ण से बात कर रही थीं। जब वो उन्हें समझाने में नाकाम रहती हैं तो राजा विक्रमादित्य अपने आदमियों से मीरा बाई को विष (जहर) पिलाने का आदेश देते हैं। वे दयाराम को अपने हाथों से मीरा बाई के पेय में विष मिलाने के लिए कहेंगे। दयाराम इसे जगन्नाथ का प्रसाद बताकर मीरा बाई को पिलाते नजर आएंगे।

क्या रानी और उधा बाई मीरा बाई के प्राण बचा पाएंगे?

विघ्नहर्ता गणेश के हितांशु जिंसी और लवीना टंडन ने बताया कैसा है उनका ऑफ-स्क्रीन रिश्ता!

अक्सर ये कहा जाता है कि गहरी दोस्ती की शुरुआत बस यूं ही हो जाती है! ऐसा ही कुछ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के पौराणिक शो 'विघ्नहर्ता गणेश' के कलाकारों के साथ भी हुआ है। लवीना टंडन और हितांशु जिंसी ने सेट पर शूटिंग के दौरान आपस में एकदम बढ़िया तालमेल बिठाया और अब दोनों एक दूसरे के पक्के दोस्त बन गए हैं। वे न सिर्फ ऑन–स्क्रीन बल्कि ऑफ–स्क्रीन भी एक बढ़िया बॉन्ड शेयर करते हैं। इस समय शाम 6.30 बजे के प्राइमटाइम पर प्रसारित हो रहा यह शो दर्शकों का मन मोह रहा है। हितांशु जिंसी, भगवान कृष्ण की भूमिका निभा रहे हैं और लवीना टंडन कृष्ण की निष्ठावान भक्त मीरा बाई के रोल में हैं। एक साथ काम करते हुए दोनों एक्टर्स की बीच एक खूबसूरत रिश्ता बन गया है।

इस बारे में बताते हुए लवीना टंडन कहती हैं, ''जब मैंने पहली बार हितांशु को भगवान कृष्ण के अवतार में देखा, तो मैं वास्तव में मंत्रमुग्ध हो गया। वह सेट पर लोगों को हंसाता रहता है।वह चुटकुले सुनाता है और मुझे विचलित करता है क्योंकि मैं शो में आधा समय रोता हूं। सभी ने मुझे बताया कि हितांशु के पास एक है बहुतगंभीर व्यवहार लेकिन मुझे लगता है कि वह सज्जन और प्रिय हैं। जब से मैं शो में शामिल हुआ, तब से हमारी दोस्ती हर रोज बढ़ी है। जब वह मुंबई आए, तो उन्होंने मेरे लिए चॉकलेट और कैंडी खरीदी क्योंकि मुझे इसका शौक है जो कि था वास्तव में प्यारा उसे। हितांशु काम करते समय बहुत शांत रहते हैं और मैं सेट पर सबसे जिज्ञासु और शरारती व्यक्ति हूं। एक चीज जो मैं उनसे सीख सकता हूं वह है सेट पर उनकाशांत धीरज क्योंकि उन्हें बहुत सारे आभूषण और भारी पोशाक पहननी पड़ती है। वह पूरी तरह से फोकस्ड और मेहनती हैं। शो के बाद मैं उनके संपर्क में रहने के लिए उत्सुक हूं। जब भी मैं अपने डायलॉग्स की रिहर्सल करता, वो मेरे साथ प्रैक्टिस भी करते और हम एक–दूसरे की मदद करते। इतने कम समय में हम बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं।''

हितांशु जिंसी आगे बताते हैं, ''लवीना के साथ काम करना मेरे लिए बहुत बढ़िया अनुभव रहा। वो प्यार से भरी हैं और उनका सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अच्छा है। वो एक नेक इंसान हैं, जो कुछ हासिल करने के लिए अपना 100% से ज्यादा लगाती हैं। साथ में लंच करने से लेकर सेट पर एक–दूसरे की टांग खींचने तक, हमारी दोस्ती बस आगे ही बढ़ी है। हमारे बीच बड़ा मजेदार रिश्ता है, जो लगातार मजबूत हो रहा है। मैं एक बात अच्छे से जानता हूं कि लवीना बहुत ख्याल रखने वाली लड़की है। हमने सेट पर एक साथ अपनी लाइनें सीखी हैं और साथ में शूटिंग करते हुए बहुत अच्छा वक्त गुजारा। हमने एक दूसरे से बहुत कुछ सीखा है।''

आने वाले एपिसोड में मीरा बाई सबके साथ होली मनाती नजर आएंगी और अपने प्रभु की खोज में चित्तौड़गढ़ छोड़कर चली जाएंगी।

इस अक्टूबर स्टार प्लस लेकर आ रहा है अपना नया शो 'विद्रोही'!

—पारूल पाण्डे

जैसा कि भारतीय प्रसारण क्षेत्र में माना जाता है कि यदि सही कॉन्टेंट में निवेश किया है तो शो अपने आप अपने दर्शकों से जुड़ाव बना लेता है। स्टार प्लस ने हमेशा विभिन्न शैलियों और असामान्य कहानियों के साथ प्रयोग किया है। दर्शकों का ध्यान एक बार फिर आकर्षित करते हुए चैनल अब अपनी पेशकशों के गुलदस्ते में एक और उत्कृष्ट कृति को जोड़ने/लॉन्च करने के लिए तैयार हैं।

स्टार प्लस इस साल की अपनी सबसे महंगी और बड़ी ऐतिहासिक पेशकश 'विद्रोही' को लॉन्च करने के लिए तैयार है, जो मनोरंजन इंडस्ट्री के सबसे तेज दिमागों द्वारा रचित है। यह शो इंडस्ट्री के कुछ जाने-माने चेहरे और उत्कृष्ट तकनीशियनों को एक साथ लेकर आया है।

गाथा फिल्म्स, एलएलपी द्वारा निर्मित इस शो को बड़े पैमाने पर मुंबई में बने एक विशाल सेट पर शूट किया गया है। दर्शकों के कॉन्टेंट देखने के अनुभव को अधिक आकर्षक और मनोरंजक बनाने के लिए हाई-एंड वीएफएक्स तकनीक के उपयोग के माध्यम से भव्य पूर्व स्वतंत्रता युग को जीवंत किया जाएगा। विद्रोही के साथ, चैनल का उद्देश्य भारतीय दर्शकों को इतिहास की किताबों की सीमाओं से परे ले जाना है ताकि एक स्वतंत्रता सेनानी बक्सी जगबंधु विद्याधर (प्रतिभाशाली अभिनेता शरद मल्होत्रा द्वारा अभिनीत किरदार) और योद्धा राजकुमारी कल्याणी (अभिनेत्री हेमल देव द्वारा अभिनीत किरदार) की कभी न बताई गई गाथा को टेलीविजन पर पहली बार सुनाया जा सके।

यह अपकमिंग शो एक शक्तिशाली कलाकारों की टुकड़ी को एक साथ लेकर आया है, जिसमें सुलगना पाणिग्रही, अनंग देसाई, चैत्राली गुप्ते, प्रिया टंडन, डैनी सुरा जैसे कलाकार शामिल हैं।

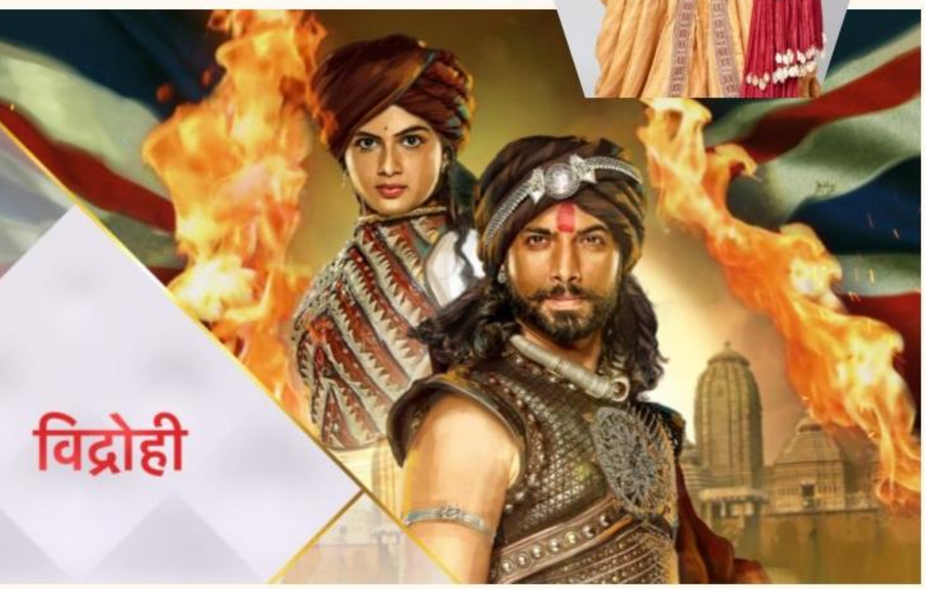

"अभिनय मेरा पैशन है..."

वैभवी कपूर

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

"दंगल" टीवी पर प्रसारित हो रहे सीरियल "नथ : जेवर या जंजीर" में बूंदी का किरदार निभा रही अभिनेत्री वैभवी कपूर को अभिनय व नृत्य या यूँ कहे कि कला तो खून में मिला है,तो गलत नही होगा। वैभवी कपूर की दादी मंजू कपूर क्लासिकल डांसर थीं। वैभवी कपूर के पिता अमित कपूर व मां ममता कपूर भी अभिनेत्री हैं। इसलिए अभिनय के क्षेत्र से उनका जुड़ना स्वाभाविक ही है। मगर उन्हे अभिनय को कैरियर बनाने के प्रेरणा मधुबाला की फिल्म 'मुगल ए आजम' देखकर मिली।

नया धारावाहिक
क्या मजबूरी के ज़ेवर की ज़ंजीर तोड़ पाएगी महुआ?
नथ
ज़ेवर या ज़ंजीर

प्रस्तुत है वैभवी कपूर से हुई एक्सक्लूसिब बातचीत के अंश...

☐ आपके माता पिता अभिनय जगत से जुड़े हुए हैं,इसलिए आपने भी अभिनय को कैरियर बनाने का निर्णय ले लिया?

कुछ ऐसा ही है। मैं मुंबई की ही रहने वाली हूँ। मेरी मां ममता कपूर और पिता अमित कपूर अभिनेता हैं। मेरे पिता अमित कपूर दूसरे कलाकारों को अभिनय का प्रशिक्षण भी देते हैं। मेरे पिता जी रोशन तनेजा के यहां अभिनय के सहायक प्रोफेसर रहे हैं। मेरी शिक्षा दिक्षा मुंबई में ही हुई है। मैं बचपन से ही अपने माता पिता को अभिनय करते हुए देखकर सोचती थी कि बड़ी होकर मैं भी यह सब कर सकती हूँ। एक दिन मैं मधुबाला जी की फिल्म "मुगल ए आजम" देख रही थी और मैं एकटक मधुबाला जी को देखती जा रही थी। उसी वक्त मुझे अहसास हुआ कि यही ऐसा ही कुछ है,जो मैं करना चाहती हूँ। वैसे भी जब कभी भी मैं कैमरे के सामने होती हूँ,तो मुझे कैमरे के सामने रहना अच्छा लगता था। खैर,'मधुबाला' देखकर मैने सोचा कि मुझे अभिनय को ही गंभीरता से लेना चाहिए। उसके बाद मैने ऑडीशन देना शुरू किया। शुरूआत में रिजेक्शन हो रहे थे,तो उसका दुःख था। पर मैं अपनी तरफ से हर बार नई उर्जा के साथ ऑडीशन देती रही। फिर 2018 में मुझे पहला सीरियल "चक्रधारी अजय कृष्णा" मिला। इसमें मैने रुक्मणी का किरदार निभाया।

☐ मधुबाला की फिल्म 'मुगल ए आजम' देखते हुए आपको किस बात से लगा कि अब आपको भी यही करना है?

मधुबाला जिस तरह से एक्सप्रेशन दे रही थी। उनमें कुछ अलग सा आकर्षण था। फिल्म 'मुगल ए आजम' देखते हुए मैं सोचने लगी काश उस वक्त मैं पैदा हुई होती और इस फिल्म का हिस्सा होती। तभी तो मेरे दिमाग में यह बात आयी कि मुझे कहीं न कहीं अभिनय करना है। तो मैने यह बात अपने माता पिता को बतायी। मेरे माता पिता ने हामी भर दी।

☐ ऑडीशन देना शुरू करने से पहले आपने अभिनय की कोई ट्रेनिंग ली?

मेरी दादी मंजू कपूर शास्त्रीय नृत्यांगना थी। जब मैं चार वर्ष की थी, तभी से उन्होने मुझे भारत नाट्यम की ट्रेनिंग दिलवानी शुरू कर दी थी। तब से मैं आज तक भारत नाट्यम करती रहती हूं। भारत नाट्यम का मेरा कोर्स पूरा हो चुका है। इसके अलावा मैं बॉलीवुड नृत्य व कई अन्य तरह के नृत्य भी करती हूँ। अभिनय का प्रशिक्षण तो मैने अपने पिता जी से ही लिया। मैं अपने पिता के सामने दृश्य करती थी, उनसे टिप्स लेती थी। मैने खुद को ग्रूम करना शुरू किया.बहुत कुछ सीखा. उठना,बैठना,बातचीत करना वगैरह।

☐ आपके कैरियर का पहला सीरियल "चक्रधारी अजय कृष्णा" धार्मिक सीरियल है। कैरियर की शुरूआत धार्मिक सीरियल से करने को लेकर कोई हिचक नहीं

थी?

इतना कुछ सोचने का मौका ही नही मिला। नवरात्री के दिन थे और मुझे बताया गया कि मेरा चयन हो गया है और कल से शूटिंग करनी है। अब मातारानी की मर्जी थी। तो सुबह सेट पर पहुँच गयी। अच्छी बात यह हुई कि मेरा पहला दृश्य भारत नाट्यम को लेकर ही था। इसके संवाद भी क्लिस्ट हिंदी वाले थे। मगर मेरे पिता जी ने मुझे पहले से ही हिंदी उच्चारण दोष को दूर कर काफी ट्रेनिंग दी थी। मैंने पिता जी के साथ ट्रेनिंग के दौरान कई भाषाएं सीखी। पर कैमरा का सामना पहली बार कर रही थी और निर्देशक ने कहा कि नृत्य करते हुए मुड़ने पर 'लाइट' लेना। मुझे लाइट क्या होती है, पता ही नही था। मैने कहा कि मैं समझी नही। फिर उन्होने मुझे सिखाया।

☐ अभिनय करने में क्लासिकल डॉसर होने पर कितनी मदद मिलती है?

क्लासिकल डॉसर अपने चेहरे,ऑखों और हाथ के हाव भाव से कई दुख,खुशी आदि कई तरह के एक्सप्रेशन देता है। अभिनय में भी हमें इसी तरह के एक्सप्रेशन देने होते हैं। इसलिए क्लासिकल डॉसर होने से काफी मदद मिलती है। एक क्लासिकल डॉसर की बॉडी लैंगवेज भी अभिनय में मदद करती है।

☐ पहले सीरियल से किस तरह की प्रतिकियाएं मिली थीं?

बहुत अच्छा रिस्पॉस मिला था। लोगो ने मेरे अभिनय की काफी तारीफ की थी। हमारे इस सीरियल को एक्सटेंशन भी मिला था। मैं तो बहुत खुश रहती थी।

☐ आपको रूक्मणी की कौन सी बात पसंद आयी थी?

रूक्मणी का हर चीज को हैंडल करने का तरीका मुझे काफी पसंद आया। उन्हे जो चाहिए होता था, उसे हासिल करने से वह पीछे नहीं रहती थीं। मैने रूक्मणी का किरदार निभाते हुए कई किताबें पढ़कर उनके बारे में काफी जानकारी भी हासिल की। एक इंसान के तौर पर रूक्मणी के किरदार ने मुझ पर प्रभाव डाला है। इस किरदार को निभाने के बाद मैं बहुत शांत स्वभाव की हो गयी। मै लोगों से अच्छे व प्यार से बातें करने लगी।

☐ तो क्या आप मानती हैं कि आप जिस किरदार को निभाती हैं, उसका असर आप पर पड़ता है?

जी हॉ! मैं हर किरदार के साथ काफी कुछ सीखती हूॅ। एक अलग इमोशंस सीखने को मिलता है। मेरे लिए हर दिन नया दिन होता है और हर दिन मैं कुछ नया सीखती हूॅ।

☐ इसके बाद आपने कौन सा सीरियल किया?

फिर मैने 'स्टार प्लस' के सीरियल ''यह जादू है जिन्न का''किया। जो कि 'चक्रधारी अजय कृष्णा''से काफी अलग था।

☐ तो अचानक किरदार के लिए अपने आपको बदलना कैसा अनुभव था?

बहुत अच्छा...एक धार्मिक किरदार निभाने के बाद मैं अचानक स्टाइलिश कपड़े पहनने वाली सारा खान बन गयी थी। सारा खान फैशनिस्टा और मैं निजी जिंदगी में बहुत सादगी पसंद हूॅ। मैं अक्सर कुर्ते पायजामे में ही रहती हूॅ। मेरे कपड़े जैकेट वाले अथवा पूरी बांह वाले होते हैं। लेकिन इस सीरियल में मुझे शॉर्ट्स पहनने थे। तो यहां भी मैने काफी कुछ सीखा।

☐ कुछ नया कर रही हैं?

रामानंद सागर की प्रोडक्शन कंपनी के लिए मैने एक वेब सीरीज ''जय मातेश्वरी देवी'', जिसमें मैंने माता लक्ष्मी और सीता का किरदार निभाया है। यह वेब सीरीज जल्द ही आएगी। इसमें मेरे साथ सिद्धांत इस्सर हैं।

☐ सीरियल ''नथ:जेवर या जंजीर'' से जुड़ना कैसे हुआ?

इसके लिए मैने ऑडीशन दिया। ऑडीशन देने के बाद मैं उपर वाले पर छोड़ देती हूॅ। मैने इसमें महुआ के किरदार के लिए ऑडीशन दिया था। मैं तकदीर पर ज्यादा यकीन करती हूॅ। पर महुआ के किरदार के लिए चयन नही हुआ। फिर मुझे बूंदी के किरदार के लिए ऑडीशन देने को कहा गया। बूंदी एकदम साधारण लड़की है। मुझे बताया गया कि यह पैरलल लीड है। मैने कहा कि मुझे इससे

फर्क नही पड़ता। मेरे लिए किरदार की अहमियत है। फिर जब मैने इसकी कहानी सुनी और मुझे पता चला कि हमारे देश के कुछ हिस्सों में अभी भी 'नथ उतराई 'की कुप्रथा है, तो मुझे लगा कि यह बहुत रोचक सब्जेक्ट है। इसका हिस्सा मुझे बनना चाहिए। जब हम किसी सत्य घटनाक्रम पर आधारित काल्पनिक कहानी वाले सीरियल में किसी किरदार को निभाते हैं, तो काम करने में अलग सा अनुभव आता है।

☐ बूंदी के किरदार को किस तरह से परिभाषित करेंगी?

बुंदी बहुत साधारण लड़की है। बहुत ही इन्नोसेंट है। ज्यादा बोलती नही है। धीरे से बात करेगी। उसमें धैर्य है। वह एकदम घरेलू लड़की है। उसे दुनियादारी से कोई मतलब ही नही है। उसका एक ही सपना है कि शादी करके अपनी ससुराल जाकर अपने पति व सभी को खुश रखना। जबकि महुआ का सपना है कलेक्टर बनना।

☐ लेकिन सुना है कि अब आपका बूंदी का किरदार नगेटिब हो रहा है?

जी हॉ! कहानी में कुछ नया मोड़ आ गया है। बूंदी की एक शादी तय होने के बाद टूट जाती है। जब बूंदी की शादी शंभु के साथ तय होती है, तब वह बहुत उत्साहित होती है। उसकी शादी एक बड़े ठाकुर खानदान के लड़के से तय हुई थी। उसके मन में तो लड्डू फूट गए थे। बूंदी बहुत खुश थी। मगर जैसे जैसे चीजें आगे बढ़ती गयी। रश्में होती गयीं। शंभू हमारे घर का कर्जा भी उतारने वाले थे। पर अचानक शंभू ने मना कर दिया और हमसे रिश्ते खत्म कर दिए.हमें नही पता कि वह ब्लैकमेलिंग थी। महुआ से जो कुछ हो रहा था, वह उसकी गलती से हो रहा था.पर बूंदी को लग रहा था कि महुआ जानबूझकर कर रही है। जब वह अपनी शादी से कुछ घंटे पहले ही अपने कमरे में बंद हो जाती है, और उसे पात चलता है कि इसकी वजह उसकी बहन महुआ ही है ,तो फिर उसका गुस्सा और बढ़ जाता है। जिससे आप प्यार करते हैं और उसी से आपकी शादी होने वाली हो, मगर कुछ घंटे पहले आपको बंद कर दिया जाए और जब आप नीचे आएं ,तो पता चले कि आपकी छोटी बहन उसके साथ है,तो गुस्सा बढ़ना स्वाभाविक है। फिर जब राधे से मेरी शादी हो जाती है तो यह गुस्सा और बढ़ जाता है। क्योकि कहीं न कहीं बूंदी के मन में है कि उसे उसका प्यार नही मिला, मगर अपने प्यार के साथ महुआ को देखना उसे गवारा नहीं। बूंदी तो शंभू के प्यार में पागल हो चुकी है। वह अपने गुस्से पर काबू नही रख पाती। शंभू को पाने के चक्कर में बूंदी की सफाई भी नहीं सुनना चाहती।

☐ आपकी परवरिश मुंबई जैसे महानगर में हुई है। जबकि बूंदी का किरदार राजस्थानी ग्रामीण लड़की का है। इसके लिए आपने किस तरह की तैयारी की?

हमने काफी तैयारी की। हमें राजस्थानी और बुंदेलखंडी भाषा के लहजे को पकड़ना था। इसके लिए हमने ट्रेनिंग ली। भाषा के गुरू आते थे,उन्होने एक माह तक हमें इसकी ट्रेनिंग दी। जिससे संवाद अदायगी सही हो। सेट पर भी हमारे सर रहते हैं। इसके अलावा कुछ फिल्में देखीं. कुछ लोगों से मिलकर उन्हे आब्जर्व किया कि वह किस तरह बातें करते हैं, उनका उठना बैठना किस तरह का है। वह किस तरह से चलते हैं।

☐ जब आपको पता चला कि हमारे देश के कुछ हिस्से में आज भी 'नथ उतराई' प्रथा है,तो आपके मन में क्या आया?

मुझे धक्का लगा और बुरा लगा। मैं समझ सकती हूॅं कि जिस लड़की की 'नथ उतराई' होती होगी,उसके मन पर क्या बीतती होगी। वह कितने दर्द से गुजरती होगी। हम उनकी मजबूरी नही समझ सकते। मगर एक लड़की होने के नाते,एक इंसान होने के नाते बुरा ही लगता है। पर मुझे पता नही कि इसे किस तरह बदला जा सकता है। लेकिन मैं उम्मीद करती हूॅं कि कभी न कभी यह कुप्रथा जरुर बंद होगी।

☐ किसी किरदार को लंबे समय तक निभाते हुए बोर नही होती?

जी नहीं..क्योकि हम सेट पर उस किरदार को जीते हैं। लेकिन घर पहुॅंचते ही हम अपनी जिंदगी के मौलिक किरदार को ही जीते हैं। इसलिए मुझे बोरियत नही होती। बल्कि मुझे अच्छा लगता है। मुझे हर दिन काम करना अच्छा लगता है।

☐ इन दिनों कलाकार के सोशल मीडिया पर फालोवअर्स की संख्या बल के आधार पर काम दिया जा रहा है। इससे प्रतिभाशाली कलाकार के साथ अन्याय होता है?

यह बहुत ही डायसी बात है। मैं मानती हूॅं कि यदि प्रतिभाशाली कलाकार को कम फालोवअर्स के चलते काम नहीं मिलता है, तो यह उसके साथ बुरा होता है। पर टीआरपी का मुद्दा ऐसा है कि प्रतिस्पर्धा काफी है। इसलिए कई बार कम फालोवअर्स के चलते कलाकार की काबीलियत कम आंकी जाती है। मगर ऐसा हर बार नही होता है। जिसके अंदर प्रतिभा होती है,उसे काम मिलता ही है।

☐ आप खुद के फालोअवर्स बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर किस तरह की चीजे लिखती हैं?

मैं वही सब सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हूॅं, जो लोगों को अच्छी लगे। जिससे लोगों को खुशी मिले। पर हकीकत में मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा सक्रिय नही हूॅं।

☐ आपके शौक?

नृत्य करना। जबकि अभिनय मेरा पैशन है। सायकोलॉजिकल किताबें पढ़ना।

ऑल्ट बालाजी के शो 'हाय तौबा 3' के लिए मिल रहे रिस्पांस पर एकावली खन्ना ने कहाः जो मैंने अपेक्षा की थी, उससे बहुत अधिक रिस्पांस मिल रहे हैं

—परीक्षित चतुर्वेदी

ऑल्ट बालाजी के शो 'हाय तौबा 3' में अपने शानदार परफॉरमेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाली एकावली खन्ना ने हाल ही में एक चौंकाने वाला बयान दिया है। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि एंथोलॉजी की वजह से उनको मिले रिस्पांस ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया है। एकावली ने कहा कि "रिलीज के बाद शो को मिले रिस्पांस ने वास्तव में मुझे चकित कर दिया है। यह मेरी अपेक्षा से कहीं अधिक है। मुझे यह तो मालूम था कि ऑल्ट बालाजी की पहुंच बहुत बड़ी है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतने सारे लोग मुझसे कहेंगे कि वे शो में मेरे लुक को और मेरे द्वारा निभाये गए कैरेक्टर सरला को पसंद करते हैं।"

एकावली ने बताया कि "मुझे लगता है, खास तौर पर इतने सारे एक्टर्स वाले एक एंथोलॉजी के लिए, जब दर्शक यह कहते हुए रिस्पांस देते हैं कि हमें आपका परफॉरमेंस पसंद है, शो में प्रदर्शित आपका अभिनय कौशल हमें अच्छा लगा, तो यह सबसे बड़ी तारीफ है।"

एकावली ने यह भी कहा कि यह शो उनके कम्फर्ट जोन से बाहर चला गया, लेकिन इससे उन्हें काफी संतुष्टि मिली है। उन्होंने कहा कि"यह मेरी सबसे बड़ी सीख है कि मैंने एक एक्टर के रूप में अपने कौशल का इस्तेमाल किया है और इसके लिए दर्शकों ने सराहना की है। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है और यह बहुत संतुष्टिदायक है। यही इस पूरे अनुभव को बहुत संतुष्टिदायक बनाता है। यह कुछ ऐसा रहा जिसे मैंने अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आकर किया है और इसे पसंद किया जा रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि रिस्पांस मुझे इस वक्त काफी संतुष्टि प्रदान कर रहा है।"

'हाय तौबा 3' लोकप्रिय फ्रैंचाइज़ी का तीसरा चैप्टर है जो विशेष रूप से ऑल्ट बालाजी पर प्रदर्शित होता है। 'हाय तौबा चैप्टर 3' महिलाओं पर केंद्रित है और महिलाओं के निर्णयों की सराहना करते हुए उन्हें सशक्त बनाता है। नया चैप्टर उन महिलाओं के बारे में होगा जो सामाजिक मानदंडों के अनुसार चलने से इंकार करती हैं और अपने नीरस जीवन से बाहर निकलने का फैसला करती हैं ताकि वे वास्तव में अपनी मर्जी से अपनी जिन्दगी बिता सकें। ये कहानियां उन रीति–रिवाजों को लेकर बनी हैं, जिनका पालन करने से आज का समाज महिलाओं को रोकता है। यह इन महिलाओं के जीवन के अधूरेपन को स्पष्ट रूप से सामने लाता है और यह शो बताता है कि कैसे वे महिलाएं यथास्थिति में बदलाव लाने और अपनी जिन्दगी पूरी तरह जीने के लिए उस अधूरेपन को स्वीकार करती हैं।

'हाय तौबा' फिलहाल ऑल्ट बालाजी पर प्रदर्शित हो रहा है। इसके चारों एपिसोड अभी देखें।

BOX OFFICE फिल्म समीक्षाः

सिर्फ एक वीडियो गेम नहीं, समाज पर कटाक्ष भी है Free Guy

8/10*

अच्छे फिल्ममेकर और औसत फिल्ममेकर में यही फ़र्क होता है कि औसत फिल्ममेकर एक फिल्म बनाता है जो मनोरंजन करती है, अच्छा फिल्ममेकर उसमें मनोरंजन के साथ साथ सामाजिक संदेश दे देता है। कुछ ऐसी ही फिल्म है 'Free Guy'

इसकी कहानी शुरु होती है Guy यानी रियान रेनोल्ड्स के वोइसओवर से, और स्क्रीन पर एक सुपर हीरो दिखाया जाता है जो Free City की ओर उड़ता जा रहा है और Guy बताता है कि जो लोग सनग्लासेस पहनकर आते हैं वो कुछ भी कर सकते हैं। उनके लिए लॉ एन्फोर्समेंट आदि कोई ख़ास बड़ी चीज़ नहीं होती। वो एक बैंक में काम करता है जहाँ रोज़ कई–कई बार डकैती पड़ती है और बाकी स्टाफ के साथ Guy के लिए ये भी एक नार्मल सी बात है।

Guy अपनी ज़िन्दगी में अपनी ड्रीम गर्ल का इंतज़ार कर रहा है। वो ड्रीम गर्ल जो उसे कभी नहीं मिली, एक रोज़ सनग्लासेस पहने दिखती है और वो दीवानों की तरह उसके पीछे चला जाता है। लेकिन एक ट्रेन उसे कुचल देती है। अगले रोज़ फिर वह वहीं अपने बिस्तर से उठता है और अपनी फेवरेट शॉप पर रोज़ एक ही सी कॉफी पीता है। लेकिन उस लड़की से मिलने के बाद उसे एहसास होता है कि वो सेम लाइफ जी रहा है। अगले रोज़ वो बैंक लूटने वालों से उनका चश्मा छीन लेता है। तब उसे पता चलता है कि चश्मा लगाते ही दुनिया भर के आप्शन्स, कैश, मिशन्स आदि दिखने लग जाते हैं। सब एक ही रूटीन लाइफ जी रहे हैं। वो उस लड़की से मिलता है और तब ऑडियंस को पता चलता है कि वो एक गेम में एक प्रोग्राम किया हुआ नॉन–प्लेयिंग करैक्टर है। अब एक गेम का करैक्टर, जिसे प्रोग्राम किया गया है, उसे प्यार हो जाता है और वो जानता भी नहीं है कि वो कोई करैक्टर है।

दूसरी ओर असल दुनिया में इस करैक्टर को लेकर हंगामा हो गया है कि आख़िर कौन सा प्लेयर है जो इसको चला रहा है?

वहीं वीडियो गेम की सबसे बड़ी कम्पनी 'सुनामी' का सीईओ 'एंटवान' किसी भी कीमत पर पैसा कमाना चाहता है, उसपर गेम चुराने का भी इल्ज़ाम है।

कहानी की बात करूँ तो ऐसी कुछ फिल्में बनी ज़रूर हैं लेकिन मैट लिबरमैन और ज़ैक पैन का स्क्रीनप्ले बिल्कुल नया है। डायरेक्टर शॉन लेवी ने कुछ जगह फिल्म की ग्रिप ज़रूर ढीली की है पर ओवरआल डायरेक्शन बहुत बढ़िया है।

एक्टिंग की बात करूँ तो रयान रेनोल्ड्स की कॉमिक टाइमिंग का जवाब ही नहीं है। उनके सिवा शायद ही कोई Guy के करैक्टर को जस्टिफाई कर सकता था।

एक्ट्रेस जोडी कॉमर भी बहुत खूबसूरत और क्यूट एक साथ लगी हैं। उनकी एक्टिंग भी शानदार है।

कॉमिक रोल में रिल रेल हाउवरी और प्रोग्रामर के करैक्टर में जो कीरी और इंडियन एक्टर उत्कर्ष अम्बुदकर अपने अपने रोल में अच्छे लगे हैं।

थॉर रेग्नरोक और जोजो रैबिट जैसी ज़बरदस्त फिल्मों के डायरेक्टर एक्टर ताईका वटीटी का रोल छोटा है पर उनकी एक्टिंग और बॉडी लैंग्वेज ज़बरदस्त है। उनकी कॉमिक टाइमिंग का तो कोई जवाब ही नहीं है।

—सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

बात एनीमेशन और वीएफेक्स की करें तो फिल्म क्योंकि गेमिंग से जुड़ी है इसलिए एनिमेशन का इस्तेमाल बहुत हुआ है। कुछ एक जगह पर ये ओवर भी लगता है लेकिन क्योंकि गेम्स में वाइब्रेंट एनिमेशन होता ही है, तो इसमें भी ओवर नहीं लगता।

क्रिस्टोफर बेक का म्यूजिक भी अच्छा है। Guy के रोमांटिक सीन्स में अचानक कोई गाना बज जाना सीन में जान डाल देता है।

कुलमिलाकर फिल्म में एक्शन, एडवेंचर, कॉमेडी, इमोशन्स, रोमांस और वो सबकुछ है जो एक मसाला फिल्म में होना चाहिए, लेकिन कुछ ऐसा भी है जो मसाला फिल्मों में नहीं होता है; वो है सेन्स! सोशल सेन्स पर फिल्म अच्छा कटाक्ष करती है। फिल्म के गेम Free City और Guy की लाइफ में कहीं न कहीं हमारी बंधी हुई जिन्दगियों की भी झलक मिलती है। हालांकि क्लाइमेक्स देखने के बाद लगता है कि ये और बेहतर हो सकता था, पर ओवरआल ये वीडियो–गेम बच्चे बूढ़े और जवान, सबको पसंद आने वाला बना है।

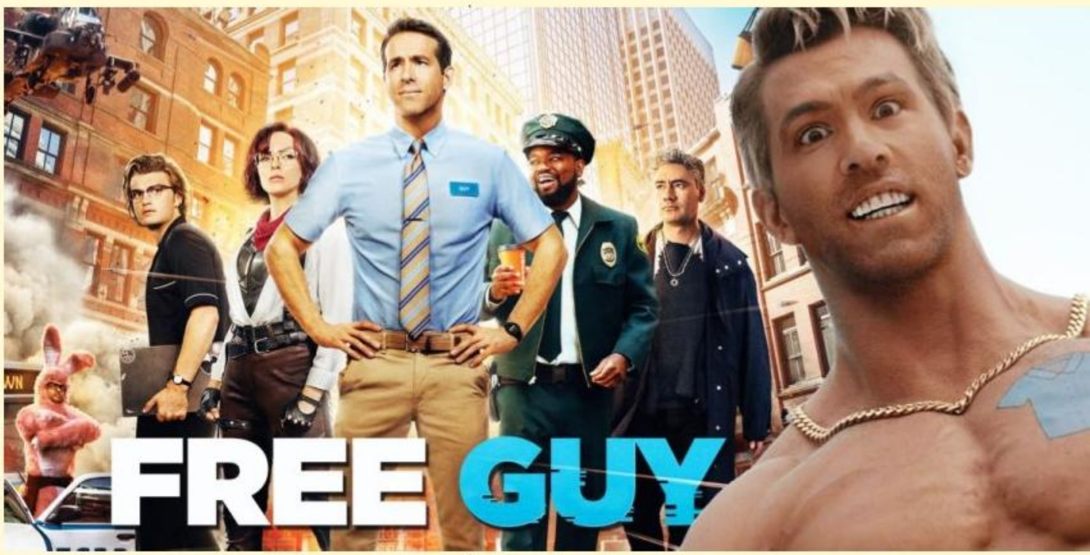

BOX OFFICE फिल्म समीक्षा:

कोटा फैक्टरी 2 : जीतू भईया के मोनोलॉग्स सीधे दिल पर करेंगे वार

5/4

—प्रगति राज

बेसब्री से जिस सीरीज़ का इंतजार सब कर रहे थे आखिरकार वो स्ट्रीम हो ही गई। कोटा फैक्ट्री सीज़न 2 नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है। सीरीज़ में मयूर मोरे, जितेंद्र कुमार, आलम खान, रंजन राज, अहसास चन्ना, समीर सक्सेना, वैभव ठक्कर महत्वपूर्व रोल में नज़र आए हैं। अगर अबतक नहीं देखा तो देख डालो, मिस करने वाली चीज़ नहीं है।

KOTA FACTORY
SEASON 2
SEPTEMBER 24 | NETFLIX

कहानी: वहीं से शुरू होती है जहाँ सीज़न वन खत्म हुआ था। वैभव(मयूर मोरे) का एडमिशन महेश्वरी इंस्टिट्यूट में हो चुका है। पहले दिन ओरियनटेशन होता है जहाँ वैभव और शुसरूत उर्फ सुसु दोनों डीन की बात सुनकर हैरान रह जाते हैं क्योंकि उन्होंने महेश्वरी क्लासेस में एक साल लेट एडमिशन लिया था। रोबोट की तरफ अपनी पढ़ाई शुरू कर देते हैं। उधर वैभव के दोस्त अपने इंस्टिट्यूट के मैनेज से बहस कर रहे होते हैं कि जीतू भईया(मयूर मोरे) उनकी फिजिक्स की क्लासेस क्यों नहीं ले रहे हैं। पता चलता है कि जीतू भईया को प्रोडोजी क्लासेस से निकाल दिया गया। लेकिन ये सच नहीं होता बल्कि जीतू भईया अपना खुद का इंस्टिट्यूट खोलते हैं और उसी में व्यस्त हो जाते हैं।

इधर वैभव का दोस्त सुसु परेशान है, उसे समझ नहीं आ रहा है कि वो आईआईटी क्यों कर रहा है। वो वैभव से सवाल पूछता है लेकिन उसके जवाब से संतुष्ट नहीं होता, फिर वैभव उसे एक सीनियर के पास लेकर जाता है, जो खुद डिप्रेस होता है। इसके बाद वैभव कहता है कि चल इसका हल केवल जीतू भईया दे सकते हैं। वो जीतू भईया के कोचिंग के सामने वरतिका(रेवती पिल्ले) को खड़े पाता है और उसके सभी दोस्त मीना और उदय भी वहाँ आए होते हैं, जीतू भईया की क्लास ज्वॉइन करने।

जीतू भईया की बात सुन सुसु मोटिवेट होता है और एक बार फिर से आईआईटी की पढ़ाई में जुट जाता है।

जीतू भईया की ट्यूशन में सभी एडमिशन लेते हैं और मज़े करते करते अपने दूसरे साल यानी 12वीं की पढ़ाई शुरू करते है और लग जाते हैं आईआईटी की तैयारी में। आगे क्या होता है ये आप खुद देखो क्योंकि ये नहीं देखा तो कुछ भी नहीं देखा।

डायरेक्शन– लंबो समय बाद अच्छा डायरेक्शन देखने को मिला। कुछ एक सीन में आप बिना 'वाह' किए या फिर बैक जाकर वापस उस सीन को देखे नहीं रह पाएंगे। डायरेक्टर राघव सुब्बू द्वारा बढ़िया काम किया गया है।

कुछ एक सीन जैसे–

☐ कलर सीन से लेकर धीरे धीरे स्क्रीन का कलर ब्लैक एंड वाइट में बदलना, ये सीन बिना कहे, बहुत कुछ कह जाता है।

☐ वहीं एक बातचीत के बीच वैभव की तरफ फ्रेम करने की जगह उसे बाइक के मिरर में दिखाना। ध्यान खीचने वाला सीन है।

☐ डायलॉग्स– जीतू भईया का मोनोलॉग हो या वन लाइनर सीधे दिल पर वार करता है।

उनके कहे कुछ डायलॉग्स–

☐ आईआईटी तुम में से किसी का सपना होना भी नहीं चाहिए, एक तो ये वर्ड यूज करना बंद करो– सपना, इसे यूज करने का मतलब तो यही है कि पहले ही मान चुके हो कि कुछ होना जाना तो है नहीं, देखने की चीज है देख ली। ऐम बोलना शुरू करो।

☐ सबको नहीं सीखाता यार, इन जैसो को सीखाता हूँ। डर लगता है इन जैसों से।

☐ हम लड़कियों को आगे बैठाते तो हैं लेकिन वो फिर भी आउट ऑफ प्लेस फील करती हैं, जब भी वो आईआईटियंस के बारे में बात करती है तो, आईआईटियेंस ऐसे करते हैं, ऐसे पढ़ते हैं, नेवर लाइक ऐसे करती हैं, ऐसे पढ़ती हैं।

☐ पीयर प्रेशर अच्छी चीज है, लेकिन ध्यान रहे कि आपका पीयर स्टूपिड न हो।

☐ सर सेलिब्रेट किजीए कि आपका बच्चा उदास है, उदास है क्योंकि सीरियस था, सीरियस था क्योंकि जिम्मेदार था। अब 18 की उम्र में आपका बच्चा जिम्मेदार हो गया है, बड़ा गोल सेट करके लड़ रहा है, ये तो आपकी पेरेंटिंग सफल हुई।

लिखते लिखते हाथ में दर्द हो जाएगा लेकिन डायलॉग्स खत्म नहीं होंगे। केवल जीतू भईया ही नहीं, बल्कि अन्य कलाकारों की भी वन लाइनर अच्छी है। अभिषेक यादव, सौरभ खन्ना, संदीप जैन द्वारा लिखी गई है सीरीज़ की कहानी।

☐ **एक्टिंग**– बेहतरीन, सभी कलाकार को स्क्रीन पर देखना मजेदार है। कोई न किसी से कम न ज्यादा, कंम्पेयर करने की कोई वजह ही नहीं हैं। जीतू भईया तो हैं ही कमाल और बाकि कलाकार ने भी अपना स्क्रीन स्पेस बखूबी निभाया।

☐ **क्लाइमेस**– जीतू भईया के मोनोलॉग के साथ खत्म होगा, सीरीज़ में सबसे अधिक उन्होंने ही बोला है, लेकिन अंत में जो होगा, उसके बाद वो भी लाजवाब हो जाएंगे। पूरी सीरीज़ में जिस बात से वो डरते हैं अंत में वहीं होगा।

अक्सर ऐसा होता है कि पहला सीज़न किसी सीरीज़ का बेस्ट होता है लेकिन दूसरे में कुछ कमी रह जाती है। लेकिन कोटा फैक्ट्री के साथ ऐसा नहीं हुआ। पहले सीज़न से भी बेहतर है। जरूर देखें। वक्त निकाल कर देखें।

Rating– 5/5 (कोई वजह ही नहीं है एक भी नंबर कम देने की)

मेरे विचार– टीवीएफ की सीरीज़ है, भरोसे था कि कोई कमी नहीं होगी। लंबो समय बाद कोई सीरीज़ बिना रुके देखी है। ऐसा काम कभी रूकना नहीं चाहिए। और बनते रहना चाहिए। कई महत्वपूर्व मुद्दे पर सीरीज़ में बात कही गई है जो आपको भी जानने की आवश्कता है। मोटीवेट करने के साथ ही बहुत सी चीजें सीखाती है।

फ्रेश चेहरों से सजी ये प्रेम कहानी पूरी 'शिद्दत' से बनाई गयी है

7 / 10*

BOX OFFICE फिल्म समीक्षाः

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्में बनाना ठीक वैसा ही है जैसे घर में दाल–चावल बनाना। दाल का रंग भले ही बदल जाये लेकिन कॉम्बिनेशन नहीं बदलता और अक्सर टेस्ट भी नहीं बदलता। लेकिन कुनाल देशमुख एक ऐसे रोमांटिक फिल्ममेकर हैं जो हर बार, मिलती जुलती कहानी में भी नया तड़का, नए मसाले से बनाकर नया फ्लेवर ले आते हैं। कुनाल इससे पहले जन्नत, जन्नत 2, तुम मिले और राजा नटवरलाल नामक फिल्में बना चुके हैं। एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म में भी थ्रिल कैसे रखा जाता है, ये कुनाल बखूबी जानते हैं। साथ ही फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान और भूषण कुमार भी इन दिनों अच्छी फिल्मों में ही हाथ डालते नज़र आ रहे हैं

कहानी एक शादी के जलसे से शुरु होती है। गौतम कपूर (मोहित रैना) अपने प्यार की कहानी बता रहे हैं कि कैसे वह फ्रेंच सीखते–सीखते उसी क्लास में 'इरा' (डायना पेंटी) को अपना दिल दे बैठते हैं। इस शादी में कुछ गेट क्रेशर जग्गी उर्फ़ जोगिन्दर (सनी कौशल) और उसके दोस्त भी शामिल हैं जो बस मुफ्त की दारू पीने, खाना खाने आए हैं। लेकिन गौतम जब अपने दादाजी की अंगूठी को देख एक स्पीच देता है, तब जग्गी भूल जाता है कि वो गेट क्रेशर है और स्पीच की तारीफ करने पहुँच जाता है, फिर पकड़ा जाता है और शादी से बाहर कर दिया जाता है।

यहाँ कहानी तीन साल का गैप लेती है और फ्रांस की वादियों में फंसे कुछ पाकिस्तानी, बांग्लादेशी और श्रीलंकन रिफ्यूजीज़ के बीच हमारा जग्गी भी होता है। अब जग्गी लंदन जाने से पहले ही पकड़ा जाता है और इसे डिटेंशन सेंटर में डाल दिया जाता है। यहीं फ्रांस में, गौतम कपूर इंडियन फोरेन सर्विस की तरफ से डिप्लोमेट की हैसियत से मौजूद होता है और उसका जग्गी से आमना सामना हो जाता है।

यहाँ जग्गी उसे बताता है कि वो इतनी दूर सिर्फ अपनी मुहब्बत कार्तिका (राधिका मदान) से मिलने आया है

स्टोरी फिर 3 महीने फ्लैशबैक में जाती है और दिखाया जाता है कि कैसे जग्गी कार्तिका से मिला और दोनों को प्यार हुआ।

कहानी भले ही एक डेस्परेट लव स्टोरी के इर्द–गिर्द घूमती हो पर फिल्म का ट्रीटमेंट बिल्कुल नया है और इसके लिए राइटर्स 'श्रीधर राघवन और धीरज रतन तारीफ के हक़दार हैं। फिल्म के डायलॉग्स भी अच्छे हैं।

"तुम मुझे फ्रांस में नहीं मिलती तो लन्दन में मिलती, जर्मनी में मिलतीं, किसी गाँव, किसी गली किसी कूचे में ज़रूर मिलतीं, क्योंकि तुम्हें मुझसे मिलना ही था, क्योंकि तुम किस्मत हो मेरी"

इस डायलॉग पर ही पूरी फिल्म का सार रचा–बसा है। इसके अलावा ह्यूमरस डायलॉग भी बहुत मारक हैं।

डायरेक्टर कुनाल देशमुख ने फिल्म को सुस्त नहीं होने दिया, एक के बाद एक ट्विस्ट टर्न्स आते रहे और एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होने के बावजूद स्क्रीन से निगाह हटाने के मौके नहीं मिले। लेकिन ओवर ट्विस्टी करने के चक्कर में अंत बहुत बेतुका हो गया और ख़ास आख़िर के 7 मिनट्स ने फिल्म को पहाड़ की चोटी से खाई में धक्का देने का काम किया।

तारीफ के खाते में सनी कौशल का करैक्टर 'जग्गी सहगल' लिखने वाले की झोलियाँ भी भरी जानी चाहिए क्योंकि ये करैक्टर ही ऐसा है कि इससे दिल मिल जाता है, ये शुरुआत में अझेल, बदतमीज़, चीप, अनोयिंग, ओवर कॉफिडेंट लगता है पर धीरे–धीरे इस करैक्टर से मुहब्बत हो जाती है।

SHIDDAT
FIRST DAY FIRST SHOW
STREAMING FROM OCT 1
Disney+ hotstar

एक्टिंग के खाते में सनी कौशल की तुलना उनके बड़े भाई 'विकी कौशल' से करने की कोई ज़रूरत नहीं है। उनकी एक्टिंग स्टाइल, बॉडी लैंग्वेज, डायलॉग डिलीवरी सब बिल्कुल अलग और यकीनन फ्रेश है। हाँ, कुछ एक जगह पर वो रणवीर सिंह के फैन ज़रूर नज़र आते हैं, पर ओवर आल सनी कौशल के कन्धों पर ये फिल्म थी और उन्होंने अपने करैक्टर निभाया भी वैसे ही है।

मोहित रैना अपने करैक्टर के साथ इन्साफ करते नज़र आए हैं। उनकी एक्टिंग तो अच्छी होती ही है, उनके एक्सप्रेशन्स भी लाजवाब हैं।

डायना पेंटी और राधिका मदान जम के रोई हैं, दोनों में शायद कोई प्रतिस्पर्धा थी जो लीड एक्ट्रेस होने की वजह से राधिका ने जीत ली है। डायना छोटे रोल में भी अच्छी लगी हैं, राधिका एक्ट्रेस अच्छी हैं पर उनके एक्सप्रेशंस बहुत लिमिटेड हैं, आप अंग्रेज़ी मीडियम और पटाखा देख चुके हैं तो ये बात बेहतर समझ सकते हैं।

बाकी सपोर्टिंग कास्ट ने बहुत अच्छी एक्टिंग की है, सनी कौशल के दोनों दोस्तों की कॉमिक टाइमिंग बहुत अच्छी है।

फिल्म का म्यूजिक लस्सी की तरह कई म्यूजिक डायरेक्टर्स की मेहनत से बना है, लेकिन मुख्यत इसमें मनन भारद्वाज के 3 गाने हैं, जिनमें ओरिजिनल सिर्फ शिद्दत का टाइटल ट्रैक है जिसमें मेल वोइस मनन भारद्वाज ने खुद दी है और फीमेल वर्शन में रीसेंट श्रीलंकन सेंसेशन सिंगर योहानी हैं। मनन के म्यूजिक में मास्टर सलीम की आवाज़ लिए नुसरत साहब की ट्रेडिशनल कब्वाली 'अंखियाँ उडीक दियां' भी थी, जो भला हो कि फिल्म में नहीं है। हाँ, पंजाबी शादियों का ट्रेडिशनल गीत 'चिट्टा कुक्कड़ बनेरे ते' मनन ने बहुत अच्छा गाया है। मनन के साथ साथ सचिन–जिगर और गौरव दास–गुप्ता का भी एक एक गाना है।

ओवरआल म्यूजिक अच्छा है।

एडिटिंग श्रीकर प्रसाद ने की है, उन्होंने पूरी फिल्म टाइट रखी है, कोई फ़ालतू सीन नहीं खिंचने दिया है, जाने क्यों आख़िर के 7 मिनट उन्होंने एडिट नहीं किए। ख़ास इस एक्स्ट्रा टाइम के चलते फिल्म की आत्मा ख़त्म की गयी है।

कुलमिलाकर ये फिल्म वन टाइम वाच है, ओवर ट्विस्ट करने के चक्कर में कुनाल देशमुख क्लाइमेक्स का बुरा हाल न करते, तो ये फिल्म मस्ट वाच मूवी की केटेगरी में आ सकती थी। और हाँ, शिद्दत लफ्ज़ का सही मतलब जानना बहुत ज़रूरी है, इसका मतलब डेस्परेशन से मिलता–जुलता है जो टाइटल ट्रैक में बिल्कुल सूट नहीं कर रहा है। साथ ही, फिल्म में बहुत से फेक्चुअल एरर्स हैं, मसलन एक आईएफएस ऑफिसर को एक हवलदार तक मुहैया नहीं किया गया, डिप्लोमेट तक अब पूरी दाढ़ी बढ़ाकर ऑफिस जाते हैं आदि, आधा दर्जन हैं. मगर फिर भी, कीड़े निकालने की आदत न हो तो फिल्म वन टाइम वाच अवश्य है.

Trailer Review: विकी कौशल की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'सरदार उधम' का ट्रेलर हुआ रिलीज

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

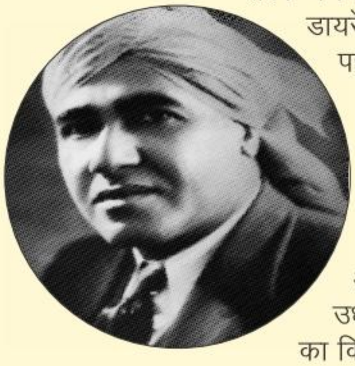

विकी कौशल के पास इन दिनों एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट्स हैं, जहाँ वो एक तरफ मेघना गुलजार जैसी डायरेक्टर के साथ भारत के पहले चीफ मार्शल और 1971 वॉर के हीरो 'सैम मानेकशॉ' का किरदार निभाने की तैयारी कर रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर शूजित सरकार की आने वाली फिल्म 'सरदार उधम' में सरदार उधम सिंह का किरदार निभा रहे हैं।

जैसा आपने ट्रेलर में देखा, फिल्म सिर्फ विकी कौशल के इर्द–गिर्द बुनी हुई ही नजर आती है। पहले ट्रेलर में शहीद–ए–आजम सरदार उधम सिंह के सिख वाले हिस्से को नहीं दिखाया गया है, हालाँकि मोशन पोस्टर में विकी कौशल पूरी दाढ़ी और पगड़ी में नजर आए थे।

इस ट्रेलर में सबसे अच्छी बात ये है कि शूजित सरकार की सिनेमेटोग्राफी बहुत प्रभावित कर रही है वहीं सबसे बड़ी कमी ये है कि ट्रेलर ठीक से एडिट नहीं हुआ है। जो ट्रेलर का आखिरी सीन है वो पहला सीन होता तो दर्शकों पर बेहतर प्रभाव पड़ सकता था। दूसरी कमी है कि विकी कौशल के सिवा किसी भी अन्य अच्छे एक्टर पर फोकस नहीं किया गया है। तीसरी दिक्कत इस ट्रेलर का बैकग्राउंड म्यूजिक है जिसमें बिल्कुल भी दम नजर नहीं आ रहा है जबकि शांतनु मोइत्रा (इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर) 3 इडियट्स, राजनीति आदि में अच्छा म्यूजिक कम्पोज कर चुके हैं। इसके साथ ही मैं ये भी मेंशन करना चाहूँगा कि ट्रेलर बहुत डार्क है जो शायद 1930–40 का इफेक्ट दिखाने के लिए डेलिबरेटली किया गया है।

फिल्म का नाम भी सरदार उधम सिंह से बदलकर सरदार उधम कर दिया गया है। जबकि पंजाब के हर अजायबघर में सरदार उधम सिंह के नाम से पहले शहीद जरूर लिखा जाता है।

कुलमिलाकर बेसब्री से इंतजार करते सरदार उधम सिंह के फैन्स को ये ट्रेलर निराश कर सकता है। लेकिन इसका ये मतलब बिल्कुल नहीं है कि यह फिल्म भी निराश ही करेगी। शूजित सरकार जैसे काबिल डायरेक्टर पर आप शक नहीं कर सकते। हाँ, ट्रेलर ऐसा अप्रभावशाली होने की वजह 16 अक्टूबर की विंडो में रिलीज करने का अचानक हुआ फैसला हो सकती है। हालांकि शूजित सरकार की पिछली फिल्म 'गुलाबो–सिताबो' दर्शकों को बिल्कुल पसंद नहीं आई थी। पर विकी डोनर, मद्रास कैफे, पिकू, पिंक और अक्टूबर जैसी नायाब फिल्में बनाने वाले शूजित सरकार को आप एक खराब फिल्म की वजह से नकार नहीं सकते।

इस ट्रेलर रिएक्शन के बाद बहुत उम्मीद है कि अगले सोम–मंगल में हमें फिल्म का एक और ट्रेलर देखने को मिले।

सरदार उधम 16 अक्टूबर से 'अमेजॉन प्राइम वीडियो' ओटीटी प्लेटफोर्म पर स्ट्रीम होगी

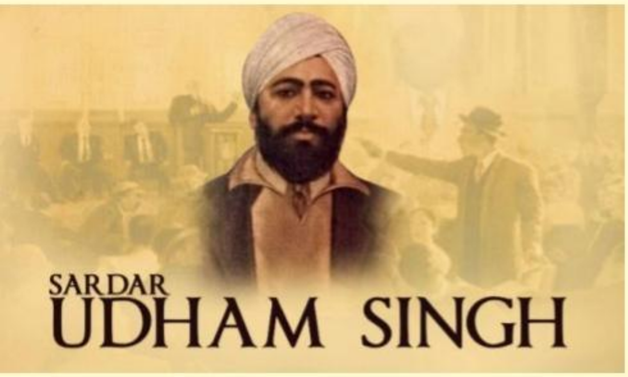

ज्योति के जलवे

ज्योति वेंकटेश

दीपक मुकुट की 'अपने 2', धर्मेंद्र, सनी और बॉबी देओल स्टारर मार्च 2022 में फ्लोर पर जाने के लिए पूरी तरह तैयार है!

दीपक मुकुट की अपने 2, धर्मेंद्र, सनी और बॉबी देओल स्टारर मार्च 2022 में फ्लोर पर जाने के लिए पूरी तरह तैयार है! यह बहुत समय पहले नहीं था जब सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के निर्माता दीपक मुकुट और निर्देशक अनिल शर्मा ने पारिवारिक नाटक की दूसरी किस्त की घोषणा की थी।, अपने 2 में धर्मेंद्र, सनी और बॉबी देओल की शानदार तिकड़ी के अलावा कोई नहीं है। दीपक मुकुट निर्मित और अनिल शर्मा निर्देशित फिल्म इस महीने यूके में फर्श पर जाने के लिए तैयार थी और करण देओल, सनी देओल के साथ काम करने के बाद शूटिंग शुरू हुई थी। बेटा। हालांकि, फिल्म के निर्माताओं ने कई कारकों के कारण शुरुआत को आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

गतिशील निर्माता दीपक मुकुट कहते हैं, "फिल्म की शूटिंग पूरे लंदन में होनी है। चूंकि अब दुनिया भर में चीजें खुलनी शुरू हो गई हैं, निर्देशक अनिल शर्मा और मैंने सोचा कि परियोजना को कुछ महीनों के लिए आगे बढ़ाना और स्थिति अधिक अनुकूल होने पर शूटिंग करना सबसे अच्छा होगा। इस निर्णय को प्रभावित करने वाला एक अन्य कारक फिल्म के लिए करण की तैयारी थी, उसे बॉक्सिंग में प्रशिक्षित होना था। हालांकि, यूएस–आधारित मुक्केबाज, जिसे अपने प्रशिक्षण के लिए शामिल किया गया था, भारत के लिए उड़ान भरने में असमर्थ रहा है। " इसके अलावा, अनिल शर्मा, दूरदर्शी ने इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि "फिल्म अब आगे बढ़ा दी गई है। हम करेंगे मार्च 2022 तक शूटिंग शुरू कर देंगे और वास्तव में इसके लिए उत्साहित हैं।"

अपने, जो 2007 में रिलीज़ हुई थी, एक कल्ट फिल्म बन गई थी और बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट थी, इसलिए फिल्म की दूसरी किस्त केवल स्वाभाविक थी। महान अभिनेता धर्मेंद्र देओल और प्रतिभाशाली सनी, बॉबी और करण देओल के साथ, अपने 2 निश्चित रूप से एक सुपर सफल फिल्म फ्रेंचाइजी के रूप में मनोरंजन इतिहास में नीचे जाएगा!

वायरल हिट सिंगल 'टच इट' के साथ झपकप का वैश्विक दबदबा

घाना के कलाकार किडी (पकप) का वास्तविक नाम डेनिस नाना डावमेना हैं जिन्होंने जून में अपना नया एकल 'टच इट' जारी किया– एक एफ्रोबीट्स ने इस हाई–लाइफ एंथम को शामिल किया – जो विश्व प्रभुत्व हासिल करने के लिए हैं। 'किडी टच इट चैलेंज' को अब टिकटॉक पर 125 मिलियन+व्यूज, 275K+ यूनिक रील्स और ट्रिलर पर 800K+ व्यूज मिल चुके हैं। 'टच इट' वर्तमान में 24 से अधिक देशों में शाज़म पर विश्व स्तर पर चार्टर्ड कर रहा है। यहीं नहीं रुकने वाला एकल बिलबोर्ड वर्ल्ड डिजिटल चार्ट पर #20 पर शुरू हुआ और वर्तमान में यूके एफ्रोबीट्स आधिकारिक चार्ट पर #8 पर बैठा है। अभी तक, इस गाने नैं चवजपलि पर 10 मिलियन ऑडियो स्ट्रीम को पार कर लिया है। भारत में इस गाने का क्रेज लाखों व्यूज से स्पष्ट है कि अपलोड किए गए वीडियो सोशल वीडियो शेयरिंग ऐप्स पर #TouchItChallenge के माध्यम से उत्पन्न हो रहे हैं। शीर्ष भारतीय प्रभावितों, मशहूर हस्तियों और बॉलीवुड हस्तियों ने इस चुनौती को लीया है। फराह खान, शिल्पा शेट्टी, मलाइका और अमृता अरोड़ा, रेमो डिसूजा, नतासा स्टेनकोविक, गौहर खान, सोफी चौधरी, उर्वशी रौतेला ऐसे ही कुछ नाम हैं जिन्होंने इस गाने पर नाचते हुए अपने वीडियो पोस्ट किए हैं।

डांस विद माधुरी अपने प्लेटफॉर्म पर फ्री गरबा लेसन प्रदान करती है

कोविड 19 के कारण हम सभी जिस संकट का सामना कर रहे हैं, उसके साथ डांस विद माधुरी न केवल गरबा सीखने के लिए बल्कि इसे खेलने के लिए भी एक अनूठा समाधान लेकर आई है। नवरात्रि की भावना का जश्न मनाने के लिए, डांस विद माधुरी ने #2021 गरबा अनुभव अभियान शुरू किया है। प्रीमियर ऑनलाइन डांस अकादमी फ्री क्लास भी देगी जहां दर्शक सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफरों से क्लासिक गरबा स्टेप्स सीख सकते हैं। इतना ही नहीं, सबसे खास बात यह है कि दर्शक नृत्य प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं और टॉप 9 प्रविष्टियों के प्रदर्शन को उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 7 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक एक–एक करके दिखाया जाएगा और उन्हें मुफ्त डीडब्लूएम सदस्यता और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। एक ग्रैंड विनर को खुद डांसिंग दिवा माधुरी दीक्षित की ओर से एक पर्सनलाइज्ड वीडियो मैसेज मिलेगा।

संजय और बिनैफर कोहली के 'भाबीजी घर पर हैं' ने प्रतिष्ठित कॉमेडी सीरियल ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता

'कॉमेडी के राजा' संजय कोहली और उनकी पत्नी बिनैफर कोहली ने हाल ही में आयोजित आइकॉनिक अवॉर्ड्स 2021 में अपने शो "भाबीजी घर पर है" के लिए आइकॉनिक कॉमेडी सीरियल ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता। इस जोड़ी ने अपने बैनर एडिट II के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन हाउस का पुरस्कार भी अपने नाम किया। यह उनकी कॉमेडी गाथा "भाबीजी घर पर है" के लिए जीते गए कई पुरस्कारों में से एक है। उन्होंने चैनल, प्रिय कलाकारों और क्रू की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया। यह शो पहली बार मार्च 2015 में ऑन–एयर हुआ था और दो पड़ोसियों तिवारी और मिश्रा के बीच मजेदार मजाक को चित्रित करके हंसी दिलाने के लिए जाना जाता है। यह शो पिछले छः वर्षों से अधिक समय से दर्शकों की हंसी का पात्र बना हुआ है और इसने उन्हें अपने टीवी स्क्रीन से जोड़े रखा है। कई लोगों ने तो इस शो को लॉकडाउन के कठिन समय में अपनी खुशी का स्रोत भी बताया हैं। "भाबीजी घर पर है" में आसिफ शेख, रोहिताश्व गौर, शुभांगी अत्रे और नेहा पेंडसे मुख्य भूमिकाओं में हैं।

ऐ हेलो! टिप्स गुजराती के नए ट्रैक 'माँ ना रथडा' के साथ नवरात्रि मनाएं

उत्सव की भावना को भिगोना! यह नवरात्रि, देवी को उनकी कई अभिव्यक्तियों में मनाती है, जिसमें "माँ ना रथडा" नामक टिप्स म्यूजिक से नवीनतम संगीत रिलीज़ होता है। जिसके गीतकार– प्रिया सरैया, संगीत– दिव्य कुमार, वीडियो निर्देशक– करण घोड़ा हैं। यह देवी के प्रमुख पहलुओं का जश्न मनाता है। नवरात्रि के दौरान, दिव्य स्त्री को समर्पित एक त्योहार, देवी अपने कई रूपों में प्रकट होती है। दिव्या कुमार का कहना है कि "माँ ना रथडा" एक खुशमिजाज, फुट टैपिंग गरबा है जिसमें चंचल लेज़िम बीट्स का मिश्रण है। प्रिया और मैंने गुजरात में 10 से अधिक वर्षों से नवरात्रि के दौरान प्रदर्शन किया है, इसलिए यह त्योहार मेरे दिल के बहुत करीब है और हर साल मैं गरबा गीत गाकर "माताजी" का आशीर्वाद लेता हूं। मैंने लॉकडाउन के दौरान "माँ ना रथडा" की रचना की और मुझे खुशी है कि इसे टिप्स गुजराती यूट्यूब चैनल के मंच पर जारी किया गया है। टिप्स के साथ गाने करना हमेशा से बहुत अच्छा रहा है।

MAA NA
RATHDA
માં ના
રથડા
ER & MUSIC
KUMAR

मुंबई में लगेगी दादा साहब फाल्के की 15 फीट ऊंची प्रतिमा

भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के के सम्मान में एक भव्य प्रतिमा देश की मनोरंजन राजधानी मुंबई के बांद्रा में बनने वाली है। यह प्रतिमा मुंबई के सबसे बड़े फिल्म और रिकॉर्डिंग स्टूडियो में से एक महबूब स्टूडियो के सामने एक बगीचे में बनाई जाएगी। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने कहा, "हम सब यहां उस महान व्यक्ति की वजह से हैं। यह समय दादा साहब फाल्के की प्रतिमा का है।" यह प्रतिमा 15 फुट ऊंची और तीन फुट की होगी। तिवारी ने गुरुवार को कहा, "कुल मिलाकर, यह लगभग 18 फीट का होगा और इसमें एक स्मारक पट्टिका और प्रकाश की सुविधा होगी।" FWICE ने दादासाहेब फाल्के आइकन अवार्ड फिल्म्स ऑर्गनाइजेशन (DPIAF), केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला और मुंबई उत्तर के सांसद गोपाल शेट्टी सहित अन्य लोगों के साथ पहल की है। तिवारी, एफडब्ल्यूआईसीई के कोषाध्यक्ष गंगेश्वर लाल श्रीवास्तव, डीपीआईएएफ के संस्थापक कल्याणजी जाना ने स्वतंत्रता के 75 साल के जश्न के मौके पर परियोजना को पूरा करने के लिए दिसंबर 2021 की समय सीमा तय की है। धुंडीराज गोविंद फाल्के, जिन्हें दादा साहब फाल्के (30 अप्रैल 1870 – 16 फरवरी 1944) के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय निर्माता–निर्देशक–पटकथा लेखक थे।

अमिताभ बच्चन-इमरान हाशमी स्टारर चेहरे अब अमेज़ान प्राइम वीडियो पर हुए स्ट्रीम

निर्माता आनंद पंडित और अमिताभ बच्चन की मिस्ट्री थ्रिलर और एज–ऑफ–द–सीट ड्रामा चेहरे, जो 27 अगस्त को सिनेमाघरों में सफल रही, अब 240 देशों और क्षेत्रों में अमेज़ॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग कर रही है। फिल्म में मेगास्टार अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी पहली बार एक–दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। रूमी जाफरी द्वारा निर्देशित, चेहरे में अन्नू कपूर, क्रिस्टल डिसूजा, धृतिमान चटर्जी, रघुबीर यादव, सिद्धांत कपूर और रिया चक्रवर्ती भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। चेहरे का निर्माण आनंद पंडित मोशन पिक्चर्स और सरस्वती एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है। अमेज़ॉन प्राइम वीडियो के साथ सहयोग करने पर, निर्माता आनंद पंडित ने कहा, "नाटकीय रिलीज के लिए दर्शकों से अपार सराहना मिलने के बाद, हमें खुशी है कि हमारी फिल्म अब अमेज़ॉन प्राइम वीडियो के माध्यम से व्यापक दर्शकों तक पहुंचेगी। चेहरे एक जीवन से बड़ी मनोरंजक थ्रिलर है, जिसे भारतीय फिल्म उद्योग के कुछ सबसे प्रतिभाशाली नामों के साथ जीवंत किया गया है। यह एक आदर्श दृश्य अनुभव है जो पहली बार इमरान हाशमी के साथ मिस्टर अमिताभ बच्चन का आमना–सामना करेगा। दिलचस्प कहानी, शक्तिशाली संवाद, वैश्विक शैली के संगीत और स्थानों के लिए अद्वितीय कास्टिंग से, चेहरे वास्तव में आपकी व्यक्तिगत स्क्रीन पर आनंद लेने के लिए उपलब्ध है। हम अमेज़ॉन प्राइम वीडियो के साथ सहयोग करने और दर्शकों को रहस्य थ्रिलर दिखाने पर खुश हैं।"

ANAND PANDIT MOTION PICTURES AND
SARASWATI ENTERTAINMENT PVT.LTD. PRESENT
CHEHRE
DIRECTED BY RUMY JAFRY
PRODUCED BY ANAND PANDIT AND SARASWATI ENTERTAINMENT PVT.LTD.

अपेक्षा फिल्म्स एंड म्यूजिक रेणुका पंवार और आकाश दीक्षित की सनसनीखेज आवाज में हरियाणवी गीत पेश करता है

अपेक्षा फिल्म्स एंड म्यूजिक जैजअप एंटरटेनमेंट के सहयोग से 'सूट पटियाला' के साथ धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो हरियाणवी गीत है जिसमें फुट–टैपिंग संगीत और आकर्षक बोल हैं। हाई–ऑन–टेम्पो गीत में मॉडल कोमल गुगनानी के साथ हरियाणवी संगीत संवेदनाएं रेणुका पंवार और आकाश दीक्षित शामिल हैं। 'सूट पटियाला' का संगीत जीआर पानीपत ने दिया है, जबकि गीत मीत निकम्मा ने लिखे हैं। संगीत वीडियो का निर्देशन फरिस्ता ने किया है और अजय जसवाल द्वारा निर्मित है। नवीनतम गीत 'सूट पटियाला' के बारे में बात करते हुए, अपेक्षा फिल्म्स एंड म्यूजिक के अजय जसवाल कहते हैं, "सूट पटियाला' दिल को छू लेने वाली धड़कनों और अनोखे बोलों से भरा हुआ है जो निश्चित रूप से दर्शकों को तुरंत डांस फ्लोर पर ला देगा। हम मस्ती, म्यूजिकल बीट्स और हर उस चीज से भरे इस गाने की रिलीज के लिए उत्साहित हैं। '52 गज का दमन' और 'काला दमन' फेम हरियाणवी गायिका रेणुका पंवार और 'मोर बना दूंगा' फेम हरियाणवी गायक आकाश दीक्षित 'सूट पटियाला' की रिलीज को लेकर काफ़ी उत्साहित हैं। संगीत प्रेमी अपेक्षा फिल्म्स एंड म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर 'सूट पटियाला' देख सकते हैं, जबकि हंगामा, गाना, विंक म्यूजिक, जियोसावन, स्पॉटिफाई, रेसो, अमेजन म्यूजिक, एप्पल म्यूजिक और आईट्यून्स पर फुट–टैपिंग सॉन्ग को सुना जा सकता है।

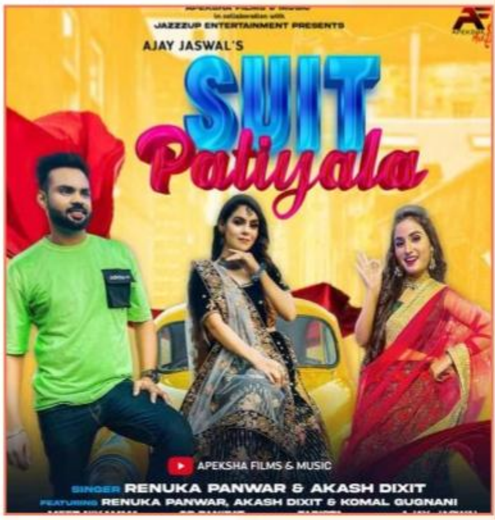
JAZZZUP ENTERTAINMENT PRESENTS
AJAY JASWAL'S
SUIT
Patiyala
APEKSHA FILMS & MUSIC
SINGER RENUKA PANWAR & AKASH DIXIT
FEATURING RENUKA PANWAR, AKASH DIXIT & KOMAL GUGNANI

एकम बावा का नया पंजाबी गाना अडब जट का टीजर हुआ रिलीज़ फैंस इस टैलेंटेड लसगर की तारीफ करना बंद नहीं कर सकते

—मायापुरी प्रतिनिधि

एकम बावा जो हमेशा पंजाबी उद्योग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, गायक ने आखिरकार आपने नए गाने का इंतज़ार हुआ पूरा 'अडब जट' नामक गीत के सात

गाने का टीजर रीलीज़ हो गया है और फैंस गाने के टीजर पर प्यार दिखाने से खुद को रोक नहीं पा रहे है

मुझे यह घोषणा करते हुए वास्तव में खुशी हो रही है कि आखिरकार मेरा नया गाना अडब जट का टीज़र रिलीज़ हो गया है, मैं अपने सभी प्रशंसकों को मेरे नए गाने को पसंद करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता क्योंकि उन्होंने हमेशा मेरे पिछले सभी गाने पर अपना प्यार बरसाया है अडब जट एक अद्‌भुत ग्रूवी रोमांटिक गाना है, जिसमें एक प्यारी सी प्रेम कहानी को दर्शाया गया है। गाने की शूटिंग करना वास्तव में एक अद्‌भुत अनुभव था। इस गाने की सबसे अच्छी बात आकर्षक बीट्स और गीत हैं जो आपको प्यार में डाल देगा। टीजर को सभी ने काफी सराहा है और अब मैं अपने फैंस के रिएक्शंस गाने के प्रति देखने के लिए इन्तजार नही कर सकता, गाना जल्द ही रिलीज़ होगा।'' कहते है गायक एकम बावा

एकम बावा ने हाल ही में अपना खुद का म्यूजिक लेबल 'एकम बावा' लॉन्च किया था। अपनी सुरीली आवाज से बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री पर राज करने के लिए पूरी तरह से अब तैयार हैं।

काम के मोर्चे पर– एकम बावा अब अपने नए आने वाले गानो के साथ बॉलीवुड उद्योग पर राज करने के लिए पूरी तरह से तैयार है और उनका सबसे प्रसिद्ध गीत 'ललकारे' 14 मिलियन से अधिक व्यूज प्राप्त कर चूका है। उन्होंने 'लव यू', 'बुग्गा बुग्गा', ललकारे , 4 दिन, 'जिद्दी जट्टी', 'पी पी के', 'रीझ दिल दी', 'स्नाइपर', 'फेक बंदे', 'लव यू', 'फर्जी बंदे' जैसे गाने भी कंपोज और गाये हैं। लव यू जट्टा', सरदारनी, 'रीझ', 'यार मार', 'मुंडा मिस करदा'। उनके पास अपने सभी प्रशंसकों को पेश करने के लिए बकेट लिस्ट में और भी प्रोजेक्ट हैं जिनकी घोषणा गायक जल्द ही करेंगे।

KANSAS
US
66
66
ILLINOIS
US
66

फिर से शुरू होने वाला है एएलटी ईएफएफ का मनोरंजक और सम्मोहक फेस्टिवल

– सुलेना मजुमदार अरोरा

अपने दूसरे संस्करण में, यह फेस्टिवल अपने दर्शकों के लिए आकर्षक पर्यावरणीय आख्यान लेकर आया है।

9 और 17 अक्टूबर के बीच होने वाला, ALT EFF फेस्टिवल की तैयारी शुरू हो चुकी है जिसमें हर बार की तरह इस बार भी फेसिवल की एक प्रतिष्ठित ज्यूरी और सलाहकार टीम द्वारा देखरेख की जाने वाली पर्यावरणीय फिल्मों की एक सम्मोहक और मनोरंजक श्रृंखला रखी जाती है। अपने दूसरे संस्करण में, यह फेस्टिवल अपने दर्शकों के लिए आकर्षक पर्यावरणीय आख्यान लेकर आया है। कार्यक्रम में 44 फिल्में हैं, जिन्हें ध्यान से दस फिल्म बंडलों में विभाजित किया गया है। फ़िल्म ड्राइव–थ्रू शॉर्ट्स, एक्टिविज़न, मिडनाइट टेल्स, व्हाट्स ऑन योर प्लेट?, सैपलिंग स्टोरीज़ (किड्स फ्रेंडली), फ्लक्स एंड फॉर्म, ए चेज़ ऑफ़ होप, न्यू वॉइसेस, डीप डाइव कहानिया, और प्रोग्रामर्स चॉइस, कुल 31 देशों का प्रतिनिधित्व करती है और 33 फिल्में पहली बार भारत में प्रीमियर प्रदर्शित होगी। इस वर्ष के संस्करण में, अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म, अंतर्राष्ट्रीय शार्ट फिल्म, भारतीय फीचर फिल्म और भारतीय शॉर्ट फिल्मों के साथ साथ, एक नई फिल्म सबमिशन श्रेणी में 'युवा वर्ग' भी होगी। मूल रूप से, ALT EFF की कल्पना एक फिज़िकल उत्सव के रूप में की गई थी, लेकिन इस वर्ष, सभी फेस्टिवल्स के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, ALT EFF ने इस उत्सव को वर्चुअली तय किया जा रहा है।

''सोफी विसिवरमन'' फेस्टिवल की सलाहकार के तौर पर ''लीजेंडरी माइक पांडे'' के साथ टीम में शामिल हुई है। माइक ने पर्यावरण और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में 35 साल से अधिक का समय बिताया है। इनके साथ ग्लिच की सीईओ ''पूजा जौहरी '' भी शामिल हैं। जूरी में अमीन हाजी, आनंद पटवर्धन और सौरव सारंगी के साथ माइकल स्नाइडर, प्रसिद्ध और सम्मानित फोटो जर्नलिस्ट तथा कई फिल्म निर्माता भी शामिल हैं। इस उत्सव का प्रतिनिधित्व करने वाले अम्बेस्डर्स में उद्योग के कई अन्य प्रमुख हस्तियों में जैकी श्रॉफ और मृण्मयी देशपांडे भी शामिल हैं। संस्थापक टीम में कुणाल खन्ना, नेहा श्रेष्ठ और रुद्रांश माथुर शामिल हैं।

संस्थापक सदस्य और फेस्टिवल के निदेशक, कुणाल खन्ना कहते हैं, "मनुष्य एक एक्सिस्टेंशियल संकट में है और यह इस बात का परिणाम है कि हम अपने अलावा अन्य सभी प्रजातियों और पारिस्थितिक तंत्रों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं। हमें अपने काम करने के तरीके में एक ओरिजनल और व्यवस्थित बदलाव की आवश्यकता है। फिल्म को अपने मुख्य माध्यम के रूप में उपयोग करते हुए, ALT EFF एक ऐसा मंच और संगम है जो जलवायु, आपातकाल को संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण सोच को नर्चर और प्रेरित करेगा।"

एएलटी ईएफएफ उन फिल्म निर्माताओं, रचनाकारों और कलाकारों को समर्थन देने के लिए समर्पित है जो अपनी प्रभावशाली कहानी के माध्यम से दर्शकों को पर्यावरणीय विषयों से जोड़ने के लिए उत्सुक हैं। यह कला के माध्यम से लोगों को एक साथ लाने और जलवायु आंदोलन से जुड़े मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर स्थापित किया गया था।

वन्यजीव फिल्म निर्माता, माइक पांडे कहते हैं, "एएलटी ईएफएफ जैसे पर्यावरण फेस्टिवल हमारे पर्यावरण के मुद्दों को सबसे आगे लाते हैं और व्यवहार्य समाधान पेश करते हैं। वे हमें सही कदम उठाने के लिए प्रेरित और सशक्त करते हैं और हमारे एकमात्र घर, जिसे हम पृथ्वी कहते हैं, की सुंदरता और स्थिरता को बहाल करने के लिए एक पहल लाने का प्रयास करते हैं। " उन्होंने आगे कहा, "एएलटी ईएफएफ जैसे त्यौहार लोगों से संवाद करने और उन्हें संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे उन्हें फिल्मों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में मदद मिलती है। यह वही है, जिसका आप सम्मान करते हैं, जिसे आप प्यार करते हैं और उसकी रक्षा करते हैं।" सह–संस्थापक नेहा श्रेष्ठा कहती हैं,

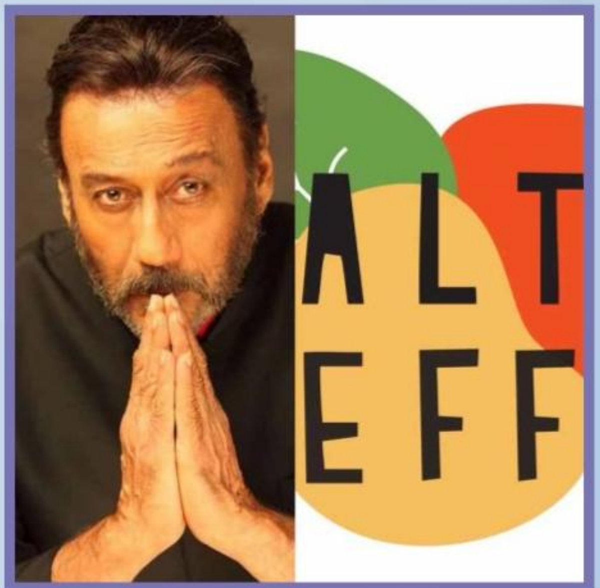

"मनुष्य जो इस ग्रह पर सभी जीवित चीजों में से एक हैं, वास्तव में हर जीवित चीज़ और ग्रह के भाग्य को नियंत्रित करते हैं – हम इस शक्ति के साथ जो करते हैं, वह हमारे सामूहिक भविष्य को बना या बिगाड़ सकता है। एएलटी ईएफएफ फिल्म के शक्तिशाली माध्यम से जागरूकता लाने का हमारा अपना तरीका है। दुनिया में कितनी भी जानकारी या शोध हो, इसका तब तक कोई मतलब नहीं है जब तक कि इसे इस तरह प्रस्तुत नहीं किया जाता है कि लोग इसे समझ सकें। फिल्म यही समझाने का काम करती है।"

एक अन्य सह–संस्थापक मैरी लुइस शेगा कहती हैं, "एएलटी ईएफएफ जितना एक उत्सव है उतना ही एक कॉल टू एक्शन है। हम एक भव्य दृष्टिकोण से प्रेरित हैं। एक स्थायी भविष्य का सह–निर्माण करने के लिए और सहयोग की विविधता के लिए और बड़े सपने देखने का साहस रखने की इस इच्छा ने हमारे त्योहार कार्यक्रम को आकार दिया है। हमारे द्वारा चुनी गई फिल्मों में कई कहानियां जटिल लगती हैं, कुछ ध्रुवीकरण करती हैं, जो बड़े पैमाने पर पर्यावरण संकट को दर्शाती हैं। फिर भी, जैसे ही क्रेडिट रोल होता है और स्क्रीन काली हो जाती है, हम चाहते हैं कि दर्शक स्वयं सोचे , अपने स्वयं के वातावरण का पता लगाएं और खुद से पूछें, "मैं अपने समुदाय में कहां बदलाव ला सकता हूं?"

रुद्रांश माथुर कहते हैं, "एएलटी ईएफएफ के माध्यम से, हम पंचगनी को पर्यावरण–जागरूकता का केंद्र बनाने और शहर को स्थायी पर्यटन की दिशा में ले जाने और इसकी प्राकृतिक सुंदरता और अद्वितीय भूगोल को बनाए रखने और बढ़ावा देने की उम्मीद करते हैं।"

अभिनेता **जैकी श्रॉफ** कहते हैं, "एएलटी ईएफएफ (ALT EFF) वास्तव में रोमांचक है और मैं यह देखने के लिए इंतजार कर रहा हूं कि फेस्टिवल में किस प्रकार की फिल्में दिखाई जाएगी।"

अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप अगले साल दस मराठी फीचर फिल्में रोल आउट करेगा

– सुलेना मजुमदार अरोरा

अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप ने विभिन्न जॉनर में मराठी फीचर फिल्मों के निर्माण में कदम रखा है। कुल मिलाकर अल्ट्रा अगले एक साल में 10 फिल्मों को रोल आउट करेगा।

इस कंपनी ने इसके लिए एक अलग बिजनेस यूनिट की स्थापना की है और इसे एक कोर टीम द्वारा संचालित किया जाएगा जिसके पास अपेक्षित विशेषज्ञता है और जो मराठी फिल्म उद्योग से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

इस वर्टिकल अल्ट्रा के तहत रोमांस, ड्रामा, कॉमेडी, फैमिली एंटरटेनर, सोशियो– मायथो, थ्रिलर और इस तरह के अन्य विभिन्न शैलियों में फिल्में पेश की जाएंगी। इस पहल का एक मुख्य उद्देश्य है कि पूरे इको सिस्टम द्वारा प्रतिभाशाली नवागन्तुक एक्टर, कलाकार, निर्देशक, निर्माता, चरित्र कलाकारों, संगीत निर्देशक और अन्य टेक्नीशियन को एक उपयुक्त और योग्य ब्रेक देना है। स्टार कास्ट, निर्देशक, निर्माता, चरित्र कलाकारों, संगीत निर्देशक और अन्य के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में प्रतिभाशाली नवागंतुकों के लिए एक उपयुक्त और योग्य ब्रेक देना है।

इनमें से अधिकांश फिल्मों को इन–हाउस बनाने के अलावा, अल्ट्रा अन्य प्रोडक्शन हाउस और स्टैंडअलोन निर्माताओं के साथ रणनीतिक साझेदारी में इनमें से कुछ फिल्मों का सह–निर्माण भी करेगा। इस विषय को लेकर, प्रोग्रेस के विभिन्न स्तरों पर चर्चा चल रही है। इन सभी फिल्मों में, दर्शकों के लिए असाधारण परफॉर्मेंस, शानदार संगीत और अत्याधुनिक सामग्री के साथ अल्ट्रा प्रोडक्शन वैल्यू और स्टोरी टेलिंग के मामले में पुख्त कदम उठाएगा।

ये सभी फिल्में भारत और विदेशों दोनों में थिएट्रिकल रिलीज के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, यदि सिनेमाघरों को फिर से खुलने में अपेक्षा से अधिक समय लगता है, तो इसे ओटीटी और अन्य प्रसिद्ध डिजिटल प्लेटफॉर्म और सैटेलाइट चैनलों में जारी किया जाएगा।

इन फिल्मों का पोस्ट प्रोडक्शन मुंबई में अल्ट्रा के अत्याधुनिक इनहाउस स्टूडियो में किया जाएगा। जनसंपर्क, सामाजिक और डिजिटल मीडिया प्रचार भी अल्ट्रा की विशेष इनहाउज़ टीमों द्वारा किया जाएगा। अतीत में अल्ट्रा ने प्रसिद्ध मराठी फिल्मों का निर्माण और वितरण भी किया था जैसेः गोंदया मारतय तंगड, लोणावला बायपास, होऊन जाऊ दे!!, आदि।

श्री सुशील कुमार अग्रवाल, सीईओ, अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप ने कहाः "हम 1986 से अल्ट्रा में, दुनिया भर में विभिन्न दिलचस्प सामग्री के निर्माण और वितरण में सबसे आगे रहे हैं। हमारे लिए कस्टमर ऑलवेज फर्स्ट है और दर्शकों की प्राथमिकताओं पर हमारी मजबूत पकड़ है। हाल के दिनों में मराठी सिनेमा का योगदान और दर्शकों की प्रतिक्रिया देखकर हम फिर से मराठी फिल्म उद्योग का हिस्सा बनने के लिए मजबूर महसूस कर रहे हैं। दर्शक प्रोग्रेसिव हो रहे हैं और अधिक कंटेंट ओरिएंटेड मराठी फिल्मों को देखने का विकल्प चुन रहे हैं जो आज के समझदार दर्शकों को अत्यधिक अपील करते हैं। यह उद्योग वर्तमान में एक बहुत ही दिलचस्प दौर से गुजर रहा है और हम प्रतिभाशाली फिल्म निर्माताओं और कलाकारों के लिए एक नया दृष्टिकोण जोड़ने और वैश्विक दर्शकों के लिए कुछ बहुत ही रोचक मनोरंजन का मंथन करने के लिए अपना काम करना चाहते हैं।"

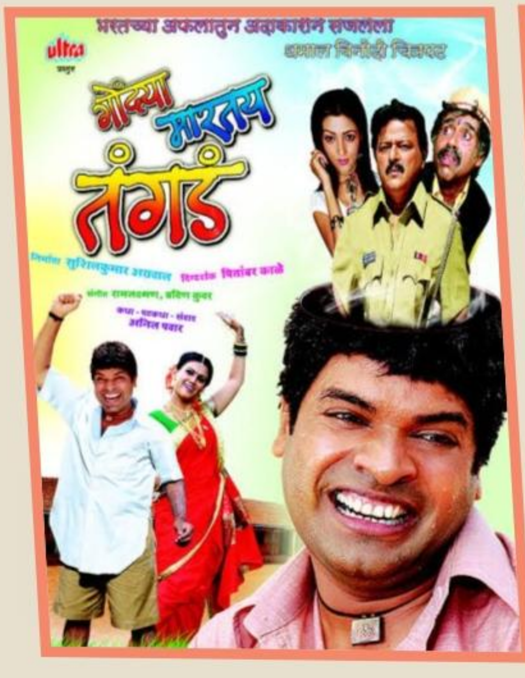

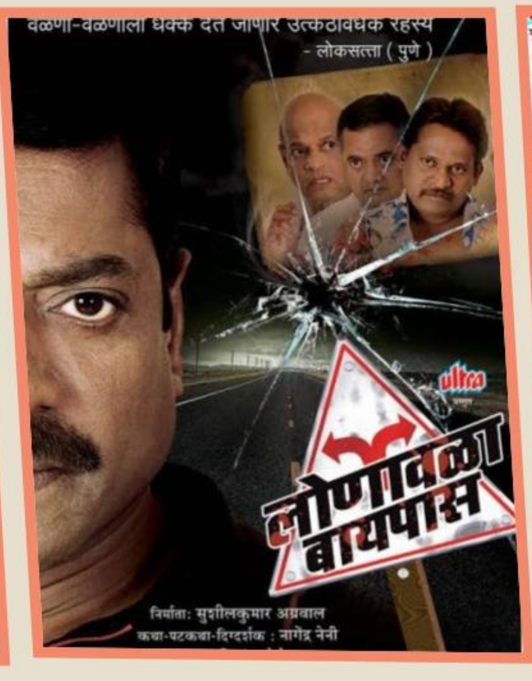
वळणा-वळणाला धक्के देत जाणार उत्कंठावर्धक रहस्य
- लोकसत्ता (पुणे)
ultra
लोणावळा बायपास
निर्माता: सुशीलकुमार अग्रवाल
कथा-पटकथा-दिग्दर्शक : नागेंद्र नेनी

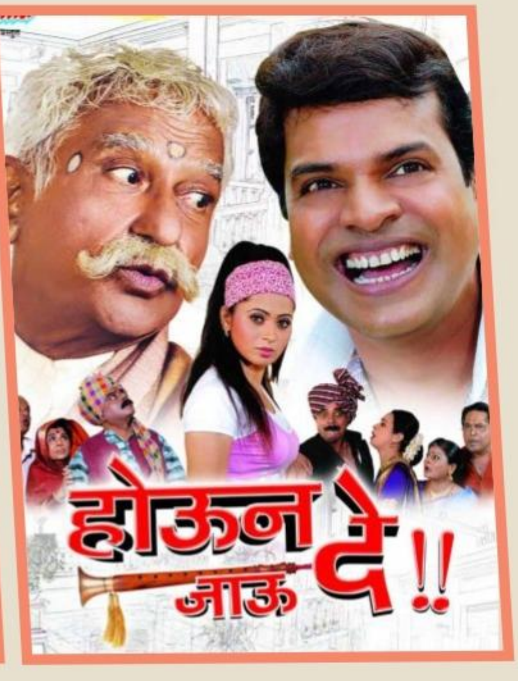

अमिका शैल ने दिखाया अपना 'इंटेंशन'

ज्योति वेंकटेश

गायिका से अभिनेत्री बनी **अमिका शैल** ने वेब फिल्म **'इंटेंशन'** के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। वेब फिल्म में **अली असगर, राहुल देव, ब्रह्मा मिश्रा, रुस्लान मुमताज** जैसे अन्य कलाकार हैं।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए अमिका ने कहा, 'यह फिल्म एज ऑफ द सीट थ्रिलर है जो दर्शकों को बांधे रखेगी कि अगले ही पल क्या हो सकता है। कहानी बहुत ही नयी है, यह तीन दोस्तों के बारे में है जिन्हें चोरी के लिए अनुबंधित किया गया है। लेकिन अंत में जिस घर में वे लूटने के लिए घुसे वही पर फंस जाते है, और एक–एक करके उनकी हत्या हो जाती है। मुझे यकीन है कि दर्शक इसके हर पल का आनंद लेने वाले हैं।''

अभिनेत्री को आखिरी बार ऑल्ट बालाजी के हाई तौबा चैप्टर 3 में एंथोलॉजी में मुख्य किरदार निभाते हुए देखा गया था।

''ओटीटी बूम का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि गैर–पारंपरिक कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए एक महान मंच मिल रहा है। दर्शकों को हमेशा की कहानियों से कुछ अलग देखने को मिल रहा है जो अक्सर बॉलीवुड में देखा जाता था। मुझे उम्मीद है कि यह महामारी खत्म होने के बाद भी सिनेमा का यह नया युग बना रहेगा'' अमिका ने कहा।

अगणनीय वर्ग को प्रमुख बनाते हुए तापसी पन्नू ने 'वल्नरेबल' को भारत में रिलीज किया.

मिलानो फैशन वीक में शॉर्ट फिल्म 'वल्नरेबलः स्कार्स दैट यू डोंट सी' के विश्व प्रीमियर के साथ भारत को गौरवान्वित करने के बाद, अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से भारत में इसे रिलीज किया। क्रिएटिव पावरहाउस शबीना खान और कुलसुम शादाब वहाब एक साथ मिलकर, लघु फिल्म को अब ल्वनज्नइम पर स्ट्रीम कर चुके हैं।

मिलान में मिली प्रशंसा और प्यार के बाद, अब यह शॉर्ट फिल्म इस वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुका है। सुंदरता की परिभाषा को बदलते हुए यह फिल्म समावेशिता और समानता को दर्शाती है। यह पहली भारतीय शॉर्ट फिल्म है जो सुंदरता के नियमित मानकों को अलग करने पर बनी है। इस फिल्म में विभिन्न जाति और होथुर फाउंडेशन के एसिड अटैक सर्वाइवर्स नजर आ रहे हैं।

कुलसुम शादाब वहाब, होथुर फाउंडेशन की कार्यकारी निर्देशक और आरा लुमिएर की संस्थापक कहती हैं कि, '' हम एक ऐसी दुनिया में पैदा हुए हैं जहां सब कुछ हमारे पहले के लोगों द्वारा चित्रित किया गया है हालाकि वे अब इस दुनिया में नहीं पर उनके द्वारा बनाए गए अलगाव के नियम अब लागू नहीं होते। वल्नरेबल हमारी स्वतंत्रता और समावेश का घोषणापत्र है। 'कला' और 'समानता' की शक्ति के माध्यम से हम करुणा, प्रेम और समझ की दुनिया का निर्माण कर सकते हैं।''

फिल्म निर्माता शबीना खान कहती हैं, ''हम कितनी बार अपने फैसलों का अनुमान लगाते रहते हैं क्योंकि हम सोचते हैं कि हम हैं कौन? हमें सौंपे गए लेबल्स हमारी अभिव्यक्ति और अस्तित्व को सीमित करते हैं। हम व्यक्तिगतता का जश्न मनाना चाहते हैं और समावेशिता को यथास्थिति बनाना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक आजादी के नए युग का लुत्फ उठाएंगे।"

होथुर फाउंडेशन के संस्थापक कुलसुम शादाब वहाब के आरा लुमिएर के कलेक्शन के साथ, शबीना खान द्वारा प्रस्तुत, अरसाला कुरैशी और जस सागू द्वारा निर्देशित यह शॉर्ट फिल्म अब रिलीज हो चुकी है।

ARA LUMIERE present's
VULNERABLE

वाराणसी में चल रही शूटिंग के दौरान भोजपुरी स्टार अंकुश राजा ने स्टार काजल राघवानी से बिंदास कह दिया 'तू मेरी मोहब्बत है'

—सुलेना मजुमदार अरोरा

भोजपुरी फिल्मों के स्टार **अंकुश राजा** ने **काजल राघवानी** से बिंदास, बेधड़क कह दिया **'तू मेरी मोहब्बत है'**! इससे पहले कि आप किसी लड़के की इस धृष्ठता पर चौकन्ना हो जाये, हम बता दें कि यह मामला रीयल नहीं रील वाला है! दरअसल यह अंकुश राजा और काजल राघवानी की नवीनतम फिल्म का नाम है जिसकी शूटिंग इन दिनों बनारस में जोर शोर से चल रही है।

आज की तारीख में भोजपुरी फिल्मों के अच्छे दिन आ गए हैं, ऐसा माना जा रहा है!

भोजपुरी फिल्मों के इस सुनहरे दौर में बेहतरीन फिल्मों के निर्माण की कड़ी में इस नई संपूर्ण पारिवारिक भोजपुरी फिल्म का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें भोजपुरी फिल्मों के स्टार एक्टर सिंगर अंकुश राजा और स्टार 'चार्मिंग गर्ल काजल राघवानी पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर कर रहे हैं! वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के **ओनर रत्नाकर कुमार** प्रस्तुत अंकुश राजा और काजल राघवानी स्टारर, निर्देशक सूरज शाह के कुशल निर्देशन में नई भोजपुरी फिल्म **'तू मेरी मोहब्बत है'** की शूटिंग वाराणसी में काफी जोर शोर से की जा रही है! इस फिल्म के निर्माण में विशेष सहयोग फिल्म मेकर अमित श्रीवास्तव कर रहे हैं! इस फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के देवों के, देव महादेव की नगरी वाराणसी में विभिन्न भव्य एवं मनोरम लोकेशन पर की जा रही है।

आपको बता दें कि फिल्म के मुहूर्त के शुभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के एमडी रत्नाकर कुमार ने उपस्थित होकर फिल्म की पूरी यूनिट का उत्साह वर्धन किया था।

गौरतलब है कि, इस फिल्म के डायरेक्टर सूरज शाह ने सुपर स्टार **खेसारीलाल यादव** और **काजल राघवानी** को लेकर सुपर हिट फिल्म **दीवानापन** बनाई थी और अब वे अंकुश राजा और काजल राघवानी की जोड़ी को अपनी नेक्स्ट फिल्म तू मेरी मोहब्बत हैमें लेकर आ रहे हैं। जबकि इसके पहले अंकुश राजा और पूनम दूबे को लेकर भोजपुरी फिल्म मैं तेरा आशिक बना चुके हैं। निर्देशक सूरज शाह फिल्म 'तू मेरी मोहब्बत है' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वे मनोरंजन से भरपूर लेकिन सम्पूर्ण पारिवारिक सिनेमा लेकर आ रहे हैं, जो हर वर्ग के दर्शकों को पसन्द आएगी। उनका दावा है कि वे हमेशा फुल इंटरटेनिंग फिल्में ही बनाते है, जिसे पूरे परिवार के साथ बैठकर देखा जा सकता है।

इस निर्माणाधीन भोजपुरी फिल्म ''तू मेरी मोहब्बत है'' के निर्देशक सूरज शाह, प्रेजेंटर रत्नाकर कुमार, लेखक मनोज के.कुशवाहा हैं। फिल्म के डीओपी हितेश बेलदार, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी, फाइट मास्टर श्रवण कुमार हैं। कला शैलेंद्र चौरसिया व पंकज यादव का है। फिल्म के एसोसिएट डायरेक्टर संतोष पाल हैं। फिल्म के पीआरओ रामचन्द्र यादव हैं। फिल्म के मुख्य कलाकार अंकुश राजा, काजल राघवानी, देव सिंह, आनन्द मोहन, जफर खान, रश्मि शर्मा, रागिनी राय, गुड़िया, राहुल श्रीवास्तव, पारितोष कुमार, धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, अमित राज जायसवाल आदि हैं।

भोजपुरिया में दम बा' में दिखा दिया विनय आनंद ने अपना दम

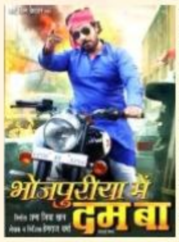

स्काई फिल्म क्रिएशन बैनर के तले निर्मित बॉलीवुड और भोजपुरी अभिनेता विनय आनंद की भोजपुरी फिल्म 'भोजपुरिया में दम बा' रिलीज हो चुकी है। जिसे इस कोरोना महामारी काल में भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिलते देख बॉलीवुड और भोजपुरी सिनेमा जगत में खुशी की लहर देखी जा रही है और बॉलीवुड फिल्म को बंपर ओपनिंग मिली है। आज उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के सिनेमाघर में दर्शकों का हुजूम देखने को मिल रहा है।

जिसको लेकर इंस्टाग्राम पर विनय आनंद ने एक शार्ट वीडियो शेयर किया है। जिसके साथ उन्होंने लिखा है कि, '' प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में मेरी भोजपुरी फिल्म 'भोजपुरिया में दम बा' रिलीज हुई, इस कोरोना के माहौल में भी पब्लिक की इतनी भीड़ दिखाई दे रही है, यह भोजपुरिया जनता का प्यार है, दिल से धन्यवाद जो आप लोग मेरी फिल्म देखने आए, मेरे दर्शक मेरे लिए भगवान है। जब बिहार में लगेगी तो खूब प्यार मिलेगा यही आशा करता हूँ।

फिल्म के बारे में विनय ने कहा कि, ''फिल्म को उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। पब्लिक ने दिल खोलकर हमारे काम को सराहा है, तभी तो सिनेमाघर में पैर रखने के लिए भी जगह नहीं है और लोगों की फिल्म के प्रति उत्सुकता तो वीडियो में देखी जा सकती है। इसी से पता लगता है लोग सिनेमाघरों में जा कर फिल्में देखने के लिए कितने एक्साइटेड हैं।''

जब विनय से उनकी आगामी फिल्मों के बारे में पूछा गया तो विनय ने कहा, ''मैं फिलहाल दो बॉलीवुड फिल्मों में काम कर रहा हूँऔर एक अच्छे बैनर के साथ बॉलीवुड के नए प्रोजेक्ट पर मेरी बातचीत चालू है। जल्द ही एक अच्छा खबर आप सब के साथ साझा करूंगा। एक बार फिर से दर्शकों को बॉलीवुड में विनय आनंद का फ्लेवर देखने को मिलने वाला है।

उल्लेखनीय है कि भोजपुरी फिल्म 'भोजपुरिया में दम बा' के निर्देशक हेमराज वर्मा और निर्माता शम्स जिया खान हैं। कॉन्सेप्ट हेमराज वर्मा का है। गीत–संगीत जाहिद अख्तर का है। छायांकन ओम मिश्रा, नृत्य विवेक थापा, मारधाड़ दिनेश यादव, कला सौरभ मिश्रा का है। लाईन प्रोड्यूसर जीतेन्द्र गुप्ता जीतू, फिल्म प्रचारक रामचन्द्र यादव हैं।

40/- 50/- 60/-
परीया में
दम बा
APNA

'आज़ादी का अमृत पर्व' का आयोजन

– सुनील पराशर

आज़ादी हमे बड़ी मेहनत से मिली है और उसको संजोकर रखना हम सबका कर्तव्य बन जाता है क्योंकि उसको पाने के लिए देश के लाखों लोगों ने कुर्बानी दी है और हसीं हंसी फांसी के फंदे को भी चूमा है उसी आज़ादी को हम अपनी कला संस्कृति द्वारा एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे है यह कहना था नृत्यांगना रेखा मेहरा का जो पिछले कई वर्षों से अपनी डांस एकडेमी उर्वशी डांस म्यूजिक आर्ट व कल्चरल सोसायटी चला रही है जिसमें तकरीबन 100 से ज्यादा बच्चे नृत्य शैली में परांगत हो चुके हैं, उनके स्कूल में कुछ बच्चे ऐसे भी हैं जो गरीब तबके के हैं जिनको वो बिना फीस लिए नृत्य सिखाती हैं। उर्वशी डांस म्यूजिक आर्ट व कल्चरल सोसायटी और पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा आज़ादी का अमृत पर्व का आयोजन किया गया, जिसमें आज़ादी से पहले 1947 से लेकर अब तक भारत में जो कुछ हुआ है उसकी झलक प्रस्तुत की जिसमें रामायण, महाभारत, झाँसी की रानी से लेकर भारत की डिजिटल क्रांति, कोरोना से लेकर किसान आंदोलन तक बेहद खूबसूरती से भारतीय नृत्य परम्परा, क्लासिकल और फोक व छाऊ नृत्य को सम्मिलित किया गया है। जिसका आयोजन आज़ाद भवन में किया गया जिसको ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरीके से दिखाया गया। इस नृत्य में हमने ज्यादातर नए कलाकरों को लिया। रेखा मेहरा का मानना है कि आज हम जिस समाज में रह रहे हैं उस समाज के प्रति हमारी जो जिम्मेदारी है उसको हम अपनी कला द्वारा निभाने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल छू लेने वाला है कुणाल तिवारी और काजल यादव की फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' का फर्स्ट लुक

—मायापुरी प्रतिनिधि

भोजपुरी सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता कुणाल तिवारी और खूबसूरत अदाकारा काजल यादव की फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' का फर्स्ट लुक आउट हो गया है। इस फिल्म का फर्स्ट लुक दिल छू लेने वाला है। फर्स्ट लुक में काजल यादव और कुणाल तिवारी का लुक आउट भी बेहद आकर्षक है। फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' के निर्देशक संजय श्रीवास्तव हैं, जिन्होंने बताया कि फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' का निर्माण हमने भव्य पैमाने पर किया है। दर्शकों को इस फिल्म में बहुत मजा आने वाला है। इसका अंदाजा फिल्म के फर्स्ट लुक से लगाया जा सकता है। फिल्म में प्रेम का रूमानी एहसास और नैनीताल की बर्फीली वादियों लोगों को खूब भाने वाली है।

इस फिल्म की शूटिंग बीते साल दिसंबर में शुरू हुई थी। सर्दियों में नैनीताल की वादिया में इसकी शूटिंग शुरू हुई थी। अब फिल्म बन कर तैयार है। फिल्म में जितनी खूबसूरत कहानी है। उसके अनुसार ही फिल्म के गाने और संवाद हैं। नाम के अनुसार फिल्म की कहानी भी है। इसको लेकर कुणाल तिवारी और काजल यादव ने कहा कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। हमने इसमें अपना सौ फीसदी दिया है। फिल्म में सभी कलाकारों ने खूब मेहनत की है। एक नई कहानी है और नया अंदाज है। फिल्म लाजवाब है।

फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' का निर्माण मधु मंजुल आर्ट्स और गीता तिवारी प्रोडक्शन के बैनर से हुआ है। फिल्म के निर्माता धीरेन्द्र कुमार झा और गीता तिवारी हैं। कार्यकारी निर्माता महेश उपाध्याय हैं। इस फिल्म में भोजपुरी के लोकप्रिय अभिनेता कुणाल तिवारी, काजल यादव के साथ ललित उपाध्याय, सोनिया मिश्रा, साहिल शेख, उमाकांत राय, सुजीत सार्थक और अशोक गुप्ता मुख्य भूमिका में हैं। पीआरओ संजय भूषण पटियाला हैं। फिल्म में गीत संगीत मुन्ना दुबे का है। लेखक ओम प्रकाश यादव हैं। डीओपी एस वी शिवराम व आन्नद डोला और एक्शन प्रदीप खड़का का है। कोरियोग्राफर सुदामा मिंज हैं। ईपी महेश उपाध्याय व कला शेरा का है।

मधु मंजुल आर्ट्स प्रस्तुत
मैंने दिल तुझको दिया
निर्देशक संजय श्रीवास्तव

भोजपुरी फिल्मों से दूर रहने वाले दर्शकों को भी पसंद आ रही 'तू दिया और बाती हम' : कुणाल तिवारी

—मायापुरी प्रतिनिधि

बाल विवाह के बाद की एक रचनात्मक कथ्य को लेकर बनी भोजपुरी फिल्म 'तू दिया और बाती हम' भोजपुरी के उन दर्शकों को भी पसंद आ रहा है, जो बेहद संभ्रांत हैं। जिनका लिविंग स्टेंडर्ड काफी हाई है और वे भोजपुरी से ज्यादा बॉलीवुड एवं हॉलीवुड फिल्मों को तरजीह देते रहे हैं। ऐसा कहना है फिल्म के अभिनेता कुणाल तिवारी का। उन्होंने कहा कि हमारी फिल्म को बहुत सारे लोगों ने देखा है। उम्मीद है कि हमारी फिल्म की रेटिंग भी अच्छी आएगी। फिल्म का क्लाइमेक्स इतना शानदार है कि लोग इस पर बढ़ चढ़ कर बात कर रहे हैं। कह रहे हैं कि फिल्म की एंडिंग तेरे नाम जैसी है, क्योंकि इस फिल्म का मुख्य किरदार राम पारालाइज्ड हो जाता है और फिल्म इसी के साथ खत्म होती है।

तिवारी ने कहा कि फिल्म 'तू दिया और बाती हम' बाल विवाह के बाद की घटना पर आधारित है। बाल विवाह के बाद जब जवानी के दिनों में लड़का एक एक्सीडेंट में परालाइज्ड हो जाता है, तब उसकी शादी को लेकर सवाल खड़े हो जाते हैं। इसके बाद जो होता है, वो लोगों को बेहद पसंद आ रहा है। आपको बता दें कि मधु मंजुल आर्ट्स प्रस्तुत फिल्म 'तू दिया और बाती हम' के निर्माता धीरेंद्र झा हैं और संतोष मिश्रा ने फ़िल्म का निर्देशन किया है।

आपको बता दें कि फिल्म 'तू दिया और बाती हम' की शूटिंग यूपी के रॉबर्टगंज में हुई है। फिल्म के निर्देशक संतोष मिश्रा हैं। संतोष मिश्रा भोजपुरी के बेस्ट निर्देशकों में से एक हैं। प्रोड्यूसर धर्मेंद्र कुमार झा हैं। यह एक सामाजिक पारिवारिक फिल्म है। इसकी कहानी के इमोशन दर्शकों को खूब पसंद आने वाले हैं। फिल्म के डायलॉग और गाने भी सुमधुर होने वाले हैं। पीआरओ संजय भूषण पटियाला हैं। इसमें कुणाल तिवारी के साथ काजल यादव, प्रकाश जैश, उमाकांत राय, ललित उपाध्याय, रूपा सिंह, रंभा आदि मुख्य भूमिका में हैं।

BHOJPURI CINEMA
वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर
तु दिया और बाती हम
25 सितम्बर
शनिवार शाम 7बजे

फिल्म 'अब का होई' के बाद सौम्या फिल्म्स हाउस कर रही 'लैला' का निर्माण, शूटिंग 11 अक्टूबर से

—संजय भूषण

सौम्या फिल्म्स हाउस जल्द ही भोजपुरी फिल्म 'लैला' का निर्माण करने वाली है। इस फिल्म की शूटिंग 11 अक्टूबर से शुरू हो जाएगी। सौम्या फिल्म्स हाउस इससे पहले फिल्म 'अब का होई' का निर्माण भव्य पैमाने पर कर चुकी है, जिसके बाद फिल्म 'लैला' लेकर आ रही है। इस फिल्म की शूटिंग सोनभद्र में शुरू होगी। यह एक बेहतरीन रोमांटिक फिल्म होने वाली है। इसके निर्माता सौम्या फिल्म्स हाउस और सह निर्माता रमेश केशरी, अजय तिवारी हैं, जबकि निर्देशक कुमार विजय हैं।

फिल्म को लेकर कुमार विजय ने बताया कि अभी हम इस फिल्म की कहानी पर काम कर रहे हैं। लगभग हम फिल्म के शूटिंग की तैयारी पूरी कर चुके हैं। यह फिल्म दर्शकों के दिल में उतर जाने वाली है। इस फिल्म में पृथ्वी सिंह, रिमझिम, अतुल श्रीवास्तव, अनुप अरोड़ा, बन्दनी मिश्रा, संजय वर्मा, ऋषि राज, मोंटी बाबा व अन्य कलाकार नजर आएंगे। इसके अलावे भी कलाकारों का चयन जारी है। उन्होंने कहा कि फिल्म में संगीत मोनू सिन्हा का होगा। संवाद और गीत सुनील कुमार यादव देंगे। संकलन आनंद ए सिंह करेंगे। पीआरओ संजय भूषण पटियाला होंगे। डीओपी इंद्रसेन सिंह का होगा। नियंत्रक आई सी मौर्या और प्रोडक्शन आनंद मोदनवाल होंगे।

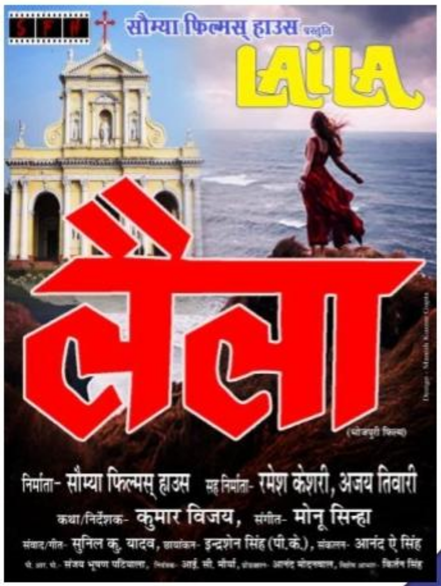
SFH
सौम्या फिल्मस् हाउस प्रस्तुति
LAILA
लैला
(भोजपुरी फिल्म)
निर्माता- सौम्या फिल्मस् हाउस सह निर्माता- रमेश केशरी, अजय तिवारी
कथा/निर्देशक- कुमार विजय, संगीत- मोनू सिन्हा
संवाद/गीत- सुनिल कु. यादव, छायांकन- इन्द्रशेन सिंह (पी.के.), संकलन- आनंद ऐ सिंह

बॉलीवुड और भोजपुरी संगीत की दुनिया में मुन्ना दुबे ने बनाई अलग पहचान

—संजय भूषण

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के लोकप्रिय गीतकार और संगीतकार मुन्ना दुबे ने अपनी प्रतिभा से अलग पहचान बनाई है। जहां बीते साल 2020 में लॉकडाउन के बावजूद उन्होंने सबसे अधिक गानों का रिकॉर्ड बनाया था। वहीं, इस साल भी उनके दो बॉलीवुड और दो भोजपुरी गाने धमाल मचा रहे हैं। यही वजह है कि उनके द्वारा तैयार गाने को लोगों के बीच खूब सुना जा रहा हैं और उनके गानों को मिलियन व्यूज मिल रहे हैं।

ऐसा ही एक गाना है एक्शन स्टार यश कुमार की फिल्म 'बेटी नंबर 1' का पापा की परी। इस गाने का गीत मुन्ना दुबे ने तैयार किया था और संगीत भी उनका ही था। इस गाने को खुद यश कुमार और खुशबू जैन ने गाया था। गाने के लिरिक्स इतने खूबसूरत हैं, जिसे मुन्ना दुबे ने लिखा था। इसके लिए मुन्ना दुबे की खूब तारीफ भी हुई। वहीं, उनका एक और गाना लोगों को बेहद पसंद आ रहा है, जो फिल्म तू दिया और बाती हम से है। गाने का बोल है – सपनवा में गोरी आवेलु। इस गाने को उदित नारायण ने गाया। इसका म्यूजिक भी मुन्ना दुबे ने दिया है।

इसके अलावा दो हिंदी गाने भी हैं, जिसे खूब सराहा जा रहा है। एक गाना है – तुझसे है आशिकी और दूसरा है – इल्तजा। ये दोनों गाने भी बेहतरीन हैं। मुन्ना दुबे के इन गानों को भी खूब व्यूज मिल रहे हैं। यूं कहें कि मुन्ना दुबे बीते साल के सबसे अधिक बिजी म्यूजिक डायरेक्टर रहे। इसको लेकर उन्होंने बताया कि मेरे लिए काम सर्वोपरि है। मैंने अपने ऑडियंस के लिए एक से एक गाने बनाये और आगे भी बनाता रहूंगा। मेरे लिए इंडस्ट्री और भाषा से ज्यादा महत्वपूर्ण है गुणवत्तापूर्ण काम, जिसके लिए मैं मां सरस्वती की कृपा से समर्पित हूं और अपने काम पर ही फोकस करता हूं।

भोजपुरी की लोकप्रियता को और आगे बढ़ाना है गायक दीपक चौबे

—मायापुरी प्रतिनिधि

आपको बता दें कि दीपक चौबे उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जनपद के फाजिलनगर में नारायणपुर गांव के निवासी हैं। अभी वे लखनऊ में रहते हैं। दीपक को वैसे गीत संगीत का शौक बचपन से था। साथ ही वे अभिनय में भी माहिर थे। लेकिन उन्होंने आगे अपना पैशन संगीत को बनाया। कॉलेज में वे नाटक भी करते थे। इतना ही नहीं, वे बॉलीवुड गानों को शब्दों को उल्टा कर गाते थे। यह उनमें अद्भुत कला थी। दीपक ने अपनी स्कूलिंग जवाहर नवोदय विद्यालय से की है। फिर बीटेक किया। उसके बाद एमबीए भी किया। इसी दौरान कॉलेज में उनका चुनाव रेडियो जॉकी के लिए भी हुआ।

भोजपुरी के सबसे लोकप्रिय म्यूजिक चैनल से जल्द ही रिलीज होनेवाला दीपक का नया दो गाना ''प्यार के दाग'' और "लाल लिपिस्टिक" की शूटिंग और एडिटिंग पूरी हो चुकी है ! इस पर गायक दीपक चौबे चाहते हैं कि भोजपुरी म्यूजिक को देश के हर भाषा – संस्कृति के लोगों से जोड़ा जायेगा जिस के हम सभी लोग अच्छे गाने तैयार कर रहे है आज कल अब भोजपुरी एल्बम और फिल्म में अश्लील गाने रिलीज़ होने बंद हो चुके है लगभग। दीपक इसके लिए दिन रात मेहनत भी कर रहे हैं। भोजपुरी के प्रेम ने ही उन्हें मैकेनिकल में बीटेक और एमबीए करने के बाद भोजपुरी म्यूजिक की दुनिया में ले आया। तभी वे लगातार एक के बाद एक शानदार गानों से भोजपुरी की लोकप्रियता को बढ़ाने में लगे हैं।

मगर दीपक ने अपनी मंजिल संगीत को बनाया और चुना अपनी प्रिय भाषा भोजपुरी को। दीपक अब चाहते हैं कि जिस तरह पंजाबी और राजस्थानी संगीत को देशभर की तमाम ऑडियंस ने स्वीकारा है। उसी तरह भोजपुरी को भी देश के सभी तरह के लोग अपनाएं। उनके बीच भोजपुरी को पहचान मिले। तभी वे इस दिशा में काम भी कर रहे हैं। गाने लिख रहे हैं। उनका गाना कृष्णाज प्रोडक्शन से आ चुका है, जिसमें वे कनक पांडेय के साथ नजर आए। इसके बाद वेब म्यूजिक से ही ललकी ओढ़निया और गाइरंटी भी आया। उन्होंने हिंदी में भी काम किया है। बावजूद इसके उनका सपना भोजपुरी को आगे ले जाने की है।

gaana Originals
WAVE MUSIC PRESENTS
WAVE
VG - 26215
लोकगीत 2021
लाल लिपिस्टीक
स्वर: दीपक चौबे
07235928787, 09140824558
गीत: दीपक चौबे संगीत: अर्जुन टंडन निर्देशक: दिवाकार पाण्डेय संयोजक: कृष्णाज फिल्म्स

VG - 26216
2021
प्यार के दाग
स्वर: दीपक चौबे
7235928787, 9140824558
गीत: दीपक चौबे संगीत: अर्जुन टंडन निर्देशक: दिवाकर पाण्डेय संयोजक: अमित श्रीवास्तव

बॉलीवुड के गिरीश वानखेड़े ने जीता कॉटन सिटी एक्सीलेंस कला गौरव पुरस्कार

—के. रवि (दादा)

मुंबई..''मेरा कर्म एक सिनेमा हॉल में प्रवेश करने वाले के समान है जो दर्शकों को मनोरंजन देखने और आनंद लेने के लिए मार्गदर्शन करता है,'' गिरीश वानखेड़े विनम्रतापूर्वक अपने काम का वर्णन करते हैं।

गिरीश को मनोरंजन उद्योग में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए 50 से अधिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

इस तर्ज पर संपन्न एक कार्यक्रम में, उन्हें कॉटन सिटी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2021 के तीसरे संस्करण में हॉलिडे इन, मुंबई में कॉटन सिटी एक्सीलेंस कला गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गिरीश वानखेड़े लगभग दो दशकों से मनोरंजन उद्योग में हैं, सिनेमा, मल्टीप्लेक्स, प्रदर्शनी, वितरण और विपणन का प्रबंधन करते हैं। इस अवधि के दौरान, मनोरंजन उद्योग में उनके बहुमूल्य योगदान और शिल्प में उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उन्हें कई अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बना दिया है।

नाटकीय सिनेमा व्यवसाय लगभग ठप होने के साथ, वानखेड़े ओटीटी प्लेटफार्मों के उत्थान की भविष्यवाणी करने वाले शुरुआती विशेषज्ञों में से एक हैं । फिल्मों की प्रदर्शनी, मार्केटिंग और वितरण में होने के कारण, सिनेमा की अपनी सूक्ष्म समझ, गहन शोध और संतुलित विश्लेषण के साथ, उन्होंने ओटीटी माध्यम पर फिल्मों की समीक्षा करना शुरू कर दिया। उन्हें जल्द ही पता चला कि एक आम आदमी अब और अधिक भ्रमित है कि कौन सी फिल्म देखी जाए, और कई ओटीटी प्लेटफार्मों के बाजार में आने के साथ, यह दर्शकों के लिए और अधिक जटिल हो गया।

इसलिए, गिरीश वानखेड़े ने अपना खुद का यू ट्यूब चैनल लॉन्च किया, जिसकी शुरुआत ओटीटी पर फिल्मों की समीक्षा के साथ हुई और इसके बाद WOR—वानखेड़े ओटीटी सिफारिशें नामक एक साप्ताहिक कार्यक्रम खंड के साथ शुरू हुआ।

वह सभी प्लेटफार्मों पर फिल्में देखता है और फिर छह शीर्षकों का चयन करता है, उन्हें अच्छा, बेहतर और सर्वश्रेष्ठ के रूप में वर्गीकृत करता है! उनके चैनल के पास अब 52 से अधिक शीर्षकों का संग्रह है, जिनमें से प्रत्येक ने उस विशेष सप्ताह के सर्वश्रेष्ठ छह खिताब जीते हैं।

इसके अलावा, गिरीश वानखेड़े द्वारा हर हफ्ते फिल्मों ध्वेब श्रृंखलाओं की 2 से 3 प्रमुख समीक्षाएं होती हैं और फिर एक साप्ताहिक स्पॉट ऑन सेक्शन होता है जिसमें ओटीटी प्लेटफॉर्म शैली पर तीन सर्वश्रेष्ठ फिल्में / श्रृंखलाएं होती हैं।

यु ट्यूब चैनल पर उनके चार शो में से एक मासिक शैक्षिक और सूचनात्मक ज्ञान श्रृंखला है जो इस बात के मूलभूत पहलुओं का विश्लेषण करती है कि कुछ फिल्मों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए क्यों चुना जाता है और फिल्म उद्योग से संबंधित मुद्दों को शामिल करता है।

गिरिश वानखेड़े को प्रदान किए जाने वाले उल्लेखनीय पुरस्कारों में मिड—डे आइकन पुरस्कार, टैसल यूथ आइकन पुरस्कार और महाराष्ट्र के दिवंगत उप मुख्यमंत्री आर आर पाटिल द्वारा पांच साल के लिए मल्टीप्लेक्स में मराठी फिल्म महोत्सव आयोजित करने के लिए मराठी फिल्म उद्योग में उनके योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र शामिल हैं। उन्हें लगभग सभी शीर्ष दैनिक समाचार पत्रों और फोर्ब्स, दैनिक भास्कर, टाइम्स ऑफ इंडिया, मिड—डे जैसे प्रकाशनों में ओटीटी विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया है, ओटीटी उछाल और बॉलीवुड उद्योग के आवधिक मूल्यांकन पर उनके विचारों के संबंध में।

जो बात उनकी समीक्षा को अलग बनाती है, वह वह ज्ञान है जो वह इसके साथ प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई महिला सशक्तिकरण पर एक मलयालम फिल्म की समीक्षा करता है, तो वह विदेशी भाषाओं में महिला सशक्तिकरण पर अन्य उत्कृष्ट फिल्मों, उसी विषय पर हिंदी फिल्मों का उल्लेख करता है और फिर निर्देशक, कलाकारों की एक संक्षिप्त लेकिन तीक्ष्ण प्रोफाइल का उल्लेख करता है। और उस विशेष फिल्म का विषय भी!

OTTON CIT
Excellen Awara
2021
n With
COT CITY
Internationa Festival
PURE panjabi

THE
GIRISH
WANKHEDE
SHOW
Aa Dekhe Zara...
CINEMA

गिरीश वानखेड़े की समीक्षाएं शिक्षा, सूचना, ज्ञानोदय, अभिनेताओं और किसी विशेष फिल्म के कलाकारों और क्रू के गहन विश्लेषण की पेशकश करती हैं। कई प्रकाशन, जिनमें से एक व्यापार पत्रिका कम्प्लीट सिनेमा है, नियमित रूप से अपने साप्ताहिक कॉलम वानखेड़े ओटीटी सिफारिशें प्रकाशित करते हैं।

गिरीश वानखेड़े का यह फिल्मी सफर बहुत ही कामयाब हैं और आगे भी रहे इसलिए उन्हें चारों ओर से बधाईयां मिल रही हैं!

एक पान भी शेयर न करने वाले सचिन दा, क्या वाकई कंजूस आदमी थे?

–सिद्धार्थ अरोड़ा 'सहर'

सचिन देव बर्मन यानी सचिन दा, म्यूजिक की दुनिया के बेताज बादशाह थे। सन 50 और 60 के दशकों में उनका संगीत फिल्म म्यूजिक इंडस्ट्री की विरासत की तरह है। सचिन दा संगीत जितना प्रभावशाली था, उनका व्यक्तित्व उससे भी ज़्यादा असरदार और काबिल–ए–गौर था। सचिन दा को लोग अक्सर पीठ पीछे कंजूस कहा करते थे। फिर कहते भी क्यों न, सचिन दा पे पास हमेशा एक पान की डिब्बी रखी होती थी लेकिन जब वो किसी को पान ऑफर करते थे तो कुछ इस तरह करते थे "ए देबू, तुम पान खायेगा क्या?" फिर जवाब सुने बिना ही बोल देते थे "नहीं नहीं तुम तो पान खाता नहीं है, फिर क्या करेगा खा के" और पान वापस जेब में रख लेते थे।

वो चाय के लिए भी कुछ यूँ पूछते थे कि जब कोई म्युजिशियन उनके साथ दो घंटे बैठकर, वापस जा रहा होता था तो कहते थे "अगली बार आयेगा तो तुमको चाय भी पिलाएगा"

कुछ ऐसा ही मस्त मिजाज था हमारे सचिन दा का। लेकिन एक रोज क्या हुआ कि पंडित शिव कुमार शर्मा (संतूर वादक) के घर वह सुबह–सुबह पहुँच गये और घर के बाहर से ही आवाज देने लगे। जब शिव कुमार जी बाहर आए तो पूछने लगे "ए शीब, तुम्हारा फ्लोर कौन सा है?"

उन्होंने कहा भी कि "दादा दूसरा फ्लोर है पर आप रुको न मैं आता हूँ" पर दादा ने किसी की नहीं सुनी और झट से ऊपर उनके फ्लैट के सामने जाकर खड़े हो गये। अन्दर भी नहीं

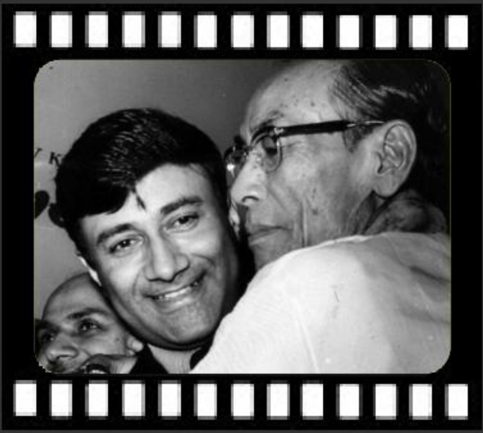

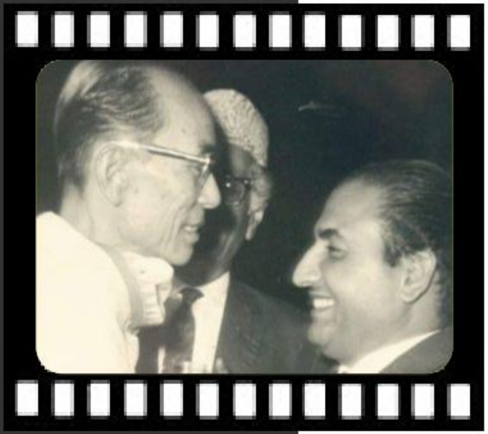

आए, बस बाहर से ही बोले "कल तुम बहुत अच्छा संतूर बजाया शीब, हमको बहुत अच्छा लगा, ये रखो" और एक सौ का नोट तुरंत उनको गुड लक के तौर पर दे दिया।

ऐसा ही बच्चों सा लेकिन दिल फरेब मिजाज था हमारे सचिन दा बर्मन का।

बाकी निगाह तो उनकी इतनी पैनी थी कि एक दफा सिटिंग चल रही थी और सारे क्लासिकल इंस्ट्रूमेंट प्लेयर बैठे रिहर्सल कर रहे थे कि सचिन दा की पत्नी मीरा किसी रिश्तेदार के भिजवाये बंगाली रसगुल्ले एक प्लेट में रखकर चली गयीं।

अब प्लेट तो सामने रखी है पर खाए कौन, क्योंकि किसी ने पूछा कि नहीं कि आप लोग रसगुल्ले ले लीजिये। लेकिन आने वाले दौर के महान क्लासिकल संगीतकार और बांसुरी वादक हरी प्रसाद चौरसिया ने निगाह बचा के गपागप छः–सात रसगुल्ले खा गये। सचिन दा बैठे सब देख रहे थे पर बोले कुछ नहीं।

अगले रोज रिकॉर्डिंग थी और हरी प्रसाद चौरसिया जी का सोलो बांसुरी प्ले था। उन्होंने बहुत अच्छी बांसुरी बजाई। सबको अच्छा लगा। सचिन दा मौके का फायदा उठाकर बोले "वाह, देखो देखो कितना मीठा बजाया होरी ने, कल हमारा सात मीठा–मीठा रसगुल्ला जो खा गया था"

कुछ ऐसी ही अनोखी शक्सियत के मालिक थे हमारे सचिन दा उर्फ सचिन देव बर्मन। जो पान के लिए इतने दीवाने थे कि एक बार पान का डब्बा घर भूल जाने के चक्कर में रिकॉर्डिंग छोड़कर वापस आ गये थे। वो अपने पान किसी के भी साथ शेयर नहीं करते थे सिवाए असित सेन, के, असित सेन क्योंकि खुद भी पान खाते थे तो दोनों अपनी–अपनी डब्बी से पान का आदान प्रदान कर लेते थे।

अब आप यूँ सोचेंगे कि असित सेन और सचिन दा की क्या बराबरी। तो सचिन दा किसी का ओहदा या नाम देखकर मुतासिर होने वाले लोगों में नहीं थे। एक रोज वहीदा रहमान उनके पास आईं बोलीं दादा एक पान खिला दो, उन्होंने झट डिब्बी निकाली और बोले "ले वहीदा, खा ले, खुश रह"

उसी वक्त गुरु दत्त भी बोल पड़े के मुझे भी पान दे दो दादा, हमें तो आप मना कर देते हो, जबकि हम तो पान खाते ही हैं, रोज खाते हैं।

तो दादा तपाक से बोले "अहा, तभी तो नहीं देता। तुम लोग एक के बाद एक पान खाते हो, जैसे वो मीना कुमारी, वो भी एक के बाद एक पान खाता है, हम उसको भी नहीं देता, होगा बड़ा हिरोइन पर हम क्या करे हमारा स्टॉक खतम हो जाता है"

पान के प्रति उनकी दीवानगी भला किससे छुपी है, उन्होंने बंगाली में तो एक गाना ही पान पर बना दिया था जिसका अर्थ था कि नांव किनारे लगाकार आओ पान पाने आओ"

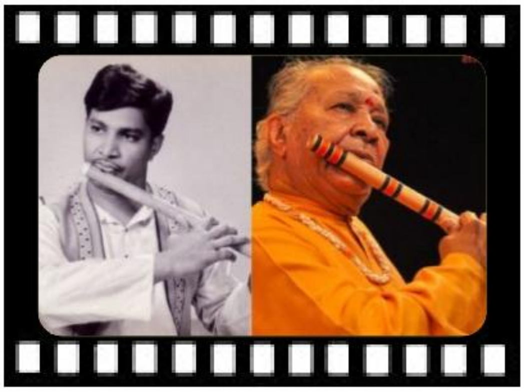

आज के दौर में भला कहाँ कोई संगीतकार किसी दूसरे की तारीफ करता है। पर सचिन दा उनमें से थे जो मदन मोहन के घर पहुँच उन्हें बोलकर आए कि "मदन, हम रात भर बैठकर तुम्हारा पिच्चर, वो मौसम का गाना सुना, सारा गाना सुना, तुमने बहुत बढ़िया गाना बनाया, बहुत बहुत अच्छा लगा हमको"

सचिन दा की यही अदायगी, यही अंदाज कभी न भूलने वाला है। बाकी उनके संगीत को तो श्रोता आज 45 साल बाद भी सुनते हैं, अगले सौ साल बाद भी सुनेंगे। बाकी उन जैसा कंजूस कोई नहीं था तो उन जैसा दिलदार भी आज तक कोई नहीं हुआ।

भारत
INDIA
2007
एस. डी. बर्मन
S.D. BURMAN

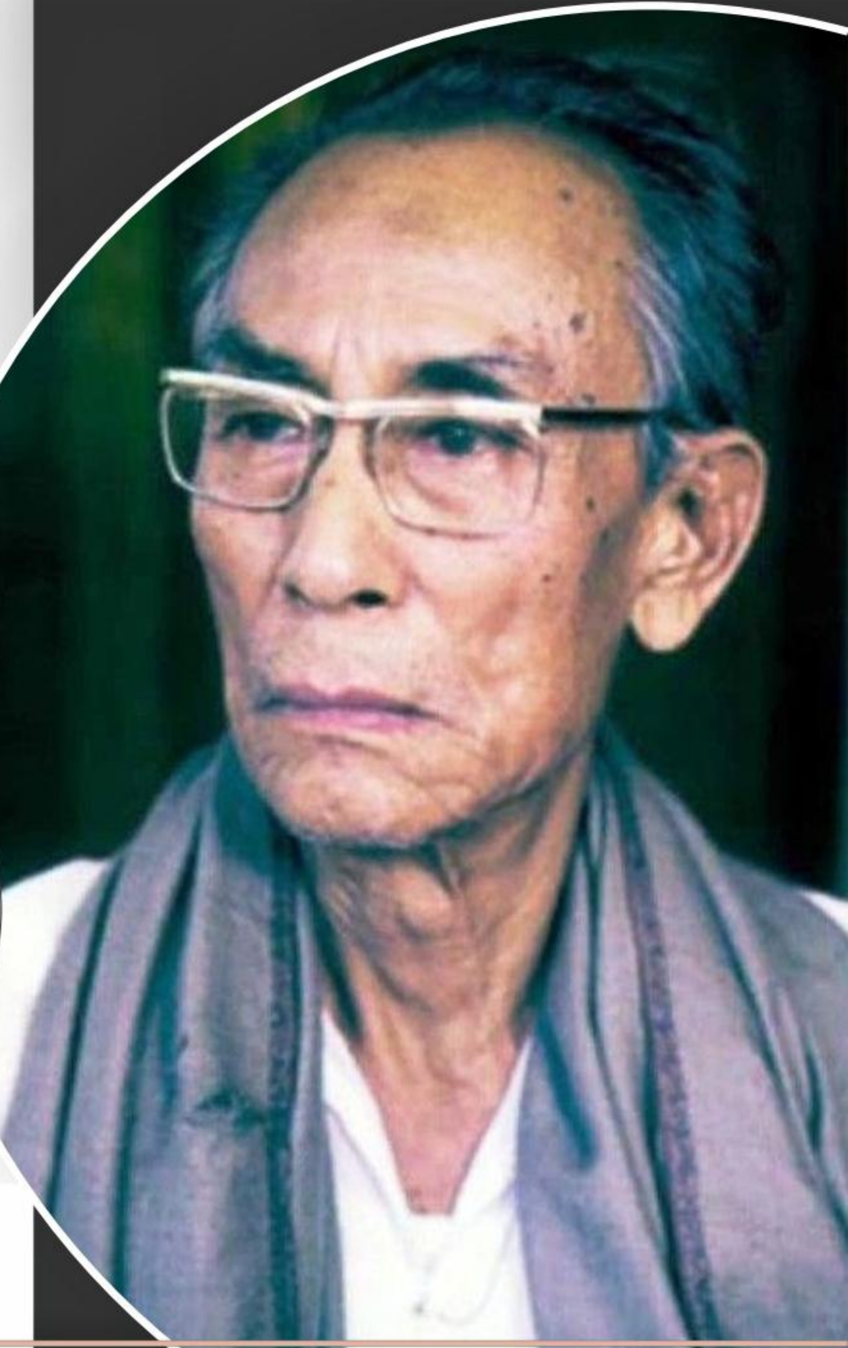

विश्व प्रसिद्ध प्रिंस डांस ग्रुप स्टार भारत के अपकमिंग 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' शो के लॉन्च समारोह में देगा अपनी दमदार परफॉर्मेंस!

—पारूल पाण्डे

रियलिटी शो से लेकर इवेंट्स में परफॉर्म करने तक के सफर के साथ, द प्रिंस डांस ग्रुप ने एक उल्लेखनीय करियर बनाया है और मनोरंजन और डांस इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी मंत्रमुग्ध कर देने वाली दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों, प्रशंसकों और फैन्स के बीच दमदार प्रभाव डाला है। आज पूरा देश उन्हें उनके दिव्य, आध्यात्मिक और देशभक्तिपूर्ण परफॉर्मेंस और एक्ट के लिए जानता है। यह ग्रुप भारतीय महाकाव्यों के चित्रण के लिए प्रसिद्ध है और उन्होंने पिछले कुछ सालों में कई राष्ट्रीय और विश्व कार्यक्रमों में अपनी परफॉर्मेंस दी है।

अपने घर का माखन रखना तैयार,
आ रहे हैं नटखट नंदलाल...

बहुत जल्द यह ग्रुप एक बार फिर परफॉर्म करने आ रहा है। हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल स्टार भारत ने अपने अपकमिंग नए टीवी शो 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' के लॉन्च के लिए एक समर्पित प्रदर्शन के लिए उन्हें साथ लेने का फैसला किया है।

यह टीवी शो 19 अक्टूबर से शुरू होने वाला है जो दर्शकों के समक्ष बाल कृष्ण और उनके बचपन की कहानियों को बयां करेगा। प्रसिद्ध टीवी निर्माता सिद्धार्थ कुमार तिवारी द्वारा निर्मित, यह शो दर्शकों को भगवान कृष्ण के बचपन की एक दिव्य और भावनात्मक यात्रा पर ले जाएगा। हाल ही में एक मधुर गायक और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने इस शो के टाइटल ट्रैक को अपनी भावपूर्ण आवाज दी जो और कोई नहीं बल्कि कैलाश खेर हैं। अब चैनल जल्द ही एक विस्तृत ट्रेलर लॉन्च करने जा रहा है, जिसमे प्रिंस डांस ग्रुप को इस शो के लिए एक ख़ास परफॉर्मेंस करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

ग्रुप लीडर टी कृष्ण मोहन रेड्डी ने कहा, "हम स्टार भारत के साथ जुड़कर और प्रिंस डांस ग्रुप के द्वारा आने वाले टीवी शो 'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' को पेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। हम कुल 18 कलाकारों की मदद से इस एक्ट का प्रदर्शन करेंगे, जिसमें 1 लीड कैरेक्टर, 5 छोटे बच्चे, 11 सपोर्टिंग आर्टिस्ट, 1 महिला किरदार शामिल हैं। भगवान कृष्ण की खूबसूरत कहानी सुनाना हमारी पूरी टीम के लिए सम्मान की बात है और हम इस जुड़ाव के लिए तत्पर हैं।

आपको बता दें कि प्रिंस डांस ग्रुप को अतीत में भगवान कृष्ण की पौराणिक कथा सुनाने वाले उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए सराहा गया है और वे निश्चित रूप से इस शो को सभी के लिए पेश करने का सबसे उपयुक्त विकल्प हैं।

'हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की' के बारे में अधिक जानने के लिए बने रहिए सिर्फ स्टार भारत पर।

यूथ को इंस्पायर करने वाली फिल्में बनाता रहूंगा

हार्दिक गज्जर

– ज्योति वेंकटेश

हार्दिक गज्जर इन दिनों अपनी रिलीज़ के लिए तैयार प्रतीक गांधी स्टारर फिल्म 'भवई' को लेकर खूब खबरों में हैं। दरअसल फिल्म 'भवई' का नाम पहले 'रावण लीला' था। कुछ लोगों ने फिल्म के इस नाम पर आपत्ति जताई तो किसी भी तरह के विवाद से बचने के लिए हार्दिक गज्जर ने फिल्म का नाम बदलकर 'भवई' रख दिया। हार्दिक की यह फिल्म 1 अक्टूबर को देशभर खुले हुए सिनेमाघरों में 50% कैपेसिटी के साथ रिलीज़ हो रही है। फिल्म 'भवई' को लेकर हमने हार्दिक गज्जर से की खास बातचीत।

■ आपकी जर्नी कैसी रही ?

– मैंने सबसे पहले अपना करियर एक एडिटर के तौर पर शुरू किया था। बाद में मैंने विजुअल इफ़ेक्ट पर काम किया। मैंने 90 शोज और 30 फिल्मों में विजुअल इफेक्ट्स का काम किया है। विजुअल इफ़ेक्ट करने के बाद मैं डायरेक्शन में आया। पहले मैंने टीवी सिलेक्ट किया और बाद में फिल्मों का डिरेक्शन करने लगा।

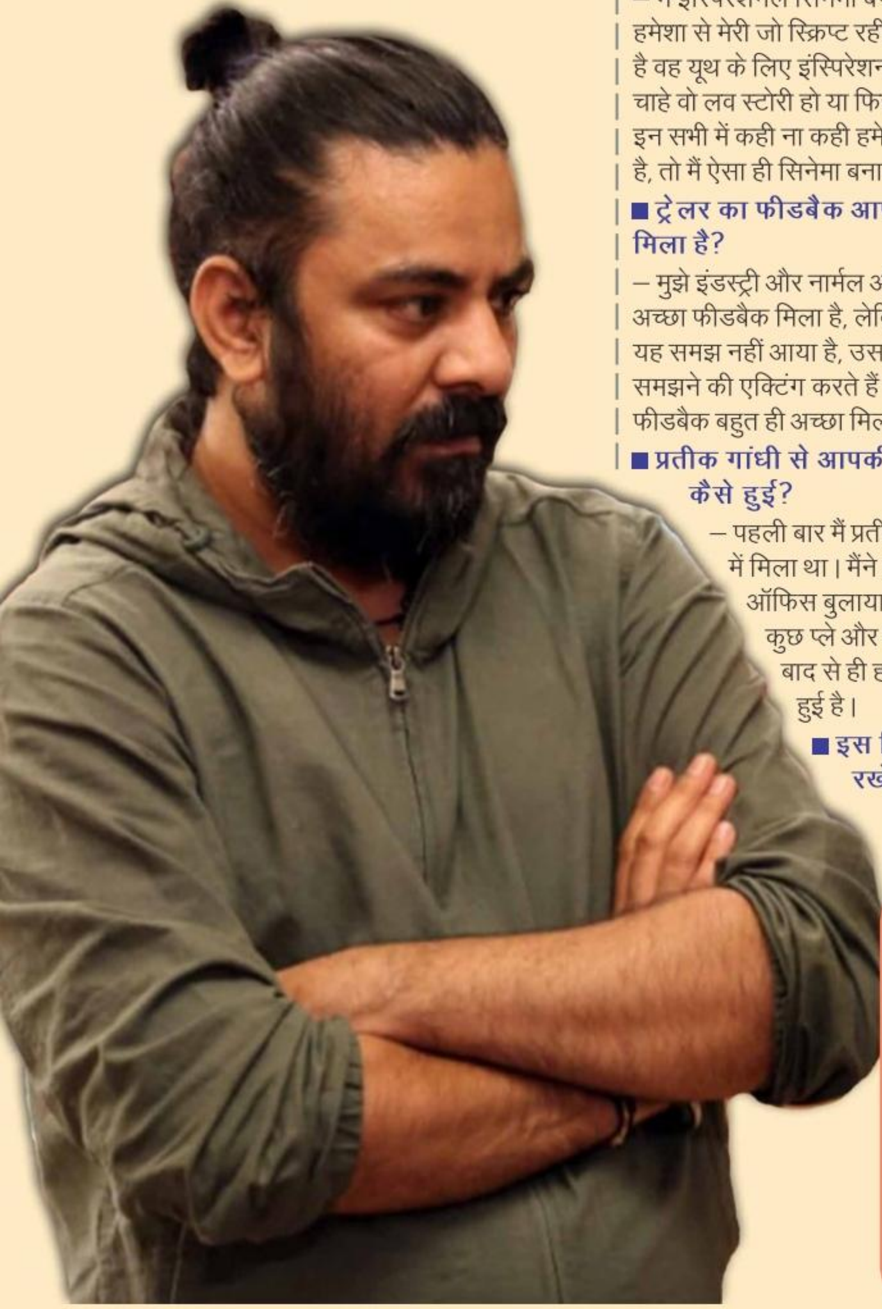

■ गुजराती फिल्मों में आपका सफर कैसा रहा?

– मैंने 2 गुजराती फिल्मों का डायरेक्शन किया है, उन्हें प्रोड्यूस भी किया है। आगे भी में गुजराती फिल्मों पर काम करता रहूंगा। क्योंकि सफर से ज्यादा यहां मदरलैंड वाला माहौल है, इसलिए मुझे मजा आता है।

■ किस तरह का सिनेमा आप बनाना चाहते हैं?

– मैं इंस्पिरेशनल सिनेमा बनाना चाहता हूं। हमेशा से मेरी जो स्क्रिप्ट रही है या मूवी रही है वह यूथ के लिए इंस्पिरेशनल रही है। फिर चाहे वो लव स्टोरी हो या फिर कोई ड्रामा, इन सभी में कही ना कही हमेशा मैसेज रहा है, तो मैं ऐसा ही सिनेमा बनाना चाहता हूं।

EEMUSIC CO.
BHAVAI

■ ट्रेलर का फीडबैक आपको कैसा मिला है?

– मुझे इंडस्ट्री और नार्मल ऑडियंस से अच्छा फीडबैक मिला है, लेकिन कुछ लोग हैं, जिन्हें यह समझ नहीं आया है, उसका मतलब जानबूझ कर न समझने की एक्टिंग करते हैं। वैसे मुझे जनरल फीडबैक बहुत ही अच्छा मिला है।

■ प्रतीक गांधी से आपकी मुलाकात कहां और कैसे हुई?

– पहली बार मैं प्रतीक गांधी को अपने ऑफिस में मिला था। मैंने उन्हें मिलने के लिए ऑफिस बुलाया था। मैंने पहले से उनके कुछ प्ले और वर्क देख रखे थे तो उसके बाद से ही हमारी साथ की जर्नी शुरू हुई है।

■ इस फिल्म के दो नाम क्यों रखे गए थे?

– नहीं इस फिल्म का एक ही नाम है 'भवई', लेकिन पहले इस फिल्म का नाम 'रावण लीला' रखा गया था, चूंकि इस नाम से कुछ लोगों को दिक्कत थी तो इसे बदल कर हमने 'भवई' रख दिया, अब इस फिल्म का एक ही नाम है। भवई के 2 मतलब होते हैं एक तो गुजराती फोक कल्चर होता है और एक मैशप वाली कहानी होती है। हमारी फिल्म भी मैशप वाली कहानी पर बनी हुई है। इस फिल्म को पर्सनल लाइफ और कैरेक्टर के मैशप पर बनाया गया है।

■ इस फिल्म का किसी किताब या किसी लोक कथा से कोई रिलेशन है क्या?

– नहीं, यह फिल्म एक फिक्शनल फिल्म है। इसे हमने खुद के आइडिया से लिखा है। इस फिल्म का किसी किताब, किसी स्टोरी या किसी लोक कथा से कोई संबंध नहीं है।

■ फिल्म की कहानी का सार क्या है?

– फिल्म 'भवई' की कहानी एक अलग तरह की लव

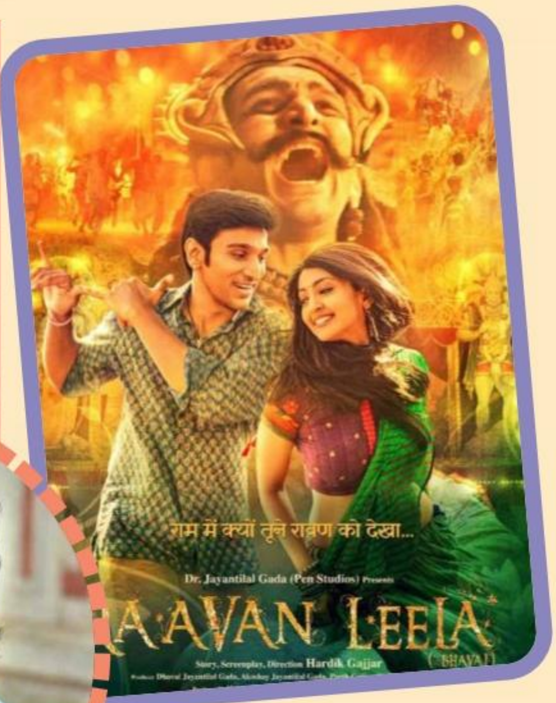
राम में क्यों तूने रावण को देखा...
Dr. Jayantilal Gada (Pen Studios) Presents
AAVAN LEELA
(BHAVAI)
Story, Screenplay, Direction Hardik Gajjar

स्टोरी है। फिल्म की कहानी गुजरात पर केंद्रित है, इसमें रावण के रोल में नजर आने वाले प्रतीक और सीता का पात्र निभाने वाली ऐंद्रिता के बीच रियल लाइफ में रोमांस हो जाता है, जिसका गांव वाले विरोध करते हैं। दरअसल रावण का रोल प्ले करने के बाद गांव के लोग उसे असल जिंदगी में भी रावण समझने लग जाते हैं। खैर, इस फिल्म को देखने के बाद ही कहानी समझ आएगी, क्योंकि फिल्म को रियल लाइफ और रील लाइफ की जर्नी पर बनाया गया है। जब रील–रियल लाइफ दोनों मिक्स होते हैं तो क्या इम्पैक्ट पड़ता है, इस बात को ध्यान में रखकर कहानी लिखी गई और बाद में फिल्म को बनाया गया है।

■ प्रतीक को कब साइन किया?

– मैं प्रतीक के साथ पहले ही 2 गुजराती फिल्में बना चुका हूं, यह फिल्म हमारी एक साथ की तीसरी फिल्म है। फिल्म भवई की शूटिंग के दौरान ही प्रतीक को हंसल मेहता ने अपनी वेब सीरीज 'स्कैम' के लिए साइन किया था।

■ क्या फिल्म की कहानी लिखते समय आपने प्रतीक को ध्यान में रखा था?

– इस फिल्म के लिए मुझे एक कॉमन लड़का चाहिए था और एक कॉमन फेस जो होता है वह मुझे प्रतिक में दिखा, इसलिए उन्हें मैंने अपनी इस फिल्म के लिए चुना।

■ बाकी कलाकारों का चुनाव किस तरह किया गया?

– इस फिल्म में जितने भी एक्टर हैं वह सभी थिएटर बैकग्राउंड से है। सभी लोग पहले से फिल्म से कनेक्टेड है। इस फिल्म में कोई भी नॉन थिएटर एक्टर नहीं है। सिर्फ दो लोग है जो थिएटर से नहीं है।

■ फिल्म का म्यूजिक कितना स्ट्रांग है, म्यूजिक के बारे में बताएं?

– फिल्म में उदित नारायण जी ने रामायण की चौपाई गाई है और हमें उनकी आवाज चाहिए थी इसलिए उन्हें लिया गया। मोहित चौहान को भी इसलिए लिया है, मोहित का वॉइस टेक्सचर अलग है, इसलिए उन्हें लिया गया। जहां क्लासिकल म्यूजिक की बात आती है, वहां श्रेया घोषाल जी सबसे ज्यादा जमती हैं, इसलिए उन्हें लिया गया है।

■ आप फिल्म भवई को 1 अक्टूबर को रिलीज कर रहे हैं, महाराष्ट्र में अब तक थिअटर खुले नहीं, ऐसे में किस तरह से बिजनस प्रभावित होगा?

– यह फिल्म थिएटर में ही रिलीज हो रही है।, लेकिन इस साल कोरोना की वजह से अब तक देशभर के थिएटर खुले नहीं हैं। ऐसे में हमारी फिल्म अभी कम लोगों को देखने का मौका मिलेगा। जब देशभर के सिनेमाघरों में एक साथ फिल्म रिलीज़ नहीं होगी तो नुकसान होगा। ऐसे में बिजनस लॉस तो है, लेकिन कोई ऑप्शन नहीं है। हमने पहले सोचा था कि फिल्म थिएटर में ही रिलीज़ करेंगे। अब जो भी ओपन थिएटर है वो 50% के हिसाब से ही फिल्म को रिलीज किया जा सकता है।

■ महाराष्ट्र के थिएटर खुलने का अपने थोड़ा और इंतजार क्यों नहीं किया?

– हां, हमें थोड़ा और वेट करना चाहिए था। दरअसल, हम पहले भी रिलीज करने वाले थे, लेकिन तब अटक गए, ऐसे में अब हमें आदत तो डालना होगी कोरोना के साथ जीने की। वैसे दर्शक पूरी सेफ्टी के साथ फिल्म देख सकेंगे।

■ फिल्म में एक अहम किरदार निभा रहे एक्टर राजेंद्र गुप्ता, अभिमन्यू सिंह, अंकुर भाटिया और राजेश शर्मा के बारे में क्या कहेंगे ?

– वह एक वर्सेटाइल एक्टर हैं। वह एनएसडी से पास आउट है। वह हर बार कुछ अलग करके ही दिखाते हैं। फिल्म 'भवई' में वह प्रतीक के पिता का रोल प्ले कर रहे हैं। पंडित राजारामजी उनका कैरेक्टर है। एक्टर राजेश शर्मा के साथ मेरा एक्सपीरयंस काफी अच्छा रहा है। हमने सेट पर काफी मस्ती की है। फिल्म में उनका किरदार रामलीला का ऑफ़–स्टेज और बैक–स्टेज दोनों हैंडल करता है. साथ ही पूरी कंपनी को भी संभालता है। अभिमन्यु सिंह, ड्रामा कंपनी के मालिक की भूमिका में हैं, वह स्टेज पर रावण बनते हैं। मैं अभिमन्यु के साथ पहली बार काम कर रहा हूं। एक्टर अंकुर भाटिया को भी इसी तरह बुलाया है, ऑडिशन हुआ और सिलेक्ट कर लिया। वैसे अंकुर अधिकार लंदन में रहते हैं।

■ इस फिल्म को कहा कहां–कहां पर शूट किया गया है?

– हमने फिल्म भवई की शूटिंग गुजरात के अलग–अलग जगह के 12 से ज्यादा लोकेशन पर की है। रन ऑफ़ कच्छ के आलावा बहुत सारे गांव है जहां फिल्म को शूट किया गया है। हर रोज काफिला एक नए लोकेशन पर निकलता था और हम उस लोकेशन पर जाकर शूट करते थे।

■ कौन–कौन से प्रोजेक्ट आपके रेडी है?

– 'भवई' के अलावा एक और प्रोजेक्ट अतिथि भूतो भवः तैयार है। इस फिल्म में प्रतीक गांधी, जैकी श्रॉफ सहित कई और कलाकार भी हैं। 'भवई' के बाद हमारी अगली फिल्म वही है जो थिएटर में आएगी। इसके अलावा भी रीजनल सिनेमा में दो फिल्म तैयार हैं।

शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

प्रतीक गांधी की फिल्म 'भवई' एक अक्टूबर की बजाय 22 अक्टूबर को पूरे देश के सिनेमाघरों में पहुँचेगी

सिनेमाघरों को फिर से शुरू करने के संबंध में महाराष्ट्र सरकार द्वारा हाल ही में बहुप्रतीक्षित घोषणा के कारण निर्माताओं और प्रदर्शकों के लिए राहत की सांस आई है। इसी वजह से ''स्कैम 1992'' फेम अभिनेता प्रतीक गांधी के अभिनय से सजी फिल्म ''भवई''अब एक अक्टूबर की बजाय 22 अक्टूबर को सिनेमाघरों में पहुॅचेगी।

पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बनी हुई फिल्म ''भवई''में प्रतीक गांधी ने राजा राम जोशी और दक्षिण की सुपरस्टार ऐंद्रिता रे ने रानी की भूमिका निभाई है।फिल्म की कहानी एक ड्रामा कंपनी में काम करने वाले दो अभिनेताओं की प्रेम कहानी के इर्द–गिर्द घूमती है और उनकी रील लाइफ उनके वास्तविक जीवन को कैसे प्रभावित करती है।

हार्दिक गज्जर द्वारा निर्देशित यह फिल्म डॉ. जयंतीलाल गडा (पेन स्टूडियो) द्वारा प्रस्तुत की गई है, जिसे धवल जयंतीलाल गड़ा, अक्षय जयंतीलाल गड़ा, पार्थ गज्जर और हार्दिक गज्जर फिल्मों द्वारा बैकबेंचर पिक्चर्स के सहयोग से निर्मित किया गया है।

फिल्म को हाल ही में सीबीएफसी टिप्पणियों के साथ एक अलग रोशनी में डाला गया था, जिस पर निर्देशक–निर्माता हार्दिक गज्जर ने कहा– "हम प्रसिद्ध और कानून का पालन करने वाले प्रोडक्शन हाउस हैं और दर्शकों और हमारे हितधारकों के लिए अच्छा सिनेमा बनाने और दिखाने में रुचि रखते हैं, हमने कभी किसी नियम या दिशा –निर्देश का उल्लंघन नहीं किया है। हमने बोर्ड को सभी आवश्यक विवरण / दस्तावेज / उत्तर प्रस्तुत कर दिए हैं। हमारी फिल्म को 12–11–2020 को ''भवई'' के नाम से 'यू' सेंसर सर्टिफिकेट भी दिया गया है। हमने कानूनी सलाहकारों से भी सलाह मांगी है और कानून के पूर्ण अनुपालन में, हम आगे बढ़ना चाहते हैं और नई रिलीज की तारीख, 22 अक्टूबर को अपनी फिल्म की रिलीज के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। "

सिनेमाघरों को फिर से खोलने के बारे में उत्साहित डॉ जयंतीलाल गडा ने कहा, "हम महाराष्ट्र सरकार और श्री उद्धव ठाकरे द्वारा दिए गए निर्णय का स्वागत करते हैं। थिएटर मनोरंजन व्यवसाय की आत्मा हैं और महाराष्ट्र में हजारों परिवारों के लिए आय का साधन हैं। हम इस फैसले से बेहद खुश हैं और इसलिए हमने अपनी फिल्म 'भवई' की रिलीज को 22 अक्टूबर तक के लिए टालने का फैसला किया है।''

फिल्म 'भवई' में प्रतीक गांधी, ऐंद्रिता रे, राजेंद्र गुप्ता, राजेश शर्मा और अभिमन्यु सिंह की प्रमुख भूमिकाएं हैं।

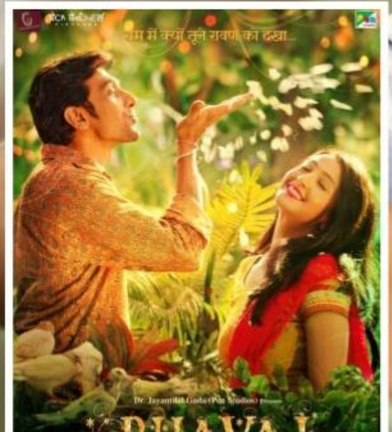
Dr. Jayantilal Gada (Pen Studios) Presents
BHAVAI
Story, Screenplay, Direction Hardik Gajjar
IN CINEMAS 1ST OCTOBER

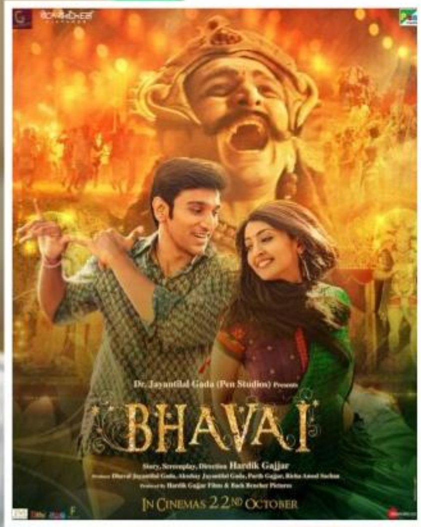
Dr. Jayantilal Gada (Pen Studios) Presents
BHAVAI
Story, Screenplay, Direction Hardik Gajjar
IN CINEMAS 22ND OCTOBER

हॉरर लव स्टोरी
HORROR LOVE STORY
EDITED & DIRECTED BY ISRAR AHMAD
CREATIVE DIRECTOR & PRODUCER DR. BRAJESH H. VERMA

अभिनेता जावेद पठान का धनबाद की गलियों से सिल्वर स्क्रीन और बॉलीबुड तक का सफर, प्रीमियर पर जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया

—के. रवि (दादा)

धनबाद. मुंबई के बॉलीवुड में अपने काम की बदौलत पहचान बना चुके झारखंड धनबाद के रहने वाले जाने–माने अभिनेता **जावेद पठान** की पहली हिंदी फिल्म हॉरर लव स्टोरी धनबाद शहर के गौरव पूजा टॉकीज सिनेमा हॉल से प्रदर्शित हो चुकी है! के . रवि (दादा) से हुई मीठी–मीठी खास बातचीत में जावेद पठान ने बताया कि हॉरर लव स्टोरी इस फिल्म में वे बतौर हीरो लीड रोल में है!

वहीं इस फिल्म में हीरोइन की भूमिका मशहूर अभिनेत्री **ऐश्वर्या चौबे** निभा रही है जबकि फिल्म में जाने–माने बॉलीवुड के चर्चित कलाकार **शक्ति कपूर** ,**मुस्ताक खान** और हास्य अभिनेता **सुनील पाल** भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं. हिन्दी फीचर फिल्म **'हॉरर लव स्टोरी'** के निर्देशक इसरार अहमद है जिन्होंने नवाजुद्दीन सिद्धकी को लेकर लतीफ फिल्म बनाई थी. धनबाद शहर के मध्यमवर्गीय परिवार में जन्में ,पले बढ़े खूबसूरत , शांत, संयमी, 6 एब्स वाले जावेद पठान के अब्बाजान मो.इमामुद्दीन बीसीसीएल में माइनिंग सरदार थे! सेवानिवृत्त होने के बाद जावेद के अब्बा आज भी झरिया के भागा माइनिंग कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहते है! 15 साल पहले धनबाद से एक अभिनेता बनने की सपनें को लेकर धनबाद का बेटा जावेद पठान मायानगरी मुंबई पहुंचा! मुंबई की तंग गलियों में ,फुटपाथ पर भूखें पेट रात भी गुजारें. काम के अभाव में होटल में बर्तन भी साफ किये. लेकिन मुकाम पाने तक संघर्ष जारी रखा. आखिरकार लंबे संघर्ष के बाद मंजिल मिली और पौराणिक कथा पर आधारित टीवी की चर्चित शो 'जय जय बजरंगबली' से पहली बार सीरियल में ब्रेक मिला , उसके बाद महाराणा प्रताप ,जोधा अकबर, बालवीर, जय शनिदेव महादेव ,विघ्नहर्ता गणेश ,हम पांच है जैसे चर्चित टीवी डेली शो में जावेद पठान ने काम किया। जीटीवी , कलर्स, स्टार के कई टीवी सीरियल में काम करने के बाद जावेद पठान को लेकर जी म्यूजिक कंपनी ने तीन हिट म्युजिक एलबम बनायें. जावेद पठान ने आगे बताया कि शंकरा उनकी अगली फिल्म जल्द ही रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म के प्रेस वार्ता में पूजा टॉकिज सिनेमा हॉल के मालिक प्रशांत कुमार सिंह व क्रेडाई सदस्य अमरेश कुमार सिंह भी उपस्थित रहें। इस दौरान दोनों ने आम लोगों से फिल्म देखने की अपील की और कहा कि झारखंड की धनबाद की पहचान देश कोयले के राजधानी अलावा फिल्मों सितारों से भी होना धनबाद के लिए गर्व की बात है।अभिनेता जावेद पठान की पहली हिंदी फिल्म "हॉरर लव स्टोरी "की सफलता के साथ ही उन्हें दोहरी खुशी का जश्न मनाने का मौका मिला। जब अपनी फिल्म की प्रीमियर शो के साथ ही जन्मदिन के मौके पर अपने पसंदीदा सिनेमा हॉल पूजा टॉकीज में बर्थडे केक काटा गया । इस मौके पर धनबाद के एसएसपी संजीव कुमार , डीडीसी दशरथ चंद्र दास ,नगर आयुक्त सत्येंद्र कुमार ,उप नगर आयुक्त राजेश कुमार सिंह, एसडीपीओ सिंदरी अभिषेक कुमार सिंह ,डीएसपी मुख्यालय अमर कुमार पांडेय समेत जिला के आला अधिकारी शामिल हुए। वही जिला परिषद सदस्य सह समाजसेवी अशोक कुमार सिंह शुभकामनाएं देने पहुंचे। इस अवसर पर जावेद के झरिया व धनबाद से बड़ी संख्या में उनके मित्र व चाहने वाले उनके जन्मदिन के जश्न में शामिल हो कर बधाई दिए। अभिनेता जावेद के जन्मदिन के मौके पर अपनी ओर से बधाई देते हुए एसएसपी संजीव कुमार ने कहा कि धनबाद व झारखंड को गर्व है कि उनके घर का बेटा बॉलीवुड में नाम कमा रहा है। डीडीसी दशरत चंद्र दास ने कहा कि जावेद पठान की कामयाबी पर हम सभी खुश है। वे आगे बढ़े ,झारखंड धनबाद का नाम ऊंचा करें ,यही कामना है। समाजसेवी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि जावेद बॉलीवुड में परचम लहराते रहें इसकी कामना हम सभी करते है। इस मौके पर पूजा टॉकीज के मालिक प्रशांत सिंह व जावेद पठान ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और जावेद ने अपने हाथों से केक खिलाकर अपने जन्मदिन की खुशियाँ सेलिब्रेट किया।

हॉरर लव स्टोरी
HORROR LOVE STORY

सेंसेशनल गर्ल जूही अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार.. उनका बहुप्रतीक्षित म्यूजिक एल्बम भी जल्द रिलीज होने जा रहा है

प्रस्तुतिःरमाकांत मुंडे

वह सुंदर भी है और दिमाग वाली लड़की भी है! उच्च अभिनय कौशल के साथ वह जिन्दगी और एनर्जी से भरपूर है! दिल्ली की रहने वाली जूही सिंह बाजवा सपनों के शहर मुंबई में एक मिशन पर है, दूसरों की तरह एक प्रसिद्ध अभिनेत्री बनने के मिशन पर! लेकिन जो चीज उसे सबसे अलग करती है, वह है उसका अदम्य दृढ़ संकल्प और रणनीतिक योजना!

अभी भी एमिटी यूनिवर्सिटी की एक छात्रा, जो अपना बिजनेस मैनेजमेंट कर रही है, जूही पहले ही कई प्रसिद्ध डिजाइनर्स जैसे अर्चना कोचर, सामंत चौहान, शांतनु–निखिल के लिए रैंप वॉक कर चुकी हैं, नई दिल्ली में ऑडी 6 लॉन्च का हिस्सा थीं और खादी इंडिया के लिए भी रैम्प वाक कर चुकी है। उन्होंने मिस दिल्ली खादी इंडिया 2017 जीता था और मुंबई आने के बाद उन्हें कई प्रतिष्ठित प्रोफेशनल काम मिले और उन्हें सोनी टीवी के विघ्नहर्ता गणेश, जी टीवी के इश्क सुबहान अल्लाह जैसे कई टीवी सीरियल्स में भी देखा गया।

ऑल्ट बालाजी के पौरशपुर,

एमएक्स प्लेयर के मस्तराम और डिजिटल विज्ञापन इत्यादि में भी उन्होंने काम किया।

जूही का आने वाला प्रोजेक्ट एक शॉर्ट फिल्म है, जबकि कुछ वेब सीरीज में भी काम कर रही है। और उन्हें अपने अपकमिंग म्यूजिक वीडियो से बहुत उम्मीदें हैं। भले ही कुछ अच्छे फिल्म बैनर के साथ उनकी बातचीत चल रही है लेकिन जूही इस समय अपनी फिल्म के सिलसिले में अधिक जानकारी नहीं देना चाहती।

यह पूछे जाने पर कि क्या अभिनय उनकी बचपन की ख्वाहिश थी, जूही ने हंसते हुए अपनी प्यारी मुस्कान के साथ कहा, 'एक तरह से हाँ। एक किशोरी के रूप में मैं हमेशा खुद को आईने में देखना पसंद करती थी और खुद की प्रशंसा करती थी। मुझे इसके लिए कमेंट्स भी मिलते थे। मेरा लुक, जिस तरह से मैंने खुद को कैरी किया और मेरे दोस्तों ने मेरे चेहरे के भावों की तारीफ की! इसलिए मैंने सोचना शुरू कर दिया कि मुझे एक एक्ट्रेस बनने के लिए एक शॉट देना चाहिए!'

इतने सारे न्यूकमर्स बॉलीवुड के दरवाजे पर पहले से ही दस्तक दे रहे हैं, ऐसे में एक सफल अभिनेत्री बनने के लिए जूही की क्या रणनीति है?

जूही ने बताया, ''देखिए, मैंने हर तरह की भूमिकाओं, टीवी, फिल्मों, फैशन मॉडल, रनवे मॉडल, कमर्शियल मॉडल, फिटनेस मॉडल आदि में अपना हाथ आजमाया है। बॉलीवुड और फैशन इंडस्ट्री हमेशा प्रतिभा को सराहती रही है।''

''मेरी रणनीति सरल है, सही तरह की भूमिका का सम्मान करें और इसे पूरे जुनून के साथ करें,'' उसने बड़ी शिद्दत के साथ बताया।

कोरोना वायरस ने बॉलीवुड इंडस्ट्री को बुरी तरह प्रभावित किया है. जूही ने कहा, ''यह कठिन रहा है, लेकिन इंडस्ट्री द्वारा किए जा रहे उपाय सुरक्षित रहने के लिए सराहनीय हैं और भगवान की इच्छा रही तो हम जल्द ही खतरे से बाहर हो जाएंगे क्योंकि हम सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए टीकाकरण करवा रहे हैं।'' करीना कपूर, प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण जैसी अभिनेत्रियों को वह बॉलीवुड की आइडल मानती हैं, जूही खुद भी फिटनेस की दीवानी हैं।

''मुंबई मेरी 'कर्मभूमि' है। इसने मुझे साहस और आशा दी है और दिखाया है कि कैसे दृढ़ता और वास्तविक प्रतिभा आपको रेस जिताती है। मुझे खुशी है कि इस शहर ने मुझे स्वीकार किया है.!,'' चुलबुली अभिनेत्री ने भरपूर आत्मविश्वास के साथ यह बात कहके अपनी बात पूरी की। ऑल द बेस्ट, जूही सिंह बाजवा!

अपने बच्चों से प्यार करो, लेकिन इतना नहीं कि उन्हें बिगाड़ दो!

कुमार राजपूत

—मायापुरी प्रतिनिधि

जाने—माने कलाकार कुमार राजपूत दिल्ली से ताल्लुक रखते हैं और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) में पढ़ने के बाद उन्होंने विभिन्न माध्यमों में बढ़िया काम किया है। उन्होंने दिल्ली में थिएटर किया है, छपाक, खोसला का घोसला जैसी फिल्मों में काम किया और टेलीविजन पर लाल इश्क, सावधान इंडिया और क्राइम पेट्रोल जैसे शोज़ किए हैं। आज़ाद के नए शो 'पवित्र भरोसे का सफर' में बड़े ठाकुर के रोल में उन्हें एक अमीर और रसूखदार व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है, जो कई व्यवसाय चलाते हैं, कई संपत्तियों के मालिक हैं और मशहूर होने की ख़्वाहिश रखते हैं। वो खुद को प्रगतिशील दर्शाते हैं, लेकिन वास्तव में पिछड़ी सोच रखते हैं और महिला सशक्तिकरण के पक्ष में नहीं है।

☐ आज़ाद के पवित्र भरोसे का सफर में बड़े ठाकुर के आपके रोल की तुलना में आप असल में एक पिता के रूप में कैसे हैं?

कुमार राजपूत : हमें अपने बच्चों से प्यार करना चाहिए, लेकिन इतना नहीं कि हम उन्हें बिगाड़ दें। कभी—कभी, बच्चे उन्हें दी गई आज़ादी का गलत फायदा उठाते हैं। मैं जो किरदार निभा रहा हूं, वो आज हर घर में मौजूद है। उसमें नकारात्मक और सकारात्मक दोनों रंग हैं। मुझे वास्तव में नीलू वाघेला जी के साथ काम करना पसंद है, क्योंकि उनके अनुभव से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

☐ आपने इस किरदार को क्यों स्वीकार किया?

कुमार राजपूत : जब मुझे किरदार का नैरेशन दिया गया तो ये मुझे तुरंत पसंद आ गया। मुझे लगा कि यह कुछ ऐसा है जो मैंने अब तक नहीं किया था। मैंने सावधान इंडिया, क्राइम पेट्रोल और फिल्मों में काम किया है और कई नेगेटिव रोल्स किए हैं। इस शो में ग्रामीण नजरिया है। इस तरह का किरदार किसी भी घर में देखा जा सकता है। वो अपने बच्चों का ख्याल रखने के साथ—साथ काफी सख्त भी हैं। वो बच्चों को चीजें समझाने की कोशिश करते हैं, लेकिन घर में राजनीति भी करते हैं।

☐ इस शो के जरिए आप दर्शकों को क्या संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं?

कुमार राजपूत : मेरा संदेश है कि अपने बच्चों से प्यार करो, लेकिन इतना नहीं कि तुम उन्हें बिगाड़ दो। सख्त रहें लेकिन इतना नहीं कि बच्चा जिद्दी हो जाए। हर चीज के बीच संतुलन बनाए रखें। मुझे लगता है कि दर्शकों को मेरा किरदार पसंद आएगा।

☐ आपकी जोड़ी नीलू वाघेला के साथ बनाई गई है? उनके साथ पार्टनरशिप कैसी रहने वाली है?

हमारी साझेदारी बहुत अच्छी चल रही है। वो टेलीविजन और फिल्मों दोनों में मुझसे कहीं ज्यादा अनुभवी हैं। मुझे उनके साथ काम करना और उनके अनुभव से लाभ उठाना पसंद है। मैं पवित्र भरोसे का सफर में बड़े ठाकुर का किरदार निभा रहा हूं और यह आज़ाद और एमएक्स प्लेयर पर रोजाना रात 9:30 बजे प्रसारित होता है। मुझे आपके प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है।

देखिए कुमार राजपूत (बड़े ठाकुर) को पवित्र भरोसे का सफर में, हर सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे आज़ाद पर। यह चैनल टाटा स्काई पर 183, डीडी फ्रीडिश चैनल नंबर 36 पर उपलब्ध है और एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त में देखा जा सकता है।

आज़ाद
हमारी मिट्टी हमारा आसमान

MX PLAY
beginner media

बॉलीवुड संगीतकार 'मंज मुसिक' ने एक नया रिकॉर्ड लेबल 'मुजिक वन ग्लोबल' के लॉन्च के साथ अपना सबसे हॉट सिंगल 'कंगना' रिलीज किया

Muzik One Global

ब्रिटिश–भारतीय गायक, प्रमुख आरडीबी गायक और बॉलीवुड संगीत निर्देशक, 'मंज मुसिक' लोकप्रिय रूप से अक्षय कुमार के साथ अपने कई सहयोगों और 'गो पागल', 'लाल घाघरा' और 'स्वैग मेरा देसी' जैसे उनके फुट–टैपिंग नंबरों के लिए जाने जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड लेबल 'मुजिक वन ग्लोबल' लॉन्च करने के लिए दुबई स्थित भारतीय व्यवसायी अश्विन संचेती के साथ सहयोग किया। लेबल को मंज द्वारा लिखित और निर्देशित इसके पहले एकल के रिलीज के साथ पेश किया गया था, जिसमें उन्हें और उशना शाह, एक कनाडाई–पाकिस्तानी अभिनेता ने मुख्य भूमिकाओं में अभिनय किया था।

ज्यादातर दुबई में शूट किया गया, इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग लाहौर में हुई, सिंगल की शुरुआत लाहौर में एक शादी के दृश्य से होती है और फिर दुबई में फ्लैशबैक में चला जाता है। दो अलग–अलग देशों के दो लोग मिलते हैं और प्यार हो जाता है। हालांकि, घटनाओं का अचानक मोड़ उन्हें एक मुश्किल स्थिति में छोड़ देता है।

मंज मुसिक के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर आज रिलीज किया गया यह प्रेम गीत मंज के प्रशंसकों और पंजाबी हिप–हॉप शैली के प्रेमियों के लिए एक इलाज है।

गीत और लेबल पर टिप्पणी करते हुए, मंज मुसिक, गायक, संगीतकार और 'मुजिक वन ग्लोबल' के सह–संस्थापक ने कहा, ''यह जनता के लिए बनाया गया एक व्यावसायिक गीत है। निश्चित रूप से हर कोई इसे पसंद करेगा, इसके साथ गाना और इसकी थाप पर नाचना चाहेगा। भाषा, भौगोलिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आदि की बाधाओं को पार करते हुए, हम चाहते हैं कि लोग संगीत की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से संवाद करें, जबकि उन्हें अस्पष्टीकृत महसूस करने में सक्षम बनाएं, संगीतकारों को कुछ अलग बनाने के लिए एक साथ आने में मदद करें। मैं अश्विन के साथ साझेदारी करके खुश हूं और दर्शकों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए मूल, प्रामाणिक और नई सामग्री बनाने के लिए दुनिया भर से विभिन्न शैलियों और कलाकारों को लाने की उम्मीद कर रहा हूं।

इसी तरह, 'मुजिक वन ग्लोबल' के सह–संस्थापक अश्विन संचेती ने कहा, ''हमने मंज के नए सिंगल 'कंगना' के साथ लेबल लॉन्च किया है, जिसे दुबई में शूट और निर्मित किया गया है। एक दोस्त के साथ व्यापार के इस नए क्षेत्र में प्रवेश करने और एक रिकॉर्ड लेबल लॉन्च करने के लंबे समय से पोषित सपने को पूरा करने में सक्षम होने के लिए मुझे बहुत खुशी हो रही है।"

चर्चाओं के बीचः–साहित्य की मीरा पूजाश्री

प्रस्तुतिः–काली दास पाण्डेय

राजस्थान की तपती रेत को रौंद कर मायानगरी मुम्बई तक पहुंचने वाली लेखिका पूजाश्री ने अपने साहित्य में भारत की कला संस्कृति को सरंक्षित करते हुए फिलवक्त उसके प्रचार प्रसार में गतिशील हैं। हिंदी और राजस्थानी दोनों भाषाओं में 18 से अधिक पुस्तकों को सृजित करने वाली पूजाश्री का जन्म 29 मार्च 1951 को हुआ था। बचपन से ही विचारों को, भावनाओं को अपने शब्दों से स्वरूप प्रदान करने वाली पूजाश्री मास्टर ऑफ आर्ट्स में साहित्यरत्न हैं। हिंदी,संस्कृत,राजस्थानी,उर्दू और मराठी भाषा पर पूर्ण अधिकार रखती हैं। साथ ही साथ आज के हिंदी साहित्य में सर्वोच्च स्थान रखती हैं। पूजाश्री निर्भीकता से अपनी लेखनी से समाज की कुरीतियों, नीतियों पर प्रहार करने से भी नहीं चूकतीं और अपनी साहित्यिक यात्रा जारी रखी हुई हैं।

'पनघट'(काव्य संग्रह), 'रेखाएं'(काव्य संग्रह), 'रेत है रातनालीअ'(राजस्थानी काव्य संग्रह), ' नारी यदि चाहे तो'(कहानी संग्रह), 'मेरे आराध्य'(भक्ति काव्य संग्रह), 'देश मेरे'(देश भक्ति गीत), 'राम कथा और तुलसीदास'(गद्य व पद्य), 'प्रणय पराग'(काव्य संग्रह), 'छद्मवेश', 'ओलख रा उजियारा'(राजस्थानी कहानी संग्रह), 'शुभ मंगल'(राजस्थानी काव्य संग्रह), 'तिश्नगी' (नज़्म संग्रह), 'रोसनी री सुई'(राजस्थानी कविता संग्रह), 'जिंदगानी री जोगण'(राजस्थानी कविता संग्रह), 'अभिलाषा'(सरस अखंड काव्य), 'मेलो'(राजस्थानी), 'वंदे मातरम बाल साहित्य बाल साहित्य(राजस्थानी), 'सत्यमेव जयते'(हिंदी), और 'योग कवंल'(योग पर रचनाएं हिंदी) जैसी कई पुस्तकें पूजाश्री की, पाठकों तक पहुंच चुकी है। पूजाश्री की तीन अन्य पुस्तकें वर्तमान समय मे प्रकाशाधीन हैं।

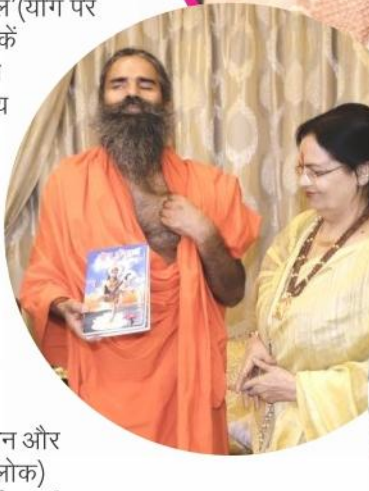

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी

पूजाश्री को उनकी लेखकीय गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए, मानस संगम(कानपुर) द्वारा साहित्य पुरुस्कार, राष्ट्रीय आत्मा स्मारक द्वारा श्रीमती जय देवी शुक्ला पुरुस्कार, राजस्थानी गीतों के लिए जनपदीय सम्मान और मानव कल्याण संघ(साहित्य लोक) प्रतापगढ़, उत्तरप्रदेश द्वारा सहित्यश्री पुरुस्कार, हम सब संस्था(ठाणे, महाराष्ट्र) द्वारा सार्वजनिक सम्मान, अखिल भारतीय सहियकार अभिनंदन समिति(मथुरा, उत्तरप्रदेश) द्वारा कवियत्री महादेवी वर्मा सम्मान, साहित्यकार सम्मेलन(उज्जैन) द्वारा सम्मान पत्र, महाराष्ट्र राज्य साहित्य अकादमी द्वारा मुंशी प्रेमचंद साहित्य पुरुस्कार, नारायणी साहित्य अकादमी (दिल्ली) द्वारा नारायणी सम्मान और कई तरह के पुरूस्कारों से नवाजा जा चुका है। देश विदेश के सभी मुख्य पत्र पत्रिकाओं में छप चुकी और अपनी प्रथम मंचीय रचना मुम्बई की धरती पर पढ़ने वाली और साहित्य की मीरा के नाम से ख्याति प्राप्त लेखिका पूजाश्री हिंदी साहित्य की वर्तमान दशा को देख कर काफी व्यथित व विचलित नजर आती हैं। पूजाश्री ने साहित्य के माध्यम से सेवा समर्पण सहयोग सदभावना युक्त संदेश लोगों तक पहुंचने के लिए बहुत संघर्ष किया और उनका संघर्ष आज भी जारी है।

बकौल पूजाश्री आज अंग्रेजी का बोलबाला है। नई पीढ़ी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ कर निकल रही है....वैसे आज के दौर में हिंदी साहित्य पाठ्यक्रमों से बाहर निकलता प्रतीत होता है...ये शुभ संकेत नहीं है। मैं अपना समय जिन्दगी सबकुछ साहित्य को अर्पण कर चुकी हूँ। मेरी इच्छा है कि संदेशपरक साहित्य पाठकों तक पहुंचे। जिसका घोर अभाव आज के दौर में दिखाई देता है...फिर भी अंतिम समय तक मैं साहित्य के माध्यम से समाज की सेवा करती रहूँगी!

देश मेरे
पूजाश्री
नारी यदि चाहे तो
अभिलाषा
प्रणय पराग
रामकथा और तुलसीदास

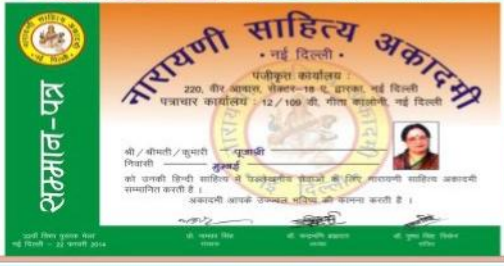

सम्मान-पत्र

नारायणी साहित्य अकादमी
• नई दिल्ली •
पंजीकृत कार्यालय :
220, वीर आवास, सेक्टर–18 ए, द्वारका, नई दिल्ली
पत्राचार कार्यालय : 12/109 बी, गीता कालोनी, नई दिल्ली

श्री/श्रीमती/कुमारी पूजाश्री
निवासी मुम्बई
को उनकी हिन्दी साहित्य में [illegible] सेवाओं के लिए नारायणी साहित्य अकादमी सम्मानित करती है।
अकादमी आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

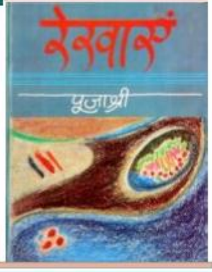

दंगल टीवी पर जल्द प्रसारित होने वाले सीरियल 'सिंदूर की कीमत' में मेरा किरदार चुनौतीपूर्ण है...

प्रतीक चौधरी

–शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

''परमावतार श्री कृष्ण'' में अभिनय कर शोहरत बटोरने के बाद अभिनेता प्रतीक चौधरी ने कुछ वेब सीरीज की शूटिंग की,मगर कोरोना महामारी के चलते वह सब अधर में लटक गयी। अब पूरे दो वर्ष बाद प्रतीक चौधरी ''दंगल'' टीवी पर जल्द प्रसारित होने वाले गुल खान की ''लॉयन 4'' प्रोडक्शन हाउस के नए सीरियल ''सिंदूर की कीमत'' में अश्विन अवस्थी का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे,जो कि शहजाद शेख द्वारा निभाए जा रहे किरदार अर्जुन का भाई है।

एंड टीवी पर प्रसारित सीरियल ''परमावतार श्री कृष्ण'' करने के बाद आप कम नजर आए? इस सवाल पर प्रतीक चौधरी ने कहा–'' उसके बाद मैने एपीसोडिक सीरियल और वेब सीरीज ज्यादा किए। लेकिन अब 'सिंदूर की कीमत' नामक डेली सोप कर रहा हूँ। क्योंकि इसका निर्माण भारतीय टेलीविजन उद्योग के बहुत अच्छे निर्माता गुल खान अपनी कंपनी ''4 लायंस फिल्म्स'' के तहत कर रही है। मैं पहली बार उनके साथ काम कर उत्साहित हूं।''

सीरियल ''सिंदूर की कीमत'' के अपने किरदार की चर्चा करते हुए प्रतीक चौधरी कहते हैं–'' इस सीरियल को लेकर मैं काफी उत्साहित हूँ। इसका प्रसारण अक्टूबर माह में शुरू होगा। इसमें मैं अश्विन अवस्थी का किरदार निभा रहा हूं,जो कि मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण है। वह सीरियल में समानांतर लीड हैं। अश्विन अवस्थी, अवस्थी परिवार का छोटा बेटा है। वह अपने बड़े भाई अर्जुन और उसके परिवार के साथ बहुत अच्छा बंधन साझा करता है। वह अपने बड़े भाई अर्जुन व भाभी मिश्री के लिए लक्ष्मण है। उसे पता है कि अर्जुन उसका खून या दत्तक भाई नहीं है,फिर भी वह अर्जुन और मिश्री के बिना नही जी सकता है और उनके लिए मर सकता है। अश्विन पारिवारिक व्यवसाय में अपने पिता की मदद करता है, लेकिन वह अर्जुन की तरह सफल नही है। फिर भी वह खुशी से अपने बड़े भाई अर्जुन की छत्रछाया में रहता है। पूरा अवस्थी खानदान भी उसे प्यार करता है और उसे एक बच्चे की तरह लाड़ प्यार करता है।''

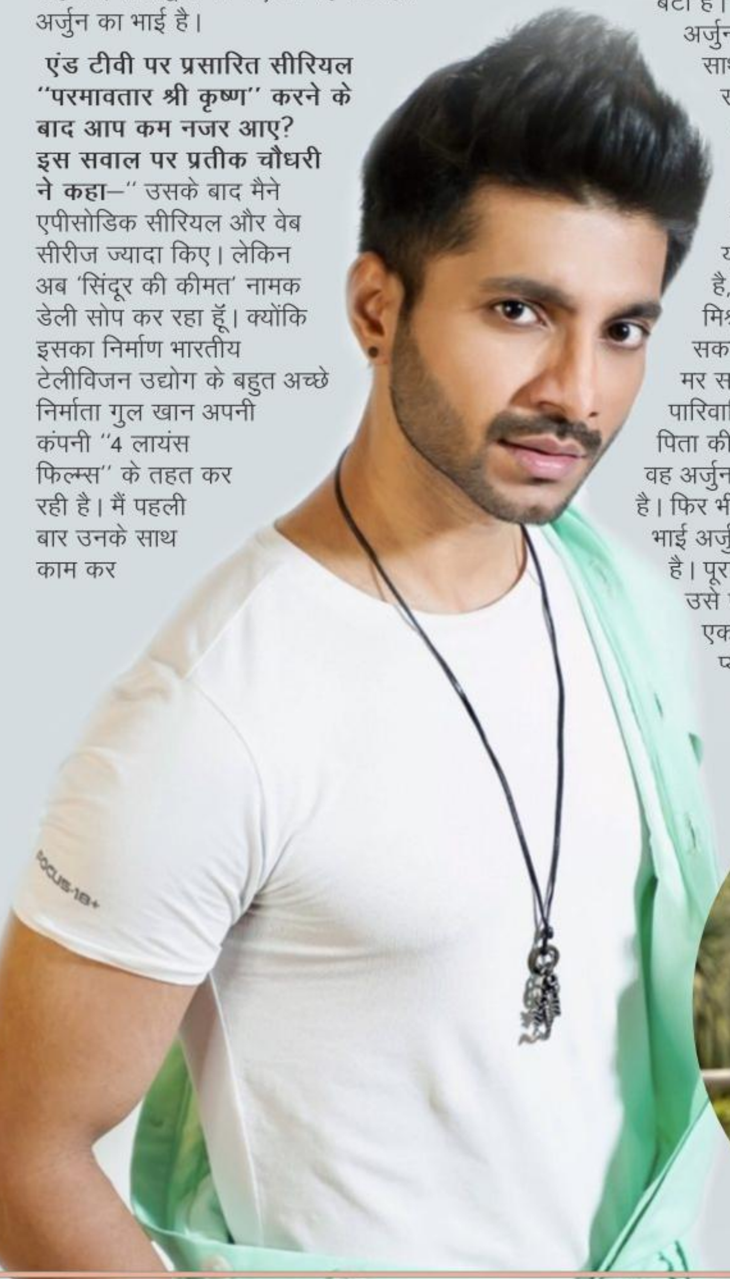

यूँ तो प्रतीक चौधरी बहुत कम टीवी देखते हैं। मगर उनकी नजर में ''दंगल'' टीवी पर अच्छे कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं। वह कहते हैं–''मैं महिला सशक्तिकरण पर आधारित अच्छी सामग्री देख सकता हूं। और मैं यहां पक्षपाती नहीं हूं,क्योंकि मैं यह सीरियल कर रहा हूं। लेकिन पहले से ही मेरे सीरियल 'सिंदूर की कीमत' को बहुत पसंद कर रहा हूं। मेरा मतलब है कि मैं शूटिंग के दौरान इसे महसूस कर सकता हूं। आप कह सकते हैं कि यह है पहले से ही मेरा पसंदीदा सीरियल इसलिए नहीं कि मैं यह सीरियल कर रहा हूं बल्कि सामग्री और निर्माता और कलाकार सब कुछ बिल्कुल सही है। और मुझे यकीन है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे।''

प्रतीक चौधरी आगे कहते हैं–'' मैं पहले महिला सशक्तिकरण, पारिवारिक नाटक, धार्मिक व ऐतिहासिक सीरियल ज्यादा देखता था,लेकिन अब मैं विज्ञान–फाई और रियालिटी सीरियल देख सकता हूं जो वास्तव में अच्छा कर रहे हैं।''

अमूमन माना जाता है कि एक कलाकार के लिए उसका लुक्स काफी मायने रखता है। मगर प्रतीक चौधरी इस बात से पूरी तरह सहमत नही है।वह कहते हैं–''यदि आप एक विशेष भूमिका निभा रहे हैं, जहां चरित्र की मांग है, तब लुक्स मायने रखता है अन्यथा नहीं। सच कहूँ तो लुक्स और टैलेंट में से किसी एक को चुनना हो,तो मैं निः संदेह प्रतिभा का ही चयन करुंगा। आप लुक्स की बदौलत बुनियादी स्तर तक पहुंच सकते हैं, लेकिन अगर आप ऑडीशन को क्रैक करना चाहते हैं और शीर्ष पर पहुंचना चाहते हैं, तो बिना प्रतिभा के संभव नही है। अभिनेता के लिए शिल्प, कड़ी मेहनत, निरंतरता, धैर्य और त्याग बहुत मायने रखता है।''

इन दिनों कुछ कलाकार 'बिग बॉस' जैसे टीवी के किसी भी रियालिटी शो का हिस्सा बनकर शोहरत पाने के जुगाड़ में नजर आते हैं। इस पर प्रतीक चौधरी कहते हैं–'''अगर मुझे कभी मौका मिलेगा, तो मैं केवल सलमान खान की वजह से रियालिटी शो 'बिग बॉस'करना पसंद करूंगा अन्यथा नहीं।''

प्रतीक चौधरी आगे कहते हैं–''मेरे कैरियर का लक्ष्य अच्छे निर्माताओं और बेहतरीन रचनात्मक टीमों के साथ अच्छे सीरियल,वेब सीरीज व फिल्मों में अभिनय कर अपनी प्रतिभा के बल पर दर्शकों का मनोरंजन करते हुए दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाना है।''

अध्यक्ष रचना सरीन आईपैक्स लेडीज क्लब

मायापुरी प्रतिनिधि

आईपैक्स लेडीज क्लब के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम मेरा गांव मेरा देश भारतीय संस्कृति और भारतीय परिधान से सुसज्जित होकर प्रत्येक राज्यों के लोक गीतों पर सामूहिक रूप से नृत्य किया।जैसे राजस्थान ,महाराष्ट्र ,यूपी, पंजाब ,कश्मीर, क्लब की प्रेसिडेंट श्रीमती रचना सरीन जी की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम को बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। क्लब की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अर्चना त्यागी जी ,जनरल सेक्रेटरी वंदना वर्मा जी, कोषाध्यक्ष अनुराधा शुक्ला जी, क्लब की वाइस प्रेसिडेंट और कोरियोग्राफर श्रीमती अलका श्रीवास्तव जी की मेहनत इस कार्यक्रम में रंग लेकर आई और चार चांद लगा दिए। क्लब की सीनियर एडवाइजर इंदु श्रीवास्तव जी , रीटा अग्रवाल जी ,सुधा राजशर्मा जी, श्रीमती रश्मि गुप्ता जी ,आभा दवे जी ,एडवोकेट मीना अग्रवाल, एडवोकेट पूनम कालिया जी, पूनम अग्रवाल जी, ललिता अग्रवाल जी,निशा गुप्ता जी , डॉ चित्रा जी ,डॉ भारती बंसल जी, भक्ति गौतम जी, शिल्पी गुप्ता ,रश्मि सिंह ,रूपम अखिलेश, सुषमा अग्रवाल जी, सविता टंडन जी, सुशीला रावत जी, समस्त कार्यकारिणी के सहयोग ने इस प्रोग्राम की गरिमा को चार चार चांद लगा दिए।

अतिथि देवो भव हमारी भारतीय परंपरा और संस्कृति के तहत वाओ

आईपैक्स भवन वेलफेयर सोसाइटी

इंडिया की जनरल सेक्रेटरी पूर्णिमा शर्मा जी , श्रीमती आम्रपाली गुप्ता जी ,निगम पार्षद श्रीमती शशि चांदना जी ,निगम पार्षद श्रीमती बबीता खन्ना जी श्वेता सिंगला जी जेपी होटल की ऑनर श्रीमती सुदर्शन अग्रवाल जी, श्रीमती रजनी अग्रवाल जी, नीरा गोयल जी सभी सम्मानित अतिथियों ने प्रोग्राम की शोभा को प्रकाशित करके हमें गौरवान्वित किया!

क्लब की सदस्य श्रीमती बाला एंब्रॉल, कली अग्रवाल जी और मनीषा महेश्वरी जी और डॉक्टर चित्र अग्रवाल जी ने भी भरपूर सहयोग रहा!

सिंगला स्वीट्स की ऑनर श्वेता सिंगला जी ने क्लब के सभी सदस्यों का मिठाई देकर उनका मुंह मीठा कराया। क्लब की प्रेसिडेंट रचना सरीन जी समस्त कार्यकारिणी और समस्त सदस्यों की तरफ से आपको तहे दिल से शुक्रिया!

बेहद ही सुरीले गायक श्रीमान डेविड जी ने सुरीले नगमे

सुना कर सभी को डांस करने पर मजबूर कर दिया। क्लब के सभी सदस्यों ने अपना भरपूर सहयोग देकर प्रोग्राम को शोभायमान किया। आईपी एक्स लेडीज क्लब अपने सभी साथियों अतिथियों और सदस्यों का तहे दिल से धन्यवाद करता है

काव्य परम्परा
मासिक काव्य

RADON

RADON

RADON

RADON

RADON
आईपैक्स लेडीज़ क्लब

RADON

BATHROOM & KITCHEN SOLUTION

RADO
awesome

गोविंदा, शिल्पा शेट्टी के गीत 'इक चुम्मा तू मुझको उधार देई दें' से क्यों तुलना हो रही है, समर सिंह के नए गीत 'भैंस बेचके चुम्मा लेंगे की?

सुलेना मजुमदार अरोरा

देसी स्टार **समर सिंह** लेकर आए हैं जबरदस्त और धमाकेदार भोजपुरी विस्फोट एक नए अंदाज में **'भैंस बेच के चुम्मा लेंगे'**

एक समय में बॉलीवुड फिल्म स्टार **गोविंदा और शिल्पा शेट्टी** की जोड़ी पर फिल्माया गया फिल्म **'छोटे सरकार'** का गाना **'इक चुम्मा तू मुझको उधार देई दे',बदले में यूपी–बिहार लेई ले...'** काफी बड़ा हिट हुआ था।

अब लगभग 25 साल बाद फिर से एक बार दर्शकों का वैसा ही मनोरंजन करने के लिए, देसी स्टार समर सिंह चुम्मा पर एक बवाल मचाने वाला सॉन्ग लेकर आए हैं जिसमें वह भैंस बेच के चुम्मा लेने की बात कर रहे हैं।

समर सिंह के इस नए सॉन्ग का नाम है **'भैंस बेच के चुम्मा लेंगे'** जो स्पीड रिकॉर्ड्स भोजपुरी से रिलीज हुआ है। इस गाने में समर सिंह और उनकी खूबसूरत नायिका एक्ट्रेस प्रियंका शर्मा के हॉट लटकों–झटकों से दर्शक मदहोश हुए जा रहे हैं!

देसी स्टार समर सिंह के धांसू वीडियो सॉन्ग, **'भैंस बेच के चुम्मा लेंगे'** में एक्ट्रेस **प्रियंका शर्मा** के तिरछी नजर, पतली कमर के जलवे फैन्स को क्रेजी बना रहे हैं। भोजपुरी के देसी स्टार समर सिंह अपने आप मे एक लाजवाब सिंगर हैं, यही वजह है कि उनके सामने कोई टिक नहीं पाता है। उनके करोड़ो फैन्स उनके गानों को खूब लाइक करते हैं और उनके गाने घँटों में वायरल होकर मिलियंस ऑफ व्यूज हासिल करते हैं! उनके इस बहुप्रतीक्षित धमाल सॉन्ग, **'भैंस बेच के चुम्मा लेंगे'** को खूब बढ़िया रिस्पॉन्स मिल रहा है! इसका टीजर जारी होते ही लोग गाने का बेसब्री से इंतजार करने लगे। समर सिंह इसमें दिल चुरा लेने वाले अद्‌भुत लुक में बेहद स्मार्ट लग रहे हैं, वहीं गाने में समर सिंह की एक्ट्रेस प्रियंका शर्मा बेहद ग्लैमरस और हॉट लग रही हैं! दोनों का डांस धमाल है।

समर सिंह का यह धांसू नम्बर 'भैंस बेच के चुम्मा लेंगे' स्पीड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। समर सिंह और खुशबू तिवारी केटी की आवाज में इस गीत में समर सिंह गाते हैं **'हम हैं देसी छोरा, कोई न टिक पाएगा!'**

यह यूनिक वीडियो इन दिनों चर्चा का विषय है और गाने को बेहद भव्य ढंग से फिल्माया गया है। समर सिंह अपने लुक और अंदाज में बॉलीवुड के स्टार्स को पछाड़ते नजर आ रहें हैं। उनके फैन्स के कमेंट अनुसार समर का लुक तांडव मचा रहा है और उनकी नायिका ऐक्ट्रेस प्रियंका शर्मा अपनी सनसनाती अदाओं और मादक उम्फ से फैन्स को क्रेजी बना रही हैं। यह सॉन्ग आने वाले सारे उत्सवों के दौरान होने वाले मनोरंजन वैराइटी शोज में नम्बर वन पर बजने की तैयारी कर रही है।

यह हॉट नम्बर एक नए कॉन्सेप्ट पर आधारित है इसलिए दर्शकों को यह खूब रिझा रहा है। समर ने इसे बड़ी शिद्दत से गाया है।

इस बारे में बातचीत करते हुए समर ने कहा, ''भैस बेच के चुम्मा लेंगे, एक बहुत ही प्यारा गाना है, जो कुछ अलग है। आप सब इस गाने को अपना आशीर्वाद जरूर दीजिये।''

इस गाने में एक देसी फ्लेवर और देसी झन्नाटे का तड़का तो है ही लेकिन जो सबकी नजरों में चढ़ रहा है वो है समर सिंह और उनकी ऐक्ट्रेस प्रियंका शर्मा की गजब केमिस्ट्री, जिससे उन दोनों के बीच कम्फर्ट लेवल का राज बयां हो रहा है। दोनों ने जमकर धमाकेदार डांस किया है।

यह सॉन्ग जितना विजुएली इफेक्ट पैदा करता है उतना ही कर्णप्रिय भी है। समर सिंह के साथ खुशबू तिवारी केटी ने इसे मधुर स्वर में गाया है। इसके फुट टैपिंग गीत रामसेवक प्रितम ने लिखे हैं जबकि इसे संगीत से सजाया है आशीष वर्मा ने। डायरेक्टर ऐश्वर्या शर्मा, डीओपी दीपक पॉल, सनी यादव, एडिटर कीर्ति मान हैं!

झारखंड की धरती से जुड़े फिल्मकार **सचिन्द्र शर्मा** उत्तराखंड में सम्मानित

– काली दास पाण्डेय

झारखंड की धरती से जुड़े फिल्मकार सचिन्द्र शर्मा को देहरादून (उत्तराखंड) में आयोजित देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल(छठा सीजन) में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज की उपस्थिति में अवॉर्ड दे कर सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड फिल्मकार सचिन्द्र शर्मा को बॉलीवुड में उनके द्वारा नवोदित प्रतिभाओं को प्रकाश में लाने के लिए किये गए कार्यों के लिए दिया गया। फिल्म 'काबू'(2002), 'बॉर्डर हिंदुस्तान का'(2003), 'शबनम मौसी', 'धमकी'(2005), 'मिस अनारा'(2007), 'माई फ्रेंड गणेशा(फिल्म श्रृंखला 2007), 'सावंरिया' (2007), 'माई हस्बैंडस वाइफ'(2010), 'मैं कृष्णा हूँ', 'ज़िन्दगी 50–50'(2013), 'लव यू फैमिली'(2017), 'सत्य साईं बाबा'(2021) के अलावा मराठी फिल्म 'बाला' जैसी कई हिट फिल्मों का लेखन व निर्देशन कर चुके फिल्मकार सचिन्द्र शर्मा की फिल्म 'मुम्बई कैन डांस साला'(1915) उनकी काफी चर्चित फिल्मों में से एक है। चाईबासा (झारखंड) के मूल निवासी फिल्मकार सचिन्द्र शर्मा ने अपना फिल्मी करियर 1992 में बतौर फिल्म पत्रकार शुरू किया था। बाद में इन्होंने अपना रुख पटकथा लेखन, निर्देशन और फिल्म निर्माण की ओर किया और अपनी प्रतिभा के बदौलत बॉलीवुड में झारखंड के परचम लहराया। नवोदित प्रतिभाओं को चांस देने में अग्रणी फिल्मकार सचिन्द्र शर्मा फ़िलवक्त क्षेत्रीय फिल्मों व धार्मिक फिल्मों की मेकिंग के तरफ ध्यान दे रहे हैं। झारखंड की लोक कला संस्कृति से जुड़ी एक फिल्म की घोषणा फिल्मकार सचिन्द्र शर्मा बहुत जल्द ही करने वाले हैं। बकौल सचिन्द्र शर्मा प्राकृतिक सौंदर्य और खनिज सम्पदाओं से भरपूर झारखंड प्रदेश में प्रतिभाशाली कलाकारों की कमी नहीं है। फिल्म निर्माण के क्षेत्र में प्रदेश के कई फिल्मकार क्रियाशील हैं। झारखंड में दुनिया के सबसे सुंदर डेस्टिनेशन हैं। फिल्म शूटिंग के लिए झारखंड में अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार यदि सहोग्यात्मक रुख अख्तियार करे तो झारखंड फिल्म हब के रूप में विकसित हो सकता है।

INTERNATIONAL
FILM FESTIVAL

INTERNATIO
FILM FEST

ज़ोया खान की फिल्म 'करिया' की शूटिंग उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में चल रही है

—मायापुरी प्रतिनिधि

भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री ज़ोया खान की भोजपुरी फिल्म 'करिया' की शूटिंग आज कल उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में चल रही है! इस फिल्म को लेकर ज़ोया खान बहुत उत्साहित है! फिल्म की कहानी बहुत अच्छी है! यह फिल्म को दो भाषाओ में बन रही है भोजपुरी और तमिल में! इस फिल्म का निर्देशन अंगद कुमार ओझा कर रहे है जो फिल्म 'करिया' में मुख्य भूमिका में भी नजर आएँगे ज़ोया खान के साथ! फिल्म के लेखक लेखक, निर्देशक, निर्माता और अभिनेता अंगद कुमार ओझा की सम्पूर्ण पारिवारिक भोजपुरी फ़िल्म "करिया" साउथ और भोजपुरी 2 भाषाओं में बनाई जा रही है। साउथ और भोजपुरी दोनों भाषाओं की फिल्मों में अलग–अलग वेरिएशन में देखने को मिलेगी। अंगद कुमार ओझा ने इसके पहले भोजपुरी फिल्म ''वायरस'' फिल्म का निर्माण किया था जो भोजपुरी और तमिल दोनों भाषाओं में बनाई गई थी। उस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा रिस्पांस मिला था और अब वे फिल्म ''करिया'' का निर्माण कर रहे हैं।

फिल्म का संगीत वीरेंद्र पॉल ने तैयार किया हैं। फ़िल्म के छायांकन टी शबरी नाथ, डांस मास्टर प्रसून यादव, फाइट मास्टर दिनेश यादव, कला राजीव शर्मा हैं और प्रचारक संजय भूषण पटियाला है !

इस फिल्म में ज़ोया खान के साथ अंगद कुमार ओझा ,प्रकाश जैस बिना पांडेय ,अयाज़ खान ,मनोज टाइगर, अमित शुक्ला,बालेश्वर सिंह ,सोनिया मिश्रा जैसे अन्य कई कलाकार नजर आएँगे। यह फिल्म दर्शको के मनोरंजन को ध्यान में रखकर बनायीं जा रही है। फिल्म के सभी कलाकार फिल्म को लेकर काफी उत्त्साहित है।

'बिग बॉस' फेम हिमांशी खुराना की पंजाबी फिल्म ''शावा नी गिरधारी लाल'' दिसंबर में होगी प्रदर्शित

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

कई म्यूजिक वीडियो में अभिनय कर शोहरत बटोरने के बाद हिमांशी खुराना को ''बिग बॉस'' ने हर घर का सदस्य बना दिया। तभी से यह कयास लगाए जा रहे थे कि हिमांशी खुराना फिल्मों से दूर क्यो हैं? बहरहाल, अब गिप्पी ग्रेवाल और नीरू बाजवा संग हिमांशी खुराना पंजाबी फिल्म ''शावा नी गिरधारी लाल'' कर काफी उत्साहित हैं। इस पंजाबी फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिलहाल हिमांशी खुराना इसकी डबिंग कर रही हैं।

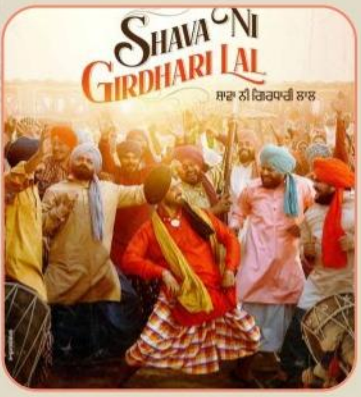

इस फिल्म की चर्चा करते हुए हिमांशी खुराना कहती हैं–'' फिल्म की शूटिंग की शुरूआत से ही जिस तरह से लोग इस फिल्म को अपना प्यार देने लगे थे, उससे मैं काफी अभिभूत हूं। इतना प्यार पाने के लिए यह बहुत अच्छा अहसास है। फिल्म में बहुत मजबूत कलाकार हैं और यह बड़ी उम्मीदों को बटोरने के लिए बाध्य है और यह उम्मीदों से पहले आया है। हम वर्तमान में शूटिंग पूरी होने के बाद इसकी डबिंग कर इसे सिनेमाघरो में पहॅुचाने के लिए आवश्यक तैयारी कर रहे हैं। यह 17 दिसंबर को रिलीज होने की उम्मीद है। पूरा परिवार एक साथ इस फिल्म का आनंद लेगा और यह एक ऐसा समय होगा जब वह एक साथ आ सकते हैं और बंधन में आ सकते हैं। यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है।''

टीवी कलाकार विशाल वशिष्ठ दिखाएंगे 'डाइस मीडिया' की पहली ई स्पोर्ट्स वेब सीरीज ' क्लच ' में अपना जलवा

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

''डाइस मीडिया'' इन दिनों ''क्लच'' नामक पहली ई स्पोर्टस वेब सीरीज का निर्माण कर रहा है, जिसमें मशहूर टीवी कलाकार विशाल वशिष्ठ मुख्य किरदार निभा रहे हैं।

दर्शकों ने विशाल वशिष्ठ को टेलीविजन पर सीरियल 'वीराः एक वीर की अरदास वीरा' में बलदेव सिंह की भूमिका के अलावा टेलीविजन सीरियल ''इश्क में मर जावाँ 2'' में खलनायक कबीर शर्मा की भूमिका निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर चुके हैं। अब वह 'डाइस मीडिया' की वेब सीरीज 'क्लच' में एक गेमिंग उत्साही की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे। स्क्रीन पर एस्पोर्ट्स एक्शन दिखाते हुए, विशाल के साथ अभिनेत्री अहसास चन्ना, लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर सौरभ घडगे, अभिनेता प्रतीक पचौरी और तीर्थ जोइशर भी होंगे।

''क्लच'' एक एस्पोर्ट्स टूर्नामेंट में गेमिंग, उत्साह और गला काट प्रतियोगिता का सही मिश्रण प्रदर्शित करेगा। विशाल और उनका दस्ता श्रृंखला के दौरान एक प्रमुख एस्पोर्ट्स टूर्नामेंट के लिए पसीना बहाता हुआ दिखाई देगा।

CLUTCH
LEGION & LOCO
PRESENT
CLUTCH
A dice ORIGINAL SERIES
RELEASING ON 1st OCTOBER

MH02AY4593

Kareena Kapoor की गाड़ी Police ने की जब्त

ANJALI PHOUGAT HONORED TO DESIGN OUTFITS FOR THE STATE OF OHIO UNIVERSITY FASHION SHOW FOR A CAUSE

BADSHAH REMINISCES HAVING A PASSIONATE LOVE AFFAIR WITH FOOD, CATCH THE RAPPER IN HIS ELEMENT ON STAR VS FOOD SEASON 2

SRI LANKAN SINGING SENSATION YOHANI IS ALL READY TO MAKE WAVES IN GURGAON AS SHE LANDS IN THE CAPITAL AHEAD OF HER MUCH-AWAITED CONCERT

अनूप जलोटा और अनुराधा पौडवाल आध्यात्मिक यात्रा प्लेटफॉर्म 'माई तीर्थ इंडिया' के बने ब्रांड एम्बेसडर

प्रस्तुतिः—कोरील राजेश कुमार

अनुप जलोटा जी, अनुराधा पौडवाल व स्कान टेंपल

आध्यात्मिक पर्यटन ने देश में एक आदर्श बदलाव का अनुभव किया है। भारत में प्रतिदिन 20 लाख से अधिक लोग मंदिरों में जाते हैं। सभी वर्गों, क्षेत्रों और संप्रदायों के लोग। असम का कोई व्यक्ति शिरडी की यात्रा करना चाहता है या केरल का कोई व्यक्ति कामाख्या की यात्रा करना चाहता है, तो उनके लिए माई तीर्थ इंडिया एक ऐसा प्लेटफार्म है जो घर से लेकर मंदिर तक आने—जाने से लेकर ठहरने और खाने—पीने तक और सबसे बढ़कर पूजा और दर्शन और यहां तक कि दर्शनीय स्थलों की यात्रा तक ऐसी सभी बातों को आसान बनाता है। सभी तरह के बजट के लिए पैकेज, माई तीर्थ इंडिया लोगों की आध्यात्मिक यात्रा के नजरिये के तरीके को बदलना चाहता है।

अनुराधा पौडवाल ने यहां बताया कि माई तीर्थ इंडिया के जरिये लोग किसी भी मंदिर जा सकते हैं।

मुम्बई के इस्कोन में दिया प्रज्वलित करके प्रोग्राम की शरुआत हुई। अनूप जलोटा, अनुराधा पौडवाल सहित मेहमानों को तुलसी का पौधा, शॉल देकर सम्मानित किया गया।

यह इवेंट तशास्तु प्रोडक्शन्स द्वारा मैनेज किया गया।

अनूप जलोटा ने कहा कि माई तीर्थ इंडिया आपको भगवान से जोड़ता है। आप अपनी आस्था से जुड़ा कोई प्लान माई तीर्थ इंडिया के द्वारा बना सकते हैं।

शिरडी से वाराणसी चारों धाम यात्रा से

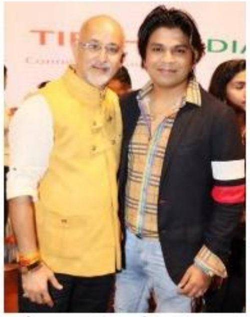

ओझा जी और सिंगर

जसविन्दर नरूला जी अपनी मां के साथ

अनुप जलोटा जी, गेस्ट

इन्दरनील दासगुप्ता, अनुप जलोटा जी, अनुराधा पौडवाल और गेस्ट

अनुप जलोटा जी, अनुराधा पौडवाल, स्कान व गेस्ट

अनुराधा पौडवाल

सुनील पाल, अनुप जलोटा जी, सिंगर अपुर्वा खंडेलवाल

लेकर प्लेन से लेकर ट्रेन तक आपको कहीं भी जाना हो माई तीर्थ इंडिया आपकी सेवा में हाजिर है। बता दें कि अनूप जलोटा माई तीर्थ इंडिया के ब्रांड एम्बेसडर हैं। इसके लांच के अवसर पर सिंगर सुरेश वाडेकर, अंकित तिवारी और कामेडियन सुनील पाल सहित कई हस्तियां मौजुद थीं।

जो लोग यात्रा नहीं कर सकते हैं या एनआरआई के लिए उनके नाम और गोत्र के अनुसार किसी भी प्रमुख मंदिर से लाइव ऑनलाइन पूजा की सुविधा है। साथ ही एक बटन के क्लिक पर प्रमुख मंदिर से आपके घर तक प्रसाद की होम डिलीवरी की सुविधा भी मौजूद है।

बहुत ही मामूली शुरुआत से सिर्फ एक विचार और 3 लोगों के साथ, माई तीर्थ इंडिया अब पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है।

माई तीर्थ इंडिया ने भजन सम्राट अनूप जलोटा और प्रसिद्ध पार्श्व गायिका अनुराधा पौडवाल को ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल करने की घोषणा कर दी है।

भजन सम्राट अनूप जलोटा ने बताया, ''माई तीर्थ इंडिया अपनी तरह का एक अनूठा मंच है और देश में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पहली बार पेश किया गया है। आज भी मैंने लोगों को तिरुपति या शिरडी जैसे स्थानों के दौरे की बुकिंग के लिए भ्रमित देखा है, मुझे यकीन है कि यह प्लेटफॉर्म यात्रियों के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन पेश करेगा।''

तीर्थ यात्रा से लेकर ऑनलाइन पूजा तक आयुर्वेद से लेकर ऑनलाइन प्रसाद और ज्योतिषी तक यह स्टार्टअप अपने प्लेटफॉर्म पर सभी सेवाओं की पेशकश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। माई तीर्थ इंडिया के साथ भारत की आत्मा और सार को फिर से खोजें।

इन्द्रनील दासगुप्ता, संस्थापक और प्रबंध निदेशक, माई तीर्थ इंडिया ने अंखन गांगुली के साथ शेयर किया, ''भजन सम्राट अनूप जलोटा भारत और विदेशों में आध्यात्मिकता का पर्याय हैं। सभी वर्गों के लोग उन्हें अपने भजनों के माध्यम से भारत के सार के साथ जोड़ते हैं। माई तीर्थ इंडिया देश भर के तीर्थयात्रियों को उनकी पसंद के आध्यात्मिक स्थान या उनकी रुचि के आध्यात्मिक क्षेत्र तक आसानी से पहुंचने में सक्षम बनाता है।''

नए अभियान 'कनेक्टिंग गॉड एंड यू' के शुभारंभ के लिए जुहू के इस्कॉन मंदिर में एक दिव्य भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। इस की इवेंट आर्किटेक्ट अपूर्वा खण्डेलवाल थीं!

जसविन्दर नरूला जी अपनी मां के साथ अंकित तिवारी

सुलेना मजुमदार अरोरा

अंशुमन झा ने जीता 'आईआईएफएफबी, बोस्टन 2021' में फिल्म 'मिडनाइट–दिल्ली' सीरियल किलर 'ब्लेडमैन' के लिए 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता – क्रिटिक्स अवॉर्ड'

चर्चित स्टार अंशुमान झा ने अपनी अगली रिलीज 'मिडनाइट–दिल्ली' को जितना हो सके डार्क और जितना हो सके मजेदार फ़िल्म के रूप में परिभाषित किया है। सिंगापुर में जूरी मेम्बर्स द्वारा इस फ़िल्म को भारत द्वारा टारनटिनो का जवाब बताते हुए उसका भव्य रूप में स्वागत किया। जहां 'मिडनाइट दिल्ली ने 'सर्वश्रेष्ठ संपादक' अवार्ड जीता, वहीं इस फिल्म ने अब दिल्ली की गलियों में एक मासूम सीरियल किलर के चित्रण के लिए अंशुमान झा को आईआईएफएफबी बोस्टन स्टार, में, 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–आलोचक पुरस्कार' भी नवाजा। ये

द बैरी जॉन प्रोडिजी ने अपनी पिछली रिलीज 'हम भी अकेले, तुम भी अकेले' में एक समलैंगिक व्यक्ति की भूमिका निभाई थी और अपनी अगली एक्शन फिल्म 'लकड़बग्गा' के लिए प्रशिक्षण शुरू कर दिया है, जो इस दिसंबर में फ्लोर पर जाएगी और ये विविध चरित्र उस कलात्मक चिंगारी का फल हैं जो हमने एक दशक पहले 'एलएसडी' में अंशुमान झा के यादगार डेब्यू के दौरान उसमें देखी थी।

'मिडनाइट दिल्ली में 'एक कलाकार के रूप में अंशुमान झा एक बहुत ही अनोखा चरित्र प्ले कर रहे हैं। वह एक दुर्लभ धुन पर नाच रहा है। 'मिडनाइट–दिल्ली' के निर्देशक राकेश रावत कहते हैं, "मुझे खुशी है कि वह मेरी पहली फिल्म का हिस्सा बनने के लिए तैयार हुए और इस किरदार को इतनी बारीकियां दी हैं।"

साधना सरगम, विपिन सचदेवा, अशोक कुमार का नवरात्रि गीत "जय जय अम्बे" के साथ नवरात्रि की तैयारी शुरू

बॉलीवुड सिंगर साधना सरगम, विपिन सचदेवा और अशोक कुमार का नवरात्रि गीत "जय जय अम्बे" वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स हिन्दी चैनल से रिलीज हो गई है। गाने के वीडियो में सबा खान, गोल्डी जयसवाल नजर आ रहे हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री की सुप्रसिद्ध सिंगर साधना सरगम, विपिन सचदेवा और अशोक कुमार द्वारा गाए इस गीत में भोजपुरी इंडस्ट्री की क्यूट गर्ल सबा खान परफॉर्म करती नजर आ रही है। गाने में सबा खान की खूबसूरत अदाएं और लटके झटके के साथ साधना सरगम की गायकी उल्लेखनीय है। ये सॉन्ग वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो चुका है। जय जय अम्बे" को रिलीज हुए अभी कुछ ही समय हुआ है और इसबीच ही ये खूब देखा जा रहा है। निर्माता रत्नाकर कुमार निर्मित 'जय जय अम्बे" में जहां सबा खान की खूबसूरती, मासूमियत और अदाएं दर्शनीय है वहीं नजर आ रहा है अलका याग्निक की स्मार्ट गायिकी। गोल्डी जायसवाल के साथ उनकी केमेस्ट्री सॉन्ग में खूब जच रही है। सबा खान ने आते ही दर्शकों को क्रेजी बना दिया है। हाल ही में सबा खान कई गानों में छाई हुई नजर आई थी। अब उनके सॉन्ग ' जय जय अम्बे"' की भी चर्चा शुरू हो गई है।

साधना सरगम, विपिन सचदेवा और अशोक कुमार द्वारा गाये इस गीत के लेखक हैं अशोक कुमार, सावन कुमार सावन, संगीतकार सावन कुमार सावन, डायरेक्टर भारद्वाज फिल्म्स। गाने के फुल राइट्स वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स के पास हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स के द्वारा साइन होने के बाद सबा खान का नाम सुर्खियों में है। यह गाना रिलीज होते ही लोगों के सरचढ़ कर बोल रहा है।

सुलेना मजुमदार अरोरा

कोविड प्रोटोकॉल को निभाते हुए फ़िल्म ''सुन्दरी'' की शूटिंग उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में शुरू

भोजपुरी सिनेमा के लाडले, चहेते ऐक्टर जय यादव, शुभी शर्मा, यामिनी सिंह और नवोदित आकाश यादव की भोजपुरी फ़िल्म ''सुन्दरी'' की शूटिंग उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में जोर शोर से शुरू हो रही है।

''एस आर वी प्रोडक्शन हाउस प्रेजेंट'' भोजपुरी फ़िल्म ''सुंदरी''के निर्माता महेश उपाध्याय हैं। निर्देशक प्रवीण कुमार गुडुरी और को–प्रोड्यूसर जया भट्टाचार्य (बी के फिल्म्स) हैं।

फ़िल्म की शूटिंग माननीय मकसूदन सिंह खोरावल ब्लॉक प्रमुख (सोनभद्र, उत्तर प्रदेश) के घर पर हो रही है।

कोरोना काल में इस फ़िल्म की शूटिंग को लेकर सभी एक्टर्स और डायरेक्टर के साथ साथ निर्माता भी उत्साहित हैं। फ़िल्म 'सुंदरी' के निर्माता महेश उपाध्याय ने बताया कि यह एक अलग जॉनर का सिनेमा है जो भोजपुरी दर्शकों के लिए नया तो होगा ही, साथ ही जिसमें एंटरटेनमेंट का भरपूर डोज़ मिलने वाला है। भोजपुरी दर्शकों का ख्याल रखते हुए इसे भव्य रूप से फ़िल्माया जा रहा है।

फ़िल्म के निर्देशक प्रवीण कुमार गुडुरी ने कहा, "फ़िल्म 'सुंदरी' की कहानी और इसकी पटकथा पर हमने काफी वर्कआउट किया है। फ़िल्म का कॉन्सेप्ट कंटेम्परेरी होते हुए भी एकदम डिफरंट है।"

'सुंदरी' का हीरो जय यादव भी इस फ़िल्म को लेकर खासे एक्ससाइटेड हैं क्योंकि हाल ही में नायिका शुभी शर्मा के साथ उन्होंने एक और हिट फ़िल्म की है और यह जोड़ी फ़िल्म 'सुंदरी' में धमाल मचाने के लिए तैयार है। साथ ही यह दावा किया जा रहा है कि यामिनी सिंह और जय यादव की कमेस्ट्री दर्शकों को खूब रिझाएगी। इस फ़िल्म से नवोदित अभिनेता आकाश यादव को इंट्रोड्यूस किया जा रहा है। फ़िल्म के लेखक सभा वर्मा हैं। संगीतकार विष्णु मिश्रा, गीतकार शेखर मधुर, शशिधर मिश्रा हैं। डीओपी माही शेरला, आर्ट डायरेक्टर मिलिंद सिंह, कोरियोग्राफर सुदामा मिन्ज, फाइट मास्टर प्रदीप खड़का हैं। कार्यकारी निर्माता मनोज पाण्डेय, स्टिल फोटोग्राफर अजय कुमार हैं। फ़िल्म 'सुन्दरी' का फुल स्टार कास्ट हैं,जय यादव, शुभी शर्मा, यामिनी सिंह, नवोदित आकाश यादव, युगांत पाण्डेय, ललित उपाध्याय, देवेंद्र रमन पाठक, उमाकांत राय, बबलू खान, सोनिया मिश्रा, पल्लवी सिंह, विरेन्द्र झा, आनंद गिरी, कविता राज सिंह, शिवा सिंह, अशोक गुप्ता आदि हैं।

सोनी सब के 'मैडम सर' में यह रहसयमयी ठग कौन है?

सोनी सब का मूल्यों पर आधारित शो 'मैडम सर', 'दिल से पुलिसिंग' के सिद्धांत पर चलता है। विभिन्न मुद्दों और विषयों पर रोशनी डालने वाली अपनी दिलचस्प कहानियों के कारण यह शो लगातार दर्शकों से तारीफ पा रहा है। आगामी एपिसोड्स में एसएचओ हसीना मलिक (गुल्की जोशी) एक रहस्यमयी औरत को पकड़ने की कोशिश करती दिखेंगी, जो आदमियों को ठगती है।

हसीना मलिक के पास एक नया केस आता है, जिसमें एक कॉन आर्टिस्ट ने कई आदमियों को कॉल करके ठगा है। इस ठगी का सबसे नया शिकार है कैलाश (कुणाल शेठ), जो उस संदिग्ध महिला के विरूद्ध मामला दर्ज करवाता है। उस रहस्यमयी औरत को ढूंढने की कोशिश में हसीना तुरंत अपनी टीम को इस केस पर काम करने और जानकारियाँ निकालने का निर्देश देती है। कैलाश हसीना से रिक्वेस्ट करता है कि वह इस रहस्यमयी औरत के बारे में उसकी पत्नी को नहीं बताये, क्योंकि उसने अपनी पत्नी के गहने गिरवी रखकर ठग महिला को पैसे दिये हैं। अपनी गलती को छुपाने की कैलाश की कोशिश के बावजूद उसकी पत्नी अपने खोए हुए गहनों का मामला दर्ज करवाने महिला पुलिस थाने पहुँच जाती है। हसीना कैलाश की पत्नी को सीक्रेट नहीं बताने और उसकी शादी को बचाने का फैसला करती है और वह रहस्यमयी ठग को और लोगों को ठगने से रोकने के लिये प्रतिबद्ध है। टीम इस ठग के बारे में जानकारी निकालने में जुट जाती है और संतोष उन्हें यह बताकर राहत देती है कि उसने सोशल मीडिया पर ऐसी ही एक औरत को ट्रैक किया है। बिना किसी देरी के, हसीना अपनी टीम को मामले की गहराई में जाने और ज्यादा डिटेल लाने का ऑर्डर देती है।

क्या हसीना उस ठग को पकड़ पाएगी?

एसएचओ हसीना मलिक की भूमिका निभा रहीं गुल्की जोशी ने कहा, ''हसीना ने हमेशा अपनी सूझबूझ से मामले सुलझाये हैं और इस बार उसे एक कॉन आर्टिस्ट को पकड़ना है। इसके साथ ही वह कैलाश का सीक्रेट छुपाने के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करती है। इस केस का एक दिलचस्प टर्निंग पॉइंट है और मैं गारंटी दे सकती हूँ कि दर्शक इन रोमांचक एपिसोड्स का मजा लेंगे और हमारे शो को देखते रहेंगे। असलियत में भी जनता को मूर्ख बनाने वाले ऐसे कॉन आर्टिस्ट्स के मामले बहुत आम हैं। मैं दर्शकों से अपील करती हूँ कि वे अलर्ट रहें और किसी अजनबी से अपनी निजी जानकारी साझा न करें और कृपया ऐसी धोखेबाजी से सावधान रहें।''

■ ■ ■

'अमेजॉन' पर स्ट्रीम हो रही जयसूर्या की सौंवी फिल्म चली कैलेला फिल्म फेस्टिवल और ढाका इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल

–शांतिस्वरूप त्रिपाठी

इन दिनों दक्षिण भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय अभिनेता जयसूर्या की खुशी का कोई ठिकाना नही है। रंजीत शंकर के निर्देशन में बनी उनकी सौंवी फिल्म ''सनी'' एक तरफ ओटीटी प्लेटफार्म 'अमेजॉन' पर स्ट्रीम होकर दर्शकों और आलोचकों द्वारा प्रशंसा पा रही हैं,तो वहीं फिल्म को दो प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों – कैलेला फिल्म फेस्टिवल 2021 (एक अक्टूबर से नौ 2021) स्पेन और ढाका अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 2022 (15 जनवरी–23 जनवरी 2022)के लिए चुना गया है। जयासूर्या की फिल्म ''सनी'', ''कैलेला फिल्म समारोह'' में प्रदर्शित होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म होने के साथ–साथ फिल्म ने दोनों समारोहों में प्रतियोगिता खंड में भी जगह बनाई है।

फिल्म के चयन पर अपने उत्साह को साझा करते हुए लेखक और निर्देशक रंजीत शंकर कहते हैं, "यह बहुत रोमांचक है कि हमारी फिल्म 'सनी' फिल्म समारोहों में प्रदर्शित की जा रही है, विशेष रूप से कैलेला जैसे यूरोपीय उत्सव में। जब हमने 'सनी' बनाई,तो हमने इसे भारत में फेस्टिवल सर्किट में कुछ लोगों को दिखाया और उन्हें लगा कि फिल्म में सार्वभौमिक अपील और सुझाव दिया कि हम इसे अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भेजना चाहिए.तब हमने 'कैलेला फिल्म फेस्टिवल'में आवेदन किया और वहां पर प्रतियोगिता खंड में चयन किया गया। हमोर लिए सम्मान की बात यह है कि हमारी फिल्म 'सनी','कालेला फिल्म समारोह में एकमात्र भारतीय फिल्म है। पिछले पांच–छह वर्षों से बहुत अच्छी फिल्में प्रदर्शित कर रहा हूं और यह टीम सनी के लिए बहुत गर्व का क्षण है कि हमें अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने इसे प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। हमारी फिल्म 'सनी' ढाका इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाई जाएगी। इसे एशियन में प्रतियोगिता खंड में स्क्रीनिंग के लिए चुना गया है। हम बहुत खुश हैं। "

'अमेजॉन' पर स्ट्रीम हो रही सस्पेंस ड्रामा फिल्म ''सनी'' सनी नामक एकल चरित्र की कहानी है, जो खो गया है। उसने अपने जीवन में जो कुछ भी कमाया,प्यार, पैसा और यहां तक कि उसका सबसे अच्छा दोस्त भी। बिखरा हुआ और आशाहीन,वह एक वैश्विक महामारी के बीच दुबई से केरला वापस आकर समाज से अलग खुद को बंद कर लेता है। एक भावनात्मक उथल–पुथल की गहराई से फंस जाता है,जो उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करना शुरू कर देता है।वह धीरे धीरे खुद को मार डालता है। सनी सात दिनों के दौरान कुछ जिज्ञासु अजनबियों से दोस्ती करता है,जो उसे बदल देते हैं।

रंजीत शंकर द्वारा लिखित और निर्देशित 'सनी' में अनुभवी मलयालम स्टार जयसूर्या मुख्य भूमिका में हैं।

भोजपुरी दर्शकों को मिला भोजपुरी ओटीटी प्लेटफार्म ''मितवा''

बॉलीवुड के बाद अब धीरे धीरे भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री भी किसी मामले में दूसरी इंडस्ट्री से कम नही है। हिंदी फिल्मों के बाद सबसे बड़ा दर्शक वर्ग भोजपुरी देखने वाले लोग हैं। लगभग 21 करोड़ भोजपुरी भाषी सहित अन्य राज्य व देशों में भी भोजपुरी फिल्में बड़े चाव से देखी जाती हैं। इसी वजह से अब भोजपुरी फिल्मों का फिल्मांकन भी लंदन सहित कई दूसरे देशों में होने लगा है। भोजपुरी फिल्मों के प्रति दर्शको का इतना रुझान देखते हुए अब भोजपुरी फिल्मो को हर दर्शक के मोबाइल तक पहुचाया जाए,इसीलिए नए ओटीटी प्लेटफार्म ''मितवा'' की शुरूआत की गयी है। इस ओटीटी प्लेटफार्म के प्रबंध निदेशक राघवेश अस्थाना है। ''मितवा टीवी'' के रूप में भारत का पहला भोजपुरी डिजिटल जंक्शन लॉन्च हो चुका है और इसे गजब का रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। इससे भोजपुरी प्रेमियों के खासा उत्साह है और लोग इसे धड़ाधड़ डाउनलोड भी कर रहे हैं। इतने कम समय में जिस तरह से ''मितवा''को दर्शको ने स्वीकार किया है, उससे मितवा टीवी के निर्माता नवीन काफी उत्साहित हैं । वह कहते हैं–''मितवा टीवी देश के पहले भोजपुरी ओ टी टी होने का गौरव प्राप्त हुआ है। दर्शको के इस रिस्पॉन्स से हम खुश तो हैं ही,साथ ही हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ती जा रही है। क्योंकि हम बेहतर कंटेंट मुहैया कराने को प्रतिबद्ध हैं। हमारे ज्यादातर दर्शक ग्रामीण हैं, इसीलिए हमने इस ऐप को काफी सरल रखा है। बेहतरीन वेब सीरीज,नए रियालिटी शोज और नए नए भोजपुरी सिनेमा हमारे ओटीटी की विशिष्टता है।''

कोरोना महामारी के चलते देश के सभी सिनेमा घर बंद हो गए थे। ऐसे में मनोरंजन की चाह में दर्शको का एक बड़े समूह ने ओटीटी की ओर रुख किया है । इसे देखते हुए बॉलीवुड ही नही बल्कि कई देशों की फिल्मे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ही रिलीज हुई हैं। भोजपुरी फिल्म और गीतों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए मितवा टीवी दर्शको के लिए किसी दशहरा बोनस के कम नही है। इसके साथ ही मितवा टीवी को देश का पहला भोजपुरी जंक्शन होने का गौरव भी प्राप्त है। इस ओटीटी के लांच होने पर छोटे निर्माताओं,क्षेत्रीय कलाकारों को काफी सुविधाएं मिलने वाली है क्योंकि जहां बजट के वजह से उनकी फिल्मे दर्शक तक नही पहुच पाती थी यह उनके लिए एक उम्दा प्लेटफॉर्म साबित होगा। क्योंकि अब वह कम बजट में अपना सीरियल,वेब सीरीज, फिल्म और गाने बनाकर कम खर्चे पर इसे रिलीज कर सीधे दर्शक तक पहुंच सकते हैं। ऐसे में भोजपुरी फिल्म उद्योग के विस्तार में मितवा टीवी काफी मददगार साबित हो सकता है।''

Pics by : Rakesh Dave

MOUNI ROY AND JUBIN NAUTIYALSPOTTED PROMOTING THEIR LATEST SONG 'DIL GALTI KAR BAITHA HAI'

MOUNI ROY SPOTTED AT MUMBAI AIRPORT IN A SEXY AVATAR

SHRUTI HAASAN WITH HER BOYFRIEND SANTANU HAZARIKA SPOTTED AT DINNER DATE

Colgate
Dance Deewane

Pics by : Rakesh Dave

AMAAL MALLIK AND JASMIN BHASIN'S UPCOMING SONG PYAAR…EK TARFAA MESMERIZE THE JUDGES, CONTESTANTS AND AUDIENCES OF DANCE DEEWANE

STAR भारत
Padmashri Kailash Kher
Arpit ranka
LAQ
Aditi Sa
sumedhmudgalkar
STAR भारत

HATHI GHODA PAL KI JAI KANHAIYA LAAL KI EVENT PICTURES

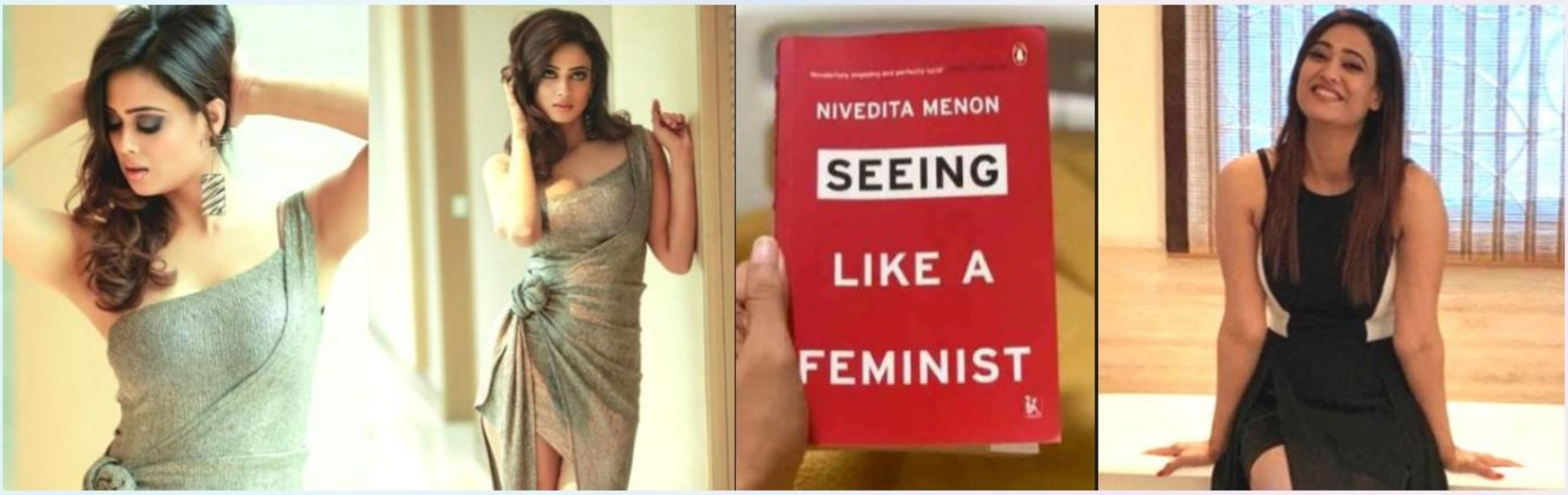
NIVEDITA MENON
SEEING
LIKE A
FEMINIST

SHWETA TIWARI ADMITTED TO HOSPITAL

BUSSINESS AWARD EVENT AT HOTEL TAJ SANTACRUZ, MUMBAI

BUSINESS EXCELLENCE AWARDS
TELEVISION PARTNER

TELEVISION PARTNER

Pics by : Rakesh Dave

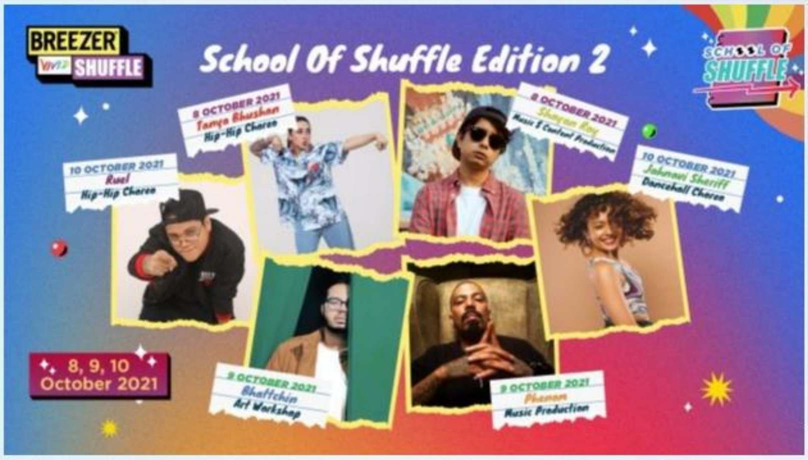
BREEZER VIVID SHUFFLE
School Of Shuffle Edition 2
SCHOOL OF SHUFFLE
8 OCTOBER 2021 Tanya Bhushan Hip-Hip Choreo
8 OCTOBER 2021 Shayan Roy Music & Content Production
10 OCTOBER 2021 Ruel Hip-Hip Choreo
10 OCTOBER 2021 Jahnavi Sheriff Dancehall Choreo
8, 9, 10 October 2021
9 OCTOBER 2021 Bhattchin Art Workshop
9 OCTOBER 2021 Phenom Music Production

BREEZER VIVID SHUFFLE IS BACK WITH THE SECOND PHASE OF SCHOOL OF SHUFFLE

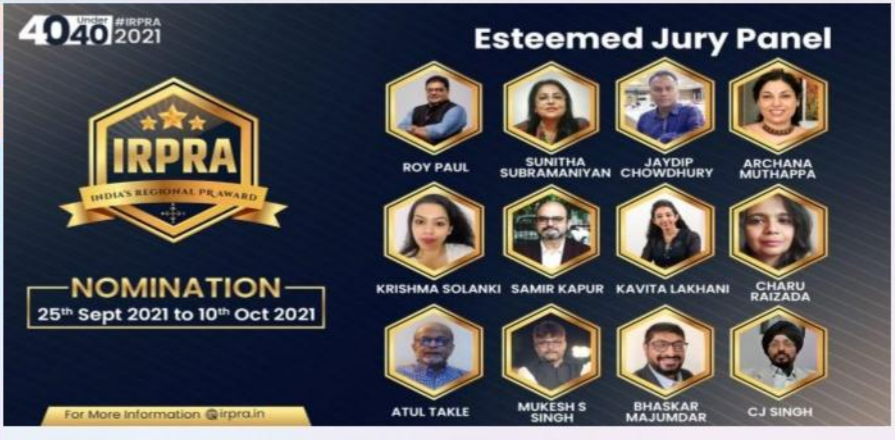
40 Under 40 #IRPRA 2021
Esteemed Jury Panel
IRPRA
INDIA'S REGIONAL PR AWARD
NOMINATION
25th Sept 2021 to 10th Oct 2021
For More Information @irpra.in
ROY PAUL
SUNITHA SUBRAMANIYAN
JAYDIP CHOWDHURY
ARCHANA MUTHAPPA
KRISHMA SOLANKI
SAMIR KAPUR
KAVITA LAKHANI
CHARU RAIZADA
ATUL TAKLE
MUKESH S SINGH
BHASKAR MAJUMDAR
CJ SINGH

ट्रूपल डॉट कॉम (Troopel-com) द्वारा भारत के रीजनल पीआर अवॉर्ड्स 2021

DEEPIKA PADUKONE LOOKS STYLISH IN NUDE COLOURED OUTFIT

ANUSHKA SHARMA SPOTTED DONNING STYLISH OUTFITS

Monalisa ने बताया बॉलीवुड का काला सच

NORA FATEHI HOT & SEXY LOOK IN BRALETTE AND THIGH-SLIT LEHENGA

ICONIC GOLD AWARDS 2021 THE RED CARPET

Darshan Kumar

Erica Fernandes

Aditya Narayan

Surbhi Chandna

Shivangi Joshi

Sourabh Raaj Jain

Sonnalli Seygall

Karanvir

Ashnoor Kaur

Vineet Kumar Singh

Divya Agarwal

Shaheer Sheikh and Hina Khan

CHINKI MINKI

Debattama

Siddharth Nigam

guest

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंगलैंड एवं साउथ एशियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री द्वारा 100 प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान

–मायापुरी प्रतिनिधि

श्री रामदास अठावले (केन्द्रीय मंत्री , भारत सरकार) , श्री अखिलेश मिश्रा (उच्चायुक्त , रिपब्लिक ऑफ आयरलैण्ड) , श्री समीर अंजान (प्रसिद्ध गीतकार) एवं श्री उदित नारायण (पार्श्व गायक) द्वारा किया गया सम्मानित

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं साउथ एशियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में इन्दौर सहित देश – विदेश में बेहतर कार्य करने वाले 100 से अधिक प्रतिभाशाली व्यक्तियों को उनके उल्लेखनीय योगदान पर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर श्री रामदास अठावले (केन्द्रीय मंत्री , भारत सरकार) , श्री अखिलेश मिश्रा (उच्चायुक्त , रिपब्लिक ऑफ आयरलैण्ड) , श्रीशंकर लालवानी (लोकसभा सांसद , इन्दौर) , प्रोफेसर अनिल सहस्त्रबुद्धे (।प्ब्ज्म् , भारत सरकार) , श्री समीर अंजान (प्रसिद्ध गीतकार) , श्री उदित नारायण (पार्श्वगायक) , डॉ.दिवाकर सुकुल (चेयरमैन , वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स , लंदन) , मेजर जनरल अरविन्द कपूर (भारतीय सेना) , श्री वरूण कपूर , (अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक , मध्य प्रदेश) , श्री शैलेषभाई मेहता (विधायक) , श्री संजय शुक्ला (विधायक) , प्रोफेसर (डॉ .) राजीव शर्मा (वरिष्ठ शिक्षाविद्) , श्री संजय सिंह मसानी (समाजसेवी) , उस्मान खान (म्यूजिक डायरेक्टर , वाइस प्रेसीडेंट , वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स , भारत) व अन्य सम्माननीय अतिथिगणों ने प्रतिभाशालियों का प्रमाण – पत्र एवं प्रतीक – चिंह भेंट कर सम्मानित किया । उक्त जानकारी श्री संतोष शुक्ला , एडवोकेट (अध्यक्ष , वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स) ने दी ।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभाशाली व्यक्तियों को उनके योगदान पर श्री कलराज मिश्र (राज्यपाल , राजस्थान) , श्री थावरचंद गेहलोत (राज्यपाल , कर्नाटक) , श्रीवीरेन्द्र शर्मा (सांसद , इंग्लैण्ड) , श्री शिवराज सिंह चौहान (मुख्यमंत्री , मध्य प्रदेश) , श्रीराजीव शुक्ला (पूर्व केन्द्रीय मंत्री , भारत सरकार) सहित अन्य अंतर्राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने बधाइयाँ दी ।कार्यक्रम का संचालन श्री संतोष शुक्ला , एडवोकेट ने कियाएवं आभार श्री विक्रम त्रिवेदी एवंडॉ.भरत शर्मा ने व्यक्त किया ।

WORLD BOOK OF RECORDS

WORLD BOOK OF RECORDS
LONDON

WORLD BOOK OF RECORDS
CERTIFICATE
#RIG

WORLD BOOK OF RECORDS
LONDON
SACCI

MSME
#RIG
SACCI

WORLD BOOK OF RECORDS
CERTIFICATE

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

“फिल्म ‘ 83’ देखकर लोग कहेगे कि मैं बेहतरीन अभिनेता हूँ..”

साहिल खट्टर

बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता साहिल खट्टर अब तक काफी काम कर चुके हैं। रेडियो जॉकी,यूट्यूबर ,कार्यक्रम होस्ट और अभिनेता के रूप में काम करने के बाद भी साहिल खट्टर विभिन्न माध्यमों की खोज करते रहते है।उन्हे हमेशा कुछ नया करने में आनंद की अनुभूति होती है। इन दिनों वह अपनी फिल्म ''83'' को लेकर उत्साहित हैं।

○ आप अब तक कई माध्यमों में काम कर चुके हैं। क्या अनुभव रहे?

—देखिए आप जितना अधिक विभिन्न माध्यमों में काम करते हैं, उतना ही अधिक अनुभव प्राप्त करते हैं। लेकिन इन वर्षों में मैंने महसूस किया है कि डिजिटल मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित करता है, यही वजह है कि मैं उस जगह को कभी नहीं छोड़ूंगा और अपने यूट्यूब चैनल खट्टरनाक और बीइंग इंडियन के लिए निरंतर कंटेंट बनाना जारी रखूंगा। मुझे टीवी पर डब्लू डब्लू डब्लू सीरीज करना भी पसंद है, तो वहीं मुझे 'डांस इंडिया डांस'होस्ट करने और क्रिकेट के लिए एंकरिंग करने में भी मजा आया। रेड एफएम के साथ एक रेडियो जॉकी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भी मैंने बहुत कुछ सीखा। इतना ही नही फिल्म ''83''की शूटिंग के दौरान मैंने फिल्म निर्माण के दौरान होने वाली मस्ती और सीख पर भी भरोसा किया है। तो हाँ, मैं यह सब जीवन भर करना चाहूँगा। यदि आप सभी माध्यमों में काम कर सकते हैं, तो अपने आप को सीमित क्यों रखें?

○ आप को चुनना हो तो?

—मैं अपने करियर के हर नए प्रोजेक्ट को एक नया लैंडमार्क मानत हूॅं। लेकिन अगर चुनना हो,तो मुझे लगता है कि 'बीइंग इंडियन' के लिए कंटेंट बनाना और फिल्म '83' में अभिनय करना मेरे पेशेवर जीवन में अब तक के दो बड़े पड़ाव हैं। बीइंग इंडियन' ने मुझे एक व्यक्ति और एक सामग्री निर्माता दोनों के रूप में बदल दिया। इसने मेरे प्रति लोगों का नजरिया बदल दिया। मैंने एक एंकर, कलाकार के रूप में मेरी प्रतिभा को देखना शुरू कर दिया और मुझे एक मजाकिया आदमी भी पाया। वहीं दूसरी तरफ मेरी फिल्म '83' लोगों को एहसास दिलाएगी कि मैं बेहतरीन अभिनय कर सकता हूं।''

○ आपका प्रेरणा स्रोत कौन है?

—शाहरुख खान। जो भी इंसान जो अपने दम पर कुछ करना या बनना चाहता है, वह शाहरुख खान को ही देखता है। क्योंकि शाहरुख खान ने खुद को बनाया है। इसके अलावा एक शख्स जो सबको हैरान कर देगा वह हैं फरहान अख्तर। बॉलीवुड में मैं फरहान अख्तर को बहुत पसंद करता हूं क्योंकि वह मल्टी– टैलेंटेड हैं। वह सिर्फ एक अभिनेता या निर्देशक नहीं हैं, बल्कि एक लेखक और गायक भी हैं। वह सब कुछ है और सब कुछ का अंत है। दरअसल, मैं उनके ह्यूमर का फैन हूं। मैं हमेशा अपने बहुत सारे दोस्तों से कहता हूं कि अगर किसी दिन मैं निराश दिखूं, तो मैंने अपने दोस्तों से कहा है कि मेरे लिए फरहान अख्तर के घर के बाहर टेंट लगाएं। हॉलीवुड में मैं सेठ रोगन, साशा बैरन कोहेन और रिकी गेरवाइस से प्यार करता हूं। यह सभी लोग मेरी प्रेरणा हैं।

○ फुरसत का समय कैसे बिताते हैं?

—मुझे अपने प्ले स्टेशन पर फीफा और स्नूकर खेलना पसंद है। दोस्तों के साथ चिट चैट करना और परिवार के साथ समय बिताना भी मुझे खुश करता है। मैं बहुत सारी सामग्री और खेल भी देखता हूं।

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

अमरीकन मेगा हिट सुपरहीरो ड्रामा ''द ब्वॉयज'' के लिए अमेजॉन स्टूडियो ने सोनी पिक्चर्स संग मिलाया हाथ

मशहूर अमरीकन सुपर हीरोज वेब सीरीज '' द ब्वॉयज'' का स्पिन आफ अमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करने के मकसद से अमेजॉन स्टूडियोज ने सोनी पिक्चर्स टेलीविजन के साथ हाथ मिलाया है। अभी तक इस वेब सीरीज का नाम तय नहीं किया गया है।

विशेष रूप से युवा–वयस्क सुपरहीरो (वोट इंटरनेशनल द्वारा संचालित) के लिए अमेरिका के एकमात्र कॉलेज में सेट, बिना शीर्षक वाली वेब सीरीज ''द ब्वॉयज'' एक अपरिवर्तनीय, आर–रेटेड श्रृंखला है जो हार्मोनल, प्रतिस्पर्धी सुपर के जीवन की खोज करती है। क्योंकि वह अपने शारीरिक, यौन और जीवन मूल्यो के परीक्षण के लिए सीमाएं तोड़ने के साथ सर्वोत्तम शहरों में सर्वोत्तम अनुबंधों के लिए प्रतिस्पर्धा करना है। यह वेब सीरीज एक ऐसी कॉलेज वेब सीरीज है, जिसमें हंगर गेम्स व व्यंग के साथ बहुत कुछ है।

जैज सिंक्लेयर, लिजे ब्रॉडवे, शेन पॉल मैक्गी, एमी कैरेरो, रीना हार्डेस्टी और मैडी फिलिप्स युवा सुपरहीरो को चित्रित करेंगे। अन्य कलाकारों की घोषणा जल्द की जाएगी।

इस वेब सीरीज के शो रनर व कार्यकारी निर्माता मिशेल फाजेकस और तारा बटर,कार्यकारी निर्माता एरिक क्रिपके, सेठ रोजेन, इवान गोल्डबर्ग, जेम्स वीवर, नील एच. मोरित्ज, ओरी मार्मुर, पावुन शेट्टी, केन लेविन, जेसन नेटर, गर्थ एनिस, डेरिक रॉबर्टसन और माइकेला स्टार, सह–कार्यकारी निर्माता जैक श्वार्ट्ज और एरिका रोस्बे तथा सीरीज का निर्माण सोनी पिक्चर्स टेलीविजन स्टूडियोज और अमेजन स्टूडियोज द्वारा क्रिपके एंटरप्राइजेज, प्वाइंट ग्रे पिक्चर्स और ओरिजिनल फिल्म के सहयोग से किया जाएगा। लोरेली एलानिस प्वाइंट ग्रे पिक्चर्स के कार्यकारी प्रभारी के रूप में काम करेंगे।

''द बॉयज के श्रोता और कार्यकारी निर्माता एरिक क्रिपके ने कहा–''हैप्पी डेज से मोर्क एंड मिंडी का बहुत कुछ–जो एक पागल और सच्चा तथ्य है– हमारा स्पिनऑफ वॉट सिनेमैटिक यूनिवर्स में मौजूद होगा, फिर भी एक स्वर और शैली है। आकर्षक, जटिल, और कभी–कभी घातक यंग सुप्स के एक समूह के साथ यह एक कॉलेज

तो कनिका कपूर ने अपने नए गीत 'झांझर' में किया अपने प्यार का इजहार

क्या किसी प्रेम गीत के अंतिम कोरस के दौरान आपके दिल की धड़कनों के कंपन और आपकी आंखों की चमक से बेहतर कुछ है? सार्वभौमिक, सच्चा और आवश्यक, कनिका कपूर का पहला प्रेम गीत 'झांझर' एक प्राचीन शिल्प और एक मायावी कौशल है। पंजाबी गाने का लेखन व संगीत से संवारने के साथ ही अपनी आवाज में कनिका कपूर ने स्वरबद्ध भी किया है। प्रामाणिक, विशिष्ट और प्रेरित गीत ने उन्हें संगीत पर डीप मनी और गीत पर नितिन गुप्ता के साथ सहयोग किया है। गाने को जी म्यूजिक कंपनी ने प्रस्तुत किया है। करामाती वीडियो यूके के ग्रामीण इलाकों में एक किलेबंद जागीर घर में शूट किया गया है। वीडियो में कनिका अपने प्रेमी से मिले प्यार की निशानी की याद ताजा करती नजर आ रही है।

इस गाने के लोकार्पण पर कनिका कपूर ने कहा–"आप दिल को मात नहीं दे सकते। रोमांटिक प्रेम होने की सामान्य स्थिति नहीं है, यह एक विशेष, अविस्मरणीय व्यक्ति द्वारा हमसे बाहर निकाला जाता है। मैं इस विशिष्ट प्रेम के बारे में अपनी ईमानदारी और प्रामाणिकता साझा करना चाहता था। सहज स्तर पर, लोग इसे हमेशा महसूस करेंगे यदि यह वास्तविक है। मैं स्वभाव से रोमांटिक हूं। मैं यह जानता हूं, बाकी गीत खुद बोलता है।''

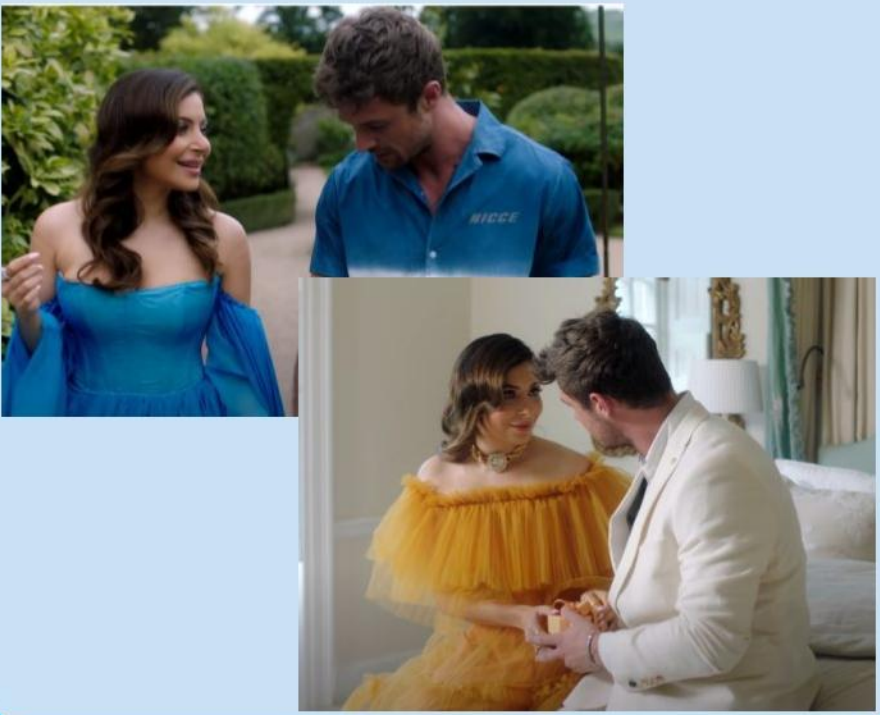

—शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

‘‘नई पीढ़ी अपने शिल्प में परिपक्वता हासिल करने के बाद आती है’’

अमरकांत दुबे

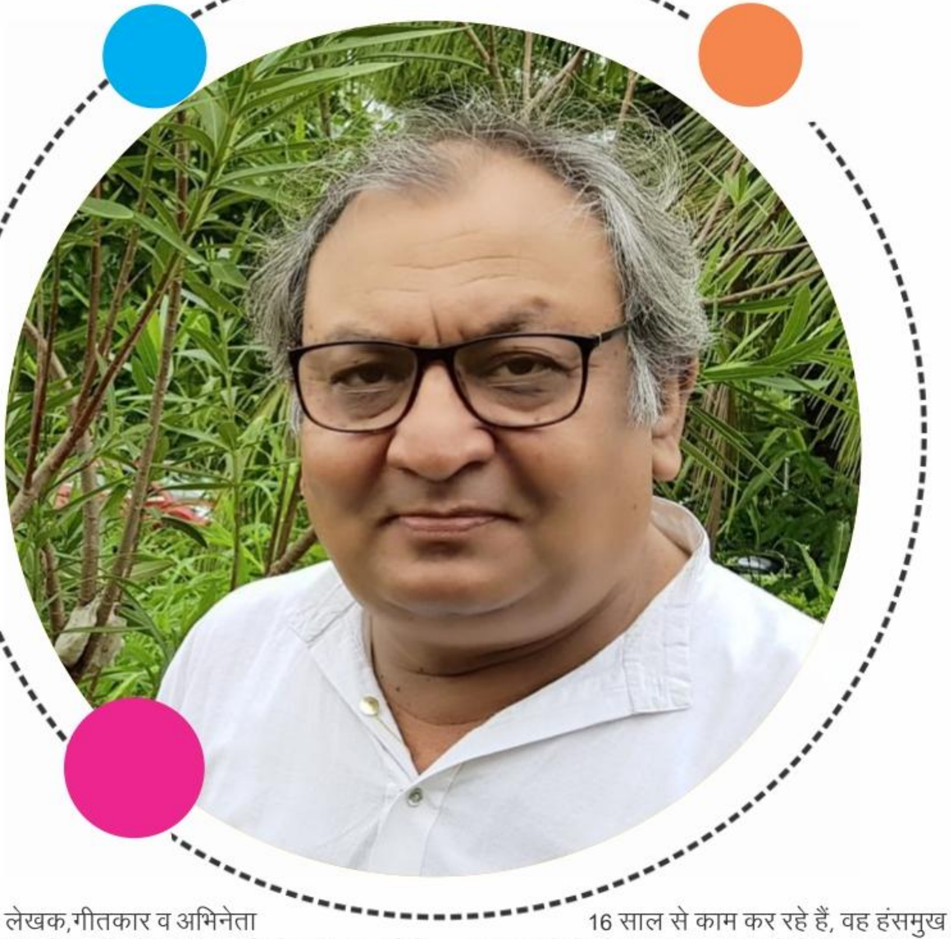

मशहूर लेखक,गीतकार व अभिनेता अमरकांत दुबे इन दिनों सुधीर शर्मा और सीमा शर्मा के सीरियल ‘‘जिद्दी दिल माने ना’’ में मुख्य रसोसिया दिलबाग बाबा का किरदार निभा रहे हैं.

सीरियल ‘‘जिद्दी दिल माने ना’’से जुड़ना कैसे हुआ?

—एक दिन मैने अचानक इस सीरियल के निर्माता सुधीर को किसी का नंबर मांगने के लिए फोन किया। और मुझे इस सीरियल में अहम किरदार निभाने का अवसर मिल गया। वास्तव में उसने आफिस बुलाया और ऑडीशन देने के लिए कहा। मैंने ऑडीशन दिया और मेरा चयन हो गया। सीरियल में मेरी अकादमी कमांडो ट्रेनिंग के लिए है। इसलिए मेस / कैंटीन अकादमी के प्रभारी बाबा दिलबाग हैं। वह प्रभारी भी हैं और शेफ भी। चूंकि वह बूढ़े हैं और मेस / कैंटीन में 16 साल से काम कर रहे हैं, वह हंसमुख स्वभाव के हैं और सारी मस्ती करते हैं। जब भी वह कहानी को मोड़ना चाहते हैं, तो वह बाबा दिलबाग को लाते हैं । मेरा किरदार हास्यप्रद और राहत देने वाला है। यह एक बहुत अच्छी भूमिका है। सुधीर ने मुझे भूमिका देने से पहले कुछ प्रतिबंधों के बारे में सोचा था। चूंकि मैं मेस में ही रहता हूं, मुझे ज्यादा चलने की जरूरत नहीं है।’’

आप मुख्य रसोइया का किरदार निभा रहे हैं,मगर निजी जिंदगी में आप खाने के कितने शौकीन हैं?

—बहुत ज्यादा। मैं बहुत बड़ा खाना खाने वाला भी हूं। किरदार पंजाबी है। चूंकि मैंने आवाज के क्षेत्र में बहुत काम किया है, इसलिए मुझे कोई समस्या नहीं हुई। एक अभिनेता होने के नाते मैंने बहुत काम किया है। मुझे बहुत कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। मुझे वास्तव में चरित्र पसंद है। मेरा मानना है कि हर रोज हमें सीखने को मिलता है और जब दृश्य किया जाता है, तो मैं चरित्र में आ जाता हूं। अगर निर्देशक को दृश्य पसंद है, तो मुझे खुशी होती है।

इस सीरियल में आप नई पीढ़ी के कई कलाकारों के साथ काम कर रहे हैं। नई पीढ़ी के कलाकारों में क्या खास बात देखते हैं?

—सच कहें तो हमारे समय में हम मूर्ख (बेवकूफ) हुआ करते थे। इन दिनों बच्चे बहुत बुद्धिमान और परिपक्व हैं। हमारी पीढ़ी में कोई परिपक्वता नहीं थी, यह दुर्लभ था। यह हमारी पीढ़ी में वास्तव में देर से आता था। जबकि नई पीढ़ी अपने शिल्प में परिपक्वता हासिल करने के बाद आती है। वह अपने निर्णय खुद लेते हैं और वह सही निर्णय लेते हैं। उनके साथ मुझे नई चीजें सीखने और समझने का मौका मिलता है। लोग कहते हैं कि मेरी उम्र में बहुत सारे कलाकार हैं, जिन्होंने काम करना बंद कर दिया है, इसलिए इस उम्र के कलाकार नहीं हैं। अगर मुझे काम मिलता है, तो मैं करूँगा। अब मैं आजाद हूँ। अपनी सीमाओं के साथ अगर कोई मुझे काम की पेशकश करता है मैं जरूर करूंगा। मैं हर तरह का काम कर सकता हूं। मैंने बहुत सारी नकारात्मक भूमिकाएं की हैं। मैंने सकारात्मक भूमिकाएं भी की हैं।’

सीरियल ‘जिद्दी दिल माने ना’’ के निर्माता सीमा और सुधीर से आपका पुराना संबंध भी हैं?

—जी हॉ!जब मैं वर्ली में एक विज्ञापन एजेंसी के रेडियो के लिए प्रायोजित कार्यक्रम जो मैं रेडियो के लिए लिखता और निर्देशित करता था। तब वहां पर एक दिन सुधीर शर्मा अपनी आवाज देने के लिए आए थे। सुधीर उसी वक्त मुंबई आ गए थे। वह वहाँ आते। वह आवाज का अच्छा कलाकार थे। तब हमारी अच्छी ट्यूनिंग थी। मेरा एक प्रायोजित कार्यक्रम था जिसके लिए मैंने सौ से 150 कहानियाँ लिखी और निर्देशित कीं। वहां मैं सुधीर को हीरो के तौर पर लेता था। फिर सीमा आई और बाद में उन्होंने शादी कर ली। सुधीर से मेरा जुड़ाव उसी समय से है। सुधीर हमेशा मेरा सम्मान करते हैं।

रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स प्रस्तुत करता है 'घर्षण', एक आधुनिक समय की संबंध गाथा, जिसमें संजय कपूर और श्वेता कवात्रा ने अभिनय किया है

ROYAL STAG
BARREL SELECT
LARGE SHORT FILMS
LARGE SHORT FILMS

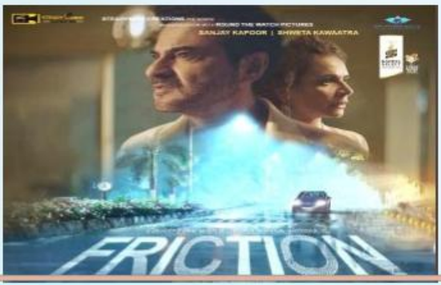

रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स ने आज 'डिस्कनेक्टेड' के निर्माताओं की ओर से 'फ्रिक्शन' का प्रीमियर किया । यह एक एकल परिवार पर आधारित एक लघु फिल्म है जिसमें आधुनिक समय के जोड़े के बीच छोटे–छोटे झगड़े एक बड़ी असहमति में बदल जाते हैं, जो चीजों की बड़ी योजना में एक विनाशकारी अंत की ओर जाता है। लघु फिल्म सुमित सुरेश कुमार द्वारा निर्देशित है , और इसमें संजय कपूर और श्वेता कवात्रा मुख्य भूमिका में हैं।

एक स्तरित विषय के रूप में प्रदर्शित फिल्म, एक समकालीन मध्यम आयु वर्ग के जोड़े, राहुल (संजय कपूर द्वारा अभिनीत) और रोस्कीजा (श्वेता कवात्रा द्वारा अभिनीत) और उनके 10 साल के दृष्टिकोण से एक गैर–रैखिक कथा के माध्यम से प्रस्तुत की जाती है। बूढ़ा बेटा ऋषि। 'रोस्की' का एक फोन राहुल को उसके अतीत की घटनाओं के बारे में बताता है! क्या होता है, तीनों के जीवन को हमेशा के लिए बदल देता है – इस तरह से कि कोई भी थाह नहीं ले सकता। अंत में, राहुल को यह सोचने के लिए छोड़ दिया जाता है कि वह क्या चाहता है बनाम क्या हो गया है।

संजय कपूर कहते हैं , " रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स हमेशा से असाधारण कहानियों को जन–जन तक पहुंचाने का एक बेहतरीन मंच रहा है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि हमारे दर्शक इस शानदार ढंग से लिखे गए अंश की क्या व्याख्या करते हैं। मेरे लिए, यह हमारे दैनिक जीवन की प्रतीत होने वाली सांसारिक दिनचर्या के प्रति आभारी होने के बारे में एक अनुस्मारक है। यह एक महान अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि अगर लगातार देखभाल नहीं की गई तो चीजें कैसे घातक हो सकती हैं। "

श्वेता कवात्रा कहती हैं , "फिल्म को इस पंक्ति में संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है 'इसके साथ नहीं रह सका, इसके बिना जीवित नहीं रहेगा'। यह एक कहानी है कि कैसे आंतरिक घर्षण पैदा कर सकता है और साथ ही साथ रिश्तों और परिवारों को तोड़ सकता है, अगर इस पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। "

"घर्षण, जबकि परंपरागत रूप से रिश्तों के संबंध में एक नकारात्मक अर्थ के साथ, विडंबना यह है कि एक स्वस्थ संतुलन बनाए रखने में बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह रिश्ते में व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है। शॉर्ट मुंबई की गीली सड़कों की पृष्ठभूमि में सेट एक गैर–रैखिक कथा के माध्यम से इन बारीक पहलुओं की पड़ताल करता है", लेखक और निर्माता मंधीर साहनी कहते हैं

फिल्म का निर्देशन श्री राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स (एसआरसीपीए) के पूर्व छात्र सुमित सुरेश कुमार ने किया है। उन्हें उनके कई कलात्मक योगदानों और कार्यों के लिए आलोचनात्मक प्रशंसा मिली है, जिसमें एक मखफी किस्सा, एक नाटक जिसे उन्होंने 2019 में लिखा और निर्देशित किया था। घर्षण के अलावा, सुमित ने "कोफुकु" नामक एक और अभी तक रिलीज होने वाली लघु का निर्देशन किया है और वर्तमान में है फीचर फिल्म पर काम कर रहे हैं।

फिल्म का प्रीमियर विशेष रूप से रॉयल स्टैग बैरल सेलेक्ट की लार्ज शॉर्ट फिल्म्स वेबसाइट – ॢजीमसंतहमीवतजपिसउे.बवउ पर किया गया है , जो भारत के कुछ बेहतरीन निर्देशकों द्वारा बनाई गई सबसे मूल और प्रेरक लघु फिल्मों को देखने का एक मंच है।

रॉयल स्टैग बैरल सेलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स ने उद्योग के प्रसिद्ध कलाकारों और निर्देशकों के साथ कुछ सबसे विलक्षण पुरस्कार विजेता लघु फिल्में जारी की हैं जो वास्तव में मौलिकता, कल्पना और पूर्णता को दर्शाती हैं। अहल्या, इंटीरियर कैफे – नाइट, आउच, चटनी, अनुकुल, मुंबई वाराणसी एक्सप्रेस, खुल आली चिठी, द स्कूल बैग, ब्रूनो एंड जूलियट, 'शून्यता', जूस, मां, छुरी, हर फर्स्ट टाइम और इकतरफा, डिस्कनेक्टेड (डबलिन के लिए नामांकित) फिल्म समारोह और १० वें बैंगलोर लघु फिल्म समारोह में विशेष उल्लेख) कुछ असाधारण फिल्में हैं जो इस मंच पर रिलीज हुई हैं। मूल लघु फिल्मों के लिए एक मंच के रूप में रॉयल स्टैग बैरल सेलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स फिल्म निर्माण की इस शैली को लोकप्रिय बनाने में अग्रणी रही है!

ज्योति देशपांडे वायकॉम 18 की सीईओ नियुक्त!

वायकॉम18 ने (30 सितंबर) घोषणा की कि **ज्योति देशपांडे** को तत्काल प्रभाव से **वायकॉम18** का **सीईओ** नियुक्त किया गया है। ज्योति पहले से ही Network18 और निवेश करने वाली कंपनियों **बालाजी टेलीफिल्म्स** और **सावन मीडिया** के बोर्ड में सेवारत हैं। अपने नए कार्य में, वह रिलायंस के सभी मीडिया हितों और निवेशों में तालमेल लाने में मदद करेंगी और कंपनी को महत्वपूर्ण विकास के अवसरों को चलाने के लिए तैयार करेंगी क्योंकि उद्योग डिजिटल परिवर्तन को अपनाता है।

ज्योति को मीडिया और मनोरंजन व्यवसाय में 27 से अधिक वर्षों का अनुभव है! वह 2018 में रिलायंस इंडस्ट्रीज में प्रेसिडेंट– मीडिया प्लेटफॉर्म और कंटेंट के रूप में शामिल हुईं, एक प्रमुख मीडिया कंपनी का सफलतापूर्वक निर्माण करने के बाद और ओटीटी स्पेस में अपने शुरुआती विघटनकारी प्रवेश का बीड़ा उठाया। रिलायंस में एक बिजनेस लीडर के रूप में,

ज्योति ने पिछले तीन वर्षों में अपने उद्योग संबंधों का लाभ उठाते हुए श्रपव Studios को मीडिया वैल्यू चेन में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है! ज्योति देशपांडे का स्वागत करते हुए, आदिल जैनुलभाई, चेयरमैन, नेटवर्क18 ने कहा, "वायकॉम18 ब्रॉडकास्ट, ओटीटी और कंटेंट स्टूडियो व्यवसायों में एक सही मायने में एकीकृत मीडिया कंपनी के रूप में विकसित होने की ओर अग्रसर है, जो सामान्य मनोरंजन, फिल्मों और सभी भाषाओं के खेल में फैले हुए हैं। पारंपरिक और उभरते प्लेटफार्मों पर सामग्री, वितरण और मुद्रीकरण के आसपास मीडिया क्षेत्र में ज्योति के समृद्ध अनुभव को देखते हुए, हमारा मानना है कि वह कंपनी और उसके संचालन का नेतृत्व करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है।

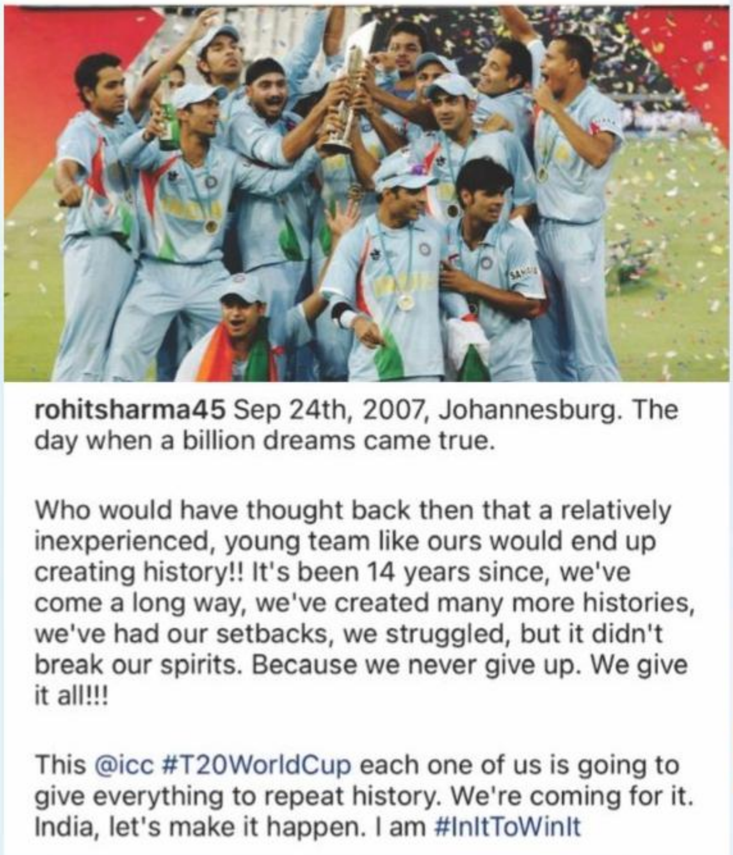

rohitsharma45 Sep 24th, 2007, Johannesburg. The day when a billion dreams came true.

Who would have thought back then that a relatively inexperienced, young team like ours would end up creating history!! It's been 14 years since, we've come a long way, we've created many more histories, we've had our setbacks, we struggled, but it didn't break our spirits. Because we never give up. We give it all!!!

This @icc #T20WorldCup each one of us is going to give everything to repeat history. We're coming for it. India, let's make it happen. I am #InItToWinIt

CELEBRATED INDIAN CRICKETER, ROHIT SHARMA, BREAKS THE INTERNET WITH HIS #INITTOWINIT ATTITUDE

रामोजी फिल्म सिटी 8 अक्टूबर से करेंगी पर्यटकों का स्वागत

साभारः–रामोजी स्टूडियो

RAMOJI
F-I-L-M-C-I-T-Y

It Feels
Soo Good To
Welcome You!

हैदराबादः रामोजी फिल्म सिटी 8 अक्टूबर से फिर खुल रही है. यहां फिर पारिवारिक मौज मस्ती और छुट्टियों का आनंद लिया जा सकेगा. दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म सिटी और भारत का सबसे खूबसूरत व फेवरेट टूरिस्ट डेस्टीनेशन रामोजी फिल्म सिटी में सिनेमा का जादू, मौज मस्ती के कई आकर्षण मौजूद हैं. यहां हर उम्र के पर्यटकों के लिए तमाम तरह के साधन जिनमें सुंदर गार्डन, फाउंटेन्स, एक्टिविटीज, डांस शो, लाइव स्टंट शो आदि उपलब्ध हैं. पर्यटकों को फिल्म सिटी खुलने का बहुत दिनों से इंतजार था. कोरोना संक्रमण के कारण लगाए गए लॉक डाउन के कारण फिल्म सिटी को भी कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था, लेकिन अब यह पर्यटकों के स्वागत के लिए पूरी तरह सज–धज कर तैयार है.

रामोजी फिल्म सिटी में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए गाइडलाइंस के मुताबिक व्यवस्थाएं की गई हैं. इससे पर्यटकों को सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा. यहां सुरक्षा के लिए कड़े प्रबंध हैं. पर्यटकों के लिए हैंड सेनिटाइजर्स, साफ–सफाई और सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर भी फिल्म सिटी स्टाफ को प्रशिक्षण दिया गया है. चूंकि फिल्म सिटी बहुत बड़े क्षेत्र में फैली हुई है और इसे एक दिन में देख पाना मुश्किल है, इसलिए पर्यटकों के लिए स्पेशल आरामदायक हैरिटेज बसों का इंतजाम किया गया है. इसमें पर्यटकों को एक गाइड भी उपलब्ध होता है जो तमाम जानकारियां देता है. वह फिल्मी सेट्स, विभिन्न फिल्मी लोकेशन्स, लाइव शोज, कई प्रकार के खेल, कई झूले, हाई एक्शन स्टंट और फिल्मों से जुड़ी कई रोमांचक जानकारियां, शोज आदि के बारे में बताता है. रामोजी मूवी मैजिक और स्प्रिट ऑफ रामोजी जीवन भर के यादगार पल होते हैं. बच्चों के

लिए कई प्रकार के आकर्षण हैं तो बड़े–बुजुर्ग यहां आकर युवा हो जाते हैं. फिल्मी जादू के लिए तैयार गार्डन्स, भव्य सेट्स और कई प्रकार की देशी–विदेशी लोकेशंस पर्यटकों को मंत्र–मुग्ध कर देती हैं. इसमें स्पेस ट्रिप, इंटरैक्टिव मूवी मैजिक, एडवेंचर के लिए साहस, इको टूर में बर्ड पार्क और बटरफ्लाई पार्क को महसूस करना अपने आप में एक दिलचस्प अनुभव है. यहां दुनिया भर से तमाम तरह की बर्ड्स लाई गई हैं, ऐसा पार्क भारत में और कहीं देखने को नहीं मिल सकता. भारत की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली के सेट्स को यहां देखा जा सकता है. इन सबके साथ रामोजी फिल्म सिटी के भीतर बहुत ही स्वादिष्ट रेस्तरां, फूड कोर्ट मौजूद हैं. वे दक्षिण भारतीय के साथ ही पंजाबी, गुजराती, मराठी और तमाम तरह के भोजन उपलब्ध कराते हैं. फिल्म सिटी के भीतर ठहरने के इंतजाम भी हैं इसके लिए बजट होटल तारा और लक्जरी होटल सितारा के साथ अन्य विकल्प भी मौजूद हैं. अधिक जानकारी के लिए तंउवरपपिसउबपजल.बवउ पर लॉग ऑन या 180 120 2999 पर कॉल किया जा सकता है.

Join In For Fun
Shows And Endless
Excitement

Experience
Bahubali Set

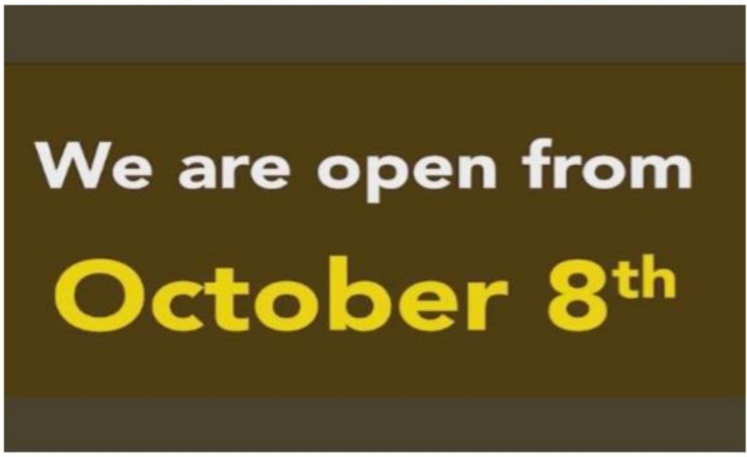
We are open from
October 8th

It's time For
Masti And Cinemagic

With All COVID Precautions

Soo Excited To
Welcome You Back!

'प्रमोशन के लिए 'मनस्वी' की स्टारकास्ट पहुंची दिल्ली'

—मायापुरी प्रतिनिधि

जब भी किसी फिल्म के प्रमोशन की बारी आती है तो उसके स्टारकास्ट दिल्ली का रुख जरूर करते हैं। आनेवाली फिल्म 'मनस्वी' भी इसका अपवाद नहीं रही, तभी तो इस फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में इसकी स्टारकास्ट पिछले दिनों देश की राजधानी में थी। बता दें कि मनोज ठक्कर द्वारा निर्देशित आध्यात्मिक थ्रिलर 'मनस्वी' 8 अक्टूबर, 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कनॉट प्लेस स्थित पीवीआर प्लाजा में आयोजित प्रमोशनल प्रेस कान्फ्रेंस में अभिनेता रवि मित्तल, विशाल चौधरी, निर्माता जयेश राजपाल और सह–निर्माता प्रतीक सांघवी मौजूद थे।

'मनस्वी' की शूटिंग के दौरान हासिल अनुभवों के बारे में विशाल ने बताया, 'हमने इस फिल्म को लॉकडाउन की अवधि में शूट किया है और कोरोनाकाल में भी फिल्म को पूरा करने के लिए मैं इसके निर्माताओं का आभारी हूं। कारोना महामारी के दौरान जब लोग काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब मैं काम कर रहा था। फिल्म में जब मुझे लीड भूमिका दी गई तो मेरे लिए यह दोहरी खुशी का क्षण था, क्योंकि इस फिल्म में आध्यात्मिकता का असली सार है।'

फिल्म के बारे में अभिनेता रवि ने बताया, 'आध्यात्मिक थ्रिलर बनाने के पीछे की सोच सुंदरता का प्रदर्शन करना है, जिसमें हमारी भारतीय विरासत के साथ दर्शकों को जोड़े रखने के लिए इसमें मर्डर मिस्ट्री एक दिलचस्प तत्व के साथ मौजूद है।'

Kartik Aaryan, Ekta Kapoor And Alaya F Starrer Film FREDDY Wrap-up Party

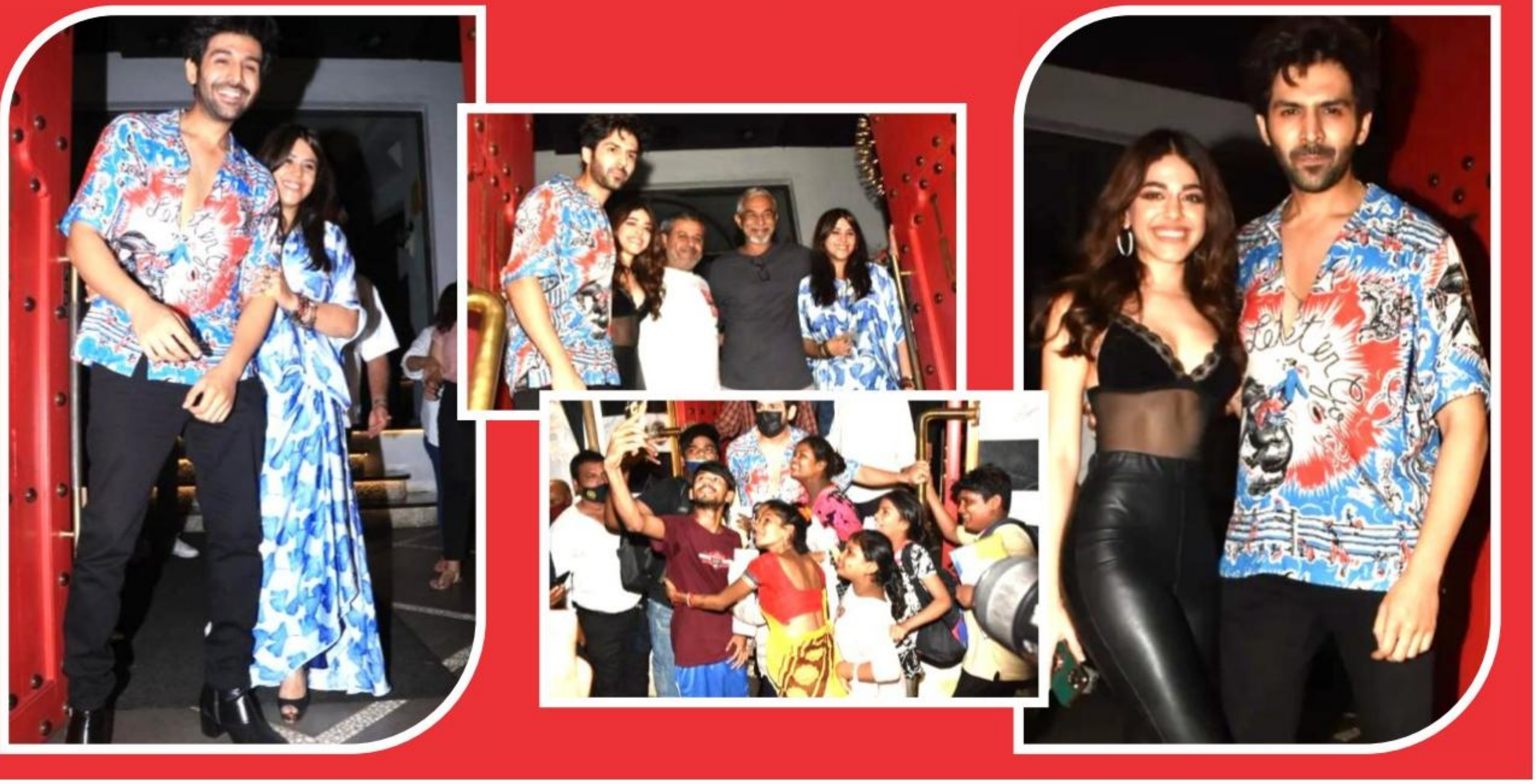

मुंबई के प्रेस क्लब में एक यूनिक रियलिटी शो 'हम हैं गली गाइस बॉयज एंड गर्ल्स' हुआ लांच !

शो के ऑर्गनाइजर्स 2 बच्चे शम्स राठौड़ और जयंत बगदा हैं

प्रस्तुति राकेश दवे

Presents
Hum Hai
GULLY GUYS
Boys & Girls
Talent Hunt India 2021
Facilities for 3 Days : Ramp walk | Make over
Grooming | All Meals Inc TV Reality Show
Choreography | Photoshoot
SHOW IN MUMBAI
AGE LIMIT
Chance
take,
Retake
uditions
FREE REGISTER NOW !
gullyguys2021
@GullyGuys
sion@gmail.com | www.priyafilmscinevision.com
Event Management & PR
FAME★MEDIA

रियलिटी शोज की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए आज मुम्बई में एक अनोखे किस्म का रियलिटी शो "हम हैं गली गाइस बॉयज एंड गर्ल्स" (Hum Hai Gully Guys Boys & Girls) लांच किया गया। इस टैलेंट हंट शो की खास बात यह है कि इसके ऑर्गनाइजर्स 2 बच्चे शम्स राठौड़ और जयंत बगदा हैं। इस रियलिटी शो की प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन मुम्बई के प्रेस क्लब में किया गया जहां मीडिया की भारी संख्या मौजूद थी।

इस टैलेंट हंट इंडिया 2021) आगामी फैशन शो में सभी प्रकार के कलाकारों को मौका मिलेगा। इसमे हिस्सा लेने के लिए फ्री रजिस्ट्रेशन किया जा सकेगा। इस मे भाग लेने के लिए कोई उम्र की सीमा नहीं होगी और इस मे न कोई टेक है, न कोई रीटेक और कोई ऑडिशन नहीं। इस अनोखे फैशन शो में रैंप वॉक, रियलिटी शो, कोरियोग्राफी, फोटोशूट, मेक ओवर, ग्रूमिंग शामिल रहेगी।

Hum Hai
GULLY GUYS
Boys & G
FREE REGISTER
NO AGE LIMIT
One Chance

ऑर्गनाइजर शम्स राठौड़ ने बताया कि ये शो 3 दिन तक चलता रहेगा। तो अगर आप कलाकार हैं तो आप पंजीकरण करें और इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

3 दिनों के होने वाले इस इवेंट में फ्री रजिस्ट्रेशन होगा, ऑडिशन नहीं लिया जाएगा। यह शो मुम्बई के किसी बड़े रिसोर्ट या फाइव स्टार होटल में होगा।

सलमान खान द्वारा एंकर किए जा रहे शो बिग बॉस का फैसला 3 महीने बाद होता है जबकि हम हैं गली गाइस का फिनाले ग्रूमिंग के साथ 3 दिनों में रखा जाएगा।

इस रियलिटी शो के लॉन्च पर इससे जुड़े कई लोग मौजूद रहे। ऑर्गनाइजर्स बच्चे शम्स राठौड़ और जयंत बगदा के अलावा नदीम शेख, प्रिया बगदा, इकबाल वोरा, प्रिया राठौड़, नितिन तायड़े (अध्यक्ष मारिया क्रिकेट अकादमी आजाद मैदान), मुश्ताक चनावाला (वाईस प्रेसिडेंट) उपस्थित रहे।

Hum Hai
GULLY GUYS
Boys & Girls
Talent Hunt India 2021
Facilities for 3 Days : Ramp walk | Make over
Grooming | All Meals Inc TV Reality Show
Choreography | Photoshoot
SHOW IN MUMBAI
NO AGE LIMIT
One Chance
No take,
No Retake
No Auditions
FREE REGISTER NOW !

यह रियलिटी शो अपने आप मे एक अलग तरह का कॉन्सेप्ट रखता है जहां पहली बार ऐसा हो रहा है कि दो कम उम्र के बच्चे इस तरह के फैशन शो, रैम्प वॉक का आयोजन कर रहे हैं। दोनो बच्चों शम्स और जयंत की बातों में जो कांफिडेंस दिख रहा था उससे लग रहा था कि दोनों ने काफी तैयारी की है। हालांकि उन्होंने कहा कि उनके माता पिता का इस पूरे मामले में काफी सपोर्ट रहेगा, क्योंकि परेंट्स ने उनकी बहुत हौसला अफजाई की है और हम चाहते हैं कि देश भर की प्रतिभाएं इस प्रतियोगिता में भाग लें, हमारी टीम उनके टैलेंट को तराशेगी निखारेगी और उन्हें परफॉर्म करने के लिए प्लेटफॉर्म मुहय्या करवाएगी।

प्रिया बगदा ने बताया कि इस रियलिटी शो के विनर्स को प्रिया फिल्म्स सिने विजन के बैनर तले बनने वाले म्यूजिक वीडियो और फिल्मों में अभिनय का चांस भी दिया जाएगा। प्रिया फिल्म्स सिने विजन प्रेजेंट्स हम हैं गली गाइस में हिस्सा लेने के लिए और इस मामले में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए आप इस वेबसाइट पर जाकर डीटेल देख सकते हैं।www-priyafilmscinevision-com

इस रियलिटी शो में इवेंट मैनेजमेंट एंड पीआर की जिम्मेदारी फेम मीडिया (वसीम सिद्दीकी और नजमा शेख) द्वारा निभाई जा रही है।

जय महाकाल

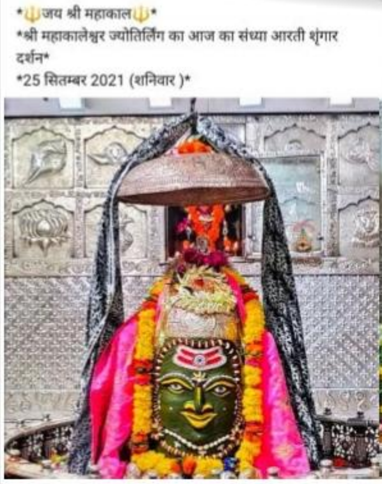
🔱जय श्री महाकाल🔱
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन
25 सितम्बर 2021 (शनिवार)

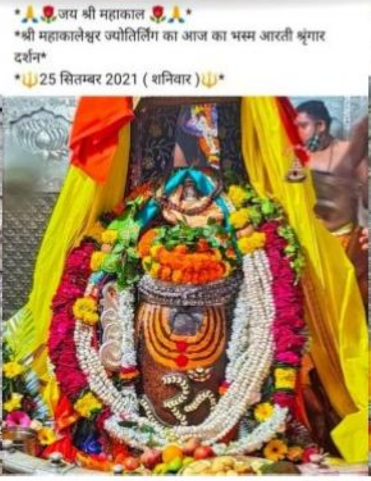
🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱25 सितम्बर 2021 (शनिवार)🔱

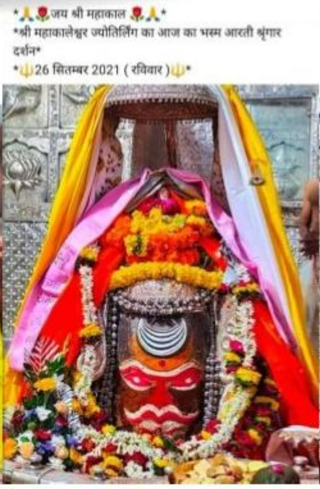
🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱26 सितम्बर 2021 (रविवार)🔱

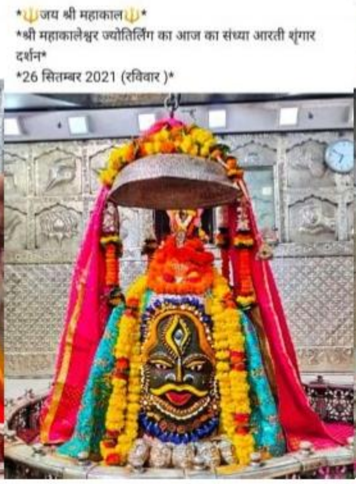
🔱जय श्री महाकाल🔱
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन
26 सितम्बर 2021 (रविवार)

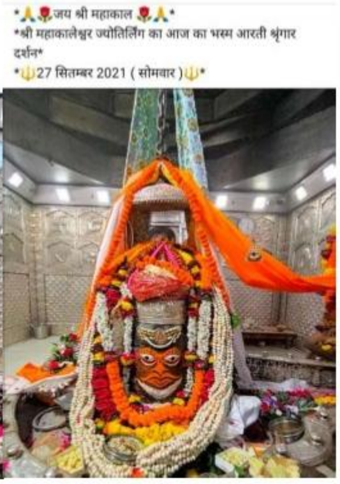
🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱27 सितम्बर 2021 (सोमवार)🔱

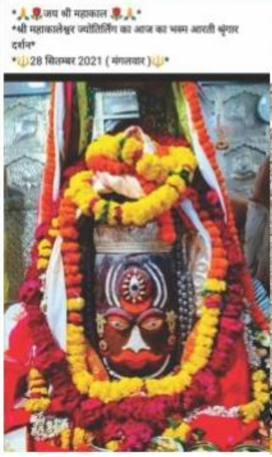
🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱28 सितम्बर 2021 (मंगलवार)🔱

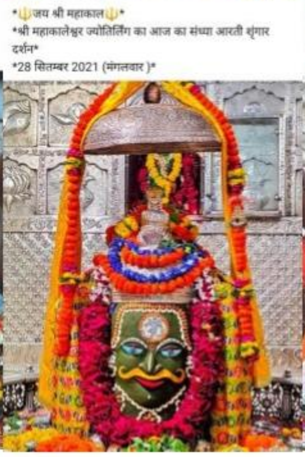
🔱जय श्री महाकाल🔱
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन
28 सितम्बर 2021 (मंगलवार)

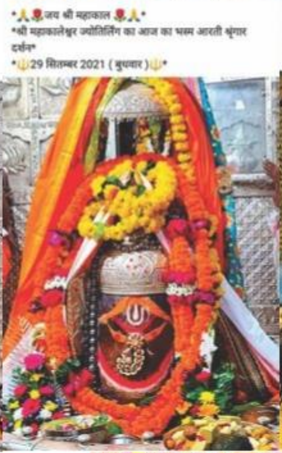
🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱29 सितम्बर 2021 (बुधवार)🔱

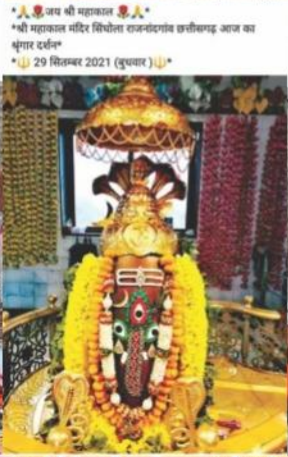
🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकाल मंदिर सिंघोला राजनांदगांव छत्तीसगढ़ आज का श्रृंगार दर्शन
🔱 29 सितम्बर 2021 (बुधवार)🔱

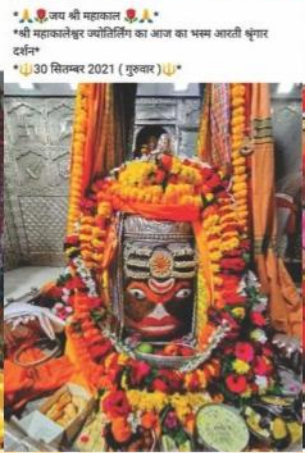
🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱30 सितम्बर 2021 (गुरुवार)🔱

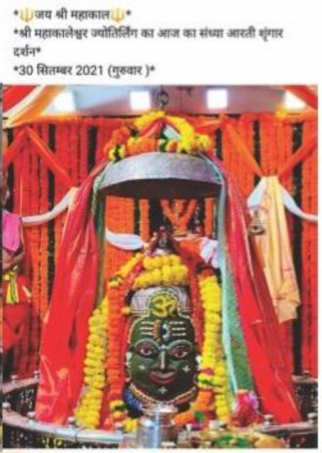
🔱जय श्री महाकाल🔱
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का संध्या आरती शृंगार दर्शन
30 सितम्बर 2021 (गुरुवार)

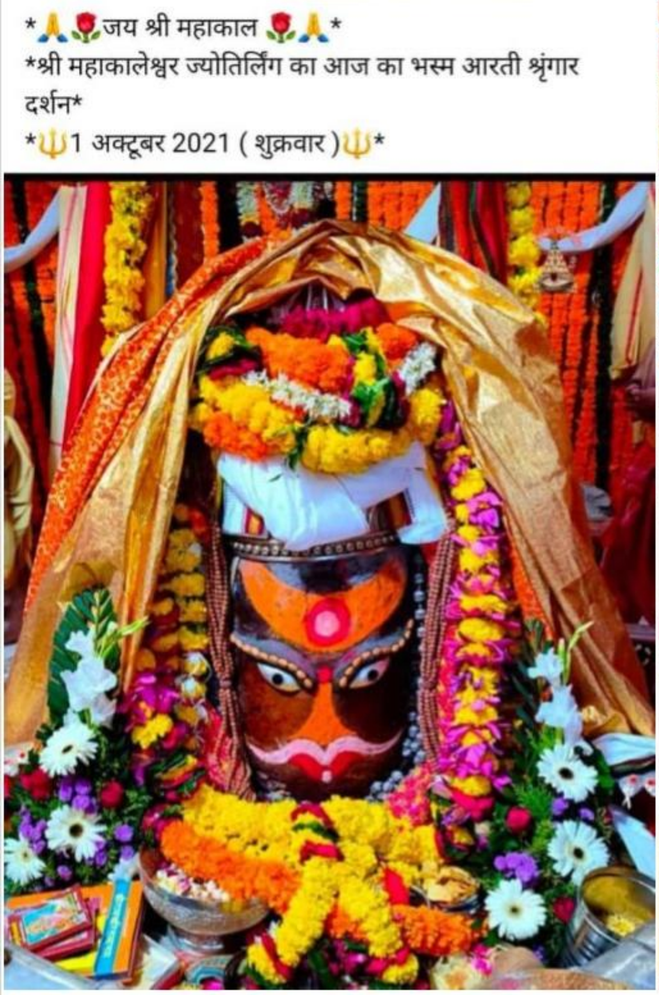
🙏🌹जय श्री महाकाल 🌹🙏
श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का आज का भस्म आरती श्रृंगार दर्शन
🔱1 अक्टूबर 2021 (शुक्रवार)🔱

साभार
पुजारी श्री रमण त्रिवेदी

smarttyyyy

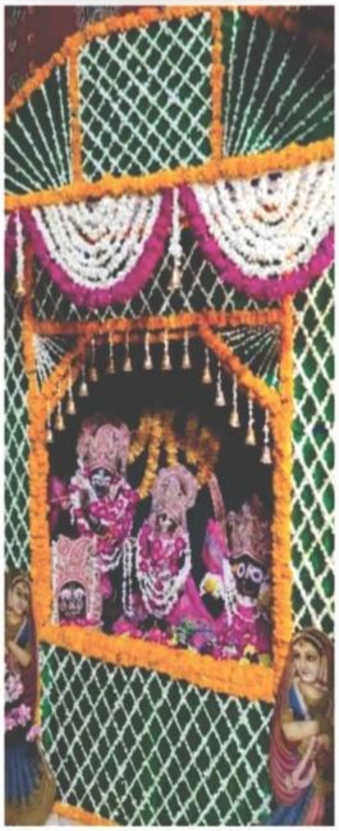

ॐ ॐ 🌹 जय श्री कृष्णा!! 🌹 ॐ ॐ

भारत के महान प्रसिद्ध तीर्थ स्थल

गंगा

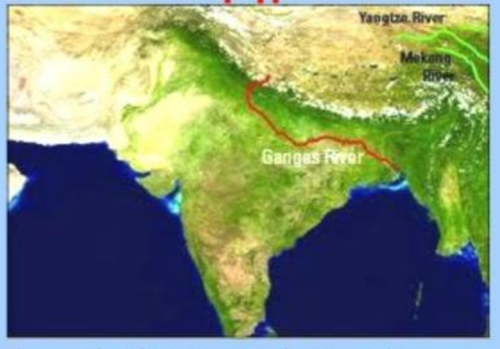
Yangtze River
Mekong River
Ganges River

गंगा भारत की पवित्रतम नदी है। सूर्यवंशी राजा भगीरथ इसे धरती पर लायें।

उदगम स्थल उत्तर काशी जिले में गंगोत्री शिखर पर गोमुख।

गंगा किनारे प्रमुख स्थल – ऋषिकेश, हरिद्वार, प्रयाग, काशी, पाटलीपुत्र आदि।

गोमुख से गंगासागर तक 1450 कि0मी0 लम्बाई।

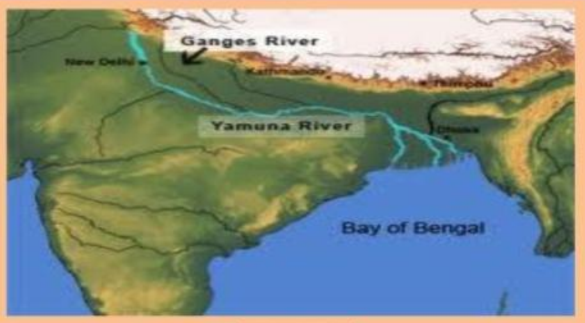
Ganges River
New Delhi
Kathmandu
Thimphu
Yamuna River
Dhaka
Bay of Bengal

यमुना

यमुना उदगम स्थल यमनोत्री शिखर है।

यमुना किनारे प्रमुख स्थल – दिल्ली, मथुरा, वृन्दावन, आगरा।

यह गंगा के समानान्तर बहते हुए प्रयाग में गंगा में मिल जाती है तथा गंगा के साथ – साथ गंगासागर तक जाती है।

सिंधु

सिंधु नदी भारतवर्ष की ही नहीं विश्व की विशाल नदी है।

उदगम स्थल – तिब्बत में स्थित कैलाश मानसरोवर के पास

बहाव – तिब्बत में 250 कि0मी0। जम्मू कश्मीर में 550 कि0मी0। शेष 2380 कि0मी0 पाकिस्तान में। कुल लम्बाई 3180 कि0मी0।

वैदिक संस्कृति का विकास इसी के किनारे हुआ। मोहन जोदडो व हड़प्पा संस्कृति इसी के किनारे थी।

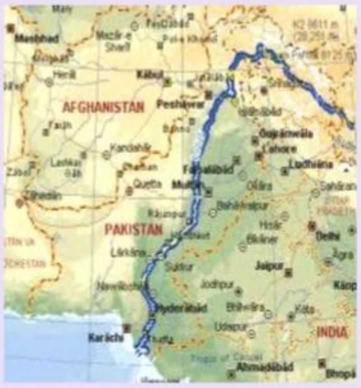
Mashhad
Kabul
AFGHANISTAN
Peshawar
Lahore
Ludhiana
Multan
Quetta
Faisalabad
PAKISTAN
Delhi
Jaipur
Jodhpur
Hyderabad
Karachi
INDIA
Ahmadabad

सरस्वती

उदगम स्थल – हिमालय

बहाव – हरियाणा, राजस्थान, गुजरात होती हुई सिंधु सागर (अरब सागर) में मिलती है।

वर्तमान में यह ऊपर से विलुप्त हो गई है। लेकिन आज भी हरियाणा और राजस्थान प्रदेशों में अन्दर ही अन्दर प्रवाहित होने की खोज मिल रहीं है।

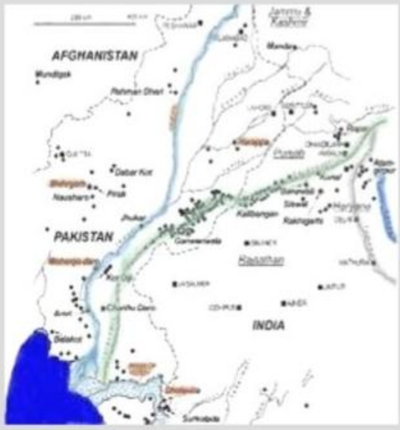
AFGHANISTAN
PAKISTAN
Rajasthan
INDIA

गण्डकी

उदगम स्थल – नेपाल में मुक्तिनाथ से थोड़ा आगे दामोदर कुण्ड से निकलती है।

बहाव – बिहार राज्य में प्रवेश करती है और गंगा में मिल जाती है।

इस नदी में प्राकृतिक और विभिन्न स्वरूप वाले शालिग्राम प्राप्त होते है।

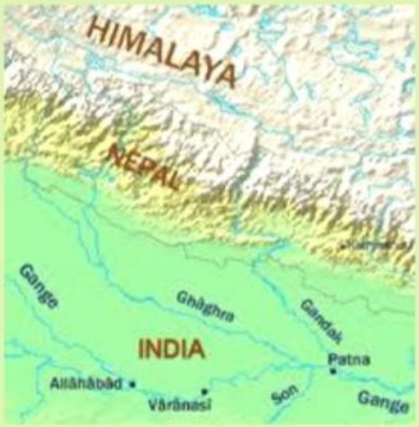
HIMALAYA
NEPAL
Ganga
Ghāghra
Gandak
INDIA
Patna
Allāhābād
Vārānasi
Son
Ganga

ब्रह्मपुत्र

उदगम स्थल – पवित्र मानसरोवर के पास एक विशाल हिमानी है।

बहाव – तेजपुर, गुवाहाटी, डिब्रुगढ़, शिवसागर आदि।

तिब्बत में इसको सांपो तथा अरूणाचल व असम में इसे लोहित कहा जाता है।

लम्बाई – 2900 कि0मी0

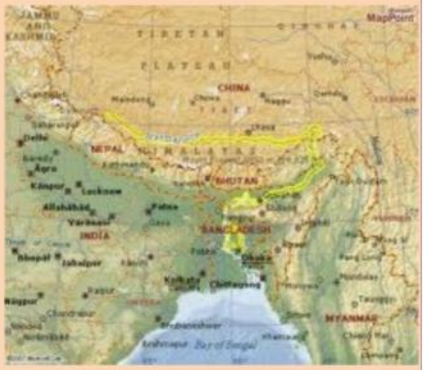
MapPoint
TIBETAN PLATEAU
CHINA
NEPAL
BHUTAN
BANGLADESH
INDIA
MYANMAR
Bay of Bengal

मायापुरी

बॉलीवुड की और खबरें पढ़ने के लिए नीचे दिए हुए लिंक पर क्लिक करें और मायापुरी की दुनिया का आनंद लें!

www.mayapurimagazine.com

मायापुरी के YouTube चैनल से जुड़ें और दिन भर की बॉलीवुड हलचल से अपडेटेड रहें!

YouTube

www.youtube.com/MayapuriCut

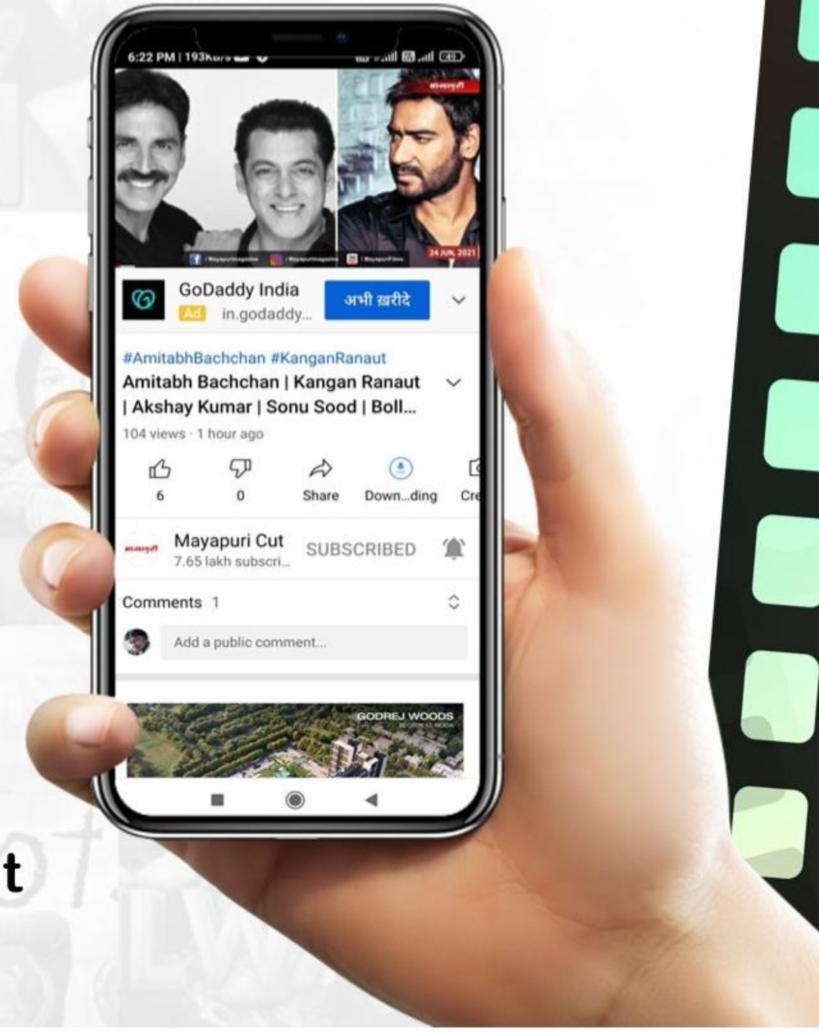
6:22 PM
GoDaddy India
Ad in.godaddy...
अभी ख़रीदें
#AmitabhBachchan #KanganRanaut
Amitabh Bachchan | Kangan Ranaut | Akshay Kumar | Sonu Sood | Boll...
104 views · 1 hour ago
6
0
Share
Down...ding
Mayapuri Cut
7.65 lakh subscri...
SUBSCRIBED
Comments 1
Add a public comment...
GODREJ WOODS